CERAMIC ACADEMY

Shaping the future...

राजस्थान भूगोल

E-Book

According to
New Syllabus of
RPSC 2026

- Included Previous Year Question
- Latest & Updated Content

By **VIKAS GUPTA SIR**

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY
Opposite Health Point Hospital,
80 Feet Road, Mahesh Nagar,
Jaipur - 302019

+91 97005 - 77774
+91 97005 - 77778

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future....
RAS RESULT 2024
#TRANSPARENT RESULT
Dedication + Guidance + Smart Strategy = Success
OUR TOP RANKERS – OUR PROUD MOMENT
1 DINESH BISHNOI RAS MAINS COMBO COURSE
2 VIRENDRA CHARAN RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
8 SHALLU RAS MAINS COURSE (HINDI+ENGLISH)
15 ABHAY SINGH RAS MAINS PUB.AD. & ETHICS
22 VIRENDRA GADHWAL RAS MAINS COMBO COURSE
23 SAHDEV BIDADA RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
26 AANCHAL NAGPAL RAS PRE COMBO, MAINS ONLINE TEST SERIES
32 DIVYARAJ SINGH RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
41 PRASHASTI SINGH RAS MAINS ECONOMY
44 AMIT PARIHAR RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
49 RAMAVATAR MUNDEL LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
56 ANJALI JOSHI LIBRARY PROGRAM MAINS COMBO COURSE, MAINS OFFLINE TEST SERIES
60 RAJA RAM TETARWAL RAS FOUNDATION BATCH
65 ARIMARDAN SINGH RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
73 JAYESH CURRENT AFFAIRS COURSE
74 MAHENDRA DAN LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
76 SIDDHARTH DHAKAD RAS MAINS COMBO COURSE RAS PRE COMBO BATCH RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
79 NITESH GUPTA LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
84 SHYAM SUNDER MEENA RAS MAINS COMBO COURSE RAS MAINS ONLINE TEST SERIES RAS PRE COMBO
92 RIYA SHARMA RAS MAINS COMBO COURSE
OUR COURSES
RAS FOUNDATION BATCH
RAS MAINS COMBO COURSE
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RAS MAINS ECONOMY
CURRENT AFFAIRS COURSE
RAS PRE COMBO BATCH, MAINS ONLINE TEST SERIES
LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
RAS MAINS COURSE (HINDI + ENGLISH)
RAS MAINS PUB. AD. & ETHICS
RIGHT GUIDANCE
RIGHT STRATEGY
RIGHT RESULTS
EXPERT FACULTY
PROVEN STRATEGY
PERSONALIZED MENTORSHIP
REGULAR TEST SERIES
SMART STUDY MATERIAL
CERAMIC ACADEMY
Opposite Health Point Hospital, 80 Feet Road, Mahesh Nagar, Jaipur - 302019
+91 97005 - 77774
+91 97005 - 77778
www.ceramicacademy.in
ADMISSIONS OPEN
Prepare Smart, Achieve Success!

INDEX

S.N.	Topic Name	Page. No.	RAS (Pre.)	RAS (Mains)	PSI	Ist Grade	IInd Grade	EORO
1.	राजस्थान का सामान्य परिचय	1-3	✓	×	✓	✓	✓	✓
2.	राजस्थान की उत्पत्ति, स्थिति एवं विस्तार	4-13	✓	×	✓	✓	✓	✓
3.	राजस्थान के भौतिक प्रदेश	14-53	✓	✓	✓	✓	✓	✓
4.	जलवायु	54-70	✓	✓	✓	✓	✓	✓
5.	अपवाह तंत्र (नदियाँ व झीलें)	71-102	✓	✓	×	✓	✓	✓
6.	प्राकृतिक वनस्पति एवं वन	103-122	✓	✓	✓	✓	✓	✓
7.	मृदा संसाधन	123-132	✓	✓	×	✓	×	✓
8.	प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ	133-147	×	×	✓	×	×	✓
9.	कृषि (प्रमुख फसलें)	148-167	✓	✓	×	✓	✓	✓
10.	पशुपालन व डेयरी विकास	168-182	✓	×	×	✓	✓	×
11.	खनिज संसाधन	183-211	✓	✓	✓	✓	×	✓
12.	ऊर्जा	212-225	×	×	×	✓	×	✓
13.	प्रमुख उद्योग	226-255	×	×	✓	✓	✓	✓
14.	जनसंख्या	256-275	✓	✓	✓	✓	✓	✓
15.	नगरीकरण	276-279	✓	✓	✓	✓	✓	✓
16.	वन्य जीव एवं जैव विविधता	280-297	✓	✓	✓	✓	×	✓
17.	पर्यटन स्थल एवं परिपथ	298-308	✓	✓	×	✓	✓	✓
18.	परिवहन	309-320	×	×	×	✓	×	×
19.	यूनेस्को की भू-पार्क एवं भू-धरोहर स्थल संकल्पना	321-325	×	✓	×	×	×	×
20.	प्रमुख पर्यावरण संबंधी मुद्दे	326-339	×	×	×	×	×	×
21.	प्रमुख जनजातियाँ	340-354	✓	✓	×	×	✓	×

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

SYLLABUS-2026

RAS Mains

- भौतिक विभाग
- प्रमुख नदियाँ एवं झीलें।
- जलवायु विशेषताएं एवं उनका वर्गीकरण।
- प्राकृतिक वनस्पति, वन्यजीव तथा जैव विविधता ।
- मृदा संसाधन
- **कृषि :-** प्रमुख फसलें उत्पादन व वितरण।
- **खनिज संसाधन :-** प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग।
- जनसांख्यिकी विशेषताएं
- जनजातियाँ ।
- यूनेस्को की भू-पार्क एवं भू-धरोहर स्थल संकल्पना राजस्थान में संभावनाएं।
- पर्यटन

RAS Pre

- **राजस्थान:-** अवस्थिति, विस्तार तथा भौतिक विभाग
- नदियाँ एवं झीलें
- जलवायु की विशेषताएं
- प्राकृतिक वनस्पति, जैव विविधता तथा संरक्षण
- मृदा
- कृषि
- पशुधन
- सिंचाई
- **जनसंख्या:-** वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात
- नगरीकरण
- जनजातियाँ
- **खनिज:-** धात्विक एवं अधात्विक
- पर्यटन

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

PSI

- प्रमुख भौतिक विशेषताएं और मुख्य भू-आकृतिक विभाजन।
- राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन।
- जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, वन, वन्यजीव और जैव-विविधता।
- प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं।
- खानें और खनिज।
- जनसंख्या।
- प्रमुख उद्योग और औद्योगिक विकास की संभावनाएं।

प्राक्कथन

प्रिय अभ्यर्थियों,

RPSC RAS, PSI, 1st Grade, EO/RO एवं RSSB सहित राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु **राजस्थान भूगोल** विषय की यह पाठ्यपुस्तक एक बेहतर पठन सामग्री के साथ आप के समक्ष प्रस्तुत की गई है, जिसमें RPSC की नवीनतम प्रणाली (Latest Pattern) और **राजस्थान के नवीनतम 41 जिलों के अनुसार** Content को Update किया गया है।

- **सन्दर्भ के तौर पर प्रामाणिक पाठ्यसामग्री का भी प्रयोग किया गया है, जैसे-**
  - माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर (RBSE)
  - हिंदी ग्रन्थ अकादमी
  - नवीनतम राजस्थान आर्थिक समीक्षा
  - राजस्थान सुजस-सार
  - सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार (DIPR)
  - सरकारी रिपोर्ट्स और अद्यतित आंकड़े (वन विभाग, उद्योग विभाग, कृषि विभाग इत्यादि)

  यह पुस्तक राजस्थान भूगोल विषय की जटिल अवधारणाओं को सरल और रुचिकर ढंग से समझाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। पुस्तक में कई जगह Infographics का भी प्रयोग देखने को मिलेगा, जिससे विषयवस्तु को छवि के रूप में याद रखा जा सकता है। साथ ही 'भूगोल' विषय की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए पुस्तक में उपयुक्त मानचित्रों का भी प्रयोग किया है, जिससे अधिक तथ्यों को एक साथ याद रखने में सहजता होती है।

- मुख्य परीक्षा हेतु आवश्यक तथ्यों और विश्लेषणात्मक सामग्री का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि यह पुस्तक **प्रारंभिक परीक्षा के साथ-साथ मुख्य परीक्षा की तैयारी में भी उपयोगी** सिद्ध हो सके।
- अध्ययन में सहजता और रुचि बनी रहे, इसके लिए पाठ्यसामग्री को रंगीन बनाया गया है और चित्रों और तालिकाओं के माध्यम से विषयवस्तु को Visual रूप से दिखाने का प्रयास किया गया है।
- अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान, सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि हमने पढ़ तो लिया, लेकिन इन Exams को समर्पित सारे **प्रश्न अभ्यास हेतु एक स्थान पर** कैसे मिलें। इसलिए इसे ध्यान में रखते हुए पुस्तक में **RPSC के 2011 से 2025 तक के 1500 वैकल्पिक प्रश्नों का Topic wise समावेश** किया गया है।
- Objective **प्रश्नों के साथ ही** RPSC RAS **परीक्षा के** Subjective **प्रश्नों का भी** Topic wise **संकलन** इस पुस्तक की अद्वितीय विशेषता है। RPSC के पूछे गए प्रश्न का प्रत्येक कथन महत्वपूर्ण है और कई प्रश्नों में यह अतिरिक्त जानकारी (additional facts) के रूप में आपको Add On भी करना होगा।
- यह पुस्तक राजस्थान भूगोल विषय हेतु One Stop Solution के रूप में सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु लाभदायक सिद्ध होगी।

विकास गुप्ता

Ceramic Academy

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

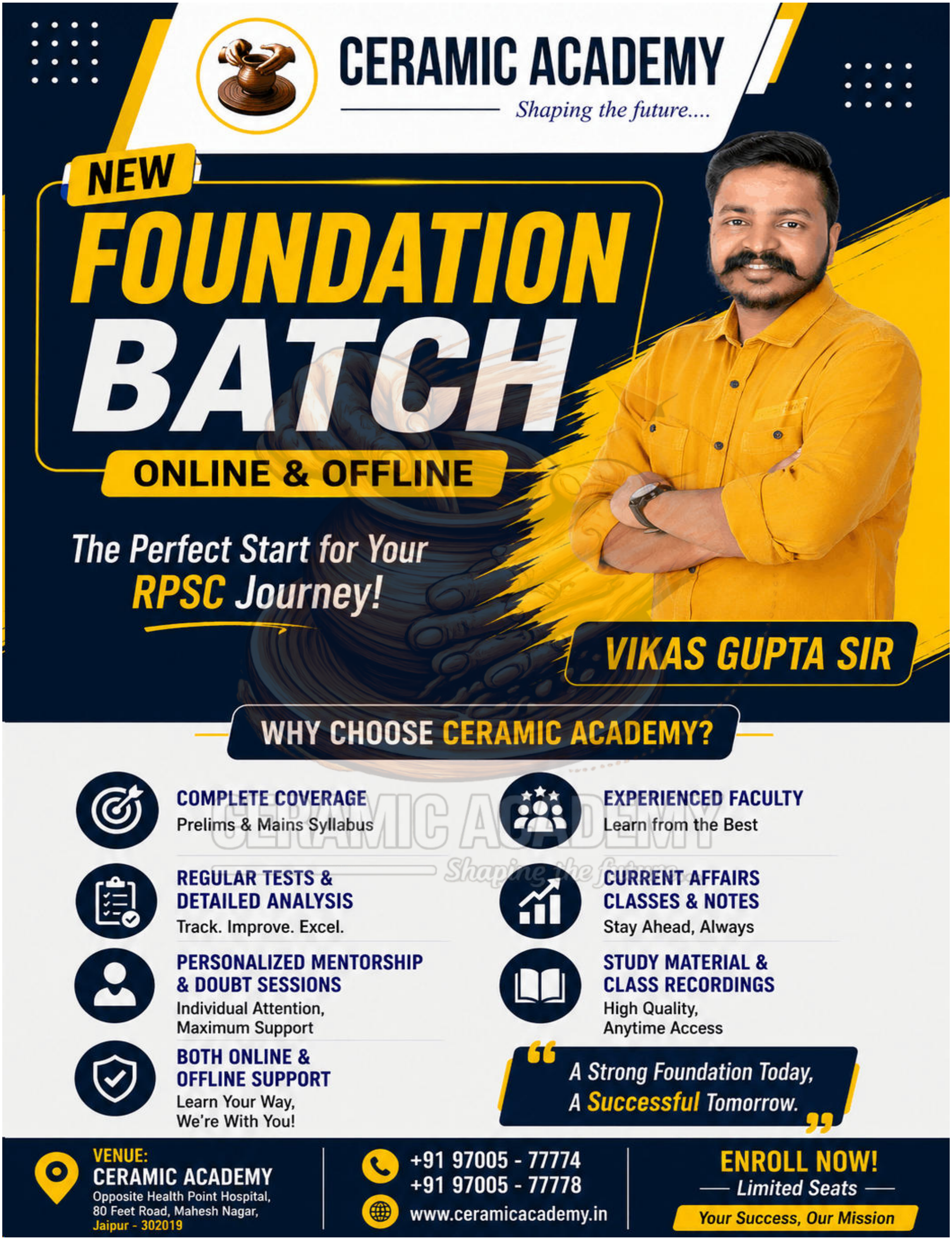

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

1 राजस्थान का सामान्य परिचय

वर्तमान राजस्थान का निर्माण ऐतिहासिक घटनाक्रम का प्रतिफल है यह क्षेत्र प्राचीन काल से मानव को प्रश्रय देता रहा है तथा प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ा हुआ था। यह तथ्य राज्य के अनेक भागों के उपलब्ध पुरातत्त्व अवशेषों से स्पष्ट होता है कि यहाँ का भूगोल और इतिहास एकाकार हो गया हो।

- 1949 ई. से पूर्व राजस्थान नाम से किसी भौगोलिक इकाई का अस्तित्व नहीं था।1800 ई. में जॉर्ज थॉमस ने इस भू-भाग के लिए **'राजपूताना'** शब्द का प्रयोग किया।
- 1829 ई. में कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी पुस्तक **'एनाल्स एण्ड एंटिक्विटीज ऑफ राजस्थान'** में इस प्रदेश का नाम राजस्थान का प्रयोग किया गया।
- प्राचीन साहित्य व अभिलेखों में वर्तमान राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के अलग-अलग नाम मिलते हैं।
- कुछ क्षेत्रों का नाम उनकी भौगोलिक विशेषताओं तथा कुछ का नाम वहाँ बसी जातियों और भाषागत कारकों पर आधारित था।
- राजस्थान के प्राचीन नामों में मरु, धन्व, जांगल, मत्स्य, और शूरसेन का उल्लेख ऋग्वेद में भी मिलता है।
- मरु और धन्व दोनों का अर्थ समान है और इनका प्रयोग जोधपुर संभाग के मरूस्थल के लिए किया जाता था; जोधपुर पहले मरू, फिर मरूवार कहलाता था तथा बाद में मारवाड़ नाम से जाना गया।
- जांगल शब्द उन क्षेत्रों के लिए प्रयुक्त होता था जहाँ शमी, कैर या पीलू के वृक्ष पाए जाते हो; बीकानेर, नागौर तथा इनके आसपास का क्षेत्र जांगल देश कहलाता था।
- महाभारत में वर्णित मत्स्य राज्य जयपुर, अलवर और भरतपुर तक विस्तृत था; इसकी राजधानी विराटनगर थी।
- भरतपुर के मथुरा से सटे भाग, धौलपुर और करौली के अधिकांश क्षेत्र शूरसेन राज्य में सम्मिलित थे; जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है।

क्षेत्र / राज्य	प्राचीन नाम / संबद्ध क्षेत्र
बीकानेर	जांगल प्रदेश
झालावाड़	दशपुर/पाल्लन
अजमेर–नागौर मध्य	सपादलक्ष (चौहानों का अधिकार)
अलवर (समीपवर्ती क्षेत्र)	कुरु
बाँसवाड़ा	बागड़/ व्याग्रघाट
गंगानगर	यौद्धेय / जोहयावाटी
भरतपुर, धौलपुर, करौली	शूरसेन देश
कोटपुतली-बहरोड़	विराटनगर
उदयपुर/ चित्तौड़गढ़	शिवि

क्षेत्र / राज्य	प्राचीन नाम / संबद्ध क्षेत्र
कोटा – बूँदी	हयहय
उदयपुर क्षेत्र	मेदपाट / प्राग्वाट
डूँगरपुर–बाँसवाड़ा	वागड़
जोधपुर	मरु / मारवाड़
जोधपुर–पाली	गुर्जरत्रा
सिरोही	अर्बुद (आबू) देश/ चन्द्रावती
जैसलमेर	मांड/ वल्ल/ दुंगल
कोटा–बूँदी	हाड़ौती

भौगोलिक विशेषताओं पर आधारित नाम

- **कांठल** – माही नदी के किनारे वाला प्रतापगढ़ का क्षेत्र।
- **छप्पन का मैदान** – प्रतापगढ़–बाँसवाड़ा के बीच, 56 गाँवों के समूह में माही नदी द्वारा निर्मित।
- **ऊपरमाल** – भैंसरोड़गढ़ से बिजौलिया तक का पठारी क्षेत्र।
- **गिरवा** – उदयपुर के आसपास का पर्वतीय क्षेत्र
- **ढूंढाड़** – जयपुर के आस – पास ढूंढ नदी का प्रवाह क्षेत्र।
- **थली** – चूरू-सरदारशहर के आस - पास का क्षेत्र।
- **मेवल/ देवलिया** – डूँगरपुर-बांसवाड़ा के बीच का क्षेत्र।

क्या आप जानते हैं?

- ऋग्वेद में राजस्थान को ब्रह्मवर्त कहा गया है।
- वाल्मीकि रामायण में राजस्थान को **मरूकांतार** कहा है।
- राजस्थान शब्द का पहला अभिलेख प्रमाण विक्रम संवत 682 (625 ई.) के बसंतगढ़ अभिलेख (सिरोही) में मिलता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

भाषा के आधार पर प्राचीन/क्षेत्रीय नाम

- **मांड** – जैसलमेर का प्राचीन नाम
- **वागड़** – डूँगरपुर–बाँसवाड़ा क्षेत्र
- **हाड़ौती** – कोटा व बूँदी क्षेत्र
- **शेखावाटी** – सीकर, झुंझुनूं, चूरू

राजस्थान के एकीकरण के चरण

चरण	नाम	शामिल रियासतें / परिवर्तन	तारीख
प्रथम	मत्स्य संघ	अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली	18-03-1948
द्वितीय	राजस्थान संघ	बाँसवाड़ा, बूँदी, डूँगरपुर, झालावाड़, किशनगढ़, कोटा, प्रतापगढ़, शाहपुरा, टोंक	25-03-1948
तृतीय	संयुक्त राज्य राजस्थान	उदयपुर, राजस्थान संघ में शामिल	18-04-1948
चतुर्थ	वृहत् राजस्थान	बीकानेर, जयपुर, जैसलमेर और जोधपुर, सं.रा. राजस्थान में शामिल	30-03-1949
पंचम	संयुक्त राज्य वृहत् राजस्थान	वृहत् राजस्थान में मत्स्य संघ का विलय	15-05-1949
षष्ठ	संयुक्त राजस्थान	सं.रा. वृहत् राजस्थान में सिरोही का विलय	26-01-1950
सप्तम	पुनर्गठित राजस्थान	'ग' श्रेणी का अजमेर राज्य, आबूरोड़ तालुका, सिरोही रियासत का बम्बई राज्य में मिला भाग, मध्य भारत का सुनेल टप्पा शामिल	01-11-1956

राजस्थान के प्रतीक चिन्ह

(1) ऊँट : राज्य का पालतू पशु

- **वैज्ञानिक नाम** — *Camelus dromedarius* (केमेलस ड्रोमेडेरिस)
- **राज्य के पालतू पशु का दर्जा** — 19 सितम्बर 2014
- **भारत में सर्वाधिक ऊँट** — राजस्थान (84.43%)
- **ऊँट महोत्सव** — जोहड़बीड़ (बीकानेर)
- **राजस्थान में सर्वाधिक ऊँट** — जैसलमेर
- **राजस्थान में न्यूनतम ऊँट** — प्रतापगढ़
- **अनुसंधान व संस्थाएँ:-** केन्द्रीय ऊँट अनुसंधान केंद्र जोहड़बीड़, बीकानेर
  - **स्थापना** — 5 जुलाई 1984
  - **संचालित** — ICAR (Indian Council of Agriculture Research)

(2) राज्य का शास्त्रीय नृत्य :- कत्थक

- यह नृत्य राजस्थान से प्रारम्भ माना जाता है।
- **प्रवर्तक** — भानूजी (जयपुर घराना)
- **प्रमुख कलाकार** — बिरजू महाराज, लच्छू महाराज, प्रेरणा श्री माली

(3) राज्य कवि — सूर्यमल मीसण

- **जन्म** — हरणा गाँव, बूँदी
- बूँदी के शासक रामसिंह प्रथम के दरबारी विद्वान।
- **प्रथम रचना** — रामरंजाट (10 वर्ष की उम्र में)
- **अन्य प्रमुख रचनाएँ** — वंश भास्कर, वीर सतसई, सती रासो, छंद मयूख

(4) राज्य वाद्ययंत्र — अलगोजा

- यह एक **सुषिर (हवा से बजने वाला) वाद्य यंत्र** है।
- **प्रमुख कलाकार** — रामनाथ चौधरी (नाक से बजाने के लिए विख्यात है)
- मुख्यतः **भील एवं कालबेलिया जाति** द्वारा बजाया जाता है।

(5) राज्य पुष्प — रोहिड़ा

- **वानस्पतिक नाम** — *Tecomella undulata* (टिकोमेला अंडुलाटा)
- **उपयोग** — इमारती लकड़ी एवं फर्नीचर
- **राज्य पुष्प का दर्जा** — अक्टूबर 1983
- **उपनाम** — *राजस्थान की मरुशोभा*
- **उपनाम** — *मरूस्थल का सागवान*
- **राजस्थान में सर्वाधिक रोहिड़ा** — पश्चिमी राजस्थान

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(6) राज्य वृक्ष — खेजड़ी

- **वानस्पतिक नाम** — *Prosopis cineraria* (प्रोसोपिस सिनेरिया)
- **राज्य वृक्ष का दर्जा** — अक्टूबर 1983
- **फूल** — *मींझर*
- **पत्तियाँ** — *लूंग*
- **फल** — *सांगरी / खोखा*
- **राजस्थान में सर्वाधिक खेजड़ी** — शेखावाटी क्षेत्र
- **धार्मिक संबंध** — खेजड़ी के नीचे थान केसरिया कुंवरजी, गोगाजी, झुंझारजी की पूजा होती है।
- **महत्वपूर्ण तथ्य–**
  - बीकानेर के *राज्यचिह्न **"माटो"*** में खेजड़ी दर्शाई गई है।
  - **खेजड़ली दिवस** — 12 सितम्बर (पहला: 12 सितम्बर 1978)
  - **खेजड़ली मेला — भाद्रपद शुक्ल दशमी**, गाँव खेजड़ली (जोधपुर); यह विश्व का **एकमात्र वृक्ष मेला** है।
- **खेजड़ी संरक्षण**
  - **ऑपरेशन खेजड़ा** — 1991
  - **उद्देश्य**— खेजड़ी वृक्षों का संरक्षण
  - **खेजड़ली घटना** — 1730 ई. (भाद्रपद शुक्ल दशमी)
    - **स्थान:** खेजड़ली गाँव, जोधपुर
    - **नेतृत्व:** *अमृता देवी विश्नोई*
    - 363 लोगों ने वृक्ष बचाने हेतु बलिदान दिया

(7) राज्य पक्षी — गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड)

- **दर्जा** — 1981
- **वैज्ञानिक नाम** — कोरिओटिस नाइग्रिसेप्स / अर्डीओटिस नाइग्रिसेप्स
- **प्रमुख क्षेत्र** —
  - **शोकलिया** (अजमेर)
  - **सोरसेन** (बारां)
  - **राष्ट्रीय मरू उद्यान** (जैसलमेर)
- **प्रजनन केंद्र** — सम (जैसलमेर)
- **प्रजनन स्थली** — *सेवण घास*
- **शुभंकर** – जैसलमेर
- **महत्वपूर्ण तथ्य**
  - **उपनाम** — मालमोरड़ी, हुकना, सोन चिड़िया, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
  - **5 जून 2013** — *प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड* प्रारंभ
  - **गोडावण पर डाक टिकट** — 2.30 पैसे, जारी: नवंबर 1980

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

(8) राज्य पशु — चिंकारा

- **वैज्ञानिक नाम** – (गजेला बेनेट्टी) *Gazella bennettii*
- **राज्य पशु का दर्जा** — 22 मई 1981
- **प्रमुख क्षेत्र** —
  - नाहरगढ़ अभयारण्य (जयपुर)
  - राष्ट्रीय मरू उद्यान (जैसलमेर)
- **गंगानगर जिले का जिला शुभंकर** — चिंकारा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

CERAMIC ACADEMY

Shaping the future...

OFFLINE & ONLINE

RAS PRELIMS TEST SERIES

प्रारंभ : 28 जून 2026, रविवार

12 SECTIONAL TEST | 04 FULL LENGTH TEST

- Medium: Hindi & English
- Test Paper Discussion
- Test Paper Solution PDF
- Online: 3 Attempts Allowed

FEES OFFLINE : ₹ 2000 /- | ONLINE : ₹ 1000 /-

Test Series Centres

AJMER | UDAIPUR | SURATGARH | BIKANER
ALWAR | JODHPUR | BHARATPUR | BARMER
SIKAR | KOTA | JAIPUR

अधिक जानकारी के लिए 97005-77774, 97005-77778

NOTE

- RAS Foundation Batch (Online)/ RAS Prelims Batch (Online) Students के लिए Test Series Online Free रहेगी।
- RAS Foundation Batch (Offline) Students के लिए Test Series Offline Free रहेगी।
- RAS Pre Batch (Online) के Students यदि Offline Test देना चाहें, तो ₹2000/- शुल्क होगा।

2 राजस्थान की उत्पत्ति, स्थिति एवं विस्तार

राजस्थान की उत्पत्ति

उत्पत्ति का आधार मत

- **महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत :-** सन् 1912 में **जर्मन वैज्ञानिक "अल्फ्रेड वेगनर"** द्वारा प्रतिपादित किया गया।
- इस सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी के सभी महाद्वीप प्रारंभ में एक ही भू-भाग के रूप में जुड़े हुए थे।
- बाद में, भौगोलिक प्रक्रियाओं के कारण यह भू-भाग टूटकर अलग-अलग महाद्वीपों में विभाजित हो गया।
- राजस्थान की भौगोलिक रचना का भी संबंध इसी सिद्धांत से जोड़ा जाता है।

प्रमुख स्थलखंड एवं महासागरीय संरचनाएँ

[1] पैंजिया

- वेगनर के अनुसार, प्रारंभ में पृथ्वी पर केवल एक ही विशाल स्थलखंड था, जिसे **"पैंजिया"** कहा गया।
- **बाद में यह स्थलखंड दो भागों में विभाजित हो गया –**
  - **अंगारालैण्ड (Laurasia)** – उत्तरी भाग
  - **गोंडवानालैण्ड (Gondwanaland)** – दक्षिणी भाग

[2] पैंथालासा

- यह उस समय का **सम्पूर्ण महासागरीय भाग** था।
- पैंजिया स्थलखंड को चारों ओर से घेरे हुए एक विशाल महासागर का नाम **"पैंथालासा"** था।
- इसे उस समय का एकमात्र **वैश्विक महासागर** माना गया।

[3] टेथिस सागर

- टेथिस सागर एक **भूसन्नति (Geosyncline)** था अर्थात् दो स्थलखंडों के बीच स्थित एक गहरी निम्न भूमि या सागर; यह **अंगारालैण्ड** और **गोंडवानालैण्ड** के मध्य स्थित था।
- यही टेथिस सागर बाद में भारत और हिमालय क्षेत्र की उत्पत्ति में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

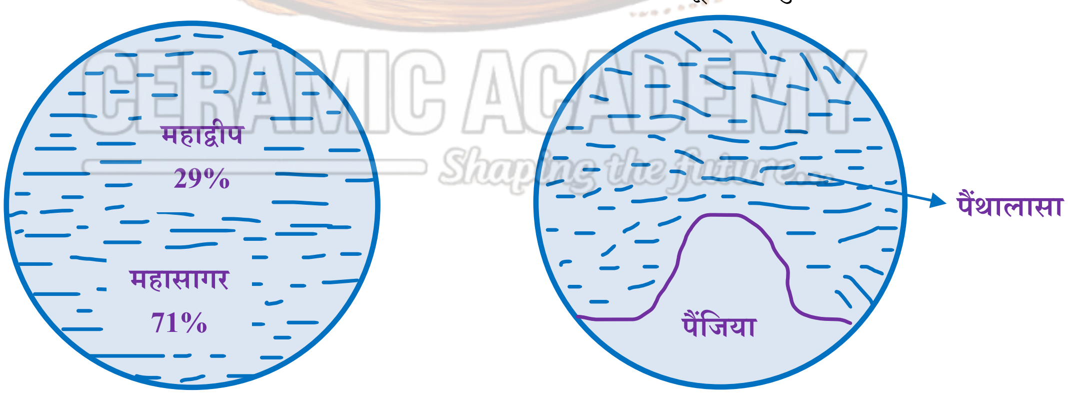

पैंजिया का विभाजन

दो भागों में विभाजित हुआ

- अंगारालैण्ड/लॉरेशिया (पैंजिया का उत्तरी भाग)
- गोंडवाना लैण्ड (भारत व राजस्थान) (पैंजिया का दक्षिणी भाग)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान निर्माण प्रक्रिया

- **गोंडवाना लैंड**
  - अरावली पर्वत
  - हाड़ौती पठार
  - → प्रायद्वीपीय पठार के उपभाग (Subdivision of Peninsular Plateau)
- **टेथिस सागर**
  - मरूस्थलीय भाग
  - पूर्वी मैदान (नवीनतम भौतिक प्रदेश)
  - → उत्तरी विशाल मैदान के उपभाग (Subdivision of Northen Great Plains)

राजस्थान की स्थिति व विस्तार

- राजस्थान की स्थिति का निर्धारण अक्षांश और देशांतर के आधार पर किया जाता है।
- राजस्थान की स्थिति उत्तरी-पूर्वी गोलार्द्ध में है।
- भारत में राजस्थान का स्थान उत्तर-पश्चिमी भाग में है।
- एशिया महाद्वीप के अनुसार दक्षिणी एशिया में स्थित है।

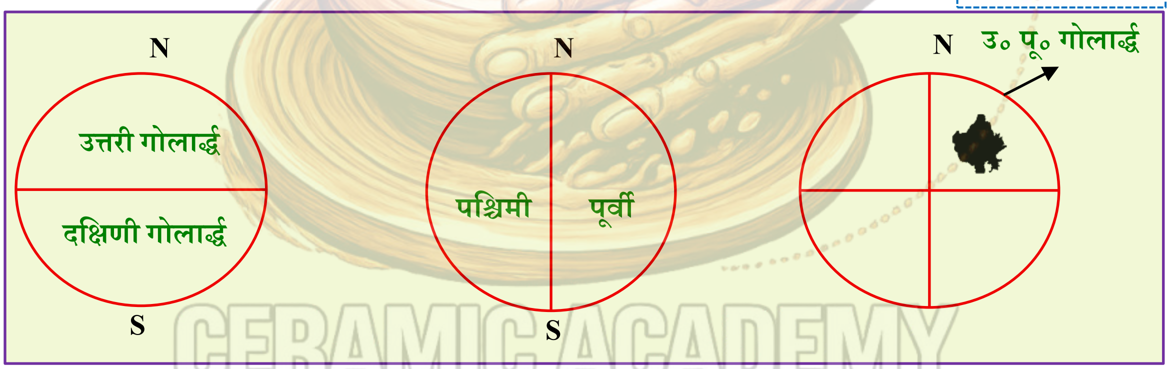

राजस्थान की अक्षांशीय स्थिति

N 30°12' उत्तरी अक्षांश
कोणा गाँव (श्रीगंगानगर)

लम्बाई = 826 किमी.

23°03' उत्तरी अक्षांश
S बोरकुण्डा, कुशलगढ़ ,बांसवाड़ा

राजस्थान का देशान्तरीय विस्तार

69°30' पूर्वी देशांतर — W — कटरा गाँव, सम, जैसलमेर

78°17' पूर्वी देशान्तर — E — सिलाना गाँव, राजाखेड़ा, धौलपुर

चौड़ाई = 869 किमी.

- **अक्षांशीय विस्तार-** 7°09'
- **देशांतरीय विस्तार-** 8°47'
- राजस्थान की पूर्व से पश्चिम चौड़ाई और उत्तर से दक्षिण लम्बाई में **43 किलोमीटर** का अंतर है।

- राजस्थान का मध्यवर्ती जिला नागौर है; तथा मध्यवर्ती गाँव **लाम्पोलाई (मेड़ता, नागौर)** है। मेड़ता शहर राजस्थान के भौगोलिक केंद्र में स्थित है ; जबकि सैटेलाइट सर्वे के अनुसार राजस्थान का मध्य गाँव **गगराना (नागौर)** है।

कर्क रेखा/उत्तरी अयनांत :-

- **स्थिति:-** 23½° उत्तरी अक्षांश (23° 30' उत्तरी अक्षांश)
- **राजस्थान में लम्बाई:-** 26 किमी.
- **विस्तार:-** डूँगरपुर (चिखली गाँव), बाँसवाड़ा की सीमा से।

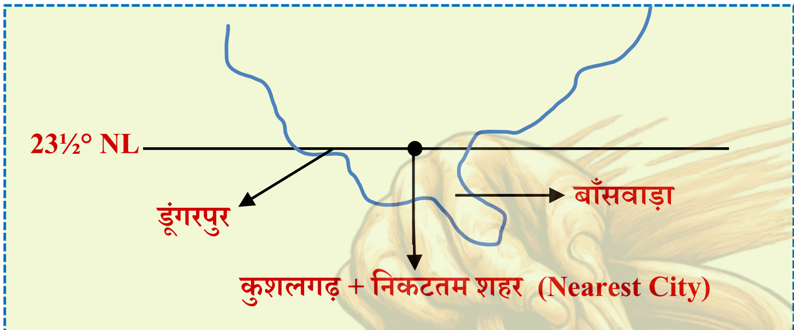

21 जून :–

- सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत् चमकता है।
- राजस्थान व उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे बड़ा दिन
- यह कर्क संक्रांति दिवस कहलाता है।
- बिना परछाई का दिन

राजस्थान का क्षेत्रफल

कुल क्षेत्रफल

- **वर्ग किमी.** → **3,42,239 वर्ग किमी.**
- **वर्ग मील** → **1,32,139 वर्ग मील**

- राजस्थान का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का **10.41 प्रतिशत** है।
- विश्व स्तर पर, क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का क्षेत्रफल **0.25 प्रतिशत** है।
- **1 नवम्बर 2000** को मध्यप्रदेश के विभाजन के बाद, राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल के अनुसार) बन गया **(क्षेत्रफल की दृष्टि से तुलना :- भारत में – प्रथम स्थान)**
- राजस्थान का सबसे बड़ा जिला – **जैसलमेर**।
- राजस्थान के सबसे छोटा जिले – डीग।
- **राजस्थान की आकृति :-** विषमकोणीय चतुर्भुज (Rhombus) या पतंग के समान/ पतंगाकार

जिले व संभाग

- राजस्थान राज्य के गठन के समय, वर्ष **1949** में कुल **25 जिले** और **5 संभाग** थे।
- **उस समय राजस्थान के पाँच संभाग थे** – जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और उदयपुर।
- **पूर्ण एकीकरण के समय (1 नवम्बर ,1956)** अजमेर को राजस्थान का **26वां जिला** बनाया गया।
- **1987 में छठा संभाग – अजमेर संभाग** का गठन किया गया।
- **15 अप्रैल, 1982** में **धौलपुर** (भरतपुर से) को राजस्थान का **27वां जिला** घोषित किया गया।

- **9 अप्रैल, 1991 में तीन नए जिले बनाए गए (डिस्टिक कोर्ट के अनुसार 10 अप्रैल 1991) –**
  - **बारां** → 28वां जिला (कोटा से)
  - **राजसमंद** → 30वां जिला (उदयपुर से)
  - **दौसा** → 29वां जिला (जयपुर से)
- 12 जुलाई, 1994 को हनुमानगढ़ (श्री गंगानगर से) 31वां जिला बनाया गया।
- वर्ष 19 जुलाई, **1997** में **करौली** (सवाईमाधोपुर) को राजस्थान का **32वां जिला** बनाया गया।
- वर्ष 26 जनवरी, **2008** में **प्रतापगढ़** (चित्तौड़, उदयपुर, बांसवाडा) को राजस्थान का **33वां जिला** घोषित किया गया। **(परमेशचन्द समिति)**

राजस्थान में नवीन जिलों का गठन :-

1. नवीन जिलों के गठन के लिए गठित समिति (21 मार्च, 2022) के **अध्यक्ष पूर्व IAS अधिकारी डॉ. रामलुभाया** थे।
2. **7 अगस्त, 2023** को तत्कालीन मुख्यमंत्री **अशोक गहलोत** की सरकार द्वारा राजस्थान में **नवीन जिलों एवं संभागों के गठन** की घोषणा की गई।
3. इस घोषणा के अंतर्गत कुल **19 नए जिले** तथा **3 नए संभाग** बनाए गए।
4. बाद में **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा** की सरकार द्वारा **नए जिलों एवं संभागों की समीक्षा हेतु 'मंत्रिमण्डलीय उप समिति'** का गठन किया गया।
5. मंत्रिमण्डलीय उप समिति के **संयोजक** प्रारंभ में **प्रेमचंद बैरवा** थे, बाद में **मदन दिलावर** को संयोजक बनाया गया।
6. **समिति के सदस्य निम्नलिखित थे –**
   (i) हेमन्त मीणा (ii) कन्हैयालाल चौधरी (iii) राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (iv) सुरेश सिंह रावत
7. नए जिलों एवं संभागों की विस्तृत समीक्षा **'ललित के. पंवार समिति'** द्वारा की गई।
8. समिति की सिफारिशों के आधार पर **29 दिसम्बर, 2024** को **अधिसूचना जारी की गई,** जिसके तहत **नवनिर्मित 9 जिले और 3 संभाग हटा दिए गए।**
9. इन संशोधनों के बाद **राजस्थान में वर्तमान में कुल 41 जिले और 7 संभाग** (29 दिसम्बर, 2024 तक) विद्यमान हैं।

क्र.सं.	निरस्त जिले	निरस्त संभाग
1.	**अनूपगढ़**	1. सीकर
2.	**दूदू**	2. पाली
3.	**गंगापुर सिटी**	3. बाँसवाड़ा
4.	**नीम का थाना**	
5.	**जोधपुर ग्रामीण**	
6.	**सांचौर**	
7.	**जयपुर ग्रामीण**	
8.	**शाहपुरा**	
9.	**केकड़ी**	

वर्तमान में नवीन जिले		
क्र.सं.	जिला	मूल जिलों से अलग
(i)	**बालोतरा**	बाड़मेर
(ii)	**ब्यावर**	अजमेर, पाली, राजसमंद व भीलवाड़ा
(iii)	**सलूम्बर**	उदयपुर
(iv)	**फलोदी**	जैसलमेर व जोधपुर से
(v)	**डीडवाना-कुचामन**	नागौर से
(vi)	**कोटपूतली-बहरोड़**	जयपुर व अलवर से
(vii)	**खैरथल- तिजारा (प्रस्तावित – भर्तृहरी नगर)**	अलवर
(viii)	**डीग**	भरतपुर

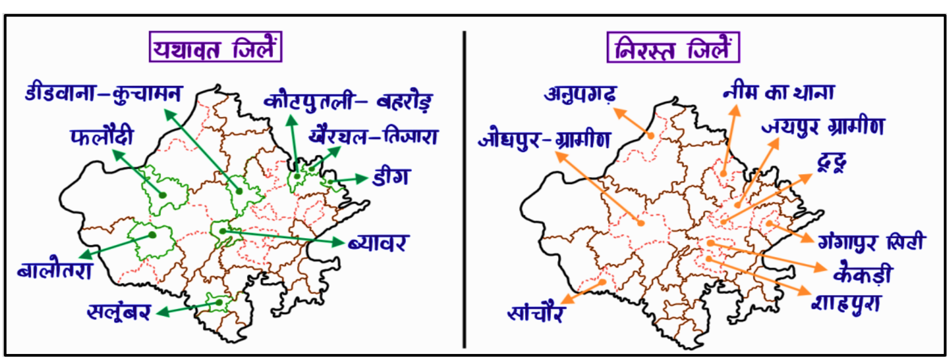

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

संभागीय व्यवस्था :-

- राजस्थान में संभागीय व्यवस्था का प्रारम्भ **30 मार्च ,1949** को हुआ; उस समय के मुख्यमंत्री **हीरालाल शास्त्री** थे।
- **प्रारम्भ में राजस्थान में कुल 5 संभाग बनाए गए** — जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और उदयपुर।
- **24 अप्रैल, 1962** को उस समय के मुख्यमंत्री **मोहनलाल सुखाड़िया** द्वारा संभागीय व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया।
- **इसके बाद 26 जनवरी ,1987** को मुख्यमंत्री **हरिदेव जोशी** ने संभागीय व्यवस्था को पुनः प्रारम्भ किया।
- इस पुनर्गठन के समय राजस्थान में कुल **6 संभाग** स्थापित किए गए (नया संभाग अजमेर को बनाया गया।)
  जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर।
- **आगे चलकर, मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे** की सरकार ने **4 जून, 2005** को **भरतपुर** को राजस्थान का **सातवाँ संभाग** घोषित किया।
- **नवगठित भरतपुर संभाग** में कुल **चार जिले** शामिल किए गए —
  - **भरतपुर** (जयपुर संभाग से)
  - **धौलपुर** (जयपुर संभाग से)
  - **करौली** (कोटा संभाग से)
  - **सवाई माधोपुर** (कोटा संभाग से)
- इस प्रकार राजस्थान की संभागीय व्यवस्था की शुरुआत 1949 में हुई, 1962 में समाप्त हुई, 1987 में पुनः प्रारम्भ की गई, और 2005 में सातवें संभाग भरतपुर के गठन के साथ इसका वर्तमान स्वरूप स्थापित हुआ।
- **वर्तमान कुल संभाग- 7**

क्रमांक	संभाग	जिले
1.	जयपुर संभाग [सर्वाधिक जनसंख्या व घनत्व]	जयपुर, दौसा, सीकर, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, झुन्झुनूं
2.	जोधपुर संभाग [सबसे बड़ा क्षेत्र (क्षेत्रफल)]	जोधपुर, फलोदी, जालौर, पाली, बाड़मेर, बालोतरा, सिरोही, जैसलमेर
3.	भरतपुर संभाग [नवीनतम व सबसे छोटा, 2005]	भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर
4.	अजमेर संभाग	अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, टोंक, नागौर, डीडवाना-कुचामन
5.	कोटा संभाग	कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़
6.	बीकानेर संभाग	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू
7.	उदयपुर संभाग	उदयपुर, सलूम्बर, राजसमंद, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़

विशेषता	संभाग
क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग	जोधपुर
क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग	भरतपुर
सर्वाधिक जिले वाला संभाग	जोधपुर(8 जिले), (जयपुर, उदयपुर – 7-7 जिले)
न्यूनतम जिले वाला संभाग	कोटा, बीकानेर (प्रत्येक 4 जिले)
सर्वाधिक जनसंख्या वाला संभाग	जयपुर
न्यूनतम जनसंख्या वाला संभाग	कोटा
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला संभाग	जयपुर
न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला संभाग	बीकानेर
राजस्थान का एकमात्र संभाग जो सभी संभागों से सीमा बनाता है	अजमेर
अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित संभाग	जोधपुर , बीकानेर

राजस्थान की सीमाएँ

स्थलीय सीमाएँ

- राजस्थान की कुल स्थलीय सीमा की लम्बाई **5920 किलोमीटर** है।
- इसमें से **अंतर्राष्ट्रीय सीमा** की लम्बाई **1070 किलोमीटर** है।
- जबकि **अंतर्राज्यीय सीमा** की लम्बाई **4850 किलोमीटर** है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

अंतर्राष्ट्रीय सीमा

- राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा को **"रेडक्लिफ रेखा (Redcliffe Line)"** कहा जाता है।
- इस सीमा का निर्धारण **17 अगस्त, 1947** को किया गया था।
- यह सीमा रेखा राजस्थान के उत्तर में स्थित **हिन्दूमलकोट (जिला श्रीगंगानगर)** से प्रारम्भ होती है।
- यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में जाकर **शाहगढ़/भलगाँव, बाखासर (जिला बाड़मेर)** पर समाप्त होती है।
- राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा की कुल लम्बाई **1070 किलोमीटर** है; जो राज्य की कुल सीमा का लगभग **18 प्रतिशत भाग** है।
- सम्पूर्ण रेडक्लिफ रेखा की कुल लम्बाई **3323 किलोमीटर** है, जिसमें से राजस्थान से गुजरने वाला भाग **लगभग 32.22 प्रतिशत** है।
- राजस्थान की यह सीमा **पाकिस्तान** से लगती है।
- **पाकिस्तान के जिन राज्यों/प्रांतों से राजस्थान की सीमा जुड़ी है, वे हैं – पंजाब प्रांत** व **सिंध प्रांत**
- **अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कुल 5 जिले है** – बीकानेर, फलोदी, जैसलमेर, श्रीगंगानगर व बाड़मेर
- **केवल अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाले 3 जिले** – बीकानेर, फलोदी, जैसलमेर
- **दोनों सीमा (अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय) वाले 2 जिले** – श्रीगंगानगर व बाड़मेर
- **सर्वाधिक निकटतम जिला मुख्यालय** – श्रीगंगानगर
- **सीमा पर सर्वाधिक दूरी पर जिला मुख्यालय** – बीकानेर
- **सीमा से सर्वाधिक दूर शहर / जिला** – धौलपुर
- **सर्वाधिक सीमा वाला संभाग** – जोधपुर
- **न्यूनतम सीमा वाला संभाग** – बीकानेर

राजस्थान के प्रमुख जिलों की आकृति

जिला	आकृति / स्वरूप
हनुमानगढ़	कुर्सीनुमा
सीकर	अर्द्धचन्द्राकार / प्यालेनुमा / तश्तरीनुमा
दौसा	धनुषाकार
राजसमन्द	तिलक / पानी की बूंद जैसी
चित्तौड़गढ़	घोड़े की नाल जैसा
करौली	बत्तख जैसी
जालौर	व्हेल मछली जैसी
टोंक	वर्गाकार
भीलवाड़ा	आयताकार

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future

अंतर्राज्यीय सीमा

- **कुल लम्बाई** – 4850 किमी.
- **कुल राज्यों के साथ** – 5
- **पंजाब** – 89 किमी. **सबसे छोटी**
  - श्रीगंगानगर, हनुमानगढ (2 जिलें)
- **हरियाणा** – 1262 किमी., 8 जिले
  - हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, कोटपूतली-बहरोड़, सीकर, खैरथल-तिजारा, अलवर, डीग
- **उत्तर प्रदेश** – 877 किमी. (जिले- 3)
  - डीग, भरतपुर, धौलपुर
- **मध्यप्रदेश** – 1600 किमी.,सर्वाधिक सीमा (जिले 10)
  - धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, कोटा, बाराँ, झालावाड़ (520), भीलवाड़ा (16), चितौड़गढ़, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा
  - मध्यप्रदेश के साथ दो बार सीमा बनाने वाले दो जिले है कोटा और चित्तौडगढ़।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

जिला	विशेषता	राज्य
कोटा	राजस्थान का एकमात्र जिला जो **मध्यप्रदेश** के साथ **दो बार सीमा बनाता है** और **विखण्डित नहीं है।**	मध्यप्रदेश
चित्तौड़गढ़	राजस्थान का जिला जो **मध्यप्रदेश** के साथ **दो बार सीमा बनाता है**, लेकिन **विखण्डित है।** (भीलवाडा - चितौड़गढ़ को दो भागों में विभाजित करता)	मध्यप्रदेश

- **गुजरात** – 1022 किमी. (जिले - 6)
  - बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर (सर्वाधिक), सिरोही, जालौर, बाड़मेर (न्यूनतम 14 किमी.)
- **सर्वाधिक अंतर्राज्यीय सीमा वाला जिला** – झालावाड़ (520 किमी.) मध्यप्रदेश से मिलती है।
- **न्यूनतम अंतर्राज्यीय सीमा** – बाड़मेर (14 किमी.) गुजरात से मिलती है।
- **कुल सीमावर्ती जिले** – 28
- **अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले** – 25
- **केवल अंतर्राज्यीय सीमा वाले जिले** – 23
- **दो राज्यों के साथ सीमा बनाने वाले जिले** – 4 जिले

  [1] हनुमानगढ़ - पंजाब व हरियाणा
  [2] डीग - हरियाणा व उत्तर प्रदेश
  [3] धौलपुर - उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश
  [4] बाँसवाड़ा - मध्य प्रदेश व गुजरात
- राजस्थान के अंतःस्थल / अंतरवर्ती जिले **राज्य के 13 जिले** किसी प्रकार की अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय सीमा नहीं बनाते है, वे हैं- जयपुर, दौसा, टोंक, बूँदी, अजमेर, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, नागौर, जोधपुर, बालोतरा, पाली, राजसमंद, और सलूम्बर।
- **जयपुर जिला सर्वाधिक जिलों (8) के साथ सीमा बनाता है :-**

क्रमांक	जिला
1	डीडवाना–कुचामन
2	सीकर
3	कोटपूतली–बहरोड़
4	अलवर
5	दौसा
6	अजमेर
7	टोंक
8	सवाई माधोपुर

राजस्थान की विश्व के देशों से तुलना :-

- **जर्मनी** – लगभग बराबर
- **इंग्लैण्ड से** 2 गुना बड़ा
- **श्रीलंका** – 5 गुना
- **यूके** – 1.5 गुना
- **चेकोस्लोवाकिया** – 3 गुना
- **जापान से** थोड़ा छोटा
- **इज़रायल** – 17 गुना
- **नॉर्वे, पोलैण्ड, इटली** – लगभग बराबर
- **नेपाल व बांग्लादेश** – 2.3 गुना
- **कांगो रिपब्लिक** – लगभग समान (3.42 लाख वर्ग कि.मी.)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

राजस्थान की भू-गर्भिक संरचना

- राजस्थान की भू-गर्भिक संरचना में आर्कियन तथा प्री-कैम्ब्रियन युग की संरचना एक साथ देखी जा सकती है।
- अरावली पर्वतमाला – प्री-कैम्ब्रियन में निर्माण। प्राचीन ग्रेनाइट व नीस की शैल उपस्थित
- **हाड़ौती पठार** = मालवा पठार का भाग;
- **प्रमुख नदी बेसिन: बनास, माही, चम्बल**
- **अध्ययन व विवरण चार कल्पों में: आद्य, पुराजीवी, मध्यजीवी, नवजीवी।**

1. आद्य महाकल्प :-

- **अरावली पूर्व:**
  - **विस्तार-** दिल्ली के उत्तर से दक्षिण-पश्चिम में खम्भात की खाड़ी (SW) तक
  - इनका उत्थान पूर्व-कैम्ब्रियन काल में एवं देहली समुह के निक्षेपण के बाद इनका पुनर्नवीकरण हुआ।
  - अरावली के मध्य में **समभिनति** स्थित जिसमें देहली और अरावली शैलों की उपस्थिति

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **प्रमुख अनुक्रम (विन्ध्य-पूर्व): मालानी आग्नेय - देहली महा समूह - रायलो - अरावली महा समूह - पट्टित बुन्देलखण्ड नीस।**
- **बुन्देलखण्ड नीस:** भीलवाड़ा–चित्तौड़ के बीच;

✦ **कैम्ब्रियन पूर्व**

- **अरावली महासमूह:** फायलाइट, ग्रेवेक्स,क्वार्टजाइट डोलोमाइट शैल शामिल।
  - अरावली महासमूह का ऊपरी भाग फायलाइट एवं क्वार्टजाइट शैल-समूह से निर्मित जो काफी मोटे वलन का निर्माण करता है।
- **देहली महासमूह:**
  - **विस्तार :-** उत्तर पूर्व देहली से दक्षिण-पश्चिम में गुजरात तक
  - देहली महासमूह में रायलो, अलवर एवं अजबगढ़ शैल समूह शामिल।
  - शैलों की संरचना की विभिन्नता के आधार पर दो समूहों उदयपुर व फाडोल में विभाजित।

2. पुराजीवी महाकल्प :-

✦ **विन्ध्य महासमूह :-**

- देहली के बाद निक्षेपण से निर्मित
- **60,000 वर्ग किलोमीटर** में विस्तृत
- इस महासमूह के शैल राजस्थान में मुख्यत: पूर्वी राजस्थान में मुख्य विन्ध्य देशों में निच्छेदित हुए।
- **विस्तार :-** उत्तर-पूर्व के करौली-धौलपुर से दक्षिण-पश्चिम में निम्बाहेड़ा-सुकेत तक
- पश्चिमी राजस्थान में इन शैलों के समकालीन निच्छेदन नागौर बेसिन (**विस्तार :-** जोधपुर से पश्चिम में पोकरण एवं उत्तर में बीकानेर-गंगानगर तक) और बिरमानिया बेसिन (**विस्तार:-** जैसलमेर के दक्षिण में) हुआ। इन बेसिनों में स्थित शैल समूह मारवाड़ शैल महासमूह में शामिल।

✦ **परमियन–कार्बोनिफेरस:-**

1. **बाप बोल्डर बैड (जोधपुर-क्षेत्र):** हिम-वाहित निक्षेपण से। मालानी आग्नेय, विन्ध्य महासमूह एवं अरावली महासमूह की शैलों से निर्मित।
2. **भादुरा बालुकाश्म:** जीवाश्मयुक्त बालुकाश्म इसका निर्माण सामुद्रिक अवस्था में।

विस्तार :- भादुरा के उत्तर-पश्चिम से हरबंस तक। बाप एवं भादुरा के आस-पास विकसित।

3. नवजीवी महाकल्प :-

✦ **तृतीयक:** इस कल्प के शैल नागौर–बीकानेर–जैसलमेर–बाड़मेर जिलो में नरम बालुकाश्म, जीवाश्मयुक्त चूना पत्थर, **बेंटोनाइट, मुल्तानी मिट्टी, लिग्नाइट** के रूप में विद्यमान

✦ **चतुर्थक:** हवा, नदियों–नालों द्वारा एवं हिम-वाहित संगुटिकाश्म, जलोढ़क, बालू-रेत का निर्माण।

◈ **प्रमुख सुपर समूह/श्रेणियाँ :-**

✦ **भीलवाड़ा सुपर समूह:** प्राचीनत्तम शैल। ग्रेनाइट की प्रधानता। विस्तार :- उदयपुर–चित्तौड़–दक्षिणी राजस्थान।

✦ **अरावली सिस्टम:** कायान्तरित प्राचीन शैलों से निर्मित क्वार्टजाइट, लाइमस्टोन, मिश्रित नाइस की प्रधानता; अलवर, अजमेर व उदयपुर शिष्ट, सवाई माधोपुर बलुआ पत्थर ।

✦ **देहली सुपर समूह: रायलो, अलवर, अजबगढ़ समूह सम्मिलित।**

- **रायलो** – चूना पत्थर, शिष्ट, क्वार्टजाइट की प्रधानता।
- **अलवर व अजबगढ़** – केल्साइट, क्वार्टजाइट, ग्रिट व शिष्ट।

✦ **विन्ध्य श्रेणी:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, शैल की प्रधानता। पूर्वी राजस्थान व दक्षिण-पूर्व राजस्थान, मेवाड़ में विकसित।

✦ **मालानी श्रेणी:** रायोलाइटिक लावा से निर्मित जालौर ग्रेनाइट, सिवाना और एरिनपुरा ग्रेनाइट इसी में शामिल है।

नोट:- मरुस्थल व पुराभौगोलिक संकेत :- पश्चिमी राजस्थान में ज्युरेसिक–क्रिटेशियस–इयोसीन में समुद्र; पीछे हटने व प्लीस्टोसीन/होलोसीन में शुष्कता ⟶ थार मरुस्थल का विस्तार ।

◎ **घग्घर (गंगानगर–हनुमानगढ़)** का सूखा तल = प्राचीन **सरस्वती** का अवशेष ।

◎ **संरचनात्मक रेखाएँ :-** ग्रेट बाउंड्री फॉल्ट (GBF): दक्षिण-पूर्वी राजस्थान; बेगूँ (चित्तौड़), उत्तरी कोटा, पुनः सवाई माधोपुर–धौलपुर में स्पष्ट ।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. राजस्थान राज्य में कुल क्षेत्रफल में रेगिस्तानी क्षेत्र का प्रतिशत बताइये: [Asst. Con. Forest Exam 2011Gk]
(a) 40% (b) 61%
(c) 33% (d) 52%

2. भारत में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति है : [Agri. Officer 2011]
(a) उत्तर पश्चिमी भाग (b) दक्षिण पश्चिमी भाग
(c) उत्तर पूर्वी भाग (d) दक्षिण पूर्वी भाग

3. निम्न में से कौन सा युग्म सही है ? [Teacher II Grade Exam. 2013 – GK]

	राजस्थान की स्थिति	कुल भौगोलिक क्षेत्र (वर्ग किलो मीटर में)
(a)	23°3' - 30 12' N और 69°30' - 78°17 E	342239.74
(b)	23°30' – 30°13 N और 69°30' - 78°21E	342245.69
(c)	23°25' – 30°12 N और 69°29 - 78°25 E	342241.33
(d)	23°28 - 30°14 N और 69°21' - 78°24' E	342243.67

4. राजस्थान के जिस जिले से अधिकतम जिलों की सीमायें स्पर्श करती हैं, वह है : [School Lec. 2015 (G.K)]
(a) नागौर (b) भीलवाड़ा
(c) अजमेर (d) पाली

5. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम से व्यवस्थित करें : [RAS/RTS COMB. EXAM 2016]
A. बूँदी B. अजमेर
C. उदयपुर D. नागौर
कूट:-
(a) A, B, C, D (b) B, A, C, D
(c) A, B, D, C (d) A, C, B, D

6. निम्न में से जिस जिले की सीमा गुजरात से स्पर्श नहीं करती है, वह है : [Sr. Teacher 2016 G.K. (Group 2)]
(a) प्रतापगढ़ (b) जालोर
(c) बाड़मेर (d) डूँगरपुर

7. राजस्थान की पाकिस्तान के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की कुल लम्बाई है : [Sr. Tea. 2016 G.K.]
(a) 1050 किमी (b) 1020 किमी
(c) 1010 किमी (d) 1070 किमी

8. निम्न में से राजस्थान के किस जिले की सीमा मध्य प्रदेश से संयुक्त है ? [Sr. Teacher Gr-II 2016 G.K.]
(a) भरतपुर (b) डूँगरपुर
(c) सिरोही (d) झालावाड़

9. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?
(a) देश के कुल क्षेत्रफल में राजस्थान का क्षेत्रफल 10.41 प्रतिशत है।
(b) राजस्थान का उत्तर-दक्षिण विस्तार 869 किमी है।
(c) राजस्थान देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अवस्थित है।
(d) राजस्थान की राज्य सीमा की कुल लम्बाई 5920 किमी है।

10. निम्न में से किस जिले की सीमा रेखा किसी अन्य राज्य की सीमा रेखा को नहीं छूती है ? [Sr. Teacher Gr II -2015]
(a) डूँगरपुर (b) भीलवाड़ा
(c) झुंझुनु (d) बूँदी

11. राजस्थान के निम्न जिलों में से कौन से एक जिले की सीमा उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश से मिलती है ? [Headmaster (Sec. Sch) 2018]
(a) करौली (b) भरतपुर
(c) धौलपुर (d) सवाई माधोपुर

12. राजस्थान के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक सही नहीं है ? [Headmaster (Sec. Sch) 2018]
(a) उत्तर–दक्षिण की अपेक्षा पूर्व–पश्चिम विस्तार अधिक है।
(b) उत्तर–दक्षिण की अपेक्षा पूर्व–पश्चिम विस्तार कम है।
(c) इसकी कुल स्थल सीमा 6000 कि.मी. से कम है।
(d) इसका अक्षांशीय विस्तार 7° अक्षांश से अधिक है।

13. राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार है – [Sr. Teacher Gr II Comp. Exam – 2018]
(a) 23° 3′ उ. से 30° 12′ द. (b) 23° 3′ उ. से 30° 12′ उ.
(c) 23° 30′ उ. से 30° 12′ उ. (d) 23° 3′ उ. से 30° 21′ उ.

14. निम्नलिखित में से राजस्थान के किन जिलों की सीमा रेखा गुजरात से मिलती है ? [Sr. Teacher Gr II – 2018]
1.सिरोही 2.डूँगरपुर
3.प्रतापगढ़ 4.बाँसवाड़ा
नीचे दिए हुए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –
(a) 1, 2, 3 तथा 4 (b) 1, 2 तथा 3
(c) 1, 2 तथा 4 (d) 1 तथा 4

15. राजस्थान का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत है [Sr. Teacher Gr II – 2018]
(a) 9.95% (b) 10.55%
(c) 10.41% (d) 11.45%

16. राजस्थान का उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः है–
[Sr. Teacher Gr II Exam – 2018]
(a) 852 और 878 कि.मी. (b) 915 और 842 कि.मी.
(c) 826 और 869 कि.मी. (d) 834 और 887 कि.मी.

17. निम्नलिखित में से राजस्थान के किस जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा सबसे छोटी है ? [Sch. Lec – 2018]
(a) जैसलमेर (b) बीकानेर
(c) बाड़मेर (d) गंगानगर

18. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौन सा राजस्थान के ही अपेक्षाकृत अन्य अधिकतम जिलों के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है ? [Sch. Lec. – 2020]
(a) बीकानेर (b) दौसा
(c) अजमेर (d) चित्तौड़गढ़

19. निम्नलिखित में से, राजस्थान के कौन से जिले की सीमा मध्यप्रदेश से नहीं लगती है? [School Lec. – 2021]
(a) झालावाड़ – प्रतापगढ़ (b) भीलवाड़ा – बाँसवाड़ा
(c) करौली – कोटा (d) डूँगरपुर – भरतपुर

20. राजस्थान का कौनसा संभाग राज्य में सर्वाधिक क्षेत्रफल घेरता है?
[School Lecturer – 2022]
(a) बीकानेर (b) उदयपुर
(c) जोधपुर (d) भरतपुर

21. राजस्थान के पूर्व–पश्चिम और उत्तर–दक्षिण विस्तार में अन्तर है
[School Lecturer – 2022]
(a) 48 कि.मी. (b) 43 कि.मी.
(c) 62 कि.मी. (d) 58 कि.मी.

22. राजस्थान में नए जिलों के निर्माण से संबंधित, निम्नलिखित में से कौनसा समूह समयानुक्रम के अनुसार सही है?
[PTI and Librarian– 2024]
(a) राजसमंद, धौलपुर, करौली, प्रतापगढ़
(b) करौली, प्रतापगढ़, राजसमंद, धौलपुर
(c) धौलपुर, राजसमंद, करौली, प्रतापगढ़
(d) करौली, राजसमंद, प्रतापगढ़, धौलपुर

23. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है? ?
[Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024]
(a) राजस्थान 69°30' से 78°17' पश्चिम देशान्तरों के मध्य स्थित है।
(b) कर्क रेखा राजस्थान के दो जिलों से होकर गुजरती है।
(c) राजस्थान, इटली, नॉर्वे, इंग्लैण्ड जैसे देशों से अधिक क्षेत्रीय विस्तार रखता है।
(d) राजस्थान के उत्तर-पूर्व में हरियाणा एवं पंजाब राज्य स्थित हैं।

24. राजस्थान के निम्नलिखित संभागों और उनमें स्थित जिलों के सन्दर्भ में कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
[Deputy Com.– 2025]

संभाग का नाम	जिलों की संख्या
(a) अजमेर	6
(b) भरतपुर	5
(c) जोधपुर	7
(d) उदयपुर	7

Answer Key

1	b	2	a	3	a	4	d	5	c	6	a	7	d	8	d	9	b	10	d
11	c	12	*	13	b	14	c	15	c	16	c	17	b	18	c	19	d	20	c
21	b	22	c	23	a	24	c												

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

3 राजस्थान के भौतिक प्रदेश

◈ **प्रथम प्रयास – प्रो. वी. सी. मिश्रा (1968 – राजस्थान का भूगोल) ने राजस्थान को 7 भौतिक प्रदेशों में विभाजित किया है–**

7 भाग
- शुष्क मरूस्थल प्रदेश
- अर्द्धशुष्क मरुस्थल प्रदेश
- नहरी सिंचित प्रदेश
- पूर्वी कृषि औद्योगिक प्रदेश
- मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश
- चम्बल बीहड़ प्रदेश
- द. पूर्वी कृषि प्रदेश

◈ **दूसरा प्रयास :- एस. के. सेन** -1968 ई.

◈ **तीसरा प्रयास – रामलोचन सिंह** – 1971 ई. **(पुस्तक 'वॉल्यूम इंडिया' – ए रीजनल ज्योग्राफी)**

✦ **उन्होंने राजस्थान को दो बड़े प्रदेशों में विभक्त किया** — राजस्थान प्रदेश, राजस्थान पठार

✦ इन दो बड़े प्रदेशों को उन्होंने आगे चार उप-प्रदेशों और 12 लघु प्रदेशों में विभक्त किया।

◈ **चौथा प्रयास - प्रो. तिवारी एवं हरिमोहन सक्सेना (1994) -**

✦ उन्होंने प्रदेश निर्धारण में निम्न आधार अपनाए- धरातलीय संरचना, जलवायु, नदी बेसिन, प्रशासनिक सीमाएँ

✦ **इन सभी तत्वों के आधार पर उन्होंने राजस्थान के प्रदेशों को चार स्तरों में बाँटा —**

- मुख्य प्रदेश
- गौण प्रदेश
- तृतीयक प्रदेश
- सूक्ष्म प्रदेश

भौगोलिक कारकों के आधार पर 4 भाग

उत्तर- पश्चिमी मरुस्थल प्रदेश	अरावली पर्वतीय प्रदेश	पूर्वी मैदानी प्रदेश	दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश
◈ **शुष्क मरुस्थल** ✦ बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश ✦ बालुका स्तूप युक्त प्रदेश ◈ **अर्द्धशुष्क मरूस्थल (बांगड़ प्रदेश)** ✦ घग्घर बेसिन ✦ शेखावाटी अन्त: प्रवाह क्षेत्र ✦ नागौर उच्च भूमि ✦ लूनी/गोडवाड़ बेसिन	◈ उत्तरी अरावली ◈ मध्य अरावली ◈ दक्षिण अरावली ✦ मेवाड़ अरावली ✦ आबू पर्वत खण्ड	◈ माही बेसिन ◈ बनास-बाणगंगा बेसिन चम्बल बेसिन	◈ दक्कन लावा पठार ◈ विंध्यन कगार भूमि

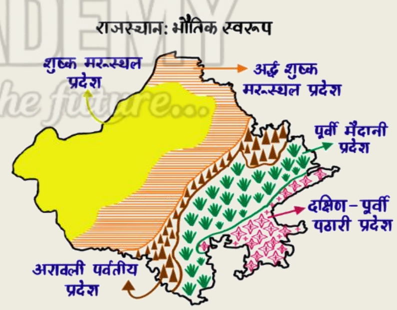

भौगोलिक प्रदेश	क्षेत्रफल (%)	जनसंख्या (%)	जिले	प्रमुख मिट्टी	जलवायु
मरुस्थल प्रदेश	61.11%	40%	12 जिले	रेतीली / बलुई	शुष्क व अर्द्ध-शुष्क
अरावली पर्वतीय प्रदेश	9%	10%	13 जिले (मुख्यत: 7)	पर्वतीय / कंकरीली	उप-आर्द्र
पूर्वी मैदान	23%	39%	10 जिले	जलोढ़ / कछारी	आर्द्र
हाड़ौती (दक्षिण-पूर्वी पठार)	6.89%	11%	7 जिले	काली मिट्टी	अति-आर्द्र

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

उत्तर- पश्चिमी मरूस्थल प्रदेश

उपभाग

- यह प्रदेश टेथिस सागर के भू–भाग पर स्थित है।
- यह ग्रेट पैलियोआर्कटिक अफ्रीकी मरुस्थल का पूर्वी विस्तार है।

आधार

- इस क्षेत्र का निर्माण **सोडियम क्लोराइड (NaCl)** युक्त खारे पानी की झीलों और समुद्री जीवाश्मों के अवशेषों पर आधारित है।
- यहाँ पाए जाने वाले जीवाश्म इसके प्राचीन समुद्री स्वरूप का प्रमाण है।

निर्माण काल

- उत्तर–पश्चिमी मरुस्थल प्रदेश का निर्माण प्लीस्टोसीन युग में हुआ।

विशेषताएँ

- यह एक युवा मरुस्थल है।
- यह थार मरुस्थल का प्रमुख भाग है।
- इस प्रदेश में सर्वाधिक जैव विविधता पाई जाती है।
- यह क्षेत्र सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला मरुस्थलीय भाग है।

विस्तार

- **लम्बाई:** 640 किमी.
- **चौड़ाई:** 300 किमी.
- **कुल क्षेत्रफल:** राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 61.11%।
- **जनसंख्या:** राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 40%।
- **ढाल की दिशा:** उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पश्चिम की ओर। (**आधार:** लूणी नदी)
- **ऊँचाई:** समुद्र तल से औसत ऊँचाई 150 मीटर (दक्षिण की ओर) और 300 मीटर (उत्तर की ओर)
- यह विश्व का 17वाँ सबसे बड़ा मरुस्थल तथा उपोष्ण कटिबंधीय दृष्टि से 9वाँ सबसे बड़ा मरुस्थल है।
- राजस्थान में मरुस्थलीकरण से प्रभावित क्षेत्र **62.06%** (इसरो रिपोर्ट 2021)।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

उत्तर–पश्चिमी मरूस्थल का विस्तार

- वैश्विक दृष्टिकोण से थार का विस्तार भारत में 85% और पाकिस्तान में 15% है, पाकिस्तान में थार के विस्तार को चोलिस्तान कहा जाता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

निर्माण संबंधी प्रमुख विद्वानों के मत

(क) सर सिरिल फॉक्स

- समुद्री जीवाश्म प्रमाणों के अनुसार, मरुस्थल का दक्षिण–पश्चिमी भाग तथा सिंध की घाटी का निचला भाग अपर टर्शियरी युग तक समुद्र के नीचे रहा।
- बाद में समुद्र के पीछे हटने से यह क्षेत्र सूख गया।

(ख) ब्लैनफोर्ड

- उनका मत है कि मीयोसीन व प्लीयोसीन काल में समुद्र पीछे हट गया।
- समुद्र की सिकुड़न क्रिया से जो भूमि ऊपर उठी, वही आज का मरुस्थलीय क्षेत्र तथा कच्छ का दलदली भाग बना।
- प्रमाण: इस क्षेत्र में पाई जाने वाली लवणीय झीलें इस सिद्धांत की पुष्टि करती हैं।

(ग) अन्य विद्वानों के अनुसार

- प्लीस्टोसीन हिमावरण काल में राजस्थान व उत्तरी भारत का अधिकांश भाग घने जंगलों से आच्छादित था।
- इस समय यहाँ राइनोसिरास (गैंडे जैसा प्राणी) विचरता था।
- अंतिम हिमावरण काल समाप्त होने के बाद तापमान में वृद्धि हुई, जिससे शुष्क परिस्थितियाँ बनीं और मरुस्थल का विकास हुआ।

(घ) पीठावाला (1935)

- पीठावाला ने मरुस्थल की बालू के स्रोतों को स्पष्ट किया
- वायु अपरदन से उत्पन्न रेत के कण।
- दक्षिण–पश्चिमी मानसूनी हवाएँ, जो विशेष रूप से कच्छ के रण से रेत लाती हैं।
- प्राचीन नदियों द्वारा लाई गई चीका मिट्टी और कंकड़।

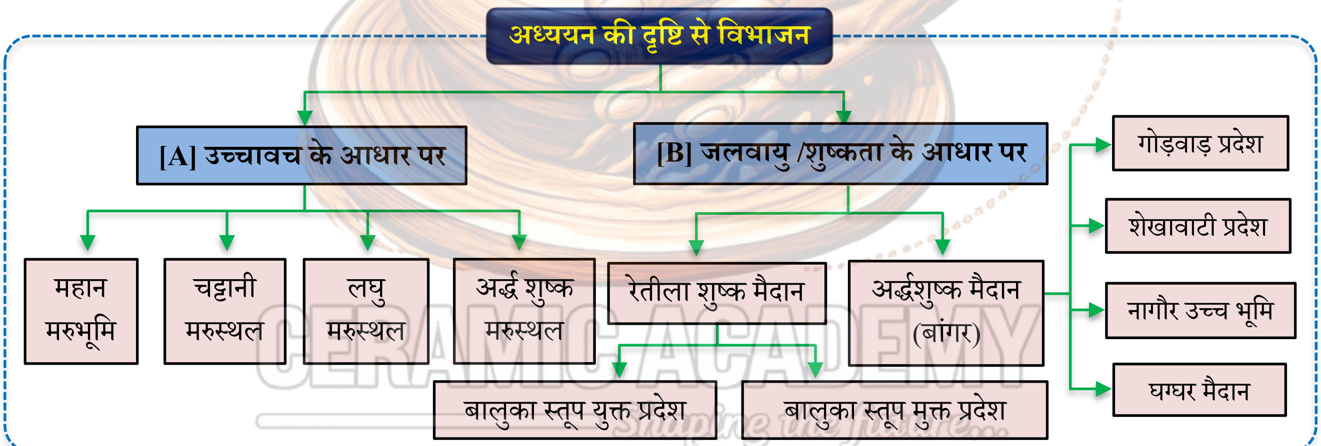

(A) थार मरुस्थल – उच्चावच के आधार पर उप-प्रदेश

क्र.	उप-प्रदेश	विस्तार / स्थान	विशेषताएँ	सहारा मरुस्थल में नाम
1	**महान मरुभूमि**	भारत–पाक सीमा के सहारे, कच्छ की खाड़ी से पंजाब तक	पूर्णतः बालुका स्तूपों (Sand Dunes) से ढका हुआ; राज्य का सबसे शुष्क भाग	**अर्ग**
2	**चट्टानी मरुस्थल**	बाड़मेर, जैसलमेर (पोखरण व रामगढ़, मोहनगढ़, लोद्रवा), बीकानेर का मध्य भाग	कठोर चट्टानें समतल व पहाड़ियों के रूप में फैली; बालुका मुक्त प्रदेश	**हमादा**
3	**लघु मरुस्थल**	चट्टानी प्रदेश के पूर्व में; कच्छ के रन से बीकानेर की महान मरुभूमि तक	बालुकास्तूपों के बीच निम्न भूमि (रन) जिनमें वर्षा का पानी भर जाता है	**रन**
4	**अर्द्ध शुष्क प्रदेश**	लूनी बेसिन और शेखावाटी बेसिन	अर्द्ध शुष्क परिस्थितियाँ, बालू व कछारी भूमि का मिश्रण	—

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

[B] राजस्थान – पश्चिमी रेतीले मैदान का विभाजन (शुष्कता के आधार पर)

- इस क्षेत्र का **विभाजन आधार वर्षा की मात्रा** है, जिसका निर्धारण **25 सेंटीमीटर समवर्षा रेखा** के आधार पर किया गया है।
- **25 से.मी. समवर्षा रेखा** के अनुसार इस क्षेत्र को **दो उपभागों** में बाँटा गया है —

पश्चिमी मरुस्थली प्रदेश

(a) शुष्क रेतीला मरुस्थल	(b) अर्द्धशुष्क रेतीला मरूस्थल
• वर्षा- 0-25 सेमी.	• वर्षा- 25-50 सेमी.
• क्षेत्रफल- 1 लाख वर्ग किमी.	• क्षेत्रफल- 75,000 वर्ग किमी.

(a) शुष्क रेतीला/ रेगिस्तानी प्रदेश :

- **उपनाम** - राठी प्रदेश, महान मरुस्थल
- **उपभाग** - आधार - बालुका स्तूप
  - **बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश** - 41.5%
  - **बालुका स्तूप युक्त प्रदेश** - 58.5 %

1. बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश - 41.5%.

- इस क्षेत्र में बालुका स्तूपों का पूर्णत: अभाव है एवं पथरीली चट्टानें युक्त मरुस्थल उपस्थित जिसे हमादा कहते हैं।
- **विस्तार :-** सर्वाधिक → जैसलमेर (पोकरण, रामगढ़, लोद्रवा)
  - **बालोतरा** - छप्पन की पहाड़ियाँ
  - **अन्य उदाहरण** - झुंझनूं (लोहार्गल), सीकर (हर्ष पर्वत), जोधपुर – मेहरानगढ़ (चिड़ियाटूक पहाड़ी)
  - फलोदी
  - बाड़मेर → चौहटन
- **भूगर्भिक संरचना :-**
  - यह क्षेत्र अवसादी या परतदार चट्टानों से निर्मित है।
  - इन चट्टानों का निर्माण टर्शियरी से लेकर प्लीस्टोसीन काल तक हुआ।
  - **यहाँ की मुख्य चट्टानें** – चूना पत्थर और शैल है।
  - इस क्षेत्र में जुरासिक काल के वनस्पति एवं जीवाश्म अवशेष पाए जाते हैं।
  - **इसका प्रमुख उदाहरण है – आकल वुड फॉसिल पार्क** जो राष्ट्रीय मरु-उद्यान, जैसलमेर में स्थित है। **उदा:-** लाठी सीरिज, अवसादी शैल क्रम (ऊर्जा खनिज)
- **अर्ग:-** संपूर्ण रेतीला मरुस्थल - महान मरुस्थल
- **रेग:- मिश्रित मरुस्थल** - कंकड़-पत्थर व रेत युक्त
  - **विस्तार :-** सर्वाधिक – जैसलमेर, बालोतरा, बाडमेर, जालौर, झुंझुनं, चूरू

2. बालुका स्तूप युक्त प्रदेश :-

- **बालुका स्तूप युक्त प्रदेश** राजस्थान के कुल मरुस्थलीय क्षेत्र के लगभग **58.5 प्रतिशत भाग** पर विस्तृत है।
- इस प्रदेश में भूमि की सतह पर **रेतीले टीले** बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।
- **रेतीले टीलों का निर्माण** दो मुख्य प्रक्रियाओं- **अपरदन** और **निक्षेपण** के संयुक्त प्रभाव से होता है।
- राजस्थान में **सर्वाधिक बालुका स्तूप जैसलमेर जिले** में पाए जाते हैं।
- **सर्वाधिक प्रकार के बालुका स्तूप** (विभिन्न आकार और संरचना वाले) **जोधपुर जिले** में मिलते हैं।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

- बालुका स्तूपों का **सर्वाधिक निर्माण काल मार्च–अप्रैल** के महीनों में होता है, जब क्षेत्र में तीव्र गर्म हवाएँ (लू) चलती है और रेत का संचयन अधिक होता है।
- **बालुका स्तूप के प्रकार :- (मेकी (1979)** ने बालुका स्तूपों के निम्न प्रकार बताए)

(i) बरखान :-

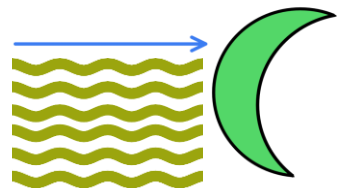

- **आकार -** अर्द्धचन्द्राकार
- **विशेषताएँ :-**
- सर्वाधिक गतिशील व स्थानांतरित
- सर्वाधिक मरूस्थलीकरण एवं हानिकारक होते है
- रेगिस्तान का मार्च → सर्वाधिक - नाचना गाँव (जैसलमेर)
- **संरचना व ढाल :-**
  - **मध्य भाग** :- सर्वाधिक ऊँचाई वाला।
  - **ढाल** :- पवन की दिशा में पवनमुखी ढाल मंद, लगभग **5°–12°** तथा उन्नतोदर; जबकि विपरीत दिशा में पवनविमुखी ढाल तीव्र, लगभग **35° व नतोदर होता है।**

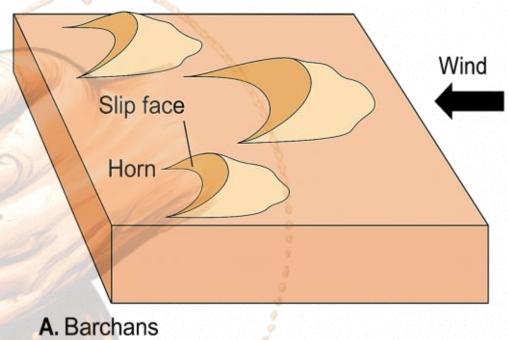

- **विस्तार :-** सर्वाधिक – शेखावाटी
  - **चूरू** - भालेरी व रतनगढ़
  - **बीकानेर** - लूणकरणसर व देशनोक (करणीमाता)
  - **श्री गंगानगर** - सूरतगढ़
  - **जोधपुर** - ओसियां
  - **नागौर** - जायल
  - **डीडवाना** - कुचामन
  - **सीकर**
  - **झुंझुनूं**

Note
- बरखान का विस्तार निम्न नदी घाटियों में जैसे- कांतली, मेंढ़ा, खण्डेला, खारी, बांडी, साहिली व ढूँढ़ में पाया जाता है।
- **ढांढ/ढांड/तल्ली:-** बरखान की दो भुजाओं के बीच रगड़ से बने गर्त/नीचा भाग होता है।

(ii) अनुप्रस्थ बालुका स्तूप :-

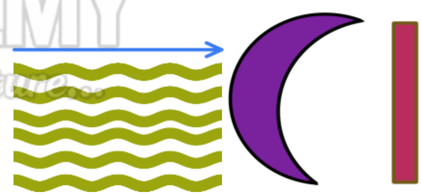

- पवन की दिशा के समकोण पर
- **विस्तार :-**
  - **बीकानेर** – पूगल, अनूपगढ़
  - **हनुमानगढ़** - रावतसर
  - **चूरू** - सरदारशहर
  - **झुंझुनूं**
  - **गंगानगर** – सूरतगढ़

(iii) अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप :-

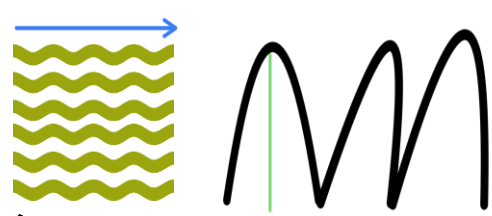

- **अन्य नाम :-** रेखीय बालुका स्तूप, पवनानुवर्ती बालुका स्तूप
- **निर्माण :-** वायु के समानांतर प्रवाह से
- यह सभी प्रकार के बालुका स्तूपों में सबसे ऊँचे बालुका स्तूप होते हैं।
- **प्रकार →** तीन प्रकार के (सीफ, वनस्पति युक्त रेखीय, पवनविमुख रेखीय) होते हैं।
- **विस्तार :-** जैसलमेर - रामगढ़ (सर्वाधिक), बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर, फलोदी, चूरू
- **रन/ खड़ीन :-** बीच में निर्माण
- **गासी/ कारबा :-** दो बालुका स्तूपों के बीच की निम्न भूमि

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(iv) पैराबोलिक/ परवलयाकार :-

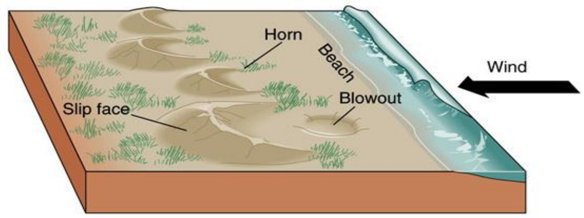

C Parabolic dunes

- **आकार :-** हेयरपिन जैसा
- **निर्माण :-** बरखान के विपरीत
- सर्वाधिक मात्रा में तथा सभी जगह पाए जाते हैं।
- **विस्तार :-** श्रीगंगानगर (सर्वाधिक), सीकर, झुंझुनूं

(v) तारेनुमा :-

- **आकार :-** अनेक भुजाएँ **निर्माण :-** अनियमित हवाओं के कारण
- **विस्तार :-** मोहनगढ व पोकरण (जैसलमेर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), बीकानेर

(vi) सीफ :-

- **निर्माण :-** बरखान की एक भुजा आगे की ओर बढ़ने पर (पवन की दिशा परिवर्तित होने के कारण)।
- **विस्तार :-** चूरू , बीकानेर , जैसलमेर

(vii) नेटवर्क बालुका स्तूप :-

- **निर्माण :-** बरखान, अनुप्रस्थ, अनुदैर्ध्य व सीफ बालुका स्तूपों के आगे जुड़ते रहने से।
- **विस्तार :-** थार मरुस्थल का उत्तरी-पूर्वी भाग, हनुमानगढ़ से भिवानी व हिसार (हरियाणा) तक

(viii) अवरोधी बालुका स्तूप :-

- **निर्माण :-** किसी अवरोध से (वनस्पति, पर्वत व पहाडी), उत्पन्न जमाव के कारण
- **अन्य नाम :-** अवशिष्ट, जीवाश्म अवरोधी बालुका स्तूप
- **विस्तार :-** पहाडी क्षेत्र के समीप
  - चाकसू, बगरू, जोबनेर, पुष्कर, बूढ़ा पुष्कर, नाग पहाड़, सीकर पहाडियों के पास, कुचामन, बिचून पहाड़

(ix) सब्र कॉपीज :-

- **निर्माण :-** छोटी-छोटी झाड़ियों के पास निर्मित बालुका स्तूप
- **विस्तार :-** पश्चिमी राजस्थान

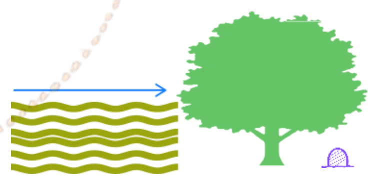

(x) नेबखां :- झाड़ियों के पीछे

(xi) धोरे (उर्मिका) :- लहरदार बालुका स्तूप

(xii) धरियन :- स्थानांतरणशील एवं लहरदार

- **सर्वाधिक** – जैसलमेर

(xiii) व्हैल बैक:- मोटी रेत वाले

(xiv) द्रास :- व्हैल बैक का विस्तृत रूप।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

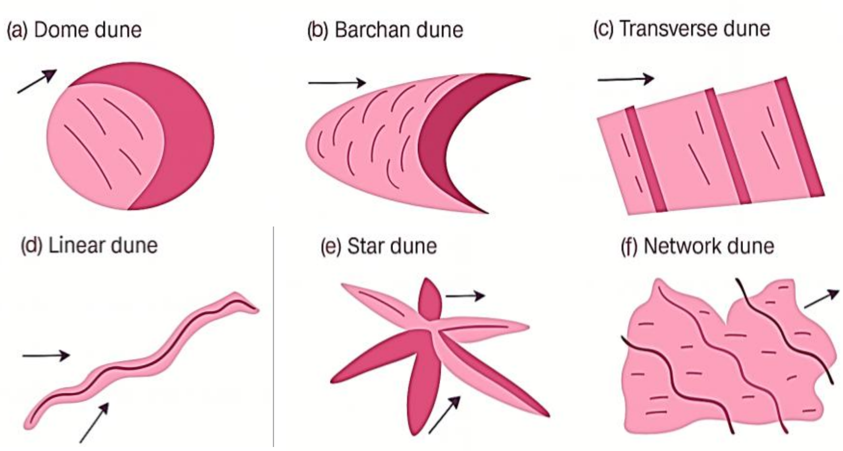

शुष्क मरूस्थल के अन्य महत्वपूर्ण तथ्य :-

रन/टाट/प्लाया/तल्ली/ढांड :

- **रन, टाट या प्लाया** वे स्थल होते हैं जो **बालुका स्तूपों** के बीच बनते हैं और वर्षा के समय अस्थायी रूप से **जल से भरकर झीलों** का रूप ले लेते हैं।
- इनका निर्माण मुख्य रूप से **वर्षा जल एकत्र होने** के कारण होता है।
- ये क्षेत्र **दलदली , लवणीय** और **अनुपजाऊ** होते हैं।
- **विस्तार :-**
  - **सर्वाधिक :-** जैसलमेर (लवां, बिरमसर, भाकरी, पोकरण, मोलास)
  - **फलोदी :-** बाप
  - **बालोतरा :-** थोब
  - **चूरू :-** तालछापर/पडिहारी रन
  - **जालौर :-** नेहड़ रन
  - **बाड़मेर :-** रेडाना

खड़ीन :

- यह राजस्थान की एक **परंपरागत जल संरक्षण तकनीक** है, जिसका प्रयोग मरुस्थलीय क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए किया जाता है।
- यह मूल रूप से एक **अस्थायी तालाब या झील** होती है, जिसमें वर्षा का जल एकत्र होकर कुछ समय तक ठहरता है ।
- **खड़ीन प्रणाली का निर्माण पालीवाल ब्राह्मणों** द्वारा **15वीं शताब्दी** में किया गया था ।
- खड़ीन का सर्वाधिक उपयोग और विस्तार **जैसलमेर जिले** में पाया जाता है ।
- जब खड़ीन में संचित जल सूख जाता है, तब उसकी **तली (बेसिन क्षेत्र)** में नमी बनी रहती है, जिससे **खड़ीन कृषि** की जाती है।
- खड़ीन क्षेत्र में मुख्यतः **रबी की फसलें** बोई जाती है ।

नखलिस्तान/ मरूद्यान/मिराज:

- मरुस्थल में जल बेसिन के चारों तरफ स्थित हरा-भरा क्षेत्र
- **उदा:** नागौर - खींवसर, बीकानेर - कोलायत (कोलायत झील)

जलपट्टी/ लाठी सीरिज:

- **जलपट्टी या लाठी सीरिज** राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित एक **भूगर्भिक संरचना** है।
- इसे **सरस्वती नदी के भूगर्भिक अवशेष** माना जाता है।
- इसका **विस्तार जैसलमेर – पोकरण से लेकर मोहनगढ़** तक लगभग **60 किलोमीटर** तक फैला हुआ है।
- इसके अतिरिक्त, राजस्थान की दूसरी जलपट्टी **बायतू (बालोतरा क्षेत्र)** से **सांचौर (जालौर)** में स्थित है।
- इस क्षेत्र में **घास की प्रमुख प्रजातियाँ** पाई जाती है, जिनमें प्रमुख है**- सेवण घास, लीलोण घास, करड घास**
- यह क्षेत्र **गोडावण** की एक प्रमुख **शरणस्थली** है, जो राजस्थान का राज्य पक्षी भी है ।
- इस क्षेत्र में स्थित **चांदन नलकूप** को **"थार का घड़ा "** कहा जाता है, क्योंकि यह मरुस्थलीय क्षेत्र में मीठे पानी का प्रमुख स्रोत है।

बालसन:

- मरुस्थल में **पहाड़ियों के मध्य स्थित जल बेसिन** को **"बालसन"** कहा जाता है।
- **विशेषताएँ :-**
  - इनमें प्रायः वर्षा जल एकत्रित हो जाता है।
  - ये छोटे–बड़े **अंतःक्षेत्रीय जल निकाय** के रूप में पाए जाते हैं।
  - समय के साथ इनमें लवणीय झीलों का विकास भी हो सकता है।
- **उदाहरण:- सांभर झील** (राजस्थान/भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील)

बाप बोल्डर क्ले:

- **स्थिति :-** बाप (फलोदी)
- **निर्माण काल :-** पर्मोकार्बोनिफेरस
- **निक्षेप :-** हिमानी/मोरेन पत्थर (ग्लेशियर)

भादूरा बालुकाश्म

- **स्थिति :-** जोधपुर
- समुद्री जीवाश्म अवशेष
- **निर्माण काल :-** पर्मोकार्बोनिफेरस

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **आकल वुड फॉसिल पार्क**
- ✦ जीवाश्म उद्यान
- ✦ **निर्माण काल:-** जुरासिक काल- 18 करोड़ वर्ष पहले
- ✦ **जैसलमेर :-** राष्ट्रीय मरुस्थल उद्यान (प्राचीन लकड़ी के अवशेष)

◈ **जुरासिक कालीन शैल समूह अवशेष**
- ✦ **स्थिति :-** जैसलमेर व बाड़मेर

(i) बैडेसर श्रेणी (ii) बैसाखी श्रेणी, (iii) जैसलमेर श्रेणी (iv) लाठी श्रेणी

- ✦ **विशेषता :-** चूना पत्थर व बालुका पत्थर की अधिकता

◈ **थारोसोरस इंडिकस:- (भारत का थार डायनासोर)**
- ✦ **खोज :- स्थान – जैसलमेर, राजस्थान (थार मरुस्थल)**
  - ▪ **वर्ष** – खोज कार्य **2018 में GSI (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण)** द्वारा शुरू।
  - ▪ **टीम – देबाशीष भट्टाचार्य, कृष्ण कुमार, प्रज्ञा पांडे, त्रिपर्णा घोष** (GSI अधिकारी)।
- ✦ **विशेषताएँ :-** यह **दुनिया का सबसे पुराना शाकाहारी डायनासोर** है।
  - ▪ **नामकरण – थारोसोरस इंडिकस = "थार का भारतीय डायनासोर"।**
  - ▪ **आयु** – लगभग **16.7 करोड़ वर्ष पुराना।**
  - ▪ **समूह – Dicraeosaurid Sauropod** (लंबी गर्दन वाला शाकाहारी डायनासोर)।

नई खोज : जैसलमेर में 16.7 करोड़ साल पुराने शाकाहारी डायनासोर के जीवाश्म

नाम रखा गया थारोसोरस इंडिकस

नई दिल्ली. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) को जैसलमेर में लंबी गर्दन वाले शाकाहारी डायनासोर के सबसे पुराने जीवाश्म मिले हैं। डायनासोर की यह प्रजाति करीब 16.7 करोड़ साल पुरानी है। इसे थारोसोरस इंडिकस (भारत के थार का डायनासोर) नाम दिया गया है।

■ आइआइटी रुड़की और जीएसआइ को मिले

■ 2018 में शुरू हुआ था उत्खनन व खोज का काम

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

(b) अर्द्धशुष्क मरूस्थलीय प्रदेश /बांगर प्रदेश

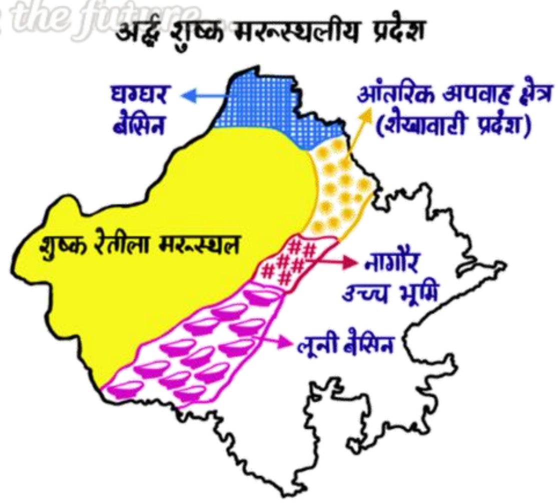

◈ अर्द्धशुष्क मरुस्थलीय प्रदेश को "संक्रमणीय प्रदेश" तथा **"परवर्ती जलवायु प्रदेश"** के नाम से भी जाना जाता है।

◈ इसे यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि यह प्रदेश शुष्क और उपआर्द्र प्रदेशों के मध्य स्थित है; अर्थात् यह प्रदेश राजस्थान का वह क्षेत्र है जहाँ मरुस्थलीय जलवायु से आर्द्र जलवायु की ओर संक्रमण देखा जाता है, इसलिए इसे संक्रमणीय प्रदेश कहा जाता है।

◈ यह प्रदेश थार मरुस्थल के पूर्वी किनारे पर फैला हुआ है, जहाँ अपेक्षाकृत कम शुष्क जलवायु तथा वनस्पति अधिक पाई जाती है।

◈ **इस प्रदेश को चार उपभागों में विभाजित किया गया है-**

[1] घग्घर बेसिन [2] आंतरिक अपवाह क्षेत्र (शेखावाटी प्रदेश)
[3] नागौर उच्च भूमि [4] लूनी बेसिन

◈ इस प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 25 सेंटीमीटर से 50 सेंटीमीटर के मध्य होती है।

1. घग्घर बेसिन :-

- इसका **विस्तार** मुख्य रूप से **हनुमानगढ़** और **श्रीगंगानगर** जिलों में पाया जाता है।
- इस प्रदेश का निर्माण घग्घर नदी की बाढ़ से हुआ है।
- **घग्घर नदी का प्रवाह क्षेत्र हनुमानगढ़** में **नाली/पाट** व पाकिस्तान में हकरा कहलाता है।
- यहाँ की मिट्टी को **"काठी"** या **"बग्गी"** कहा जाता है, जो **चिकनी** तथा **अत्यंत उपजाऊ** होती है।
- यहाँ की हवा के साथ उड़ने वाली बारीक मिट्टी को **"पणो"** कहा जाता है।
- इस क्षेत्र में **दृषद्वती नदी** की **शुष्क घाटी** देखी जाती है, जो **नोहर** और **भादरा (हनुमानगढ़)** के आसपास पाई जाती है।
- **इस क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ हैं — (i) क्षारीयता (ii) सेम (iii) जलाक्रांत**
- **हनुमानगढ़ जंक्शन** क्षेत्र में बाढ़ की समस्या अधिक रहती है, क्योंकि यहाँ का **आधार तल नदी के पेटे से नीचे** स्थित है।

2. आंतरिक अपवाह क्षेत्र (शेखावाटी प्रदेश) :-

- **विस्तार क्षेत्र-** यह प्रदेश **सीकर, झुंझुनूं, चूरू, डीडवाना-कुचामन (उत्तरी भाग)** जिलों में विस्तृत।
- **आंतरिक अपवाह क्षेत्र** राजस्थान का एक **निम्नवर्ती भू-भाग** है, जहाँ वर्षा का जल किसी समुद्र या बड़ी नदी में न जाकर स्थानीय रूप से ही अवशोषित हो जाता है।
- यह क्षेत्र **बांगर प्रदेश** का भाग है, जो एक **पुराना जलोढ़ मैदान** है।
- इस क्षेत्र से बहने वाली मुख्य नदी **कांतली नदी** है, जो अस्थायी स्वरूप की है; इसके अपवाह क्षेत्र को **"तोरावाटी प्रदेश"** के नाम से भी जाना जाता है।
- **जल संरचनाएँ :-**
  - **सर :-** शेखावाटी क्षेत्र में मानसून के दौरान बनने वाले तालाब। **उदाहरण- सालासर, मौलासर, उदासर, मलसीसर, सालिसर, जस्सूसर**
  - **जोहड़-** शेखावाटी क्षेत्र में पानी के कच्चे कुओं को।
  - **नाड़ी / नाडया -** *कच्चे जलाशय* (प्राकृतिक या चूनेदार गड्ढों के रूप में)।
- **लवणीय गर्त (Soline Basin):-** डीडवाना, डेगाना, कुचामन, तालछापर, सुजानगढ़ परिहारा/पड़िहारा
- इस क्षेत्र में **चारागाह भूमि** को **बीड़** कहा जाता है, जो विशेष रूप से **झुंझुनूं जिले** में बागड़बीड और सीकर में फतेहपुर बीड पाई जाती है।
- **भौगोलिक एवं प्राकृतिक विशेषताएँ :-**
  - इस क्षेत्र में **बरखान बालुका स्तूपों** की सर्वाधिक संख्या पाई जाती है तथा यहाँ **नवीन बालुका स्तूपों** का भी निर्माण होता रहता है।
- **जलवायु विशेषताएँ :-**
  - इस क्षेत्र में **गर्मियों में अत्यधिक गर्मी** पड़ती है तथा **सर्दियों में तीव्र ठंड** रहती है।
  - यहाँ का **वार्षिक तापांतर** राजस्थान में **सर्वाधिक** है।
  - **चूरू जिला** पूरे प्रदेश का **सबसे अधिक गर्म** तथा **सबसे अधिक ठंडा** स्थान माना जाता है।

CERAMIC ACADEMY
Sharing the future...

3. नागौर उच्च भूमि

- इसका **विस्तार क्षेत्र** मुख्य रूप से **नागौर** और **डीडवाना–कुचामन** जिलों में है, जबकि इसका कुछ भाग **अजमेर** और **ब्यावर** के क्षेत्रों तक फैला हुआ है।
- **नागौर उच्च भूमि** राजस्थान का वह क्षेत्र है जो **लूनी बेसिन** और **शेखावाटी प्रदेश** के **मध्य स्थित एक ऊँचा उठा हुआ भू–भाग** है।
- **फ्लोराइड श्रेणी- फ्लोराइड** की उपस्थिति के कारण यहाँ के भूजल में **फ्लोराइड की मात्रा अधिक** होती है।
- **सर्वाधिक विस्तार** वाली यह पट्टी **जायल (नागौर)** से लेकर **पुष्कर (अजमेर)** तक फैली हुई है।
- इसके परिणामस्वरूप यहाँ **"फ्लोरोसिस"** नामक रोग व्यापक रूप से पाया जाता है।
- नागौर उच्च भूमि में एक विशेष पट्टी पाई जाती है जिसे **"कूबड़ पट्टी"** या **"बांका क्षेत्र"** कहा जाता है।
- इस क्षेत्र में **जिप्सम की परतें और भंडार** पाए जाते हैं, जो **नागौर से बीकानेर** तक फैले हुए हैं; यही कारण है कि इस क्षेत्र की भूमि को **"हार्डपन क्षेत्र"** कहा जाता है।
- इस क्षेत्र की भूमि और भूजल में **सोडियम क्लोराइड (NaCl)** की मात्रा अत्यधिक पाई जाती है।
- नागौर उच्च भूमि में **खारे पानी की झीलों** की संख्या **सर्वाधिक** है।
- **रेह या कल्लर** इस क्षेत्र की एक प्रमुख समस्या है-
  - यह **अनुपजाऊ भूमि** होती है जो **परत अपरदन** के बाद निर्मित होती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **अरावली की अवशिष्ट श्रेणियाँ :-**
  - **नागौर उच्च भूमि क्षेत्र में अरावली पर्वत की कुछ अवशिष्ट श्रेणियाँ भी पाई जाती हैं -**
    - **मकराना श्रेणी (डीड़वाना-कुचामन)** – *सफेद संगमरमर* के लिए प्रसिद्ध।
    - **मांगलोद श्रेणी (नागौर)**– *जिप्सम* के भंडार के लिए जानी जाती है।
    - **जायल श्रेणी (नागौर)** – *फ्लोराइड खनिज* की प्रचुरता के लिए प्रसिद्ध

4. लूनी बेसिन/गोड़वाड़ प्रदेश

- यह क्षेत्र **लूनी नदी** और **जवाई नदी** के मध्य स्थित है।
- **विस्तार क्षेत्र :–** जोधपुर, दक्षिणी नागौर, पाली, जालौर, बाड़मेर तथा बालोतरा, पश्चिमी सिरोही।
- **लूनी नदी बेसिन की पूर्वी सीमा** पर **"कालाभूरा डूंगर"** स्थित है, जो प्राकृतिक जल विभाजक का कार्य करती है।
- **नेहड़ क्षेत्र :–** लवणीय, दलदली एवं निम्न भू–भाग वाली भूमि होती है। जालौर व आंशिक बाड़मेर में स्थित है।
- इस क्षेत्र में लवणीय पादपों की अधिकता पाई जाती है। (सर्वाधिक – बालोतरा)
- **बजादा :–** शुष्क एवं अर्द्धशुष्क भाग में अंतरपर्वतीय जलोढ़ पंख (गाद-मलबा) के मैदान होते है।
- **गुम्बदाकार / इन्सलबर्ग स्वरूप :–** माडलिया, हेमावास, चोटीला, खेजडण्ला, रावनिया, काकनी, मोगरा खुर्द क्षेत्र
- **लूनी बेसिन में स्थित पहाड़ियाँ:**

1. **छप्पन की पहाडियाँ**
   - मालाणी पहाड़ियाँ
   - **विस्तार :-** बालोतरा-मोकलसर से सिवाणा
   - **आकार :-** गोलाकार
   - ग्रेनाइट की अधिकता
2. **नाकोड़ा पर्वत**
   - बालोतरा
   - **उपनाम :-** राजस्थान का मेवानगर
   - पार्श्वनाथ जैन मंदिर
   - नाकोड़ा भैरव
3. **पीपलूद**
   - बालोतरा (हल्देश्वर महादेव मंदिर)
   - रेगिस्तान का माउण्ट आबू
   - राजस्थान का लघु माउण्ट आबू
   - पश्चिमी राजस्थान की सर्वाधिक वर्षा
4. **सेंदडा (पाली):-** सर्पाकार चट्टाने
5. **जालौर–सिवाना की पहाड़ियाँ :-** ग्रेनाइट व मालानी रायोलाइट से निर्मित।
   - **थली :-** ऊँचा उठा हुआ भाग होता है, जबकि **मरहो** – नीचे धँसा हुआ भाग कहलाता है।

For RAS Mains:-

थार मरुस्थल का महत्व :-

1. ग्रीष्म ऋतु में यहाँ पर **अत्यधिक गर्मी और गहन निम्न दाब क्षेत्र** बनने से दक्षिण-पश्चिम मानसून आकर्षित होता है।
2. थार के **कम वर्षा वाले क्षेत्रों के चारागाहों में पशुपालन** प्रमुख व्यवसाय है (ऊँट, भेड़-बकरी पालन)।
3. यहाँ कई प्रकार के **खनिज संसाधन** पाये जाते हैं – अभ्रक, जिप्सम, कोयला, संगमरमर, इमारती पत्थर, रॉक फॉस्फेट, फेल्सपार, खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस।
4. भौतिक विविधता एवं सांस्कृतिक धरोहर के कारण यह **पर्यटन आकर्षण का प्रमुख क्षेत्र** है (जैसलमेर का वार्षिक मरु मेला)।
5. पाकिस्तान की सीमा से लगे होने के कारण इसका **सुरक्षात्मक/सामरिक महत्व** अत्यधिक है।
6. थार **विश्व का सर्वाधिक जैव विविधता वाला मरुस्थल** है। यहाँ विभिन्न मरुस्थलीय वनस्पतियाँ और जीव-जंतु पाए जाते हैं।
7. थार विश्व का **सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला मरुस्थल** है। यहाँ कृषि, पशुपालन और व्यापार से जीवन चलता है।
8. विशाल भूमि, तीव्र हवाएँ और प्रखर धूप इसे **सौर एवं पवन ऊर्जा उत्पादन** के लिए उपयुक्त बनाती हैं।
9. थार का **भूवैज्ञानिक महत्व** भी है – इसमें कई भू-धरोहर स्थल (Geo-heritage sites) मिलते हैं।
10. थार क्षेत्र में **प्राचीन सभ्यता के साक्ष्य और जीवाश्म** प्राप्त होते हैं।
    - **आकल वुड फॉसिल पार्क (जैसलमेर)** इसका प्रमुख उदाहरण है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

अरावली पर्वतीय प्रदेश

- **निर्माण काल:**
  - अरावली पर्वतमाला का निर्माण प्री–कैम्ब्रियन काल में हुआ।
  - यह पर्वतमाला विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतमालाओं में से एक है।
- **उपभाग:-** यह पर्वत गोंडवाना लैंड का भाग है।
- **समकालीन पर्वत:-** अरावली पर्वत अप्लेशियन पर्वत के समकालीन माने जाते हैं।
- **अरावली के उपनाम –**
  - अरावली को भारत का अप्लेशियन कहा जाता है।
  - प्राचीन ग्रन्थों में (विष्णु पुराण में) - परिपात्रा
  - भौगोलिक भाषा में मेरू, बूँदी में - आड़ावाला, सिरोही में आबू गुलाब, उदयपुर- आड़ा-वटा।
  - अबुल फजल ने अरावली की पहाड़ियों को **'ऊँट की गर्दन'** कहकर संबोधित किया था।
  - जेम्स टॉड ने हिन्दू ऑलम्पस की संज्ञा दी।
- **निर्माण अवस्था:**
  - प्रारंभ में यह एक वलित पर्वत था।
  - वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वत के रूप में विद्यमान है।
- **औसत ऊँचाई:** 930 मीटर
- **दिशा:** दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व
- **आकृति:** कर्णवत रूप (Ear Shape)
- **कुल लम्बाई:** 692 किलोमीटर
- **विस्तार:** खेड़ब्रह्मा (पालनपुर, गुजरात) से रायसीना हिल्स (दिल्ली) [गुजरात ⟶ राजस्थान ⟶ हरियाणा ⟶ दिल्ली]
- **राजस्थान में विस्तार:-**
  - **राजस्थान में लम्बाई:** 550 किलोमीटर
  - **जिले (सतत अरावली):** सिरोही, उदयपुर, सलुम्बर, राजसमंद, ब्यावर, अजेमर, जयपुर, दौसा, खैरथल-तिजारा
  - राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 9% भाग अरावली क्षेत्र में आता है।
  - इस क्षेत्र में राज्य की लगभग 10% जनसंख्या निवास करती है।
- **जलवैज्ञानिक महत्व:-** अरावली पर्वत को राजस्थान की महान जल विभाजन रेखा कहा जाता है, क्योंकि यह नदियों को दो दिशाओं पूर्व और पश्चिम की ओर प्रवाहित करती है।
- **भौगोलिक आधार:**
  - हेरॉन (Heron) के अनुसार अरावली पर्वत का आधार अरब सागर है। (अरावली का उद्गम अरबसागर (लक्षद्वीप के मिनिकॉय द्वीप) से माना जाता है)
  - इसी कारण अरब सागर को **"अरावली का पिता"** कहा जाता है।

शैल समूह - हेरॉन

2 उपभाग

- **दिल्ली सुपर ग्रुप** → **उत्तरी अरावली**
  - **अलवर समूह** → क्वार्ट्ज → फाइलाईट
  - **अजबगढ़ समूह** → मार्बल → क्वार्ट्ज → फाइलाईट
- **अरावली सुपर ग्रुप** → **दक्षिणी अरावली**
  - **झाडोल समूह** → मार्बल अधिक
  - **उदयपुर समूह** → ग्रेनाइट व नीस अधिक

- **रायलो समूह :-** मालाणी → बाड़मेर, बालोतरा।
- **मध्य अरावली :-** अजमेर से टॉडगढ रावली → मार्बल
- **उत्तरीअरावली :-** रायसीना हिल्स से सांभर → क्वार्ट्ज
- **दक्षिणी अरावली :-** आबू क्षेत्र → ग्रेनाइट

अध्ययन के आधार पर उपभाग :-

- **तीन उपभाग-** (i) उत्तरी अरावली (ii) मध्य अरावली (iii) दक्षिण अरावली

अरावली क्षेत्र	विस्तार	प्रमुख जिले/क्षेत्र	सर्वोच्च चोटी	अन्य चोटियाँ	औसत ऊँचाई	चौड़ाई
उत्तरी अरावली	झुंझुनूं से जयपुर तक	सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर	रघुनाथगढ़ (1055 मी. सीकर)	खो (जयपुर-920 मी.) भैराच (अलवर- 792 मी.)	450 मी.	अनिश्चित
मध्य अरावली (मेरवाड़ा अरावली)	जयपुर से राजसमन्द तक	अजमेर, ब्यावर, टोंक	टॉडगढ़ (934 मी.)	तारागढ़ (873 मी.), नाग पर्वत (795 मी.)	700 मी.	30 किमी.
दक्षिणी अरावली (मुख्य अरावली)	राजसमन्द से सिरोही तक	सिरोही, उदयपुर, राजसमन्द, सलूम्बर, पाली	गुरु शिखर (1722 मी. सिरोही)	आबू (1295 मी.), अचलगढ़ (1380 मी.) आदि	1000 मी.	100 किमी.

1. उत्तरी अरावली

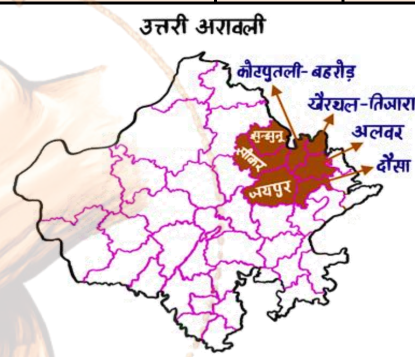

- **विस्तार:-** उत्तरी अरावली का विस्तार सांभर (जयपुर) से प्रारंभ होकर खेतड़ी (झुंझुनूं), सिंघाना (झुंझुनूं) और खैरथल–तिजारा, अलवर, दौसा तक फैला हुआ है।
- **औसत ऊँचाई:-** इस पर्वतीय भाग की औसत ऊँचाई लगभग 450 मीटर है।
- **सर्वोच्च शिखर:-** रघुनाथगढ़ (सीकर) (1055 मीटर)
- **पर्वत श्रेणियाँ:-** उत्तरी अरावली क्षेत्र में स्थित शेखावाटी (सीकर) जिले में **दो प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती हैं** — तोरावाटी पहाड़ियाँ, मालखेत पहाड़ियाँ
- **उत्तरीअरावली की प्रमुख चोटियाँ :-**

क्रमांक	चोटी / स्थान	ऊँचाई (मी.)	जिला / क्षेत्र
1	रघुनाथगढ़	1055	सीकर
2	मालखेत	1052	सीकर
3	लोहार्गल	1051	झुंझुनूं
4	भोजगढ़	997	झुंझुनूं
5	खोह	920	जयपुर
6	भैराच	792	अलवर
7	बरवाड़ा	786	जयपुर
8	बाबाई	780	झुंझुनूं
9	बिलाली	775	कोटपुतली–बहरोड़
10	मनोहरपुरा	747	जयपुर
11	बैराठ	704	कोटपुतली–बहरोड़
12	सरिस्का	677	अलवर
13	सिरावास	651	अलवर
14	भानगढ़	649	अलवर
15	जयगढ़	648	जयपुर
16	नाहरगढ़	599	जयपुर
17	अलवर किला (बालागढ़)	597	अलवर

- **बिचून पहाड़ – जयपुर**

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. मध्य अरावली

- **विस्तार:-** सांभर (जयपुर) से लेकर देवगढ़ (राजसमंद) तक है।
  - यह क्षेत्र मुख्य रूप से अजमेर और ब्यावर जिलों में फैला हुआ है।
- **उपनाम:-** इसे **'मेरवाड़ा पहाड़ियों'** के नाम से भी जाना जाता है।
- **सर्वोच्च शिखर:**

क्रमांक	शिखर का नाम	स्थान	ऊँचाई
1	टॉडगढ़–गोरमजी	ब्यावर	934 मीटर
2	तारागढ़	अजमेर	873 मीटर
3	नाग पहाड़	अजमेर	795 मीटर

- **औसत ऊँचाई:- लगभग 700 मीटर।**

- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय तथा दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात को अरावली की एकीकृत परिभाषा तय करने का निर्देश दिया।
- 4 अक्तूबर 2025 को भूविज्ञान एवं खनन विभाग ने अरावली की नई परिभाषा को अंतिम रूप दिया।
- नई परिभाषा के अनुसार, केवल वही पहाड़ियाँ अरावली मानी जाएंगी जो **(Current Update)**
- आसपास की भूमि से 100 मीटर से अधिक ऊँची हों, तथा एक अरब वर्ष से अधिक पुरानी चट्टानों से निर्मित हों।

Watch this video for complete information about the Aravalli Range.

3. दक्षिणी अरावली

- **औसत ऊँचाई:-** लगभग **1000 मीटर**।
- **विस्तार:-** देवगढ़ (राजसमंद) से सिरोही तक।
- **उपभाग :-** दक्षिणी अरावली को दो प्रमुख उपभागों में विभाजित किया गया है

  (i) मेवाड़ अरावली (ii) आबू पर्वत खंड।

(i) मेवाड़ अरावली

- **विस्तार क्षेत्र:-** यह भाग **राजसमंद, उदयपुर, सलूम्बर** जिलों में फैला हुआ है।
- **सर्वोच्च शिखर:- जरगा शिखर (उदयपुर) 1431 मीटर** ऊँचा, जो मेवाड़ अरावली का सबसे ऊँचा बिंदु है।

(ii) आबू पर्वत खंड

- **विस्तार क्षेत्र:-** यह भाग **सिरोही व** आंशिक **पाली** जिलों में स्थित है।
- **सर्वोच्च शिखर:- गुरु शिखर (सिरोही) 1722 मीटर** ऊँचा, जो **मध्य भारत की सबसे ऊँची चोटी** है।
- **विशेषताएँ:-**
  - **गुरु शिखर** पर भगवान **ऋषि दत्तात्रेय** का मंदिर स्थित है।
  - प्रसिद्ध ब्रिटिश इतिहासकार **जेम्स टॉड** ने इसे **"संतों का शिखर"** कहा है।
  - यह क्षेत्र **राजस्थान का सबसे ठंडा स्थान** माना जाता है।
  - यहाँ की पर्वतीय चट्टानें **ग्रेनाइट** की हैं।
  - भू–संरचनात्मक रूप से यह क्षेत्र **बैथोलिथ संरचना** का उत्कृष्ट उदाहरण है।

- **दक्षिणी अरावली की चोटियाँ**

क्र.स.	चोटी का नाम	ऊँचाई (मीटर)	जिला / क्षेत्र
1	गुरुशिखर	1722	सिरोही
2	सेर	1597	सिरोही
3	देलवाड़ा	1442	सिरोही
4	जरगा	1431	उदयपुर
5	अचलगढ़	1380	सिरोही
6	आबू	1295	सिरोही
7	कुंभलगढ़	1224	राजसमंद
8	जेलिया डूंगर	1197	उदयपुर
9	धोनिया डूंगर	1183	राजसमंद
10	जयराज	1090	सिरोही
11	ऋषिकेश	1017	सिरोही
12	कमलनाथ	1001	उदयपुर
13	सज्जनगढ़	938	उदयपुर
14	सायरा	900	उदयपुर
15	लीलागढ़	874	उदयपुर
16	डोरा पर्वत	869	जसवंतपुरा (जालौर)
17	नागपानी	867	उदयपुर
18	गोगुंदा	840	उदयपुर
19	कोटड़ा	450	उदयपुर
20	ऋषभदेव	400	उदयपुर
21	सुन्धा पर्वत	-	जालोर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **अरावली की अन्य पहाड़ियाँ:-**

- ✦ **भाकर पहाड़ियाँ:- (सिरोही से जालौर)**
  - तीव्र ढाल, अपरदित
  - उबड़-खाबड़ पहाड़ियाँ
- ✦ **डूंगरी :-** छोटी पहाड़ियाँ
  - मोती डूंगरी (जयपुर)
  - झालाना डूंगरी (जयपुर)
  - भीम, बीजक, महादेव व गणेश → कोटपूतली-बहरोड़
- ✦ **मगरा :-** उदयपुर के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित पहाड़ियाँ
  - मोती मगरी
  - हिरण मगरी
  - माछला मगरा

  } उदयपुर
  - रेल का मगरा (राजसमंद), बेल का मगरा (सिरोही)
  - **गिरवा :-** तश्तरीनुमा पहाड़ियाँ (उदयपुर)
  - **देशहरो :-** रागा व जरगा पहाड़ियों के मध्य हरा-भरा क्षेत्र (उदयपुर)
- ✦ **जालौर की पहाड़ियाँ :-**
  - रोजा भाकर
  - इसराना भाकर
  - झारोला भाकर
  - **जसवंतपुरा पहाड़ियाँ :-**
    - **डोरा पर्वत (869 मी.)-** जसवंतपुरा पहाड़ियों की एवं पश्चिमी राजस्थान की सबसे ऊँची चोटी
    - **सुंधा पर्वत**

◈ **अरावली में स्थित घाटियाँ:-**
- ✦ **अजमेर :-** घुघरा घाटी व नौसर घाटी
- ✦ **उदयपुर :-** चिरवा
- ✦ **रणथंभौर :-** कुक्कर घाटी

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

अरावली के प्रमुख पठार :-

◈ **भोराट पठार :-**
- ✦ कुंभलगढ (राजसमंद) से गोगुन्दा (उदयपुर) तक
- ✦ **सर्वोच्च शिखर :-** जरगा (1431 मीटर)
- ✦ दूसरा ऊँचा पठार
- ✦ **औसत ऊँचाई :-** 1225 मीटर

◈ **उड़िया पठार :- सिरोही (1360 मी.)–** राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार

◈ **आबू ब्लॉक पठार :-** सिरोही (1200 मी. ऊँचाई)

◈ **लसाड़िया पठार :- सलूंबर**
- ✦ जयसमंद झील के पूर्व में (कटा - फटा)

◈ **अन्य पठार :-**
- ✦ **भोमट का पठार :-** भील जनजाति (उदयपुर, डूँगरपुर, सिरोही, सलूंबर)
- ✦ **मेसा का पठार :-** चित्तौडगढ़ दुर्ग (630 मी. ऊँचाई)
- ✦ **मानदेसरा :-** चित्तौडगढ़
- ✦ **क्रांसका व कांकनवाड़ी :-** अलवर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्रमांक	पठार का नाम	औसत ऊँचाई	अवस्थिति / स्थान
1	**उड़िया का पठार**	1360 मीटर	सिरोही — *राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार*
2	**भोराट का पठार**	1225 मीटर	उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में — *गोगुन्दा से कुम्भलगढ़ के मध्य*
3	**माउंट आबू का पठार**	1200 मीटर	सिरोही
4	**ऊपरमाल का पठार**	—	*भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) से बिजौलिया (भीलवाड़ा) के मध्य*
5	**लसाड़िया का पठार**	—	सलूम्बर — *जयसमंद झील के पूर्व में कटा-फटा पठार*
6	**मेसा का पठार**	620 मीटर	चित्तौड़गढ़ — *चित्तौड़गढ़ किला इस पर अवस्थित है*
7	**कांकनवाड़ी का पठार**	—	अलवर
8	**हाड़ौती का पठार**	500 मीटर	झालावाड़, कोटा, बारां, बूँदी — *मालवा पठार का उत्तर-पश्चिमी भाग*
9	**भोमट का पठार**	—	उदयपुर से डूँगरपुर के बीच स्थित

अरावली के दर्रे (नाल) :-

- पर्वतों के मध्य नीचा एवं तंग रास्ता, जो पर्वतों के दोनों ओर के स्थानों को जोड़ता है, उसे **दर्रा (Pass) या नाल** कहा जाता है।
- अरावली में **सर्वाधिक दर्रे दक्षिणी अरावली (राजसमन्द क्षेत्र)** में पाए जाते हैं।
- इन दर्रों का महत्व प्राचीन काल से व्यापार, परिवहन और सामरिक दृष्टि से रहा है।

क्रमांक	दर्रा / नाल का नाम	स्थान (जिला)
1	सोमेश्वर नाल	राजसमंद
2	हाथीगुड़ा नाल	राजसमंद
3	खामली / कमली घाट	राजसमंद
4	गोरम घाट	राजसमंद
5	पगल्या नाल / जीलवाड़ा नाल	राजसमंद
6	बर नाल	ब्यावर
7	परवरिया नाल	ब्यावर
8	सूरा नाल	ब्यावर
9	शिवपुर घाट	ब्यावर

क्रमांक	दर्रा / नाल का नाम	स्थान (जिला)
10	कच्छवाली	ब्यावर
11	उदाबारी	ब्यावर
12	देसूरी नाल	पाली
13	ढेबर नाल	सलुम्बर
14	फुलवारी नाल	उदयपुर
15	केवड़ा नाल	उदयपुर
16	देबारी नाल	उदयपुर
17	हाथी नाल	उदयपुर
18	बोरांग	सिरोही

दर्रा / नाल	स्थान	जोड़ने वाले क्षेत्र	विशेषता
फुलवारी नाल	उदयपुर (कोटड़ा)	फुलवारी की नाल वन्य जीव अभयारण्य	सोम, मानसी व वाकल नदियाँ बहती हैं
केवड़ा नाल	उदयपुर	उदयपुर – सलूम्बर	__________
देबारी नाल	उदयपुर	उदयपुर – चित्तौड़गढ़ (NH-27)	महत्वपूर्ण सड़क मार्ग
पगल्या नाल / जीलवाड़ा नाल	राजसमंद	मेवाड़ (राजसमंद) – मारवाड़ (पाली)	आंतरिक व्यापार मार्ग
हाथीगुड़ा नाल	राजसमंद	राजसमंद – गोगुंदा (उदयपुर) – सिरोही	बहु-क्षेत्रीय जोड़
देसूरी नाल	पाली	पाली – चारभुजा नाथ मंदिर (राजसमंद)	धार्मिक मार्ग
बर नाल	ब्यावर (मध्य अरावली)	मारवाड़ (जोधपुर, पाली) – **मेरवाड़ा** (ब्यावर, अजमेर)	अजमेर–मारवाड़ कनेक्शन
बोरांग दर्रा	सिरोही (दक्षिणी अरावली)	सिरोही (आबू) – उदयपुर	सामरिक व व्यापारिक मार्ग

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

For RAS Mains:-

- **अरावली का महत्त्व:-**
  - यह पर्वत श्रेणियाँ राज्य को दो विशिष्ट भौगोलिक प्रदेशों अर्थात् मरुस्थलीय एवं गैर मरुस्थलीय में विभक्त करता है।
  - अरावली पर्वत श्रेणियाँ सदैव से पूर्ववर्ती मरुस्थलीय विस्तार रोकती हैं।
  - अरावली पर्वत अनेक नदियों जैसे बनास, बेड़च, लूनी, खारी, कोठारी, सूकड़ी, साबरमती, माही आदि नदियों का उद्गम रहा है।
  - अरावली पर्वत एक प्रमुख जल विभाजक (Water Divide) है, जिसके दोनों ओर पूर्व एवं पश्चिम में नदियाँ बहती हैं।
  - अरावली पर्वतमाला वन आच्छादित है तथा वन्यजीवों की शरणस्थली है।
  - पर्वतीय ढालों पर वनस्पति - आर्द्रता बढ़ाने में योगदान करती है - मानसून वर्षा में सहायक।
  - अरावली पर्वतीय क्षेत्र में अनेक झीलें हैं, जो न केवल पेयजल एवं सिंचाई जल उपलब्ध कराती हैं; अपितु पर्यटन के लिए भी प्रसिद्ध हैं। प्रमुख झीलें- जयसमन्द, फतेह सागर, पिछौला, बालसमन्द, सीलीसेढ़, आना सागर, फाइसागर, स्वरूप सागर आदि हैं।
  - अरावली पर्वत का सर्वाधिक प्रभाव राज्य की जलवायु पर होता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की दिशा के समानान्तर फैले होने के कारण मानसून यहाँ बिन बरसे चले जाते हैं।
  - इन पर्वत श्रेणियों की प्राकृतिक संरचना के कारण यहाँ आबू पर्वत एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन गया है। यही नहीं, अपितु इन पर्वतों के आँचल में अनेक प्राचीन किले, मंदिर, झीलें, अभयारण्य एवं नगर देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
  - अरावली में धारवाड़ क्रम की चट्टानें उपस्थित होने के कारण यह धात्विक खनिजों का प्रमुख स्रोत है एवं इसे खनिजों का अजायबघर कहते हैं।
  - **सांस्कृतिक केन्द्र -** उदयपुर, नाथद्वारा, कांकरोली, माउंट आबू (राजस्थान का बर्कोयांस्क), परशुराम महादेव मंदिर।
  - **प्राचीन सभ्यताओं का पालना-** बैराठ सभ्यता, जोधपुरा सभ्यता, गणेश्वर सभ्यता।

पूर्वी मैदानी प्रदेश

- **निर्माण काल:**
  - पूर्वी मैदानी प्रदेश का निर्माण **प्लीस्टोसीन काल** में हुआ था, जो भूगर्भीय दृष्टि से अपेक्षाकृत नवीन युग माना जाता है।
- **उपभाग का मूल स्रोत:-**
  - यह प्रदेश प्राचीन **टेथिस सागर** के अवशेषों से विकसित हुआ है।
- **निर्माण प्रक्रिया:-** इसका निर्माण **नदीय अवसादों के जमाव** तथा **जलोढ़ प्रक्रियाओं** के कारण हुआ है।
  - नदियों द्वारा लाए गए अवसादों ने इस क्षेत्र को उपजाऊ बनाया है।
- **ढाल:-** इस प्रदेश की सामान्य ढाल **दक्षिण से उत्तर-पूर्व दिशा** की ओर है, जिसके कारण अधिकांश नदियाँ इसी दिशा में प्रवाहित होती हैं।
- **औसत ऊँचाई:-** इस क्षेत्र की औसत ऊँचाई लगभग **200 मीटर से 500 मीटर** के बीच है।
- **क्षेत्रफल:-** यह प्रदेश राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग **23 प्रतिशत** भाग घेरता है।

पूर्वी मैदानी प्रदेश का विस्तार

- **जनसंख्या:-** राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग **39 प्रतिशत** भाग इस क्षेत्र में निवास करता है।
- **मुख्य विशेषताएँ:-** यह प्रदेश **अत्यंत उपजाऊ** है।
  - यहाँ **कृषि** का विकास उच्च स्तर पर हुआ है।
  - यहाँ **जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक** पाया जाता है।
  - यह प्रदेश **औद्योगिक विकास** की दृष्टि से भी अग्रणी है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **उप–प्रदेश:-** पूर्वी मैदानी प्रदेश को तीन प्रमुख उप–भागों में विभाजित किया गया है-
- ✦ माही का मैदान, बनास–बाणगंगा मैदान, चम्बल बेसिन

1. माही का मैदान

- ✦ माही का मैदान दक्षिण राजस्थान में स्थित है और इसका निर्माण मुख्यतः माही एवं उसकी सहायक नदियों सोम और जाखम द्वारा हुआ है।
- ✦ इसे भाटी मैदान भी कहा जाता है - जिसमें सोम, जाखम और माही नदियों के अवसाद सम्मिलित हैं।
- ✦ **छप्पन का मैदान -** यह प्रतापगढ़ और बाँसवाड़ा जिलों में विस्तृत है।
- ✦ **कांठल क्षेत्र/मैदान -** यह प्रतापगढ़ जिले में माही नदी के बहाव क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।
- ✦ **वागड़ क्षेत्र -** डूँगरपुर और बाँसवाड़ा जिलों में फैला हुआ है और सांस्कृतिक रूप से वागड़ी भाषा व जनजाति से संबंधित है।
- ✦ **मेवल क्षेत्र -** डूँगरपुर और बाँसवाड़ा के बीच स्थित पहाड़ी क्षेत्र है।

2. बनास - बाणगंगा मैदान

(A) बनास का मैदान :

- ✦ बनास मैदान की ढाल पूर्व की ओर है।
- ✦ इसे दो उप–भागों में विभाजित किया गया है:- **(i) मेवाड़ का मैदान (ii) मालपुरा–करौली का मैदान**

(i) मेवाड़ का मैदान:
- ✦ **विस्तार:** भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद जिलों में।
- ✦ यह बनास मैदान का दक्षिणी भाग है।
- ✦ इसका पश्चिमी भाग ऊँचा तथा पूर्वी भाग नीचा है।
- ✦ **पीडमॉन्ट मैदान** – *देवगढ़ (राजसमंद)* में स्थित है।

(ii) मालपुरा–करौली का मैदान:
- ✦ **विस्तार:** अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर व करौली जिलों में।
- ✦ यह एक समप्राय मैदान है।
- ✦ भू–आकृतिक दृष्टि से यह एक तृतीयक पेनीप्लेन है।
- ✦ यह बनास मैदान का उत्तर–पूर्वी भाग है।
- ✦ **नोट:- खैराड़ क्षेत्र** – *जहाजपुर (भीलवाड़ा)*।
  माल खैराड़ क्षेत्र – *मालपुरा (टोंक)*।

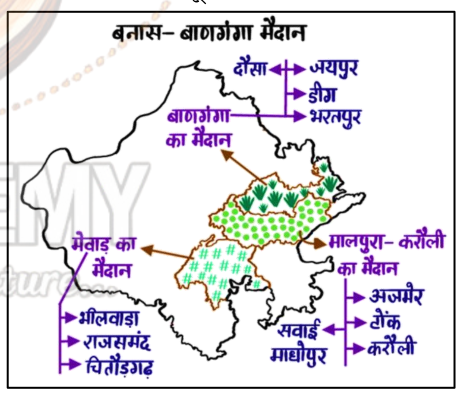

(B) बाणगंगा का मैदान :

- ✦ **विस्तार:** जयपुर, दौसा, डीग और भरतपुर, कोटपुतली-बहरोड़ जिलों में।
- ✦ यह क्षेत्र पूर्वी मैदान का सर्वाधिक उपजाऊ भाग है।
- ✦ यहाँ की मिट्टी पुरानी जलोढ़ है।
- ✦ इस क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है।
- ✦ **रोही दोआब** – यह बाणगंगा और यमुना नदियों के मध्य स्थित क्षेत्र है।

3. चम्बल का मैदान

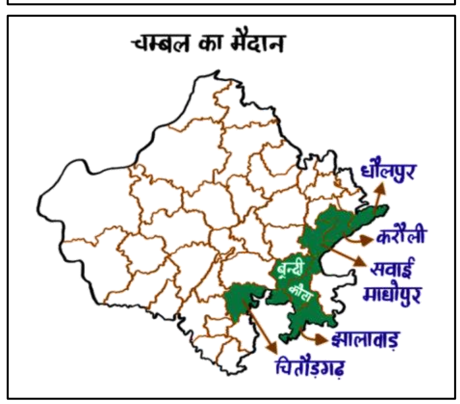

- ✦ इस क्षेत्र की स्थलाकृति **उत्खात** और **उबड़–खाबड़ भूमि** के रूप में जानी जाती है।
- ✦ यहाँ की स्थानीय स्थलाकृति को **"डांग"** कहा जाता है।
  - ▪ **डांग का सर्वाधिक विस्तार करौली जिले** में पाया जाता है।
  - ▪ करौली को **"डांग की रानी"** या **"डांग लैंड"** भी कहा जाता है।
- ✦ **बीहड़ :**
  - ▪ इनका निर्माण **अवनालिका अपरदन** द्वारा हुआ है।
  - ▪ यह क्षेत्र **गहरी घाटियों** से युक्त है।
  - ▪ **विस्तार:** कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर, धौलपुर और करौली जिलों में।
- ✦ **खोह:-** दो **डांगों के मध्य स्थित संकरी कंदरा** को **खोह** कहा जाता है।

For RAS Mains:-

- **पूर्वी मैदान का महत्व :-**
  - जलोढ़ मिट्टी से निर्मित होने के कारण यह क्षेत्र अत्यंत उपजाऊ है।
  - प्रत्येक वर्ष बाढ़ से नई मिट्टी की परत; उर्वरता का प्राकृतिक नवीनीकरण।
  - नदियों का जाल ; माही मैदान, बनास-बाणगंगा मैदान, चंबल बेसिन।
  - राज्य की लगभग 39% जनसंख्या इसी मैदान में निवास करती है।
  - मुख्य नगर, व्यापारिक व औद्योगिक केंद्र इसी क्षेत्र में स्थित।
  - जीवनोपयोगी सुविधाएँ जैसे जल, बिजली, सड़कें प्रचुर मात्रा में।
  - समतल भू-आकृति; परिवहन साधनों का घना जाल।
  - व्यापार व उद्योगों के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ।
  - दर्शनीय स्थल और सांस्कृतिक केंद्र इस क्षेत्र की पहचान हैं।

दक्षिण - पूर्वी पठारी प्रदेश / हाड़ौती पठार/ माल प्रदेश

- **निर्माण काल :-**
  - इस प्रदेश का निर्माण **क्रिटेशियस काल** में हुआ था।
  - यह क्षेत्र **दक्कन ट्रैप समूह** का हिस्सा है।
- **भूगर्भीय संरचना:**
  - यहाँ की चट्टानें **बेसाल्टिक लावा** के ठंडा होने से बनी है।
  - इस कारण यहाँ की मिट्टी **काली मृदा** या **रेगुर मिट्टी** के रूप में विकसित हुई है।
- **उपभाग :-** यह क्षेत्र **गोंडवाना लैंड** का एक भाग है।
  - यह **भारतीय प्रायद्वीपीय पठार** का हिस्सा है।
  - भौगोलिक दृष्टि से यह **मालवा पठार का उत्तर–पश्चिमी भाग** माना जाता है।
- **संक्रमण प्रदेश:-** यह क्षेत्र **अरावली पर्वतमाला** और **विंध्याचल पर्वत श्रृंखला** के **मध्य स्थित संक्रमण प्रदेश** है।
- **औसत ऊँचाई:- 500 मीटर**
- **सर्वोच्च शिखर:- चंदवाड़ी / चांदखेड़ी (झालावाड़) (517 मीटर)**
- **क्षेत्रफल:-** यह प्रदेश राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग **6.89%** भाग घेरता है।
- **जनसंख्या:-** राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग **11%** भाग इसी क्षेत्र में निवास करता है।
- **ढाल :-** इस पठार की ढाल सामान्यतः **दक्षिण से उत्तर–पूर्व दिशा** में है।
  - इसकी ढाल का आधार **चंबल नदी** एवं उसकी **सहायक नदियाँ** हैं, जो इस क्षेत्र को जलनिकास प्रदान करती हैं।
  - हाडौती का पठार सर्वत्र एकरूप न होकर धरातलीय दृष्टि से भिन्न है।

दक्षिण–पूर्वी पठारी प्रदेश

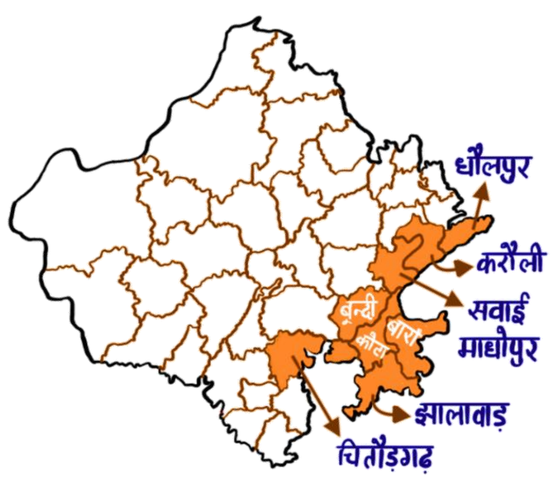

◈ इस प्रदेश को अध्ययन की दृष्टि से **2 मुख्य भागों** में बांटा गया है-

मुख्य भाग - 2

दक्कन लावा पठार	विंध्यन कगार भूमि
✦ **निर्माण** :- ज्वालामुखी (बेसाल्टिक लावा)	✦ **विस्तार** :- हाड़ौती- कोटा, बून्दी, झालावाड़, बारां डांग- करौली, सवाई माधोपुर, धौलपुर
✦ **हाड़ौती** :- हाड़ा राजपूत व भाषा के कारण नामकरण	✦ विंध्याचल पर्वत का अंतिम किनारा
✦ **बेसाल्टिक लावा** :- काली मृदा	✦ **खनिज** :- कोटा स्टोन
✦ **मालव प्रदेश** :- प्रतापगढ़ व झालावाड़	▪ रेड स्टोन
✦ **ऊपरमाल पठार** :- भैंसरोडगढ़ (चित्तौड़गढ़) से बिजौलिया (भीलवाड़ा) तक	▪ चूना पत्थर
✦ **मानदेसरा पठार** :- चित्तौड़गढ़	▪ बलुआ पत्थर (सर्वाधिक)
	▪ हीरा

◈ इस प्रदेश को अध्ययन की दृष्टि से **पाँच उप-भागों / उप-प्रदेश** में बांटा गया है।

1. अर्द्धचंद्राकार पहाड़ियाँ

अर्द्धचंद्राकार पहाड़ियाँ

बूंदी पर्वत श्रेणी	मुकुन्दरा हिल्स
✦ **विस्तार** :- बूंदी (उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम)	✦ **विस्तार** :- कोटा व झालावाड़ (उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व)
✦ **लम्बाई** :- 96 किलोमीटर	✦ **लम्बाई** :- 120 किलोमीटर
✦ **ऊँचाई** :- 300-350 मीटर	✦ **ऊँचाई** :- 335-503 मीटर
✦ **सर्वोच्च चोटी** :- सतूर (353 मीटर)	✦ **सर्वोच्च चोटी** :- चंदवाड़ी (517 मीटर)
✦ **दर्रे** :- बूंदी, जैतवास, रामगढ़-खटगढ़, लाखेरी	

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

2. शाहबाद उच्च भूमि

- ✦ **स्थान:-** यह **रामगढ़ (बारां जिला)** के समीप स्थित है।
- ✦ **औसत ऊँचाई:-** लगभग **300 मीटर**, जबकि **सर्वोच्च शिखर - कस्बा थाना (बारां),** ऊँचाई **456 मीटर**।
- ✦ **आकार:-** इसका आकार **घुड़नाल** जैसा है।
- ✦ **विशेष स्थल:-** यहाँ **रामगढ़ क्रेटर झील (पुष्कर तालाब) स्थित है** जिसे **उल्कापिंड** से निर्मित माना जाता है।
- ✦ **पुष्कर तालाब-** Wetland (Conservation & Management) Rule 2017 के तहत अधिसूचित।
- ✦ **रामगढ़ क्रेटर भारत की प्रथम अधिसूचित जियो–हेरिटेज साइट** है।

3. झालावाड़ पठार

- ✦ **स्थिति:-** यह **हाड़ौती पठार का दक्षिणी भाग** है।
- ✦ यह **मालवा पठार का भी एक अंग** है।
- ✦ इसके दक्षिण-पश्चिम भाग में **डग–गंगधर उच्च भूमि** स्थित है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

4. डग - गंगधर उच्च भूमि

- **स्थान:-** यह **झालावाड़ जिले** में स्थित है।
- **ऊँचाई:- 450 मीटर**
- **स्थिति:-** यह क्षेत्र **हाड़ौती पठार के दक्षिण–पश्चिमी भाग** में स्थित है।

5. नदी निर्मित

- **मुख्य नदियाँ:-** यह क्षेत्र **चंबल, कालीसिंध और पार्वती नदियों** द्वारा निर्मित है।

ग्रेट बाउंड्री फॉल्ट:-

- **स्थिति:** अरावली पर्वतमाला और हाड़ौती पठार के मध्य **दक्षिण–पूर्वी राजस्थान** में स्थित भ्रंश है।
- **विस्तार:** चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों तक फैला हुआ है।
- **लम्बाई :-** 430 किलोमीटर

For RAS Mains:-

दक्षिण के पठार की उपयोगिता :-

- **गोंडवाना लैण्ड से संबंध-** प्राचीन एवं कठोर पिण्ड होने से यह स्थिर, भूकंप और ज्वालामुखीय घटनाओं से सुरक्षित भाग है।
- **खनिज संपन्न क्षेत्र-** प्राचीन चट्टानों से निर्मित होने के कारण लौह, मैंगनीज, अभ्रक जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध।
- **काली मिट्टी की उपलब्धता-** यह क्षेत्र काली मिट्टी वाला है, कपास और मूँगफली की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त।
- **वन संपदा में समृद्ध-** साल, शीशम जैसे बहुमूल्य वन पाए जाते हैं।
- **जल-प्रपातों से जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावना-** चंबल, कालीसिंध और पार्वती नदियों द्वारा निर्मित प्राकृतिक जल-प्रपात सस्ती जल-विद्युत उत्पादन हेतु उपयुक्त है।
- कठोर धरातल व पत्थरों की आसान उपलब्धता के कारण सड़क मार्गों का विकास अधिक हुआ है।
- **औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल क्षेत्र-** कच्चा माल, ऊर्जा, श्रम एवं बाजार की उपलब्धता से लौह-इस्पात, एल्युमिनियम, शस्त्र, जलयान जैसे उद्योग विकसित हुए है।
- **पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल-** रामगढ़ क्रेटर झील (कोटा) - उल्का पिंड से बनी झील, राजस्थान की प्रथम जियो-हेरिटेज साइट घोषित।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

PYQ Questions

1. **'छप्पन का मैदान' राजस्थान के निम्नलिखित किन जिलों में विस्तृत है?** **(Junior Acc. and TRA – 2013)**
(a) कोटा – बारां (b) जालौर – पाली
(c) जैसलमेर – बाड़मेर (d) बाँसवाड़ा – डूँगरपुर

2. **राजस्थान के पश्चिमी मरु-प्रदेश का अंग नहीं है :** **(Research Assistant – 2016)**
(a) नागौर उच्च भूमि (b) घग्घर मैदान
(c) विंध्यन कगारभूमि (d) गोडवाड़ भूमि

3. **राजस्थान के बांगड़ प्रदेश के जिलों में कौन सा सम्मिलित नहीं है?** **(College Lecturer – 2018)**
(a) सीकर (b) झुंझुनूं (c) चूरू (d) राजसमंद

4. **निम्नलिखित में से कौनसा जिला हाड़ौती पठार पर अवस्थित है** **(A.R.O. - 2022)**
(a) सिरोही (b) धौलपुर (c) टोंक (d) कोटा

5. **जैसलमेर में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा विकसित मौलिक पारम्परिक वर्षा जल संचयन पद्धति का नाम है :** **(Teacher II Grade Exam. 2013)**
(a) बावड़ी (b) खड़ीन (c) कुण्ड (d) उकेरी

6. **विन्ध्यन कगार का विस्तार राजस्थान के जिस भाग में है, वह है:** **(PTI Grade III Exam 2011)**
(a) पूर्वी (b) उत्तरी (c) दक्षिणी (d) पश्चिमी

7. **राजस्थान के किस प्राकृतिक प्रदेश में मुकन्दरा की पहाड़ियाँ स्थित हैं ?** **(AEN Pre – 2013)**
(a) मध्य अरावली (b) शेखावटी प्रदेश
(c) उत्तरी - पूर्वी प्रदेश (d) हाड़ौती का पठार

8. **"छप्पन मैदान" है** **(School Lecturer 2011 Gk)**
(a) उत्तर पूर्वी राजस्थान (b) पश्चिमी राजस्थान
(c) दक्षिणी राजस्थान (d) पूर्वी राजस्थान

9. **बाप बोल्डर्स किस युग से सम्बन्धित है?** **(School Lecturer 2013)**
(a) प्री कैम्ब्रियन (b) पर्मियन - कार्बोनिफेरस
(c) क्रिटेशियस (d) इओसीन

10. **आकल वुड फॉसिल पार्क किस जिले में स्थित है ?** **(School Lecturer 2013)**
(a) जैसलमेर (b) जोधपुर
(c) पाली (d) जालोर

11. **अरावली और विन्ध्यन के मिलन स्थल का अंश कहलाता है :** **(School Lecturer 2013)**
(a) महान सीमा अंश (b) मुख्य सीमा भ्रंश
(c) मुख्य मध्यवर्ती भ्रंश (d) दिल्ली भ्रंश

12. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये –** **[RAS 2024]**
A. लूनी बेसिन और शेखावटी प्रदेश राजस्थान बंगाड़ के उप-प्रदेश हैं।
B. घग्गर का मैदान अधिकांशतः हनुमानगढ़ एवं गंगानगर जिलों में फैला है।
C. नागौर उच्च भूमि में लवणीय झीलें और आंतरिक जल निकास है।
D. अरावली श्रृंखलाएँ सभी प्रकार के खनिजों में समृद्ध हैं।
सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये :
(a) A और B (b) A, B और C
(c) B, C और D (d) A, B, C और D

13. **जैसलमेर के निकटवर्ती क्षेत्र की शैलें हैं :** **(School Lecturer 2013)**
(a) मालानी आग्नेय (b) रायलो समूह
(c) जुरासिक बलुआ पत्थर (d) अजबगढ़ समूह

14. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए–** **[Technical Assistant (Geophysics) 2024]**
(A) लसाड़िया पठार जयसमन्द के पूर्व में स्थित है।
(B) उड़िया पठार गुरु शिखर के नीचे स्थित है।
(C) मुकन्दरा की पहाड़ियाँ कोटा और बूंदी जिले के मध्य स्थित हैं।
कूट:
(a) (A), (B) और (C) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (B) (d) (A) और (C)

15. **राजस्थान के धारातलीय स्वरूपों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है ?** **(School Lecturer 2013)**
(a) अरावली विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रृंखला है।
(b) उत्तर-पूर्वी मैदान सिन्धु नदी द्वारा निर्मित मैदान का भाग है।
(c) पश्चिमी बालुका मैदान टेथिस सागर का अवशेष रूप है।
(d) दक्षिण-पूर्वी पठार गोंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग है।

16. **सीफ है एक -** **(PTI GR II AND III 2013)**
(a) अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप (b) अनुप्रस्थ बालुका स्तूप
(c) पैराबोलिक बालुका स्तूप (d) स्क्रब कापीस बालुका स्तूप

17. **निम्न मानचित्र में राजस्थान के प्रमुख जनजातियों का संकेन्द्रण (i), (ii), (iii) एवं (iv) से प्रदर्शित किया गया है। मानचित्र के नीचे दिये गये क्रम में इन्हें पहचानिये तथा उत्तर दीजिए :** **(RAS Pre 2013)**

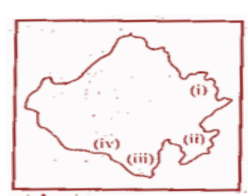

(a) सांसी, गरासिया, भील, सहरिया
(b) भील, सांसी, सहरिया, गरासिया
(c) सांसी, सहरिया, भील, गरासिया
(d) गरासिया, सहरिया, सांसी, भील

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

18. चम्बल बेसिन का विशिष्ट स्थलाकृतिक स्वरूप है : **(Asst. Jailor 2013)**
(a) अरावली की पर्वत पदीय पहाड़ियाँ
(b) आन्तरिक अपवाह
(c) चूना प्रदेश स्थलाकृति
(d) उत्खात स्थलाकृति

19. राजस्थान के भौतिक स्वरूप संरचनात्मक दृष्टि से भारत के निम्नलिखित में से किन उच्चावच प्रदेशों का हिस्सा है? **(College Lecturer - 2014)**
(a) उत्तरी वृहत् मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
(b) उत्तरी पर्वतीय प्रदेश, उत्तरी वृहत् मैदान
(c) तटीय मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
(d) प्रायद्वीपीय पठार, उत्तरी पर्वतीय प्रदेश

20. तारा बालूक स्तूप जिनके निकट मिलते हैं, वह है – **(School Lecturer-2015)**
(a) जैसलमेर (b) जोधपुर (c) सूरतगढ़ (d) बाड़मेर

21. राजस्थान में विंध्य कगार क्षेत्र किस प्रकार की चट्टानों से निर्मित है? **(Junior Accountant and TRA - 2013)**
(a) ग्रेनाइट (b) क्वार्टजाइट
(c) बालुका पत्थर (d) बेसाल्ट

22. गोडवाड़ प्रदेश राजस्थान के किस वृहत भू-आकृतिक विभाग का भाग है? **(Clerk GR II Comb. Exam - 2013)**
(a) पूर्वी मैदानी प्रदेश (b) पश्चिमी शुष्क प्रदेश
(c) हाड़ौती पठार (d) घग्घर मैदान

23. राजस्थान में स्थित थार मरुस्थल में कौन सा बालुका स्तूप का प्रकार नहीं है? **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) पैराबोलिक (b) तारा (c) बरखान (d) घोराउड

24. पश्चिमी राजस्थान में 'पश्चिमी रेतीला मैदान' की पूर्वी सीमा निम्न में से कौन सी समवर्षा रेखा बनाती है ? **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) 15 सेमी (b) 25 सेमी (c) 40 सेमी (d) 80 सेमी

25. 'भारत के मरुस्थलीकरण एवं भू-अवनयन एटलस (इसरो-2007)' के अनुसार राजस्थान में मरुस्थलीकरण से प्रभावित क्षेत्र है – **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) 70% (b) 67% (c) 65% (d) 59%

26. राजस्थान में निम्न में से कौन से जिले मुख्यत: बीहड़ प्रभावित हैं? **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) कोटा, सवाई माधोपुर, धौलपुर (b) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, जैसलमेर
(c) भीलवाड़ा, डूँगरपुर, राजसमन्द (d) अजमेर, भीलवाड़ा, पाली

27. निम्न में से राजस्थान में कौन सा क्षेत्र बालुका स्तूप मुक्त है? **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) शेरगढ़ – शिव (b) ओसियां – शेरगढ़
(c) बायतू – चोहटन (d) फलोदी – पोकरण

28. निम्न में से राजस्थान के किस जिले में "बांका पट्टी" पेटी फैली हुई है ? **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) भीलवाड़ा (b) नागौर (c) चूरू (d) सीकर

29. निम्न में से कौन सा राजस्थान मरुस्थलीकरण का कारण नहीं है? **(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)**
(a) अतिचारण (b) वनोन्मूलन
(c) जनसंख्या दबाव (d) सौर्य ऊर्जा उत्पादन

30. राजस्थान के रेतीले शुष्क मैदान में कौनसा क्षेत्र है जहाँ आधार चट्टानें सतह पर अनावरित हैं? **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
(a) बनास बेसिन (b) बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश
(c) शेखावाटी प्रदेश (d) नागौरी उच्च भूमि

31. 'डांग' राजस्थान के किस भौगोलिक प्रदेश का भाग है? **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
(a) पूर्वी मैदान (b) शेखावाटी प्रदेश
(c) अरावली प्रदेश (d) लूणी बेसिन

32. तारा बालुका स्तूप निम्न में से मुख्यत: राजस्थान के किस जिले में पाए जाते हैं? **(Asst. Agri Officer (TSP) – 2015)**
(a) जैसलमेर – गंगानगर (b) चुरु – सीकर
(c) जालौर – पाली (d) जयपुर – दौसा

33. अरावली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और सही उत्तर का चयन कीजिये: **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
A. यह एक प्रमुख जल विभाजक है
B. राजस्थान की समस्त नदियों का उद्गम यहीं से है
C. राजस्थान में वर्षा का वितरण इससे प्रभावित नहीं होता है
D. यह प्रदेश धात्विक खनिजों से समृद्ध है
कूट:
(a) A, B और C सही हैं (b) B, C और D सही हैं
(c) केवल C और D सही हैं (d) केवल A और D सही हैं

34. विशाल सीमा-भ्रंश राजस्थान के किस भाग में स्थित है? **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
(a) उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम (b) पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी
(c) केन्द्रीय (d) दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम

35. उत्खात स्थलाकृति विशेषता है **(Asst. Agri Officer - 2015)**
(a) नागौरी उच्च भू-भाग की (b) घग्घर बेसिन की
(c) शेखावाटी की (d) चम्बल बेसिन की

36. निम्न में से कौनसी राजस्थान के मरुस्थल की मुख्य विशेषताएँ हैं? **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
(A) अतिशुष्क दशाएँ
(B) तापमान अतिरेक
(C) न्यून औसत वार्षिक वर्षा
(D) कम तथा छितरता हुआ वनस्पति आवरण

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूटः
(a) A, B और D (b) A, C और D
(c) A, B और C (d) A, B, C और D

37. मालपुरा – करौली मैदान भाग है –
(Headmaster (Secondary school-2018)
(a) माही बेसिन का (b) बाणगंगा बेसिन का
(c) चम्बल बेसिन का (d) बनास बेसिन का

38. निम्नलिखित में से कौन से सही सुमेलित हैं?
(Headmaster (Secondary school-2018)
(A) घग्घर का मैदान – गंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिले
(B) शेखावाटी प्रदेश – आंतरिक अपवाह क्षेत्र
(C) उदयपुर बेसिन – गिरवा
(D) भोराट का पठार – रघुनाथगढ़ शिखर
नीचे दिए कूट से उत्तर चुनिए –
(a) A, C एवं D सही है (b) A, B एवं C सही है
(c) B, C एवं D सही है (d) A, B एवं D सही है

39. राजस्थान का कौन सा भौतिक विभाग मालवा के पठार का भाग है? (Asst. Engineer Comb. Comp. Exam 2018)
(a) हाड़ौती का पठार (b) चंबल का मैदान
(c) लूनी का मैदान (d) भोराट का पठार

40. विन्ध्यन क्रम की अराबाला पहाड़ियाँ राजस्थान के किस / कौन से क्षेत्र में पायी जाती हैं? (Asst. Engineer Comb. Comp. Exam 2018)
(a) कोटा — झालावाड़
(b) बूँदी — सवाई माधोपुर
(c) बाँसवाड़ा — डूँगरपुर
(d) उदयपुर — चित्तौड़गढ़

41. सुमेलित कीजिए:
(Sr. Teacher Gr II Comp. Exam 2018)

क्षेत्र	स्थानीय नाम
I. डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं प्रतापगढ़ क्षेत्र	a. भोमट
II. डूँगरपुर, पूर्वी सिरोही एवं उदयपुर जिलों का अरावली पर्वतीय क्षेत्र	b. हाड़ौती
III. आबू पर्वत खण्ड	c. वागड़
IV. कोटा, बूँदी एवं बारां क्षेत्र	d. अबूर्द

कूटः
(a) I–d, II–c, III–b, IV–a (b) I–c, II–a, III–d, IV–b
(c) I–c, II–b, III–a, IV–d (d) I–d, II–a, III–b, IV–c

42. सुमेलित कीजिए: (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)

जिला	पर्यटन स्थल
I. अलवर	a. डीग
II. अजमेर	b. कोलायत
III. बीकानेर	c. सोनी जी की नसियां
IV. भरतपुर	d. पाण्डुपोल

कूटः
(a) I–a, II–b, III–c, IV–d
(b) I–c, II–a, III–b, IV–d
(c) I–d, II–c, III–b, IV–a
(d) I–b, II–d, III–a, IV–c

43. कौनसा पर्वत शिखर उत्तरी अरावली प्रदेश में अवस्थित नहीं है?
[Technical Assistant (Geophysics) 2024]
(a) रोजा भाकर (b) सिरावास
(c) बिलाली (d) बरवाड़ा

44. मुकुन्दवारा पहाड़ियाँ मुख्यतः किस जिले में फैली हैं?
(Asst. Agriculture Officer 2018)
(a) जयपुर जिला (b) बाँसवाड़ा जिला
(c) कोटा जिला (d) अलवर जिला

45. 'डांगलैण्ड' किसका भाग है?
(Asst. Agriculture Officer 2018)
(a) भोराट पठार (b) आबू पर्वत
(c) करौली पठार (d) चित्तौड़गढ़

46. सारणी–I एवं सारणी–II में दिये गये भौतिक विभाग एवं संबंधित जिलों का सही मिलान है –
(Asst. Agriculture Officer 2018)

सारणी–I (भौतिक विभाग)	सारणी–II (जिला)
A. भाकर	i. बाँसवाड़ा
B. गिरवा	ii. नागौर
C. वागड़	iii. सिरोही
D. बांगर	iv. उदयपुर

कूटः
(a) A–i, B–iii, C–iv, D–ii
(b) A–iv, B–iii, C–ii, D–i
(c) A–iii, B–iv, C–ii, D–i
(d) A–iii, B–iv, C–i, D–ii

47. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थान में उत्तरी अरावली श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है ?
[Deputy Jailor (P-II) 2024]
(a) रघुनाथगढ़ (b) तारागढ़
(c) खौ (d) भैराच

48. निम्नलिखित में से कौन से कारक राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिये उत्तरदायी हैं? (College Lecturer – 2018)
A. वनों की कटाई B. अति पशुचारण
C. बूंद-बूंद सिंचाई D. मृदा अपरदन
कूटः
(a) A एवं B (b) A, B एवं C
(c) A, B एवं D (d) A, C एवं D

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

49. जुरासिक युग की चट्टानें राजस्थान के किन जिलों में पायी जाती हैं? (College Lecturer– 2018)
(a) जयपुर एवं टोंक (b) बाँसवाड़ा–डूँगरपुर
(c) जैसलमेर–बाड़मेर (d) अजमेर–नागौर

50. सही कथनों का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये – (College Lecturer – 2018)
A. 'लसाड़िया' पठार जयसमंद झील के पूर्व में स्थित है।
B. 'नाग पहाड़' मध्य अरावली का सर्वोच्च शिखर है।
C. 'छप्पन का मैदान' प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ जिलों के मध्य स्थित है।
D. शिवपुर घाट एवं बर अरावली के दर्रे हैं।
कूट: (a) A, B और C सही हैं। (b) B, C और D सही हैं।
(c) A और D सही हैं। (d) B और C सही हैं।

51. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान के दक्षिणतम भाग में अवस्थित है? (Asst. Statistical Officer - 2018)
(a) लूनी बेसिन (b) माही बेसिन
(c) बनास बेसिन (d) दक्षिणी अरावली

52. झालावाड़ से बीकानेर की ओर सीधी रेखा में यात्रा करते हुए आप निम्न में से किस प्रकार के भौतिक स्वरूपों के क्रम का अवलोकन करेंगे ? (Food Safety Officer – 2019)
(a) भोराट पठार, हाड़ौती पठार, मध्य अरावली
(b) मध्य माही मैदान, बनास बेसिन, बांगड़
(c) विन्ध्यन कगार, बनास बेसिन, भोराट पठार
(d) हाड़ौती पठार, बनास बेसिन, मध्य अरावली

53. रामगढ़ की गोलाकार पहाड़ी निम्न में से किस प्रदेश में अवस्थित है ? (School Lecturer (School Edu.) - 2018)
(a) शेखावाटी प्रदेश (b) हाड़ौती का पठार
(c) छप्पन मैदान (d) घग्घर मैदान

54. चित्तौड़गढ़ किला अवस्थित है – (Veterinary Offi. – 2019)
(a) मेसा पठार पर (b) भोराठ पठार पर
(c) गोरम पठार पर (d) बीजासण पठार पर

55. उत्खात स्थलाकृतियाँ पाई जाती हैं (Veterinary Offi. - 2019)
(a) झालावाड़ तथा डूँगरपुर में
(b) गंगानगर तथा हनुमानगढ़ में
(c) घग्घर नदी बेसिन में
(d) धौलपुर तथा सवाई माधोपुर में

56. निम्न में से थार मरुस्थल के किस भाग की समुद्र तल से सबसे कम ऊँचाई है? (Veterinary Officer – 2019)
(a) उत्तरी भाग (b) दक्षिणी भाग
(c) उत्तरी-पूर्वी भाग (d) उत्तरी-पश्चिमी भाग

57. झालावाड़ अवस्थित है- (Veterinary Officer – 2019)
(a) भोराठ पठार पर (b) मध्य माही मैदान में
(c) हाड़ौती पठार पर (d) चम्बल बेसिन में

58. निम्न में से किस जिले के समूह में सूखे की संभावना सर्वाधिक है? (Veterinary Officer – 2019)
(a) झालावाड़, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली
(b) भरतपुर, धौलपुर, करौली, जालौर
(c) चूरू, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर
(d) प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, जालौर, चूरू

59. राजस्थान के किस क्षेत्र में अनुप्रस्थ बालुका स्तूप मिलते हैं? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) बीकानेर जिले में पुंगल (पूगल) के चारों ओर
(b) लूनी बेसिन के पश्चिमी भाग में
(c) जैसलमेर जिले के रामगढ़ क्षेत्र में
(d) अजमेर जिले में पुष्कर के चारों ओर

60. राजस्थान में कौन सा जिला फ्लोरोसिस से सर्वाधिक प्रभावित है जो पानी में फ्लोराइड के कारण होता है ? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) नागौर (b) बीकानेर
(c) सिरोही (d) झालावाड़

61. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कौन सा कारण नहीं है? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) वर्षा की कम मात्रा विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में
(b) बालुका स्तूपों का स्थिरीकरण
(c) अतिचारण
(d) भूमि उपयोग पैटर्न में परिवर्तन

62. निम्नलिखित में से कौन सा एक मरुस्थलीकरण के रोकथाम के लिए उपयोगी है ? (Evaluation Officer – 2020)
(a) मृदा संरक्षण (b) अतिचारण नियंत्रण
(c) वनोन्मूलन पर नियंत्रण (d) ये सभी

63. राजस्थान में घास के मैदान और चरागाह कहलाते हैं – (Deputy Commandant – 2020)
(a) बीड़ (b) द्वार
(c) बुग्याल (d) बंजर क्षेत्र

64. निम्न बेसिनों में से कौन सा गोडवाड़ प्रदेश के नाम से जाना जाता है? (Agriculture Research Officer 2020)
(a) चम्बल बेसिन (b) मध्य माही बेसिन
(c) लूनी बेसिन (d) सांभर बेसिन

65. विन्ध्यन कगार हिस्सा है (Agri Research Officer – 2020)
(a) बांगड़ का (b) अरावली का
(c) थार का (d) हाड़ौती का

66. निम्न में से जिलों का कौन सा युग्म जलभराव (सेम) की समस्या से अधिक प्रभावित है? (Agri. Officer – 2020)
(a) गंगानगर एवं हनुमानगढ़ (b) जैसलमेर एवं नागौर
(c) जयपुर एवं सीकर (d) चूरू एवं भीलवाड़ा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

67. मरुस्थलीकरण का मानवजनित कारक नहीं है – **(Agri. Officer – 2020)**
(a) अतिचारण (b) भूमि उपयोग में परिवर्तन
(c) अल्प वर्षा (d) नगरीकरण

68. छप्पन मैदान भाग है – **(Agri. Officer – 2020)**
(a) लूनी बेसिन का (b) माही बेसिन का
(c) बनास बेसिन का (d) चंबल बेसिन का

69. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है? **(ACF And Forest Range Officer Gr-I – 2018)**
(a) लूनी-जवाई बेसिन - गोडवाड़ प्रदेश
(b) चम्बल बेसिन - उत्खात भूमि
(c) माही बेसिन - छप्पन मैदान
(d) बनास बेसिन - बांगड़ प्रदेश

70. निम्नलिखित में से कौन-सा 'बागड़' के नाम से भी जाना जाता है? **(Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari–2020)**
(a) बनास का मैदान (b) हाड़ौती का पठार
(c) मध्य माही का मैदान (d) चम्बल बेसिन

71. निम्नलिखित में से कौन से जिलों का समूह सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है? **(Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari–2020)**
(a) झालावाड़ तथा बाँसवाड़ा (b) उदयपुर तथा भीलवाड़ा
(c) बूँदी तथा कोटा (d) भरतपुर तथा करौली

72. डेगाना, बिलाड़ा, पाली तथा जालौर भाग हैं **(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)**
(a) माही बेसिन के (b) चम्बल बेसिन के
(c) लूणी बेसिन के (d) साबरमती बेसिन के

73. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का सर्वप्रमुख कारण है— **(Superintendent Garden – 2021)**
(a) बड़े पैमाने पर खनन कार्य (b) वाष्पोत्सर्जन की उच्च दर
(c) अरावली पर्वतों की उच्च ऊँचाईयाँ
(d) अनियंत्रित पशुपालन

74. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये : **(Asst. Prof. (College Edu.) - 2020)**

सूची-1 – भू-आकृति प्रदेश	सूची-II – दृश्य
(A) मेवाड़ पर्वतीय क्षेत्र	(i) मुकन्दरा पहाड़ियाँ
(B) हाड़ौती पठार	(ii) नाली
(C) शेखावाटी प्रदेश	(iii) गिरवा
(D) घग्घर मैदान	(iv) अन्तःप्रवाहित अपवाह

कूट : (A)(B)(C)(D) **(A)(B)(C)(D)**
(a) (iv) (iii) (ii) (i) (b) (iii) (i) (iv) (ii)
(c) (iii) (iv) (ii) (i) (d) (ii) (i) (iii) (iv)

75. राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन से जिले 50 सेमी समवर्षा रेखा के पश्चिम में अवस्थित हैं ? **(Asst. Prof. (College Edu.) - 2020)**
A. दौसा B. चूरू
C. हनुमानगढ़ D. भीलवाड़ा
कूट: (a) A, B एवं C (b) A, C एवं D
(c) B एवं D (d) B एवं C

76. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए : **(Asst. Prof. (College Education) - 2020)**

सूची-I (भू-आकृतिक प्रदेश/भू-आकृति)	सूची-II (जिला)
A. घग्घर	i. बाँसवाड़ा
B. गिरवा	ii. नागौर
C. वागड़	iii. हनुमानगढ़
D. बाँगर	iv. उदयपुर

कूट : (a) A-i, B-iii, C-iv, D-ii (b) A-iii, B-ii, C-iv, D-i
(c) A-iv, B-iii, C-i, D-ii (d) A-iii, B-iv, C-i, D-ii

77. निम्न में से थार मरुस्थल के भाग हैं? **(RAS/RTS Comb. Comp. Exam 2021)**
(i) गोड़वाड़ प्रदेश (ii) शेखावाटी प्रदेश
(iii) बनास का मैदान (iv) घग्घर का मैदान
कूट: (a) (i) एवं (ii) (b) (ii) एवं (iii)
(c) (i), (ii) एवं (iv) (d) (i), (iii) एवं (iv)

78. राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थल में सबसे प्रमुख (अधिकांशतः) बालू के स्तूप हैं – **(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)**
(a) बरखान में (b) पवनानुवर्ती में
(c) अनुप्रस्थ में (d) पेराबॉलिक में

79. निम्नलिखित में से कौनसा मरुस्थलीकरण का प्रमुख कारण नहीं है? **(Statistical Officer – 2021)**
(a) सूखे की पुनरावृत्ति (b) अति चराई
(c) वायु प्रदूषण (d) जनसंख्या का दबाव

80. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है ? **[Asst. Testing Officer (PWD) 2024]**
(a) मालखेत – मध्य अरावली
(b) धोनिया डूंगर – मध्य अरावली
(c) नाग पहाड़ – दक्षिण अरावली
(d) भोजगढ़ – उत्तर पूर्वी अरावली

81. निम्नलिखित में से राजस्थान के किस प्रदेश में 'उद्वस्त-भूमि स्थलाकृति' पाई जाती है? **(Asst. Statistical Offi. – 2021)**
(a) लूनी बेसिन (b) चम्बल बेसिन
(c) शेखावाटी (d) बांगर प्रदेश

82. निम्नलिखित में से किस जिले में देसूरी नाल अवस्थित है? **[Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) – 2024]**
(a) ब्यावर (b) पाली
(c) सीकर (d) सिरोही

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

83. 'बर, परवेरिया, शिवपुर और देबारी' हैं :
(a) मध्य अरावली के दर्रे (b) हाड़ौती का पठार
(c) मेवाड़ की पहाड़ियाँ (d) बनास मैदान की नदियाँ

84. महान सीमा भ्रंश राजस्थान के किस जिले से नहीं गुजरता है? **(A.R.O. - 2022)**
(a) कोटा (b) चित्तौड़गढ़
(c) सवाई माधोपुर (d) भीलवाड़ा

85. निम्नलिखित में से कौन सा पश्चिमी राजस्थान में पाया जाने वाला बालुका स्तूप का प्रकार नहीं है? **(A.R.O. - 2022 (GK and Horticulture)**
(a) सीफ (b) बरखान
(c) बजादा (d) पैराबोलिक

86. 'थार मरुस्थल' के सन्दर्भ में, 'पैराबोलिक' क्या है? **(A.R.O. - 2022 (GK and Entomology))**
(a) बालुका स्तूप (b) झील
(c) खड़ीन (d) टांका

87. निम्नलिखित में से कौनसी नदी बेसिन राजस्थान के पूर्वी मैदान का भाग नहीं है? **(A.R.O. - 2022)**
(a) चम्बल बेसिन (b) बनास बेसिन
(c) माही बेसिन (d) जवाई बेसिन

88. घग्घर मैदान के विस्तार वाले जिले हैं – **(School Lecturer (School Edu.) - 2022)**
(a) अलवर–भरतपुर (b) अजमेर–नागौर
(c) पाली–सिरोही (d) गंगानगर–हनुमानगढ़

89. राजस्थान के कौन से क्षेत्रों में, तारा बालुका स्तूप पाये जाते हैं? **(School Lecturer (School Edu.) - 2022)**
(a) मोहनगढ़ क्षेत्र (जैसलमेर) एवं सूरतगढ़ क्षेत्र (गंगानगर)
(b) सरदारशहर क्षेत्र (चूरू) एवं शेखावटी क्षेत्र (सीकर)
(c) सिवाना क्षेत्र (बाड़मेर) एवं फलोदी क्षेत्र (जोधपुर)
(d) मोहनगढ़ क्षेत्र (जैसलमेर) एवं कोलायत क्षेत्र (बीकानेर)

90. पश्चिमी राजस्थान में कौन से प्रकार के अनुप्रस्थ बालुका स्तूप पाये जाते हैं? **(School Lecturer (School Edu.) - 2022)**
(a) बरखान एवं सीफ
(b) परवलयी एवं वनस्पति युक्त रेखीय
(c) बरखान एवं पवन विपरीत रेखीय
(d) बरखान एवं परवलयी

91. 'पक्षी गाँव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गाँव राजस्थान के किस जिले में स्थित है? **(Protection Officer - 2022)**
(a) उदयपुर (b) जोधपुर
(c) भरतपुर (d) झालावाड़

92. राजस्थान में विंध्यन कगार क्षेत्र में पाए जाते हैं? **(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.) - 2022)**
(a) कोटा – झालावाड़ क्षेत्र (b) धौलपुर – करौली क्षेत्र
(c) अलवर – भरतपुर क्षेत्र (d) अलवर – सवाई माधोपुर क्षेत्र

93. बरखान पश्चिमी राजस्थान के कौन से क्षेत्रों में पाए जाते हैं? **(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.)- 2022)**
A. ओसियां – जोधपुर B. भलेरी – चूरू
C. देशनोक – बीकानेर D. दांतारामगढ़ – सीकर
(a) A, B एवं D (b) A, C एवं D
(c) A, B एवं C (d) B, C एवं D

94. निम्नलिखित में से कौन सा/से सुमेलित हैं? **[Lecturer and Coach (G-D) 2024]**

भू-आकृति	**अवस्थिति**
A. गिरवा	उदयपुर बेसिन
B. भाकर	माही बेसिन
C. भोराट पठार	कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के मध्य

कूट :
(a) A, B और C (b) A और C
(c) A और B (d) केवल C

95. तालिका-I (भौतिक आकृति) को तालिका-II (स्थान) से सुसंगत कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए: **(Senior Physical Education Teacher- 2022)**

तालिका-I (भौतिक आकृति)	**तालिका-II (स्थान)**
A. जयगढ़	(i) जयसमंद झील के पूर्वी भाग
B. त्रिकूट पहाड़ी	(ii) सीकर
C. लसाड़िया का पठार	(iii) जयपुर
D. रघुनाथगढ़	(iv) जैसलमेर

कूट: (a) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(c) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii)
(d) A-(ii), B-(iv), C-(iii), D-(i)

96. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – **(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.)- 2022)**
A. अनुप्रस्थ बालुका-स्तूप चूरू और झुंझुनू जिलों में मिलते हैं।
B. अवरोधी बालुका-स्तूप पुष्कर क्षेत्र में मिलते हैं।
C. जोधपुर जिला बालुका-स्तूप मुक्त जिला है।
कूट : (a) A, B और C (b) B और C
(c) A और B (d) A और C

97. निम्नलिखित में से कौन से कारक राजस्थान में मरुस्थलीकरण से सम्बन्धित हैं ? **(Statistical Officer (Statistics Dept.)– 2023)**
अ. नहरी सिंचाई ब. अति पशुचारण
स. मृदा अपरदन द. पवन ऊर्जा परियोजनाएँ
इ. वनों की कटाई
कूट :
(a) अ, ब, स एवं द (b) अ, ब, स एवं इ
(c) ब, स एवं इ (d) ब, द एवं इ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

98. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का कौन सा कारण नहीं है?
(Asst. Prof., Librarian and PTI - 2023)
(a) नहरों की सिंचाई (b) भूमि उपयोग परिवर्तन
(c) अतिचारण (d) बालू एवं बालुका-स्तूप का एकत्र होना

99. सूची–I को सूची–II से मिलाइए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए- **(Asst. Prof., Librarian and PTI - 2023)**

सूची–I (भू–आकृतिक प्रदेश)	सूची–II (प्राकृतिक भू–दृश्य)
(A) हाड़ौती पठार	(i) लसाड़िया पठार
(B) मेवाड़ पहाड़ी प्रदेश	(ii) कुचामन –नावा झीलें
(C) मध्यवर्ती अरावली प्रदेश	(iii) उपरमाल
(D) नागौर उच्च भूमि	(iv) मेरवाड़ा की पहाड़ियां

कूटः (a) (A-ii), (B-i), (C-iii), (D-iv)
(b) (A-ii), (B-iii), (C-iv), (D-i)
(c) (A-iii), (B-iv), (C-i), (D-ii)
(d) (A-iii), (B-i), (C-iv), (D-ii)

100. इसरो के 'भारत मरुस्थलीकरण तथा भूमि क्षरण एटलस-2021' के अनुसार राजस्थान में (2018-19 में) पवन अपरदन के बाद मरुस्थलीकरण/भूमि क्षरण की सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया निम्नलिखित में से कौनसी है? **(Archaeology and Museums Dept.- 2023)**
(a) जल भराव (b) जल अपरदन
(c) अति सिंचाई (d) वनस्पति क्षरण

101. निम्नलिखित में से कौनसी पहाड़ी लूनी बेसिन में अवस्थित नहीं है?
(Archaeology and Museums Dept.- 2023)
(a) हिंगलाज-का-मगरा (b) कलीमा पहाड़
(c) पालखेड़ा पर्वत (d) नरसिंहपुर पहाड़

102. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में अर्ध-मरुस्थलीय भौतिक प्रदेश का भाग नहीं है? **(Archives Dep. Recruitment - 2024)**
(a) शेखावाटी प्रदेश (b) घग्घर का मैदान
(c) गोड़वाड़ प्रदेश (d) छप्पन का मैदान

103. राजस्थान के किन क्षेत्रों में अनुप्रस्थ बालुकास्तूप मिलते हैं?
(Archives Department Recruitment - 2024)
(A) बीकानेर जिले के पूगल के चारों ओर
(B) गंगानगर जिले का सूरतगढ़ क्षेत्र
(C) जैसलमेर जिले का मोहनगढ़ क्षेत्र
(D) हनुमानगढ़ जिले का नोहर क्षेत्र
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए–
(a) A, B, C (b) B, C, D
(c) B, C (d) A, B

104. विन्ध्यन कगार भूमि प्रमुखतः निर्मित है –
(Archives Department Recruitment - 2024)
(a) संगमरमर एवं ग्रेनाइट से (b) क्वार्टज़ाइट एवं ग्रेनाइट से
(c) बालुका पत्थर एवं शेल से (d) बेसाल्ट से

105. पचपदरा, सांवरला व कपराना खारे पानी के गर्त निम्नलिखित में से किसमें पाए जाते हैं? **(Archives Dept - 2024)**
(a) शेखावटी बेसिन (b) लूणी-जवाई बेसिन
(c) माही बेसिन (d) घग्घर बेसिन

106. थार मरुस्थल में 'लाठी सीरीज' के सन्दर्भ में कौनसा सही नहीं है-
(Archives Department Recruitment - 2024)
(a) अवसादी चट्टानों से निर्मित क्षेत्र
(b) भूमिगत जल का अच्छा भण्डार
(c) बालुका स्तूपों की अधिकता
(d) प्राकृतिक तेल-गैस भण्डार

107. इनमें से कौन सी पहाड़ी मध्य-अरावली क्षेत्र में स्थित है ?
[Lecturer and Coach (G-B) 2024]
(a) नाग-पहाड़ (b) डोरा पर्वत
(c) नाग पानी (d) बिलाली

108. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है?
(Asst. Statistical Officer (Agri. Deptt.)–2024)
(a) लूनी बेसिन – नेहड़ (b) नागौर उच्च भूमियाँ – डोरा पर्वत
(c) शेखावाटी प्रदेश – जोहड़ (d) घग्घर मैदान - नाली

109. "भारत – मरुस्थलीकरण और भूमिक्षरण एटलस" के अनुसार, राजस्थान में 2003–05 से 2011–13 के बीच किस प्रकार के मरुस्थलीकरण/भूमिक्षरण में सर्वाधिक नकारात्मक परिवर्तन देखा गया है? **(Asst. Prof. – 2024)**
(a) अधिवास के द्वारा मरुस्थलीकरण / भूमिक्षरण
(b) वायु अपरदन के द्वारा मरुस्थलीकरण / भूमिक्षरण
(c) वनस्पति क्षरण के द्वारा मरुस्थलीकरण / भूमिक्षरण
(d) जल अपरदन के द्वारा मरुस्थलीकरण / भूमिक्षरण

110. निम्नलिखित में से कौनसा एक राजस्थान के दक्षिण–पूर्वी पठार प्रदेश का भाग नहीं है? **(Local Self Govt. Dept. - 2022)**
(a) अर्द्ध–चन्द्राकार पर्वत श्रेणियाँ (b) देवगढ़ का पीडमांट मैदान
(c) शाहबाद का उच्च स्थल (d) डग–गंगधार का उच्च क्षेत्र

111. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में परम्परागत जल संरक्षण तकनीक नहीं है? **(Local Self Govt. Dept. - 2022)**
(a) झालरा (b) पेंडा
(c) टोबा (d) नाड़ी

112. विश्व धरोहर स्थल रामगढ़ क्रेटर स्थित है –
(Agriculture Officer (Agri. Deptt.) – 2024)
(a) कोटा जिले में (b) झालावाड़ जिले में
(c) बूँदी जिले में (d) बारां जिले में

113. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए –
(PTI and Librarian – 2024)
(A) काला भूरा डूंगर, लूणी बेसिन की पश्चिमी सीमा बनाता है।
(B) सालिसर, जस्सूसर और मलसीसर, शेखावटी प्रदेश में अवस्थित हैं।
(C) हनुमानगढ़ के निकट घग्घर नदी का तल 'नाली' कहलाता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट –
(a) केवल (B) और (C) सही हैं। (b) केवल (A) और (C) सही हैं।
(c) केवल (C) सही है। (d) केवल (A) सही है।

114. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला अवनालिका अपरदन से सर्वाधिक ग्रसित है? (Sanskrit College Edu.)-2024)
(a) झालावाड़ (b) दौसा
(c) टोंक (d) करौली

115. 'ढांड' सन्दर्भित है – (PTI and Librarian– 2024)
(a) सरस्वती नदी का आधार तल
(b) थार मरुभूमि के चारागाह क्षेत्र
(c) नागौरी उच्च भूमि में स्थायी बालुका स्तूप
(d) थार के मरुभूमि में अस्थायी झील

116. 'मरुस्थलीकरण' के प्रमुख कारणों से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (Public Relation Officer-2024)
(अ) उच्च तापमान व न्यून वर्षा
(ब) जनसंख्या वृद्धि (स) वायु प्रदूषण
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(a) (अ), (ब) तथा (स) सही हैं (b) (ब) तथा (स) सही हैं
(c) (अ) तथा (ब) सही हैं (d) केवल (अ) सही है

117. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस बालुका स्तूप को जिवावशेष बालुका स्तूप माना जाता है ? (Lecturer and Coach -2024)
(a) अवरोधी (b) बरखान
(c) अनुदैर्ध्य (d) अनुप्रस्थ

118. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ? (Lecturer and Coach -2024)
(a) देश के कुल क्षेत्रफल में राजस्थान का क्षेत्रफल 10.41 प्रतिशत है।
(b) राजस्थान का उत्तर-दक्षिण विस्तार 869 कि.मी. है।
(c) राजस्थान देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अवस्थित है।
(d) राजस्थान की राज्य सीमा की कुल लम्बाई 5920 कि.मी. है।

119. किस भू-आकृतिक प्रदेश को "गोड़वाड़ प्रदेश" कहा जाता है? (Lecturer and Coach -2024)
(a) पूर्वी मैदान (b) लूणी–जवाई बेसिन
(c) शेखावटी प्रदेश (d) चम्बल बेसिन

120. हाड़ौती पठार की डग-गंगधार उच्च-भूमि के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है? (Research Assistant – 2024)
(a) यह हाड़ौती पठार की सबसे छोटी भूआकृतिक इकाई है।
(b) यह हाड़ौती पठार के दक्षिण-पश्चिमी भाग में अवस्थित है।
(c) यह उच्च भूमि 450 मीटर तक ऊँची है।
(d) चम्बल नदी इसकी दक्षिण-पूर्वी सीमा बनाती है।

121. राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिए निम्नलिखित में से कौनसा कारक जिम्मेदार नहीं है? (Asst. Director - 2024)
(a) वनविनाश (b) जल का अतिदोहन
(c) अतिचारण (d) बालुका स्तूपों का स्थायीकरण

122. हाड़ौती पठार का भाग नहीं है – (Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) - 2024)
(a) शाहबाद उच्च क्षेत्र (b) झालावाड़ पठार
(c) डग-गांगधार उच्च क्षेत्र (d) उडिया पठार

123. निम्नलिखित में से कौन सा कथन "हाड़ौती पठार" के संदर्भ में सही नहीं है ? (Deputy Jailor - 2024)
(a) कोटा, बारां, बूँदी व झालावाड़ जिलों में इस पठार का विस्तार है।
(b) यह पठार मालवा के पठार का ही विस्तार है।
(c) इस पठार की औसत ऊँचाई 600 मीटर है।
(d) यह पठार सर्वत्र धरातलीय एकरूपता नहीं रखता है।

124. इसरो के भारत-मरुस्थलीकरण एटलस-2016 के अनुसार 2011 से 2013 के बीच राजस्थान का कितना प्रतिशत भू-भाग मरुस्थलीकरण/भूमि अवनयन के अंतर्गत था? (Technical Assistant (G.W.D.) – 2024)
(a) 62.90% (b) 64.34% (c) 63.90% (d) 60.73%

125. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं? नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए

पर्वतीय क्षेत्र	प्रमुख शिखर
(a) माउण्ट आबू	ऋषिकेश
(b) जसवन्तपुरा	डोरा
(c) सिवाना	नाकोड़ा
(d) जालौर	झारोला

कूट -
(a) A, B, C और D (b) B और D
(c) A और C (d) केवल C

126. निम्नलिखित में से कौनसा कथन "राजस्थान के घग्गर मैदान" के संदर्भ में सही नहीं है? [Deputy Com.– 2025]
(a) घग्गर नदी के पाट को स्थानीय स्तर पर 'नाली' कहा जाता है।
(b) वर्तमान में यह मैदान सिंचित व उर्वर है।
(c) यह राजस्थान के भौतिक विभाग के अर्द्धशुष्क मैदानी उपविभाग में आता है।
(d) हनुमानगढ़ और गंगानगर जिलों के एक-तिहाई क्षेत्र पर इसका विस्तार है।

127. निम्नलिखित में से कौनसा अरावली श्रेणी का सर्वाधिक ऊँचा शिखर है? [Deputy Com.– 2025]
(a) खो (b) रघुनाथगढ़
(c) अचलगढ़ (d) कुम्भलगढ़

128. निम्नलिखित में से कौनसा एक राजस्थान के दक्षिण–पूर्वी पठार प्रदेश का भाग नहीं है? [EO/RO Re-Exam 2025]
(a) अर्द्ध–चन्द्राकार पर्वत श्रेणियाँ (b) देवगढ़ का पीडमांट मैदान
(c) शाहाबाद का उच्च स्थल (d) डग–गंगधार का उच्च क्षेत्र

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

129. विश्व धरोहर स्थल रामगढ़ क्रेटर स्थित है –
(a) कोटा जिले में (b) झालावाड़ जिले में
(c) बूंदी जिले में (d) बारां जिले में

130. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए –
[PTI and Librarian 2024]
(A) काला भूरा डूंगर, लूणी बेसिन की पश्चिमी सीमा बनाता है।
(B) सालिसर, जस्सूसर और मलसीसर, शेखावटी प्रदेश में अवस्थित हैं।
(C) हनुमानगढ़ के निकट घग्गर नदी का तल 'नाली' कहलाता है।
कूट –
(a) केवल (B) और (C) सही हैं। (b) केवल (A) और (C) सही हैं।
(c) केवल (C) सही है। (d) केवल (A) सही है।

131. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला अवनालिका अपरदन से सर्वाधिक ग्रसित है? [PTI and Librarian 2024]
(a) झालावाड़ (b) दौसा
(c) टोंक (d) करौली

132. 'ढांड' सन्दर्भित है – [PTI and Librarian 2024]
(a) सरस्वती नदी का आधार तल
(b) थार मरुभूमि के चारागाह क्षेत्र
(c) नागौरी उच्च भूमि में स्थायी बालुका स्तूप
(d) थार के मरुभूमि में अस्थायी झील

133. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस बालूका स्तूप को जीवावशेष बालूका स्तूप माना जाता है ?
[Lecturer and Coach (G-C) (School Edu.) 2024]
(a) अवरोधी (b) बरखान
(c) अनुदैर्ध्य (d) अनुप्रस्थ

134. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?
[Lecturer and Coach (G-E) (School Edu.) 2024]
(a) देश के कुल क्षेत्रफल में राजस्थान का क्षेत्रफल 10.41 प्रतिशत है।
(b) राजस्थान का उत्तर-दक्षिण विस्तार 869 कि.मी. है।
(c) राजस्थान देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अवस्थित है।
(d) राजस्थान की राज्य सीमा की कुल लम्बाई 5920 कि.मी. है।

135. किस भू-आकृतिक प्रदेश को "गोडवाड़ प्रदेश" कहा जाता है?
[Lecturer and Coach (G-E) (School Edu.) 2024]
(a) पूर्वी मैदान (b) लूणी–जवाई बेसिन
(c) शेखावटी प्रदेश (d) चम्बल बेसिन

136. हाड़ौती पठार की डग-गंगधार उच्च-भूमि के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?
[Research Assistant (Evaluation Dept.) 2024]
(a) यह हाड़ौती पठार की सबसे छोटी भूआकृतिक इकाई है।
(b) यह हाड़ौती पठार के दक्षिण-पश्चिमी भाग में अवस्थित है।
(c) यह उच्च भूमि 450 मीटर तक ऊँची है।
(d) चम्बल नदी इसकी दक्षिण-पूर्वी सीमा बनाती है।

137. राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिए निम्नलिखित में से कौनसा कारक जिम्मेदार नहीं है ?
[Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) – 2024]
(a) वनविनाश (b) जल का अतिदोहन
(c) अतिचारण (d) बालूका स्तूपों का स्थायीकरण

138. हाड़ौती पठार का भाग नहीं है –
[Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) – 2024]
(a) शाहाबाद उच्च क्षेत्र (b) झालावाड़ पठार
(c) डग-गांगधार उच्च क्षेत्र (d) उड़िया पठार

139. निम्नलिखित में से कौन सा कथन "हाड़ौती पठार" के संदर्भ में सही नहीं है ? [Deputy Jailor (P-II) 2024]
(a) कोटा, बारां, बूंदी व झालावाड़ जिलों में इस पठार का विस्तार है।
(b) यह पठार मालवा के पठार का ही विस्तार है।
(c) इस पठार की औसत ऊँचाई 600 मीटर है।
(d) यह पठार सर्वत्र धरातलीय एकरूपता नहीं रखता है।

140. इसरो के भारत-मरुस्थलीकरण एटलस-2016 के अनुसार 2011 से 2013 के बीच राजस्थान का कितना प्रतिशत भू-भाग मरुस्थलीकरण/भूमि अवनयन के अंतर्गत था?
[Technical Assistant (Geophysics) 2024]
(a) 62.90% (b) 64.34%
(c) 63.90% (d) 60.73%

141. निम्नलिखित अरावली पर्वत शिखरों का उनकी ऊँचाई के अनुसार सही अवरोही क्रम में चयन कीजिये :
[Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) लीलागढ़ ऋषिकेश - सज्जनगढ़ -कुम्भलगढ़
(b) कुम्भलगढ़ - ऋषिकेश - सज्जनगढ़ -लीलागढ़
(c) कुम्भलगढ़ - सज्जनगढ़ लीलागढ़ ऋषिकेश
(d) ऋषिकेश - कुम्भलगढ़ - सज्जनगढ़ -लीलागढ़

142. अरावली पर्वत के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य असत्य है? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) यह विश्व के प्राचीनतम पर्वतों में से एक है।
(b) इसकी तुलना यू एस ए के रॉकी पर्वत से की जाती है।
(c) इसकी उत्पत्ति प्री-कैम्ब्रियन युग में हुई थी।
(d) वर्तमान में अरावली अवशिष्ट पहाड़ियों के रूप में है।

143. निम्नलिखित में से कौन सा एक दक्षिणी अरावली का शिखर है? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) भैराच (b) भानगढ़
(c) सायरा (d) तारागढ़

144. निम्नलिखित में से कौनसा पश्चिम से पूर्व की ओर सही क्रम में व्यवस्थित है? [Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) उड़िया का पठार, मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ, भोराठ का पठार
(b) भोराठ का पठार, उड़िया का पठार, मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ
(c) मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ, भोराठ का पठार, उड़िया का पठार
(d) उड़िया का पठार, भोराठ का पठार, मुकुन्दरा की पहाडियाँ

145. मध्य माही बेसिन के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से सही है/हैं? [Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(A) यह क्षेत्र स्थानीय रूप से वागड़ के नाम से जाना जाता है।
(B) यह क्षेत्र सोम, जाखम तथा इरू नदियों द्वारा अपवाहित है।
(C) ग्रेट बाउण्ड्री फॉल्ट इसकी प्रमुख विशेषता है।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट
(a) केवल (A) तथा (B) (b) केवल (A)
(c) (A), (B) तथा (C) (d) केवल (B) तथा (C)

146. शाहबाद उच्च-भूमि में निम्नलिखित में से कौन सी भू-आकृति/भू-आकृतियाँ पायी जाती है / हैं ? [Sr. Teacher (S.Sc.) - 2025]
A. घोड़े की नाल के आकार की पहाड़ी (रामगढ़)
B. डग-गंगधार उच्च-भूमियाँ
C. चाँदवाड़ी के निकट सर्वोच्च चोटी 517 मीटर
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट :
(a) A, B तथा C (c) B तथा C
(b) केवल A (d) A तथा C

147. शेखावटी प्रदेश के सन्दर्भ में कौन सा कथन सही नहीं है ? [Asst. Engineer (A.En.) - 2025]
(a) यह मध्यम एवं निम्न ऊँचाई के बालुका स्तूपों से युक्त रेतीला मैदान है।
(b) इस प्रदेश में अंतर्देशीय जल प्रवाह पाया जाता है।
(c) इसके अन्तर्गत झुन्झुनूं, सीकर, चुरू जिले व नागौर का उत्तरी भाग सम्मिलित है।
(d) यहाँ लवणीय गर्त (रन) नहीं पाए जाते हैं।

148. सूची-1 व सूची-I। को सुमेलित कीजिए एवं नीचे 3. दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-1 (शिखर)	सूची-II (अवस्थिति)
A. सज्जनगढ़	i. हाड़ौती पठार
B. नाग पहाड़	ii. मध्य अरावली
C. बिलाली	iii. उत्तरी अरावली
D. सतूर	iv. दक्षिणी अरावली

कूट : A B C D   A B C D
(a) iv ii iii i (b) I iii ii iv
(c) iii I iv ii (d) ii iv I iii

149. निम्नलिखित में से कौन सा/से सुमेलित है/हैं ? [S.I. Telecom - 2025]

	भौतिक आकृति		अवस्थिति/क्षेत्र
A.	चंदवाड़ी	-	बूंदी पहाड़ियाँ
B.	मेसा पठार	-	चित्तौड़गढ़
C.	पालखेड़ा पर्वत	-	चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़
D.	शाहाबाद उच्च-भूमियाँ	-	झालावाड़

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट :
(a) A, B तथा C (b) केवल B तथा C
(c) B, C तथा D (d) केवल A तथा D

150. नीचे दिए गए राजस्थान की भौतिक आकृतियों में से कौनसा सबसे दक्षिण में अवस्थित है? [Agriculture Dept. 2024]
(a) बीजासण का पठार (b) रघुनाथगढ़ चोटी
(c) उड़िया पठार (d) नाकोड़ा पर्वत

151. वागड़, छप्पन का मैदान और कांठल राजस्थान के किस भौतिक प्रदेश के अंतर्गत आते हैं? [A.S.O. - 2025]
(a) चम्बल बेसिन (b) मध्य-माही बेसिन
(c) मेवाड़ का मैदान (d) मालपुरा करौली का मैदान

152. अरावली की निम्नलिखित चोटियों पर विचार कीजिए : [Asst. Professor 2025]
A. नाग पहाड़ B. बिलाली
C. अचलगढ़ D. जरगा
उपर्युक्त में से कितनी चोटियाँ दक्षिणी अरावली में हैं?
(a) A और C (b) C और D
(c) B और C (d) A, B और C

153. निम्नलिखित में से कौन सा दर्रा सिरोही तथा गोगुन्दा को जोड़ता है? [Asst. Professor 2025]
(a) हाथीगुड़ा की नाल (b) देसूरी नाल
(c) परवेरिया नाल (d) शिवपुर घाट

154. बिलाली तथा बरवाड़ा हैं – [Librarian Grade-II (School Edu.) P-I 2024]
(a) उत्तरी अरावली के दर्रे
(b) मध्य अरावली की चोटियाँ
(c) दक्षिणी अरावली की चोटियाँ
(d) उत्तरी अरावली की चोटियाँ

155. निम्नलिखित में से अरावली की उस चोटी का चयन कीजिए, जो कमलनाथ से ऊँची तथा अचलगढ़ से नीची है [EO/RO Re Exam 2025]
(a) सिरावास (b) लीलागढ़
(c) रघुनाथगढ़ (d) सज्जनगढ़

156. निम्नलिखित में से 1000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले अरावली पर्वत श्रृंखला के शिखरों का सही समूह है – [Agriculture Officer 2024]
(a) कुम्भलगढ़ – लीलागढ़ – सज्जनगढ़
(b) रघुनाथगढ़ – दूर मरायाजी – सायरा
(c) ऋषिकेश – कमलनाथ की पहाड़ी – देलवाड़ा
(d) रोजा भाकर – जरगा – आबू पर्वत

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

157. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं? नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए–

[PTI and Librarian 2024]

पर्वतीय क्षेत्र	प्रमुख शिखर
(A) माउण्ट आबू	ऋषिकेश
(B) जसवन्तपुरा	डोरा
(C) सिवाना	नाकोड़ा
(D) जालौर	झारोला

कूट –

(a) (A), (B), (C) और (D)
(b) (B) और (D)
(c) (A) और (C)
(d) केवल (C)

158. एक प्राकृतिक प्रदेश की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए :

[Mines And Geology Dept. Exam – 2024]

(A) इसकी औसत ऊँचाई 1225 मीटर है।
(B) जरगा सर्वोच्च शिखर है।

प्रदेश को पहचानिए :

(a) हाड़ौती पठार (b) माउंट आबू प्रदेश
(c) भौराट पठार (d) मालपुरा-करौली मैदान

159. मारवाड़ का मैदान को करने वाली पहाड़ियाँ हैं –

[Public Relation Officer 2024]

(a) कुचामन की पहाड़ियाँ (b) तोरावटी पहाड़ियाँ
(c) मेरवाड़ा पहाड़ियाँ (d) शाकम्भरी पहाड़ियाँ

160. अरावली श्रृंखला की निम्नलिखित चोटियों को उनकी ऊँचाई के अनुसार आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

[Lecturer and Coach (G-A) (School Edu.) 2024]

(A) धोनिया डूंगर (B) ऋषिकेश
(C) कमलनाथ (D) रघुनाथगढ़

(a) (C), (B), (D), (A) (b) (A), (C), (B), (D)
(c) (D), (A), (B), (C) (d) (B), (A), (C), (D)

Answer Key

1	d	2	c	3	d	4	d	5	b	6	a	7	d	8	c	9	b	10	a
11	a	12	b	13	c	14	c	15	c	16	a	17	c	18	d	19	a	20	*
21	c	22	b	23	d	24	*	25	b	26	a	27	d	28	b	29	d	30	b
31	a	32	a	33	d	34	b	35	d	36	d	37	d	38	b	39	a	40	b
41	b	42	c	43	a	44	c	45	c	46	d	47	a	48	c	49	c	50	*
51	b	52	d	53	b	54	a	55	d	56	b	57	c	58	c	59	a	60	a
61	b	62	d	63	a	64	c	65	d	66	a	67	c	68	b	69	d	70	c
71	a	72	c	73	d	74	b	75	d	76	d	77	c	78	d	79	c	80	d
81	b	82	b	83	a	84	d	85	c	86	a	87	d	88	d	89	a	90	d
91	a	92	b	93	c	94	b	95	c	96	c	97	c	98	a	99	d	100	d
101	c	102	d	103	d	104	c	105	b	106	c	107	a	108	b	109	b	110	b
111	b	112	d	113	a	114	d	115	d	116	c	117	a	118	b	119	b	120	d
121	d	122	d	123	c	124	a	125	a	126	d	127	c	128	b	129	d	130	a
131	d	132	d	133	a	134	b	135	b	136	d	137	d	138	d	139	c	140	a
141	b	142	b	143	c	144	d	145	a	146	b	147	d	148	a	149	b	150	c
151	b	152	b	153	a	154	d	155	c	156	c	157	a	158	c	159	c	160	a

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Mains PYQ

Q. राजस्थान के हाड़ौती पठार की भौतिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए। [RAS Mains 2021 (5 Marks)]

Q. शेखावाटी प्रदेश की मुख्य भौतिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [RAS Mains 2018 (5 Marks)]

Q. राजस्थान के 'डांग क्षेत्र' की विशेषताएँ बताइये। [RAS Mains 2013 (2 Marks)]

Q. राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र की भौगोलिक सांस्कृतिक पहचान का चित्रण कीजिये। [RAS Mains 2013 (5 Marks)]

अरावली पर्वतमाला एवं अन्य पर्वत, पठार

1. राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला के विस्तार की क्या दिशा है ? (LDC 2011)
(a) उत्तर से दक्षिण (b) दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम
(c) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (d) पश्चिम से पूर्व

2. हाड़ौती के पठार में राजस्थान का कौन सा क्षेत्र सम्मिलित किया जाता है ? (LDC 2011)
(a) दक्षिणी–पूर्वी (b) दक्षिणी
(c) दक्षिणी–पश्चिमी (d) उत्तरी–पूर्वी

3. 'भोराट' कहा जाने वाला पठार किस जिले में स्थित है ? (AGRICULTURE OFFICER 2011)
(a) अलवर (b) बारां
(c) जालोर (d) उदयपुर

4. विधान (A) : अरावली पर्वत विश्व के प्राचीनतम पर्वतों में से हैं
तर्क (R) : अरावली पर्वत राजस्थान को दो प्राकृतिक भागों में विभाजित करता है
(a) (A) और (R) दोनों अपने आप में सही और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों अपने आप में सही है किन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है

5. राजस्थान के किस जिले में जरगा पर्वत है? (Teacher II Grade Exam. 2011)
(a) सिरोही (b) उदयपुर
(c) अलवर (d) जयपुर

6. इनमें से अरावली का कौन-सा शिखर सर्वोच्च (सबसे ऊँचा) है? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) अचलगढ़ (b) जरगा
(c) रघुनाथगढ़ (d) तारागढ़

7. सूची को सूची II से सुमेलित कीजिये तथा उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिये : (SCHOOL LECTURER 2013)
सूची I (अरावली के शिखर) — सूची II (ऊँचाई मीटर में)
(A) अचलगढ़ — (i) 920
(B) नागपहाड़ — (ii) 648
(C) खौ — (iii) 1380
(D) जयगढ़ — (iv) 867
कूट :
(a) (iii) (i) (ii) (iv) (b) (iv) (iii) (i) (ii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii) (d) (iv) (ii) (iii) (i)

8. सूत्र-1 को सूची-1 से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए: (PTI GR II AND III 2013Paper - I)
सूची - I (पर्वतीय चोटी)
A. सेर B. जयगढ़
C. रघुनाथगढ़ D. कुम्भलगढ़
सूची - II (जिला)
i. जयपुर ii. सिरोही
iii. राजसमन्द iv. सीकर
कूट : A B C D
(a) i iii ii iv (b) iv ii iii i
(c) ii i iv iii (d) iii ii i iv

9. निम्नलिखित में से अरावली का सर्वोच्च शिखर कौन सा है ? (ASST. JAILOR 2013)
(a) कुम्भलगढ़ (b) सज्जनगढ़
(c) अचलगढ़ (d) तारागढ़

10. सिरोही जिले में तीव्र ढाल युक्त एवं कटी-फटी पहाड़ियों का स्थानीय नाम है (College Lecturer - 2014)
(a) भाकर (b) भोराट
(c) उपरमाल (d) गिरवा

11. निम्नलिखित में से कौन-सा समूह राजस्थान की पर्वत चोटियों का उनकी ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में सही क्रम दर्शाता है? (College Lecturer - 2014)
(a) टाटगढ़ - खो - बिलाली - रोजा भाखर
(b) खो - टाटगढ़ - रोजा भाखर - बिलाली
(c) बिलाली - खो - टाटगढ़ - रोजा भाखर
(d) रोजा भाखर - बिलाली - टाटगढ़ – खो

12. निम्नलिखित में से कौन सा समूह राजस्थान की पर्वत चोटियों का उनकी ऊँचाई के अनुसार सही अवरोही क्रम है ? (RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2016)
(a) देलवाड़ा, सज्जनगढ़, जरगा, तारागढ़
(b) सेर, जरगा, सज्जनगढ़, तारागढ़
(c) जरगा, सेर, सज्जनगढ़, तारागढ़
(d) जरगा, देलवाड़ा, तारागढ़, सज्जनगढ़

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये : (RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2016)
A. अरावली मरुस्थल के पूर्ववर्ती विस्तार को रोकता है।
B. राजस्थान की सभी नदियों का उद्गम अरावली से है।
C. राजस्थान में वर्षा का वितरण प्रारूप अरावली से प्रभावित नहीं होता है।
D. अरावली प्रदेश धात्विक खनिजों में समृद्ध है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट :
(a) A, B और C सही हैं।
(b) B, C और D सही हैं।
(c) केवल C और D सही हैं।
(d) केवल A और D सही हैं।

14. **निम्न में से कौन सी पहाड़ियाँ मध्य अरावली श्रेणी में स्थित हैं?** **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) मेरवाड़ा पहाड़ियाँ (b) रोजा भाखर पहाड़ियाँ
(c) इसराना भाखर पहाड़ियाँ (d) गिर्वा पहाड़ियाँ

15. **'भोराट पठार' जिसके मध्य स्थित है, वह है** **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) अचलगढ़ एवं तारागढ़ (b) गोगुन्दा एवं बैराठ
(c) कुम्भलगढ़ एवं गोगुन्दा (d) जरगा एवं अचलगढ़

16. **"लसाडिया का पठार" राजस्थान के किस जिले में स्थित है?** **(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)**
(a) जैसलमेर (b) उदयपुर
(c) कोटा (d) गंगानगर

17. **राजस्थान में अरावली श्रृंखला की लगभग लम्बाई है :** **(Research Assistant – 2016)**
(a) 692 किमी. (b) 550 किमी.
(c) 728 किमी. (d) 680 किमी.

18. **राजस्थान की पर्वतीय चोटियों का उनकी ऊँचाई का सही आरोही क्रम है :** **(Research Assistant – 2016)**
(a) तारागढ़, अचलगढ़, रघुनाथगढ़, कुम्भलगढ़
(b) तारागढ़, रघुनाथगढ़, कुम्भलगढ़, अचलगढ़
(c) कुम्भलगढ़, अचलगढ़, तारागढ़, रघुनाथगढ़
(d) अचलगढ़, कुम्भलगढ़, रघुनाथगढ़, तारागढ़

19. **सूची-I को सूची-II से मिलाइये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए कोड से कीजिये :** **(Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) - 2015)**
सूची-I (अरावली की पहाड़ियाँ) – सूची-II (ऊँचाई मीटर में)
A. बाबाई – (i) 730
B. तारागढ़ – (ii) 780
C. सायरा – (iii) 873
D. रोजा भाकर – (iv) 900
कूट:
A B C D
(a) (ii) (iii) (iv) (i) (b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (ii) (i) (iii) (iv) (d) (iv) (ii) (i) (iii)

20. **राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में 'त्रिकूट पर्वत' स्थित है?** **(Asst. Agriculture Officer– 2015)**
(a) जैसलमेर (b) बाड़मेर
(c) जालौर (d) सिरोही

21. **सूची-1 को सूची-2 से मिलाइये तथा नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर चुनिये :** **(Asst. Agriculture Officer– 2015)**
सूची-1
(A) जरगा (B) दिलवाड़ा
(C) तारागढ़ (D) नाग पहाड़
सूची-2
(i) 1442 मी. (ii) 1431 मी.
(iii) 873 मी. (iv) 795 मी.
कूट:
A B C D
(a) (ii) (i) (iii) (iv)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (iv) (i) (ii)

22. **रोजा भाकर और इसराना भाकर हैं –** **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
(a) तेल क्षेत्र (b) झीलें
(c) पहाड़ियाँ (d) चट्टानों के प्रकार

23. **कौनसा समेलित नहीं है?** **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
(a) सेर – सिरोही (b) रघुनाथगढ़ – अजमेर
(c) जयगढ़ – जयपुर (d) कुम्भलगढ़ – राजसमंद

24. **मध्य अरावली का निम्नतम उच्चावच क्षेत्र है –** **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
(a) सांभर क्षेत्र (b) भोराट पठार
(c) मारवाड़ क्षेत्र (d) आबू ब्लॉक

25. **सूची-I को सूची-II से मिलाइये और सही उत्तर चुनिये :** **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
सूची-I (पर्वत शिखर) **सूची-II (जिला)**
A. खो (i) उदयपुर
B. अचलगढ़ (ii) जयपुर
C. कमलनाथ (iii) सिरोही
D. बाबाई (iv) झुंझुनु
कूट: A B C D A B C D
(a) (ii) (iii) (i) (iv) (b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i) (d) (iii) (ii) (iv) (i)

26. **रामगढ़ पहाड़ी किस जिले में स्थित है?** **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
(a) कोटा (b) झालावाड़ (c) बारां (d) चित्तौड़गढ़

27. **राजस्थान में उत्तरी अरावली श्रृंखला की सर्वोच्च चोटी कौनसी है?** **(Asst. Agriculture Officer - 2015)**
(a) बैराठ (b) नाहरगढ़
(c) रघुनाथगढ़ (d) मनोहरपुरा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

28. निम्नलिखित अरावली की चोटियों को अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिये : (Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) भानगढ़, गोगुन्दा, सज्जनगढ़, ऋषिकेश
(b) गोगुन्दा, सज्जनगढ़, ऋषिकेश, भानगढ़
(c) सज्जनगढ़, ऋषिकेश, भानगढ़, गोगुन्दा
(d) ऋषिकेश, सज्जनगढ़, गोगुन्दा, भानगढ़

29. उदयपुर बेसिन की चारों ओर की पहाड़ियाँ कहलाती हैं – (Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) गिरवा (b) नाकोड़ा (c) भाकर (d) मुकुन्दरा

30. सूची-I व सूची-II को मिलाइये तथा नीचे दिये गए कोड से उत्तर का चयन कीजिये : (Raj. State & Sub. Ser. Comb. Exam-2018)

सूची-I (जिले)	सूची-II (पर्वत)
A. जालौर	(i) बरवाड़ा
B. जयपुर	(ii) झारोला
C. अलवर	(iii) रघुनाथगढ़
D. सीकर	(iv) भानगढ़

कूट : A B C D
(a) (ii) (i) (iv) (iii)
(b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iv) (iii) (ii) (i)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

31. निम्नलिखित में से कौनसी पहाड़ियाँ राजस्थान में विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं का विस्तार हैं? (Raj. State & Sub. Ser. Comb. Exam – 2018)
(a) मुकुन्दरा पहाड़ियाँ (b) डोरा पर्वत
(c) अलवर पर्वत (d) गिरवा पर्वत

32. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चुनाव कीजिए – (Sr. Teacher Gr II (Sanskrit Edu.) Exam - 2018)

प्रदेश	पर्वत चोटियाँ
A. उत्तरी अरावली	i. ऋषिकेश
B. मध्य अरावली	ii. तारागढ़
C. दक्षिण अरावली	iii. भानगढ़

कूटः
(a) A–i, B–ii, C–iii (b) A–iii, B–ii, C–i
(c) A–iii, B–i, C–ii (d) A–ii, B–iii, C–i

33. हर्ष पर्वत राजस्थान के किस जिले में स्थित है? (ASST. AGRICULTURE OFF. 2018)
(a) उदयपुर (b) नागौर
(c) जयपुर (d) सीकर

34. निम्नलिखित में से अरावली के दर्रे कौन से हैं? दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन करें – (Protection Officer - 2018)
A. शिवपुर घाट B. जेतवास
C. देबारी D. मुकन्दरा

कूटः
(a) A और B सही हैं। (b) A, B और C सही हैं।
(c) A और C सही हैं। (d) B, C और D सही हैं।

35. अरावली पर्वत श्रेणी के निम्नलिखित शिखरों में से कौन सा सर्वोच्च शिखर है? (Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) (TSP) - 2018)
(a) नाहरगढ़ (b) सज्जनगढ़
(c) कुम्भलगढ़ (d) तारागढ़

36. निम्नलिखित में से कौन सा सर्वोच्च शिखर है ? (Food Safety Officer – 2019)
(a) रोजा भाकर (b) इसराना भाकर
(c) झारोला पहाड़ (d) तारागढ़

37. राजस्थान में अरावली का कौन सा भाग सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है ? (Food Safety Officer – 2019)
(a) उत्तर-पूर्वी (b) मध्य
(c) दक्षिणी (d) शेखावाटी पहाड़ियाँ

38. आबू पर्वत क्षेत्र मुख्यतः निर्मित है – (Food Safety Officer – 2019)
(a) ग्रेनाइट से (b) बेसाल्ट से
(c) ऑब्सीडियन से (d) बिटुमिनस चट्टानों से

39. निम्न में से कौन सी चोटी/श्रृंखला दक्षिण अरावली में अवस्थित है? (Veterinary Officer – 2019)
(a) नाग पहाड़ (b) रघुनाथगढ़
(c) तारागढ़ (d) अचलगढ़

40. अरावली के निम्नलिखित शिखरों का उनकी ऊँचाई के अनुसार सही अवरोही क्रम है – (Librarian Grade - II – 2019)
(a) सेर, रघुनाथगढ़, तारागढ़, अचलगढ़
(b) अचलगढ़, रघुनाथगढ़, सेर, तारागढ़
(c) सेर, अचलगढ़, रघुनाथगढ़, तारागढ़
(d) रघुनाथगढ़, सेर, तारागढ़, अचलगढ़

41. बर/बार दर्रा स्थित है – (School Lecturer (Sanskrit Edu.) – 2018)
(a) दक्षिणी अरावली में (b) उत्तरी अरावली में
(c) मध्य अरावली में (d) मालखेड़ की पहाड़ियों में

42. अरावली श्रेणी के दक्षिणी भाग की पर्वतीय चोटी है – (Evaluation Officer – 2020)
(a) बाबाई (b) बैराठ
(c) डोरा (d) रघुनाथगढ़

43. निम्नलिखित अरावली पर्वत शिखर हैं। इन शिखरों को ऊँचाई के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए : (Evaluation Officer – 2020)
(A) गुरु शिखर (B) आँचलगढ़
(C) दिलवाड़ा (D) सेर
(E) कुम्भलगढ़

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट :
(a) (A), (B), (C), (D), (E) (b) (A), (D), (C), (B), (E)
(c) (A), (D), (C), (E), (B) (d) (A), (C), (B), (E), (D)

44. निम्नलिखित में से कौन सा एक पठार माउण्ट आबू से लगा हुआ है? (Evaluation Officer – 2020)
(a) भोराठ पठार (b) हाड़ौती पठार
(c) उरिया पठार (d) उपर माल

45. निम्न में से अरावली पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है? (Deputy Commandant – 2020)
(a) कुम्भलगढ़ (b) जगरा
(c) अचलगढ़ (d) कमलनाथ

46. 'उपरमाल' क्या है ? (Deputy Commandant – 2020)
(a) उदयपुर का भोराठ पठार (b) नागौर उच्च भूमि
(c) चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा के मध्य पठारी उच्च भाग
(d) आबूखण्ड का पठारी भाग

47. राजस्थान की पर्वत चोटियों के समूह को उनकी ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में चयनित कीजिए : (Agri. Officer – 2020)
(a) सायरा, डोरा पर्वत, नाग पहाड़, बिलाली
(b) सायरा, नाग पहाड़, डोरा पर्वत, बिलाली
(c) बिलाली, डोरा पर्वत, नाग पहाड़, सायरा
(d) बिलाली, नाग पहाड़, डोरा पर्वत, सायरा

48. सूरा घाट एवं शिवपुर घाट स्थित हैं – (Agri. Officer – 2020)
(a) दक्षिणी अरावली में (b) उत्तरी अरावली में
(c) मध्य अरावली में (d) दक्षिणी-पूर्वी पठार में

49. भानगढ़ व सिरावास श्रेणियाँ स्थित हैं (ACF And Forest Range Officer Exam – 2018)
(a) उत्तरी अरावली (b) मध्य अरावली
(c) दक्षिणी अरावली (d) पश्चिमी अरावली

50. मेरवाड़ा/मारवाड़ की पहाड़ियाँ अवस्थित हैं (Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)
(a) मध्य अरावली में (b) दक्षिण अरावली में
(c) उत्तर अरावली में (d) ओरिया पठार में

51. कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा पहाड़ियों के बीच कौन सा पठार स्थित है? (Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)
(a) पोटवार का पठार (b) मालवा का पठार
(c) विंध्य पठार (d) भोराट पठार

52. निम्नलिखित में से कौन सा दक्षिणी अरावली प्रदेश में अवस्थित नहीं है? (Asst. Testing Officer – 2021)
(a) उड़िया पठार (b) शाहबाद उच्च भूमियाँ
(c) लसाडिया पठार (d) भोराट पठार

53. मुकन्दरा पहाड़ियाँ स्थित हैं : (Sub Inspector Comb. Comp. Exam - 2021)
(a) हाड़ौती पठार में (b) भोराट पठार में
(c) अरावली पहाड़ियों में (d) छप्पन के मैदानों में

54. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)
(a) जारगा – उदयपुर (b) कुम्भलगढ़ – राजसमन्द
(c) कामनाथ – सिरोही (d) रघुनाथगढ़ – सीकर

55. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)

अरावली शिखर	ऊँचाई (मीटर में)
(a) रघुनाथगढ़	1380
(b) तारागढ़	873
(c) खो	920
(d) गोगुन्दा	840

56. अरावली के किस प्रदेश में रोजा भाकर और इसराना भाकर की पहाड़ियाँ स्थित हैं ? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)
(a) आबू प्रदेश (b) जालौर प्रदेश
(c) मेवाड़ प्रदेश (d) शेखावटी प्रदेश

57. निम्नलिखित में से कौनसा समूह दक्षिण राजस्थान की पर्वत चोटियों का उनकी ऊँचाई के अनुसार सही अवरोही क्रम है? (Head Master Praveshika School - 2021)
(a) सज्जनगढ़ – सायरा – नागपानी – गोगुंदा
(b) गोगुंदा – नागपानी – सायरा – सज्जनगढ़
(c) नागपानी – गोगुंदा – सज्जनगढ़ – सायरा
(d) सायरा – सज्जनगढ़ – नागपानी – गोगुंदा

58. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I (पहाड़ियाँ)	सूची-II (परबतश्रृंखला)
(A) मालखेत	(1) मध्य अरावली
(B) नागपानी	(2) दक्षिण अरावली
(C) बिलाली	(3) उत्तर अरावली
(D) नाग पहाड़	

कूट –
(a) A-2, B-1, C-3, D-3 (b) A-3, B-2, C-3, D-1
(c) A-1, B-3, C-2, D-3 (d) A-1, B-2, C-3, D-3

59. निम्नलिखित में से कौन सा अपने आंतरिक प्रवाह के लिए जाना जाता है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) मध्य अरावली की गिरिपाद क्षेत्र (b) विंध्यन क्षेत्र
(c) हाड़ौती क्षेत्र (d) शेखावटी क्षेत्र

60. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान के पठारों का पश्चिम–से–पूर्व सही क्रम है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

(a) हाड़ौती पठार, उपरमाल पठार, लसाड़िया पठार एवं भोराट पठार
(b) हाड़ौती पठार, लसाड़िया पठार, उपरमाल पठार एवं भोराट पठार
(c) भोराट पठार, उपरमाल पठार, लसाड़िया पठार एवं हाड़ौती पठार
(d) भोराट पठार, लसाड़िया पठार, उपरमाल पठार एवं हाड़ौती पठार

61. सूची–I को सूची–II से सुमेलित करते हुए नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर दीजिए –

(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I (पहाड़ियाँ)	सूची-II (नदी)
(A) खमनोर पहाड़ियाँ	(1) बेड़च नदी
(B) गोगुन्दा पहाड़ियाँ	(2) जाखम नदी
(C) बैराठ पहाड़ियाँ	(3) बनास नदी
(D) छोटी सादड़ी पहाड़ियाँ	(4) बाणगंगा नदी

कूट –	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	3	1	4	2	(b)	2	3	1	4
(c)	4	2	3	1	(d)	1	4	2	3

62. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

स्थलाकृति	अवस्थिति
(a) भाकर	पूर्वी सिरोही
(b) गिरवा	उदयपुर बेसिन
(c) कांठल	चम्बल बेसिन
(d) छप्पन की पहाड़ियाँ	जालोर-सिवाना

63. सूची-1 को सूची-II से मिलाइए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए।

(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-1 (नदी)	सूची-II (उत्पत्ति स्थान)
(A) साबी	(i) गोगुन्दा की पहाड़ियाँ
(B) बेड़च	(ii) सेवर की पहाड़ियाँ
(C) कांतली	(iii) दिवेर
(D) कोठारी	(iv) खण्डेला की पहाड़ियाँ

कूट:

(a) A-ii, B-iv, C-i, D-iii
(b) A-iii, B-iv, C-i, D-ii
(c) A-ii, B-i, C-iv, D-iii
(d) A-iv, B-i, C-ii, D-iii

64. "छप्पन की पहाड़ी" राजस्थान के कौन से भाग में अवस्थित है?

(Asst. Agriculture Officer – 2021)

(a) डूंगरपुर – बांसवाड़ा
(b) उदयपुर
(c) बाड़मेर
(d) कोटा - झालावाड़

65. बर, परवेरिया, शिवपुर, देबारी और सूरा का सम्बन्ध है –

(A.R.O. - 2022)

(a) पर्वत चोटी
(b) दर्रा
(c) घाटी
(d) पठारी क्षेत्र

66. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – (A.R.O. - 2022)

सूची-I	सूची-II
(A) बबाई	(i) अजमेर
(B) तारागढ़	(ii) उदयपुर
(C) अचलगढ़	(iii) जयपुर
(D) जरगा	(iv) सिरोही

कूट –

(a) A-iii, B-i, C-ii, D-iv
(b) A-iii, B-i, C-iv, D-ii
(c) A-iv, B-ii, C-iii, D-i
(d) A-i, B-iii, C-iv, D-ii

67. अरावली की निम्न पर्वत शिखरों को ऊँचाई के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए – (A.R.O. - 2022)

(a) तारागढ़ - सायरा - नागा पहाड़ - डोरा पर्वत
(b) सायरा - तारागढ़ - नागा पहाड़ - डोरा पर्वत
(c) सायरा - तारागढ़ - डोरा पर्वत - नागा पहाड़
(d) सायरा - नागा पहाड़ - तारागढ़ - डोरा पर्वत

68. त्रिकूट एवं नाकोड़ा पहाड़ियाँ राजस्थान के क्रमशः कौनसे जिलों में अवस्थित हैं?

(School Lecturer (School Edu.) - 2022)

(a) जैसलमेर एवं बाड़मेर
(b) जैसलमेर एवं जालौर
(c) बाड़मेर एवं सिरोही
(d) पाली एवं बाड़मेर

69. निम्नलिखित चोटियों को उनकी ऊँचाई के अनुसार सही आरोही क्रम में सजाइए –

(School Lecturer (Sanskrit Edu.) - 2022)

(A) बैराठ
(B) अचलगढ़
(C) कुम्भलगढ़
(D) सेर

(a) A B C D
(b) A C B D
(c) C A B D
(d) D C B A

70. निम्नलिखित में से कौन सा एक अरावली पर्वत श्रृंखला के लिए सही नहीं है ? (Hospital Care Taker – 2022)

(a) आज अरावली पर्वत श्रृंखला केवल अवशिष्ट पर्वत हैं।
(b) अरावली पर्वत श्रृंखला भारत में महान जल विभाजक का भाग बनाती है।
(c) अरावली पर्वत श्रृंखला की उत्पत्ति मेसोज़ोइक युग के उत्तरार्ध में हुई है।
(d) अरावली पर्वत श्रृंखला का दक्षिण-पश्चिम भाग उत्तर-पूर्व भाग की तुलना में चौड़ा है।

71. मालखेत की पहाड़ियाँ अवस्थित हैं –

(Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) Comp. Exam - 2022)

(a) जालौर में
(b) अलवर में
(c) झुंझुनूं में
(d) सीकर में

72. सूची–I को सूची–II से मिलाइए तथा सूची के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

(Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) Comp. Exam - 2022)

सूची–I	सूची–II
A. डोरा पर्वत	(i) सीकर
B. कमली घाट	(ii) उदयपुर
C. हर्ष की पहाड़ियाँ	(iii) राजसमंद
D. हाथी नाल	(iv) जालोर

कूट : A B C D
(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (iv) (iii) (i) (ii)
(d) (ii) (iii) (i) (iv)

73. निम्न में से कौन सी मध्य अरावली की प्रमुख चोटी है जो अजमेर और जयपुर के बीच फैली हुई है?

(Asst. Town Planner – 2022)

(a) तारागढ़
(b) रघुनाथगढ़
(c) दिलवाड़ा
(d) अचलगढ़

74. निम्नलिखित में से अरावली का कौन सा शिखर सेर से नीचा किन्तु अचलगढ़ से ऊँचा है? (Food Safety Officer – 2022)

(a) सायरा
(b) रघुनाथगढ़
(c) जरगा
(d) खौ

75. कौन सा पर्वत जालौर पर्वतीय क्षेत्र में नहीं है ?

(Food Safety Officer – 2022)

(a) रोजा भाकर
(b) झालोरा पहाड़
(c) इसराना भाकर
(d) गोगुन्दा

76. राजस्थान की निम्नलिखित पर्वत चोटियों को ऊँचाई के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(Statistical Officer (Statistics Dept.) Exam – 2023)

(अ) खो (ब) बाबई (स) तारागढ़ (द) ऋषिकेश

कूट :
(a) द, स, अ, ब
(b) द, अ, स, ब
(c) अ, ब, द, स
(d) ब, स, द, अ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

77. मेसा का पठार किस जिले में स्थित है ?

(ASST. ENGINEER 2023)

(a) उदयपुर जिले में
(b) चित्तौड़गढ़ जिले में
(c) राजसमन्द जिले में
(d) सिरोही जिले में
(e) अनुत्तरित प्रश्न

78. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए –

(Technical Assistant (G.W.D.) – 2024)

(A) लसाड़िया पठार जयसमन्द के पूर्व में स्थित है।
(B) उड़िया पठार गुरु शिखर के नीचे स्थित है।
(C) मुकन्दरा की पहाड़ियाँ कोटा और बूंदी जिले के मध्य स्थित हैं।

कूट:
(a) (A), (B) और (C)
(b) (B) और (C)
(c) (A) और (B)
(d) (A) और (C)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

89. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए –

(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)

A. उड़िया पठार गुरु शिखर के बिल्कुल नीचे स्थित है।
B. भोरट का पठार तारागढ़ और टोडगढ़ के मध्य स्थित है।
C. लसाड़िया पठार जयसमंद के पूर्व में स्थित है।
D. मुकन्दरा की पहाड़ियाँ कोटा और झालावाड़ जिलों के मध्य स्थित हैं।

कूट -
(a) केवल A और C सही हैं
(b) A, B, C और D सही हैं
(c) A, C और D सही हैं
(d) केवल B और D सही हैं
(e) अनुत्तरित प्रश्न

80. निम्नलिखित में से कौनसी पर्वतीय चोटी दक्षिणी अरावली क्षेत्र में अवस्थित है?

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) सिरावास
(b) बिलाली
(c) जयगढ़
(d) लीलागढ़
(e) अनुत्तरित प्रश्न

81. सूची-I और सूची-II को सुमेलित करके नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये –

(Archives Department Recruitment - 2024)

सूची-I (उद्गम स्थल)
(A) खमनोर की पहाड़ियाँ
(B) बैराठ की पहाड़ियाँ
(C) खंडेला की पहाड़ियाँ
(D) सेवर की पहाड़ियाँ

सूची-II (नदी)
(i) कांतली
(ii) साबी
(iii) बनास
(iv) बाणगंगा

कूट:
(a) A-ii, B-i, C-iii, D-iv
(b) A-iii, B-iv, C-i, D-ii
(c) A-iv, B-iii, C-i, D-ii
(d) A-i, B-iii, C-ii, D-iv
(e) अनुत्तरित प्रश्न

82. कौनसा (पर्वत शिखर – ऊँचाई मीटर में) सुमेलित नहीं है?

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) इसराना भाकर – 739
(b) झारोला पहाड़ – 588
(c) रोजा भाकर – 730
(d) डोरा पर्वत – 869
(e) अनुत्तरित प्रश्न

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

83. निम्नलिखित में से कौनसा (दर्रे – अवस्थिति) सुमेलित नहीं है?
(Archives Department Recruitment - 2024)
(a) बर – उदयपुर (b) खटखड़ – बूंदी
(c) देसूरी – पाली (d) कामलीघाट – राजसमन्द
(e) अनुत्तरित प्रश्न

84. भोराट पठार की औसत ऊँचाई है –
(Question Paper for Asst. Prof. – 2024)
(a) 1337 मीटर (b) 1172 मीटर
(c) 1014 मीटर (d) 1225 मीटर
(e) अनुत्तरित प्रश्न

85. निम्नलिखित में से कौनसे दक्षिणी अरावली के शिखर हैं?
(Question Paper for Asst. Prof.– 2024)
(A) नागपानी (B) भानगढ़
(C) लीलागढ़ (D) नाग पहाड़
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –
(a) A तथा C (b) B तथा D
(c) A, B तथा D (d) A, C तथा D
(e) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्नलिखित में से, कौनसा सर्वोच्च पर्वत शिखर है?
(Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) Comp. Exam – 2024)
(a) रोजा भाकर (b) डोरा पर्वत
(c) खो (d) सायरा
(e) अनुत्तरित प्रश्न

87. बिलाली तथा बरवाड़ा हैं –
(Librarian Grade-II (School Edu.) - 2024)
(a) उत्तरी अरावली के दर्रे (b) मध्य अरावली की चोटियाँ
(c) दक्षिणी अरावली की चोटियाँ (d) उत्तरी अरावली की चोटियाँ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

88. निम्नलिखित में से अरावली की उस चोटी का चयन कीजिए, जो कमलनाथ से ऊँची तथा अचलगढ़ से नीची है –
(Local Self Govt. Dept. (RO and EO) Exam- 2022)
(a) सिरावास (b) लीलागढ़
(c) रघुनाथगढ़ (d) सज्जनगढ़
(e) अनुत्तरित प्रश्न

89. निम्नलिखित में से 1000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले अरावली पर्वत शृंखला के शिखरों का सही समूह है –
(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)
(a) कुम्भलगढ़ – लीलागढ़ – सज्जनगढ़
(b) रघुनाथगढ़ – दूर मरायाजी – सायरा
(c) ऋषिकेश – कमलनाथ की पहाड़ी – देलवाड़ा
(d) रोजा भाकर – जरगा – आबू पर्वत
(e) अनुत्तरित प्रश्न

90. निम्नलिखित में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं? नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए –
(PTI & Librarian (Sanskrit College Edu.) – 2024)
पर्वतीय क्षेत्र – प्रमुख शिखर
(A) माउण्ट आबू – ऋषिकेश (B) जसवन्तपुरा – डोरा
(C) सिवाना – नाकोड़ा (D) जालौर – झारोला
कूट –
(a) (A), (B), (C) और (D) (b) (B) और (D)
(c) (A) और (C) (d) केवल (C)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

91. एक प्राकृतिक प्रदेश की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिए : (Mines And Geology Dept. Exam - 2024)
(अ) इसकी औसत ऊँचाई 1225 मीटर है।
(ब) जरगा सर्वोच्च शिखर है।
प्रदेश को पहचानिए :
(a) हाड़ौती पठार (b) माउंट आबू प्रदेश
(c) भौराट पठार (d) मालपुरा-करौली मैदान
(e) अनुत्तरित प्रश्न

92. मारवाड़ का मैदान व मेवाड़ उच्च प्रदेश को अलग करने वाली पहाड़ियाँ हैं – (Public Relation Officer – 2024)
(a) कुचामन की पहाड़ियाँ (b) तोरावटी पहाड़ियाँ
(c) मेरवाड़ा पहाड़ियाँ (d) शाकम्भरी पहाड़ियाँ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'बर, परवेरिया, शिवपुर और देबारी' हैं :
(Public Relation Officer – 2024)
(a) मध्य अरावली के दर्रे (b) हाड़ौती का पठार
(c) मेवाड़ की पहाड़ियाँ (d) बनास मैदान की नदियाँ
(e) अनुत्तरित प्रश्न

94. अरावली श्रृंखला की निम्नलिखित चोटियों को उनकी ऊँचाई के अनुसार आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)
(अ) धोनिया डूंगर (ब) ऋषिकेश
(स) कमलनाथ (द) रघुनाथगढ़
(a) (स), (ब), (द), (अ) (b) (अ), (स), (ब), (द)
(c) (द), (अ), (ब), (स) (d) (ब), (अ), (स), (द)
(e) अनुत्तरित प्रश्न

95. इनमें से कौन सी पहाड़ी मध्य-अरावली क्षेत्र में स्थित है ?
(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)
(a) नाग-पहाड़ (b) डोरा पर्वत
(c) नाग पानी (d) बिलाली
(e) अनुत्तरित प्रश्न

96. निम्नलिखित में से कौन सा/से सुमेलित हैं ?

(Lecturer & Coach. Exam-2024)

भू-आकृति		**अवस्थिति**
A. गिरवा	—	उदयपुर बेसिन
B. भाकर	—	माही बेसिन
C. भोराट पठार	—	कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के मध्य

कूट :

(a) A, B और C (b) A और C
(c) A और B (d) केवल C
(e) अनुत्तरित प्रश्न

97. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है ?

(Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)

(a) मालखेत – मध्य अरावली
(b) धोनिया डूंगर – मध्य अरावली
(c) नाग पहाड़ – दक्षिण अरावली
(d) भोजगढ़ – उत्तर पूर्वी अरावली
(e) अनुत्तरित प्रश्न

98. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थान में उत्तरी अरावली श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है ?

(Deputy Jailor - 2024 (Paper-II))

(a) रघुनाथगढ़ (b) तारागढ़
(c) खौ (d) भैराच
(e) अनुत्तरित प्रश्न

Answer Key

1	c	2	a	3	d	4	b	5	b	6	b	7	c	8	c	9	c	10	a
11	a	12	b	13	d	14	a	15	c	16	b	17	b	18	b	19	a	20	a
21	a	22	c	23	b	24	a	25	a	26	c	27	c	28	d	29	a	30	a
31	a	32	b	33	d	34	c	35	c	36	d	37	c	38	a	39	d	40	c
41	c	42	c	43	b	44	c	45	b	46	c	47	a	48	c	49	a	50	a
51	d	52	b	53	a	54	c	55	a	56	b	57	a	58	b	59	d	60	d
61	a	62	c	63	c	64	c	65	b	66	*	67	c	68	a	69	b	70	c
71	d	72	c	73	a	74	c	75	d	76	b	77	b	78	c	79	c	80	d
81	b	82	a	83	a	84	d	85	a	86	c	87	d	88	c	89	c	90	a
91	c	92	c	93	a	94	a	95	a	96	b	97	d	98	a				

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

4 जलवायु

राजस्थान की जलवायु

1. **जलवायु:-** किसी विस्तृत क्षेत्र की लम्बी अवधि (30 से 35 वर्ष) की औसत मौसमी दशाओं के अध्ययन को जलवायु कहते है।
2. **जलवायु के तत्व :-** तापमान, वायुदाब, पवन, वर्षा इत्यादि।
3. तापमान जलवायु का आधारभूत तत्व व वर्षा प्रतिरूप मूलभूत तत्व है।
4. **मानसून की परिभाषा:-** मानसून शब्द उन हवाओं के लिए प्रयुक्त होता है जो वर्ष में दो बार ऋतुवत परिवर्तन करती है अर्थात्
   - एक बार गर्मी के मौसम में दक्षिण–पश्चिम दिशा से और दूसरी बार सर्दियों में उत्तर–पूर्व दिशा से चलती है।
   - मौसम अल्पकालिक अवधि में होने वाले वायुमंडलीय परिवर्तनों को कहा जाता है।
5. **शब्द–व्युत्पत्ति:- "मानसून"** शब्द अरबी भाषा के शब्द **"मौसिम"** से व्युत्पन्न है।

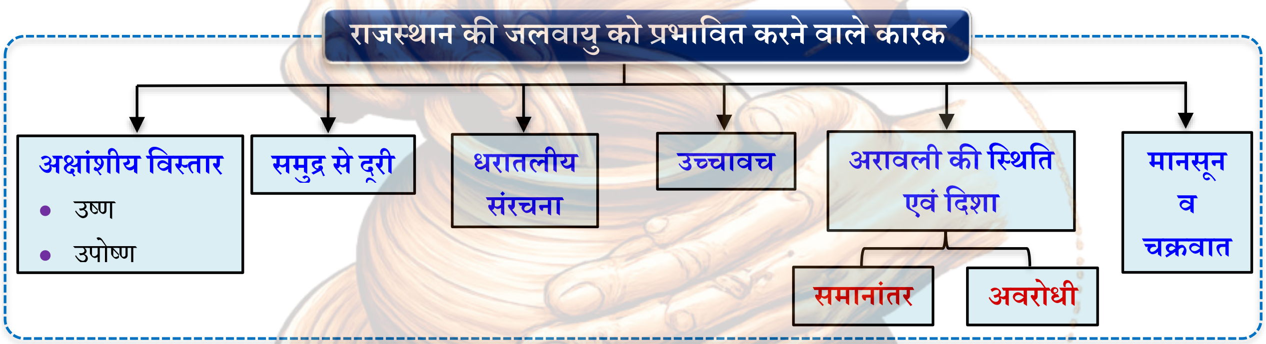

स्थिति

- राजस्थान 23°3'N से 30°12'N अक्षांशों के मध्य स्थित है।
- कर्क रेखा राज्य के दक्षिण भाग (डूँगरपुर–बाँसवाड़ा) से होकर गुजरती है। अत: सम्पूर्ण राजस्थान ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है।
- इसलिए यहाँ कम वर्षा व अधिक तापमान के कारण अधिकांश भाग में शुष्क एवं अर्द्ध–शुष्क जलवायु पाई जाती है।

समुद्र से दूरी

- राजस्थान समुद्र से दूर स्थित होने के कारण महाद्वीपीय जलवायु वाला राज्य है।
- यहाँ की जलवायु गर्म, शुष्क एवं कम आर्द्र होती है।
- तापमान में अत्यधिक दैनिक व वार्षिक अंतर पाया जाता है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

धरातल/उच्चावच

- राज्य का अधिकांश भाग अरावली पर्वतमाला व हाड़ौती पठार को छोड़कर समुद्र तल से 370 मीटर से कम ऊँचा है; इसलिए **माउंट आबू (1722 मी.)** का तापमान सर्दियों में **0°C** तक पहुँच जाता है, जबकि **जयपुर का तापमान शायद ही 5°C** से नीचे जाता है।
- ऊँचाई बढ़ने पर तापमान घटता है। अत: राजस्थान की अधिकांश भाग का उच्चावच निम्न होने के कारण तापमान अधिक होता है।

पर्वतों की दिशा-स्थिति

- अरावली की दिशा दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व है।
- अरावली दक्षिण-पश्चिम में मानसून की अरब सागरीय शाखा के समानान्तर स्थित है, जिसके कारण इस शाखा से राज्य में वर्षा प्राप्त नहीं होती।
- अरावली दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी की शाखा के लम्बवत स्थित है, जिससे पूर्वी राजस्थान में वर्षा प्राप्त होती है, परन्तु यह शाखा राजस्थान तक पहुँचते अपनी अधिकतम नमी खो चुकी होती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

उच्चवायु परिसंचरण व चक्रवातीय हवाएँ

- शीत ऋतु में पछुआ हवाओं के साथ चक्रवात आते हैं (उपोष्ण कटिबंधीय पछुआ हवाएँ) जिस कारण दिसंबर–जनवरी में **"मावठ"** वर्षा होती है। जिसका प्रभाव राजस्थान के उत्तर-पश्चिम में सर्वाधिक है।
- उष्ण कटिबंधीय पूर्वा जेट पवनें (TEJS)- मानसून की तीव्रता में वृद्धि करती है।

वनस्पति का प्रभाव

- प्राकृतिक वनों की कमी और निरंतर वन–विनाश के कारण स्थानीय जलवायु शुष्क, तापमान में वृद्धि, वर्षा में कमी होती है।

ऋतुओं का वर्गीकरण

- ग्रीष्म ऋतु (मार्च - जून)
- वर्षा ऋतु (जून - सितम्बर)
- शरद ऋतु (अक्टूम्बर - नवम्बर)
- शीत ऋतु (दिसंबर - फरवरी)

1. ग्रीष्म ऋतु

- **अवधि:-** राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु **मार्च से जून** तक रहती है।
- **21 जून:-** इस दिन **सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत चमकता है**, जिससे राजस्थान में **सर्वाधिक तापमान** दर्ज होता है।
- **मुख्य हवाएँ :**

  i. **भभूल्या :-** ये **धूल के चक्रवात** होते हैं; जिनके केंद्र में निम्न वायुदाब व परिधि में उच्च वायुदाब होता है।
  - इनका स्थानीय नाम **भभूल्या** है।
  - **सर्वाधिक प्रचलन: बीकानेर** जिले में।

  ii. **लू :-** यह **अत्यधिक गर्म एवं शुष्क हवा** होती है ; जो वायु के क्षैतिजीय प्रवाह या अभिवहनीय प्रवाह के कारण उत्पन्न होती है।
  - यह मुख्यत: **पश्चिमी राजस्थान** में चलती है।
  - **सर्वाधिक प्रभाव: बाड़मेर** जिले में।

  iii. **आंधियाँ :-** ये **नमी युक्त धूल भरी हवाएँ** होती है जो वायु के संवहनीय प्रवाह के कारण उत्पन्न होती है।
  - **सामान्यत: पश्चिमी राजस्थान** में चलती हैं।
  - **सबसे कम आंधियाँ: झालावाड़ (3 दिन)।**
  - **सर्वाधिक आंधियाँ: श्रीगंगानगर (27 दिन),** इसके बाद **बीकानेर।**

  iv. **वज्र तूफान :-** राज्य के पूर्वी एवं दक्षिणी पूर्वी भागों में जून-जुलाई के महीनों में आने वाले तूफानों को 'वज्र तूफान' कहते हैं। राज्य में सर्वाधिक वज्र तूफान झालावाड़ और जयपुर जिलों में आते हैं।
- जून माह में बाँसवाड़ा जिले में सूर्य की किरणें सीधी/लम्बवत् पड़ती है एवं श्रीगंगानगर जिले में तिरछी किरणें पड़ती है।

सर्वाधिक

- गर्म महीना (जून)
- शुष्क माह (अप्रैल)
- गर्म स्थान (फलोदी)
- गर्म जिला (चूरू)
- दैनिक तापांतर (जैसलमेर)
- वार्षिक तापांतर (चूरू)

न्यूनतम

- वार्षिक व दैनिक तापान्तर में न्यूनतम अंतर – डूंगरपुर (जून)
- गर्म स्थान (माउंट आबू)
- गर्म जिला (सिरोही)
- दैनिक तापांतर (बाँसवाड़ा)
- वार्षिक तापांतर (डूंगरपुर)

◈ **तापमान :-**

- मैदानी इलाकों में मई माह का **औसत अधिकतम तापमान 41°C–42°C** रहता है।
- ग्रीष्म ऋतु का औसत तापमान ⟶ **38°C**
- **पठारी व ऊँचे क्षेत्रों** में यह तापमान **2°C–4°C कम** होता है।
- **10 मई 1956, अलवर -** राजस्थान का **अब तक का सर्वाधिक तापमान 50.6°C** दर्ज ;यह तापमान सामान्य से **लगभग 10°C अधिक** था।
- **15 मई 1985, माउंट आबू -** उच्चतम तापमान **39.2°C** दर्ज ;यह तापमान सामान्य से **7°C अधिक** था।
- **सर्वाधिक तापमान (रिकॉर्ड) :-**
  - **श्रीगंगानगर**- 50.6°C (14 जून 1934)
  - **अलवर** – 50.6°C (10 मई 1956)
  - **धौलपुर** – 50.0°C (3 जून 1995)

2. वर्षा ऋतु

- मानसून पूर्व की वर्षा को दोगड़ा कहते हैं।
- शीतकाल में होने वाली वर्षा को मावठ कहते हैं।

◈ **मानसून अवधि :- जून से सितम्बर**

◈ **मानसून का आगमन:-**

- **मौसम विभाग (IMD) के अनुसार: 25 जून**

◈ **औसत वार्षिक वर्षा :-** लगभग **57.51 सेंटीमीटर**

- **वर्षा वाले दिन:** औसतन **29 दिन** प्रति वर्ष।

◈ **वाष्पोत्सर्जन संभावना :- सबसे कम:** डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा

- **सबसे अधिक:** जैसलमेर

◈ **दोगड़ा :-** मानसून पूर्व की प्रारंभिक वर्षा को **दोगड़ा** कहा जाता है।

◈ **मानसून प्रस्फुटन :-** मानसून के आगमन पर प्रचण्ड गर्जन व बिजली कड़कने के साथ भारी वर्षा का होना।

◈ **मानसून प्रतिच्छेदन :- मानसून प्रस्फुटन के पश्चात् कुछ सप्ताह तक वर्षा का नहीं होना।**

मानसून शाखाएँ

- **अरब सागरीय**
  - पश्चिमी घाट
  - छोटा नागपुर शाखा
  - हिमाचल शाखा (राजस्थान में बाँसवाड़ा से प्रवेश) आर्द्रता का प्रमुख स्रोत
- **बंगाल की खाड़ी**
  - पूर्वी हिमालयी शाखा
  - उत्तरी विशाल मैदान शाखा
    - राजस्थान में हाड़ौती क्षेत्र (बारां-झालावाड़) से प्रवेश (वर्षा की मात्रा बढ़ाने में सर्वाधिक योगदान)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

◈ **मानसून की वापसी :- तिथि: 30 सितम्बर तक।**

◈ **वर्षा :-** राजस्थान में मानसून (वर्षा) के देरी से आने और जल्दी लौट जाने की प्रवृति है।

- राजस्थान की औसत वार्षिक वर्षा ⟶ **57.51 सेमी**
- न्यूनतम औसत वर्षा वाला जिला ⟶ **जैसलमेर ~15** सेमी से भी कम
  - **न्यूनतम औसत वर्षा स्थान** – सम

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा - **झालावाड़ (राजस्थान का चेरापूंजी)**
  - **न्यूनतम औसत वर्षा स्थान** – माउण्ट आबू
- सर्वाधिक वर्षा वाला संभाग - **कोटा**
- न्यूनतम वर्षा वाला संभाग - **जोधपुर**
- वर्षा के औसत दिन - **29 दिन**
  - **माउंट आबू** - 48 दिन, झालावाड़ - 40 दिन, जैसलमेर-5 दिन
- राजस्थान में दक्षिणी पूर्व से उत्तर पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा घटती है।

मौसम विभाग की वार्षिक रिपोर्ट 2025 –

- **आधिकतम वर्षा** – [1] बारां; [2] सवाई माधोपुर ; [3] बूंदी; [4] कोटा
- **न्यूनतम वर्षा** – [1] जैसलमेर; [2] बीकानेर ; [3] बाड़मेर; [4] श्रीगंगानर
- 1901 से 2025 के मध्य वर्ष 2025 में दूसरी सर्वाधिक वर्षा की मात्रा दर्ज की गई। (715.2 mm)
- 1901 से 2025 के मध्य सर्वाधिक वर्षा 1917 में दर्ज की गई। (844.2 mm)

For RAS Mains:-

राजस्थान / पश्चिमी राजस्थान में मानसूनी वर्षा कम होने के कारण :-

- राजस्थान, विशेषकर **पश्चिमी भाग**, देश का सबसे शुष्क क्षेत्र है।
- राज्य की औसत वार्षिक वर्षा लगभग **57.5 सेमी** है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में केवल **10–40 सेमी** वर्षा होती है।
- **मानसूनी वर्षा में कमी के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं -**

1. **भौगोलिक स्थिति:-** राजस्थान की **आंतरिक स्थिति** समुद्र से बहुत दूर है, जिसके कारण मानसूनी हवाएँ यहाँ तक पहुँचते-पहुँचते **आर्द्रता खो देती हैं।**
2. **अरावली पर्वतमाला का समानांतर विस्तार-**
   - अरावली पर्वत श्रृंखला का विस्तार **दक्षिण-पश्चिम मानसून की दिशा के समानांतर** है।
   - इस कारण यह मानसूनी हवाओं को रोक नहीं पाती।
   - पर्वतमाला की **ऊँचाई कम** और **वनस्पति रहित** होने से भी वर्षा नहीं हो पाती।
3. **आर्द्रता की कमी:-** नग्न चट्टानें, कम वनस्पति और तीव्र गर्म हवाओं के कारण **संघनन की बजाय वाष्पीकरण अधिक** होता है। परिणामस्वरूप सापेक्षिक आर्द्रता **90%** से घटकर लगभग **50%** रह जाती है।
4. **बंगाल की खाड़ी शाखा की आर्द्रता का क्षय:-** बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी धाराएँ पहले ही गंगा के मैदानों में अपनी नमी खो देती हैं, जिससे राजस्थान पहुँचते-पहुँचते वर्षा क्षमता समाप्त हो जाती है।
5. **प्राकृतिक अवरोध का अभाव:-** राजस्थान के पश्चिमी भाग में ऊँचे पर्वतों का अभाव है, जिससे **वर्षा कराने वाली हवाएँ ऊपर उठ नहीं पातीं** और वर्षा नहीं होती।
6. **रेगिस्तानी प्रभाव :-** थार मरुस्थल की रेत अत्यधिक गर्म होकर हवा में ऊष्मा पैदा करती है, जिससे **नमी वाली हवाएँ ऊपर उठने से पहले ही सूख जाती है।**
7. **अल-नीनो प्रभाव:-** अल-नीनो वर्षों में मानसून कमजोर पड़ जाता है, जिससे राजस्थान में सूखा या वर्षा की भारी कमी हो जाती है।
8. **वर्षा काल की अल्प अवधि:-** राजस्थान में मानसून काल **केवल 60–70 दिनों** का होता है, जिससे कुल वर्षा की मात्रा बहुत कम रहती है।

3. शरद ऋतु

अवधि :- राजस्थान में **शरद ऋतु** का समय **अक्टूबर और नवंबर** महीनों में होता है।

मानसून निवर्तन :- इस ऋतु की शुरुआत **मानसून के वापस लौटने (अक्टूबर–दिसंबर)** से होती है।

- इस समय आकाश साफ़ होने लगता है और वर्षा समाप्त हो जाती है।

कार्तिक हीट / अक्टूबर हीट :- मानसून निवर्तन के दौरान तापमान में अचानक से वृद्धि होती है एवं इस समय वायुमंडल में आर्द्रता उपस्थित होने के कारण मौसम अत्यधिक कष्टकारी हो जाता है, इसे **"कार्तिक हीट"** या **"अक्टूबर हीट"** कहा जाता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

4. शीत ऋतु

- **अवधि :-** राजस्थान में शीत ऋतु का समय दिसंबर से फरवरी तक होता है।
- **न्यूनतम तापमान :-**
  - **सबसे ठंडा जिला:** चूरू
  - **सबसे ठंडा स्थान:** माउंट आबू
  - **औसत शीत ऋतु तापमान:** 7.4°C
- **सबसे ठंडा महीना:-** जनवरी राज्य का सबसे ठंडा महीना होता है।
- **शीत लहर :**
  - **उत्पत्ति स्थान -** तुर्कमेनिस्तान, कैस्पियन सागर एवं हिमालय क्षेत्र
  - ये **अत्यधिक ठंडी हवाएँ** होती हैं जो राजस्थान में प्रवेश कर तापमान को घटा देती है।
  - **दिशा:** उत्तर–पूर्व से दक्षिण–पश्चिम (मुख्यतः दिसंबर व जनवरी में)
  - **सर्वाधिक प्रभाव वाले जिले:** चूरू, सीकर, बीकानेर
- **मावठ :-**
  - **परिभाषा:** सर्दियों में होने वाली वर्षा को मावठ कहा जाता है।
  - **कारण:** भूमध्यसागरीय चक्रवात या पश्चिमी विक्षोभ ।
  - **सर्वाधिक मावठ वर्षा वाले जिले :-** जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर।
  - मावठ से राज्य की **कुल वार्षिक वर्षा का लगभग 10%** प्राप्त होता है।
  - जबकि यह भारत की कुल वर्षा का केवल 2% भाग है।
- **महत्व:-** मावठ की वर्षा को **"Golden Drops"** कहा जाता है, क्योंकि यह रबी की फसलों (गेहूँ, सरसों) के लिए अत्यंत लाभदायक होती है।

जलवायु वर्गीकरण

सामान्य वर्गीकरण

- **सामान्य वर्गीकरण-** 5 प्रकार
- **आधार :-** वर्षा

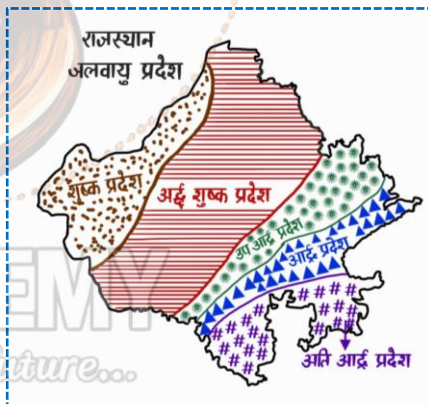

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

क्र. सं.	जलवायु	वर्षण	वनस्पति	विस्तार
1.	शुष्क जलवायु	0-20 सेमी	मरूदभिद वनस्पति (xerophyte)	जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, पश्चिमी चूरू, पश्चिमी नागौर, उत्तरी बाड़मेर, श्रीगंगानगर
2.	अर्द्धशुष्क	20-40 सेमी	स्टेपी	घग्घर बेसिन, शेखावाटी क्षेत्र, नागौर उच्च भूमि और लूनी बेसिन
3.	उप आर्द्र जलवायु	40-60 सेमी	पतझड़ वनस्पति	सीकर (पूर्वी भाग), खैरथल-तिजारा, कोटपूतली- बहरोड़, जयपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, ब्यावर, सिरोही (माउन्ट आबू), पाली (दक्षिण-पूर्वी भाग)।
4.	आर्द्र जलवायु	60-80 सेमी.	सघन पतझड़	अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, राजसमंद, चितौड़, उदयपुर, उत्तरी सलूम्बर, उत्तरी प्रतापगढ़, बूंदी
5.	अति आर्द्र	80-120 सेमी.	सवाना, उपोष्ण सदाबहार	डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, माउन्ट आबू, दक्षिणी सलूम्बर, दक्षिणी उदयपुर, दक्षिणी प्रतापगढ़, कोटा, बारां, झालावाड़

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कोपेन का जलवायु वर्गीकरण

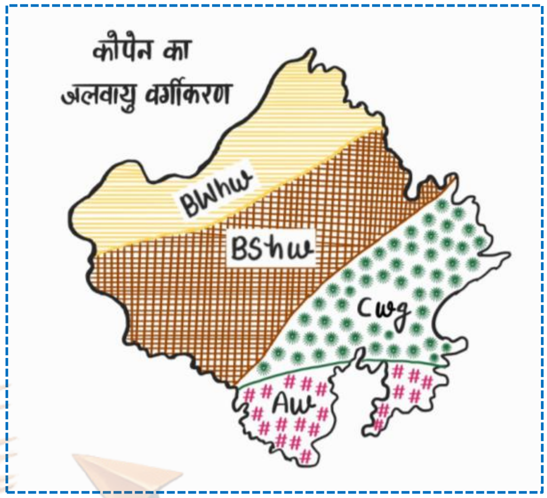

- **आधार :-** वनस्पति, तापमान, वर्षा
- **सांकेतिक अक्षर :-**

A - उष्ण | B - शुष्क
C - उपोष्ण | D - शीत (हिमतुल्य)
W - मरूस्थलीय | S - स्टेपी / अर्द्धशुष्क
w - शुष्क शीत ऋतु | s - शुष्क ग्रीष्म ऋतु
h - 18°C से अधिक वार्षिक तापमान (Hot Climate)
g - मैदानी क्षेत्र (गंगा तुल्य) | E - ध्रुवीय तुल्य

Note:- राजस्थान में D और E प्रकार की जलवायु नहीं पायी जाती है।

- **उपभाग :- 4**

आधार	Aw	Cwg	BShw	BWhw
	उष्ण कटिबंध आर्द्र जलवायु	उपोष्ण उपआर्द्र जलवायु	अर्द्धशुष्क स्टेपी जलवायु	शुष्क जलवायु
वर्षा	80-100 सेमी.	60-80 सेमी.	20-40 सेमी.	0-20 सेमी.
वनस्पति	सवाना वनस्पति	शुष्क पतझड़/मानसूनी	स्टेपी, छोटी घास युक्त	मरूदभिद वनस्पति
विस्तार	डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, दक्षिणी चित्तौड़गढ़, दक्षिणी कोटा, बारां, झालावाड़, सलूम्बर, दक्षिणी उदयपुर	अलवर, खैरथल - तिजारा कोटपूतली-बहरोड़, डीग, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, जयपुर, टोंक, दक्षिण-पूर्वी ब्यावर, भीलवाड़ा, बून्दी, दौसा, राजसमंद, चित्तौड़, सिरोही, उत्तरी उदयपुर। (सर्वाधिक उत्पादकता)	शेखावाटी प्रदेश (सीकर, झुंझनू, चूरू(आंशिक)) , नागौर उच्च भूमि, लूनी बेसिन (पाली, बाड़मेर , जोधपुर, जालौर) (सबसे बड़ा जलवायु प्रदेश)	जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़, फलोदी।

थॉर्नथ्वेट का वर्गीकरण

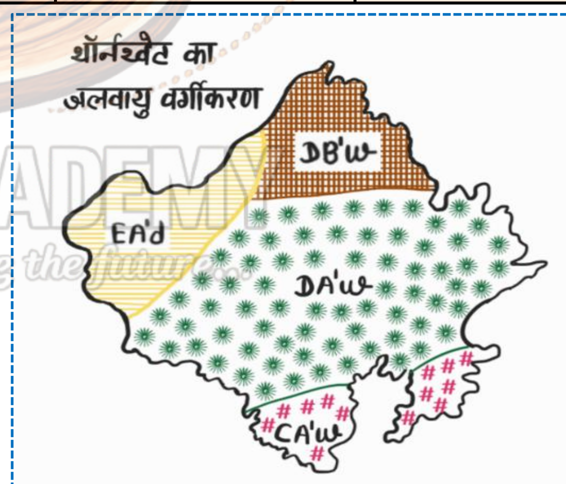

- **आधार :-** वाष्पीकरण, वर्षा, तापमान
- **सांकेतिक अक्षर :-**
  - **वर्षा :-**

A - अतिआर्द्र
B - आर्द्र
C - उपआर्द्र
D - अर्द्ध शुष्क
E - शुष्क

  - **तापमान :-**

A' - उष्ण कटिबंध (उच्च तापमान) | B' - मध्य तापीय
C' - न्यून तापीय | D' - टैगा
E' - टुण्ड्रा | r - वर्षभर वर्षा
w - शीत ऋतु शुष्क | s - ग्रीष्म ऋतु शुष्क
d - न्यून वर्षा वर्षभर

- **नोट :-** राजस्थान में A और B प्रकार की जलवायु नहीं पायी जाती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **प्रकार :- 4**

आधार	CA'w	DA'w	DB'w	EA'd
	उष्ण कटिबंधीय उप आर्द्र जलवायु प्रदेश	उष्ण कटिबंधीय अर्द्धशुष्क जलवायु प्रदेश	मध्य तापीय अर्द्धशुष्क जलवायु प्रदेश	उष्ण कटिबंध शुष्क जलवायु प्रदेश
वनस्पति	सवाना व मानसूनी	अर्द्धशुष्क मरूस्थलीय वनस्पति	कंटीली झाड़ियाँ व अर्द्ध मरुस्थलीय	मरुस्थलीय
विस्तार	• दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश - डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, झालावाड़, प्रतापगढ़, बाराँ, कोटा, दक्षिण- पूर्वी उदयपुर व सलूम्बर।	• सबसे बड़ा क्षेत्र • राजस्थान का अधिकांश भाग - बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, नागौर,जोधपुर, अजमेर, ब्यावर भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, दौसा, सीकर, झुंझनूं अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, बून्दी, चितौड़, राजसमंद, उदयपुर, कोटा (उत्तरी भाग)	राजस्थान का उत्तरी भाग श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, झुंझुनं का उत्तरी भाग।	जैसलमेर फलोदी उत्तरी बाड़मेर, दक्षिण-पश्चिमी बीकानेर, श्रीगंगानगर
वर्षा	80-90 सेमी.	50-80 सेमी.	20-40 सेमी.	10-20 सेमी.

ट्रिवार्था का वर्गीकरण

◈ **भाग** - 4

◈ **आधार** - वर्षा

	भाग			
आधार	Aw	Caw	Bsh	Bwh
	उष्ण कटिबंधीय/आर्द्र जलवायु प्रदेश	उपआर्द्र जलवायु	अर्द्धशुष्क जलवायु	शुष्क जलवायु प्रदेश
वर्षा	100 सेमी.	70 सेमी.	30 सेमी.	10 सेमी.
विस्तार	दक्षिण व दक्षिण-पूर्वी राजस्थान	मैदानी प्रदेश	अर्द्धशुष्क मरुस्थल प्रदेश	पश्चिमी राजस्थान/शुष्क मरुस्थल

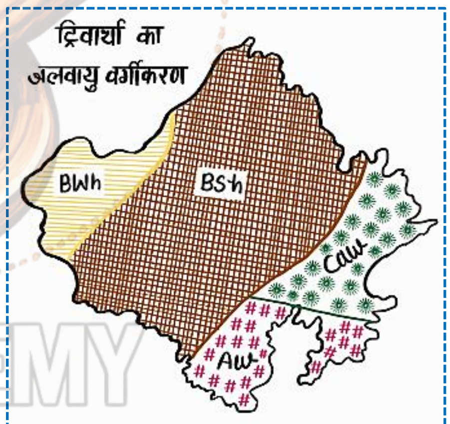

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

समताप रेखाएं

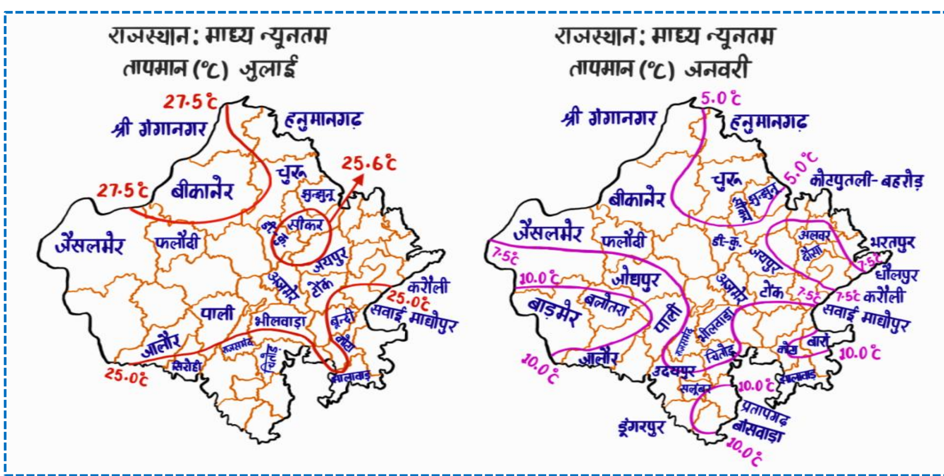

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

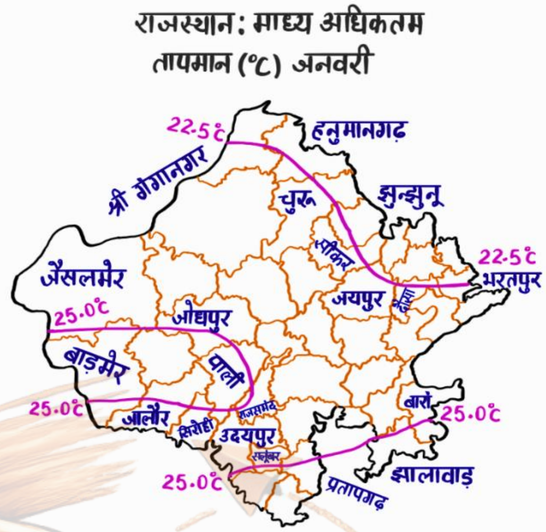

समवर्षा रेखा

- **25 सेमी.** शुष्क व अर्द्धशुष्क मरुस्थल का विभाजन
- **40 सेमी.** राजस्थान का दो बराबर भागों में विभाजन
- **50 सेमी.** अरावली पर स्थित पूर्वी मैदान व मरुस्थल का विभाजन

समवर्षा रेखा (सेमी.)	जिले / क्षेत्र जिनसे होकर गुजरती है
10 सेमी.	जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, श्रीगंगानगर
30 सेमी.	बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, चूरू, हनुमानगढ़
40 सेमी.	जालौर, पाली, डीडवाना-कुचामन, सीकर, झुंझुनूं
60 सेमी.	उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा (आंशिक), अजमेर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़
70 सेमी.	टोंक, बूँदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भीलवाड़ा, दौसा
80 सेमी.	बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बारां, प्रतापगढ़, सलूम्बर
90 सेमी. (अधिकतम)	बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ , झालावाड़

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

समदाब रेखाएं (Isobar line)

For RAS Mains:-

राजस्थान की जलवायु की प्रमुख विशेषताएँ :-

- राजस्थान में शुष्क व उपार्द्र मानसूनी जलवायु पाई जाती है।
- वर्षा के वितरण में अधिक विषमता परिलक्षित होती है। उदाहरण- सम (0 सेन्टीमीटर), माउण्ट आबू (150 सेन्टीमीटर)
- वर्षा की न्यून अवधि- वर्षा के औसत दिन केवल 29 दिन होते हैं।
- वर्षा की अनियमितता- 2025 में 21वीं सदी की सबसे अधिक वर्षा, जबकि 2002 में राजस्थान के सभी जिले अकाल से ग्रसित थे।
- रेत की अधिकता के कारण दैनिक व वार्षिक तापान्तर अधिक पाया जाता है। उदाहरण- चूरू
- ग्रीष्म ऋतु में उच्च दैनिक तापमान 49 सेल्शियस तक पहुँच जाता है।
- ग्रीष्म ऋतु में प्रचण्ड, शुष्क व गर्म 'लू' चलती है।
- शीतकाल में कहीं-कहीं तापमान जमाव बिन्दु तक पहुँच जाता है।
- अधिकांश वर्षा, वर्षा ऋतु (90%) में होती है। पूर्व से पश्चिम व दक्षिण से उत्तर की ओर वर्षा की मात्रा घटती जाती है।
- यहां अक्सर सूखा व अकाल पड़ते रहते हैं। जैसा कहा जाता है कि -पग पूंगल (बीकानेर का एक स्थान), धड़ कोटड़े (मारवाड़ का एक स्थान), उदरज बीकानेर। भूल्यो-चूक्यो जोधपुर, ठाणो जैसलमेर।

PYQ Questions

1. राजस्थान में बार-बार अकाल क्यों पड़ते हैं? निम्न में से कौन-सा कारण यहाँ प्रासंगिक नहीं है?
(Asst. Conservator Forest Exam 2011)
(a) बारिश की कमी (b) फसलों का गलत प्रारूप
(c) मृदा अपरदन (d) जल प्रबंधन की कमी

2. राजस्थान में न्यूनतम ग्रीष्मकालीन तापमान वाला क्षेत्र है–
(Asst. Conservator Forest Exam 2011)
(a) दक्षिणी–पूर्वी (b) उत्तरी–पश्चिमी
(c) दक्षिणी–पश्चिमी (d) उत्तरी–पूर्वी

3. राजस्थान में औसत वर्षा होती है : (Agri Officer 2011)
(a) 89.5 सेमी. (b) 57.51 सेमी.
(c) 117.6 सेमी. (d) 45.3 सेमी.

4. 1000 मिलिबार की समदाब रेखा जुलाई माह में गुजरती है:
(Teacher II Grade Exam. 2013 - GK)
(a) सिरोही, उदयपुर, प्रतापगढ़ और झालावाड़ से
(b) सिरोही, चितौड़गढ़, कोटा और बारां से
(c) जालोर, पाली, अजमेर एवं करौली से
(d) उदयपुर, चितौड़गढ़, कोटा एवं बारां से

5. राजस्थान में वार्षिक वर्षा की बढ़ती मात्रा की प्रवृत्ति जिस ओर है, वह है – (PTI Grade III Exam 2011)
(a) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व (b) दक्षिण से उत्तर
(c) उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम (d) उत्तर से दक्षिण

6. राजस्थान में मानसून के आगमन की तिथि जिस ओर बढ़ती जाती है, वह है – (Motor Vehicle SI 2013)
(a) उत्तर – पश्चिम (b) उत्तर – पूर्व
(c) दक्षिण – पश्चिम (d) दक्षिण – पूर्व

7. राजस्थान के जिस भाग में कोपेन का Aw जलवायु प्रदेश मिलता है, वह है – (Motor Vehicle SI 2013)
(a) दक्षिणी (b) उत्तरी
(c) पूर्वी (d) पश्चिमी

8. राजस्थान राज्य में न्यूनतम ग्रीष्मकालीन तापमान आलेखित किया जाने वाला भाग है: (PTI Gr. II AND III 2013)
(a) दक्षिणी भाग (b) दक्षिण पश्चिमी भाग
(c) दक्षिण पूर्वी भाग (d) उत्तर पूर्वी भाग

9. कोपेन ने राजस्थान की जलवायु को कितने भागों में विभाजित किया है? (SCHOOL LECTURER COACH 2013)
(a) 5 (b) 4
(c) 6 (d) 3

10. 'मावठ' किससे होती है, वह है : (RAS Pre 2013)
(a) उत्तर-पश्चिमी मानसून (b) दक्षिण-पूर्वी मानसून
(c) उत्तर-पूर्वी मानसून (d) पश्चिमी विक्षोभ

11. राजस्थान में शीतकालीन वर्षा होती है –
(ASST. JAILOR 2013)
(a) दक्षिण-पूर्वी मानसून द्वारा (b) उत्तर-पूर्वी मानसून द्वारा
(c) पश्चिमी विक्षोभ द्वारा (d) संवाहनिक वर्षा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

12. कोपेन के अनुसार, राजस्थान के कौन से जलवायु प्रदेश में 'BShw' प्रकार की जलवायु (स्टेपी प्रकार की जलवायु) पाई जाती है ? [Asst. Professor 2025]
(a) Aw (उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु प्रदेश)
(b) BShw (अर्द्ध-शुष्क मरुस्थलीय जलवायु प्रदेश)
(c) Bwhw (शुष्क ऊष्ण मरुस्थलीय जलवायु प्रदेश)
(d) Cwg (शुष्क शीत जलवायु प्रदेश)

13. कोपेन द्वारा प्रस्तुत जलवायु प्रदेशों में से राजस्थान में कौन-सा सुमेलित नहीं है? (College Lecturer - 2014)
(a) Aw - दक्षिणी राजस्थान (b) Cwg - उत्तरी राजस्थान
(c) BWhw - शुष्क मरुस्थल (d) BShw - अर्द्ध-शुष्क मरुस्थल

14. राजस्थान में जलवायु कारक/के निर्धारक कारक है/हैं –
A. अरावली की स्थिति **B. अरावली की दिशा**
C. समुद्र से दूरी **D. वर्षा की अनिश्चितता**
कूट:
(a) केवल C (b) केवल A व B
(c) केवल A व C (d) A, B व C

15. मानसून के मौसम (जून-सितम्बर) में 40 सेमी समवर्षा रेखा गुजरती है [Asst. Professor 2025]
(a) सीकर तथा झुन्झुनूं से
(b) धौलपुर तथा टोंक से
(c) डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा से
(d) हनुमानगढ़ तथा गंगानगर से

16. दक्षिण-पश्चिम मानसून काल में राजस्थान की सामान्य वार्षिक वर्षा की मात्रा कितनी है? [Agriculture Dept. 2024]
(a) 75-79% के बीच
(b) 85-89% के बीच
(c) 90% से अधिक
(d) 80-84% के बीच

17. थॉर्नथ्वेट के अनुसार नीचे दिए गए राजस्थान के मानचित्र में कौन सा जलवायु प्रदेश दर्शाया गया है ? (School Lecturer-2015)

(a) DAW (b) CAW
(c) DBw (d) EAd

18. गर्मियों में माउंट आबू का तापमान, राजस्थान के अन्य स्थानों की तुलना में कम रहता है, क्योंकि – (Junior Accountant and TRA - 2013)
(a) राजस्थान में माउंट आबू की समुद्र तट से दूरी सर्वाधिक है।
(b) माउंट आबू पर मानसूनी हवाओं का प्रभाव अधिक होता है।
(c) माउंट आबू उच्चतर ऊँचाई पर अवस्थित है।
(d) माउंट आबू पर वायुमण्डलीय दबाव कम है।

19. राजस्थान में सर्दी की वर्षा कहलाती है – (Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)
(a) काल बैसाखी (b) आम्र वर्षा
(c) मावठ (d) नॉर्वेस्टर

20. "मावठ" वर्षा जिनसे होती है, वह है (Sr. Teacher Gr. II Comp. Exam 2016)
(a) उष्णकटिबन्धीय चक्रवात (b) दक्षिणी पश्चिमी मानसून
(c) पश्चिमी विक्षोभ (d) लौटता मानसून

21. राजस्थान में उष्ण मरुस्थली जलवायु के लिए कोपेन ने किस कूट का प्रयोग किया? (Sr. Teacher GrII 2016)
(a) Aw (b) Bshw
(c) Bwhw (d) Cwg

22. निम्न में से राजस्थान के किस भाग में सर्वाधिक वर्षा की परिवर्तनशीलता पाई जाती है? (Sr. Teacher - 2015)
(a) सुदूर पश्चिमी भाग (b) उत्तर-पूर्वी भाग
(c) दक्षिणी भाग (d) उत्तरी भाग

23. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के जिलों के निम्न समूहों में से किसमें 'Aw' प्रकार की जलवायु पाई जाती है? (Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)
(a) डूँगरपुर, उदयपुर और राजसमंद
(b) भीलवाड़ा, टोंक और जयपुर
(c) सवाई माधोपुर, धौलपुर और झालावाड़
(d) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और झालावाड़

24. राजस्थान में ' मावठ ' की वर्षा द्वारा निम्नलिखित में से कौनसी फसल लाभान्वित होती है? (Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)
(a) बाजरा (b) ज्वार (c) गेहूँ (d) चावल

25. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा जिला सर्वाधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है? (Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)
(a) चूरु (b) झालावाड़
(c) नागौर (d) गंगानगर

26. राजस्थान के मरुस्थल में अति-उच्च दैनिक एवं वार्षिक तापांतर हेतु उत्तरदायी सर्वप्रमुख कारण निम्नलिखित में से कौनसा है? (Asst. Agri Officer (TSP) – 2015)
(a) मानसून ऋतु में उच्च आर्द्रता
(b) शुष्क ऋतु में अत्यन्त न्यून आर्द्रता
(c) वर्षभर उच्च शुष्कता दशाएँ
(d) इनमें से कोई नहीं

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

27. राजस्थान के उष्ण कटिबंधीय शुष्क जलवायु प्रदेश हेतु कोपेन ने कौनसे जलवायु प्रतीकों का समूह दिया?
(Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) Bshw (b) Bwhw
(c) Bshs (d) Bwhs

28. राजस्थान में वर्षा के लिए निम्नलिखित में से कौन उत्तरदायी नहीं है? (Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) मानसून की अरब सागर की शाखा
(b) मानसून की बंगाल की खाड़ी की शाखा
(c) पश्चिमी विक्षोभ
(d) लौटता हुआ मानसून

29. राजस्थान में किस ऋतु में सर्वाधिक धूल भरी आंधियाँ चलती हैं? (Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) ग्रीष्म ऋतु (b) वर्षा ऋतु
(c) शीत ऋतु (d) वसन्त ऋतु

30. राजस्थान में मई–जून महीनों में उत्पन्न होने वाली धूलभरी आंधियाँ किस कारण से उत्पन्न होती हैं?
(Raj. State and Sub. Services Comb. 2018)
(A) कुछ स्थानों पर संवहन धाराओं की उत्पत्ति
(B) अरावली पहाड़ियाँ दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के समानान्तर हैं
(C) तीव्र गति की पूर्वी हवाओं की उत्पत्ति
(a) (A) और (C) (b) (A), (B) और (C)
(c) (A) और (B) (d) केवल (A)

31. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार निम्नलिखित में से किन जिलों में BShw प्रकार की जलवायु पाई जाती है?
(Headmaster (Secondary School) 2018)
(a) बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, सीकर
(b) भीलवाड़ा, नागौर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़
(c) झालावाड़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, बारां
(d) जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर

32. राजस्थान में लौटते मानसून की ऋतु है –
(Sub Inspector Comb. 2016)
(a) जुलाई से अगस्त (b) जनवरी से फरवरी
(c) अक्टूबर से दिसम्बर (d) मार्च से जून

33. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के किस प्रदेश में Aw प्रकार की जलवायु पाई जाती है?
(Sr. Teacher Gr II Comp. Exam 2018)
(a) दक्षिणतम प्रदेश (b) उत्तर–पूर्वी प्रदेश
(c) पश्चिमी प्रदेश (d) उत्तरतम प्रदेश

34. राजस्थान में सम्भाव्य वाष्पीकरण–वाष्पोत्सर्जन की वार्षिक दर सर्वाधिक किस जिले में है?
(Sr. Teacher Gr II Comp. Exam 2018)
(a) गंगानगर (b) कोटा
(c) डूँगरपुर (d) जैसलमेर

35. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर में किस प्रकार की जलवायु मिलती है?
(Sr. Teacher Gr. II Exam - 2018)
(a) Bwhw (b) Bshw
(c) Cwg (d) Aw

36. राजस्थान के कौन से जिलों में अधिकतम वर्षा दिनों की संख्या पायी जाती है? (College Lecturer – 2018)
(a) टोंक, सवाई माधोपुर एवं करौली
(b) झालावाड़, कोटा एवं बारां
(c) सिरोही, उदयपुर एवं राजसमन्द
(d) जयपुर, दौसा एवं भरतपुर

37. त्रिकाल का सम्बंध है – (College Lecturer 2018)
(a) अनिश्चित वर्षा
(b) चारा, भोजन व जल की कमी
(c) भूमिगत जल, वनस्पति व फसल की कमी
(d) अत्यधिक ताप

38. राजस्थान के किस भाग में स्टेपी जलवायु पायी जाती है?
(Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) (TSP) - 2018)
(a) अरावली के पूर्व में
(b) हाड़ौती एवं भोराट पटारों के बीच
(c) अरावली एवं पश्चिमी शुष्क पट्टी के बीच
(d) दक्षिणी राजस्थान में

39. राजस्थान में न्यूनतम दैनिक तापान्तर कौन से महीनों में पाया जाता है ? (School Lecturer (School Edu.) - 2018)
(a) जनवरी एवं फरवरी (b) मई एवं जून
(c) जुलाई एवं अगस्त (d) अक्टूबर एवं नवम्बर

40. राजस्थान में धूलभरी आंधियाँ (Dust Storms) चलने के लिए आवश्यक दशा कौन सी है ? (School Lec - 2018)
(a) उच्च वार्षिक तापान्तर
(b) शीत ऋतु में उच्च वायुदाब
(c) संवहन क्रियाएँ
(d) तिब्बत के पठार पर निम्न वायुदाब दशाएँ

41. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से किस जिले में 'Aw' प्रकार की जलवायु नहीं पायी जाती है ?
(School Lecturer (School Edu.) - 2018)
(a) बाँसवाड़ा (b) झालावाड़
(c) डूँगरपुर (d) बूँदी

42. राजस्थान में वर्षा की परिवर्तिता सबसे कम है –
(Veterinary Officer – 2019)
(a) पश्चिमी भाग में
(b) उत्तर-पश्चिमी भाग में
(c) दक्षिण-पूर्वी भाग में
(d) जैसलमेर तथा आसपास के क्षेत्र में

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

43. राजस्थान में 75 से 110 सेमी. औसत वर्षा वाले क्षेत्रों में निम्न में से किस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है ?

(Veterinary Officer – 2019)

(a) उष्ण कटिबंधीय काँटेदार वन (b) गुल्म तथा झाड़ी
(c) शुष्क वन (d) शुष्क सागवान वन

44. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से किस जिले में Cwg प्रकार की जलवायु पायी जाती है ?

(School Lecturer – 2018)

(a) भरतपुर (b) बाँसवाड़ा
(c) सीकर (d) हनुमानगढ़

45. कोपेन के Aw प्रकार की जलवायु वाला जिला है –

(Evaluation Officer – 2020)

(a) बाँसवाड़ा (b) सीकर
(c) बाड़मेर (d) नागौर

46. ग्रीष्म ऋतु में राजस्थान में कम वायुदाब का क्षेत्र होता है –

(Evaluation Officer – 2020)

(a) पूर्वी क्षेत्र में (b) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में
(c) दक्षिण क्षेत्र में (d) उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में

47. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौन सा जिला अति-आर्द्र जलवायु क्षेत्र में स्थित है ? (Agri Research Officer 2020)

(a) अजमेर (b) राजसमंद
(c) दौसा (d) बारां

48. राजस्थान में शीत ऋतु में होने वाली भूमध्यसागरीय चक्रवातीय वर्षा कहलाती है (Agri Research Officer 2020)

(a) उत्तर-पूर्वी मानसून (b) मावट
(c) आम्र वर्षा (d) खेजड़ी वर्षा

49. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से किन जिलों में 'Aw' प्रकार की जलवायु पायी जाती है ?

(Agri. Officer – 2020)

(a) भरतपुर एवं अलवर (b) बाँसवाड़ा एवं झालावाड़
(c) सीकर एवं नागौर (d) हनुमानगढ़ एवं बीकानेर

50. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार बाड़मेर एवं झुंझुनूं जिले किस जलवायु प्रदेश में समाहित हैं ?

(Agri. Officer – 2020)

(a) Bwhw (b) Bshw
(c) Cwg (d) Aw

51. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौन सा क्षेत्र मानसून के अरब सागर शाखा से अधिकतम वर्षा प्राप्त करता है?

(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)

(a) उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र
(b) पूर्वी क्षेत्र
(c) मध्य अरावली
(d) दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र

52. कोपेन के अनुसार, राजस्थान में कौन सा जलवायु प्रकार उष्ण कटिबंधीय शुष्क (मरुस्थलीय) जलवायु को दर्शाता है ?

(Asst. Testing Officer – 2021)

(a) Aw (b) Cwg
(c) Bshw (d) Bwhw

53. राजस्थान मरुस्थल में ग्रीष्मकाल की रात्रि में तापमान में आकस्मिक गिरावट होती है, जिसका कारण है :

(Evaluation Officer – 2020)

(a) वायुमण्डल में उच्च शुष्कता, स्वच्छ आसमान, रेतीली मिट्टी एवं वनस्पति की कमी
(b) उच्च वायुमण्डलीय दाब, नग्न चट्टानों की उपस्थिति एवं रेत के टीले का पाया जाना
(c) झीलों की उपस्थिति, बिखरे अधिवास एवं तीव्र वायु की गति
(d) निम्न सापेक्षिक आर्द्रता, दिन में अधिक तापमान एवं तेज वायु की गति

54. कॉपेन के वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान के कौन से भागों में 'Aw' प्रकार का जलवायु प्रदेश पाया जाता है?

(Superintendent Garden – 2021)

(a) दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी भाग
(b) मध्यवर्ती एवं उत्तरी भाग
(c) उत्तरी एवं उत्तरी-पूर्वी भाग
(d) पश्चिमी एवं दक्षिण-पश्चिमी भाग

55. राजस्थान का कौन सा क्षेत्र अर्द्धशुष्क अथवा स्टेपी जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आता है ?

(Sub Inspector Comb. Comp. Exam - 2021)

(a) उदयपुर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(b) जालौर, पाली, जोधपुर, नागौर, सीकर, झुंझुनूं
(c) प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, बारां
(d) गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरु

56. थार्नथ्वेट वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के किन-किन जिलों की जलवायु 'DB'w' प्रकार की मानी गई है ?

(Asst. Prof. (College Education) - 2020)

(a) गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर
(b) बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, पाली
(c) जोधपुर, पाली, नागौर, अजमेर
(d) सीकर, झुंझुनूं, नागौर, जयपुर

57. झालावाड़ और बाँसवाड़ा जिले किस जलवायु खण्ड में सम्मिलित हैं? (Sanskrit Edu.) - 2021)

(a) आर्द्र प्रदेश (b) अर्ध-शुष्क प्रदेश
(c) अति-आर्द्र प्रदेश (d) उप-आर्द्र प्रदेश

58. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से कौन से सही सुमेलित हैं?

(RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2021)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(A) **Cwg – भरतपुर** (B) **Bwhw – बाड़मेर**
(C) **Bshw – गंगानगर** (D) **Aw – डूँगरपुर**
कूट:
(a) (A), (C) एवं (D) (b) (B), (C) एवं (D)
(c) (B) एवं (C) (d) (A) एवं (D)

59. निम्नलिखित में से कौन सा दक्षिण पश्चिम मानसून के आगमन की सामान्य तिथि के अनुसार सही व्यवस्थित है? [S.I. Telecom - 2025]
(a) डूंगरपुर, चूरू, भीलवाड़ा
(b) डूंगरपुर, भीलवाड़ा, चूरू
(c) भीलवाड़ा, डूंगरपुर, चूरू
(d) भीलवाड़ा, चूरू, डूंगरपुर

60. जलवायु की सामान्य विशेषताओं एवं तापमान व वर्षा की मात्रा के आधार पर राजस्थान को सामान्यतया कितने प्रमुख जलवायु प्रदेशों में विभाजित किया जा सकता है ? [Asst. Engineer (A.En.) - 2025]
(a) 4 (चार) (b) 5 (पाँच)
(c) 3 (तीन) (d) 6 (छ:)

61. निम्नलिखित में से जिलों का कौन सा समूह राजस्थान में उप-आर्द्र जलवायु का प्रतिनिधित्व करता है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) धौलपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर
(b) जयपुर, अजमेर, अलवर
(c) कोटा, बारां, झालावाड़
(d) उदयपुर, राजसमन्द, प्रतापगढ़

62. किस जलवायु प्रदेश में सवाना तुल्य वनस्पति पाई जाती है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) Aw (b) BShw
(c) BWhw (d) Cwg

63. राजस्थान के रेतीले शुष्क मैदान और अर्धशुष्क मैदान .... की समवर्षा रेखा द्वारा पृथक किए गए हैं।– (Statistical Officer – 2021)
(a) 20 से.मी. (b) 30 से.मी.
(c) 10 से.मी. (d) 25 से.मी.

64. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार निम्न में से कौन से सही सुमेलित हैं? (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(A) Aw – झालावाड़ **(B) Cwg - बाँसवाड़ा**
(C) Bshw – अलवर **(D) Bwhw - बीकानेर**
(a) (B) एवं (C) (b) (A), (C) एवं (D)
(c) (B), (C) एवं (D) (d) (A) एवं (D)

65. पुरवाई से तात्पर्य है – (Asst. Agri Officer – 2021)
(a) हवा पूर्व से पश्चिम की ओर चल रही है
(b) हवा पश्चिम से पूर्व की ओर चल रही है
(c) हवा दक्षिण से पूर्व की ओर चल रही है
(d) हवा उत्तर से पूर्व की ओर चल रही है

66. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार, निम्नलिखित में से किस जिले में 'Aw' प्रकार की जलवायु नहीं पाई जाती है? (A.R.O. - 2022)
(a) झालावाड़ (b) बाँसवाड़ा
(c) चित्तौड़गढ़ (d) सिरोही

67. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, गंगानगर जिले में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है? (A.R.O. - 2022)
(a) Bshw (b) Bwhw
(c) Aw (d) Cwg

68. राजस्थान का न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र है – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) उत्तरी–पूर्वी (b) दक्षिणी–पूर्वी
(c) पश्चिमी (d) दक्षिणी

69. राजस्थान की औसत वर्षा है – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) 48 – 52 सेमी (b) 63 – 67 सेमी
(c) 56 – 58 सेमी (d) 30 – 35 सेमी

70. निम्नलिखित में से कौन सी जलवायु राजस्थान में नहीं पायी जाती है? – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) BWhw (b) BSKw
(c) Cwg (d) Aw

71. निम्नलिखित में से कौन से कारक राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करते हैं? (School Lecturer - 2022)
(A) अक्षांशीय स्थिति **(B) देशांतरीय स्थिति**
(C) अरब सागर से दूरी **(D) उच्चावच विशेषताएँ**
कूट :
(a) A और D (b) A, B और C
(c) A, C और D (d) B, C और D

72. कोप्पेन के राजस्थान के जलवायु प्रदेशों के अनुसार, "Aw" जलवायु पायी जाती है – (School Lecturer - 2022)
(a) जयपुर जिले में (b) भरतपुर जिले में
(c) नागौर जिले में (d) डूँगरपुर जिले में

73. औसत वार्षिक वर्षा के सन्दर्भ में निम्न में से कौन सा अवरोही क्रम में सुव्यवस्थित है? (Protection Officer - 2022)
(a) भरतपुर, गंगानगर, जयपुर, जोधपुर
(b) उदयपुर, बीकानेर, पाली, जैसलमेर
(c) भरतपुर, जोधपुर, जयपुर, गंगानगर
(d) उदयपुर, पाली, बीकानेर, जैसलमेर

74. कोपेन के अनुसार राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सा जलवायु प्रकार नहीं पाया जाता है? (Sr. Teacher - 2022)
(a) Aw (b) BShw
(c) BWkw (d) Cwg

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future

75. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्यत: 1 जुलाई से पूर्व आ जाता है?
(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.) - 2022)
(a) गंगानगर (b) बीकानेर
(c) पाली (d) हनुमानगढ़

76. दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में निम्नलिखित में से कौन सा स्थान सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है ?
(Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) - 2022)
(a) झालावाड़ (b) राजसमन्द
(c) भरतपुर (d) टोंक

77. राजस्थान के जलवायु प्रदेशों को उनसे सम्बद्ध जिलों से मिलाइए : (Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) - 2022)
(i) शुष्क **(A) अलवर**
(ii) अर्द्ध–शुष्क **(B) झालावाड़**
(iii) उप–आर्द्र **(C) जैसलमेर**
(iv) आर्द्र **(D) चूरू**
कूट : i ii iii iv **i ii iii iv**
(a) DCBA (b) CDAB
(c) ABDC (d) BACD

78. राजस्थान में जनवरी में न्यूनतम तापमान निम्नलिखित में से किस जिले में अंकित किया जाता है?
(Senior Physical Education Teacher - 2022)
(a) जैसलमेर जिले में
(b) पाली जिले में
(c) गंगानगर जिले में
(d) भीलवाड़ा जिले में

79. तापमान एवं वर्षा के आधार पर राजस्थान को कितने प्रमुख जलवायु प्रदेशों में बांटा जा सकता है?
(Asst. Town Planner – 2022)
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

80. निम्नलिखित में से कौन सा जिला न्यूनतम औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है ? (Food Safety Officer – 2022)
(a) उदयपुर (b) दौसा
(c) नागौर (d) चित्तौड़गढ़

81. निम्नलिखित में से राजस्थान के जिलों का कौन सा समूह दक्षिण पश्चिम मानसून से औसत वर्षा की मात्रा के अनुसार आरोही क्रम में सही ढंग से व्यवस्थित है?
(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.) - 2022)
(a) जयपुर, हनुमानगढ़, बून्दी, बाँसवाड़ा
(b) हनुमानगढ़, जयपुर, बून्दी, बाँसवाड़ा
(c) बून्दी, हनुमानगढ़, जयपुर, बाँसवाड़ा
(d) बाँसवाड़ा, बून्दी, जयपुर, हनुमानगढ़

82. मेवात एवं डांग क्षेत्र निम्नलिखित में से कोपेन के किस जलवायु प्रदेश में सम्मिलित हैं?
(Sr. Teacher Gr II (Sec. Edu.) - 2022)
(a) Aw (b) BShw
(c) BWhw (d) Cwg

83. निम्नलिखित में से कौन से जिलों का समूह प्राप्त मानसूनी वर्षा की मात्रा के अनुसार अवरोही क्रम में सही ढंग से व्यवस्थित है?
(Raj. State and Sub. Services 2023)
(a) धौलपुर, राजसमंद, जालौर (b) भीलवाड़ा, बारां, सीकर
(c) राजसमंद, जालौर, धौलपुर (d) पाली, जयपुर, भरतपुर

84. राजस्थान मानसून रिपोर्ट 2024 के अनुसार, जिलेवार सर्वाधिक वर्षा (सामान्य से अधिक) निम्नलिखित में से किस जिले में देखी गई है? [Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(a) बांसवाड़ा और सवाई माधोपुर
(b) दौसा और सवाई माधोपुर
(c) करौली और धौलपुर
(d) दौसा और प्रतापगढ़

85. निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह को उनकी औसत वार्षिक वर्षा के अनुसार आरोही क्रम में व्यवस्थित किया गया है ? (Asst. Prof., Librarian & PTI Exam - 2023)
(a) बाड़मेर, बूँदी, सीकर (b) जोधपुर, राजसमन्द, उदयपुर
(c) जयपुर, चूरू, अजमेर (d) जोधपुर, उदयपुर, राजसमन्द

86. 30 सेमी समवर्षा रेखा (औसत वार्षिक वर्षा) निम्नलिखित किन जिलों से गुजरती है ? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) जैसलमेर तथा गंगानगर से (b) बाड़मेर तथा सीकर से
(c) जोधपुर तथा हनुमानगढ़ से (d) गंगानगर तथा पाली से

87. थॉर्नथवेट के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के निम्नलिखित जिलों के कौनसे समूह में 'CA'w' प्रकार की जलवायु मिलती है ? (Archaeology & Museums - 2023)
(a) सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर
(b) कोटा, झालावाड़, बारां
(c) चित्तौड़गढ़, अजमेर, बूँदी
(d) बूँदी, भीलवाड़ा, टोंक

88. निम्नलिखित में से कौनसे जिले उनके सामान्य वार्षिक वर्षा के आधार पर सही अवरोही क्रम में व्यवस्थित हैं?
[Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़
(b) हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा
(c) बाँसवाड़ा, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा
(d) भीलवाडा, बाँसवाड़ा, हनुमानगढ़

89. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए –
(Archaeology and Museums Dept. - 2023)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सूची-I (जलवायु प्रदेश)	सूची-II (संकेताक्षर-कोपेन)
(A) उप-आर्द्र	(i) Aw
(B) उष्ण कटिबन्धीय शुष्क	(ii) BShw
(C) स्टेपी	(iii) BWhw
(D) उष्ण कटिबन्धीय आर्द्र	(iv) Cwg

कूट –

(a) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)
(c) A-(iv), B-(ii), C-(iii), D-(i)
(d) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)

90. Cwg राजस्थान के किस जलवायु प्रदेश का प्रतिनिधित्व करता है? **(Archives Dept Recruitment - 2024)**

(a) उष्णकटिबन्धीय शुष्क
(b) उष्णकटिबन्धीय आर्द्र
(c) उपोष्णकटिबन्धीय शुष्क
(d) उप-आर्द्र

91. 10 सेमी. की समवर्षा रेखा राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले से नहीं गुजरती है?

(Archives Dept Recruitment - 2024)

(a) हनुमानगढ़ (b) जैसलमेर
(c) बीकानेर (d) गंगानगर

92. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसा जलवायु प्रकार नहीं पाया जाता है?

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) BWhw (b) BShw
(c) Cs (d) Aw

93. कोपेन के BShw जलवायु प्रदेश राजस्थान के किन क्षेत्रों में पाया जाता है? **(Archives Recruitment - 2024)**

(a) दक्षिणी पर्वतीय क्षेत्र में (b) अरावली के पूर्व में
(c) अरावली के पश्चिम में (d) हाड़ौती पठार में

94. निम्नलिखित में से कौन से जिलों का समूह प्राप्त मानसूनी वर्षा की मात्रा के अनुसार अवरोही क्रम में सही ढंग से व्यवस्थित है?

(RAS - 2023)

(a) धौलपुर, राजसमन्द, जालौर (b) भीलवाड़ा, बारां, सीकर
(c) राजसमन्द, जालौर, धौलपुर (d) पाली, जयपुर, भरतपुर

95. निम्नलिखित में से राजस्थान के किन जिलों में उच्च वायु तीव्रता से न्यूनतम नुकसान की सम्भावनाएँ हैं?

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा (b) भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़
(c) उदयपुर, राजसमन्द (d) अजमेर, पाली

96. कोपेन के अनुसार, झालावाड़ जिले में जलवायु प्रकार पाया जाता है – **(Archives Dept Recruitment - 2024)**

(a) Cf (b) Cw
(c) Af (d) Aw

97. निम्नलिखित में से राजस्थान के किस जिले में जून का औसत न्यूनतम तापमान दर्ज किया जाता है?

(Asst. Prof. (Sanskrit College Edu.) – 2024)

(a) कोटा (b) सिरोही
(c) झालावाड़ (d) गंगानगर

98. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में स्टेपी जलवायु परिस्थितियाँ नहीं पाई जाती हैं?

(Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) – 2024)

(a) पाली (b) जोधपुर
(c) जालौर (d) जयपुर

99. राजस्थान के निम्नलिखित जिला समूहों का दक्षिण-पश्चिमी मानसून में औसत वर्षा के आधार पर सही आरोही क्रम कौनसा है? **(RAS - 2024)**

(a) जालौर, जयपुर, कोटा (b) जैसलमेर, बाँसवाड़ा, राजसमन्द
(c) नागौर, धौलपुर, अजमेर (d) चूरू, बारां, भीलवाड़ा

100. 60 सेमी. की समवर्षा रेखा निम्नलिखित में से राजस्थान के किन जिलों से गुजरती है?

(Librarian Grade-II (School Edu.) - 2024)

(A) जयपुर (B) सवाई माधोपुर
(C) राजसमन्द (D) अजमेर

उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए –

(a) (A), (C) और (D) (b) (A) और (B)
(c) (B), (C) और (D) (d) (A), (B), (C) और (D)

101. दक्षिण–पश्चिम मानसून के मौसम में प्राप्त औसत वर्षा की मात्रा के अनुसार राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौनसा सही ढंग से अवरोही क्रम में व्यवस्थित है?

(Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)

(a) धौलपुर, अलवर, झुंझनूं (b) धौलपुर, झुंझनूं, अलवर
(c) कोटा, झालावाड़, उदयपुर (d) अलवर, धौलपुर, झुंझनूं

102. कोपेन के अनुसार, कौन सा जिला समूह "Aw" जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आता है?

(Agriculture Officer (Agri. Deptt.) 2024)

(a) उदयपुर, जालौर, सिरोही
(b) जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर
(c) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, झालावाड़
(d) पाली, जयपुर, चूरू

103. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार कौनसे जिलों का युग्म उष्ण आर्द्र प्रदेश में सम्मिलित है?

(PTI and Librarian – 2024)

(a) सिरोही और पाली (b) धौलपुर और करौली
(c) अजमेर और टोंक (d) बाँसवाड़ा और डूँगरपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

104. कौन सा जिलों का समूह जून से सितम्बर के मध्य सामान्यतः 60 से 75 सेमी. वर्षा प्राप्त करता है ?

(Mines And Geology Dept. Exam - 2024)

(a) भीलवाड़ा, टोंक, दौसा (b) राजसमंद, जयपुर, अलवर
(c) सिरोही, पाली, अजमेर (d) बारां, झालावाड़, प्रतापगढ़

105. नीचे दिए गए दो कथनों को अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में अंकित किया गया है –

अभिकथन (A): राजस्थान में मानसून की अरब सागर शाखा से कम वर्षा होती है।

कारण (R): अरब सागर शाखा की दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व है, जो अरावली श्रेणी के समानान्तर है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) - 2024)

(a) (R) सही है किन्तु (A) गलत है
(b) (A) सही है पर (R) गलत है
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) को स्पष्ट नहीं करता
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) को सही स्पष्ट करता है

106. कोपेन जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, "BWhw" जलवायु पायी जाती है –(Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)

(a) कोटा, बूँदी, झालावाड़
(b) बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर
(c) झुंझनूं, सीकर, अलवर
(d) जैसलमेर, सीकर, बाड़मेर

107. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान के किस क्षेत्र में BShw जलवायु प्रकार पाया जाता है ?

[Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) शुष्क प्रदेश (b) हाड़ौती पठार प्रदेश
(c) अर्द्ध-शुष्क प्रदेश (d) उत्तरी मैदानी प्रदेश

108. राजस्थान के निम्नलिखित स्थानों में से कौन सा स्थान अधिकतम औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है ?

(Deputy Jailor - 2024)

(a) झालावाड़ (b) बाँसवाड़ा
(c) कोटा (d) माउंट आबू

109. राजस्थान का कौनसा जिला 70 सेमी. से अधिक औसत वार्षिक वर्षा प्राप्त करता है?

(Technical Assistant (Geophysics) 2024)

(a) झालावाड़ (b) जयपुर
(c) अजमेर (d) भरतपुर

110. कथन (I) : राजस्थान मानसूनी पवनों के प्रभाव क्षेत्र में होते हुए भी कम वर्षा प्राप्त करता है।

कारण (R) : अरावली पर्वत श्रेणी की दिशा मानसून की अरब सागरीय शाखा के समानान्तर होती है।

(Public Relation Officer – 2024)

(a) (I) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (I) की सही व्याख्या है।
(b) (I) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R),(I) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (I) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (I) गलत है परन्तु (R) सही है।

111. राजस्थान के किस जिला समूह से 40 से.मी. की समवर्षा रेखा गुजरती है ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) दौसा, टोंक, भीलवाड़ा
(b) अलवर, जयपुर, उदयपुर
(c) सीकर, नागौर, जालौर
(d) सीकर, अजमेर, सिरोही

112. ट्रिवार्था के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार, राजस्थान का कौनसा प्रदेश 'Caw' जलवायु प्रकार वाला है? [Deputy Com.– 2025]

(a) दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र/प्रदेश (b) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र/ प्रदेश
(c) दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र/प्रदेश (d) उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र/प्रदेश

113. उष्ण एवं अर्द्ध-उष्णकटिबंधीय स्टेपी जलवायु BShw निम्न में से किस जिलों के समूह में पायी जाती है ?

(Lecturer and Coach - Exam-2024)

(a) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर
(b) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर
(c) जयपुर, अलवर, भरतपुर
(d) पाली, सीकर, झुन्झुनूं

114. जिलों का वह कौन सा समूह है, जो कि (मध्य जून से सितम्बर तक) मानसूनी वर्षा से 500 - 600 मिमी. के मध्य वर्षा प्राप्त करता है? (Lec and Coach - Comp. Exam-2024)

(a) अजमेर, पाली, राजसमन्द, चूरू
(b) उदयपुर, राजसमन्द, जयपुर, अलवर
(c) अजमेर, उदयपुर, जयपुर, बून्दी
(d) उदयपुर, जयपुर, बून्दी, अलवर

115. कोपन द्वारा किये गये जलवायु प्रदेशों के वर्गीकरण के अनुसार, बीकानेर क्षेत्र निम्नलिखित में से किस वर्ग में आता है?

(a) Bw (b) Cwg
(c) BWhw (d) Aw

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Answer Key

1	b	2	c	3	b	4	a	5	a	6	a	7	a	8	b	9	b	10	d
11	c	12	b	13	b	14	d	15	a	16	c	17	d	18	c	19	c	20	c
21	c	22	a	23	d	24	c	25	b	26	c	27	b	28	d	29	a	30	d
31	a	32	c	33	a	34	d	35	a	36	b	37	b	38	c	39	c	40	c
41	d	42	c	43	d	44	a	45	a	46	d	47	d	48	b	49	b	50	b
51	d	52	d	53	a	54	a	55	b	56	a	57	c	58	d	59	b	60	b
61	b	62	a	63	d	64	d	65	a	66	d	67	b	68	c	69	c	70	b
71	c	72	d	73	d	74	c	75	c	76	a	77	b	78	c	79	*	80	c
81	b	82	d	83	a	84	b	85	b	86	c	87	b	88	a	89	d	90	d
91	a	92	c	93	c	94	a	95	a	96	d	97	b	98	d	99	a	100	a
101	a	102	c	103	d	104	a	105	d	106	b	107	c	108	d	109	a	110	a
111	d	112	a	113	d	114	b	115	c										

5 अपवाह तंत्र (नदियाँ व झीलें)

प्रमुख नदियाँ

अरब सागर अपवाह तंत्र	आंतरिक अपवाह तंत्र	बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र
17% (RBSE - 16%)	60%	23% (RBSE - 24%)

- राजस्थान में देश का कुल सतही जल - 1.16%
- राजस्थान में देश का कुल सतही जल - 1.16%

राजस्थान में कुल नदी बेसिन

- **मुख्य नदी बेसिन :-** 15
- **उप बेसिन :-** 58
- **सूक्ष्म जलग्रहण क्षेत्र :-** 541

जल विभाजक

- जब एक नदी द्रोणी या नदी बेसिन दूसरी नदी द्रोणी से किसी पर्वत या उच्च भूमि द्वारा अलग होती है, तो उस ऊँचाई को **जल विभाजक** कहा जाता है।
- यह जल विभाजक वर्षा के जल को अलग-अलग दिशाओं में प्रवाहित करता है।
- **उदाहरण:**
  - उत्तर भारत में **अरावली पर्वत श्रेणी** एवं इसके उत्तर की ऊँची भूमि **सिंधु** और **गंगा** नदी द्रोणियों को अलग करती है।
  - इसलिए अरावली पर्वत श्रेणी **राजस्थान का प्रमुख जल विभाजक** है।

अपवाह तंत्र

- निश्चित वाहिकाओं (जैसे नदियाँ, नाले या धाराएँ) के माध्यम से बहने वाले जल प्रवाह को **अपवाह** कहा जाता है।
- इन वाहिकाओं के जाल या नेटवर्क को **अपवाह तंत्र** कहा जाता है।
- अपवाह तंत्र किसी क्षेत्र की **नदी प्रणाली** को दर्शाता है।
- राजस्थान के भौतिक मानचित्र से ज्ञात होता है कि विभिन्न दिशाओं से आने वाली छोटी धाराएँ आपस में मिलकर एक **मुख्य नदी** का निर्माण करती है।
- ये नदियाँ आगे चलकर किसी बड़े जलाशय जैसे- **झील, समुद्र,** या **महासागर** में जाकर मिल जाती है।
- कोई नदी अपनी सहायक नदियों सहित जिस क्षेत्र का जल एकत्र करती है; वह क्षेत्र **प्रवाह क्षेत्र** या **नदी-द्रोणी** कहलाता है।
- ऐसी छोटी नदियाँ जो आगे चलकर किसी बड़ी नदी में मिल जाती हैं, उन्हें सहायक नदियाँ कहा जाता है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

अरब सागर का अपवाह तंत्र

1. लूनी नदी

- **उद्गम** - नाग पहाड़ (अजमेर)
- **संगम** - कच्छ का रन
- **लूनी** - गोविन्दगढ़ में नाम (सरस्वती से मिलकर)
- **लंबाई** - 495 किमी. (राजस्थान = 350 किमी.)
  - एच.एम. सक्सेना = 320 किमी.
  - एच.एस. शर्मा = 330 किमी.
- **अपवाह क्षेत्र** = 10.41%
- **उपनाम :-**
  - अन्त: सलिला (कालिदास के अनुसार)
  - आधी मीठी - आधी खारी
  - पश्चिमी राजस्थान की गंगा
  - साक्री - पुष्कर
  - मरूगंगा
  - लवणवती या लवनवरी
  - सागरमती (उद्गम स्थल पर नाम)

- **बाँध :-**
  - **जसवंतसागर/पिचियाक :-** जोधपुर
  - **हेमावास :-** पाली, बांडी नदी
  - **बांकली :-** जालौर, सुकड़ी नदी
  - **जवाई बाँध :-** जवाई नदी (पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बाँध)
    - सुमेरपुर, पाली
    - जवाई में पानी कम होने पर सेई जल सुरंग, उदयपुर से जलापूर्ति होती है
    - मारवाड़ का अमृत सरोवर
- **बांडी नदी :-** केमिकल नदी
  - **प्रदूषण :-** रंगाई-छपाई उद्योग (पाली, जसोल, बालोतरा व बिटूजा)

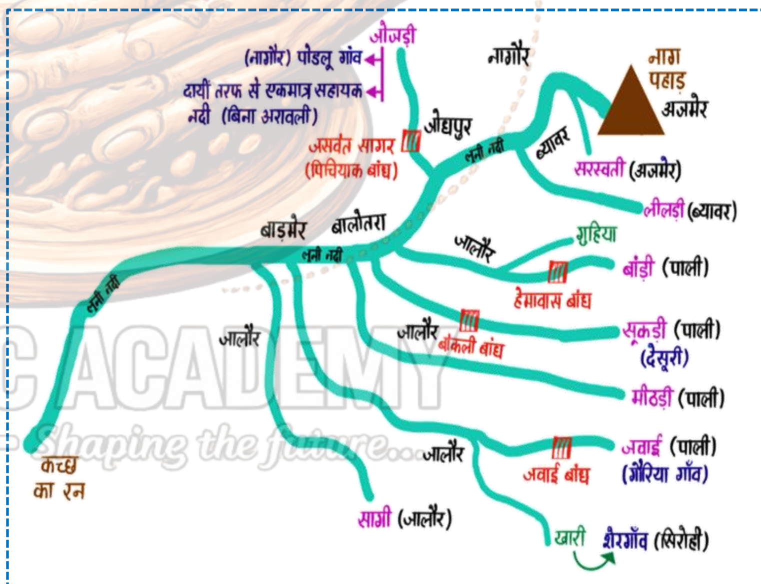

- **लूनी की सहायक नदी उत्तर से दक्षिण के क्रम में-**
  - लीलड़ी, गुहिया, बांडी, सूकड़ी, मीठड़ी, जवाई, खारी, सागी,(**Trick-** जो लीला बांधे सूखी मिट्टी जवाई खारी साग खाये)
- **लूनी :-** पश्चिमी राजस्थान की सबसे लंबी नदी
- **गोड़वाड़ प्रदेश :-** लूनी का बहाव क्षेत्र
- **रेल/नाडा :-** जालौर में लूनी का अपवाह क्षेत्र
- **बालोतरा :-** बाढ़ (कारण - नदी पेटे से नीचे)
- **सेवज :-** कृषि
- लूणी नदी का जल रंगाई छपाई उद्योग के कारण प्रदूषित हो रहा है
- **जोजरी नदी :-** औद्योगिक अपशिष्ट से प्रदूषित, जिस पर सुप्रीम कोर्ट (अक्टूबर – 2025) में स्वत: संज्ञान लिया (डॉक्यूमेंट्री फिल्म – मरुधरा के कारण) (दाईं ओर से एकमात्र सहायक नदी)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. पश्चिमी बनास

- **उद्गम स्थल:** सिरोही जिले के दक्षिण में नया सानवारा गाँव की नया सानवारा पहाड़ियों से उद्गम।
- **संगम:** लिटिल कच्छ।
- **प्रवाह मार्ग:**
  - यह नदी सिरोही जिले में लगभग 50 किलोमीटर बहती है (कुल लम्बाई – 266 किमी.)।
  - इसके बाद यह गुजरात राज्य के बनासकांठा जिले में प्रवेश करती है।
  - आगे चलकर लिटिल रन ऑफ कच्छ में विलुप्त हो जाती है।
  - डीसा नगर व आबू इसी नदी के तट पर बसा हुआ है।

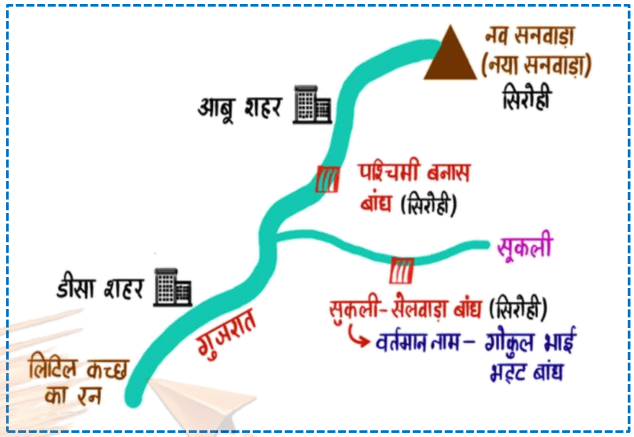

- **मुख्य सहायक नदियाँ:-** सुकली या सीपू
  - कूकड़ी
  - गोगुआ नदी, धारवोल, बतरिहया, सेवरन नाड़ी, सुकेत, गोहलन
  - इन सभी सहायक नदियों का स्वरूप स्थानीय नालों जैसा है।
- **मुख्य सहायक नदी – सूकली:**
  - **उद्गम:** सिलारी की पहाड़ियाँ (सिरोही)
  - **प्रवाह:** गुजरात में जाकर पश्चिमी बनास नदी में मिल जाती है।

3. साबरमती

- **उद्गम स्थल:**
  - **स्थान:** उदयपुर जिले की कोटड़ा तहसील।
  - **पर्वत:** अरावली की पादरला/पादराना की पहाड़ियों से।
  - **संगम:** खम्भात की खाड़ी
- **प्रवाह मार्ग:**
  - राजस्थान से निकलकर **गुजरात के साबरकांठा जिले** में प्रवेश करती है।
  - आगे चलकर **खंभात की खाड़ी** में गिरती है।
  - **गांधीनगर** इसी नदी के तट पर बसा हुआ है।
  - इसी नदी पर अहमदाबाद में साबरमती रिवर फ्रंट बना हुआ है।

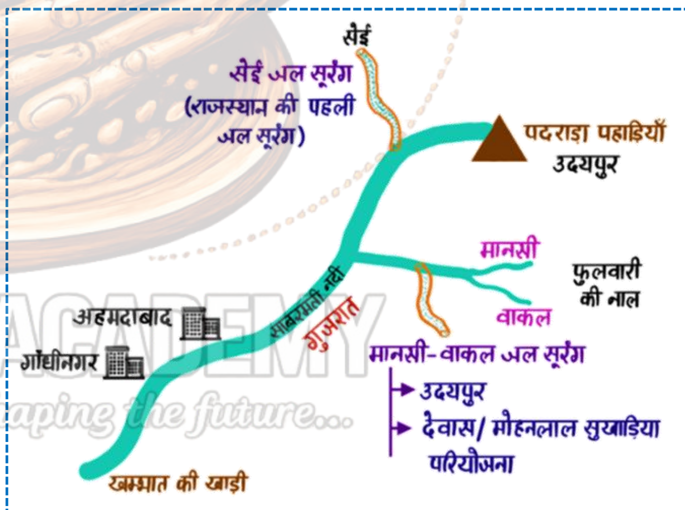

- **सहायक नदियाँ:**
  - मेश्वा, माजम, मधुमति, मानसी, वाकल, सेई, हरनाव, हथमति, खारी, मोहर
  - इन सभी सहायक नदियों का उद्गम **डूंगरपुर** या **उदयपुर** से होता है।
- **राजस्थान में प्रवाह:**
  - मुख्यतः **उदयपुर** और **डूँगरपुर** जिलों में प्रवाहित होती है।
  - साबरमती बेसिन **राजस्थान के दक्षिणी भाग** में स्थित है।
  - साबरमती बेसिन का **सबसे अधिक क्षेत्र उदयपुर जिले** में आता है।
  - **डूँगरपुर जिला** क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरे स्थान पर है।
  - **लंबाई** - 416 किमी. [राजस्थान = 45 किमी.]

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

4. माही नदी

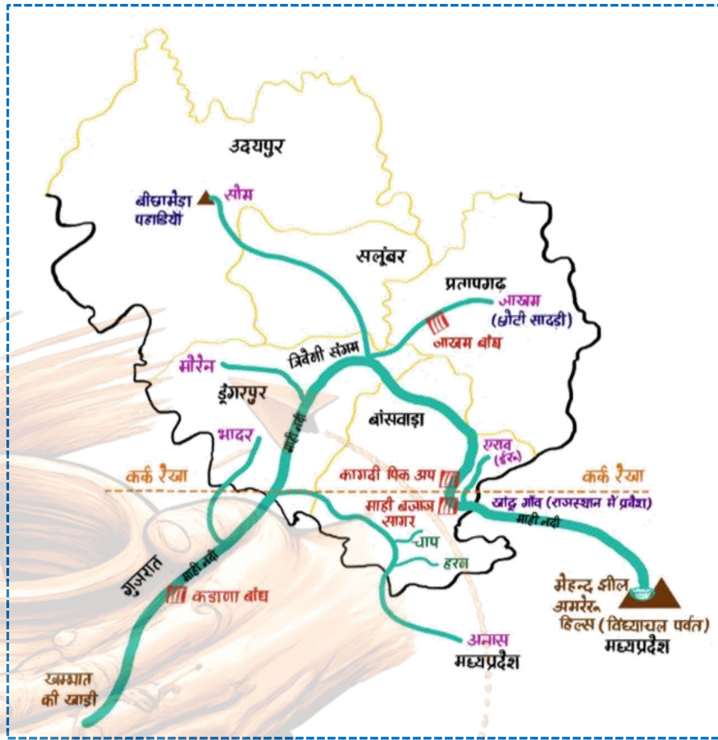

- **उद्गम :-** मेहंद झील - अमरेरू/महू पहाड़ियाँ (विंध्याचल पर्वत) - धार जिला (मध्यप्रदेश)
- **संगम :-** खम्भात की खाड़ी
- **लंबाई :-** कुल = 576 किमी. (राजस्थान = 171 किमी)
- **राजस्थान में प्रवेश :-** खांदू/खाटू, बासंवाड़ा
- **अपवाह क्षेत्र :-** मध्यप्रदेश, राजस्थान (बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूँगरपुर) एवं गुजरात
- **उपनाम :-** आदिवासियों की गंगा, वागड़ की गंगा, कांठल की गंगा, दक्षिणी राजस्थान की स्वर्णरेखा।
- **विशेषताएँ :-**
  - **बहाव :-** उल्टे 'U' आकार में कर्क रेखा को दो बार काटती है।
    - प्रवेश और निकास दोनों दक्षिण दिशा से।
  - **सीमा निर्धारण :-**
    - बाँसवाड़ा – प्रतापगढ़
    - बाँसवाड़ा – डूँगरपुर
  - **त्रिवेणी संगम**
    - **नवा टापरा गाँव (डूँगरपुर) -** बेणेश्वर धाम
    - **नदियाँ -** सोम, माही व जाखम
    - आदिवासियों का कुम्भ
    - **मेला -** माघ पूर्णिमा
    - **तीर्थ स्थल :-** बेणेश्वर धाम
    - **अन्य तीर्थ स्थल :-** गलियाकोट (डूँगरपुर)
- **बाँध :-**
  - **i. माही बजाज सागर :-** बोरखेड़ा (बाँसवाड़ा) [**साझेदारी -** गुजरात : राजस्थान - 55 : 45]
    राज्य का सबसे लंबा एवं आदिवासी क्षेत्र का सबसे बड़ा बाँध (3109 मी.)
  - **ii. कागदी-पिक-अप :-** कागदी गाँव (बाँसवाड़ा) [**नहरें** : भीखाभाई सागवाड़ा (डूँगरपुर), आनंदपुर भूकिया (बाँसवाड़ा)]
  - **iii. कडाणा बैकवाटर :-** डूँगरपुर
  - **iv. कडाणा बाँध :-** महीसागर (गुजरात)
  - **v. जाखम बाँध :-** जाखम नदी (प्रतापगढ़)
    राजस्थान का सबसे ऊँचा बाँध (81 मी.)
- **अन्य परियोजनाएँ :-**
  - सोम – कागदर परियोजना – सोम नदी (उदयपुर)
  - सोम-कमला-अम्बा परियोजना :- डूँगरपुर

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

5. सोम नदी

- **उद्गम स्थल:-** उद्गम उदयपुर जिले की खरवाड़ा तहसील में ऋषभदेव के निकट बीछामेड़ा की पहाड़ियाँ से निकलती है।
- **संगम स्थल:-** नदी बेणेश्वर (डूँगरपुर) के निकट जाकर माही नदी में मिल जाती है।
- **प्रवाह दिशा:-** यह नदी दक्षिण-पूर्व दिशा में बहती है।
  - पहले **उदयपुर व डूँगरपुर जिलों** की सीमा बनाती है।
  - आगे चलकर **सलूम्बर और डूँगरपुर** की सीमा बनाते हुए **पूर्व दिशा** में प्रवाहित होती है।
- **त्रिवेणी संगम:-** सोम, माही, और जाखम तीन नदियों का संगम बेणेश्वर धाम पर होता है।
- **सहायक नदियाँ-** जाखम, गोमती, सारनी, टीडी

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

आंतरिक अपवाह तंत्र

1. घग्घर नदी :- प्राचीन सरस्वती

- **उद्गम :-** कालका पहाड़ी (शिवालिक श्रृंखला)
- **उपनाम :-** दृषद्वती, चोटांग, मृत्त, वाहिन्द, नट, राजस्थान का शोक
- **लंबाई :-** 465 किमी. (राजस्थान - 100 किमी.)
- **प्रवाह दिशा:-** उत्तर से पश्चिम की ओर बहने वाली नदी।
- यह **हिमाचल प्रदेश → पंजाब → हरियाणा → राजस्थान → पाकिस्तान** तक प्रवाहित होती है।
- **विशेषताएँ :-**
  - **राजस्थान में प्रवेश बिंदु:-** यह नदी हनुमानगढ़ जिले की टिब्बी तहसील के तलवाड़ा गाँव के पास राजस्थान में प्रवेश करती है। (तलवाड़ा झील का निर्माण)
  - **राजस्थान में मार्ग एवं अंत:-** यह हनुमानगढ़ में बहती हुई भटनेर के पास जाकर विलुप्त हो जाती है; कभी- कभी इसका जल सूरतगढ़ के कुछ गाँवों तक पहुँच जाता था।
  - भटनेर का किला इस नदी के किनारे स्थित है।
  - राजस्थान में एकमात्र हिमालयी और अंतर्राष्ट्रीय नदी
  - **पाकिस्तान में विस्तार:**
    - पाकिस्तान के **बहावलपुर क्षेत्र** में इसे **"हकरा "** नाम से जाना जाता है।
    - वर्षा ऋतु में बाढ़ के समय इसका जल **फोर्ट अब्बास (पाकिस्तान)** तक पहुँचता था।
  - दूसरी सर्वाधिक अवनालिका अपरदन वाली नदी ।
  - भारत व राजस्थान की सबसे लम्बी आंतरिक अपवाह की नदी घग्घर है; जबकि केवल राजस्थान में पूर्णतः सबसे लम्बी अत:प्रवाही कांतली नदी है।
  - डेनमार्क के सहयोग से विलुप्त सरस्वती नदी के प्राचीन मार्ग (पैलियो चैनल) खोजने का कार्य किया जा रहा है।
  - कालीबंगा, पीलीबंगा, सभ्यता इसी नदी के किनारे स्थित है।

2. कांतली नदी

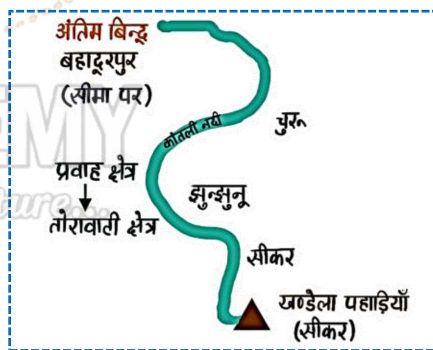

- **उद्गम स्थल:-** सीकर जिले की खंडेला पहाड़ियों से निकलती है।
- **प्रवाह दिशा :-** नदी उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती है।
- **प्रवाह क्षेत्र:-** कांतली नदी का प्रवाह क्षेत्र "तोरावाटी प्रदेश" कहलाता है।
  - यह नदी **झुंझुनूं** व **सीकर जिले** में बहती है।
- **लंबाई:-** 100 किमी. केवल राजस्थान में बहने वाली राज्य की सबसे लम्बी आंतरिक अपवाह की नदी ।
- गणेश्वर और सुनारी सभ्यता इसी नदी के किनारे स्थित है।

3. कांकनी/कांकनेय/मसूरदी

- कोटरी गाँव, जैसलमेर
- सबसे छोटी नदी (आंतरिक अपवाह की) 27 किमी.
- बुझ झील का निर्माण

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

4. साबी/साहिबी

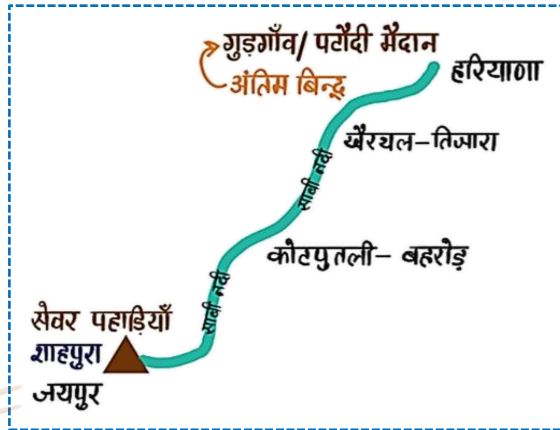

- **उद्गम:-** सेवर पहाड़ियाँ (कोटपुतली-बेहरोड़)
- **उपनाम :-** नजफगढ़ का नाला
- मानसून काल में पाट अधिक चौड़ा (साबी नदी वर्षा ऋतु में अपनी विनाशलीला के लिए प्रसिद्ध थी)
- **अपवाह क्षेत्र:-** कोटपुतली-बहरोड़ व खैरतल-तिजारा
- **सहायक नदियाँ:-** अरवरी, दोहन
- इस नदी के किनारे जोधपुरा सभ्यता (कोटपूतली-बहरोड़) स्थित है।

5. रूपारेल/वराह नदी

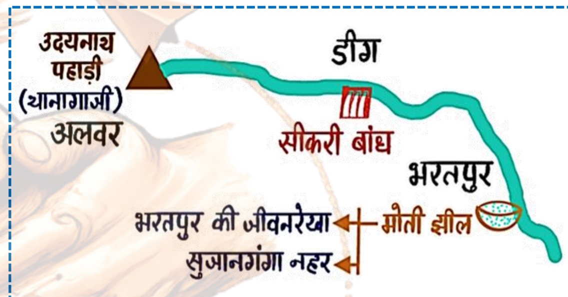

- **उपनाम :-** रूपारेल नदी को "लसवारी" (स्थानीय नाम) और "वराह" नाम से भी जाना जाता है।
- **उद्गम स्थल:-** थानागाजी संरक्षित वन क्षेत्र, जिला अलवर की उदयनाथ पहाड़ियों से निकलती है।
- **लंबाई:-** कुल लंबाई लगभग 104 किलोमीटर है।
- **प्रवाह दिशा व क्षेत्र:**
  - यह नदी मुख्य रूप से **अलवर** और **भरतपुर, डीग जिलों** में बहती है।
  - इसे **"भरतपुर की जीवन रेखा"** कहा जाता है।
- **मुख्य सहायक नदियाँ :**
  - नारायणपुर नदी
  - गोलारी नदी
  - सुकरी नदी
  - शानगंगा नदी
  - नालाक्रोती नदी (सभी नदियाँ **उदयनाथ पहाड़ियों** से निकलती हैं।)

6. बाणगंगा नदी

- **उद्गम स्थल:-** बैराठ की पहाड़ियों (कोठपुतली-बहरोड़) से निकलती है।
- **उपनाम :-** अर्जुन की गंगा, ताला, रूण्डित नदी (वर्ष 2012)

  नोट:- रूण्डित नदी- वे नदी जो अपनी मुख्य नदी से मिलने से पहले समाप्त या विलुप्त हो जाती हैं।
  - पहले यह **उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के फतेहाबाद** के निकट **यमुना नदी** में मिलती थी।
  - **प्रवाह दिशा एवं संगम:-** यह पूर्व दिशा में बहते हुए राजस्थान–उत्तर प्रदेश की सीमा बनाती है।
  - वर्तमान में इसका जल **भरतपुर के मैदानी क्षेत्रों में फैल जाता है**, इसलिए यह आंतरिक प्रवाह प्रणाली का उदाहरण है।
- **लंबाई:-** कुल लंबाई लगभग 380 किलोमीटर है।
- **प्रवाह क्षेत्र-** कोटपुतली बहरोड़, जयपुर, दौसा, भरतपुर (सवाई माधोपुर- H.M. सक्सेना)
- **मुख्य बाँध:-** जमवारामगढ़ बाँध (जयपुर) – बाणगंगा नदी पर निर्मित, अजान बाँध (भरतपुर)
- रामगढ बाँध पर अमृत जलम् और वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान चलाया गया।
- ERCP के तहत इसे इसरदा बाँध से जोड़ने हेतु 175 किमी की पाइपलाइन का निर्माण किया जा रहा है।
- **मुख्य सहायक नदियाँ:**

दिशा	सहायक नदियाँ
दाएँ तट से	गुमटी नाला, सूरी नदी
बाएँ तट से	सावां नदी, पालासन नदी

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **ऐतिहासिक व भौगोलिक परिवर्तन:-** प्राचीन काल में यह यमुना की सहायक नदी थी।
  - समय के साथ **यमुना नदी के पूर्व की ओर सरकने** से इसका संपर्क टूट गया।
  - अब यह एक **"रूंडित सरिता "** का रूप ले चुकी है।
- **पर्यावरणीय महत्व:-** भरतपुर में इसका जल केवलादेव घना पक्षी राष्ट्रीय उद्यान में भूमिगत होकर नमीयुक्त भूमि का निर्माण करता है।
- आगे चलकर यह नदी **अवसादों के बीच विलुप्त** हो जाती है।

7. द्रव्यवती नदी

- **उद्गम व बहाव क्षेत्र -** जयपुर
- रिवर फ्रंट पार्क
- द्रव्यवती नदी पुनर्जीवन परियोजना के तहत 47.5 किमी नदी के किनारे में बहने वाले नालों को पुन: बारहमासी नदी में परिवर्तित किया जा रहा है।

8. सांभर झील की नदियाँ

मेंथा/ मेढ़ा	रूपनगढ़	खण्डेल	खारी
↓	↓	↓	↓
जयपुर (मनोहरपुर)	अजमेर	सीकर	नागौर

- **सांभर झील अपवाह क्षेत्र :-**
  - **स्थान :-**
    - यह झील राजस्थान के जयपुर, अजमेर, डीडवाना – कुचामन जिलों के मध्य स्थित है।
    - झील का औसत पृष्ठ क्षेत्रफल – 190 से 230 वर्ग किमी।
  - **अपवाह पैटर्न :- "केन्द्राभिमुख अपवाह तंत्र"** पाया जाता है।
    - सभी दिशाओं से नदियाँ जल प्रवाह लाकर सांभर झील में मिलती हैं।
  - **मुख्य नदियाँ :-** मेंथा (मेंढ़ा) नदी– मनोहरपुर थाना की पहाड़ियों (जयपुर) से निकलती है।
    - सांभर में सर्वाधिक लवणता जमा करने वाली नदी मेंथा (मेंढ़ा) है।
    - **रूपनगढ़ नदी** – दक्षिण-पूर्व दिशा से, अजमेर व किशनगढ़ क्षेत्र से बहकर आती है।
    - **तुरतमती नदी** – (डीडवाना – कुचामन) से मिलती है।
    - **खारी नदी** – (नागौर) क्षेत्र से प्रवाहित होती है। डीडवाना-कुचामन की सीमा पर सांभर में संगम।
    - **खंडेल नदी** – (खड़ेला – सीकर) भाग से प्रवाह करती है। डीडवाना-कुचामन की सीमा पर सांभर में संगम।
  - **छोटे नाले :-** त्योंद का नाला, झपोंक का नाला, नलियासर नाला, बांडी का नाला, देवयानी नाला
  - **विशेषताएँ:-** यह झील राजस्थान की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील है।
    - झील में आने वाला सारा जल वाष्पीकरण द्वारा समाप्त हो जाता है, क्योंकि इसका कोई बाहरी निकास नहीं है।
    - झील का जल अत्यधिक लवणीय होता है, जिससे सोडा व नमक का उत्पादन किया जाता है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र

1. चम्बल नदी

- **उद्गम :-** जनापाव हिल्स (विंध्याचल पर्वत), महू - इन्दौर (M.P.)
- **संगम :-** मुरादगंज, इटावा, यमुना नदी (यूपी)
- **राज्य :-** मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
- **अन्तर्राज्य सीमा :-** मध्यप्रदेश - राजस्थान (252 किमी)
- **जिलों की सीमा :-** कोटा - सवाई माधोपुर, कोटा – बूँदी (चम्बल बूंदी के सीमा से बहती है, अंदर तक नहीं जाती)
- **लंबाई** = 1051 किमी. [राजस्थान = 322 किमी.]
  [पुरानी (HM Saxena) 965 किमी. (राजस्थान – 135 किमी.)]
- **उपनाम :-** कामधेनु, चर्मवती, नित्यवाही, मालवगंगा, चर्मण्यवती, बारहमासी
- **विशेषताएँ-**
  - बहाव की दृष्टि से राज्य की सबसे लम्बी नदी (सबसे लम्बी व सबसे बड़ी)
  - राज्य की एकमात्र बारहमासी नदी
  - चम्बल अध्यारोपित नदी का उदाहरण है।
  - चम्बल नदी उत्खात् स्थलाकृति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।
  - बनास चंबल की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
  - कालीसिंध व आहू नदी का संगम क्षेत्र सामेला कहलाता है। गागरोण का किला सामेला पर स्थित।
  - **त्रिवेणी संगम-** रामेश्वरम घाट, सवाई माधोपुर नदियाँ (चंबल + बनास + सीप)
  - इस नदी के किनारे NH27 (कोटा) में हैंगिंग ब्रिज स्थित है।
- इस नदी के किनारे कोटा शहर में चंबल हैरिटेज रिवर फ्रंट स्थापित किया गया है, जिसकी कुल लम्बाई 19 किमी है।

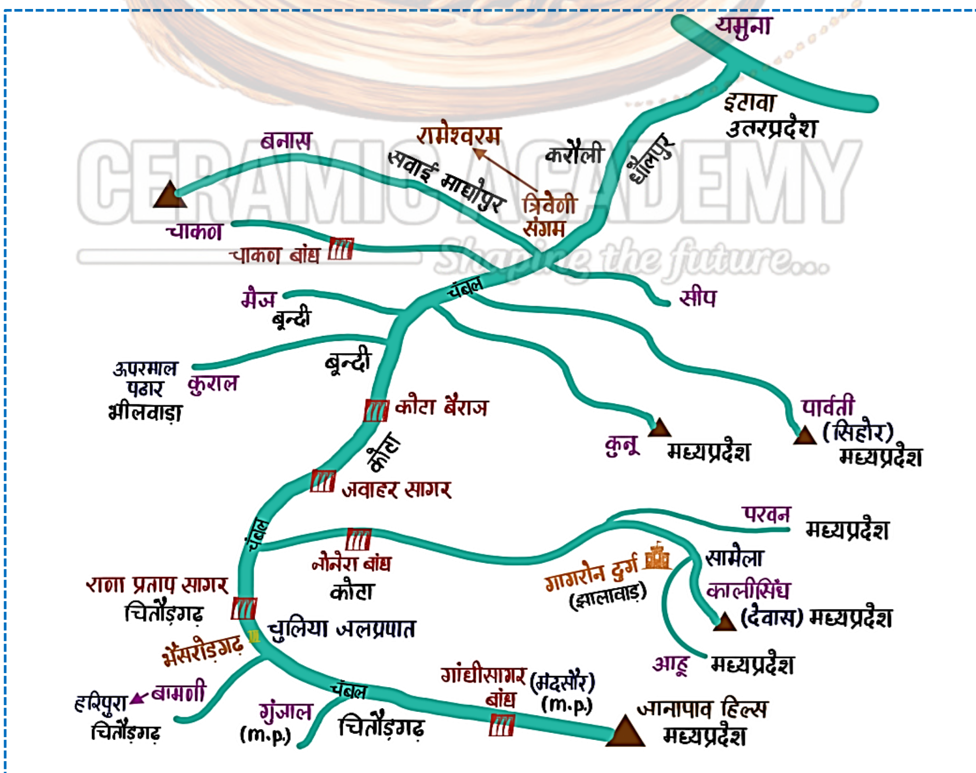

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **बाँध :-**

(i) गाँधी सागर :-

- I - चरण में निर्मित
- सबसे बड़ा बाँध (चंबल)
- मंदसौर में स्थित
- ऊँचाई - 62 मी.

(ii) राणा प्रताप सागर :-

- II – चरण में निर्मित
- चितौड़गढ़ में स्थित
- चम्बल पर राजस्थान में सबसे बड़ा बाँध।
- राज्य का जल भराव क्षमता की दृष्टि से सबसे बड़ा बाँध।

(iii) जवाहर सागर :-

- इसे कोटा डैम/बाँध भी कहा जाता है।
- तीसरे चरण में निर्मित
- पिक अप डैम

(iv) कोटा बैराज :-

- प्रथम चरण में निर्मित।
- सबसे बड़ा कैचमेंट एरिया (जलग्रहण क्षेत्र)।
- केवल सिंचाई :- कोटा, बारां, बूँदी, टोंक, सवाई माधोपुर व भीलवाड़ा

◈ **कंदरा सुधार कार्यक्रम :-**

✦ **विशेषताएं :-**

- वृक्षाकार अपवाह प्रतिरूप
- वाटर सफारी, हैंगिंग ब्रिज
- **जैवविविधता :-** घड़ियाल, गांगेय डॉल्फिन, उदबिलाव
- **गहरा पाट :-** केशोरायपाटन (बून्दी)
- **गॉर्ज :-** चूलिया प्रपात से कोटा तक
- **अवनालिका अपरदन सर्वाधिक :-** बीहड़

◈ **चंबल की दाईं ओर से सहायक नदियाँ:-** कालीसिंध (चम्बल की दायीं ओर की सबसे लम्बी सहायक), आहू, परवन, पार्वती, कुन्नू व सीप

◈ **चंबल की बाईं ओर से सहायक नदियाँ:-** ब्राह्मणी, मेज, मांगली, गुजाली, चाकण व बनास (चम्बल की सबसे लम्बी सहायक)

◈ **अन्य सहायक नदियां :-** मांगली, नेवाज, घोड़ा पछाड़, कुकू

सहायक नदी व उसके क्षेत्र

क्रमांक	नदी का नाम	उद्गम स्थल	राजस्थान में प्रवेश	संगम स्थान / विवरण	सहायक नदियाँ / विशेषताएँ
1	**कुन्नु (कुनोर)**	गुना (म.प्र.)	बारां जिले के **मुसेरी गाँव**	**कोटा जिले के गोवर्धनपुरा** में चम्बल में मिलती है	48 किमी (MP में) + 24 किमी (MP में पुनः प्रवाह)
2	**पार्वती**	सेहोर (म.प्र.) – विंध्य श्रेणी	**करयाहाट (बारां)** के पास	**पाली गाँव (कोटा-सवाई माधोपुर सीमा)**	लासी, बरनी, बैथली, अंधेरी, रेतड़ी, अहेली, कूल, डूबराज, बिलास
3	**कालीसिंध**	देवास (म.प्र.) के पास बागली गाँव	**रायपुर-बिन्दा गाँव (झालावाड़)**	**नानेरा (कोटा)** के पास चम्बल में	आहू, परवन, आमझर, चौंली, चंद्रभागा
4	**कुराल**	ऊपरमाल पठार (भीलवाड़ा)	—	**बूँदी के पूर्व में** चम्बल में	पीपलाज
5	**आहू**	सुसनेर (म.प्र.)	**नंदपुर (झालावाड़)**	**गागरोन (झालावाड़)** में कालीसिंध से संगम	गागरोन किला – आहू और कालीसिंध के संगम पर (संगम को सामेला कहते है)
6	**परवन**	मालवा पठार (म.प्र.)	**खड़ीबारे गाँव (झालावाड़)**	**रामगढ़ (कोटा)** में कालीसिंध से मिलती है	उजाड़, निवाज, धार, छापी, कालीखाड़, घोड़ा पछाड़
7	**मेज**	मांडलगढ़ (भीलवाड़ा)	—	**लाखेरी (बूँदी)** में चम्बल से मिलती है	मांगली, घोड़ा पछाड़
8	**चाकन**	स्थानीय नालों से निर्मित	—	**करणपुरा (सवाई माधोपुर)** में चम्बल में	—
9	**वापनी (ब्राह्मणी)**	हरिपुर गाँव (बेगूं, चित्तौड़गढ़)	—	**भैंसरोड़गढ़** में चम्बल में	ब्राह्मणी-बनास परियोजना द्वारा बनास से जोड़ी जा रही है

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. बनास नदी

- **उद्गम :-** खमनौर हिल्स (राजसमंद)
- **संगम :-** रामेश्वरम (सवाई माधोपुर) - चंबल नदी में
- **लंबाई :-** 512 किमी. (पुरानी 480 किमी.)
- **उपनाम :-** वशिष्ठी, वर्णाशा, वन की आशा
- बनास नदी एक "अध्यारोपित नदी" का उदाहरण है।
- पूर्णत राजस्थान की सबसे लम्बी नदी।
- इसके कुल अपवाह क्षेत्र का 20 प्रतिशत भाग भीलवाड़ा में आता है।
- **बाँध :-**

  [1] बाधेरी का नाका :- राजसमंद **[2] नंदसमंद :-** राजसमंद की जीवनरेखा **[3] मातृकुण्डिया :-** चित्तौड़, मेवाड़ का हरिद्वार

  [4] बीसलपुर :- राजमहल (टोंक), एशियाई विकास बैंक (ADB) द्वारा विकसित; राजस्थान का सबसे बड़ा कंक्रीट बाँध तथा राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना।

  जलापूर्ति – अजमेर, नागौर, जयपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर व टोंक (सिंचाई और पेयजल)

  शुरुआत – 1999, इसे मिनी गोवा भी कहा जाता है, यहाँ फिश एक्वेरियम एवं प्रजनन केंद्र है और इसे प्रथम कजर्वेशन रिज़र्व (2008) बनाया गया।

  [5] ईसरदा बाँध :- सवाई माधोपुर **[6] मेजा बाँध :-** कोठारी नदी, भीलवाड़ा **[7] नारायण सागर :-** खारी नदी, ब्यावर

  [8] मोरेल बाँध :- दौसा, मोरेल नदी **[9] मदार बाँध:-** उदयपुर, बनास नदी
- **त्रिवेणी संगम :-** सर्वाधिक - 4

क्रमांक	त्रिवेणी संगम स्थल	जिला	मिलने वाली नदियाँ
1	**बिगोद**	भीलवाड़ा	बनास, बेड़च, मेनाल
2	**राजमहल**	टोंक	बनास, खारी, डाई
3	**देवधाम/जोधपुरिया**	टोंक	बनास, मांसी, बांडी
4	**रामेश्वरम्**	सवाई माधोपुर	बनास, चम्बल, सीप

क्र.	सहायक नदी का नाम	उद्गम स्थल	मिलने का स्थान (संगम स्थल)
1	**बेड़च नदी (दायीं ओर की सबसे लम्बी सहायक)**	गोगुन्दा की पहाड़ियाँ (उदयपुर)	बिगोद (भीलवाड़ा)
2	**बांडी नदी**	सामोद-अमलोद की पहाड़ियाँ (जयपुर)	देवधाम (टोंक)
3	**मानसी नदी**	सिलोरा की पहाड़ियाँ (किशनगढ़)	देवधाम (टोंक)
4	**मोरेल नदी**	चेनपुरा की पहाड़ियाँ (जयपुर)	खण्डार (सवाई माधोपुर) **नोट-** मानसी की सहायक- सोहादरा नदी
5	**धील नदी**	वावली गाँव (टोंक)	फिलपुरा गाँव (सवाई माधोपुर)
6	**खारी नदी (बनास की सबसे लम्बी सहायक)**	बिजराल की पहाड़ियाँ (राजसमंद)	राजमहल (टोंक)
7	**धुन्ध / ढूंढ़ नदी**	अचरोल की पहाड़ियाँ (जयपुर)	मोरेल नदी में, हाडौल (सवाई माधोपुर)
8	**कोठारी नदी (145 किमी.)**	दिवेर की पहाड़ियाँ (राजसमंद)	नंदराय (भीलवाड़ा)
9	**मेनाल नदी**	मेनाल की पहाड़ियाँ (चित्तौड़गढ़)	बिगोद (भीलवाड़ा)
10	**डाई नदी**	नसीराबाद की पहाड़ियाँ (अजमेर)	राजमहल (टोंक)
11	**चंद्रभागा नदी**	देवड़ो का गुड़ा (राजसमंद)	मातृकुंडिया (चित्तौड़गढ़)
12	**सोहादरा**	अजमेर की पूर्वी पहाड़ियाँ	मासी नदी में मिलती है, टोंक में 100 किमी प्रवाह

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

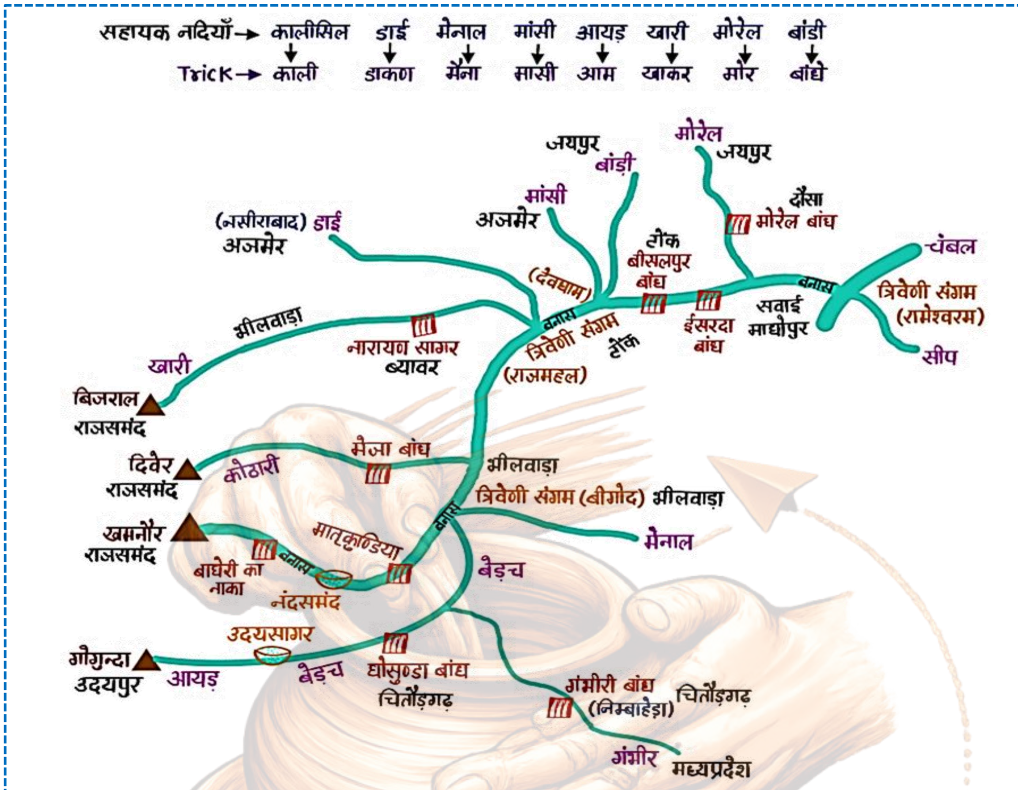

3. गंभीर नदी

- **उद्गम :-** सपोटरा (करौली)
- **उपनाम :-** ऊटंगन नदी
- **लम्बाई :-** 288 किमी.
- **सहायक नदी :-** पार्बती या पार्वती II (धौलपुर)
- **अपवाह क्षेत्र :-** भरतपुर, करौली, धौलपुर

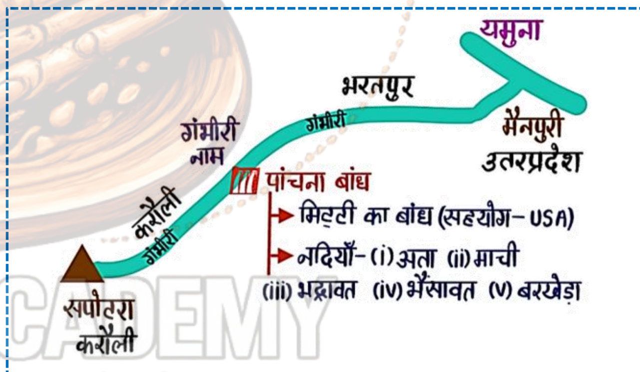

4. बेड़च नदी

- **उद्गम :-** गोगुन्दा हिल्स (उदयपुर)
- **संगम :-** बनास बिगोद (भीलवाड़ा)
- **अपवाह क्षेत्र :-** उदयपुर, चित्तौड़, भीलवाड़ा
- उदयसागर झील में गिरने के बाद आयड़ नदी बेड़च बन जाती है।

क्या आप जानते हैं?

- **बिना नदी वाले जिले :-** बीकानेर, चूरू
- **न्यूनतम नदियों वाला संभाग :-** बीकानेर
- **सर्वाधिक नदियों वाला जिला :-** चितौड़गढ़
- **सर्वाधिक नदियों वाला संभाग :-** कोटा
- **चारों ओर से नदियों से घिरे जिले :-** कोटा, बाँसवाड़ा
- **एकमात्र बारहमासी नदी :-** चंबल

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान के प्रमुख जलप्रपात :-

क्रमांक	जलप्रपात का नाम	नदी	जिला
1	**चूलिया जलप्रपात (राजस्थान का सबसे ऊँचा – 18 मी.)**	चम्बल नदी	चित्तौड़गढ़
2	**मेनाल जलप्रपात**	मेनाल नदी	भीलवाड़ा
3	**भीमलत जलप्रपात**	मांगली नदी	बूँदी
4	**गैपरनाथ जलप्रपात**		कोटा
5	**भीलबेरी जलप्रपात**		पाली-राजसमंद
6	**धूधिया जलप्रपात**		सिरोही
7	**पाड़ाझार जलप्रपात**		चित्तौड़
8	**दमोह जलप्रपात**		धौलपुर

क्र.सं.	मानदंड	अवरोही क्रम (नदी)
1	**कुल लम्बाई के अनुसार (किमी.)**	चम्बल (1051) > माही (576) > बनास (512) > लूनी (495)
2	**केवल राजस्थान में लम्बाई (किमी.)**	बनास (512) > लूणी (350) > चम्बल (322) > माही (171)
3	**जलग्रहण क्षेत्र (प्रतिशत)/(किमी.)**	बनास > लूनी > चम्बल > माही (27.48%) > (20.21%) > (17.21%) > (9.46%) 45000 > 34000 > 31000 > 16000
4	**जल उपलब्धता के अनुसार**	चम्बल (5203) > बनास (4039) > माही (3149) > लूनी (1451) > साबरमती (799)
5	**उप-बेसिन क्षेत्र के अनुसार**	लूनी (12) > बनास (10) > चम्बल (7-8) > माही (6)
6	**अपवाह क्षेत्र (Drainage Area %)**	चम्बल (20.90%) > लूनी (10.41%) > बनास (9.80%) > माही (4.8%)

सरस्वती नदी पुनर्जीवन योजना

बिंदु	विवरण
परियोजना का उद्देश्य	प्राचीन सरस्वती नदी के प्रवाह मार्ग का पुनर्जीवन एवं पुनर्स्थापन
संबंधित राज्य	**राजस्थान एवं हरियाणा सरकार संयुक्त रूप से कार्यरत**
तकनीकी सहयोग	**इसरो (ISRO), CAZRI – जोधपुर, IIT – BHU, तथा डेनमार्क सरकार**
मुख्य उद्देश्य	भूगर्भीय सर्वेक्षण, जल स्रोत पहचान एवं नदी मार्ग पुनर्जीवन
प्रमुख लाभ	भूजल स्तर में सुधार, पारिस्थितिकीय संतुलन, ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान की झीलें

- **खारे पानी की झीलें :-** टेथिस सागर के अवशेष, **सर्वाधिक -** डीडवाना-कुचामन
- **मीठे पानी की झीलें :-** प्राकृतिक, कृत्रिम [**सर्वाधिक –** उदयपुर]

खारे पानी की झीलें

1. सांभर झील

- **स्थिति:-** जयपुर (फुलेरा), अजमेर, डीडवाना - कुचामन
- **आकार -** आयताकार
- **निर्माता -** वासुदेव चौहान (बिजौलिया शिलालेख के अनुसार)
- **विशेष -** बालसन
  - आंतरिक अपवाह तंत्र
  - राजस्थान का निम्नतम बिन्दु
  - अभिकेन्द्रीय प्रतिरूप
- **नदियाँ -** मेंथा, खारी, खण्डेला व रूपनगढ़, तुरतमति
- **आकृति एवं आकार :**
  - **दिशा:** दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम
  - **लंबाई:** लगभग 32-36 किलोमीटर
  - **चौड़ाई:** 3 से 12 किलोमीटर
- **नमक उत्पादन :-** देश का (8.7%), राजस्थान का (80%)
  - **कंपनियाँ :-** भारत सरकार का उपक्रम, SSL (सांभर साल्ट लिमिटेड) (40%), HSL (हिन्दुस्तान साल्ट लिमिटेड) (60%)
  - **क्यार -** नमक उत्पादन, **पद्धति -** वाष्पीकरण
- **स्पाइरूलिना -** प्रोटीन युक्त शैवाल
- **रामसर स्थल घोषित (1990)**
- **संरक्षित पक्षी-** कुरजां, राजहंस
- **राजस्थान का एकमात्र सॉल्ट म्यूजियम**
- **निकटवर्ती स्थल :-** शाकंभरी देवी मंदिर, देवयानी झील (तीर्थों की नानी/ कुष्ठ निवारक झील), नालीसर मस्जिद, हिसामुद्दीन चिश्ती की दरगाह
- **मुख्य समस्याएँ :-** झील का क्षेत्रफल निरंतर घटता जा रहा है।
  - लगभग **30% क्षेत्र अवैध खनन और अतिक्रमण** से प्रभावित हुआ है।
  - **2019 व 2025 में एवियन बोटुलिज्म (Avian Botulism)** के कारण बड़ी संख्या में पक्षियों की मृत्यु हुई जिसे पक्षी त्रासदी कहते हैं।

2. डीडवाना/खालड़ा :-

- **स्थिति -** डीडवाना - कुचामन
- **औद्योगिक उपयोग -** काँच, कागज व चमड़ा उद्योग
- **उपनाम :-** खालड़ा
- **कंपनी -** राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स (1964 ईस्वी)
- **नमक खाने योग्य नहीं, कारण –** सोडियम क्लोराइड के स्थान पर सोडियम सल्फेट की उपस्थिति
- **नमक उत्पादक निजी इकाईयाँ -** देवल

3. पचपदरा :-

- **स्थिति -** बालोतरा
- **राज्य की सबसे खारी झील –** सोडियम क्लोराइड (Nacl) - 98%, सर्वोत्तम नमक
- **विशेष :-**
  - **रेस्ता -** उत्पादित नमक
  - **मोरली -** नमक उत्पादन वाली झाड़ी
  - **ब्रायन -** नमक के लिए बनाई गई क्यारियाँ
  - **कोसिया -** नमक के कुएँ
  - **खारवाल जाति :-** नमक उत्पादन करने वाली जाति विशेष

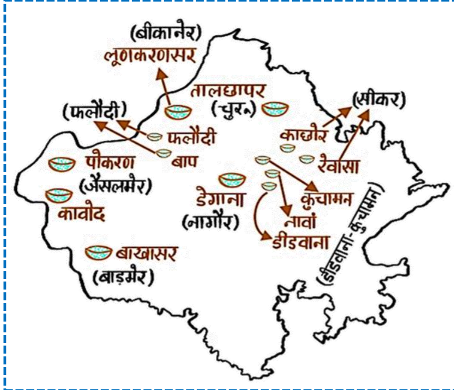

खारे पानी की अन्य झीलें:-

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

मीठे पानी की झीलें

1. जयसमंद :-

- **समय** - 1685-91 ई.
- **स्थिति** - सलूम्बर
- **राज्य की सबसे बड़ी कृत्रिम झील**
- **टापू (कुल - 7)**
  - बाबा का भांखड़ा (सबसे बड़ा)
  - प्यारी
  - लसाड़िया का पठार इस झील के पूर्व में स्थित है।
  - यहाँ नमदेश्वर महादेव मंदिर व हाथियों की प्रतिमा स्थित है।
- **उपनाम** - ढेबर झील
- **नदी** - गोमती
  - **नहरें** - श्यामपुरा, भाट
  - **अन्य उपनाम :-** जलचरों की बस्ती

2. उदयसागर :-

- **1559 ई.** - उदयसिंह
- **स्थिति** - उदयपुर
- **नदी** – आयड़ / बेड़च

3. पिछोला झील :-

- **समय** - 14 वीं सदी
- **स्थिति** – उदयपुर
- **निर्माण वर्ष**- 1388 ई.
- **निर्माता** - राणा लाखा के समय- [पिछू बंजारा (बैल की याद में)]
- **स्थापत्य :-** जग मंदिर, जग निवास, नटनी का चबूतरा, झील दृश्य स्थान।
- **नदी** - सिसारमा व बुझड़ा
- यहा पर देश की पहली सौर नाव संचालन की गयी।
- **अतिरिक्त जल** - फतेहसागर झील में
- **समीप स्थान :-** शिल्पग्राम, दूध तलाई
- राजस्थान की **पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर (पैंटून तकनीक से निर्मित) नाव** पिछोला झील में संचालित। (संचालन-शिवा एंड कौरल एसोसिएट्स)

4. फतेहसागर झील :-

- **स्थिति** - उदयपुर
- **निर्माता** - जयसिंह (1687 ई.)
- **पुनर्निर्माता** - फतेहसिंह (1888 ई.)
- **नदी :-** सीसारमा, बुझड़ा
- **उपनाम** - देबाली तालाब, ड्यूक ऑफ कन्नौट पैलेस
- **टापू :-** नेहरू उद्यान, सौर वैधशाला (सहयोग-गुजरात), टेलिस्कॉप (बेल्जियम)
- **सबसे छोटा टापू** - जेट फाउंटेन
- **अन्य विशेषताएँ :-** वर्चुअल फिश एक्वेरियम

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

5. राजसमंद :-

- **स्थिति** - राजसमंद (कांकरौली)
- **नदी** - गोमती
- **निर्माता** - महाराणा राज सिंह (1662 ई.)
- **निर्माण कारण :-** अकाल राहत कार्य के तहत (प्रथम अकाल राहत झील)
- **राज प्रशस्ति :-** संस्कृत भाषा, शिलालेख, 25 पत्थरों पर उत्कीर्ण, लेखक - रणछोड़ भट्ट
- **किनारे पर स्थित अन्य स्थान :-** नौ चोकी पाल, सूर्य घड़ी, घेवर माता मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर
- राजसमंद झील का द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लगभग 6 वर्षों तक जल – विमान बेस के रूप में उपयोग किया गया

6. पुष्कर झील :-

- **स्थिति** – अजमेर
- **क्रेटर झील**
- **राज्य की सबसे पवित्र झील**
- **आकार** - अर्द्धचन्द्राकार
- राज्य की सबसे बड़ी मीठे पानी की प्राकृतिक झील
- **उपनाम :-** राजस्थान का पाँचवां तीर्थ, तीर्थराज, तीर्थो का मामा, कोंकण तीर्थ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **घाट** – 52
  - **पवित्र** - गौ घाट
  - **प्रसिद्ध** - जनाना (मेरी घाट)/गाँधी घाट
- **मेला** - कार्तिक पूर्णिमा (रंगीला मेला)
- **मंदिर** - ब्रह्मा और सावित्री
- **सर्वाधिक प्रदूषित झील :-** (सफाई कार्य - कनाडा, 1997-1998 ई.)

7. आना सागर झील (अजमेर):-

- **निर्माता** - अर्णोराज (1136-37 ई.)
- **बारहदरी** - शाहजहाँ
- **बजरंगगढ़ी** - हनुमान मंदिर
- **नदी** – बांडी
- **दौलतबाग/सुभाष उद्यान** - जहाँगीर
- यहाँ पर भारत के पहले लग्जरी इलेक्ट्रिक क्रूज का संचालन किया गया।

8. फॉय सागर झील (अजमेर) :-

- **निर्माता** - इंजीनियर फॉय (1891-92 ई.)
- **दूसरी अकाल राहत वाली झील**
- **नाम परिवर्तित** – वरुण सागर झील
- **नदी** – बांडी
- **अतिरिक्त जल आनासागर में**

9. नक्की झील :-

- **स्थिति** - माउण्ट आबू (सिरोही)
- **1200 मीटर ऊँची**
- **राजस्थान की सबसे ऊँची व गहरी झील**
- **क्रेटर झील**
- राज्य सरकार ने नक्की झील को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया।
- **गरासिया जनजाति** - अस्थि विसर्जन
- **देवताओं के नाखूनों द्वारा निर्माण**
- **चट्टानें** - टॉड, नन, नंदी, हॉर्न
- **प्रदूषक घास** - कारा घास

10. कायलाना :-

- **स्थिति** - जोधपुर
- **निर्माता** - सर प्रताप
- **पानी** – इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) से ('हाथी नहर' द्वारा)
- **देश का पहला मरूस्थलीय जैविक उद्यान** - माचिया सफारी
- IGNP से जुड़ने वाली राजस्थान की पहली झील।
- **पेयजल** - जोधपुर
- **प्रवासी पक्षी** - साइबेरियन क्रेन एवं अन्य

11. कोलायत (बीकानेर) :-

- **कपिल मुनि का आश्रम**
- **मेला** - कार्तिक पूर्णिमा
- **पश्चिमी राजस्थान का मरू उद्यान**
- **चारण जाति दर्शन नहीं करती।**

12. गैप सागर (डूँगरपुर) :-

- **निर्माता** - महारावल गोपीनाथ
- **उपनाम** - एडवर्ड सागर
- **काली बाई की मूर्ति**
- **विवेकानन्द स्मारक**

13. सिलीसेढ़ झील :-

- **स्थिति** - अलवर (रुपारेल नदी पर कृत्रिम झील)
- **राजस्थान का नंदन कानन**
- स्वर्णिम त्रिकोण (जयपुर, दिल्ली, आगरा) पर स्थित झील
- **निर्माण :-** शाही महल (विनय सिंह)
- राज्य की 5 वीं रामसर साइट (12 दिसंबर, 2025)

14. मोती झील (भरतपुर) :-

- **उपनाम :-** भरतपुर की जीवनरेखा
- इसके किनारे कारगिल पार्क स्थित है।
- नाइट्रोजन खाद के लिए प्रसिद्ध।

15. तालाबशाही झील :-

- **स्थान:-** यह झील राजस्थान के धौलपुर जिले में स्थित है।
  - **धौलपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर बाड़ी तहसील** के पास स्थित है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

16. सेठानी का जोहड़ा :-

- **स्थान :-** यह चूरू जिले में स्थित है।
  - **चूरू से लगभग 5 किलोमीटर पश्चिम में, रतनगढ़ मार्ग** पर स्थित है।
- **निर्माण :-** इसका निर्माण सन् 1899 ई. में कराया गया था।
  - इसे **भगवानदास बागला की विधवा पत्नी (सेठानी)** ने बनवाया था।
- **प्रकार :-** यह एक कृत्रिम जलाशय है।
  - इसे **'जोहड़ा'** कहा जाता है, जो पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली है।
- **विशेषता :**
  - इसमें **एक मानसून से अगले मानसून तक जल भरा रहता है;** यानी यह वर्षभर जल उपलब्ध रखने वाला पारंपरिक जोहड़ा है।
  - यह **चूरू क्षेत्र की जल संरक्षण तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण** है।

17. मानसागर :- जयपुर

18. मावठा :- जयपुर

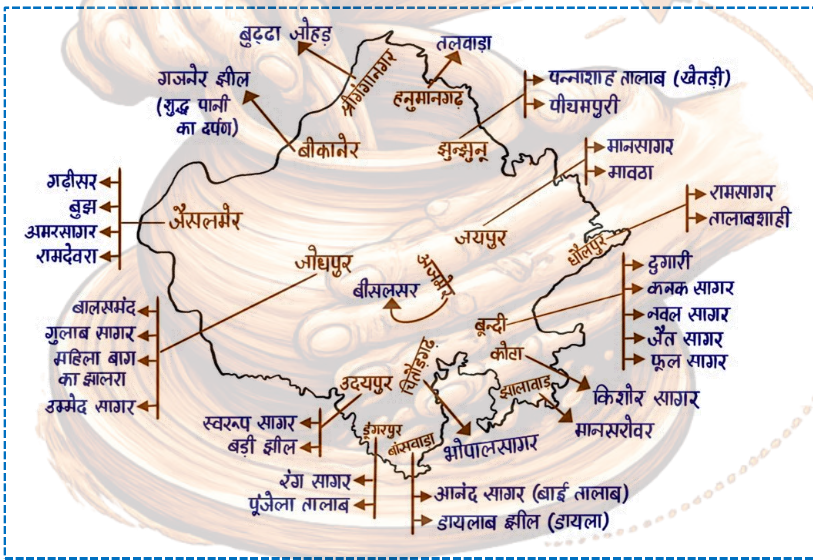

राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना

- **राजस्थान की 6 झीलें शामिल**
  - **जयपुर -** मानसागर
  - **उदयपुर –** पिछोला, फतेहसागर
  - **अजमेर –** आनासागर, पुष्कर
  - **माउण्ट आबू -** नक्की झील

जिला	प्रमुख झीलें, तालाब एवं बाँध
जयपुर	मानसागर (मानसिंह द्वारा, जलमहल पैलेस), देवयानी, छितौली, कानोता बाँध (राज्य का सबसे बड़ा मत्स्य पालन बाँध), गलता कुंड, तालकटोरा, आमेर सरोवर, जमवारामगढ़, सांभर झील, मावठा जलाशय, छप्परवाड़ा झील (मानसी नदी)
दौसा	माधोसागर, सेथलसागर, झिलमिली, कालाखोह, रेडियो बाँध, कलख सागर, देवन्चली
अलवर	मंगलसर, सिलीसेढ़, जयसागर, विजयसागर, देवती, राजसमंद बांध
सीकर	राणासागर, अजीतसागर, रायपुर पाटन, कोटड़ी बाँध
झुंझुनूं	समस तालाब, फतेहसागर तालाब, पिलानी बिड़ला तालाब, पन्नालाल शाह का तालाब (खेतड़ी), पीथमपुरी
बीकानेर	कोलायत, सूरसागर, अनूपसागर, गजनेर झील, लूणकरणसर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

जिला	प्रमुख झीलें, तालाब एवं बाँध
श्रीगंगानगर	बूढ़ाजोहड़ झील
हनुमानगढ़	तलवाड़ा झील, बड़ोपल बांध/झील
चूरू	सेठानी जी का जोहड़ा, ताल छापर झील (इसका क्षेत्रफल संकुचित होता जा रहा है)
जोधपुर	कायलाना, बालसमंद, तख्तसागर, उम्मेदसागर, जसवन्तसागर, कायलिबा, पिचियाक
जैसलमेर	गड़ीसर, अमरसागर, धारसीसागर, ब्रह्मसागर, कौशिकराम कुंड, रामदेवरा/, बुझ झील
बालोतरा	पचपदरा झील, नाकोड़ा बाँध
जालौर	बाँकली, अनन्तसागर, बीठन बाँध, पाँचला बाँध, बालसमन्द
पाली	सरदारसमंद, सेई बाँध, जवाई बाँध, हेमावास तालाब, रायसागर, मीठड़ी, खरदा
सिरोही	नक्की, पश्चिमी बनास बाँध, अगोर सागर, नवेरा
अजमेर	आनासागर, फॉयसागर, बूढ़ा पुष्कर, रामसर, गूंदोलाव तालाब, लाखेलिया, बीसलसर
ब्यावर	नारायणसागर, फूलसागर, लोरड़ी सागर
टोंक	गलवा, बीसलपुर बाँध, माशी बाँध, मोतीसागर, टोरड़ी सागर
भीलवाड़ा	मेजा, अड़वाना, उम्मेदसागर, शाहपुरा झील, खारी बाँध, माण्डल ताल, जैतूर बांध, सरेवी बांध, अखड़ बांध
नागौर	भांकरी, मोलास, हरसौर
डीडवाना-कुचामन	सांभर झील, कुचामन झील, डीडवाना झील
भरतपुर	अजान बाँध, बंध बरेठा बाँध, लालपुरा, सीकरी तालाब, बारे बांध, शाही बांधे, मोती झील
डीग	गोपाल सागर
करौली	पाँचना बाँध, खिरखिरी, कालीसिल, मोरासागर, ममचेड़ी, जुग्गर, नाग तलाई
सवाई माधोपुर	सूरवाल, मोरेल, मानसरोवर, सुखसागर, भगवतगढ़ तालाब, बिनोरी सागर, पंचोला, गलाई सागर
धौलपुर	रामसागर, उर्मिलासागर, तालाबशाही, पार्वती
कोटा	कोटा बैराज, जवाहर सागर बाँध, किशोर सागर, आलनिया बाँध
बारां	बिलास बाँध, कालीसोत, परवन लिफ्ट परियोजना, बैन्थली, ल्हासी, अकलेरा, उम्मेद सागर, रामगढ़ झील, रतलाई
झालावाड़	भीमसागर (उजाड़ नदी), छापी, चंवली बाँध, मानसरोवर झील, चंदवाजी, हरिशचन्द्र सागर
बूँदी	नवलसागर , जैतसागर, गुढ़ा बाँध, भीमलत झरना, चाकण बाँध, जिगजैग, फूल सागर, डुगारी बांध (कनक सागर), नवलखा झील, वरधा डेम
उदयपुर	पिछोला, फतेहसागर, उदयसागर, स्वरूपसागर, दूधतलाई, गोवर्धन सागर
सलूम्बर	जयसमंद झील, केजड़ झील
राजसमंद	राजसमंद झील, बागेरी का नाका बाँध, अगरिया, कुण्डेली
चित्तौड़गढ़	राणा प्रताप सागर, भोपाल सागर, पद्मिनी तालाब, बस्सी बाँध, ओराई, बनकिया, वागन, कुण्डिया
प्रतापगढ़	जाखम बाँध (राज्य का सबसे ऊँचा बाँध), जयसागर, भँवरसमन्द
डूँगरपुर	गैब सागर झील, सोम-कमला-अम्बा बाँध, पुंजेला तालाब, लोदी सागर, एडवर्ड सागर, शैव सागर, नवलखा बावड़ी, गजपुर
बाँसवाड़ा	माही बजाज सागर, अनास बाँध, आनंद सागर (बाई तालाब), डायलाब (दैलाब) झील

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

परम्परागत जल प्रबन्धन

1. पृष्ठभूमि

- जल प्रबन्धन की परम्परा प्राचीन काल से विद्यमान है, जिसके प्रमाण हड़प्पा, वैदिक, कौटिल्य के अर्थशास्त्र आदि में मिलते हैं।
- भारत में जलप्रणालियाँ भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकसित हुई; जैसे हिमालय: नहर/नदी, राजस्थान: वर्षा संचयन।
- राजस्थान में लोककथाएँ जल स्रोतों की उत्पत्ति से जुड़ी है (बाणगंगा, भीम इत्यादि)।
- पारम्परिक स्रोत सामाजिक-धार्मिक ढाँचे से जुड़े तथा समाज में जल स्रोतों की पूजा व सामुदा◌ि◌यिक देखरेख प्रचलित है।
- राज्य में उपलब्ध जल बहुत कम (देश का ~1%) है, अतः परम्परागत स्रोतों का पुनरुद्धार आवश्यक है।

2. मुख्य परम्परागत जल स्रोत

- **तालाब :-** वर्षाजल संचयन; सामाजिक देखरेख; कई तालाब शहरीकरण से प्रभावित।
  - **जिलेवार प्रमुख तालाब:** सवाईमाधोपुर (सुखसागर), पाली (हेमावास), उदयपुर (बागोलिया), जैसलमेर (गडसीसर), प्रतापगढ़ (रायपुर, तेजसागर) इत्यादि।
- **झीलें :-** बड़ा जल भंडार; सिंचाई/पेयजल/धार्मिक उपयोग।
  - **प्रमुख:** आनासागर, फतेहसागर, पिछोला, राजसमंद, सांभर, नक्की आदि।
- **नाडी :-** एक तरह की ताल (3–12 मी.) जो वर्षाजल संचित रखती है; विशेषकर जोधपुर-क्षेत्र।
- **बावड़ी / वॉपी :-** सीढीनुमा कुएँ; धार्मिक और सामुदायिक उपयोग; वास्तुशिल्पीय महत्व।
- **टांका / कुंड :-** रेतीले क्षेत्रों में ढका सूक्ष्म भूमिगत जलाशय, पेयजल हेतु उपयोग।
- **खड़ीन :-** 15वीं सदी से प्रारम्भ ढालवाली भूमि पर निर्मित बहुउपयोगी संधारण प्रणाली (जैसलमेर), बंजर भूमि को कृषि योग्य बनाती है।
- **टोबा :-** नाडी से गहरा जलाशय; वर्षा जल संग्रहण छोटे समुदायों/जातियों का साझा पेयजल व सिंचाई स्रोत।
- **झालरा :-** झील/ताल से रिसाव संग्रहित करने वाले आयताकार स्नान-निर्मित स्थान (धार्मिक/स्नान)।
- **कुई / बेरी :-** तालाब के पास छोटे कुएँ गोलाकार, कम गहरे गड्डे (10-15 मीटर); सूखा काल में भी जल की उपलब्धता हो जाती हैं।
- **पोखर :-** जल संग्रह 7-8 माह मुख्यत: बूंदी

3. वर्षाजल संरक्षण शब्दावली

- **आगोर / पायतान :-** वर्षाजल को नाडी/तालाब में लाने हेतु बनाया गया आगोर (ढाल क्षेत्र)।
- **टाँका :-** वर्षाजल एकत्र करने का हौद।
- **पालर पाणी :-** नाडी/टाँके में जमा वर्षाजल।
- **नेहटा (नेष्टा) :-** अतिरिक्त जल निकासी मार्ग।
- **मदार :-** नाडी/तालाब में जल आगमन की पाबंद सीमा (पवित्र क्षेत्र)।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

4. उपयोगिता

- कृषि हेतु पानी उपलब्ध कराते हैं; स्थानीय खाद्य सुरक्षा में सहायक।
- भूजल पुनर्भरण और स्थानीय जल-स्वायत्तता बढ़ाते हैं।
- सांस्कृतिक, धार्मिक व पर्यटन मूल्य भी।
- सूखा/बाढ़ जैसी विपदाओं का सामना करने में सहायक।
- ग्रामीण रोजगार व पारिस्थितिक सेवा देते हैं।

5. वर्तमान प्रासंगिकता

- मौसमी वर्षा का अधिकाँश भाग 3–4 महीनों में आता है; स्थानीय संचयन आवश्यक।
- पारम्परिक प्रणालियाँ सस्ती, सामुदायिक-संचालित और पर्यावरण अनुकूल हैं।
- आधुनिक प्रणालियाँ महँगी व ऊर्जा-निर्भर; कई ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच नहीं पाती।
- पारम्परिक प्रणालियाँ भूजल संरक्षण और दीर्घकालिक स्थिति के लिए आज भी प्रासंगिक।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

6. पतन के कारण

- जनसंख्या वृद्धि से माँग बढ़ना; पारंपरिक स्रोतों की अनुपर्याप्तता।
- सरकारी नीतियों ने सामुदायिक भागीदारी घटाई; निजी/लाभकारी योजनाओं का प्रोत्साहन।
- खेती का व्यवसायीकरण और नकदी फसलों का विस्तार।
- उपनिवेशकालीन निवेश प्राथमिकताएँ फलत: छोटी प्रणालियों की अनदेखी।
- वनों की कटाई, तलछट भरना, अतिक्रमण जिस कारण तालाब/झीलें बंद व सूखना।
- सामुदायिक टूटन व सामाजिक विरोधाभासों से प्रणाली असमर्थ हुई।

7. सुधार/नीतिगत सुझाव

- **परम्परागत प्रणालियों का वैज्ञानिक पुनरुद्धार** और रख-रखाव।
- **सामुदायिक प्रबंधन व भागीदारी** को पुनर्स्थापित करना।
- लघु जल संचय ढाँचों (खड़ीन, नाड़ी, टांका) को नीति में प्राथमिकता।
- आधुनिक और पारम्परिक प्रणालियों का **समन्वय ;** भूजल और सतही जल दोनों का संरक्षण।
- तालाब/झीलों का सर्वे, दुरुस्ती व अतिक्रमण नियंत्रण।
- जनजागरूकता, स्थानीय ज्ञान एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा।

8. निष्कर्ष

- परम्परागत जल प्रबन्धन राजस्थान की पारिस्थितिक-सांस्कृतिक विरासत है ; इसे पुनर्जीवित कर स्थानीय जल-सुरक्षा, कृषि व सामुदायिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जा सकती है।

PYQ Questions

1. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? **[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]**

नदी बेसिन	नदी
(a) बनास बेसिन	बाण्डी
(b) लूनी बेसिन	सागी
(c) चम्बल बेसिन	कोठारी
(d) माही बेसिन	अनास

2. जयसमन्द झील के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ? **[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]**

(a) यह राजस्थान में मीठे पानी की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है।
(b) इस झील को ढेबर झील भी कहते हैं।
(c) इस झील में सबसे बड़े टापू को 'प्यारी' कहते हैं।
(d) इस झील से सिंचाई हेतु श्यामपुरा व भाट नहरों का निर्माण किया गया है।

3. निम्नलिखित में से किस नदी का उद्गम विन्ध्याचल (मध्य प्रदेश) से होता है ? **[S.I. Telecom - 2025]**

(a) पारवती (b) कोठारी
(c) सोम (d) बाणगंगा

4. राजस्थान में बहने वाली नदी एवं उनके सम्बन्धित प्रवाह क्षेत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है ? **(PTI Grade II Exam 2011)**

(a) कालीसिंध - झालावाड़ (b) पार्वती — बाँसवाड़ा
(c) माही — डूँगरपुर (d) लूणी — जोधपुर

5. राजस्थान राज्य में ही पूर्णत: बहनेवाली सबसे लम्बी नदी है: **(PTI Grade II Exam 2011)**

(a) लूणी (b) चम्बल
(c) माही (d) बनास

6. निम्नलिखित में से कौनसी नदियाँ भीलवाड़ा जिले में प्रवाहित होती हैं? **[Agriculture Dept. 2024]**

(a) बनास तथा मेनाल (b) लूणी तथा चाप
(c) पार्वती तथा मोरेल (d) सोम तथा जाखम

7. किसने बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं को 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा था ? **(AEN Pre – 2013)**

(a) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने (b) पं. जवाहरलाल नेहरू ने
(c) श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने (d) महात्मा गाँधी ने

8. राजस्थान में सबसे विस्तृत अपवाह क्षेत्र है : **(AEN Pre - 2013)**

(a) चम्बल अपवाह क्षेत्र (b) लूणी अपवाह क्षेत्र
(c) आन्तरिक जल प्रवाह क्षेत्र (d) बनास अपवाह क्षेत्र

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

9. बनास बेसिन का मुख्य क्षेत्र किस जिले में है ?
(AEN Pre – 2013)
(a) भीलवाड़ा (b) अजमेर
(c) टोंक (d) सवाई माधोपुर

10. बेड़च नदी किसकी सहायक नदी है, वह है –
(Sr. Teacher Grade-II 2013)
(a) बनास (b) लूणी
(c) साबरमती (d) सोम

11. अरब सागर अपवाह का अंग है –
(MOTOR VEHICLE SUB INSPECTOR 2013)
(a) कोठारी नदी (b) जवाई नदी
(c) बेड़च नदी (d) बनास नदी

12. सूची-1 को सूची-2 से सुमेलित कीजिए एवं सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(PTI GR II AND III 2013 Paper - I)

सूची - I (नदी)	सूची - II (सहायक नदी)
A. चम्बल	i. सोम
B. बनास	ii. सुकड़ी
C. लूनी	iii. खारी
D. माही	iv. पार्वती

कूट: A B C D A B C D
(a) iv iii ii i (b) iii ii i iv
(c) ii iv iii i (d) i iii ii iv

13. निम्न में से कौन सा जिला एवम् झीलों का युग्म सुमेलित नहीं है? **[Asst. Professor 2025]**
(a) बीकानेर -अनूपसागर, गजनेर
(b) अलवर -टोरडीसागर, बुझ झील
(c) जयपुर -गलता, रामगढ़ झील
(d) उदयपुर -फतेहसागर, जयसमंद

14. लूनी नदी के जल-प्रदूषण का क्या कारण है ?
[Asst. Professor 2025]
(a) नगरपालिका अपशिष्ट (b) कृषि अपशिष्ट
(c) रंगाई तथा छपाई (d) तापीय अपशिष्ट

15. कौन सी नदी अन्त: प्रवाहित नदी नहीं है ? (College Lec - 2014)
(a) साबी (b) काँतली
(c) काकानी (d) खारी

16. नर्मदा योजना से सर्वाधिक लाभान्वित जिला है –
(School Lecturer-2015)
(a) जालौर (b) बाड़मेर
(c) जोधपुर (d) जैसलमेर

17. राजस्थान के किस जिले में 'खडीन' जल संरक्षण की प्रचलित विधि है? **[RAS 2024]**
(a) नागौर (b) बीकानेर
(c) जैसलमेर (d) पाली

18. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में परम्परागत जल संरक्षण तकनीक नहीं है? **[EO/RO Re Exam 2025]**
(a) झालरा (b) पेंडा
(c) टोबा (d) नाड़ी

19. निम्नलिखित में से कौन सा सही युग्म नहीं है ?
(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)

	नदी		सहायक
(a)	कालीसिंध	–	निवाज
(b)	बनास	–	सागी
(c)	माही	–	चाप
(d)	साबरमती	–	वाकल

20. निम्नलिखित नदियों में से राजस्थान में कौन सी 'रुन्डित सरिता' कहलाती है ? (Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)
(a) वाकल (b) खारी
(c) बाणगंगा (d) कोठारी

21. कथन (A) : चम्बल नदी राजस्थान की एकमात्र नियतवाही नदी है।
कारण (R): चम्बल नदी का जल केवल सिंचाई के उपयोग में लिया जाता है। **(Sr. Teacher Gr.II Comp. Exam 2016)**
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, (R) गलत है। (d) (A) गलत है, (R) सही है।

22. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :
(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)

नदी	उद्गम स्थल
A. साबी	(i) सेवर पहाड़ियाँ
B. काकनी	(ii) बैराठ पहाड़ियाँ
C. बाणगंगा	(iii) खण्डेला पहाड़ियाँ
D. कांतली	(iv) कोटड़ी गाँव

कूट : A B C D A B C D
(a) i ii iii iv (b) i iv ii iii
(c) iv i ii iii (d) iii ii iv i

23. विन्धयन कगार भूमि जिन नदियों के मध्य स्थित है, वह हैं-
(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) बाणगंगा व बनास (b) कालीसिंध व चंबल
(c) बेड़च व बनास (d) चंबल व बनास

24. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?
(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) माही – जाखम (b) लूनी – सूकड़ी
(c) बनास – मेज (d) चंबल – पार्वती

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

25. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन करें –
[Lecturer and Coach (G-A) (School Edu.) 2024]

सूची-I (नदी)	सूची-II (सहायक नदी)
(A) माही	(i) निवाज नदी
(B) काली सिन्ध	(ii) गम्भीरी नदी
(C) पार्वती	(iii) अनास नदी
(D) बेडच	(iv) अहेली नदी

कूट :
(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(c) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

26. सांभर झील में नहीं गिरने वाली नदी है
(Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) मेंढा (b) कांतली
(c) खण्डेल (d) रूपनगढ़

27. राजस्थान के निम्न बेसिनों में से कहाँ अधिकतम बीहड़ भूमि पायी जाती है? (Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) चम्बल (b) मध्यमाही
(c) ऊपरी बनास (d) लूनी

28. यदि आप लूणी नदी के किनारे इसके उद्गम से अंत तक की यात्रा करते हैं, तो आप इसकी सहायक नदियों को किस क्रम में पायेंगे? (Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) - 2015)
(A) सुकड़ी **(B) बांडी**
(C) जवाई **(D) गुहिया**
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही क्रम वाले उत्तर को चुनिये –
(a) B,D,C,A (b) D,B,A,C
(c) A,B,C,D (d) A,C,D,B

29. आंतरिक प्रवाह वाली नदियाँ हैं –
(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)
अ. माही **ब. कांतली**
स. साहिबी **द. गम्भीरी**
सही उत्तर का चयन कीजिये:
(a) अ, ब और स (b) ब, स और द
(c) ब और स (d) ब और द

30. निम्नलिखित में से कौनसी बनास नदी की सहायक नदी नहीं है?
(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)
(a) मानसी (b) पार्वती (c) कोठारी (d) मोरेल

31. निम्नलिखित में से कौनसी नदी बंगाल की खाड़ी के नदी तंत्र का भाग नहीं है? (Asst. Agri Officer (TSP) – 2015)
(a) चम्बल (b) बनास
(c) गम्भीरी (d) पश्चिमी बनास

32. 'बनास मैदान' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और सही उत्तर चुनिये :
(Asst. Agriculture Officer - 2015)
A. यह मैदान कृषि के लिए अनुपयुक्त है
B. इसकी औसत समुद्र तल से ऊँचाई 150–300 मीटर है
C. यहाँ जलोढ़ मृदा का जमाव पाया जाता है
D. इसकी ढाल पश्चिम की ओर है
कूट:
(a) A, B और C (b) B और C
(c) केवल C (d) B, C और D

33. राजस्थान में नदियों के जलग्रहण क्षेत्र के अनुसार सही अवरोही क्रम है : [Public Relation Officer 2024]
(a) चम्बल – बनास – लूनी – माही
(b) चम्बल – माही – बनास – लूनी
(c) बनास – लूनी – चम्बल – माही
(d) बनास – चम्बल – माही – लूनी

34. निम्नलिखित में से कौनसी नदियाँ सांभर झील में गिरती हैं?
(Asst. Agriculture Officer - 2015)
A. काकनी **B. कांतली**
C. मेंढा **D. रूपनगढ़**
कूट:
(a) A, B, C व D (b) A, B, C
(c) A, C, D (d) C व D

35. सूची-I को सूची-II से मिलाइये और सही उत्तर चुनिये :
(Asst. Agriculture Officer - 2015)

सूची-I (नदी)	सूची-II (उद्गम)
A. बेड़च	**(i) खमनौर पहाड़ियाँ**
B. बाणगंगा	**(ii) विन्ध्यन श्रृंखलाएँ**
C. पार्वती	**(iii) गोगुन्दा पहाड़ियाँ**
D. बनास	**(iv) बैराठ पहाड़ियाँ**

कूट:A B C D **A B C D**
(a) (iii) (iv) (ii) (i) (b) (ii) (i) (iii) (iv)
(c) (i) (ii) (iii) (iv) (d) (iv) (iii) (ii) (i)

36. राजस्थान की किस नदी को 'मृत नदी' कहा जाता है?
(Asst. Agriculture Officer - 2015)
(a) जवाई (b) मोरेल
(c) साबरमती (d) घग्घर

37. सोम एक सहायक नदी है – (Sr. Teacher Gr II - 2018)
(a) साबरमती की (b) माही की
(c) बनास की (d) लूणी की

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

38. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं है?

(Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2018)

	नदी	सहायक नदी
(a)	गम्भीरी	मेश्वा
(b)	माही	जाखम
(c)	काली सिंध	परवन
(d)	साबरमती	माजम

39. निम्नलिखित में से कौन सी एक बनास नदी की सहायक नहीं है?

(Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)

(a) मानसी (b) पार्वती
(c) कोठारी (d) मोरेल

40. निम्न में से कौन सी झील में रूपनगढ़, मेंढ़ा एवं खंडेला नदियाँ अपना पानी प्रवाहित करती हैं?

(ASST. AGRICULTURE OFFICER 2018)

(a) फलोदी झील (b) सांभर झील
(c) पचभद्र झील (d) डीडवाना झील

41. अपवाह बेसिनों का उत्तर से दक्षिण सही क्रम है –

(ASST. AGRICULTURE OFFICER 2018)

(a) साबी – बाणगंगा – बेड़च – सोम
(b) बाणगंगा – साबी – बेड़च – सोम
(c) साबी – बेड़च – सोम – पश्चिम बनास
(d) बनास – पश्चिम बनास – सोम – बेड़च

42. सूची–I का सूची–II से मिलान कर निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर का चुनाव कीजिए – (Protection Officer - 2018)

सूची–I (नदी)	सूची–II (बाँध)
A. सतलज	i. बीसलपुर
B. बनास	ii. मेजा
C. कोठारी	iii. भाखड़ा–नांगल
D. सूकड़ी	iv. बांकली

कूटः
(a) A–iii, B–ii, C–i, D–iv
(b) A–ii, B–iii, C–iv, D–i
(c) A–iii, B–iv, C–ii, D–i
(d) A–ii, B–i, C–iii, D–iv

43. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही नहीं है?

(Asst. Statistical Officer (Non-TSP) - 2018)

	नदी		बाँध
(a)	कोठारी	-	मेजा
(b)	रावी–ब्यास	-	नोहर
(c)	बनास	-	बीसलपुर
(d)	मोरेल	-	पाँचना

44. निम्नलिखित युग्मों को दिए गए कूट की सहायता से सुमेलित कीजिए: (Asst. Statistical Officer (Non-TSP) - 2018)

मुख्य नदी	सहायक नदी
(A) चंबल	(i) बांडी
(B) लूनी	(ii) मान्सी
(C) माही	(iii) वापणी
(D) बनास	(iv) अनास

कूट :
(a) (A)–(iii), (B)–(i), (C)–(ii), (D)–(iv)
(b) (A)–(iv), (B)–(iii), (C)–(ii), (D)–(i)
(c) (A)–(i), (B)–(iv), (C)–(ii), (D)–(iii)
(d) (A)–(iii), (B)–(i), (C)–(iv), (D)–(ii)

45. बनास नदी का उद्गम स्थल है-(Food Safety Officer - 2019)

(a) उदयपुर के नजदीक गोगुन्दा की पहाड़ियाँ
(b) नाग पहाड़, अजमेर
(c) जनापाओ की पहाड़ियाँ, मध्य प्रदेश
(d) कुम्भलगढ़ के नजदीक खमनोर की पहाड़ियाँ

46. बेराच नदी का उद्गम स्थल है- (Veterinary Officer – 2019)

(a) गोगुन्दा की पहाड़ी (b) बैराठ की पहाड़ी
(c) नाग पहाड़ (d) मध्य प्रदेश की जावड़ पहाड़ी

47. सूची - I (नदी) – सूची - II (सहायक नदी)

(Veterinary Officer – 2019)

A. चम्बल	**1. जाखम**
B. लूनी	**2. बेड़च**
C. माही	**3. पार्वती**
D. बनास	**4. जवाई**

कूट :ABCD **ABCD**
(a) 3 4 2 1 (b) 1 4 2 3
(c) 4 3 1 2 (d) 3 4 1 2

48. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Librarian Gr - II – 2019)

	नदी		सहायक नदी
(a)	बनास	–	कोठारी
(b)	माही	–	सागी
(c)	चम्बल	–	पार्वती
(d)	लूनी	–	सूकड़ी

49. लूनी-जवाई बेसिन को इस नाम से भी जाना जाता है –

(Librarian Grade - II – 2019)

(a) बांगर प्रदेश (b) गोडवार प्रदेश
(c) घग्घर का मैदान (d) छप्पन का मैदान

50. प्रसिद्ध तीर्थस्थल गलियाकोट किस नदी के किनारे स्थित है?

(School Lecturer (Sanskrit Edu.) – 2018)

(a) परवन (b) काली सिंध
(c) माही (d) सोम

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

51. 'नालीनुमा' अपरदन सर्वाधिक पाया जाता है – **(Evaluation Officer – 2020)**
(a) जोधपुर में (b) बीकानेर में
(c) कोटा में (d) सिरोही में

52. किस नदी का उद्गम सेवर पहाड़ी से है ? **(Evaluation Officer – 2020)**
(a) साबी (b) काकनी
(c) मोरेल (d) सोम

53. अन्त: प्रवाही नदी है – **(Evaluation Officer – 2020)**
(a) पश्चिमी बनास (b) गम्भीरी
(c) कांतली (d) खारी

54. राजस्थान में सर्वाधिक विस्तृत जल ग्रहण क्षेत्र वाली नदी है- **(Evaluation Officer – 2020)**
(a) लूनी (b) साबरमती
(c) माही (d) बनास

55. राजस्थान की कौन सी एक मात्र नदी, जो कि केवल राजस्थान राज्य में ही बहती है ? **(Deputy Commandant – 2020)**
(a) कोठारी (b) बनास
(c) पार्वती (d) माही

56. पूर्णत: राजस्थान में बहने वाली सबसे लम्बी नदी का नाम: **(Deputy Commandant – 2020)**
(a) माही (b) बनास
(c) बाणगंगा (d) लूनी

57. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए : **(Agri Officer – 2020)**
A. लुनी **(i) सारनी**
B. माही **(ii) मानसी**
C. बनास **(iii) चाप**
D. सोम **(iv) सागी**
कूट :ABCD **ABCD**
(a) i iii ii iv (b) iii ii i iv
(c) iv iii ii i (d) ii iii i iv

58. सूची-I (नदी) को सूची-II (उत्पत्ति) से मिलाइए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : **[Mines And Geology Dept. Exam – 2024]**

सूची-I (नदी)	**सूची-II (उत्पत्ति)**
(A) काली सिंध	(i) बैराठ की पहाड़ियाँ
(B) कान्तली	(ii) बागली गाँव, देवास
(C) लूणी	(iii) नाग पहाड़
(D) बाणगंगा	(iv) खंडेला की पहाड़ियाँ

कूट :
(a) (iv) (ii) (iii) (i) (b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (ii) (iv) (iii) (i) (d) (iii) (iv) (ii) (i)

59. मोरान, चाप और इराउ किस नदी की सहायक नदियाँ हैं? **[PTI and Librarian 2024]**
(a) साबरमती नदी की (b) माही नदी की
(c) बनास नदी की (d) काली सिंध नदी की

60. बीहड़ स्थलाकृति निम्नलिखित में से किस नदी से संबंधित है? **(Agriculture Research Officer– 2020)**
(a) चंबल (b) घग्घर
(c) माही (d) लूनी

61. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थान में अंतर्देशीय नदी है? **(Agriculture Research Officer– 2020)**
(a) बनास (b) कांतली
(c) कोठारी (d) काली

62. सोम और जाखम नदियाँ ____नदी की सहायक नदियाँ हैं? **(Agriculture Research Officer– 2020)**
(a) माही (b) साबरमती
(c) बनास (d) परवन

63. कौन सा सुमेलित नहीं है ? **(Agri. Officer – 2020)**

नदी		**सहायक नदी**
(a) बनास	–	कोठारी
(b) लूनी	–	सागी
(c) काली सिंध	–	आहू
(d) माही	–	वाकल

64. कौन सा सुमेलित नहीं है? **(Agri. Officer – 2020)**
(a) बेड़च नदी – गोगुन्दा की पहाड़ियाँ
(b) गम्भीरी नदी – जावद पहाड़ियाँ
(c) बाणगंगा नदी – बैराठ पहाड़ियाँ
(d) माही नदी – खमनौर की पहाड़ियाँ

65. लूनी नदी के जल प्रदूषण का मुख्य कारण है – **(Agri. Officer – 2020)**
(a) सीमेंट उद्योग (b) रंगाई एवं छपाई उद्योग
(c) कीटनाशक उद्योग (d) चर्म उद्योग

66. निम्नलिखित में से कौन सी नदियाँ गंगा नदी तंत्र का भाग नहीं हैं? **(Forest Range Officer Gr-I – 2018)**
A. मेज नदी **B. मैनाल नदी**
C. मोरेन नदी **D. मानसी नदी**
E. याजम नदी
कूट : (a) केवल E (b) B एवं C
(c) C एवं E (d) C, D एवं E

66. निम्न में से कौन सी नदी सांभर झील में गिरती है? **(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)**
(a) मेढ़ा (b) कानतली
(c) बांदी (d) मानसी

68. निम्न में से किस स्थान से चम्बल नदी राजस्थान राज्य में प्रवेश करती है? **(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)**
(a) भैंसरोडगढ़ (b) चित्तौड़गढ़
(c) कुम्भलगढ़ (d) चौरासीगढ़

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

69. निम्नलिखित में से कौन सी माही नदी की सहायक नदी नहीं है? (Superintendent Garden – 2021)
(a) सोम (b) अनास
(c) जोजरी (d) चाप

70. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)

नदी		उद्गम स्थल
(a) साबी	–	सेवर पहाड़ियाँ
(b) कान्तली	–	खण्डेला पहाड़ियाँ
(c) बाणगंगा	–	खमनौर पहाड़ियाँ
(d) सोम	–	बीछामेड़ा

71. गम्भीरी नदी सहायक नदी है – (Asst. Prof. - 2020)
(a) पार्वती की (b) बेडच की
(c) जाखम की (d) कालीसिंध की

72. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. - 2020)

नदी		उद्गम स्थल
(a) बनास	–	खमनोर की पहाड़ियाँ
(b) बाणगंगा	–	बैराठ की पहाड़ियाँ
(c) बेडच	–	मुकन्दरा की पहाड़ियाँ
(d) कांतली	–	खंडेला की पहाड़ियाँ

73. नदियाँ जो अपना जल सांभर झील में गिराती हैं – (Head Master Praveshika School - 2021)
(A) साबी **(B) चाप**
(C) रूपनगढ़ **(D) मेंढा**
(a) A और B (b) C और D
(c) B और C (d) A और D

74. अधिक अवनालिका अपरदन वाले जिले हैं – (Head Master Praveshika School - 2021)
(a) अलवर, भरतपुर, दौसा और जयपुर
(b) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर और कोटा
(c) अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक और बूँदी
(d) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़

75. निम्नलिखित विशेषताएं किस नदी की हैं? (RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2021)
- इसका उद्गम कुम्भलगढ़ किले के निकट अरावली पहाड़ियों से है।
- यह नदी मेवाड़ के मैदान के मध्य से गुजरती है।
- बेडच, कोठारी व मोरेल इसकी सहायक नदियां हैं।

(a) बनास (b) लूणी
(c) चम्बल (d) माही

76. नदी, जिसका अपवाह क्षेत्र सर्वाधिक है-(Lecturer – 2021)
(a) जवाई (b) साबरमती
(c) सुकरी तथा खारी (d) बनास

77. बेड़च नदी का उद्गम स्थल है – (Lecturer – 2021)
(a) नाग पहाड़ (b) खंडेला की पहाड़ियाँ
(c) गोगुन्दा की पहाड़ियाँ (d) बैराठ की पहाड़ियाँ

78. निम्नलिखित में से कौनसा मैदान माही तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित मैदान है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) छप्पन का मैदान (b) नाली प्रदेश
(c) दक्षिण-पूर्व राजस्थान के नदी निर्मित मैदान
(d) बनास मैदान

79 निम्नलिखित में से कौनसी नदियाँ अरब सागरिय नदी तंत्र का भाग नहीं हैं? नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए- (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(A) बनास नदी **(B) साबरमती नदी**
(C) पश्चिमी बनास नदी **(D) कांकणी नदी**
(E) माही नदी
कूट – (a) A, C एवं D (b) A, B एवं D
(c) B, C एवं E (d) A एवं D

80. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी बनास से दाएँ किनारे पर नहीं मिलती है? (Statistical Officer – 2021)
(a) बेड़च (b) गोल्वा
(c) सोडारा (d) बाजायण

81. कौन सा (उद्गम स्थल – नदी) सुमेलित नहीं है? (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(a) दिवेर - कोठारी (b) खमनौर - लूनी
(c) बिजराल - खारी (d) बीछामेड़ा - सोम

82. राजस्थान की निम्न नदियों पर विचार कीजिए – (A.R.O. - 2022)
(A) माही **(B) चम्बल**
(C) साबरमती **(D) लूनी**
अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ हैं –
(a) (A) और (B) (b) (A), (B) और (C)
(c) (A), (B) और (D) (d) (A), (C) और (D)

83. "उत्खात-भूमि" स्थलाकृति के लिए कौनसी नदी प्रसिद्ध है? (A.R.O. - 2022)
(a) लूनी (b) माही
(c) चम्बल (d) बनास

84. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करके नीचे दिए गए कूट से उत्तर चुनिए –

सूची-I (उद्गम स्थल)	सूची-II (नदी)
(A) खमनोर की पहाड़ियाँ	**(i) कांतली**
(B) बैराठ की पहाड़ियाँ	**(ii) साबी**
(C) खण्डेला की पहाड़ियाँ	**(iii) बनास**
(D) सेवर की पहाड़ियाँ	**(iv) बाणगंगा**

कूट – (a) A-i, B-iii, C-ii, D-iv (b) A-iii, B-iv, C-i, D-ii
(c) A-iv, B-iii, C-i, D-ii (d) A-ii, B-i, C-iii, D-iv

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

85. निम्नलिखित में से किस जिले में कोई नदी प्रवाह नहीं है? (A.R.O. - 2022)
(a) जैसलमेर (b) बूँदी
(c) बीकानेर (d) धौलपुर

86. जाखम नदी एक सहायक नदी है – (A.R.O. - 2022)
(a) बाणगंगा की (b) अनास की
(c) सोम की (d) काली सिंध की

87. राजस्थान में बाढ़ का प्रकोप मुख्यतः "घग्घर नदी की घाटी" में किन-किन क्षेत्रों में देखा जाता है? (A.R.O. - 2022)
A. सूरतगढ़ B. बोरपाल
C. मानेकथर D. खण्डेला
कूट – (a) B, C और D (b) A, B और C
(c) A, C और D (d) A, B, C और D

88. जाखम एक सहायक नदी है – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) लूणी की (b) बनास की
(c) माही की (d) साबरमती की

89. कौनसी चम्बल नदी की सहायक नदी है? (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) जवाई (b) माही
(c) काली सिंध (d) जाखम

90. निम्नलिखित में से कौनसी नदी राजस्थान में अंतर्देशीय जल निकासी से सम्बंधित नहीं है? (School Lect. (School Edu.) - 2022)
(a) सागी (b) रुपारेल
(c) हकरा (d) साहिबी

91. निम्नलिखित में से कौनसी नदियों का उद्गम राजस्थान से नहीं हुआ है? (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(A) चम्बल (B) पश्चिमी बनास
(C) माही (D) साबरमती
कूट: (a) A, B एवं C (b) A, C एवं D
(c) A एवं C (d) A, B एवं D

92. निम्नलिखित में से कौन सी नदी राजस्थान में सबसे बड़ा नदी बेसिन क्षेत्र बनाती है? (School Lecturer (School Edu.) - 2022)
(a) चम्बल (b) लूणी
(c) बनास (d) माही

93. कौन सा सुमेलित नहीं है?

	नदी		सहायक नदी
(a)	लूणी	–	पार्वती
(b)	कालिसिंध	–	आहू
(c)	बनास	–	कोठारी
(d)	चम्बल	–	मेज

94. बिगोद, जिला भीलवाड़ा में किन तीन नदियों का संगम स्थित है? (School Lecturer (Sanskrit Edu.) - 2022)
(a) बेड़च – मैनाल – खारी (b) बनास – बेड़च – मैनाल
(c) बनास – मैनाल – दाई (d) बनास – दाई – खारी

95. नदी को 'वन की आशा' के नाम से जानी जाती है – (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)
(a) चंबल (b) बाणगंगा
(c) आहू (d) बनास

96. एक नदी के बारे में निम्नलिखित तथ्यों को पढ़िए: (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)
(A) यह कोटड़ा (उदयपुर) से उत्पन्न होती है।
(B) हथमाती, मेशवा तथा वेत्रक इसकी सहायक नदियाँ हैं।
(c) यह नदी राजस्थान में लगभग केवल 45 किमी प्रवाहित होती है।
उपरोक्त तथ्यों के आधार पर नदी को पहचानिए:
(a) माही (b) पश्चिमी बनास
(c) साबरमती (d) जाखम

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही कथन चुनिए: (Sr. Teacher Comp. Exam – 2022)
A. लूणी नदी तंत्र का अधिकतम अपवाह क्षेत्र राजस्थान में है।
B. खारी नदी बनास नदी की सहायक नदी है।
C. बनास नदी खमनोर की पहाड़ियों से निकलती है।
कूट :
(a) केवल A तथा C सही हैं। (b) A, B तथा C सही हैं।
(c) केवल A तथा B सही हैं। (d) केवल B तथा C सही हैं।

98. राजस्थान की निम्नलिखित नदियों को उनकी सहायक नदियों से सुमेलित कीजिए : (Sr. Teacher Comp. Exam - 2022)
(A) चम्बल (i) खारी, बांडी
(B) माही (ii) सिवान, परवन
(C) साबरमती (iii) अनास, चाप
(D) बनास (iv) वाकल, हथमति
कूट :ABCD ABCD
(a) ii iii iv i (b) i ii iii iv
(c) iv iii ii i (d) iii iv i ii

99. तालिका-I में दिए गये राजस्थान की नदियों के साथ तालिका-II में वर्णित उनके उद्गम स्थल को सुसंगत करते हुए सही कूट को चुनिए: (Senior Physical Education Teacher - 2022)

तालिका-I (नदियाँ)	तालिका-II (उद्गम स्थल)
A. घग्घर	(i) खमनोर की पहाड़ियाँ
B. माही	(ii) जानापाव की पहाड़ियाँ
C. चम्बल	(iii) मेहन्द झील
D. बनास	(iv) शिवालिक की पहाड़ियाँ

कूट: (a) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)
(b) A-(iv), B-(ii), C-(iii), D-(i)
(c) A-(i), B-(iii), C-(iv), D-(ii)
(d) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

100. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सी नदी चंबल नदी की सहायक नदी नहीं है ?(Assistant Engineer (Civil) - 2023)
(a) काली सिंध (b) बनास
(c) परवती (d) लूणी

101. माही नदी के किनारे कई द्वीपों की उपस्थिति के कारण निम्नलिखित में से किसे "सौ द्वीपों का शहर" भी कहा जाता है? (Asst. Town Planner – 2022)
(a) जयसमंद (b) धारीवाड़
(c) बाँसवाड़ा (d) उदयपुर

102. "जवाई" राजस्थान में बहने वाली निम्नलिखित में से किस नदी की सहायक नदी है? (Asst. Town Planner – 2022)
(a) माही (b) लूणी
(c) बनास (d) चंबल

103. निम्नलिखित में से कौन सी नदियों का उद्गम मध्यप्रदेश में है? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)
A. कालीसिन्ध B. बेड़च
C. पार्वती D. बाणगंगा
(a) A और C सही हैं। (b) A और B सही हैं।
(c) C और D सही हैं। (d) B और D सही हैं।

104. राजस्थान में स्थित 'वागड़' नामक ऊबड़-खाबड़ सतह एवं विच्छेदित स्थलाकृति किस नदी कार्य के द्वारा निर्मित है? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)
(a) बनास (b) लूनी
(c) चंबल (d) माही

105. वह कौन सी नदी है जो अरावली की पश्चिमी ढालों से निकल कर, सिरोही के कुछ क्षेत्रों से बहते हुए कच्छ के रण में जाकर मिल जाती है? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)
(a) माही (b) पश्चिम बनास
(c) साबरमती (d) मोरेन

106. वाकल तथा सेई धारा के मिलने से जो नदी बनती है, वह है– (Food Safety Officer – 2022)
(a) माही नदी (b) साबरमती नदी
(c) पार्वती नदी (d) बनास नदी

107. निम्नलिखित में से किन तीन नदियों के संगम को 'त्रिवेणी' कहा जाता है ? (Raj. State and Sub. Services – 2023)
(a) बनास, मैनाल, बेडच (b) गम्भीरी, मांसी, धुन्ध
(c) कोठारी, खोरी, बेडच (d) सोम, आहू, बाण्डी

108. निम्न में से कौन सी नदियाँ कच्छ के रण में गिरती हैं? (Statistical Officer Exam – 2023)
(a) पश्चिमी बनास और लूनी (b) माही और पश्चिमी बनास
(c) साबरमती और लूनी (d) माही और लूनी

109. लूणी नदी में जल प्रदूषण का मुख्य कारण है – (Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(a) उर्वरक उद्योग (b) सीमेंट उद्योग इकाइयाँ
(c) वस्त्रों की रंगाई और छपाई इकाइयाँ
(d) रसायन उद्योग

110. निम्नलिखित में से कौनसा एक (नदी – उद्गम स्थल) सुमेलित नहीं है? (Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(a) बेड़च – गोगुन्दा पहाड़ियाँ (b) कोठारी – दिवेर
(c) पार्वती – बिजराल पहाड़ियाँ (d) काकनी – कोटरी गाँव

111. निम्नलिखित में से कौन कालीसिंध नदी की सहायक नदी नहीं है? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) परवन (b) उजार
(c) निवाज़ (d) पार्वती

112. कौनसी (नदी–सहायक नदी) सही सुमेलित नहीं है ? (Archaeology and Museums Dept. - 2023)
(a) सोम – मेशवा (b) माही – चाप
(c) लूनी – गुहिया (d) साबरमती – हाथमती

113. निम्नलिखित में से कौनसी नदी बैराठ की पहाड़ियों से निकलकर यमुना में मिलती है? (Archaeology & Museums - 2023)
(a) बाणगंगा (b) मोरेल
(c) सोम (d) पार्वती

114. निम्नलिखित में से कौनसी नदी आन्तरिक अपवाह का भाग नहीं है? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) साबी (b) खारी
(c) कान्तली (d) काकनी

115. निम्नलिखित में से बूँदी जिले में प्रवाहित होने वाली नदियों का सही समूह है – (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) कुराल, घोड़ा पछाड़, मेनाल (b) कुराल, मेज, चम्बल
(c) कुराल, मेज, घोड़ा पछाड़ (d) घोड़ा पछाड़, पार्वती, परवन

116. हथमति, मेशवा एवं याजम निम्नलिखित में से किसकी सहायक नदियाँ हैं? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) लूणी (b) साबरमती
(c) कोठारी (d) माही

117. माही बजाज सागर परियोजना एक संयुक्त उपक्रम है – (Raj. State and Sub. Services Comb. 2023)
(a) राजस्थान, पंजाब तथा गुजरात का
(b) गुजरात तथा राजस्थान का
(c) राजस्थान, गुजरात तथा मध्यप्रदेश का
(d) मध्यप्रदेश तथा राजस्थान का

118. निम्न में से कौनसी नदी शेखावाटी प्रदेश से सम्बन्धित नहीं है? (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) कान्तली (b) कावंत
(c) मेंढा (d) डाई

119. लूनी नदी के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है? (Asst. Statistical Officer – 2024)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(a) उद्गम से बालोतरा कस्बे तक इसका पानी मीठा है।
(b) लूनी नदी बेसिन की पूर्वी सीमा 'काला भूरा डूंगर' है।
(c) यह राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र के 5.6 प्रतिशत भाग पर प्रवाहित होती है।
(d) यह नदी कच्छ के रण तक प्रवाहित होती है।

120. निम्नलिखित में से किस नदी को 'वराह' या 'लासवारी' के नाम से भी जाना जाता है?
(Asst. Prof. (Sanskrit College Edu.) – 2024)
(a) रूपारेल (b) कांतली
(c) साबरमती (d) सोम

121. कौन सा सुमेलित नहीं है?
(School Lecturer (Sanskrit Edu.) - 2024)

	शाखाएँ		नदी
(a)	मानसी और खारी	–	बनास
(b)	उजाड़ और आहू	–	कालीसिन्ध
(c)	चाप और जाखम	–	माही
(d)	मेज और सागी	–	चम्बल

122. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये –
(Sr. Teacher Comp. Exam – 2024)
(A) लूनी नदी तंत्र का अधिकांश अपवाह क्षेत्र राजस्थान में है।
(B) खारी नदी, बनास नदी की सहायक नदी है।
(C) बनास नदी खमनौर की पहाड़ियों से निकलती है।
कूट – (a) (A) और (C) सही हैं (b) (A), (B) और (C) सही हैं
(c) (A) और (B) सही हैं (d) (B) और (C) सही हैं

123. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये –
(Raj. State and Sub. Services Comb. – 2024)
A. लूनी बेसिन और शेखावटी प्रदेश राजस्थान बांगड़ के उप-प्रदेश हैं।
B. घग्घर का मैदान अधिकांशतः हनुमानगढ़ एवं गंगानगर जिलों में फैला है।
C. नागौर उच्च भूमि में लवणीय झीलें और आंतरिक जल निकास है।
D. अरावली श्रृंखलाएँ सभी प्रकार के खनिजों में समृद्ध हैं।
सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये :
(a) A और B (b) A, B और C
(c) B, C और D (d) A, B, C और D

124. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(Raj. State and Sub. Services Comb. 2024)

सूची-I (जिला)	सूची-II (नदी)
A. उदयपुर	i. साबी तथा रूपारेल
B. बूँदी	ii. गम्भीरी तथा पार्वती
C. भरतपुर	iii. सोम एवं जाखम
D. अलवर	iv. कुराल

कूट :
(a) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii)
(b) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(c) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
(d) A-(iii), B-(iv), C-(ii), D-(i)

125. निम्नलिखित में से कौनसी नदियाँ अपना जल खम्भात की खाड़ी में विसर्जित करती हैं? (Librarian Grade-II - 2024)
(A) साबरमती (B) पश्चिमी बनास
(C) माही
नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –
कूट – (a) (A), (B) और (C) (b) (A) और (C)
(c) केवल (C) (d) (B) और (C)

126. राजस्थान की एक नदी के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्यों को सावधानीपूर्वक पढ़िए – (Local Self Govt. Dept. 2022)
(A) यह ऋषभदेव के निकट बिछामेडा से उत्पन्न होती है।
(B) गोमती तथा सारनी इसकी सहायक नदियाँ हैं।
नदी की पहचान कीजिए –
(a) सोम (b) साबरमती
(c) जाखम (d) पश्चिमी बनास

127. सूची-1 एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए – (Agri. Officer Exam – 2024)

सूची-I	सूची-II
(A) कालीसिंध	(i) अनास
(B) लूनी	(ii) ढूंढ
(C) माही	(iii) परवन
(D) बनास	(iv) सागी

कूट –ABCD ABCD
(a) iii iv i ii (b) iii ii i iv
(c) i ii iv iii (d) i iv ii iii

128. मोरान, चाप और इराउ किस नदी की सहायक नदियाँ हैं?
(PTI and Librarian – 2024)
(a) साबरमती नदी की (b) माही नदी की
(c) बनास नदी की (d) काली सिंध नदी की

129. सूची-1 (नदी) को सूची-2 (उत्पत्ति) से मिलाइए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(Mines And Geology Dept. Exam - 2024)

सूची-1 (नदी)	सूची-2 (उत्पत्ति)
(A) काली सिंध	(i) बैराठ की पहाड़ियाँ
(B) कान्तली	(ii) बागली गाँव, देवास
(C) लूणी	(iii) नाग पहाड़
(D) बाणगंगा	(iv) खंडेला की पहाड़ियाँ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट :ABCD ABCD
(a) (iv) (ii) (iii) (i) (b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (ii) (iv) (iii) (i) (d) (iii) (iv) (ii) (i)

130. राजस्थान में नदियों के जलग्रहण क्षेत्र के अनुसार सही अवरोही क्रम है : (Public Relation Officer – 2024)
(a) चम्बल – बनास – लूनी – माही
(b) चम्बल – माही – बनास – लूनी
(c) बनास – लूनी – चम्बल – माही
(d) बनास – चम्बल – माही – लूनी

131. सूची-1 को सूची-II के साथ सुमेलित करें तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर का चयन करें – (Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)

सूची-I (नदी)	सूची-II (सहायक नदी)
(अ) माही	(i) निवाज नदी
(ब) काली सिन्ध	(ii) गम्भीरी नदी
(स) पार्वती	(iii) अनास नदी
(द) बेडच	(iv) अहेली नदी

कूट : (a) (अ)-(ii), (ब)-(i), (स)-(iii), (द)-(iv)
(b) (अ)-(iii), (ब)-(iv), (स)-(i), (द)-(ii)
(c) (अ)-(iii), (ब)-(i), (स)-(iv), (द)-(ii)
(d) (अ)-(iv), (ब)-(iii), (स)-(ii), (द)-(i)

132. घग्घर नदी प्राय: किस स्थान पर आकर विलीन हो जाती है? (Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)
(a) भटनेर (b) कोलायत
(c) तलवाड़ा (d) खण्डेला

133. निम्नलिखित में से कौन सी नदी साबरमती की सहायक नदी है? (Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)
(a) माजम (b) चाप
(c) सागी (d) गम्भीरी

134. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (नदी – उत्पत्ति स्थल) सुमेलित नहीं है? (Research Assistant– 2024)
(a) रूपनगढ़ – सांभर पहाड़ियाँ
(b) सोता – बैराठ पहाड़ियाँ
(c) कांतली – खंडेला पहाड़ियाँ
(d) रूपारेल – उदयनाथ पहाड़ियाँ

135. कौन सी नदी काली सिन्ध नदी की सहायक नदी नहीं है ? (Deputy Jailor - 2024)
(a) परवन (b) निवाज
(c) आहू (d) सागी

136. राजस्थान की खारे पानी की सबसे बड़ी झील है : (AGRICULTURE OFFICER 2011)
(a) डीडवाना झील (b) पचपद्रा झील
(c) सांभर झील (d) लूणकरणसर झील

137. राजस्थान के किस जिले में प्लाया झील है? (Teacher II Grade Exam. 2011)
(a) कोटा (b) जैसलमेर
(c) उदयपुर (d) भरतपुर

138. निम्न में से कौन सी खारे पानी की झील नहीं है? (Clerk GR II Comb. Comp. Exam - 2013)
(a) डीडवाना (b) फलोदी
(c) सांभर (d) कोलायत

139. राजस्थान की किस झील को रामसर आर्द्रभूमि की सूची में सम्मिलित किया गया है? (RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2016)
(a) जयसमंद झील (b) आनासागर झील
(c) राजसमंद झील (d) सांभर झील

140. निम्न में से कौन सी लवणीय झील नहीं है? (Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) डीडवाना (b) कोलायत
(c) पचपद्रा (d) कावोद

141. निम्न में से कौन-सा सम्बेलित नहीं है? (Research Assistant – 2016)
(a) पचपदरा झील – नागौर (b) ढेबर झील – उदयपुर
(c) गैब सागर झील – डूँगरपुर (d) तालाबशाही झील – धौलपुर

142. सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से अपना उत्तर चुनिए – (Sr. Teacher Gr II - 2018)

सूची – I	सूची – II
(A) जलमहल झील	1. अलवर
(B) पांडुपोल जलप्रपात	2. उदयपुर
(C) लूणकरणसर झील	3. जयपुर
(D) फतेहसागर झील	4. बीकानेर

कूट: (a) A–3, B–1, C–4, D–2 (b) A–1, B–3, C–4, D–2
(c) A–1, B–3, C–2, D–4 (d) A–3, B–4, C–1, D–2

143. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित करें तथा नीचे दिए गए कूटों से अपने उत्तर का चयन करें : (Food Safety Officer – 2019)

सूची-I (झीलें)	सूची-II (जिले)
A. उम्मेद सागर	1. सिरोही
B. नक्की झील	2. उदयपुर
C. पिछोला	3. धौलपुर
D. तालाबशाही	4. भीलवाड़ा

कूट: (a) 4 3 2 1 (b) 4 1 2 3
(c) 2 1 3 4 (d) 2 1 4 3

144. डीडवाना, पचपद्रा, सांभर झीलों में मृदा पायी जाती है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) लिथोसोल्स (b) सोलनचॉक
(c) सीरोजेम्स (d) ब्राउन मृदा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

145. निम्न में से कौन सी झील ढेबर झील के नाम से भी जानी जाती है? (Veterinary Officer – 2019)
(a) डीडवाना झील (b) पिछोला झील
(c) जयसमंद झील (d) कोलायत झील

146. बांकली झील निम्न में से किस जिले में अवस्थित है ? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) बीकानेर (b) बाड़मेर
(c) पाली (d) जोधपुर

147. अशुद्ध युग्म है – (Evaluation Officer – 2020)
(a) गदीसर – जैसलमेर (b) मांडलताल – भीलवाड़ा
(c) फाई सागर – अजमेर (d) तालाब शाही – बारां

148. निम्नलिखित युग्मों में कौन सा सही नहीं है ? (Agriculture Research Officer – 2020)
(a) फॉय सागर झील – अजमेर जिला
(b) बालसमंद झील – राजसमंद जिला
(c) सरदार समंद झील – पाली जिला
(d) गैब सागर झील – डूँगरपुर जिला

149. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और नीचे दिये कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Agri. Officer – 2020)

सूची-I (जिला)	सूची-II (झील)
(A) अजमेर	(i) प्रताप सागर
(B) डूँगरपुर	(ii) बुझ झील
(C) जोधपुर	(iii) फॉय सागर
(D) जैसलमेर	(iv) गैब सागर

कूट : (a) i ii iii iv (b) iii iv i ii
(c) iii iv ii i (d) iv iii ii i

150. 'नवलखा' झील किस जिले में स्थित है ? (Agri. Officer-2020)
(a) बूँदी (b) झालावाड़
(c) सवाई माधोपुर (d) टोंक

151. निम्नलिखित में से लवणीय गर्त नहीं है? (Asst. Testing Officer – 2021)
(a) डीडवाना (b) कायलाना
(c) सुजानगढ़ (d) तालछापर

152. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. - 2020)
(a) बन्ध बरेठा – भरतपुर (b) गलता – जयपुर
(c) तालाबशाही – धौलपुर (d) गढ़ीसर – जोधपुर

153. राजस्थान की कौन सी झील 'झील ढेबर' के नाम से जानी जाती है? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)
(a) राजसमन्द (b) बालसमंद
(c) जयसमंद (d) अमर सागर

154. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए – (Head Master Praveshika School 2021)

सूची-I (झीलें)	सूची-II (जिले)
(A) नवलखा	(i) डूँगरपुर
(B) तालाबशाही	(ii) बीकानेर
(C) कोलायत	(iii) बूँदी
(D) गैब सागर	(iv) धौलपुर

कूट : (a) A-(ii), B-(iii), C-(iv), D-(i)
(b) A-(iii), B-(iv), C-(ii), D-(i)
(c) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii)
(d) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)

155. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I (झीलें)	सूची-II (जिले)
(A) नवलखा	(1) सिरोही
(B) नक्की	(2) बूँदी
(C) उम्मेद सागर	(3) बीकानेर
(D) अनुप सागर	(4) जोधपुर

कूट –ABCD ABCD
(a) 2 1 4 3 (b) 1 2 4 3
(c) 3 1 4 2 (d) 2 4 1 3

156. निम्नलिखित में से कौन-सी राजस्थान की सबसे बड़ी मीठे पानी की कृत्रिम झील है? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) जयसमंद (b) कोलायत
(c) कायलाना (d) आनासागर

157. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I (झील)	सूची-II (जिला)
(A) नवलखा सागर	(i) धौलपुर
(B) छप्पर ताल	(ii) बूँदी
(C) तालाब शाही	(iii) चित्तौड़गढ़
(D) भोपाल सागर	(iv) चूरू

कूट –ABCD ABCD
(a) ii iv i iii (b) ii iv iii i
(c) iv ii i iii (d) i ii iii iv

158. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I (झील)	सूची-II (जिला)
(A) सिलीसेढ़	(i) डूँगरपुर
(B) बन्ध बारेठा	(ii) भरतपुर
(C) गैब सागर	(iii) अलवर
(D) तालाब-ए-शाही	(iv) धौलपुर

कूट: (a) A-iii, B-ii, C-i, D-iv (b) A-iii, B-iv, C-i, D-ii
(c) A-ii, B-iii, C-iv, D-i (d) A-ii, B-iv, C-iii, D-i

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

159. राजस्थान के किस जिले में 'नक्की झील' स्थित है?

(A.R.O. - 2022)

(a) अलवर (b) अजमेर
(c) सिरोही (d) उदयपुर

160. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिए कूट से कीजिए :

(Food Safety Officer – 2022)

सूची-I (झीलें)	सूची-II (जिले)
(A) नवलखा	(i) धौलपुर
(B) तालछापर	(ii) बूँदी
(C) तालाबशाही	(iii) बाड़मेर
(D) पचपदरा	(iv) चूरू

कूट : ABCD ABCD
(a) (ii) (iv) (i) (iii) (b) (iii) (iv) (ii) (i)
(c) (ii) (iii) (iv) (i) (d) (iv) (i) (iii) (ii)

161. चम्बल नदी पर बने हुए निम्नलिखित बाँधों में से कौन से राजस्थान में स्थित हैं ?

(Sub Inspector Comb. Comp. Exam - 2021)

(A) कोटा बैराज (B) गांधी सागर बाँध
(C) जवाहर सागर बाँध (D) राणा प्रताप सागर बाँध

नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए :

(a) केवल (A), (B) और (D) (b) केवल (A) और (D)
(c) (A), (B), (C) और (D) (d) केवल (A), (C) और (D)

162. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए –

(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)

सूची-I (झीलें)	सूची-II (जिले)
A. गैब सागर	(i) धौलपुर
B. तालाब शाही	(ii) बूँदी
C. कोलायत	(iii) डूँगरपुर
D. नवलखा	(iv) बीकानेर

कूट - (a) A-(iii), B-(i), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)
(c) A-(ii), B-(iii), C-(i), D-(iv)
(d) A-(iv), B-(ii), C-(iii), D-(i)

163. 'बुझ झील राजस्थान के किस जिले में स्थित है?

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) बाँसवाड़ा (b) बाड़मेर
(c) चूरू (d) जैसलमेर

164. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये –

(Archives Department Recruitment - 2024)

सूची-I (झील)	सूची-II (जिला)
(A) अमर सागर	(i) उदयपुर
(B) स्वरूप सागर	(ii) टोंक
(C) गैब सागर	(iii) जैसलमेर
(D) मोती सागर	(iv) डूँगरपुर

कूट: (a) A-(ii), B-(i), C-(iii), D-(iv)
(b) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(c) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)
(d) A-(iii), B-(i), C-(ii), D-(iv)

165. बन्ध बारेठा और मोती झील अवस्थित हैं –

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) अलवर में (b) दौसा में
(c) बूँदी में (d) भरतपुर में

166. सरदार समंद झील तथा जैत सागर झील क्रमशः अवस्थित हैं

(Asst. Prof. (Sanskrit College Edu.) – 2024)

(a) राजसमंद तथा अलवर में (b) पाली तथा नागौर में
(c) अलवर तथा अजमेर में (d) पाली तथा बूँदी में

167. निम्नलिखित में से कौनसे सही सुमेलित हैं?

(Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)

झील		जिला
(A) कालिसोत	–	बारां
(B) भीमताल	–	झालावाड़
(C) आनंद सागर	–	बाँसवाड़ा
(D) छापरवाड़ा	–	टोंक

सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर कीजिए-

(a) (B), (C) और (D) (b) (A) और (C)
(c) (A), (B), (C) और (D) (d) (B) और (D)

168. निम्न में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है?

(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)

जिला		झीलें
(a) बूँदी	–	भीमताल, जैतसागर
(b) धौलपुर	–	तालाबशाही, भीमसागर
(c) जालौर	–	बालसमन्द, जयसागर
(d) दौसा	–	झिलमिली, मोतीसागर

169. राजस्थान सरकार ने, 'स्टेट वेटलैण्ड अथॉरिटी' की स्थापना हेतु अधिसूचना किस वर्ष में जारी की थी? (PTI & Libr. – 2024)

(a) 2017 (b) 2019
(c) 2016 (d) 2018

170. कौन सा सुगठित नहीं है ?

(Mines And Geology Dept. Exam - 2024)

CERAMIC ACADEMY Shaping the Future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

झील		जिला
(a) राणाप्रताप सागर	–	चित्तौड़गढ़
(b) उम्मेद सागर	–	भीलवाड़ा
(c) कायलाना	–	बीकानेर
(d) तालाबशाही	–	धौलपुर

171. निम्नलिखित में राजस्थान की झीलों का पूर्व से पश्चिम दिशा में सही क्रम कौन सा है ? (Public Relation Officer – 2024)

(a) सिलीसेढ़ – कायलाना – गढ़ीसर – फाई सागर
(b) फाई सागर – सिलीसेढ़ – कायलाना – गढ़ीसर
(c) गढ़ीसर – कायलाना – फाई सागर – सिलीसेढ़
(d) सिलीसेढ़ – फाई सागर – कायलाना – गढ़ीसर

172. सूची-I को सूची-II से सुसंगत कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Asst. Director - 2024)

सूची-I (झील)	सूची-II (जिला)
(A) उम्मेद सागर	(i) बीकानेर
(B) सूर सागर	(ii) भीलवाड़ा
(C) कनक सागर	(iii) डूँगरपुर
(D) गैव सागर	(iv) बूँदी

कूट : A B C D   A B C D
(a) (i), (ii), (iv), (iii)   (b) (ii), (i), (iii), (iv)
(c) (i), (iv), (ii), (iii)   (d) (ii), (i), (iv), (iii)

173. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए– (Technical Assistant (Geophysics)– 2024)

सूची-I (झील)	सूची-II (जिला)
(A) जैत सागर	(i) बारां
(B) बिलास	(ii) जालौर
(C) रामसागर	(iii) बूँदी
(D) बांकली	(iv) धौलपुर

कूट:ABCD   ABCD
(a) ii iii i iv   (b) iii ii i iv
(c) iii i iv ii   (d) iv i iii ii

174. निम्न में से कौन सी परम्परागत जल संरक्षण की विधि नहीं है ? (College Lecturer - 2014 (Paper - III))

(a) नाड़ी   (b) खड़ीन
(c) तालाब   (d) टोबा

175. केन्द्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट 2011 के अनुसार राजस्थान में सुरक्षित जल भंडार वाले विकास खण्डों की संख्या है। (Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)

(a) 25   (b) 30
(c) 35   (d) 40

176. राजस्थान में भारत के सतही जल का (लगभग) उपलब्ध प्रतिशत हिस्सा है : (Research Assistant – 2016)

(a) 1.16   (b) 11.40
(c) 0.27   (d) 13.20

177. सुमेलित कीजिये: (Asst. Conservator Forest 2011)

बाँध	जिले
(A) मोरेल बाँध	(i) सवाई माधोपुर
(B) मेजा बाँध	(ii) भीलवाड़ा
(C) जवाई बाँध	(iii) टोंक
(D) बीसलपुर बाँध	(iv) पाली

कूट: ABCD
(a) (iv) (iii) (ii) (i)   (b) (i) (ii) (iv) (iii)
(c) (iii) (iv) (i) (ii)   (d) (ii) (i) (iii) (iv)

178. नवनेरा बाँध किस तहसील में स्थित है? (Asst. Testing Officer – 2021)

(a) सांगोद   (b) बीगोद
(c) दिगोद   (d) पिपलोद

179. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? [Asst. Fisheries D. O. 2025]

मुख्य नदी	सहायक नदी
(a) लूनी	सागी
(b) बनास	मांसी
(c) माही	मोरेन
(d) चाप	साबरमती

180. निम्नलिखित में से किस नदी पर कालीतीर लिफ्ट स्थित है? [Protection Officer - 2025]

(a) साबरमती   (b) बनास
(c) पश्चिमी बनास   (d) चम्बल

181. पश्चिमी राजस्थान में वायु द्वारा निर्मित झीलें कहलाती हैं – [Protection Officer - 2025]

(a) धारियान   (b) ढांड
(c) धोरा   (d) मरु

182. निम्नलिखित में से कौन सी एक बनास नदी की दाहिने तट की सहायक नदी है? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) कोठारी   (b) बेड़च
(c) खारी   (d) डाई

183. राजस्थान की निम्नलिखित में से किस नदी का उद्गम मध्य प्रदेश से नहीं है ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) पार्वती   (b) माही
(c) सोम   (d) कालीसिन्ध

184. निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर नदी की पहचान कीजिए [Sr. Teacher (G-C) - 2025]

(A) यह राजसमन्द जिले में बिजराल ग्राम की पहाड़ियों से उद्गमित होती है।
(B) यह बनास नदी की सहायक नदी है।
(C) इसकी कुल लम्बाई लगभग 80 कि.मी. है।

(a) बेडच   (b) कोठारी
(c) खारी   (d) मेज

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

185. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : **[RAS 2024]**

सूची-I (जिला)	सूची-II (नदी)
A. उदयपुर	i. साबी तथा रूपारेल
B. बूंदी	ii. गम्भीरी तथा पार्वती
C. भरतपुर	iii. सोम एवं जाखम
D. अलवर	iv. कुराल

कूट :
(a) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii)
(b) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(c) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
(d) A-(iii), B-(iv), C-(ii), D-(i)

186. निम्नलिखित में से कौनसी नदियाँ अपना जल खम्भात की खाड़ी में विसर्जित करती हैं?

[Librarian Grade-II (School Edu.) P-I 2024]

(A) साबरमती
(B) पश्चिमी बनास
(C) माही

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –

(a) (A), (B) और (C) (b) (A) और (C)
(c) केवल (C) (d) (B) और (C)

Answer Key

1	c	2	c	3	a	4	b	5	d	6	a	7	b	8	*	9	a	10	a
11	b	12	a	13	b	14	c	15	d	16	a	17	c	18	a	19	b	20	c
21	c	22	b	23	d	24	c	25	c	26	b	27	a	28	b	29	c	30	b
31	d	32	b	33	c	34	d	35	a	36	d	37	b	38	a	39	b	40	b
41	a	42	a	43	d	44	d	45	d	46	a	47	d	48	b	49	b	50	c
51	c	52	a	53	c	54	d	55	*	56	b	57	c	58	c	59	b	60	a
61	b	62	a	63	d	64	d	65	b	66	c	67	a	68	d	69	c	70	c
71	b	72	c	73	b	74	b	75	a	76	d	77	c	78	a	79	d	80	c
81	b	82	d	83	c	84	b	85	c	86	c	87	b	88	c	89	c	90	a
91	c	92	c	93	a	94	b	95	d	96	c	97	b	98	a	99	d	100	d
101	c	102	b	103	a	104	d	105	b	106	b	107	a	108	a	109	c	110	c
111	d	112	a	113	a	114	b	115	c	116	b	117	b	118	d	119	c	120	a
121	d	122	b	123	b	124	d	125	b	126	a	127	a	128	b	129	c	130	c
131	c	132	a	133	a	134	a	135	d	136	c	137	b	138	d	139	d	140	b
141	a	142	a	143	b	144	b	145	c	146	c	147	d	148	b	149	b	150	a
151	b	152	d	153	c	154	b	155	a	156	a	157	a	158	a	159	c	160	a
161	d	162	b	163	d	164	c	165	d	166	d	167	b	168	a	169	d	170	c
171	d	172	d	173	c	174	*	175	*	176	a	177	b	178	c	179	d	180	d
181	b	182	b	183	b	184	c	185	a	186	b								

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान के किन जिलों में साबरमती नदी प्रवाहित होती है? इसकी सहायक नदियों के नाम लिखिए।

[RAS Mains 2023 (2 Marks)]

Q. राजस्थान की नदी प्रणालियों का वर्णन कीजिए।

[RAS Mains 2018 (10 Marks)]

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

6 प्राकृतिक वनस्पति एवं वन

राज्य वन परिदृश्य

आजादी से पूर्व के वन संरक्षण प्रयास

- स्वतंत्रता से पहले देशी रियासतों ने वन संरक्षण हेतु कई कानून बनाए।
- **प्रथम वन संरक्षण कानून :-** टोंक राज्य शिकार अधिनियम, 1901

◈ **अन्य रियासती कानून:-**

वर्ष	रियासत	कानून / नियम का नाम	उद्देश्य
1921	जोधपुर	मारवाड़ शिकार नियम	वन्यजीव संरक्षण व शिकार नियंत्रण
1924	कोटा	कोटा जंगलात कानून	वनों के उपयोग व प्रबंधन हेतु
1931	जयपुर	जयपुर शिकार नियम	शिकार नियंत्रण एवं वन्यजीव संरक्षण

वन कानून

क्रमांक	वर्ष	नीति / कानून का नाम	प्रमुख उद्देश्य / विशेषता
1	**1927**	भारतीय वन अधिनियम	अब तक लागू मुख्य कानून; वन अपराधों व नियंत्रण के प्रावधान।
2	**1952**	राष्ट्रीय वन नीति	देश के **33% क्षेत्रफल** में वनावरण का लक्ष्य।
3	**1980**	वन संरक्षण अधिनियम	वन भूमि को अन्य उपयोग हेतु हस्तांतरित करने पर नियंत्रण।
4	**1988**	नयी राष्ट्रीय वन नीति	**जनभागीदारी** पर बल, संरक्षण व पुनर्जीवन। (भौगोलिक क्षेत्र-33%, पर्वत -60%, मैदान -20%)

- **राजस्थान वन अधिनियम, 1953 :** इसे 31 मार्च 1953 को अधिनियमित किया गया।
- **राजस्थान वन उपज (परिवहन) नियम :** 1957
- **वन्यजीव (संरक्षण) राजस्थान नियम, 1977 :** 6 जून 1977 को अधिसूचित किए गए।

राजस्थान वन नीति 2023

बिंदु	विवरण
जारी वर्ष	5 जून, 2023
राज्य का वर्तमान वन क्षेत्रफल	कुल भौगोलिक क्षेत्र का **9.60%**
लक्ष्य	अगले **20 वर्षों में 20% वनावरण** प्राप्त करना।
मुख्य फोकस	वनों के बाहर **वनस्पति आवरण** बढ़ाना। जनसहभागिता आधारित वृक्षारोपण। जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु हरित आवरण विस्तार

राजस्थान की प्रथम वन एवं पर्यावरण नीति

◈ 18 फरवरी, 2010

◈ लक्ष्य ⟶ राज्य के 20% क्षेत्र पर वन

वन विभाग के आँकड़े

प्रशासनिक प्रतिवेदन रिपोर्ट, 2024-25 में उल्लेखित ISFR के आंकड़े			
वनावरण (क्षेत्रफल)		वनावरण %	
अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
→ उदयपुर 2766.30 किमी.	→ चूरु 62.73 किमी.	→ उदयपुर 23.60 %	→ चूरू 0.45 %
→ अलवर 1198.74 किमी.	→ हनुमानगढ़ 92.29 किमी.	→ प्रतापगढ़ 22.48 %	→ जोधपुर 0.49 %
→ प्रतापगढ़ 996.86 किमी.	→ जोधपुर 111.23 किमी.	→ सिरोही 17.50 %	→ बीकानेर 0.86 %

- **कुल अभिलेखित वन** → 33020.32 वर्ग किमी. — भारत के कुल वन का → 3.10%
- **भौगोलिक क्षेत्र का** → 9.65%
- **प्रति व्यक्ति वनावरण** → 0.037 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति
- **अभिलेखित वन में राज्य का स्थान** → 15th (देश में)

(प्रशासनिक प्रतिवेदन रिपार्ट 2025-26)

- **कुल वनावरण (16548.21 वर्ग किमी.) व वृक्षावरण (10841.12 वर्ग किमी.) (भौगोलिक क्षेत्र का :- 27389.33 वर्ग किमी. 8%)**
  - **वनावरण-** एक हेक्टेयर या अधिक क्षेत्र में 10 प्रतिशत या अधिक छत्र घनत्व वाले सभी वृक्षाच्छादित क्षेत्र।
  - **वृक्षावरण-** अभिलेखित वन क्षेत्र से बाहर स्थित वृक्षों से आच्छादित क्षेत्र जिसमें एक हेक्टेयर से छोटे वृक्ष समूह तथा बिखरे वृक्ष शामिल हैं।

कुल प्रादेशिक वनमण्डल

- **कुल प्रादेशिक वनमण्डल** : 38
- क्षेत्रफल के अनुसार - सबसे बड़ा – जोधपुर, सबसे छोटा – सिरोही

वन्यजीव मण्डल → 16	वन	
सर्वाधिक वन धोकड़ा / धोक	अधिकतम	न्यूनतम
शुष्क वनों में सर्वाधिक (Arid Forest) → खेजड़ी	उदयपुर संभाग	बीकानेर संभाग
वनावरण में वृद्धि - 12 जिले	सर्वाधिक वन संकेन्द्रित क्षेत्र	
✓ कमी - 21 जिले	दक्षिणी के दक्षिण - पूर्वी भाग	

ISFR रिपोर्ट- 2023

- **18 वीं रिपोर्ट - प्रकाशित - 21 दिसम्बर 2024**
  - **वनावरण -** 16548.21 वर्ग किमी. (4.84%) - कमी - 83.80 वर्ग किमी.
  - **वृक्षावरण -** 10841.12 वर्ग किमी. (3.16%) - वृद्धि - 478.26 वर्ग किमी.
  - **कुल वनावरण व वृक्षावरण -** 27,389.33 वर्ग किमी. - [वृद्धि - 394.46 वर्ग किमी.] (भौगोलिक क्षेत्र का :- 8%) (राजस्थान देश में चौथे स्थान पर)
  - **ISFR रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्र के 9.60% भाग पर वन है।**

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

वनावरण (क्षेत्रफल)		वनावरण (%)	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
1. उदयपुर (2766.30 वर्ग किमी.)	1. चूरू (62.73 वर्ग किमी.)	1. उदयपुर (23.60%)	1. चूरु (0.45%)
2. अलवर (1198.74 वर्ग किमी.)	2. हनुमानगढ़ (92.29 वर्ग किमी.)	2. प्रतापगढ़ (22.48%)	2. जोधपुर (0.49%)
3. प्रतापगढ़ (996.86 वर्ग किमी.)	3. जोधपुर (111.23 वर्ग किमी.)	3. सिरोही (17.50%)	3. बीकानेर (0.86%)
4. चित्तौड़गढ़ (988.08 वर्ग किमी.)	4. श्रीगंगानगर (113.46 वर्ग किमी.)	4. करौली (15.18%)	4. जैसलमेर (0.89%)

वनावरण		झाड़ी क्षेत्र	
अधिकतम वृद्धि	अधिकतम कमी	कुल झाड़ी क्षेत्र - 5476.75 वर्ग किमी. (राज. के भौगोलिक क्षे. का = 1.60%)	
सीकर (19.14 वर्ग किमी.)	बारां (-33.29 वर्ग किमी.)	सर्वाधिक	न्यूनतम
बाड़मेर (19.00 वर्ग किमी.)	प्रतापगढ़ (-30.79 वर्ग किमी.)	पाली (453 वर्ग किमी.)	हनुमानगढ़ (9 वर्ग किमी.)
अलवर (16.39 वर्ग किमी.)	अजमेर (-18.34 वर्ग किमी.)	अलवर (321 वर्ग किमी.)	श्रीगंगानगर (16 वर्ग किमी.)
उदयपुर (12.46 वर्ग किमी.)	बीकानेर (-14.85 वर्ग किमी.)	जयपुर (319 वर्ग किमी.)	चूरू (36 वर्ग किमी.)

कुल वनावरण व वृक्षावरण

क्षेत्रफल - 27,389.33 वर्ग किमी (8%)

वनावरण	वृक्षावरण
↓	↓
16548 km^2	10841.12 km^2
(4.84%)	(3.16%)

घनत्व के आधार पर वर्गीकरण

- वनावरण ⟶ 16548 वर्ग किमी. (4.84%)

अति सघन वन	मध्यम सघन वन	खुले वन
(223.20 km)	(4237.41 km)	(12087.60 km)
(0.07%)	(1.24%)	(3.53%)
↓	↓	↓
सर्वाधिक- अलवर - उदयपुर	**सर्वाधिक** - उदयपुर - प्रतापगढ़	**सर्वाधिक** - उदयपुर - बारां

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

वनों का वर्गीकरण

प्रशासनिक / वैधानिक आधार पर

आरक्षित वन	रक्षित / सुरक्षित वन	अवर्गीकृत वन
राजकीय संपत्ति	कटाई पशुचारण हेतु वन विभाग की अनुमति	कोई प्रतिबंध नहीं
प्रतिबंध - कटाई, पशुचारण	**उदाहरण**- मृग वन,आखेट निषेध क्षेत्र	पवित्र वन
उदाहरण- राष्ट्रीय उद्यान,अभयारण्य	**सर्वाधिक** - बारां	ओरण
सर्वाधिक - उदयपुर	**प्रतिशत** - 56.54%	**सर्वाधिक**- जैसलमेर
प्रतिशत - 36.94%	(18671.49 वर्ग किमी.)	**प्रतिशत** 6.51%
(12198.71 वर्ग किमी.)		(2150.12 वर्ग किमी.)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

प्रशासनिक प्रतिवेदन

वर्ष	अभिलेखित वन (km^2)	आरक्षित वन (km^2)	रक्षित वन (km^2)	अवर्गीकृत वन (km^2)
2022-23	32869	12176 (37.05%) सर्वाधिक- उदयपुर	18588 (56.55%) सर्वाधिक- बारां	2106 (6.40%) सर्वाधिक- बीकानेर
2023-24	32921	12178 (36.99%) सर्वाधिक- उदयपुर	18605(56.51%) सर्वाधिक- बारां	2137(6.50%) सर्वाधिक- बीकानेर
2024-25	33014	12198(36.95%) सर्वाधिक- उदयपुर	18631(56.43%) सर्वाधिक- बारां	2184(6.62%) सर्वाधिक- बीकानेर
2025-26	33020	12198 सर्वाधिक- उदयपुर	18671 सर्वाधिक- बारां	2150 सर्वाधिक- जैसलमेर

प्रशासनिक प्रतिवेदन 2025-26

✦ **अभिलेखित वन के अनुसार जिलों का क्रम:-**

वनावरण (क्षेत्रफल)		वनावरण (%)	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
1. उदयपुर (4161 वर्ग किमी.) 2. बारां (2250 वर्ग किमी.) 3. करौली (1810 वर्ग किमी.) 4. चित्तौड़गढ़ (1789 वर्ग किमी.)	1. चूरु (79 वर्ग किमी.) 2. हनुमानगढ़ (239 वर्ग किमी.) 3. नागौर (242 वर्ग किमी.) 4. जोधपुर (246 वर्ग किमी.)	1. प्रतापगगढ़ (37.50%) 2. उदयपुर (35.51%) 3. करौली (32.78%) 4. बारां (32.19%)	1. चूरु (0.58%) 2. जोधपुर (1.08%) 3. नागौर (1.37%) 4. जैसलमेर (1.81%)

जलवायु के आधार पर वनों का वर्गीकरण:-

✦ **कारण:-** धरातलीय स्वरूप, जलवायु तथा मिट्टियाँ

✦ **वनों के प्रकार:-**

1. शुष्क उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन - राज्य के कुल वनों में सर्वाधिक क्षेत्र पर विस्तृत वन

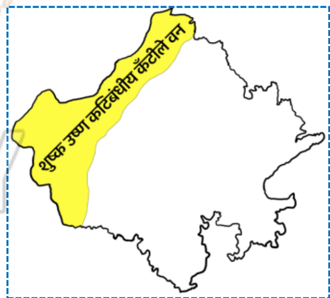

- **क्षेत्र** :- शुष्क व अर्द्धशुष्क
- **वर्षा** :- 0 - 30 सेमी.
- **वन क्षेत्र 5.70%**
- **वनस्पति** :- मरुद्भिद, रोहिड़ा, खेजड़ी, कैर, बेर, थोर, झाड़ियाँ व घास ⟶ धामण, सेवण, लीलोण
- **विशेषता :** ऊँचाई कम, पत्तियाँ छोटी, जड़ें गहरी व लंबी, छाल मोटी

2. शुष्क धोक वन-

- पश्चिमी राजस्थान के अलावा सभी जिलों में।
- **सर्वाधिक क्षेत्र :-** 58.11%
- **औसत वर्षा :-** 30-60 सेमी.
- **विस्तार:-** अर्धशुष्क मरूस्थली व अरावली क्षेत्र
- **वनस्पति :-** नीम, खैर, तेन्दु, ढाक / पलाश, धोक

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

3. मानसूनी पतझड़ वन /मिश्रित पतझड़ वन-

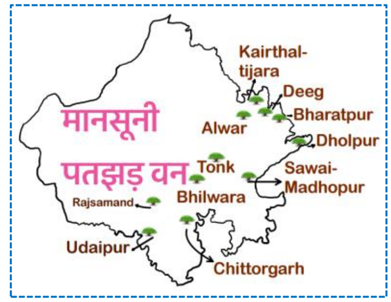

- **विस्तार :-** पूर्वी मैदानी प्रदेश
- **वन क्षेत्र :-** 28.38%
- **वर्षा :-** 50-80 सेमी.
- आर्थिक रूप से उपयोगी
- **वनस्पति :-** पलास, आम, बाँस, साल, चंदन, खैर, आँवला, साल, सागवान, शीशम / रोजवुड

4. शुष्क सागवान वन -

- **विस्तार :-** डूँगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, कोटा, बारां, झालावाड़
- सागवान अधिक
- **वन क्षेत्र :-** 6.86%
- **औसत वर्षा :-** 75-110 सेमी.
- **वनस्पति :-** बांस, महुआ, खैर, गुल्लर, आम, तेंदु, सालर।
- **महत्व :-** औद्योगिक रूप से अधिक उपयोगी।

5. उपोष्ण कटिबंध सदाबहार वनस्पति-

- **क्षेत्र:-** 0.39%
- **वर्षण :-** 125 सेमी. – 150 सेमी.
- **ऊंचाई :-** 1000 मी. - 1350 मी.
- विस्तार :- सिरोही - माउंट आबू
- **वनस्पति :-** आम, बांस, जामुन, औषधीय पादप, डिक्लीपटेरा आबू एंसिस/अम्बरतरी
- आर्थिक रूप से अधिक उपयोगी नहीं।

वनस्पति के आधार पर वर्गीकरण

1. सालर / साल वन -

- अरावली क्षेत्र में 450 मी. की ऊंचाई पर
- **कुल वन :-** 6%
- **अन्य वृक्ष :-** धोक, कठोरा, धावड़
- **उपयोग :-** पैकिंग सामग्री, माचिस, गोंद
- सुथार जाति के **"खैराड़ी"** सालर की लकड़ी से **कांवड़** बनाते हैं।

2. ढाक / पलास / खाखरा वन -

- **उपनाम :-** जंगल की ज्वाला (वानस्पतिक नाम - ब्यूटिया मोनोस्पर्मा)
- **उपयोग :-** प्राकृतिक रंग बनाने में , कोयला निर्माण
- **विस्तार :-** कठोर मृदा व कंकरीले मैदान में।

3. चंदन वन :- हल्दीघाटी, नाथद्वारा (राजसमंद)

4. बांस वन:-

- **उपनाम: - "आदिवासियों का हरा सोना"**
- **मुख्य क्षेत्र:** बाँसवाड़ा, उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़, सिरोही, कोटा, बारां, भरतपुर
- **उपयोग:** घर, टोकरियाँ, चारपाई, हस्तशिल्प आदि।

5. धोकड़ा / धोक वन:-

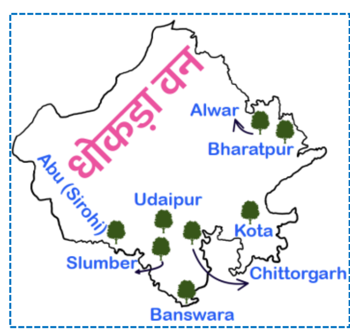

- धोकड़ा वन राजस्थान के बहुत बड़े क्षेत्र में पाये जाते है, रेगिस्तानी क्षेत्र को छोड़ कर राजस्थान के सभी क्षेत्रों का भौगोलिक पर्यावरण इनके अनुकूल है।
- इनकी लकड़ी मजबूत होती है, जिसे जलाकर कोयला बनाया जाता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

6. खैर वन:- (अकेशिया करेचु)

- उत्पत्ति - जयसमंद झील के समीप – सलूम्बर
- विस्तार - झालावाड़, कोटा, टोंक व चितौड़गढ़, उदयपुर (सर्वाधिक)
- गोंद और कत्था निर्माण (हाँडीविधि-कथौड़ी जनजाति द्वारा) में उपयोग।

7. बबूल वन :- ये वन श्रीगंगानगर, बीकानेर, नागौर, जालौर, अलवर व भरतपुर में पाए जाते हैं; नमी वाले क्षेत्रों में सघन, शुष्क क्षेत्रों में विरल होते हैं, तथा इनके साथ नीम, हिंगोटा, अरुंज, कैर व झड़बेर के वृक्ष मिलते हैं।

8. सागवान (टिकटोना ग्रैन्डिस)

- दक्षिणी राजस्थान में प्रमुख।
- वृक्षारोपण हेतु उपर्युक्त जिले: बाँसवाड़ा (सर्वाधिक), डूंगरपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़, बारां।

9. आँवला-

- उपनाम :- झाबुई /द्रोण पुष्पी
- विस्तार :- जोधपुर, पाली, सिरोही
- उपयोग :- चमड़ा साफ करने, अचार व मुरब्बा बनाने में

10. तेंदू पत्तियाँ-

- स्थानीय नाम :- टिमरू , वागड़ का चीकू
- विस्तार- अजमेर,जयपुर ,टोंक, भीलवाड़ा, कोटा, प्रतापगढ़ (सर्वाधिक)
- उपयोग - बीड़ी बनाने में
- अन्य :- उदयपुर, चितौड़गढ़, झालावाड़, बूंदी, बाँसवाड़ा

11. अर्जुन वृक्ष:-

- औषधीय पादप
- छाल :- आयुर्वेदिक दवा में उपयोग।
- सर्वाधिक :- झालावाड़

12. शहतूत:- उदयपुर, अजमेर, जयपुर

- रेशमकीट पालन
- रेशम खेती - 'टशर पद्धति – उदयपुर , बाँसवाड़ा , कोटा , झालावाड़

13. महुआ

- मधुका लोंगीफोलिया
- उपयोग :- तेल, देशी शराब
- आदिवासियों का कल्पवृक्ष
- विस्तार :- डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर , चितौड़गढ़

14. अश्वगंधा –

- औषधीय पादप
- खेती- कोटा, नागौर (नागौरी अश्वगंधा GI टैग)

15. जामुन – माउन्ट आबू

16. कुमट वृक्ष – पश्चिमी राजस्थान में (बाड़मेर)

- कुमट व गोंद प्राप्त

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

खेजड़ी	रोहिड़ा	गोंद
✦ वानस्पतिक नाम - प्रोसोपिस सिनेरिया ✦ उपनाम :- जांटी, शमी, सीमलो ✦ राजस्थान का गौरव / कल्पवृक्ष ✦ क्षेत्र - शेखावाटी ▪ राज्य वृक्ष :- 1983 ई. ▪ फूल :- मिंझर / मीमझर ▪ फल :- सांगरी ▪ स्थानीय नाम: • पंजाबी/हरियाणवी – जांटी • सिंधी – धोकड़ा • कन्नड़ – बन्ना बन्नी • तमिल – पेमेई • कीट/रोग: *सेलेस्ट्रेना कीड़ा व ग्लाइकोट्मा कवक।*	✦ वानस्पतिक नाम - टिकुमेला अण्डूलेटा ✦ उपनाम :- रेगिस्तान का सागवान, मरुटीक ,मरुशोभा ✦ राज्य पुष्प :- 1983 ई., मारवाड़ का टीक ✦ सर्वाधिक :- पश्चिमी राजस्थान	✦ प्रसिद्ध → चौहटन (बाड़मेर) ✦ प्राप्ति वृक्ष :- ▪ कुम्मट ▪ खेजड़ी ▪ इजरायली बबूल ▪ मोपेन ▪ सालर ▪ ढाक ✦ प्रमुख कारीगर: मेघवाल व मुस्लिम समुदाय

प्रमुख घास :-

1. सेवण (लसियुरस सिंडिकस)	2. धामण	3. खस
सबसे लम्बी घास सर्वाधिक :- पश्चिमी राजस्थान (जैसलमेर, बीकानेर) पोषक तत्त्व :- प्रोटीन सूखी घास :- लीलोण गोडावण की शरणस्थली	विस्तार- पश्चिमी राजस्थान उपयोग → दुधारू पशु → मधुमेह	सुगंधित घास विस्तार :- डीग,भरतपुर, सवाई माधोपुर, टोंक, करौली। उपयोग – औषधीय प्रयोग, शरबत, कमरों की छत बनाने तथा सुगंधित तेल व इत्र बनाने में।
4. बूर	**5.भंरूट/भूरट**	**6. मोचिया**
सर्वाधिक सुगन्धित बीकानेर :- नोखा/ कोलायत	कांटेदार घास खरपतवार (कचरा)	पौष्टिक घास चूरु :- तालछापर, काले हिरण खाते है।
7. मोथा/मोचा	**8. डाब**	**9. सुगनी**
घना पक्षी विहार में पाई जाती है पक्षी खाते है।	पवित्र घास	पश्चिमी राजस्थान दवा निर्माण में
10. कांग्रेस/ गाजर घास	**11. गोखरू / भाँखड़ी/ कांटी**	**12. ऐचा**
USA में गेहूँ के साथ विदेशी आक्रामक खरपतवार	पश्चिमी राजस्थान ऊँट खाते है।	घना पक्षी विहार (भरतपुर) पक्षी उलझकर मर जाते है।

राजस्थान के वन मण्डल एवं सम्बद्ध जिले :-

क्र.	वन मण्डल का नाम	अंतर्गत जिले / क्षेत्र
1.	जयपुर मण्डल	सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, दौसा, पश्चिमी सवाई माधोपुर
2.	जोधपुर मण्डल	श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, नागौर, डीडवाना-कुचामन, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बालोतरा, जालौर, पाली
3.	कोटा मण्डल	कोटा, बारां
4.	बूंदी मण्डल	बूंदी
5.	अजमेर मण्डल	अजमेर, ब्यावर
6.	भरतपुर मण्डल	अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, डीग, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर का पूर्वी भाग
7.	टोंक मण्डल	टोंक, भीलवाड़ा का उत्तरी-पूर्वी भाग
8.	झालावाड़ मण्डल	झालावाड़
9.	चित्तौड़गढ़ मण्डल	भीलवाड़ा का पश्चिमी भाग, चित्तौड़गढ़ का दक्षिणी भाग
10.	उदयपुर मण्डल	उदयपुर, राजसमंद
11.	सिरोही मण्डल	सिरोही
12.	बाँसवाड़ा मण्डल	बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ का दक्षिणी भाग

दिवस	तिथि	दिवस	तिथि
विश्व नम भूमि दिवस	2 फरवरी	वन महोत्सव सप्ताह	1-7 जुलाई (वर्षा पर निर्भर)
विश्व वन दिवस	21 मार्च	विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
विश्व जल दिवस	22 मार्च	विश्व ओजोन दिवस	16 सितम्बर
विश्व विरासत दिवस	18 अप्रैल	वन्य जीव सप्ताह	2-8 अक्टूबर या 1-7 अक्टूबर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल	**विश्व ऊर्जा दिवस**	22 अक्टूबर
विश्व जैव विविधता दिवस	22 मई	**विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस**	3 दिसम्बर
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून	**ऊर्जा संरक्षण दिवस**	14 दिसम्बर
विश्व मरूस्थल नियंत्रण दिवस	17 जून	**हरियाली अमावस्या**	श्रावण-कृष्ण अमावस्या

क्र.म.	पार्क / उद्यान	स्थान / जिला	क्र.म.	पार्क / उद्यान	स्थान / जिला
1	इको ट्यूरिज्म पार्क, झालाना	जयपुर	**17**	हर्बल गार्डन	अजमेर (पुष्कर)
2	नीलकंठ बॉयोडायवर्स फॉरेस्ट एवं इको पार्क	दौसा	**18**	सिटी नेचर पार्क	सीकर (फतेहपुर)
3	विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान, झालाना	जयपुर	**19**	बागदड़ा नेचर पार्क	उदयपुर
4	पर्यावरण पार्क, सोजत	पाली	**20**	नीमड़ी माता पार्क	बाड़मेर
5	लाखोटिया उद्यान	पाली	**21**	बटर फ्लाई वैली स्मृति वन	जयपुर
6	सत्याग्रह उद्यान	पाली	**22**	बोगनवेलिया पार्क	जयपुर
7	सोहिनी उद्यान, भीनमाल	जालौर	**23**	गमधर जैव विविधता पार्क (राजस्थान का प्रथम जैव विविधता पार्क)	उदयपुर
8	स्व. कपूर्रचन्द कुलिश स्मृति वन (राजस्थान का पहला स्मृति वन)	जयपुर (झालाना)	**24**	जैव विविधता वन, नींदड-बैनाड़ वन क्षेत्र	जयपुर
9	दीन दयाल उपाध्याय स्मृति वन (राजस्थान का दूसरा स्मृति वन)	भीलवाड़ा	**25**	जैव विविधता वन, कालवाड़ रोड गोविन्दपुरा	जयपुर
10	राजस्थान का सबसे बड़ा स्मृति वन	सीकर	**26**	इकोलॉजी पार्क	सीकर (लक्ष्मणगढ़)
11	नौलखा किला स्मृति वन	झालावाड़ (झालरापाटन)	**27**	रत्नागिरी कन्या उपवन	उदयपुर (भुवाणा)
12	पद्मश्री कैलाश सांखला स्मृति वन	जोधपुर (बेरीगंगा वनखण्ड)	**28**	किशनबाग डेजर्ट पार्क	जयपुर
13	कैक्टस उद्यान	जैसलमेर (कुलधरा)	**29**	चम्बल उद्यान / ऑक्सीजन पार्क	कोटा
14	मरू वानस्पतिक पार्क (राजस्थान का पहला)	जोधपुर (माचिया सफारी)	**30**	नगर वन उद्यान (राजस्थान का प्रथम)	उदयपुर (चीरवा की घाटी)
15	राजस्थान का सबसे बड़ा ओरण	भादरिया (जैसलमेर)	**31**	विश्व स्तरीय बर्ड पार्क (राजस्थान का पहला)	उदयपुर
16	प्रथम सर्प उद्यान / सर्वाधिक जैव विविधता ओरण (डाढ देवी वनखण्ड)	कोटा	**32**	इको पार्क व पक्षी विहार	सीकर (नानी बीड़)
			33.	नमो बायोडायवर्सिटी पार्क	अलवर (उद्घाटन- 5 अक्टूबर 2025)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

राजस्थान - वन प्रबंधन व संबंधित संस्थाएँ

A. केंद्रीय/राष्ट्रीय संस्थाएँ

- **CAZRI (Central Arid Zone Research Institute)**
  - **मुख्यालय:** जोधपुर।
  - **इतिहास:** 1952 में 'Desert Afforestation Research Station' के रूप में; 1959 में CAZRI बना।
  - **कार्य:** शुष्क/मरुस्थलीय क्षेत्रों में अनुसंधान—वनारोपण, जल संरक्षण, कृषि-टेक्नोलॉजी आदि।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **AFRI (Arid Forest Research Institute)**
  - **स्थापना:** 1988; स्थित: जोधपुर।
  - **कार्य:** मरुस्थलीय व शुष्क वनक्षेत्रों में वनों का विकास और अनुसंधान।
- **National Bureau of Plant Genetic Resources (NBPGR)**
  - **स्थापना:** अगस्त 1976 (नई दिल्ली)।
  - **क्षेत्रीय कार्यालयों में से एक:** जोधपुर (राजस्थान)।
  - **कार्य:** पौध आनुवांशिक संसाधनों का संरक्षण व प्रबंधन।

B. राज्य वन अनुसंधान केन्द्र व इकाइयाँ

- **ग्रास-फार्म अनुसंधान केन्द्र** — जयपुर
- **वन अनुसंधान फार्म** — गोविन्दपुरा, जयपुर
- **आर्बोरिकल्चरल/जैविक उद्यान** — जयपुर
- **वन अनुसंधान केन्द्र** — बांकी सिसारमा, उदयपुर
- **उद्देश्य:** राज्य के लिए सिल्वीकल्चर, क्षेत्रीय/स्थानिक अनुसंधान व मृदा-वृक्ष अनुशीलन।

C. प्रशिक्षण संस्थाएँ (राज्य)

- **राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान — जयपुर**
- **वन प्रशिक्षण केन्द्र — अलवर**
- **मरु वन प्रशिक्षण केन्द्र — जोधपुर** (1978-79)
- **वन्यजीव प्रबंधन एवं रेगिस्तान पारितंत्र प्रशिक्षण केन्द्र — तालछापर (चूरू)**
- **राज्य वन विकास अभिकरण** — राज्यस्तरीय मंच (जुलाई 2010 से)।
- **उद्देश्य:** वनकर्मियों, अधिकारियों, स्टेकहोल्डर्स व विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व क्षमता विकसित करना।

D. राजस्थान प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (State-CAMPA)

- **कानून/आधार:** प्रतिपूरक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016
- **स्थापना:** कार्यकाल प्रारम्भ: **30.09.2018**
- **क्यों:** पुराने राज्य-स्तरीय क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण फंड मैनेजमेंट एवं प्लानिंग अथॉरिटी की जगह लेना।
- **मुख्य कार्य / उपयोग:** राज्य निधि में प्राप्त राशि का उपयोग — वृक्षारोपण, वन व वन्यजीव सुरक्षा, विकास तथा वन और वन्यजीव प्रबंधन संबंधी गतिविधियों के लिये।

E. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RSPCB)

- **स्थापना:** जल-प्रदूषण (निरोध एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा-4 के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा **07 फ़रवरी 1975** को गठित।
- **मुख्य कर्तव्य:** सभी पर्यावरण अधिनियम/नियमों को राज्य स्तर पर लागू करना; जल, वायु व मृदा प्रदूषण का नियंत्रण; परमिट/पर्यवेक्षण आदि।

F. राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड

- **कानूनी आधार:** जैव-विविधता अधिनियम, 2002
- **गठन तिथि:** **14.09.2010** (राज्य सरकार के अंतर्गत)।
- **उपलब्धि उदाहरण:** गमधर जैव-विविधता पार्क (उदयपुर) बोर्ड के सहयोग से निर्मित।
- **मुख्य कर्तव्य:** जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय जैव-संसाधनों का संवर्धन, स्थानीय समुदायों के साथ काम।

G. राजस्थान स्टेट वन विकास निगम लिमिटेड (RSFDC)

- **क्यों:** इमारती लकड़ी, बांस व लघु वनउत्पादों के उत्पादन, मूल्य संवर्धन और वनों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु।
- **कानूनी स्थिति:** कंपनी का पंजीकरण (Companies Act, 2013) — **16.12.2020**; मंत्रिमंडलीय अनुमोदन **20.01.2021**।
- **कार्य:** समुचित वाणिज्यिक व टिकाऊ वन प्रबंधन, नर्सरी/बांस ब्रीडिंग, वैल्यू-एडिशन गतिविधियाँ।

अमृता देवी वन्यजीव पुरस्कार

क्रमांक	श्रेणी	पुरस्कार राशि व सम्मान
1	वन विकास एवं वन्यजीव सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली **वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति / पंचायत / ग्राम स्तरीय संस्था**	₹ **1,00,000** एवं **प्रशस्ति पत्र**
2	वन विकास, संरक्षण एवं वन सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाला **व्यक्ति**	₹ **50,000** एवं **प्रशस्ति पत्र**
3	वन्यजीव संरक्षण एवं सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने वाला **व्यक्ति**	₹ **50,000** एवं **प्रशस्ति पत्र**

- **स्थापना वर्ष:** 1994
- **प्रथम पुरस्कार विजेता:** *गंगाराम बिश्नोई (पाली)*
- **उद्देश्य:** वन्यजीव संरक्षण एवं वृक्षों की रक्षा हेतु प्रेरणा देना।
- **प्रेरणा स्रोत:** *अमृता देवी बिश्नोई* — जिन्होंने खेजड़ी वृक्षों की रक्षा हेतु बलिदान दिया था (खेजड़ली आंदोलन, 1730 ई.)।

Current Affairs :- जयपुर में आयोजित 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव 2025 के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किए गए पुरस्कार-

क्रमांक	श्रेणी	विजेता / संस्था	पुरस्कार राशि
1	**वन्यजीव सुरक्षा श्रेणी**	उपकार संस्थान – अलवर	₹ **1,00,000**
2	**वन विकास, संरक्षण और वन सुरक्षा श्रेणी**	(1) मुरारीदान बारहठ- जालौर (2) अजीत सिंह- सीकर	₹ **50,000** (प्रत्येक)
3	**वन्यजीव संरक्षण और सुरक्षा श्रेणी**	(1) डॉ. गौरीशंकर शर्मा- कोटपूतली-बहरोड़ (2) गोविंद भारद्वाज- कोटपूतली-बहरोड़	₹ **50,000** (प्रत्येक)

क्र	परियोजना का नाम	प्रारंभ वर्ष / अवधि	सहयोग / संस्था	मुख्य उद्देश्य / विशेषताएँ
1	**मरु वृक्षारोपण परियोजना**	1978	केंद्र-राज्य (75:25)	10 मरुस्थलीय जिलों में वृक्षारोपण व चारागाह विकास।
2	**इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र पुनः वृक्षारोपण व चारागाह विकास परियोजना**	1990–91	OECF, जापान	नहर क्षेत्र में हरियाली व चारागाह विकास।
3	**अरावली वृक्षारोपण परियोजना**	1992–2000 (द्वितीय चरण: 2011–21)	OECF, जापान	अरावली पर्वतमाला को पुनः हरा-भरा बनाना व मरु प्रसार रोकना।
4	**वानिकी विकास परियोजना**	1995–2002	JBIC (पूर्व OECF), जापान	15 गैर-मरु जिलों में जनसहभागिता से वृक्षारोपण व पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन।
5	**एकीकृत वनीकरण एवं पर्यावरण विकास परियोजना (IAEP)**	9वीं पंचवर्षीय योजना	भारत सरकार	कोटा, झालावाड़, बाँसवाड़ा, टोंक, उदयपुर व सरिस्का क्षेत्र में बंजर भूमि पर वृक्षारोपण।
6	**आदिवासी सहयोग से बिखरे वनों का पुनर्वास (RDFAT)**	1998–2002	भारत सरकार	उदयपुर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ में आदिवासी सहयोग से वनों का पुनर्वास।
7	**मरु प्रसार रोकथाम कार्यक्रम (CDP)**	1999–2000 से	भारत सरकार (75:25)	10 मरुस्थलीय जिलों में मरुस्थल विस्तार पर नियंत्रण।
8	**राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम (NAP)**	10वीं पंचवर्षीय योजना	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	जनसहभागिता बढ़ाना; राज्य में 33 वन विकास अभिकरण कार्यरत।
9	**हरित राजस्थान योजना**	2009–14	राज्य सरकार + मनरेगा	जनसहयोग से व्यापक वृक्षारोपण; नोडल एजेंसी – ग्रामीण विकास विभाग।
10	**राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (RFBP Phase-I)**	2003–2010	JBIC, जापान	18 जिलों में अरावली संतुलन, जैव विविधता संरक्षण, मृदा-जल संरक्षण।
11	**राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना (RFBP Phase-II)**	2011–2024	JICA, जापान	15 जिले + 7 अभयारण्य; ₹1152.53 करोड़ लागत; संयुक्त वन प्रबंधन (JFM) द्वारा वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण व आजीविका संवर्धन।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

For RAS Mains:-

◈ राजस्थान के लिए वनों का महत्व :-

1. वन नीति के अनुसार आवश्यकता

- भारत सरकार की 1952 की वन नीति के अनुसार देश के 33% क्षेत्रफल पर वनावरण होना चाहिए।
- राजस्थान में यह क्षेत्र बहुत कम है, इसलिए वन विस्तार आवश्यक है।

2. वनों से प्रत्यक्ष लाभ

- **ईंधन व इमारती लकड़ी** – घर, उद्योग व निर्माण कार्यों में उपयोग।
- **बाँस** – झोंपड़ी, टोकरियाँ, फर्नीचर व हस्तशिल्प में काम आता है।
- **वनोपज** – शहद, मोम, कत्था, गोंद, तेन्दू पत्ती (बीड़ी उद्योग हेतु)।
- **फल** – आम, जामुन, आँवला, करौंदा, खिरनी, सीताफल आदि।
- **सुगंधित घास** – *खस* जैसी घास से सुगंधित तेल व इत्र बनते हैं।
- **औषधीय पौधे** – आयुर्वेदिक दवाओं में प्रयुक्त जड़ी-बूटियाँ (गिलोय, अश्वगंधा, तुलसी आदि)।

3. वनों से अप्रत्यक्ष लाभ

- **वर्षा में सहायक** – वनों से वाष्पोत्सर्जन द्वारा मानसून को आकर्षण मिलता है।
- **तूफान व धूल-** आंधी से सुरक्षा – वायु की गति कम करते हैं।
- **तापमान नियंत्रण** – गर्मियों में शीतलता एवं आर्द्रता बनाए रखते हैं।
- **मृदा संरक्षण** – मृदा अपरदन रोकते हैं और उपजाऊ परत को बचाते हैं।
- **जल संरक्षण** – भू-जल स्तर बनाए रखने में सहायक।
- **वन्यजीव आश्रयस्थल** – जैव विविधता का संरक्षण।
- **पर्यावरण संतुलन** – वायु शुद्ध करते हैं और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।
- **प्राकृतिक सौंदर्य** – पर्यटन व सौंदर्यबोध में वृद्धि करते हैं।

4. सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व

- भारतीय परंपरा में वृक्षारोपण को पुण्य का कार्य माना गया है।
- वृक्षों की देखभाल करने वाले को देवतुल्य कहा गया है।

निष्कर्ष:- **वन राजस्थान के पर्यावरण, जलवायु, अर्थव्यवस्था** और **सांस्कृतिक जीवन** के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसलिए वन संरक्षण व विस्तार राज्य के सतत विकास के लिए अनिवार्य है।

ओरण भूमि (देवबानी) : (SUJAS Update)

◈ **परिभाषा:-** ओरण या देवबानी ऐसे संरक्षित जंगल/चारागाह होते हैं जिन्हें प्रत्येक गाँव अपने देवी-देवता के नाम पर संरक्षित करता है।

◈ **क्षेत्रफल:**

- ✦ **आकार:** कुछ वर्ग मीटर से कई सौ हेक्टेयर तक।
- ✦ **संख्या:** लगभग 25,000 ओरण।
- ✦ **देश का सबसे बड़ा:** भादरिया ओरण (जैसलमेर) – 17,804.13 हेक्टेयर।
- ✦ **राजस्थान में कुल अनुमानित क्षेत्रफल:** 6,00,000 हेक्टेयर से अधिक।

◈ **प्राकृतिक संपदा:**

- ✦ चारा, ईंधन, लकड़ी, वनोपज, जड़-जड़ी-बूटियाँ।
- ✦ समुदाय की समृद्धि का प्रतीक।

◈ **आर्थिक महत्व:**

- ✦ राजस्थान की पशुधन-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा।
- ✦ पशुपालक समुदायों के विकास में योगदान।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महत्व:**
  - देवी-देवताओं के नाम से संरक्षित।
  - लोगों की गहरी श्रद्धा और आस्था से सुरक्षित।
  - पवित्र कुंज = सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण।
- **पारिस्थितिकीय महत्व:**
  - जंगल, चारागाह, जलस्रोत = जीवन का आधार।
  - पर्यावरण संरक्षण में सहायक।
  - वनस्पति, पेड़-पौधे, वन्यजीव और प्रवासी पक्षियों का प्रवास स्थल।
- **सुरक्षा नियम:-**
  - पूर्वजों ने कठोर नियम बनाकर इनका संरक्षण सुनिश्चित किया।
  - पीढ़ी-दर-पीढ़ी श्रद्धा व मान्यताओं से सुरक्षित
- **वर्तमान स्थिति व चुनौतियाँ**
  - नई पीढ़ी में ओरणों व देवकुंजों के प्रति **रुचि व उत्साह में कमी**।
  - विकास के नाम पर **प्राकृतिक धरोहरों की उपेक्षा**।
  - पूर्वजों ने प्राण देकर इन्हें सुरक्षित रखा, लेकिन आज **दायित्व विस्मृत**।
  - ओरण नष्ट होने पर **प्राकृतिक असंतुलन व गंभीर संकट** उत्पन्न होगा।
- **न्यायालीय पहल**
  - **जुलाई 2018**:- सर्वोच्च न्यायालय का आदेश → राजस्थान के ओरण, देववन, रुद्र आदि पवित्र कुंजों को **Deemed Forest (मानित वन)** घोषित करने के निर्देश।
  - वर्गीकरण का आधार → **सांस्कृतिक व पारिस्थितिक महत्व, न कि क्षेत्रफल**।
  - **18 दिसम्बर 2024**:
    - ओरणों को **औपचारिक व कानूनी मान्यता**।
    - अतिक्रमण व भूमि उपयोग परिवर्तन रोकने हेतु **सामुदायिक संरक्षित क्षेत्र** (वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 36C) के अंतर्गत घोषित करने की अनुशंसा।
    - आदेशों की निगरानी हेतु **उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति** का गठन।
- **राज्य सरकार की पहल**:- जिला प्रशासन की मदद से **ओरणों की पहचान की प्रक्रिया प्रारंभ**।
  - संरक्षण हेतु **विशेष ध्यान व प्रयास**।
  - समाज की भागीदारी पुनः स्थापित करने का प्रयास।
- **सामाजिक भागीदारी**:- **एनजीओ व समाज के जागरूक वर्ग** सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।\
  - जन-जागरूकता बढ़ाकर ओरणों के महत्व का प्रसार।
  - स्थानीय समुदाय की सक्रिय भूमिका से सफल संरक्षण की संभावना।
- **ओरण भूमि संरक्षण-**
  - राज्य सरकार ने पूर्व न्यायाधीश जितेन्द्र राय गोयल की अध्यक्षता में समिति गठित।
  - 'टी. एन, गोडावर्मन बनाम भारत संघ वाद' में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए आदेश की अनुपालना में यह समिति गठित की गई।
  - ओरण भूमि स्थानीय देवताओं को समर्पित पवित्र वन क्षेत्र।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

अरावली ग्रीन वाल परियोजना

- प्रारंभ 25 मार्च, 2023 (टिकली, हरियाणा)
- राज्य बजट 2025-26 ₹250 करोड़
- केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
- **शामिल जिलें** :- राजस्थान 19 जिले, गुजरात 4, हरियाणा 5 जिले
- इसके तहत गुजरात से दिल्ली तक 1400 किमी. लंबा एवं 5 किमी. चौड़ा हरित पारिस्थितिक गलियारा बनाया जा रहा है।

मिशन हरियालो राजस्थान

फ्लैगशिप योजना

- वर्ष 2024 से 2028 तक 5 वर्षों के मिशन में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।
- इसके तहत आगामी मानसून सीजन में **10 करोड़ पौधारोपण** का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- **पौधारोपण कार्य का प्रारंभ -** विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से
- **पौधारोपण कार्य की मॉनिटरिंग -** मुख्य सचिव द्वारा
- उदयपुर, सिरोही एवं बांसवाड़ा में **चंदन वन** की स्थापना की जाएगी।
- **नोडल विभाग -** वन विभागवन विभाग को बड़ी संख्या में **गूलर** के वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए।

हरियालो राजस्थान अभियान – 2025

बिंदु	विवरण
अभियान का उद्देश्य	राजस्थान को हराभरा बनाना व बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना
वर्ष	7 अगस्त, 2024
लक्ष्य	10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य – पूर्ण किया गया
शीर्ष विभाग (वृक्षारोपण में)	शिक्षा विभाग
शिक्षा विभाग द्वारा लक्ष्य	3.25 करोड़ पौधे
सर्वाधिक पौधारोपण वाला जिला	जयपुर – 73.58 लाख पौधे
न्यूनतम पौधारोपण वाला जिला	डीडवाना-कुचामन – 11.07 लाख पौधे
ब्लॉक स्तर पर पौधारोपण	9.83 करोड़ पौधे
व्यक्तिगत स्तर पर पौधारोपण	37.51 लाख पौधे
कुल आवृत भूमि क्षेत्र	20 लाख हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण
नोडल विभाग	वन विभाग

अन्तरराष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च, 2026)

- **राज्य स्तरीय कार्यक्रम –** राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
- **आयोजक –** वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, राजस्थान
- **थीम –** वन एवं अर्थव्यवस्था।

वन एवं पर्यावरण विभाग

- राज्य के प्रत्येक जिले में **2-2 भीष्म वाटिका** स्थापित की जायेगी।
- राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान की अलवर शाखा द्वारा युवाओं को नेचर गाइड का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- 'एक जिला एक प्रजाति' कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले के लिए निर्धारित प्रजाति का बीज वन स्थापित किया जाएगा।
- मानव-वन्यजीव संघर्ष में जनहानि पर **मुआवजा – ₹10 लाख**
- धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर एवं अलवर में रैपिड रेस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है।
- वन्यजीवों के रेस्क्यू के लिए प्रत्येक जिले को ₹90 लाख का आवंटन किया गया है।
- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर की राज्य जल एवं वायु प्रयोगशाला में पेस्टीसाइड की जाँच के लिए आधुनिक सुविधा विकसित की जायेगी।

वृक्षारोपण

योजना/अभियान	वर्ष 2024-25		वर्ष 2025-26	
	(लक्ष्य)	(लगाए गए)	(लक्ष्य)	(लगाए गए)
एक पेड़ माँ के नाम अभियान	3 करोड़	7.34 करोड़	1.8 करोड़	8.37 करोड़
मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान (हरियालो राजस्थान)	लक्ष्य – 10 करोड़	लगाए गए–18.54 करोड़	—	—

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. राजस्थान के निम्न में से किस जिले में सेवण घास उगायी जाती है? (ASST. FOREST EXAM 2011)
(a) बीकानेर में (b) बाड़मेर में
(c) जोधपुर में (d) जैसलमेर में

2. निम्नलिखित में कौन-से जिले में 3 प्रतिशत से भी कम वन क्षेत्र है : (AGRICULTURE OFFICER 2011)
(a) उदयपुर (b) बून्दी
(c) जोधपुर (d) भीलवाड़ा

3. मरु विकास कार्यक्रम योजना – (II Grade Exam. 2011)
(a) केंद्रीय सरकार की है (b) राज्य सरकार की है
(c) गैर-सरकारी संगठनों की है (d) सार्वजनिक-निजी भागीदारी की है

4. 'हरित राजस्थान' योजना आरम्भ की गई थी – (Teacher II Grade Exam. 2011)
(a) 2007 में (b) 2009-10 में
(c) 2004-05 में (d) 2002-03 में

5. तेंदू पत्ते मुख्यत: जिस जिले में प्राप्त किये जाते हैं, वह है – (PTI Grade III Exam 2011)
(a) बीकानेर (b) नागौर
(c) बाँसवाड़ा (d) जोधपुर

6. राजस्थान का सबसे बड़ा वन क्षेत्र किन जिलों में स्थित है ? (PTI Grade II Exam 2011 Paper - I)
(a) भरतपुर एवं धौलपुर (b) सवाई माधोपुर एवं करौली
(c) भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ (d) उदयपुर एवं राजसमन्द

7. राजस्थान में काथौड़ी जनजाति मुख्यत: केन्द्रित है : (AEN Pre – 2013)
(a) उदयपुर जिले में (b) भरतपुर जिले में
(c) बाँसवाड़ा जिले में (d) बारां जिले में

8. राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्र किस जिले में है ? (AEN 2013)
(a) उदयपुर (b) करौली
(c) बाँसवाड़ा (d) सिरोही

9. तेन्दू पत्तियों का उत्पादन नहीं करने वाला जिला है – (SUB INSPECTOR COMP. EXAM 2013)
(a) बारां (b) चित्तौड़गढ़
(c) हनुमानगढ़ (d) झालावाड़

10. निम्नलिखित में से कौन से चार जिले राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले हैं ? (SCHOOL LECTURER 2013)
(a) उदयपुर, अलवर, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़
(b) उदयपुर, बारा, करौली, चित्तौड़गढ़
(c) चित्तौड़गढ़, बूंदी, सिरोही, प्रतापगढ़
(d) सिरोही, कोटा, बूंदी, अलवर

11. राजस्थान में कुल वन क्षेत्र है- (Stenographer 2011)
(a) 32,488 वर्ग कि.मी. (b) 32,701 वर्ग कि.मी.
(c) 30,640 वर्ग कि.मी. (d) 36,225 वर्ग कि.मी.

12. वनों के क्षेत्र (लीगल स्टेटस) के अनुसार राजस्थान के जिलों का अवरोही क्रम है : (PTI GR II AND III 2013)
(a) करौली, उदयपुर, बारां, चित्तौड़गढ़
(b) उदयपुर, करौली, चित्तौड़गढ़, बारां
(c) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां, करौली
(d) चित्तौड़गढ़, उदयपुर, करौली, बारां

13. राजस्थान में 50 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र किस श्रेणी में सम्मिलित है ? (Jr. Accountant-T.R.A.- 2015)
(a) आरक्षित वन क्षेत्र (b) संरक्षित वन क्षेत्र
(c) अवर्गीकृत क्षेत्र (d) सामाजिक वानिकी

14. सन् 2011-12 में राजस्थान के निम्न जिलों में से किस जिले में सर्वाधिक वन क्षेत्र थे ? (College Lecturer - 2014)
(a) करौली (b) सिरोही
(c) उदयपुर (d) प्रतापगढ़

15. निम्न में से कौन से जिलों का युग्म राजस्थान में 'कत्था' (अकेसिया कटेचु) का मुख्य उत्पादक है ? (College Lecturer - 2014)
(a) उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ (b) भरतपुर एवं अलवर
(c) बाँसवाड़ा एवं बारां (d) सीकर एवं हनुमानगढ़

16. निम्नलिखित में से कौन सा 'राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना' का उद्देश्य नहीं है ? (College Lecturer - 2014)
(a) वृक्षारोपण (b) जैव-विविधता संरक्षण
(c) बाढ़ नियंत्रण (d) जल संरक्षण

17. राजस्थान में शुष्क सागवान के वृक्षारोपण हेतु सर्वाधिक उपर्युक्त जिले हैं – (College Lecturer - 2014)
(a) बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर
(b) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर
(c) झालावाड़, बूंदी, कोटा
(d) भरतपुर, अजमेर, जयपुर

18. सागवान के वन वाला जिला युग्म है – (School Lec-2015)
(a) उदयपुर – राजसमन्द (b) सिरोही – पाली
(c) जालौर – जोधपुर (d) बाँसवाड़ा – डूंगरपुर

19. राजस्थान सरकार द्वारा पहली वन नीति का अनुमोदन कब किया गया? (RAS EXAM 2016)
(a) सितम्बर 2011 (b) अगस्त 2010
(c) मार्च 2011 (d) फरवरी 2010

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

20. राजस्थान सरकार ने कौन से वर्ष में राजस्थान जैविक विविधता नियमों को बनाया तथा राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड की स्थापना की? (RAS EXAM 2016)
(a) 2008 (b) 2010
(c) 2012 (d) 2014

21. राजस्थान का "कल्पवृक्ष" है : (Research Assi – 2016)
(a) रोहिड़ा (b) महुआ
(c) खेजड़ी (d) नीम

22. राजस्थान के किस प्रदेश में शुष्क सागवान के वन पाये जाते हैं? (Research Assistant – 2016)
(a) उत्तर-पूर्वी (b) मध्य
(c) दक्षिणी (d) पूर्वी

23. निम्नलिखित में से राजस्थान में किस श्रेणी के वनों का सर्वाधिक क्षेत्र है? (Sr. Teacher Gr II - 2015)
(a) संरक्षित वन (b) आरक्षित वन
(c) व्यापारिक वन (d) अवर्गीकृत वन

24. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष में राजस्थान जैव विविधता नियम (राजस्थान बॉयोलोजिकल डायवर्सिटी रूल्स) बनाया? (ASST. ENGINEER EXAM 2018)
(a) 1994 (b) 2002 (c) 2010 (d) 2015

25. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर का चुनाव कीजिए – (ASST. ENGINEER COMB. EXAM 2018)

	वनोत्पाद		पेड़
(अ)	इमारती लकड़ी	(i)	खैर
(ब)	कोयला	(ii)	सागवान
(स)	कत्था	(iii)	तेन्दू
(द)	बीड़ी	(iv)	धोकड़ा

कूटः
(a) i, ii, iii, iv (b) ii, iv, i, iii
(c) ii, iv, iii, I (d) i, iii, iv, ii

26. निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन से नगर नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 'सोलर सिटी' के रूप में चयनित किए गये? (ASST. ENGINEER EXAM 2018)
(a) जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर (b) जयपुर, जोधपुर, बीकानेर
(c) जयपुर, जोधपुर, उदयपुर (d) जयपुर, जोधपुर, अजमेर

27. केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान कहाँ स्थित है – (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
(a) जोधपुर (b) बीकानेर
(c) बाड़मेर (d) गंगानगर

28. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन 75 से 110 सेमी औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
(a) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन तथा झाड़ियाँ
(b) मिश्रित पतझड़ वन
(c) शुष्क वन
(d) शुष्क सागवान वन

29. सही कथनों का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये – (College Lecturer– 2018)
A. अर्द्ध-उष्ण सदाबहार वन आबू पर्वत क्षेत्र में मिलते हैं।
B. शुष्क सागवान के वन राजस्थान के दक्षिणी भागों में केन्द्रित हैं।
C. मिश्रित पतझड़ वाले वन उत्तरी राजस्थान में मिलते हैं।
D. 'खेजड़ी' वृक्ष शुष्क वनों की विशेषता है।
कूटः (a) A, B और C सही हैं। (b) A, B और D सही हैं।
(c) B, C और D सही हैं। (d) A, B, C और D सही हैं।

30. माउंट आबू के चारों ओर 1000–1300 मीटर की ऊँचाई एवं 150 सेंटीमीटर वर्षा वाले भागों में किस प्रकार के वन पाये जाते हैं? (Asst. Statistical Officer - 2018)
(a) शुष्क सागवान वन (b) मिश्रित पर्णपाती वन
(c) अर्द्ध उष्ण सदाबहार वन (d) शंकुधारी वन

31. राजस्थान में नए जल संभर (watershed) के चुनाव में निम्न में से किस मानदंड को सर्वाधिक भारिता (महत्त्व) दी जाती है? (Food Safety Officer – 2019)
(a) क्षेत्र, जिसमें पेय जल की विकट कमी हो।
(b) क्षेत्र, जिसमें अनुसूचित जाति, जनजाति तथा गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या 75% से अधिक हो।
(c) जहाँ समाज परियोजना के पूर्णता के उपरांत उसके रख-रखाव को तत्पर हो।
(d) जिन क्षेत्रों में मजदूरी अत्यंत न्यून हो।

32. राजस्थान राज्य की नवीनतम वन नीति प्रचलन में आई – (Food Safety Officer – 2019)
(a) 1988 में (b) 2018 में
(c) 2010 में (d) 2008 में

33. शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (AFRI) अवस्थित है – (Librarian Grade - II – 2019)
(a) जयपुर में (b) जोधपुर में
(c) जैसलमेर में (d) जालौर में

34. 'सालार' के वन वितरित हैं (Librarian Gr - II – 2019)
(a) भरतपुर, दौसा, सीकर और नागौर जिलों में
(b) टोंक, सवाई माधोपुर और धौलपुर जिलों में
(c) कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारा जिलों में
(d) अलवर, उदयपुर, सिरोही और अजमेर जिलों में

35. राजस्थान राज्य जैवविविधता बोर्ड की स्थापना किस वर्ष में की गई ? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) 2005 (b) 2008
(c) 2010 (d) 2012

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

36. वर्तमान में राजस्थान में कुल वन क्षेत्र का कितने प्रतिशत सुरक्षित वन क्षेत्र के अन्तर्गत आता है ?
(Agriculture Research Officer – 2020)
(a) लगभग 38% (b) लगभग 27%
(c) लगभग 56% (d) लगभग 33%

37. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौन सा न्यूनतम वन क्षेत्र प्रतिशत वाला जिला है ? (Agri Res. Offi. - 2020)
(a) जैसलमेर (b) बीकानेर
(c) जोधपुर (d) बाड़मेर

38. निम्न में से सालार वन किस जिले में नहीं पाए जाते हैं ?
(Agri. Officer – 2020)
(a) अलवर (b) सिरोही
(c) कोटा (d) उदयपुर

39. किस वर्ष राजस्थान राज्य पर्यावरण नीति घोषित की गई ?
(Agri. Officer – 2020)
(a) 2012 (b) 2008
(c) 2001 (d) 2010

40. राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन सा वृक्ष गोंद का स्रोत नहीं है? (Yoga & Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)
(a) बबूल (b) बाँस
(c) नीम (d) पीपल

41. निम्नलिखित में से कौन सा वृक्ष राजस्थान का राज्य वृक्ष है?
(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)
(a) खेजड़ी (b) नीम
(c) कीकर (d) शीशम

42. निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं? नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनिये - (Asst. Testing Offi. - 2021)
(A) मिश्रित पतझड़ वन 250 सेमी.–300 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में उगते हैं।
(B) राजस्थान में वन क्षेत्र का 25% से अधिक भाग मिश्रित पतझड़ वनों के अन्तर्गत आता है।
(C) धोक, साल, बाँस, खैर आदि पेड़ राजस्थान में मिश्रित पतझड़ वनों में पाये जाते हैं।

कूट :
(a) A और B (b) केवल C
(c) केवल B (d) B और C

43. राजस्थान में बेर एवं खजूर अनुसंधान केन्द्र स्थित है –
(Asst. Testing Officer – 2021)
(a) उदयपुर (b) जयपुर
(c) कोटा (d) बीकानेर

44. राजस्थान में जिलों का समूह जिसमें राज्य के कुल वन क्षेत्र का लगभग आधा आवरण पाया जाता है –
(Superintendent Garden – 2021)
(a) उदयपुर, दौसा, बारां, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, टोंक, कोटा
(b) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, पाली, अजमेर, बूंदी, सिरोही, कोटा
(c) उदयपुर, बारां, अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा, जालौर, बूंदी
(d) चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, उदयपुर, बारां, अलवर, सिरोही, बूंदी

45. राजस्थान में जेट्रोफा आधारित बायो-डीज़ल पायलट प्लांट अवस्थित है- (Asst. Prof. (Clg. Education) - 2020)
(a) झामरकोटड़ा, उदयपुर (b) कोलायत, बीकानेर
(c) बिठ्ठलदेव, बाँसवाड़ा (d) बेरी, अजमेर

46. निम्नलिखित जिला समूह में से किसमें सालार या साल (बोसवालिया सेराता) के वन पाये जाते हैं ?
(Asst. Prof. (Clg. Education) - 2020)
(a) सवाई माधोपुर, बूंदी, धौलपुर, करौली
(b) टोंक, जयपुर, दौसा, सीकर
(c) कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़
(d) अलवर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सिरोही

47. निम्न में से किस जिले में उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वाले वन नहीं पाए जाते हैं? (Head Master Praveshika School - 2021)
(a) अलवर (b) बाँसवाड़ा
(c) बूंदी (d) जालौर

48. निम्न में से किस जिले में, उप-उष्ण पर्वतीय वन पाए जाते हैं?
(RAS EXAM 2021)
(a) सिरोही (b) उदयपुर
(c) बाँसवाड़ा (d) झालावाड़

49. राजस्थान के किस जिले में उपोष्णकटिबंधीय पर्वतीय वन पाए जाते हैं? (Lecturer – 2021)
(a) कोटा (b) सिरोही
(c) झालावाड़ (d) अलवर

50. राजस्थान में खैर वनीय क्षेत्र पाए जाते हैं –
(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) बीकानेर – बाड़मेर (b) कोटा – सवाई माधोपुर
(c) जालौर – सिरोही (d) अजमेर – भीलवाड़ा

51. राजस्थान में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना वर्ष .... में की गई। (Statistical Officer – 2021)
(a) 2013 (b) 2016
(c) 2018 (d) 2019

52. राजस्थान में 31 दिसम्बर 2020 के अनुसार सर्वाधिक आरक्षित वन किस जिले में है? (Asst. Agri Officer – 2021)
(a) उदयपुर (b) चित्तौड़गढ़
(c) अलवर (d) सवाई माधोपुर

53. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष 'राजस्थान राज्य पर्यावरण नीति' बनाई? (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(a) 1996 (b) 2010
(c) 2002 (d) 2006

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

54. राजस्थान वन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2000 वर्ग किलोमीटर से अधिक कुल वन क्षेत्र वाले जिलों की संख्या है- [Agriculture Dept. 2024]
(a) 05 (b) 04
(c) 01 (d) 02

55. वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2023-24 के अनुसार राजस्थान में रक्षित वन (Protected Forest) का क्षेत्र था (100% में से) [Asst. Professor 2025]
(a) 36.99% (b) 59.51%
(c) 52.30% (d) 56.51%

56. माउंट आबू के आसपास, जहाँ वर्षा 150 से.मी. से अधिक है, वन पाए जाते हैं – (A.R.O. - 2022)
(a) अर्द्ध उष्ण सदाबहार वन (b) उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ वन
(c) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन (d) मिश्रित पतझड़ वन

57. राजस्थान वन विभाग के प्रशासनिक प्रतिवेदन (2023-24) के अनुसार, राजस्थान के कुल वन क्षेत्र में अवर्गीकृत वनों का प्रतिशत क्या है? [Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(a) 7.25% (b) 6.92%
(c) 6.50% (d) 8.56%

58. वन विभाग, राजस्थान प्रशासनिक प्रतिवेदन 2023-24 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला है ? [Asst. Engineer (A.En.) - 2025]
(a) झालावाड़ (b) कोटा
(c) प्रतापगढ़ (d) बूंदी

59. निम्नलिखित में से कौन से जिलों का समूह राजस्थान में सर्वाधिक कुल वन क्षेत्र को ढकता है? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)
(a) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां तथा करौली
(b) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ तथा टोंक
(c) बूंदी, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर तथा झालावाड़
(d) अलवर, सिरोही, जोधपुर तथा जयपुर

60. किन जिलों में मिश्रित पतझड़ी वन पाए जाते हैं? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)
(a) उदयपुर, कोटा, बूंदी, चित्तौड़गढ़
(b) प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, नागौर
(c) अजमेर, पाली, सिरोही, चूरू
(d) अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जालौर

61. सालार वन निम्नलिखित में से किन जिलों में मिलते हैं ? (Hospital Care Taker – 2022)
(a) कोटा, बूंदी, झालावाड़ (b) अलवर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
(c) सिरोही, पाली, डूंगरपुर (d) टोंक, नागौर, करौली

62. निम्नलिखित जिलों में से किन जिलों में शुष्क सागवान वन पाये जाते हैं? (Sr Physical Edu. Teacher Exam - 2022
(a) पाली एवं जालौर जिले (b) सीकर एवं झुंझुनू जिले
(c) चूरू एवं बीकानेर जिले (d) डूंगरपुर एवं बाँसवाड़ा जिले

63. किस प्रकार के वन केवल माउंट आबू क्षेत्र में पाए जाते हैं? (Asst. Town Planner – 2022)
(a) उपोष्णकटिबंधीय पर्वतीय वन
(b) उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
(c) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन (d) अल्पाइन वन

64. वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार, उन जिलों के समूह का चयन कीजिए जहाँ 2021 के आंकलन के अनुसार वनावरण उनके भौगोलिक क्षेत्र के 10% से अधिक हो। (Food Safety Officer – 2022)
(a) सीकर, जालौर, झालावाड़ (b) राजसमन्द, करौली, धौलपुर
(c) बाँसवाड़ा, भरतपुर, दौसा (d) पाली, भीलवाड़ा, अजमेर

65. वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022 के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह में 2019-2021 के बीच अधिकतम दर (% में) से वन का विनाश हुआ? (Food Safety Officer – 2022)
(a) सिरोही तथा जालौर (b) करौली तथा भरतपुर
(c) सिरोही तथा भरतपुर (d) जालौर तथा करौली

66. 'राजस्थान स्टेट इनवायरमेन्ट पॉलिसी' सर्वप्रथम किस वर्ष लागू की गई थी ? (Food Safety Officer – 2022)
(a) 2011 (b) 2016
(c) 2010 (d) 2014

67. निम्नलिखित में से राजस्थान में किस प्रकार के वन सर्वाधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)
(a) मिश्रित पतझड़ी वन (b) उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन
(c) शुष्क सागवान वन (d) खैर वन

68. इण्डिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट-2023 के अनुसार निम्नलिखित में से सबसे कम कुल वनावरण क्षेत्र वाले जिलों का युग्म कौनसा है? [Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) जोधपुर तथा गंगानगर (b) चूरू तथा सीकर
(c) चूरू तथा जोधपुर (d) चूरू तथा हनुमानगढ़

69. भारत राज्य वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार, वनस्पति आवरण के संदर्भ में वन क्षेत्र 16,654 वर्ग किमी है व राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत है। (RAS Exam – 2023)
(a) 6.74 (b) 7.48
(c) 8.47 (d) 4.87

70. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (RAS Exam – 2023)

	वन्यजीव अभयारण्य	जिला
(a)	शेरगढ़	बूंदी
(b)	बस्सी	चित्तौड़गढ़
(c)	रामसागर वन विहार	धौलपुर
(d)	सीतामाता	प्रतापगढ़

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

71. राजस्थान के वन, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा हाल ही में जारी की गई एक अधिसूचना के अनुसार राज्य में कितनी वेट-लैंड्स हैं ? (RAS Exam – 2023)
(a) 50 (b) 44 (c) 38 (d) 30

72. निम्न में से किस क्षेत्र में उपोष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन पाए जाते हैं? (Statistical Officer Exam – 2023)
(a) केलवाड़ा (b) कोलायत
(c) आबू (d) सूरतगढ़

73. राजस्थान सरकार ने जलवायु परिवर्तन नीति की शुरुआत की (Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(a) 2010 (b) 2021
(c) 2018 (d) 2023

74. वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार निम्नलिखित में से किस जिले में आरक्षित वन का क्षेत्रफल सर्वाधिक है ? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) चित्तौड़गढ़ (b) अलवर
(c) उदयपुर (d) प्रतापगढ़

75. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड का गठन कब हुआ? (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) 7 फरवरी, 1975 (b) 7 फरवरी, 1986
(c) 17 फरवरी, 1978 (d) 17 फरवरी, 1976

76. 'भारत-राज्य वन स्थिति रिपोर्ट 2021' के अनुसार, राजस्थान में वन के अन्तर्गत वनस्पति आवरण के संदर्भ में भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत है – (Archaeology & Museums - 2023)
(a) 4.87 (b) 15.02
(c) 9.01 (d) 3.02

77. राजस्थान में सर्वाधिक शुष्क सागवान वन पाये जाते हैं – (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) कोटा वन खण्ड में (b) बाँसवाड़ा वन खण्ड में
(c) अजमेर वन खण्ड में (d) जयपुर वन खण्ड में

78. राजस्थान में शुष्क मिश्रित पतझड़ वन पाए जाते हैं – (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़ में
(b) अजमेर, टोंक, जयपुर में
(c) उदयपुर, कोटा, बारां, चित्तौड़गढ़ में
(d) अलवर, सवाई माधोपुर, भरतपुर में

79. राजस्थान वन नीति 2023 के अनुसार, राज्य में अगले 20 वर्षों में वन आवरण को भौगोलिक क्षेत्र के कितने प्रतिशत तक बढ़ाया जाना है? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) 30% (b) 40% (c) 10% (d) 20%

80. ISFR 2019 – राजस्थान रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में कुल वनावरण का कितना प्रतिशत अत्यधिक अग्नि प्रवण क्षेत्र था? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) 2.48 (b) 0.00 (c) 3.62 (d) 0.32

81. राजस्थान के किस क्षेत्र (प्रदेश) में सालार (बोसवेलिया सेराटा) वन मिलते हैं? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ (b) अरावली की उच्च श्रेणियों में
(c) मध्य माही बेसिन (d) शेखावाटी प्रदेश

82. राजस्थान में 31 मार्च 2022 को संरक्षित वनों के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल था – (Archives Dept - 2024)
(a) उदयपुर जिले में (b) करौली जिले में
(c) बाँसवाड़ा जिले में (d) बारां जिले में

83. राजस्थान में खुली बिक्री हेतु अधिकृत बायोडीजल का प्रकार है- (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) B-100 (b) RJ-100
(c) BF-100 (d) R-100

84. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में सागवान मुख्यत: से मिलता है? (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) सिरोही, राजसमंद, अजमेर, कोटा
(b) जैसलमेर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बारां
(c) नागौर, पाली, जालौर, कोटा
(d) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर

85. भारत राज्य वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार, वनस्पति आवरण के संदर्भ में वन क्षेत्र 16,654 वर्ग किमी है व राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्र का ______ प्रतिशत है। (RAS (Pre) Exam – 2023)
(a) 6.74 (b) 7.48 (c) 8.47 (d) 4.87

86. भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021 के अनुसार, राजस्थान में वनावरण था – (Asst. Statistical Officer– 2024)
(a) 14655 वर्ग कि.मी. लगभग
(b) 16655 वर्ग कि.मी. लगभग
(c) 19655 वर्ग कि.मी. लगभग
(d) 18655 वर्ग कि.मी. लगभग

87. राजस्थान हरित हाइड्रोजन नीति कब से प्रभाव में आई? (Asst. Prof. – 2024)
(a) 2024 से (b) 2023 से
(c) 2022 से (d) 2021 से

88. वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2023–24 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसे जिले का वनावरण प्रतिशत उसके कुल भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से द्वितीय स्थान पर रहा? (Asst. Prof. (Sanskrit Clg Edu.) – 2024)
(a) प्रतापगढ़ (b) बारां
(c) सिरोही (d) अलवर

89. सालार वन निम्नलिखित में से किन जिलों में मिलते हैं? (Sr. Teacher (Sanskrit Edu.) Exam – 2024)
(a) अलवर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर (b) कोटा, बूंदी, टोंक
(c) सिरोही, पाली, डूंगरपुर (d) बारां, सवाई माधोपुर, दौसा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

90. राजस्थान में 'ओरण' क्या है? (Librarian Gr-II - 2024)
(a) पूर्वी राजस्थान के चारागाह
(b) पश्चिमी राजस्थान की बंजर भूमि
(c) पश्चिमी राजस्थान के पवित्र उपवन
(d) पूर्वी राजस्थान के पवित्र उपवन

91. भारत – वन स्थिति रिपोर्ट–2021 के अनुसार, वर्ष 2019–2021 के आंकलन में, निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह के वनों के आवरण में ऋणात्मक परिवर्तन हुआ? (Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)
(a) जालौर तथा अजमेर (b) करौली तथा जालौर
(c) करौली तथा बीकानेर (d) जालौर तथा नागौर

92. वन विभाग, राजस्थान वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार, राज्य का प्रति व्यक्ति औसत वनावरण तथा वृक्षावरण है – (Agriculture Officer Exam – 2024)
(a) 0.027 हेक्टेयर (b) 0.037 हेक्टेयर
(c) 0.022 हेक्टेयर (d) 0.032 हेक्टेयर

93. निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर वन क्षेत्र की पहचान कीजिए – (PTI and Librarian – 2024)
(अ) यह राजस्थान में लगभग 52 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पाये जाते हैं।
(ब) वार्षिक वर्षा लगभग 150 से.मी. है।
(स) यह 1070 से 1375 मीटर की ऊँचाई पर पाये जाते हैं।
कूट –
(a) मिश्रित पतझड़ वन (b) सालर वन
(c) ढाक वन (d) उपोष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

94. निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर राजस्थान के वन प्रकार को पहचानिए : (Mines And Geology - 2024)
(अ) यह वन सामान्यतः उदयपुर में तथा कोटा, बूंदी, चित्तौड़गढ़ तथा सिरोही जिलों के कुछ भागों में पाए जाते हैं।
(ब) इन वनों में सामान्यतः धोकड़ा, गुलर, आम, पलाश, सेमल आदि वृक्ष पाए जाते हैं।
(स) यह वन 300 से 1200 मीटर की ऊँचाई पर पाए जाते हैं।
कूट :
(a) शुष्क सागवान (b) उपोष्ण सदाबहार
(c) मिश्रित पतझड़ (d) उष्णकटिबंधीय कांटेदार

95. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में उपोष्ण पर्वतीय वन पाये जाते हैं? (Public Relation Officer – 2024)
(a) मध्य अरावली पर्वतीय क्षेत्र (b) उत्तर अरावली पर्वतीय क्षेत्र
(c) पश्चिम अरावली पर्वतीय क्षेत्र (d) आबू पर्वतीय क्षेत्र

96. 31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान के कुल वन क्षेत्रफल वाले सर्वोच्च तीन जिले थे : – (Lecturer and Coach - Exam-2024)
(a) उदयपुर, अलवर, बारां (b) उदयपुर, बारां, प्रतापगढ़
(c) उदयपुर, अलवर, चित्तौड़गढ़ (d) उदयपुर, बारां, करौली

97. भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2023 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसा जिला समूह (अविभाजित) के कुल क्षेत्रफल में वन क्षेत्र का प्रतिशत सबसे कम था? (Asst. Director - 2024)
(a) चूरु तथा जोधपुर (b) जोधपुर तथा जयपुर
(c) बाड़मेर तथा अजमेर (d) नागौर तथा दौसा

98. निम्नलिखित में से किस जिले में तेंदू का वन नहीं है ? (Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)
(a) अलवर (b) बूंदी (c) उदयपुर (d) कोटा

99. राज्य के दक्षिणी उच्च भूमि के सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बारां तथा झालावाड़ जिलों में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन पाए जाते हैं ? (Deputy Jailor - 2024)
(a) खैर वन (b) शुष्क सागवान वन
(c) पलाश वन (d) उपोष्ण पहाड़ी वन

100. "मिश्रित पर्णपाती वन" राजस्थान के निम्नलिखित जिलों के किस युग्म में अधिकतर पाये जाते हैं?[Deputy Com.– 2025]
(a) उदयपुर - कोटा (b) सीकर – चूरू
(c) हनुमानगढ़ - बीकानेर (d) पाली – जालौर

101. निम्नलिखित में से किस जिले में शीशम वृक्ष प्रमुखता से पाया जाता है ? [Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) झालावाड़ (b) चित्तौड़गढ़
(c) सीकर (d) गंगानगर

102. धोकड़ा, पलाश, तेंदू और सेमल के वृक्ष किस प्रकार के वन में पाये जाते हैं ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) शुष्क सागवान वन (b) उष्णकटिबन्धीय कंटीले वन
(c) मिश्रित पतझड़ वन (d) अर्द्ध-उष्ण सदाबहार वन

103. राजस्थान में 2023-24 में किस श्रेणी के वनों का क्षेत्र, कुल वन क्षेत्र का 50% से अधिक था ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) आरक्षित वन (b) रक्षित वन
(c) पर्वतीय वन (d) अवर्गीकृत वन

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Answer Key

1	d	2	c	3	a	4	b	5	c	6	d	7	*	8	a	9	c	10	*
11	a	12	c	13	b	14	c	15	a	16	c	17	b	18	d	19	d	20	b
21	c	22	c	23	a	24	c	25	b	26	d	27	b	28	d	29	b	30	c
31	a	32	c	33	b	34	d	35	c	36	c	37	c	38	c	39	d	40	b
41	a	42	d	43	d	44	d	45	a	46	d	47	d	48	a	49	b	50	b
51	d	52	a	53	b	54	c	55	d	56	a	57	c	58	c	59	a	60	a
61	b	62	d	63	a	64	b	65	d	66	c	67	c	68	d	69	d	70	a
71	b	72	c	73	d	74	c	75	a	76	a	77	b	78	c	79	d	80	a
81	b	82	d	83	a	84	d	85	d	86	b	87	b	88	a	89	a	90	c
91	b	92	b	93	d	94	c	95	d	96	d	97	a	98	a	99	a	100	a
101	d	102	c	103	b														

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान के 'पवित्र उपवन' स्थलों का वर्णन कीजिए। **[RAS Mains 2024 (5 Marks)]**

7 मृदा संसाधन

◈ **परिभाषा:-** भू-पृष्ठ की सबसे ऊपरी परत, जो पौधों को उगने और बढ़ने के लिए आवश्यक जीवांश तथा खनिजांश प्रदान करती है, मृदा कहलाती है।

डॉ. बैनेट के अनुसार - "मिट्टी भू-पृष्ठ पर मिलने वाले असंगठित पदार्थों की वह ऊपरी परत है जो मूल चट्टानों व वनस्पति के योग से बनती है।"

◈ **निर्माण प्रक्रिया:-** मृदा की रचना प्राकृतिक दशाओं में चट्टानों के अपक्षय और जैविक क्रियाओं से होती है; इस प्रक्रिया में चट्टान, जल, वायु, तापमान, वनस्पति और जीव-जंतु सभी का योगदान होता है।

मृदाएँ

- **रचना विधि के आधार पर**
  - **स्थानीय**
    - मूल स्थान पर
    - उदा. - काली मृदा
  - **विस्थापित**
    - विस्थापन से निर्माण
    - वायु व जल
    - उदा. - जलोढ़ मृदा
    - मरूस्थल ⟶ बालू मृदा
- **कणों के आधार पर**
  - **अत्यंत बारीक**
    - चीका
    - काली मिट्टी
  - **मध्यम आकार**
    - जलोढ़ मृदा
  - **अत्यंत मोटे**
    - बालू रेत
- **pH मान के आधार पर**
  - **मध्यम आकार**
    - अम्लीय (pH मान 7 से कम)
    - उदासीन (pH मान - 7 -8)
    - क्षारीय (pH मान 8.5 से अधिक)

मृदा वर्गीकरण

- **सामान्य वर्गीकरण**
  - **राजस्थान**
    - राज्य कृषि विभाग द्वारा 14 प्रकार
  - **भारत**
    - ICAR द्वारा
    - 35 प्रकार - 8 मुख्य, 27 गौण
- **वैज्ञानिक वर्गीकरण**
  - (आधार - नई प्रणाली) USDA, वाशिंगटन USA द्वारा
    - राजस्थान - 5
    - भारत - 12

✦ **प्रमुख मिट्टियाँ:-** रासायनिक तत्वों के आधार पर
- प्रकार - 10
- आधार – रंग, संगठन, उर्वरता

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

◈ **मृदा की उर्वरता :-** मृदा तभी उपजाऊ कहलाती है जब उसमें पर्याप्त मात्रा में-
- ✦ जीवांश
- ✦ खनिजांश
- ✦ वानस्पतिक अंश हो।
- ✦ इनके बिना शैलों के कण उपजाऊ नहीं होते।

◈ **मृदा निर्माण का मूल स्रोत:-** मृदा का निर्माण जनक चट्टान के अपक्षय से होता है; केवल 1 सेंटीमीटर मृदा के बनने में सैकड़ों वर्ष लगते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **मृदा के घटक :-** मृदा चार प्रमुख घटकों से बनी होती है-

1. खनिज कण (45%) **2. ह्यूमस/ जैविकतत्व (5%)** **3. जल (25%)** **4. वायु (25%)**

◈ **मृदा की परतें :-** मृदा की तीन प्रमुख परतें होती है

✦ **परतों की इस पूरी व्यवस्था को "मृदा परिच्छेदिका " कहा जाता है।**

परत	विवरण	विशेषता
ऊपरी परत	जैव पदार्थ, ह्यूमस, जल एवं पोषक तत्वों से युक्त	पौधों की वृद्धि हेतु उपर्युक्त
मध्य परत	बालू, गाद, चिकनी मिट्टी (क्ले) एवं खनिज पदार्थों की उपस्थिति	अपक्षय प्रक्रिया स्पष्ट
निचली परत	अपक्षयित चट्टान (जनक सामग्री) से बनी	ऊपर की परतों का आधार
जनक चट्टान	ठोस आधारभूत चट्टान	मृदा निर्माण का मूल स्रोत

राजस्थान में पायी जाने वाली प्रमुख मृदा समूह

1. रेतीली /बलुई/ मरूस्थलीय/ शुष्क/ प्यासी मृदा:-

✦ कण मोटे

✦ **अधिकता -** कैल्शियम, फॉस्फेट; **कमी -** नाइट्रोजन, कार्बनिक पदार्थ

✦ **फसलें -** बाजरा, मौंठ, ग्वार, मूँगफली, चना, आदि।

✦ **विशेषताएँ –**

- **इसका निर्माण प्रधानत:** भौतिक अपक्षय द्वारा होता है।
- यह मृदा पवनों के द्वारा स्थानान्तरित होती रहती है।
- इसमें उपजाऊ तत्वों की मात्रा कम व लवणता अधिक होती है।
- इसमें जल धारण क्षमता कम पाई जाती है।
- pH का उच्च मान

विभाजन ⇒ चार प्रकार

लाल रेतीली
- जलधारण क्षमता अधिक
- विस्तार

↓

खारी मिट्टी
- लवणों की अधिकता
- कृषि संभव नहीं
- केवल घास
- विस्तार

↓

रेतीली बालू
- गंगानगर
- बीकानेर
- चूरू
- जोधपुर
- जैसलमेर
- बाड़मेर
- झुंझुनूं

पीली-भूरी रेतीली मृदा
- गहराई में चूना
- उपनाम - स्टेपी
- विस्तार - नागौर व पाली
- डीडवाना – कुचामन

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. भूरी - रेतीली मृदा:-

- **निर्माण-** लूणी नदी के अवसाद व बलुआ पत्थर के अपरदन द्वारा
- धूसर मरूस्थलीय, सिरोजम (ग्रे-पेन्टेड)
- **अधिकता** - फॉस्फेट
- **कमी** - नाइट्रेट
- **उपजाऊ** - अधिक
- **कृषि** - बारानी
- **फसलें** - ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ, तिल, जीरा, ईसबगोल, अरण्डी
- **विस्तार** - अरावली के सहारे पश्चिम में

3. लवणीय मृदा (रेह/कल्लर/खार/ऊसर):-

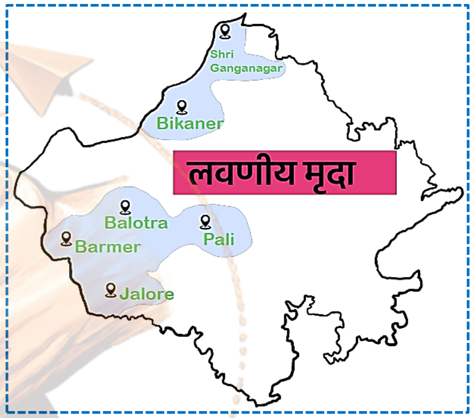

- **विशेषता** -
  - सोडियम क्लोराइड की अधिकता
  - उर्वरता में कमी
  - चारागाह व झाडीनुमा पौधे
- **फसलें** - अनार व गन्ना

4. काली/ मध्यम काली मृदा:-

- **उपनाम** - कपासी, रेगुर, स्वत: जुताई वाली, ज्वालामुखी मृदा, चरनोजम, वर्टीसॉल
- **अधिकता** - क्ले व चीका, कैल्शियम, पोटाश, आयरन, टाइटेनियम, मैग्निशियम, एल्युमिनियम
- **कमी** - नाइट्रोजन, फॉस्फेट, जैविक तत्व
- **विस्तार** - दक्षिण-पूर्वी राजस्थान हाडौती (कोटा,बून्दी, बारां,झालावाड)
- **विशेषताएँ** –

(i) यह चीका प्रधान दोमट मिट्टी है।
(ii) टाइटेनिफेरस मेग्नेटाइट के कारण रंग काला
(iii) इस मिट्टी में कैल्शियम व पोटाश पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है परन्तु नाइट्रोजन की कमी मिलती है।
(iv) यह उपजाऊ मिट्टी है जिसमें व्यापारिक फसलों गन्ना, धनिया, चावल व सोयाबीन की अच्छी पैदावार होती है।
(v) जलधारण क्षमता अधिक
(vi) स्वत: जुताई - चिपचिपा व दरार पड़ने पर
(vii) इसका निर्माण बेसाल्ट लावा चट्टानों के अपरदन से हुआ है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

5. लाल – लोमी मृदा (लैटेराइट):-

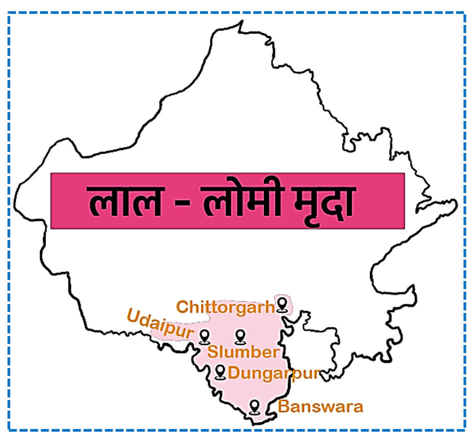

- **रंग** - लाल (लौह ऑक्साइड की अधिकता) ✦ **कण** - बारीक
- **फसलें** - मक्का, गन्ना, चावल ✦ **आर्द्रता** - अधिक समय तक
- **विस्तार** - राजस्थान का दक्षिणी भाग में, सर्वाधिक बांसवाड़ा एवं डूँगरपुर।
- **विशेषताएँ** –

(i) इसमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, ह्यूमस, पोटाश आदि की कमी पाई जाती है।
(ii) लौह तत्व की उपस्थिति के कारण इस मिट्टी का रंग लाल दिखाई देता है।
(iii) इस मिट्टी में मक्का, चावल व गन्ने की खेती की जाती है।
(vi) **निर्माण:** कायांतरित चट्टानों के अपरदन व निक्षालन क्रिया द्वारा।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

6. लाल – काली मृदा:-

- **अधिकता** – आयरन एवं पोटास
- **कमी** – नइट्रोजन, फास्फोरस, केल्सियम, जैविक तत्व
- **विस्तार** – डूँगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बुंदी, झालावाड़
- **विशेषताएँ** – यह उपजाऊ मिट्टी है, इसमें कपास, गन्ना, मक्का, अफीम आदि की खेती की जाती है।

7. लाल – पीली मृदा:-

- **रंग** - लाल (लौह ऑक्साइड की उपस्थिति के कारण), **पीला रंग**- जल अवशोषण के बाद
- **अधिकता**- आयरन एवं पोटाश; **कमी** - नाइट्रोजन, कैल्शियम, कार्बनिक यौगिक
- **फसलें** - मूँगफली और ज्वार, सरसों
- **विशेषताएँ** –
  (i) इस मिट्टी में उपजाऊ तत्वों की कमी होती है।
  (ii) यह मिट्टी ग्रेनाइट, शिस्ट व नीस चट्टानों के विखण्डन से निर्मित है।
  (iii) इसमें चूना व नाइट्रोजन की कमी पाई जाती है।
  (iv) लौह अंश के कारण इस मिट्टी का रंग लाल व पीला होता है।
  (v) इस मृदा पर जलवायु व स्थानीय दशाओं का प्रभाव दिखाई देता है।

8. भूरी मिट्टी:-

- कृषि के लिए उपर्युक्त
- **विस्तार** - अरावली का पूर्वी भाग बनास बेसिन, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, भीलवाड़ा

9. पर्वतीय मृदा (लिथोसोल्स):-

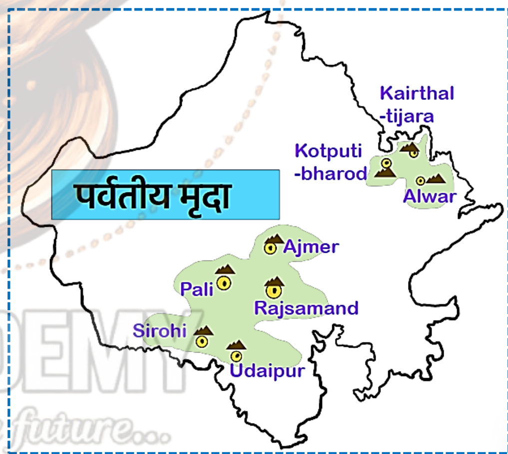

- **लाल** - भूरी कंकरीली व कम गहरी मृदा
- कृषि के लिए उपर्युक्त नहीं
- **विस्तार** - अरावली के उच्च पर्वतीय क्षेत्र एवं उदयपुर व कोटा

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

10. कछारी /जलोढ़ / दोमट:-

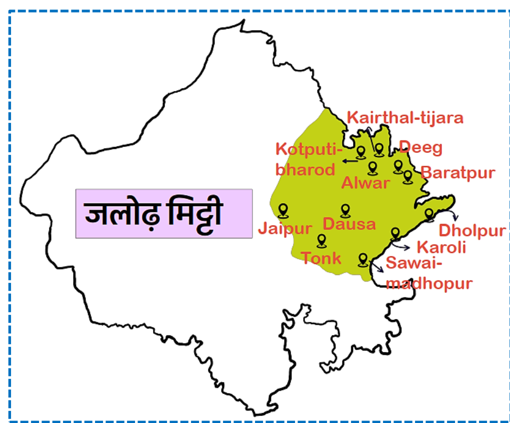

- **विस्तार** - राजस्थान का पूर्वी मैदान
- **विशेषताएँ** –
  (i) यह हल्के भूरे लाल रंग की होती है।
  (ii) यह गठन में रेतीली दोमट प्रकार की होती है।
  (iii) यह मिट्टी उपजाऊ होती है।
  (iv) इसमें फॉस्फोरस, पोटाश व लौह अंश पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं पर नाइट्रोजन, चूना की कमी पाई जाती है।
  (v) यह मिट्टी गेहूँ, सरसों, कपास व तम्बाकू के लिए बहुत उपयोगी है।
  (vi) नई जलोढ़ खादर व पुरानी जलोढ़ बांगर कहलाती है।
  (vii) इसका निर्माण नदियों द्वारा जमा किए गए अवसादों से होता है।
- **फसलें**- गेहूँ, सरसों, चावल, गन्ना, जौ
- **नोट** :- भूरी जलोढ़ मृदा (जलोढ़ मृदा का प्रकार) हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, अलवर, भरतपुर में पाई जाती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (USDA के अनुसार)

1. एण्टीसॉल (पीली – भूरी)-

- शुष्क व अर्द्धशुष्क जलवायु प्रदेश में
- राजस्थान में सर्वाधिक पायी जाने वाली मृदा
- **विस्तार** → पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में
- **उपवर्ग/उपसमूह-** टोरी सामेंट्स और डस्ट-फ्लुवेन्ट्स
- **रंग :-** हल्का पीला व भूरा
- अविकसित मृदा

2. एरीडीसॉल्स -

- शुष्क / बलुई
- पश्चिमी मरुस्थल में विस्तार (शुष्क जलवायु में)
- दूसरी सबसे ज्यादा पायी जाने वाली मृदा
- **उपवर्ग/उपसमूह-** केम्बो ऑरथिड्स, कैल्सी ऑर्थीड्स, सेलोथ्रिड्स और पेली ऑर्थीड्स
- **विशेषता:-** इसकी निचली परतों में केल्सियम, जिप्सम, नमक की परतें पाई जाती हैं।

3. इन्सेप्टीसॉल्स -

- अर्द्धशुष्क व आर्द्र जलवायु प्रदेश में
- राजस्थान के दक्षिणी भाग में (सिरोही, पाली, राजसमंद, उदयपुर, सलुम्बर, भीलवाड़ा, चित्तौडगढ़ में प्रधान रूप से व जयपुर, सवाई माधोपुर, झालावाड़ में कहीं-कहीं मिलती है।)
- **उपवर्ग/उपसमूह-** उस्टोक्रेप्ट्स

4. वर्टीसॉल्स (काली मृदा)-

- **विस्तार -** आर्द्र से अति आर्द्र जलवायु प्रदेश
- दक्षिण व दक्षिण पूर्वी राजस्थान
- **उपवर्ग/उपसमूह-** Usterts (पेल्यूस्टर्टस व क्रोमस्टर्टस)
- **जिले-** यह झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी में प्रधान रूप से तथा सवाई माधोपुर, भरतपुर, डूंगरपुर, बांसवाडा में सीमित रूप से मिलती है।

5. अल्फीसॉल्स-

- **जलोढ मृदा -** नदी बेसिन
- पूर्वी मैदानी प्रदेश
- **विस्तार -** उपआर्द्र से आर्द्र जलवायु प्रदेश
- **उपवर्ग/उपसमूह-** Ustalalfs (हेप्लुस्ताल्फस)
- **जिले -** यह जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, डीग, सवाई माधोपुर, टोंक, भीलवाड़ा, चित्तौडगढ़, बांसवाडा, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ आदि जिलों में पायी जाती है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

कृषि विभाग द्वारा वर्गीकृत मृदा → 14 प्रकार

मृदा	विस्तार
रेवरीना	श्रीगंगानगर
साई रोजेक्स	श्रीगंगानगर
जिप्सीफेरस	बीकानेर
मरुस्थलीय मृदा	बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर, श्रीगंगानगर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, फलौदी, पश्चिमी नागौर
मरूस्थल व बालूका स्तूप	जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, फलौदी, बालोतरा
कैल्सी ब्राउन डेजर्ट सॉइल	जैसलमेर व बीकानेर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

नॉन कैल्सी ब्राउन	जयपुर, अलवर, नागौर, अजमेर, सीकर, झुन्झुनूं, ब्यावर
नवीन भूरी	भीलवाड़ा, अजमेर, ब्यावर
पीली-भूरी	जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, चितौड़गढ़, उदयपुर, सलूम्बर
ग्रे-ब्राउन जलोढ़ मिट्टी	पाली, नागौर, जालौर, अजमेर, सिरोही, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन
नवीन जलोढ़	अलवर, सवाई माधोपुर, भरतपुर, जयपुर, डीग
काली-गहरी मध्यम मृदा	हाड़ौती, चितौड़गढ़, झालावाड़, भरतपुर, डीग
लाल लोमी	डूंगरपुर, बाँसवाड़ा
पर्वतीय	कोटा व उदयपुर, सलूम्बर

मृदा की समस्याएँ

(1) अपरदन (Erosion):- "मृदा की ऊपरी सतह का कटाव"

- **कारक/Factors:** जल, हिमनद
- **राजस्थान → पवन (MAX^{M}):** पश्चिमी राजस्थान → मरूस्थलीकरण का कारण

प्रकार

वर्षा जल द्वारा
1. बूंदाघात अपरदन (Splash Erosion)
2. परतदार /चादरी अपरदन (Sheet Erosion)

नदी जल द्वारा
1. अवनालिका अपरदन (Gully Erosion)
2. रिल अपरदन (Rill Erosion)

वायु द्वारा
1. सतही रेंगन (Surface Creeping)
2. सॉल्टेशन (Saltation)
3. निलंबन (Suspension)

कारण

मानवजनित
[1] वनों की कटाई [2] अति पशुचारण
[3] खनन [4] अवैज्ञानिक कृषि
उदाहरण:- झूम, एकल फसल

प्राकृतिक
[1] वर्षा जल [2] नदी जल द्वारा कटाव
[3] पवन द्वारा अपरदन [4] धरातलीय संचार
उदाहरण:- ढलान

उपाय

[1] वृक्षारोपण
[2] रक्षक मेखलाएं (wind break)
[3] खण्डवार चराई/आवर्ती चराई (Paddock Grazing)
[4] सीढीदार खेती (Terrace farming) (Contour farming)
[5] बांध एढनीकट का निर्माण
[6] **फसल चक्रण-** Inter cropping / Crop rotation

(2) क्षारीयता की समस्या :– PH → 8.5 , तेलिया भूमि

- **कारण :-** रासायनिक उर्वरकों का अधिक उपयोग
- **उपाय :-** ढेंयें की फसल, गोबर की खाद/हरी खाद, Gypsum का प्रयोग

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(3) लवणता की समस्या :– मृदा की लवण की अधिकता के कारण ऊपरी सतह पर सफेद परत जम जाना।

- **कारण :–** अत्यधिक सिंचाई व वाष्पीकरण (कैशिकत्व की क्रिया)
- **उपाय :–** जिप्सम, निक्षालन, बूंद-बूंद सिंचाई, उचित जल निकासी
- **प्रभावित क्षेत्र :–** बाड़मेर, बालोतरा, जालौर + श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर

(4) सेम की समस्या :– जलभराव/ जलाक्रांता की स्थिति।

- **कारण :–** अत्यधिक सिंचाई, स्पष्ट जल निकासी का अभाव, नहरों से जल रिसाव
- **उपाय :–** Pumping, Canal Lining, बूंद-बूंद व फव्वारा सिंचाई पद्धति, स्पष्ट जल निकासी, सफेदा (युकेलिप्टस) व वृक्ष का उपयोग
- **प्रभावित क्षेत्र :–** SG, HNU, बीकानेर

(5) मृदा अवकर्षण (Soil Degradation) :– जैविक + रासायनिक + भौतिक गुणवत्ता का ह्रास (उर्वरता का ह्रास)

- **कारण :–** अवैज्ञानिक कृषि/दोष पूर्ण कृषि पद्धति, रासायनिक उर्वरकों का अधिक उपयोग, औद्योगिक इकाई से निकला धुऑ, राख/ अपरिस्कृत जल, अपरदन।
- **उपाय :–** फसल चक्रण, जैविक खाद, Mulching, औद्योगिक इकाईयों के जल का परिष्करण।

सरकार द्वारा किए गए प्रयास :-

- **Soil & Composit Swaraj Campaign-** मिट्टी परीक्षण, जैविक खाद उत्पादन हेतु प्रशिक्षण।
- **Soil Health card-** मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति के बारे में जागरूक करना
- **वृक्षारोपण कार्यक्रम -** अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट / हरियालो राजस्थान अभियान
- ड्रिप व सूक्ष्म सिचाई प्रणाली को अनिवार्य करना।

मृदा की प्रभावित करने वाले कारक

1. जलवायु –

- **वर्षा :-** (a) वर्षा अधिक → लेटराइटमृदा (b) वर्षा कम → शुष्क मृदा
- **तापमान :-**

  (a) **तापमान - अधिक** Soil Temp ↑→ microbial activity↑

  (b) **तापमान - कम** Soil Temp ↓ - Humus ↓ (Humic acid ↑)

2. जैविक पदार्थ (Biota) :–

(a) Humus **अधिक** → जलधारण↑, कटाव ↓, PH संतुलित, Toxic पदार्थ का संचयन ↓

(b) Humus **कम** → जलधारण↓, कटाव ↑, PH असंतुलित, Toxic पदार्थ का संचयन ↑

3. अपक्षय प्रक्रिया :–

(a) मृदा की संरचना का निर्धारण – मोटे कण → रेतीली मृदा ; – बारीक कण → काली/जलोढ मृदा

4. जनक चट्टान :–

(a) बेसाल्ट चट्टान → काली मृदा (b) कायांतरित व क्रिस्टलीय चट्टान → लाल मृदा (c) बलुआ पत्थर → चुना पत्थर → शुष्क मृदा

5. अवधि :–

(a) अवधि अधिक → परिपक्व मृदा (परतें स्पष्ट) (b) अवधि कम → अपरिपक्व मृदा (स्पष्ट परतों का अभाव)

6. उच्चावय :–

(a) ढाल → पतली परत व नमी ↓ (b) घाटी → विकसित परत व नमी ↑, Humus ↑

7. अवस्थिति :–

(a) स्थानीय/Sedentary soil → जनक चट्टान के गुण ↑ (b) विस्थापित/ Transported Soil → जनक चट्टान के गुण ↓

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में इनमें से कौन-सी मृदा की प्रधानता है? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) लाल मृदा (b) भूरी रेतीली मृदा
(c) मध्यम काली मृदा (d) लाल एवं पीली मृदा

2. वर्टिसोल्स राजस्थान के कौन से जिलों में पायी जाती है? (SCHOOL LECTURER 2013 Geography)
(a) झालावाड़ – बारा (b) जयपुर - दौसा
(c) नागौर – पाली (d) गंगानगर – हनुमानगढ़

3. राजस्थान के निम्नांकित किन जिलों में 'लाल लोमी' (Red Loam) मृदा पाई जाती है ? (College Lecturer - 2014)
(a) उदयपुर – कोटा (b) भीलवाड़ा - अजमेर
(c) बाँसवाड़ा – डूंगरपुर (d) जयपुर – दौसा

4. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए – (College Lecturer - 2014)

सूची - I (मिट्टी के प्रकार)	सूची - II (जिले)
A. एरिडीसोल्स	पाली, सिरोही, राजसमन्द, भीलवाड़ा
B. इन्सेप्टिसोल्स	झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी
C. वर्टीसोल्स	चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर
D. अल्फीसोल्स	जयपुर, अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर

विकल्प:
(a) A-3, B-1, C-2, D-4 (b) A-4, B-3, C-1, D-2
(c) A-1, B-2, C-3, D-4 (d) A-2, B-1, C-4, D-3

5. लाल व पीली मिट्टी वाला जिला युग्म है – (School Lecturer-2015 (Geography))
(a) भरतपुर – धौलपुर (b) श्रीगंगानगर – हनुमानगढ़
(c) सवाई माधोपुर – करौली (d) झालावाड़ – बारां

6. हाड़ौती पठार पर निम्नलिखित में से कौन-सी मृदा पाई जाती है? (Research Assistant – 2016)
(a) वर्टिसोल्स (b) इन्सेप्टिसोल्स
(c) अल्फिसोल्स (d) एंटिसोल्स

7. लाल–चिकनी बलुई मिट्टी (लाल–लोमी) राजस्थान के कौन से जिलों में पायी जाती है? (Asst. Engineer Comb. 2018)
(a) कोटा — चित्तौड़गढ़ (b) बारां — झालावाड़
(c) उदयपुर — डूंगरपुर (d) अजमेर — पाली

8. राजस्थान के किस प्रदेश में वर्टी मृदा मिलती है? (College Lecturer– 2018)
(a) हाड़ौती का पठार (b) घग्घर का मैदान
(c) लूनी बेसिन (d) शेखावाटी

9. पाली, नागौर तथा अजमेर जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है? (Asst. Statistical Officer - 2018)
(a) पीली–भूरी (b) धूसर–भूरी (ग्रे–ब्राउन) जलोढ़
(c) लाल दोमट (d) गहरी मध्यम काली

10. कृषि विभाग, राजस्थान के मृदा वर्गीकरण के अनुसार 'रेवरिना' मृदा पायी जाती है (Food Safety Officer - 2019)
(a) गंगानगर (b) बीकानेर
(c) उदयपुर (d) जालौर

11. डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा के अधिकांश भाग में है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) रेवरिना मृदा (b) लाल दोमट (लोम) मृदा
(c) ग्रे ब्राउन जलोढ़ मृदा (d) जिप्सीफेरस मृदा

12. राजस्थान के सिरोही और पाली जिलों में कौन से प्रकार की प्रधान मृदा मिलती है ? (Librarian Grade - II – 2019)
(a) इनसेप्टीसोल्स (b) वर्टीसोल्स
(c) अल्फीसोल्स (d) एण्टीसोल्स

13. मिश्रित लाल व काली मृदा कौन से जिलों में पायी जाती है?
(a) पाली – सिरोही (b) डूंगरपुर – बाँसवाड़ा
(c) अजमेर – नागौर (d) धौलपुर – करौली

14. राजस्थान के कौन से क्षेत्र में एन्टीसोल समूह की मृदाएँ पायी जाती हैं ? (Evaluation Officer – 2020)
(a) दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र (b) दक्षिणी भाग
(c) पश्चिमी भाग (d) पूर्वी भाग

15. जिप्सीफेरस मृदा पाई जाती है (Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)
(a) श्रीगंगानगर (b) भरतपुर
(c) कोटा (d) बीकानेर

16. राजस्थान के किस जिले में लाल मिट्टी मिलती है? (Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)
(a) जोधपुर (b) बाँसवाड़ा
(c) सिरोही (d) कोटा

17. निम्न में से कौन सा एक उपाय मृदा संरक्षण का नहीं है? (Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)
(a) वृक्षारोपण (b) फसलों की हेराफेरी
(c) अत्यधिक जलपूर्ति (d) ऐनिकट का निर्माण

18. राजस्थान के कौन-से भाग में काली मृदा पायी जाती है? (Superintendent Garden – 2021)
(a) उत्तरी-पूर्वी भाग (b) मध्यवर्ती भाग
(c) दक्षिणी अरावली क्षेत्र (d) दक्षिण-पूर्वी भाग

19. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र सतही जल द्वारा मृदा अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित है ? (Asst. Prof. (College Education) - 2020)
(a) गोडवाड़ प्रदेश (b) शेखावाटी प्रदेश
(c) चम्बल प्रदेश (d) मारवाड़ प्रदेश

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

20. राजस्थान में मध्यम काली मिट्टी का विस्तार किस प्रदेश में है?
(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) अरावली (b) हाड़ौती
(c) अर्द्ध शुष्क मरुस्थल (d) पूर्वी मैदानी

21. मृदा का प्रकार जो राजस्थान में प्रमुखतः झालावाड़, बारां एवं कोटा जिलों में पाया जाता है –
(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) भूरी रेतीली मिट्टी (b) काली रेगुर मिट्टी
(c) लाल मिट्टी (d) लवणीय रेतीली मिट्टी

22. लाल लोमी मृदा पाई जाती है —
(Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) अलवर, भरतपुर और दौसा जिलों में
(b) डूंगरपुर और उदयपुर जिलों के मध्य
(c) कोटा और बारा जिलों के मध्य में
(d) जैसलमेर, जोधपुर और बाड़मेर जिलों में

23. वर्टीसोल मृदा मुख्य रूप से पाई जाती है –
(Asst. Statistical Officer – 2021)
(a) झालावाड़, कोटा, बूंदी, बारां जिलों में
(b) चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर जिलों में
(c) सिरोही, पाली, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ जिलों में
(d) जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर जिलों में

24. डूंगरपुर और बाँसवाड़ा जिलों में किस प्रकार की मृदा मिलती है?
(Hospital Care Taker – 2022)
(a) काली मृदा (b) लाल-लोमी मृदा
(c) पीली-भूरी मृदा (d) जलोढ़ मृदा

25. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है ? **(Assistant Engineer - Civil)**
(a) कोटा (b) बूंदी
(c) बारां (d) दौसा

26. काली मिट्टी राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में पायी जाती है? **(Asst. Town Planner – 2022)**
(a) चूरू (b) सिरोही
(c) बारां (d) दौसा

27. उदयपुर तथा कोटा जिलों में अधिकांशतः कौन सी मृदा पायी जाती है ? **(Food Safety Officer – 2022)**
(a) कैल्सी ब्राउन मृदा (b) नवीन भूरी मृदा
(c) पर्वतीय मृदा (d) लाल दोमट

28. एरिडो मृदा समूह प्रधानतः राजस्थान के किस प्रदेश में पाया जाता है? **(Statistical Officer Exam – 2023)**
(a) दक्षिणी राजस्थान (b) पश्चिमी राजस्थान
(c) उत्तर-पूर्वी राजस्थान (d) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान

29. हाड़ौती प्रदेश में प्रमुख मृदा की प्रकार है :
(Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(a) एण्टी मृदा (b) इन्सेप्टी मृदा
(c) वर्टी मृदा (d) अल्फी मृदा

30. कैम्बोर्थिड्स, केल्सीऑर्थिड्स, सेलोर्थिड्स और पेलिऑर्थिड्स निम्न में से राजस्थान की किस मृदा के उप-विभाग हैं ?
(ASST. ENGINEER 2023)
(a) एल्फीसोल्स (b) एण्टीसोल्स
(c) एरिडोसोल्स (d) वर्टीसोल्स

31. सिरोही, पाली तथा राजसमन्द में अधिकांशतः निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?
(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) इन्सेप्टीसोल्स (b) वर्टीसोल्स
(c) एरिडोसोल्स (d) एन्टिसोल्स

32. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में लाल रेतीली मिट्टी पायी जाती है? **(Archives Dept Recruitment - 2024)**
(a) जोधपुर, चूरू, झुंझुनू (b) सिरोही, प्रतापगढ़, राजसमन्द
(c) कोटा, बारां, झालावाड़ (d) अजमेर, जयपुर, दौसा

33. निम्नलिखित तथ्यों के आधार पर राजस्थान में पायी जाने वाली मृदा की पहचान कीजिए: **[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]**
(A) इस मृदा का निर्माण प्राचीन क्रिस्टलीय तथा कायान्तरित चट्टानों से हुआ है।
(B) इस मृदा में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस तथा ह्यूमस की कमी पायी जाती है।
(C) यह मृदा अधिकांशतः डूंगरपुर एवं बाँसवाड़ा जिलों में पायी जाती है।
कूट:
(a) लाल लोमी मृदा (b) जलोढ़ मृदा
(c) भूरी मृदा (d) मध्यम काली मृदा

34. राजस्थान के कृषि विभाग के वर्गीकरण के अनुसार 'गहरी, मध्यम काली मृदा पाई जाती है –
[Agriculture Dept. 2024]
(a) अलवर तथा सवाई माधोपुर में (b) डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा में
(c) चित्तौड़गढ़ तथा भीलवाड़ा में (d) उदयपुर तथा राजसमंद में

35. राजस्थान के किन जिलों में लाल लोमी मिट्टी पायी जाती है?
(Archives Department Recruitment - 2024)
(a) उदयपुर, डूंगरपुर (b) जैसलमेर, जालौर
(c) नागौर, अजमेर (d) कोटा, बारां

36. एरिडोसॉल मिट्टियाँ राजस्थान के निम्न में से कौन से जिला-युग्म में पाई जाती हैं ? **[Asst. Professor 2025]**
(a) चुरू, झुन्झुनूं (b) नागौर, टोंक
(c) नागौर, अजमेर (d) बाड़मेर, बीकानेर

37. सिरोही, पाली, भीलवाड़ा तथा उदयपुर जिलों में अधिकांशतः निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदा पाई जाती है?
(Asst. Prof. – 2024)
(a) इन्सेप्टिसोल्स (b) वर्टिसोल्स
(c) अल्फीसोल्स (d) एन्टिसोल्स

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

38. जयपुर, दौसा और अलवर जिलों में किस मृदा की प्रधानता है? **(RAS (Pre) Exam – 2024)**

(a) एन्टीसोल (b) इन्सेप्टीसोल
(c) वर्टीसोल (d) अल्फीसोल

39. राजस्थान में नॉन–कैल्साइट ब्राउन (भूरी) मृदा किन जिलों में पाई जाती है? **(Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)**

(a) जालौर, पाली तथा बालोतरा (b) प्रतापगढ़, डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा
(c) गंगानगर, चूरू तथा बीकानेर (d) जयपुर, सीकर तथा झुंझनूं

40. नागौर तथा पाली की प्रमुख मृदा प्रकार है : **(Mines And Geology Dept. Exam - 2024)**

(a) लाल रेतीली मृदा (b) लाल तथा पीली मृदा
(c) अल्फी मृदा (d) पीली, भूरे रेतीली मृदा

41. निम्नलिखित में से कौन सी मृदा का प्रकार राजस्थान के शुष्क क्षेत्र में पाया जाता है ? **(Public Relation Officer – 2024)**

(a) वर्टीसोल्स (b) इनसेप्टीसोल्स
(c) एन्टिसोल्स (d) अल्फीसोल्स

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – **(Research Assistant – 2024)**

सूची-I (मृदा का प्रकार)	सूची-II (जिला)
(A) रेवेरिना	(i) कोटा
(B) जिप्सीफेरस	(ii) बाँसवाड़ा
(C) लाल लोम	(iii) बीकानेर
(D) पर्वतीय मृदा	(iv) श्री गंगानगर

कूट: (a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)

43. निम्नलिखित में से किन प्रदेशों में नॉन-कैल्सिक भूरी मिट्टी पाई जाती है? **(Asst. Director - 2024)**

(a) गंगानगर, उदयपुर, कोटा, बूंदी
(b) नागौर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर
(c) भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, बीकानेर
(d) नागौर, सीकर, अलवर, जयपुर

44. कोटा, बूंदी तथा झालावाड़ में अधिकाशः किस प्रकार की मृदा पाई जाती है ? **(Asst. Testing Officer – 2024)**

(a) पर्वतीय मृदा (b) गहरी मध्यम काली मृदा
(c) पीली भूरी मृदा (d) रिवेरिना

45. राजस्थान में पीली भूरी मृदा के क्षेत्र हैं – **(Tech. Ass. – 2024)**

(a) जोधपुर, अलवर, भीलवाड़ा (b) भीलवाड़ा, टोंक, उदयपुर
(c) नागौर, अजमेर, टोंक (d) उदयपुर, कोटा, बाँसवाड़ा

46. निम्नलिखित मृदा विशेषताएँ – **(Agri Officer – 2024)**

(A) लवणों का उच्च प्रतिशत
(B) उच्च पी.एच. मान तथा जैविक पदार्थों की कमी
किस प्रकार की मृदा में पायी जाती है?

(a) लाल लोमी मृदा (b) काली मृदा
(c) जलोढ़ मृदा / कछारी मृदा (d) रेतीली / बालू मृदा

47. राजस्थान के डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा जिलों में अधिकांशतः निम्नलिखित में से किस प्रकार की मृदा पाई जाती है? **[Deputy Com.– 2025]**

(a) लाल लोम मृदा (b) पर्वतीय मृदा
(c) पीली-भूरी मृदा (d) नवीन भूरी मृदा

48. ग्रे-ब्राउन जलोढ़ मृदा पाई जाती है – **[Asst. Fisheries D. O. 2025]**

(a) जोधपुर तथा बीकानेर में
(b) उदयपुर तथा राजसमंद में
(c) भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ में
(d) जालौर तथा पाली में

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

Answer Key

1	c	2	a	3	c	4	a	5	c	6	a	7	c	8	a	9	b	10	a
11	b	12	a	13	b	14	c	15	d	16	b	17	c	18	d	19	c	20	b
21	b	22	b	23	a	24	b	25	d	26	c	27	c	28	b	29	c	30	c
31	a	32	a	33	a	34	c	35	a	36	a	37	a	38	d	39	d	40	d
41	c	42	c	43	d	44	b	45	b	46	d	47	a	48	d				

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

8 प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ

- राजस्थान में जल देश के कुल सतही जल का **1.16 प्रतिशत** है।
- राजस्थान में देश के कुल भूमिगत जल का **1.72 प्रतिशत** है।
- **सिंचाई प्रतिशत के आधार पर -**
  - **सर्वाधिक** सिंचाई वाला जिला **श्रीगंगानगर** है।
  - **न्यूनतम** सिंचाई वाला जिला **चूरू** है।
- **सिंचाई क्षेत्रफल के आधार पर -**
  - **सर्वाधिक** सिंचित क्षेत्र वाला जिला **श्रीगंगानगर** है।
  - **न्यूनतम** सिंचित क्षेत्र वाला जिला **राजसमंद** है।
- स्रोतवार शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल **(आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार)** :- 99,27,680 (हेक्टेयर)
- स्रोतवार सकल सिंचित क्षेत्रफल **(आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार)** :- 1,34,62,172 (हेक्टेयर)

सिंचाई माध्यम

- कुआँ/ नलकूप ⇓ 73.45% जयपुर, अलवर
- नहर ⇓ 23.67 % श्रीगंगानगर
- तालाब ⇓ 0.41 % भीलवाड़ा, पाली
- अन्य ⇓ 2.47 %

- **सर्वाधिक सिंचाई** ⟶ कुएँ और नलकूप - 69.39% (नलकूपों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई वाला रीजन भरतपुर रीजन, सबसे अधिक अनुकूल दशाएँ जयपुर क्षेत्र में) (HM सक्सेना के अनुसार 60%)

सिंचाई परियोजनाओं के प्रकार

- लघु परियोजनाएँ ⇓ 0-2000 हेक्टेयर (34)
- मध्यम परियोजनाएँ ⇓ 2000-10,000 हेक्टेयर (5)
- वृहद परियोजनाएँ ⇓ 10,000 हेक्टेयर से अधिक (6)

Note:- सर्वाधिक योगदान- लघु सिंचाई परियोजनाओं का (आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार)

- **बहुउद्देशीय परियोजनाएँ :-** एक से अधिक उद्देश्य - सिंचाई, पेयजल, विद्युत उत्पादन, मत्स्यपालन।

प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ

नदी आधरित

चम्बल परियोजना

- **निर्माण :-** 3 चरणों में 4 बाँधों का निर्माण किया गया।
- **परियोजना साझेदारी :-** राजस्थान : मध्यप्रदेश = 50 : 50

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

बांध

I चरण (1960)

(A) गांधी सागर बाँध

- **निर्माण – 1959 में पूर्ण हुआ है**
- **मंदसौर (M.P.)**
- चौरासीगढ़ दुर्ग के 8 किमी दक्षिण में
- **विद्युत उत्पादन -** 115 MW (23 MW × 5)
- चम्बल पर सबसे बड़ा व सबसे ऊँचा बाँध (62 m)

(B) कोटा बैराज बाँध

- **निर्माण – 1954**
- **केवल सिंचाई**
- **सर्वाधिक फैलाव क्षेत्र (केचमेंट एरिया):-** 4.5 लाख हेक्टेयर
- **सिंचित क्षेत्र :-** मध्यप्रदेश
  राजस्थान - कोटा, बून्दी, बारां व सवाई माधोपुर

संरचना : गेट 16
लम्बाई 438 मीटर
चौड़ाई – 42 मीटर

- **नहरे:-** बायीं नहर - कोटा - बून्दी
  दायी नहर - कुल लिफ्ट नहरें = 14
  (राजस्थान – 8, मध्य प्रदेश – 6)

लिफ्ट नहर (राजस्थान)

दीगोद	जालीपुरा	पचेत	कचारी	सोरखंड	गणेशगंज	अंता	अंता माइनर
कोटा	**कोटा**	**बारां**	**बारां**	**बारां**	**बारां**	**बारां**	**बारां**

II चरण (1970)

राणा प्रताप सागर बाँध

- **रावतभाटा (चित्तौड़गढ़)**
- **विद्युत उत्पादन -** 172 MW (43 MW × 4)
- रावतभाटा परमाणु ऊर्जा सयंत्र को जलापूर्ति
- राजस्थान का सबसे बड़ा बाँध

III चरण (1972)

जवाहर सागर/कोटा बाँध

- बोरबास गाँव (कोटा)
- **कोटा -** बूंदी (सीमा पर)
- **विद्युत उत्पादन -** 99 MW (33 MW × 3)
- कोटा बैराज से 16 किमी दूर
- चम्बल का पिकअप डैम

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

- **सर्वाधिक लाभ -** कोटा, बारां व बूंदी
- **कुल विद्युत =** 386 MW
  - **राजस्थान =** 193 MW, मध्यप्रदेश = 193 MW
- **लाभ :-** बाढ़ नियंत्रण, मृदा कटाव, मत्स्य पालन, बीहड नियंत्रण
- **कमियाँ :-** क्षारीयता, अपवाह तंत्र प्रभावित
- चम्बल परियोजना 1950 में केन्द्रीय जल शक्ति बोर्ड द्वारा स्वीकृत की गयी।

माही परियोजना

- 1959 – 60 में स्वीकृत
- 31 अक्टूबर 1983 में पूर्ण
- इस परियोजना के अन्तर्गत माही नदी पर तीन बाँध बनाए गए है।
- **परियोजना में साझेदारी :-** गुजरात : राजस्थान – 55 : 45
- **तीन चरण :** I – बाँध; II – नहर; III – विद्युत गृह निर्माण

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

बाँध

✦ माही बजाज सागर	✦ कागदी पिक अप बांध	✦ माही बजाज सागर बांध
▪ प्रथम चरण ▪ बोरखेड़ा (बाँसवाड़ा) ▪ राजस्थान का सबसे लम्बा (3109 मीटर) व आदिवासी क्षेत्र का सबसे बड़ा बाँध जल ग्रहण क्षेत्र – 6240 वर्ग किमी	▪ द्वितीय चरण ↓ नहरें ▪ भीखाभाई सागवाडा - डूंगरपुर ▪ आनंदपुरा भूकिया – बाँसवाड़ा ▪ माही बजाज सागर का पानी लिफ्ट किया गया है	▪ तृतीय चरण ▪ विद्युत उत्पादन – 140.95 MW 25 MW × 2 = 50 MW 45 MW × 2 = 90 MW • संपूर्ण लाभ - राजस्थान • राजस्थान को लाभ नर्मदा नहर पूर्ण होने के बाद मिला

परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना

- परवन वृहद सिंचाई एवं पेयजल योजना को पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति मिलने के बाद इसका शिलान्यास 17 सितम्बर 2013 को किया गया।
- यह परियोजना झालावाड़ जिले के खानपुर के निकट ग्राम अकावद पर परवन नदी पर प्रगतिरत है।
- बाँध की कुल जल भराव क्षमता 490 मिलियन घन मीटर तथा उपयोगी भराव क्षमता 462 मिलियन घन मीटर है।
- परियोजना में 317 मिलियन घन मीटर जल सिंचाई हेतु आरक्षित है।
- सिंचाई के लिए बूँद- बूँद (फव्वारा पद्धति) द्वारा जल उपयोग का प्रावधान किया गया है।
- परियोजना के अंतर्गत कुल 637 ग्रामों के 2,01,400 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा प्रस्तावित है -
  - **प्रथम चरण:** 1,31,400 हेक्टेयर
  - **द्वितीय चरण:** 70,000 हेक्टेयर
- पेयजल सुविधा हेतु 50 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित है, जिससे बारां, झालावाड़ और कोटा जिलों के कुल 1402 ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।
- शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के लिए 16 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित है।
- तापीय विद्युत परियोजनाओं हेतु 79 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित है, जिससे 2970 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा।
- दिसम्बर, 2019 तक इस परियोजना द्वारा 2.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन किया जा चुका है।

भाखडा - नांगल परियोजना

- भाखड़ा नांगल बांध होशियारपुर पंजाब (HM सक्सेना)
- **साझेदारी :-** पंजाब, राजस्थान, हरियाणा = राजस्थान की 15.2% (विद्युत प्राप्ति = 227 MW)
- **नदी** - सतलज
- **भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना**
- **निर्माण** - 1948 ई.
- **ऊँचाई** - 225.5 **मी.**
- **चमत्कारी विराट वस्तु, पुनरूत्थित भारत का मंदिर (जवाहरलाल नेहरू)**
  - **दो बाँध:- (i)** भाखड़ा बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश- गोविन्द सागर जलाशय) **(ii)** नांगल (रोपड़ पंजाब)
- विश्व का दूसरा एवं **'एशिया का सबसे ऊँचा'** कंक्रीट निर्मित गुरूत्वीय बाँध
- **भाखड़ा नहर – राजस्थान** (सर्वाधिक लाभ – हनुमानगढ़)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

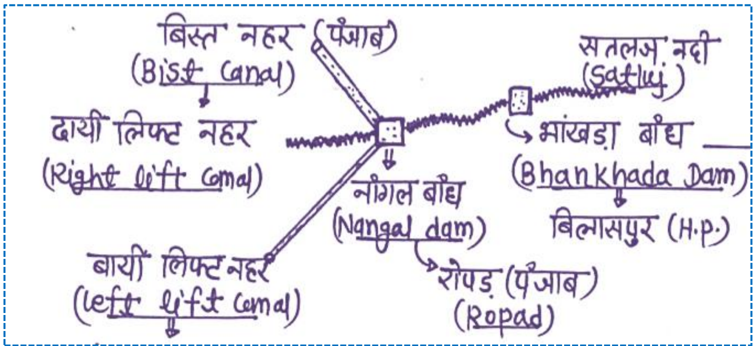

- भाखड़ा नहर बायीं ओर (लाभान्वित राज्य पंजाब, हरियाणा, राजस्थान)
- राजस्थान में मुख्यत फायदा हनुमानगढ़ को
- **सिंचाई क्षमता :** 14.6 लाख हेक्टयेर (राजस्थान 2.3 लाख हेक्टयेर, 15-16%)

व्यास परियोजना

- **साझेदारी** = पंजाब, राजस्थान, हरियाणा
- **नदियां** = सतलज, रावी और व्यास
- राजस्थान को जलापूर्ति का 59% **भाग पोंग बाँध** से प्राप्त होता है।
- राजस्थान को जलापूर्ति का 20% **भाग पंडोह बाँध** से प्राप्त होता है।
- जब **शीत ऋतु में इंदिरा गाँधी नहर परियोजना** (IGNP) में पानी की कमी होती है, तब **मुख्यत: पोंग बाँध** (कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश) **से जलापूर्ति की जाती है।**
- **इराडी आयोग** = 1986 ई.
- **राजीव - लोंगोवाला समझौता** = 1985 ई. (जलवितरण हेतु)
- **राजस्थान को कुल विद्युत** = 427 MW
- कुल विद्युत क्षमता 1386 MW

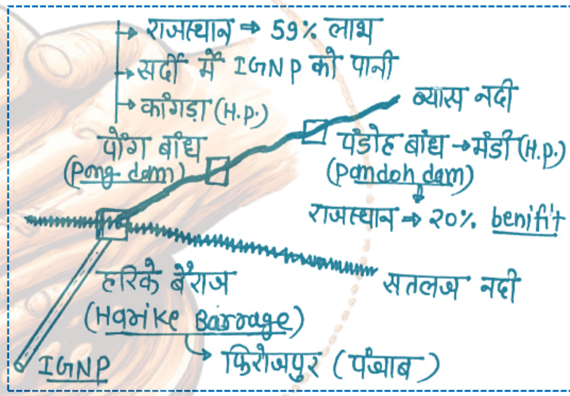

Note: 31दिसम्बर 1981 के समझोते के तहत पानी का बटवारा (राजस्थान 8.6 MAF, पंजाब 4.22MAF, हरियाणा 3.50 MAF)
पोंग बाँध पर पोंग पॉवर प्लांट, पंडोह बाँध पर देहर पॉवर प्लांट

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

रेणुका बहुउद्देश्य परियोजना (हिमाचल प्रदेश)

- **नदी -** गिरी (यमुना की सहायक नदी)
- साझेदारी - हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान व उत्तराखंड
- **लाभ** - सिंचाई और पेयजल
- विद्युत 40MW
- वित्त केंद्र 90: राज्य10
- कुल भण्डारण क्षमता 498MCM

लखवार बहुउद्देशीय परियोजना

- **स्थिति** - लखवार (उत्तराखंड)
- नदी : यमुना
- **साझेदारी -** हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, व राजस्थान
- **वित्त केंद्र 90:** राज्य10
- **विद्युत :** 300MW
- **कुल भण्डारण क्षमता :** 331 MCM
- पेयजल व सिंचाई

नहर आधरित

इंदिरा गाँधी नहर परियोजना (IGNP)

- **उपनाम :-**
  - मरूगंगा
  - मरूस्थल की जीवनरेखा
  - थार की जीवनरेखा
  - रेगिस्तान की स्वर्णरेखा
  - **आरंभ में -** राजस्थान नहर
  - **परिवर्तित नाम** = 2 नवम्बर 1984, **'IGNP' (इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना)**
- **सुझाव :-** 1948 ई., इंजीनियर कंवरसेन (बीकानेर) (**पत्र =** बीकानेर राज्य को पानी की आवश्यकता)
- **शिलान्यास :-** 31 मार्च, 1958 (गोविंद वल्लभ पंत- तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री)
- **बोर्ड का गठन :-** 1958 ईस्वी, **प्रथम अध्यक्ष –** कंवरसेन
- **नहर का उद्घाटन :-** नौरंग देसर (हनुमानगढ़)11 अक्टूबर, 1961 (डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्ण)
- **वित्त सहयोग :-** विश्व बैंक
- **उद्देश्य :-** रावी – व्यास का 8.6 MAF जल में से 7.59 MAF (मिलियन एकड़ फीट) जल का उपयोग पश्चिमी राजस्थान में करना।
- **वर्तमान सिंचित क्षेत्र :–** 16.17 लाख हेक्टेयर (**पूर्ण होने पर** – 19.65 लाख हेक्टेयर)
- **IGNP की कुल लम्बाई 649 किमी.** है जिसमे राजस्थान में मुख्य नहर 445 किमी. (**चरण–I** 189 किमी. व **चरण–II** 256 किमी.) व फीडर नहर 204 किमी. (चरण - I) है।

कुल लम्बाई ⟶ 649 km

- **I चरण (393 किमी)**
  - i. फीडर नहर (204 किमी)
    - **हरी बैराज** (1952 फिरोजपुर पंजाब) से मसीतावाली हेड (हनुमानगढ़)
  - ii. मुख्य नाहर (189 किमी)
    - **मसीतावाली से पूगल** (बीकानेर)
- **II चरण (256 किमी)**
  - i. पूगल (बीकानेर से) मोहनगढ़ (जैसलमेर)

फीडर नहर (204 किमी)

i. 170 किमी (पंजाब, हरियाणा)

ii. 34 किमी (राजस्थान)

- मोहनगढ़ से गडरा रोड (बाड़मेर) तक उपशाखा
- वितरिकाओं की लम्बाई 6500 किमी
- कुल सिंचित क्षेत्र 19.62 लाख हेक्टेयर (प्रारंभ में 16.17 लाख हेक्टेयर)
- **IGNP की लिफ्ट नहरें :-** 1495 किमी
  - कुल = 7
  - सभी बायीं तरफ / कारण = धरातल ऊँचा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान की प्रमुख लिफ्ट नहरें – नए नाम और लाभान्वित जिले

क्र.सं.	लिफ्ट नहर का नया नाम	पुराना नाम	लाभान्वित जिले (नया प्रशासनिक क्षेत्र)
1	चौधरी कुंभाराम आर्य लिफ्ट	नोहर-साहवा लिफ्ट	हनुमानगढ़, चुरू, बीकानेर, झुंझुनूं, सीकर ★ सर्वाधिक जिलों में
2	कंवरसेन लिफ्ट नहर	बीकानेर-लूणकरणसर लिफ्ट	बीकानेर, श्रीगंगानगर (IGNP की पहली और सबसे लंबी लिफ्ट)
3	पन्नालाल बारुपाल लिफ्ट	गजनेर लिफ्ट नहर	बीकानेर, नागौर
4	वीर तेजाजी लिफ्ट नहर	बांगड़सर लिफ्ट	केवल बीकानेर (सबसे छोटी लिफ्ट नहर)
5	डॉ. करणी सिंह लिफ्ट	कोलायत लिफ्ट नहर	बीकानेर, फलोदी (पहले जोधपुर)
6	गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट	फलोदी लिफ्ट नहर	बीकानेर, फलोदी (पहले जोधपुर), जैसलमेर
7	जयनारायण व्यास लिफ्ट	पोकरण लिफ्ट नहर	जैसलमेर, फलोदी (पहले जोधपुर)

इन लिफ्ट नहरों से राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल और विकास को मिलेगी नई गति

1. **चौधरी कुंभाराम (गांधेली/नोहर साहवा):-**
   - बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ, झुन्झुनूं, (नया शामिल जिला सीकर)
   - सर्वाधिक जिलों में
   - आर्य लिफ्ट नहर
2. **कंवरसेन (लूणकरणसर) :-**
   - श्रीगंगानगर व बीकानेर
   - प्रथम लिफ्ट नहर
   - सबसे लम्बी
   - बीकानेर की जीवनरेखा
3. **पन्नालाल बारूपाल (गजनेर):** नागौर व बीकानेर (जायल डी फ्लोराईडीकरण कार्यक्रम)
4. **वीर तेजाजी (बांगड़सर) :-** बीकानेर (सबसे छोटी)
5. **डॉ. करणी सिंह (कोलायत) :-** बीकानेर व फलोदी (पहले जोधपुर)
6. **गुरू जम्मेश्वर (फलोदी) :-** बीकानेर, जैसलमेर व फलोदी (पहले जोधपुर)
7. **जय नारायण व्यास (पोकरण):** जैसलमेर व फलोदी (पहले जोधपुर)

✦ **IGNP की शाखाएँ :- कुल – 9**

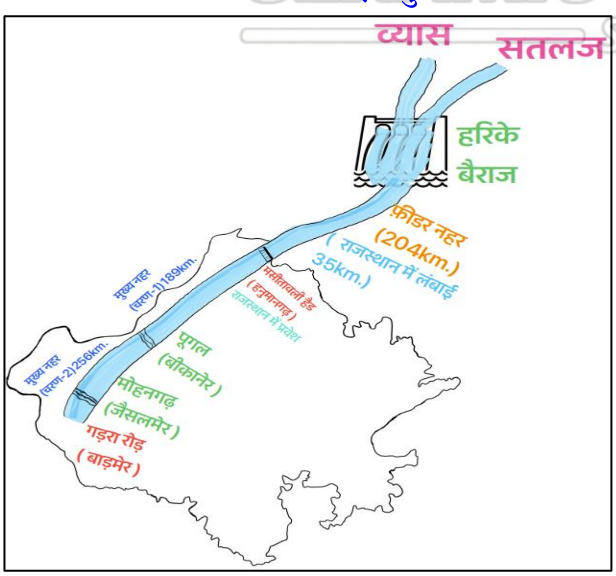

1. **बायीं तरफ की शाखा** – रावतसर (हनुमानगढ़) (बायीं तरफ एकमात्र शाखा)
2. **दायीं तरफ की शाखा** -
   - i. सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
   - ii. अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर, बीकानेर)
   - iii. पूगल (बीकानेर)
   - iv. दांतौर (बीकानेर)
   - v. बीरसलपुर (बीकानेर)
   - vi. चारणवाला (बीकानेर, फलोदी, जैसलमेर)
   - vii. शहीद बीरबल (जैसलमेर)
   - viii. सागरमल गोपा (जैसलमेर): दो उपशाखाएँ – लीलवा, दीघा

✦ **IGNP की पेयजल परियोजनाएँ :-**

1. कंवरसेन लिफ्ट नहर :- बीकानेर , श्रीगंगानगर
2. गांधेली साहवा :- **'आपणी योजना'**
   - हनुमानगढ, झुन्झुनूं , चूरू , सीकर
   - **कंपनी -** KfW (जर्मनी)
3. **राजीव गाँधी पेयजल लिफ्ट (जलोत्थान) :-**
   - जोधपुर, बाडमेर व बालोतरा
   - जोधपुर की जीवनरेखा
   - जलविद्युत परियोजना
     - सूरतगढ़ & अनुपगढ शाखा
     - पूगल & चारणवाली शाखा

     } 23.85 mw

✦ **IGNP से सर्वाधिक सिंचाई -** बीकानेर

Note: ब्रांच & लिफ्ट नहरों दोनों का सर्वाधिक लाभ - बीकानेर

✦ **स्काडा सिस्टम -** पानी का आंकलन व नियंत्रण

✦ **IGNP के लाभ :-** पेयजल

- सिंचाई
- मरूस्थलीकरण में कमी
- कृषि उत्पादन
- पशु संपदा को फायदा
- वनस्पति व जैव विविधता के लिए
- ऊर्जा परियोजनाएँ व उद्योगों को लाभ

✦ **हानियाँ :-**

- मरू जैव विविधता में कमी
- क्षारीयता/सेम अधिक

राजीव गाँधी सिद्धमुख नहर परियोजना

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

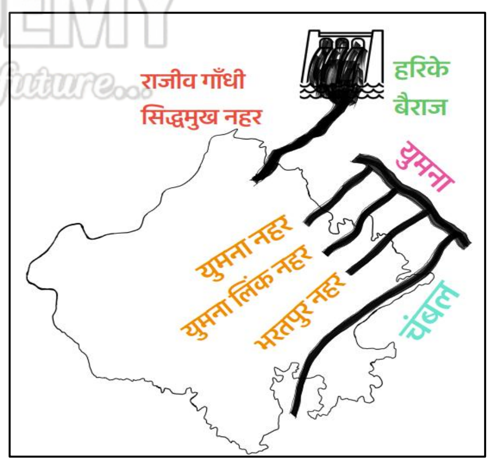

✦ **निर्माण -** रावी, व्यास नदी के अतिरिक्त जल का उपयोग

✦ **नदी -** रावी, व्यास

✦ **शिलान्यास -** 1989 ई., भिरानी गाँव, भादरा (हनुमानगढ़)

✦ **प्रारम्भ :-** भाखड़ा नहर से ⇒ पानी

✦ **लाभान्वित जिले -** हनुमानगढ़ → भादरा नोहर , चूरू → साहवा (तारानगर) व सिद्धमुख (राजगढ)

✦ **आर्थिक सहायता -** 1998 ई. (EU), 1999 ई. (NABARD)

गंग नहर/ बीकानेर नहर

✦ 4 सितम्बर 1920 द्विपक्षीय समझौता

✦ **शुरूआत** – 1921-22 ई.

✦ **उद्घाटन** – 26 अक्टूबर 1927 ई. सुजस के अनुसार 5 दिसम्बर 1925ई. , लॉर्ड इरविन (शिवपुर हेड रामनगर , श्रीगंगानगर)

✦ **नदी** – सतलज (हुसैनीवाला हेड जिला फिरोजपुर पंजाब)

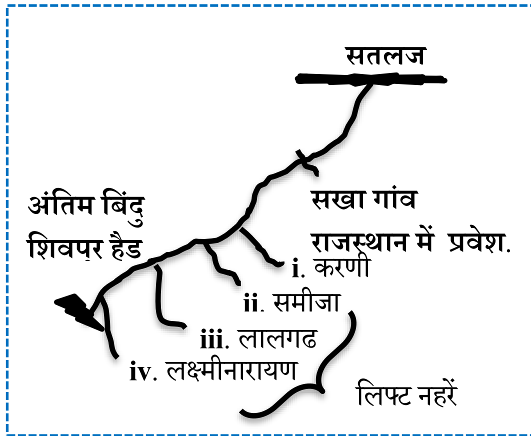

- **सर्वाधिक लाभ** - श्रीगंगानगर
  - धान/अन्न का कटोरा
  - सर्वाधिक सिंचाई
- **4 नहरें उपशाखाएँ:** कुल लम्बाई 1280 किमी
- **नोट :-** विश्व की सबसे प्राचीन व पक्की नहर, राजस्थान की प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना
- **लम्बाई :-** 137 किमी.
- **निर्माण** ⟶ **गंगासिंह** - आधुनिक भारत का भागीरथ (जवाहर लाल नेहरू द्वारा कहा गया)
- शताब्दी समारोह 26 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक

नर्मदा नहर परियोजना

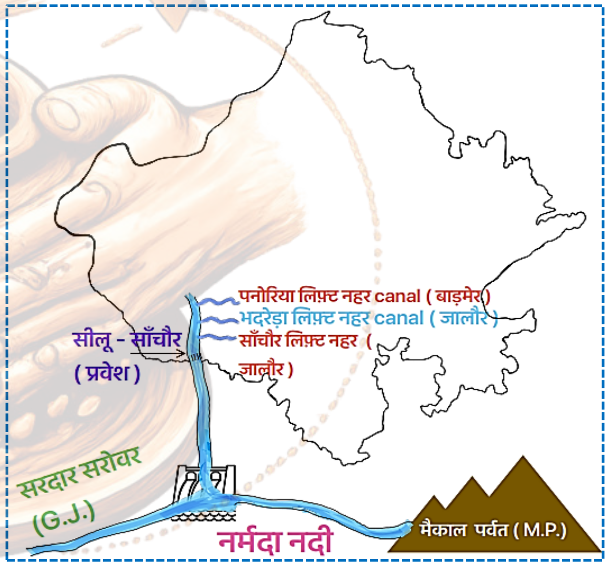

- सरदार सरोवर बाँध परियोजना
- **उपनाम** = मारवाड़ की जीवनरेखा, मारवाड़ की भागीरथी
- **प्रारंभ** = 27 मार्च 2008
- **स्थान** = सरदार सरोवर बाँध (नवगाँव, गुजरात)
- **साझेदारी** = राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र
  - **समझौता-1979**
    - Madhya Pradesh ⟶ 18MAF
    - Gujarat ⟶ 9 MAF
    - Rajasthan ⟶ 0.50 MAF
    - Maharashtra ⟶ 0.25 MAF
- शुष्क बंदरगाह हेतु चर्चित
- **सिंचाई विधि** – बूँद – बूँद & फव्वारा सिंचाई विधि-पहली बार इस परियोजना पर अनिवार्य किया गया (इजरायली पद्धति)
- **कुल लंबाई (लिफ्ट नहर)** – 74 किमी. (जालौर – 65 किमी., बाड़मेर – 9 किमी = 2.46 लाक हेक्टेयर सिंचित) कुल लम्बाई 532 किमी. (गुजरात-458 किमी. व राजस्थान-74 किमी.)

Note:- बाड़मेर जिला नर्मदा नहर और IGNP दोनों से लाभान्वित होता है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

यमुना नहर

- **समझौता** – 1994 हथिनीकुंड से हंसियावास (265 किमी)
- MoU **17 फरवरी 2024** ⟶ 577 mcm **पानी**
- **नदी** - यमुना
- **साझेदारी** = राजस्थान व हरियाणा
- **लाभान्वित क्षेत्र :-** हथिनिकुंड हरियाणा (ताजेवाला हेड) से राजस्थान के शेखावाटी तक
  - **प्रथम चरण :** चुरु, सीकर, झुन्झुनू (पेयजल हेतु)
  - **द्वितीय चरण :** चुरु (35000 हेक्टयेर) व झुन्झुनू (70000 हेक्टयेर) (पेयजल + सिंचाई)

गुड़गाँव नहर / यमुना लिंक नहर

- प्रारंभ ओखला बैराज दिल्ली
- **सहयोग** – राजस्थान व हरियाणा
- **नदी** – यमुना
- **निर्माण** – 1966 – 1985
- **लाभ** – डीग व भरतपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

भरतपुर नहर

- आगरा नहर की उपशाखा
- **नदी** – यमुना
- **लाभ** – भरतपुर (8500 हेक्टयेर)
- **लम्बाई :** 28 किमी (16 किमी उत्तर प्रदेश, 12 किमी राजस्थान)
- **निर्माण** – 1964
- राजस्थान व उत्तर प्रदेश सहयोग

ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना

- अगस्त 2025 को शुरू
- डुंगरपुर गाँव (लालसोट से) में मुख्यमंत्री **(भजनलाल शर्मा)** द्वारा शिलान्यास
- **लक्ष्य -** वर्ष 2027 तक 302 गांवों की 5.58 लाख आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना।
- **लागत -** ₹350 करोड़
- **अवसंरचना -** 200 किमी. राइजिंग मेन पाइपलाइन
- 1360 किमी. ग्रामीण वितरण नेटवर्क
- **चरण I में इसरदा से महवा तक** ⟶ 341 किमी की ट्रांसमिशन लाइन का कार्य शुरू

बीसलपुर परियोजना

- **शुरू :** 1986 – 87
- **लम्बाई :** 580 मीटर, चौड़ाई : 21 मीटर
- **जलभराव क्षमता :** 315.50 RL मीटर
- **सिंचाई क्षमता :** 69300 हेक्टयेर

मध्यम व लघु सिंचाई परियोजनाएँ

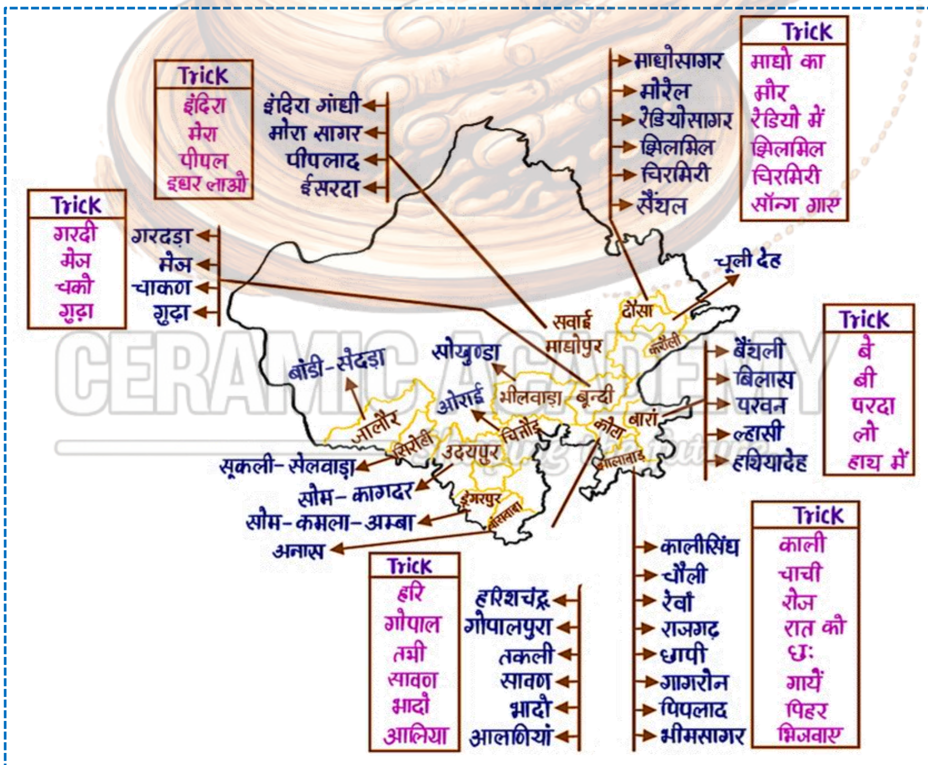

रामजल सेतु लिंक परियोजना

- इस परियोजना की घोषणा बजट वर्ष (2024 – 25) में की गई।
- 28 जनवरी, 2024 को जल शक्ति मंत्रालय, राजस्थान सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार के बीच MoU सम्पन्न।
- इस योजना के तहत ईसरदा बाँध से रामगढ़ बाँध तक जल लाने की योजना बनाई गई है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- यह परियोजना किसानों, पशुपालकों और ग्रामीणों को जल संकट से राहत दिलाएगी।
- यह एक अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना है, जिसका उद्देश्य राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच जल संसाधनों को संतुलित करना है।
- यह परियोजना चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों – कुन्नू, कूल, पार्वती, कालीसिंध के अधिशेष जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल ,पार्वती और गंभीर नदी बेसिनों की ओर मोड़ा जायेगा।
- यह परियोजना ERCP + PKC (परिवर्तित) को मिलाकर बनाई गई है।
- **लाभान्वित जिले :-** राजस्थान (17 जिले), मध्यप्रदेश (13 जिले)
  - **राजस्थान के लाभान्वित जिले** – जयपुर, अजमेर, ब्यावर, टोंक, कोटा, झालावाड, बारां, सवाई माधोपुर, करौली, दौसा, धौलपुर, भरतपुर, डीग, अलवर, खैरथल - तिजारा, कोटपूतली – बहरोड़, बूंदी।
- कुल सिंचित क्षेत्र 4.03 लाख हेक्टेयर (राजस्थान में 2.51 लाख हेक्टेयर)
- 3.25 करोड़ आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।
- रामगढ़ बाँध के जीर्णोद्धार के लिए 252.93 लाख रूपए स्वीकृत किए गए है।
- **अंशदान :-** केन्द्र सरकार द्वारा (90%), राज्यो द्वारा (10%) [राजस्थान -5%, मध्यप्रदेश-5%]
- परियोजना के तहत राजस्थान में कुल 5 बैराज एवं 2 बांधों (नया-ईसरदा बाँध) का निर्माण होगा –

क्र.सं.	बैराज	नदी	स्थान
1.	**रामगढ़ बैराज**	कूल नदी	किशनगंज (बाराँ)
2.	**महलपुर बैराज**	पार्वती नदी	मांगरोल (बाराँ)
3.	**नवनेरा बैराज**	कालीसिंध नदी	दीगोद (कोटा)
4.	**मेज बैराज**	मेज नदी	इन्द्रगढ़ (बून्दी)
5.	**नीमोद राठौड़ बैराज**	बनास नदी	चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर)

क्र.सं.	बाँध	नदी	स्थान
1.	**डूंगरी बाँध (लाभ- सवाई माधोपुर व करौली)**	बनास	सवाई माधोपुर
2.	**ईसरदा बाँध**	बनास	सवाई माधोपुर

- **चरण I के पैकेज II (चरण 1B) के तहत चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी लम्बाई – 2.3 किमी (2280 मीटर) – कोटा (दीगोद) से बूंदी (इन्दरगढ़)- इसके द्वारा नवनेरा बैराज का पानी लिफ्ट कर मेज़ में और मेज़ बैराज से गलवा बाँध और गलवा से बीसलपुर फिर इसरदा बाँध और इसरदा बाँध से रामगढ़ बाँध तक पानी पहुँचाया जायेगा।**
- **ERCP को PKC** (पारवती, कालीसिंध, चम्बल) परियोजना से जोड़ने का प्रस्ताव 13 दिसम्बर 2022 (स्पेशल कमेटी फॉर इन्टरलिंकिंग की 20वी मीटिंग में) NPP का हिस्सा
- **चरण IA में नवरेरा और इसरदा का कार्य पूरा**
- **चरण IB**
  - **i.** इसरदा से धाभाई बाँध और भुखारा बाँध और रामगढ़ बाँध जयपुर में पानी
  - **ii.** डूंगरी बाँध से अलवर में पानी
- **चरन II :** 6 मई 2026 सवाई मधोपुर से 14000 करोड़ रुपये

नवनेरा बैराज परियोजना

- नवनेरा बैराज परियोजना को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) के प्रथम चरण के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है।
- यह परियोजना कोटा जिले की दीगोद तहसील के ग्राम ऐबरा के पास कालीसिंध नदी पर निर्मित की जा रही है।
- परियोजना हेतु राज्य सरकार द्वारा कुल 1595 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 20 जुलाई 2018 को प्रदान की गई।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

आकार के आधार पर सिंचाई परियोजनाएं

बृहद सिंचाई परियोजना (Large-Scale Irrigation Projects)	मध्यम सिंचाई परियोजना (Medium-Scale Irrigation Projects)
▪ परवन (झालावाड़ / Jhalawar)	▪ गरदड़ा (बूंदी / Bundi)
▪ पीपलखूंट हाई लेवल केनाल (प्रतापगढ़ / Pratapgarh)	▪ तकली (कोटा / Kota)
▪ धौलपुर लिफ्ट + कालीतीर लिफ्ट ⟶ धौलपुर	▪ गागरीन (झालावाड़ / JH)
▪ नर्मदा नहर (जालौर - बाड़मेर)	▪ हथियादेह + अंधेरी (बारां / Baran)
▪ अपर हाई लेवल केनाल (माही) ⟶ बांसवाड़ा	

अन्य महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएँ

जिला	बांध, नहर एवं जल परियोजनाएं
उदयपुर	टिड्डी, मदार (आयड़), सोम कागदर, मानसी वाकल, घोड़ा खोज
डूंगरपुर	सोम कमला अम्बा, भीखाभाई सागवाड़ा नहर, कडाना बैक वाटर
बांसवाड़ा	अनास, श्री हरिदेव जोशी नहर
प्रतापगढ़	पीपलीखूंट नहर (माही), जाखम बांध- अनूपपुरा गाँव (81 मी. ऊँचा) 2 नहरें 63 किमी. + 4.5 MW विद्युत
चित्तौड़	वागन, औराई (1962-67) ऊँचाई 20 मी., भोपालपुरा गाँव 3810 लाख घन मी. जलग्रहण
भीलवाड़ा	मेजा, अड़वाना, सोंखूण्डा
जालौर	बांडी-सेंदड़ा (सणधरा) -बाड़ी नदी,बांकली बांध (सुकड़ी नदी), जवाई बांध (1946-56) जालौर + पाली को लाभ, सेई जल सुरंग पानी की आपूर्ति (भिनमाल, जसवंतपुरा)
सिरोही	सूकली ⟶ सेलवाड़ा, बत्तीसा नाला, टोकरा
धौलपुर	कालीतीर, धौलपुर लिफ्ट (चम्बल), पार्वती
झालावाड़	परवन (मुख्यतः झालावाडा, कोटा, बारां), पीपलाद, कालीसिंध, चोली, छापी, भीमसागर, राजगढ़, रेवा, गागरीन, मनोहरथाना
कोटा	हरिश्चन्द्र (झालावाड़ + कोटा), गोपालपुरा, तकली, सावन-भादो, आलनिया
बारां	अंधेरी, बैंथली, बिलास, परवन, ल्हासी, हतियादेह
बूंदी	जिगजैग, जैतसागर, चाकण, गरदड़ा, गुढ़ा, मेज, संतूर माता
सवाई माधोपुर	इंदिरा गांधी लिफ्ट नहर (चम्बल), इसरदा, मोरा सागर, पीपलदा
दौसा	माधोसागर, रेडियोसागर, झिलमिल, चिरमिरी, सैंथल, मोरेल (सवाई माधोपुर + दौसा)
टोंक	बीसलपुर (बनास), गलवा, टोरडीसागर
अजमेर	मोर सागर, नारायण सागर (ब्यावर)

अन्य

✦ **पांचना बाँध (करौली – सिंचाई)** सवाई माधोपुर व करौली दोनों को लाभ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. कोटा बैराज का निर्माण किस उद्देश्य से किया गया है? (LDC 2011)
(a) विद्युत उत्पादन (b) सिंचाई
(c) विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई (d) उद्योगों के जल आपूर्ति हेतु

2. भीखाभाई सागवाडा नहर सम्बन्धित है: (ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)
(a) भाखड़ा-नांगल परियोजना से (b) चम्बल परियोजना से
(c) माही बजाज सागर परियोजना से (d) इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना से

3. राजस्थान में नर्मदा परियोजना निम्न जिलों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराएगी: (ASST. FOREST 2011)
(a) अलवर – भरतपुर (b) बाड़मेर व जालौर
(c) गंगानगर और हनुमानगढ़ (d) डूंगरपुर और बाँसवाड़ा

4. राजस्थान में जनजातीय क्षेत्रों के लिये निम्न में से कौन-सी सिंचाई परियोजना सबसे अधिक लाभदायक है? (ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)
(a) बीसलपुर (b) पाँचना
(c) नर्मदा (d) जाखम

5. सुमेलित कीजिये: (Asst. Conservator Forest 2011)

सिंचाई परियोजना	जिला
(a) घोड़ा खोज	(i) बूंदी
(b) तकली	(ii) डूंगरपुर
(c) सोम-कमला-अम्बा	(iii) कोटा
(d) संतूर माता	(iv) उदयपुर

कोड: (a) (b) (c) (d)
(a) (iv) (iii) (ii) (i) (b) (ii) (iii) (iv) (i)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (i) (iv) (iii) (ii)

6. इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना, राजस्थान के किस क्षेत्र को, सिंचाई और पीने का पानी प्रदान करती है? (HEADMASTER 2011)
(a) पूर्वी क्षेत्र को (b) पश्चिमी क्षेत्र को
(c) दक्षिणी क्षेत्र को (d) उत्तरी क्षेत्र को

7. निम्नलिखित का मिलान कीजिए- (HEADMASTER 2011)

सूची - I (परियोजना)	सूची - II (पीने के पानी की आपूर्ति)
(A) कंवरसेन लिफ्ट नहर	(i) नागौर को
(B) गांधेली-साहवा लिफ्ट परियोजना	(ii) जोधपुर को
(C) राजीव गाँधी लिफ्ट नहर	(iii) चूरू को
(D) गजनेर लिफ्ट परियोजना	(iv) बीकानेर को

कूट: (a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (ii) (iv) (iii) (i)
(c) (iii) (ii) (i) (iv) (d) (iv) (iii) (ii) (i)

8. निम्न में से कौन-सा एक सही मेल नहीं खा रहा है ? (HEADMASTER 2011)
(a) भीमसागर परियोजना – झालावाड़ (b) परवन लिफ्ट परियोजना – बारा
(c) सावन-भादो परियोजना – कोटा (d) धौली सिंचाई परियोजना – बूंदी

9. राजस्थान के निम्न जिलों में से कौन-सा जिला गंगनहर से सिंचित होता है ? (SCHOOL LECTURER 2013)
(a) नागौर (b) चुरु
(c) जोधपुर (d) श्रीगंगानगर

10. राजस्थान की सबसे बृहत् सिंचाई परियोजना है – (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) चम्बल परियोजना (b) माही परियोजना
(c) इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना (d) बिसलपुर परियोजना

11. बीसलपुर सिंचाई योजना किस जिले में स्थित है ? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) जयपुर (b) टोंक
(c) अजमेर (d) भीलवाड़ा

12. निम्न मानचित्र में राजस्थान में इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना के लिफ्ट नहरों की स्थिति (i), (ii), (iii) एवं (iv) से प्रदर्शित की गई है। मानचित्र के नीचे दिये गये क्रम में इन्हें पहचानिये तथा उत्तर दीजिए : (RAS Pre 2013)

(a) डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर, जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर
(b) डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर
(c) जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर
(d) जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर, कंवरसेन लिफ्ट नहर, डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर, चौधरी कुम्भाराम लिफ्ट नहर

13. जवाई परियोजना से लाभान्वित नहीं होने वाला जिला है : (RAS Pre 2013)
(a) उदयपुर (b) राजसमन्द
(c) बाड़मेर (d) सिरोही

14. निम्नलिखित में से कौन से जिले सिद्धमुख सिंचाई परियोजना से सिंचित होते हैं ? (ASST. JAILOR 2013)
(a) बीकानेर और गंगानगर (b) हनुमानगढ़ और चूरू
(c) बीकानेर और नागौर (d) जोधपुर और नागौर

15. निम्नलिखित में से कौन-सा / कौन-से युग्म सही सुमेलित है / हैं? नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए- (College Lect. - 2014)
(i) ल्हासी – बारां (ii) तकली– कोटा
(iii) चाकन – सवाई माधोपुर (iv) इन्दिरा लिफ्ट – बूंदी

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

विकल्प –
(a) (i) एवं (iv) (b) (ii) एवं (iii)
(c) (i) एवं (ii) (d) (i), (iii) एवं (iv)

16. निम्न को सुमेलित कीजिए: (Clerk GR II Comb. Comp. Exam - 2013)
A. गागरिन 1. बूंदी
B. गराड़ा 2. सिरोही
C. मोरा सागर 3. सवाई माधोपुर
D. टोकरा 4. झालावाड़
कूट: (a) A-1, B-2, C-3, D-4 (b) A-2, B-3, C-1, D-4
(c) A-3, B-1, C-4, D-2 (d) A-4, B-1, C-3, D-2

17. निम्न में से किस परियोजना में, राजस्थान में प्रथम बार फव्वारा सिंचाई पद्धति को अनिवार्य रूप से लागू किया गया? (Clerk GR II Comb. Comp. Exam - 2013)
(a) इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना (b) नर्मदा नहर परियोजना
(c) सिद्धमुख नहर परियोजना (d) चंबल नहर परियोजना

18. चौधरी कुम्भा राम नहर द्वारा लाभान्वित जिला युग्म है – (RAS/RTS COMB. COMP. EXAM 2016)
(a) हनुमानगढ़ – झुंझुनूं (b) भीलवाड़ा – टोंक
(c) बीकानेर – जोधपुर (d) बाड़मेर – जैसलमेर

19. इनमें से कौन-सी परियोजना राजस्थान से सम्बद्ध नहीं है? (Research Assistant – 2016)
(a) इंदिरा गाँधी नहर परियोजना (b) नर्मदा
(c) जाखम (d) सतलज–यमुना लिंक

20. इंदिरा गाँधी नहर का निम्न में से कौन-सा उद्गम बाँध है : (Research Assistant – 2016)
(a) भाखड़ा नांगल (b) रिहंद
(c) हरिके (d) गाँधी सागर

21. निम्न को मिलाइये:

सूची-I (मुख्य सिंचाई परियोजना)	सूची-II (सिंचाई योजनाओं से लाभान्वित जिले)
A. सिद्धमुख परियोजना	(i) जालौर एवं बाड़मेर
B. नर्मदा परियोजना	(ii) जालौर, पाली एवं जोधपुर
C. जवाई परियोजना	(iii) उदयपुर एवं प्रतापगढ़
D. जाखम परियोजना	(iv) हनुमानगढ़ एवं चूरू

कूट: A B C D
(a) (iv) (i) (ii) (iii) (b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iii) (iv) (i) (ii) (d) (ii) (iii) (iv) (i)

22. निम्न युग्मों में से कौन चौधरी कुम्भा राम नहर द्वारा लाभान्वित है? (HEADMASTER 2018)
(a) हनुमानगढ़ – झुंझुनूं (b) भीलवाड़ा – टोंक
(c) बीकानेर – जोधपुर (d) बाड़मेर – जैसलमेर

23. निम्नलिखित युग्म (सिंचाई परियोजना – जिला) में से कौनसा सुमेलित नहीं है ? (Asst. Testing Officer – 2024)
(a) सिद्धमुख – बीकानेर (b) जाखम – प्रतापगढ़
(c) यमुना लिंक नहर – भरतपुर (d) बीसलपुर – टोंक

24. राजस्थान में किस स्रोत से सर्वाधिक सिंचाई की जाती है? (College Lecturer – 2018)
(a) नहरों द्वारा (b) तालाब
(c) नलकूप एवं कुएँ (d) अन्य

25. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सा सही रूप से सुसंगत नहीं है? (Lecturer Exam – 2020)
(a) गंग नहर – गंगानगर, बीकानेर
(b) व्यास परियोजना – राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
(c) सिद्धमुख परियोजना - पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश
(d) माही-बजाज सागर परियोजना – राजस्थान, गुजरात

26. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनिये – (Asst. Testing Officer – 2021)

मुख्य सिंचाई परियोजना	जिला
A. नर्मदा केनाल	i. बाँसवाड़ा
B. श्री हरीदेव जोशी केनाल	ii. जालौर
C. पार्वती केनाल तंत्र	iii. टोंक
D. गाल्वा मुख्य सिंचाई परियोजना	iv. धौलपुर

कूट: (a) ii, i, iv, iii (b) i, ii, iv, iii
(c) ii, iii, iv, I (d) iii, i, iv, ii

27. सोम-कमला-अंबा सिंचाई परियोजना का निर्माण किस जिले के लिए किया गया है ? (SI Exam - 2021)
(a) उदयपुर (b) चित्तौड़गढ़
(c) डूंगरपुर (d) राजसमंद

28. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए : (Asst. Prof. - 2020)

सिंचाई परियोजना	जिला
A. पांचना	करौली
B. मेजा डेम	भीलवाड़ा
C. जवाई	जालौर
D. गुढ़ा	बूंदी

कूट: (a) A, B और C सही हैं (b) B, C और D सही हैं
(c) A, B और D सही हैं (d) A, B, C और D सही हैं

29. निम्नलिखित में से राजस्थान में कौन सी अन्तर-राज्यीय सिंचाई परियोजनाएँ हैं ? (Asst. Prof. - 2020)
A. माही–बाजाज सागर B. बीसलपुर
C. चम्बल D. जवाई
सही उत्तर का कूट :
(a) A और B (b) B और C
(c) C और D (d) A और C

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

30. कौन-सा सुमेलित नहीं है? (Head Master - 2021)

सिंचाई परियोजना	जिला
(A) जवाई	पाली
(B) बीसलपुर	टोंक
(C) सिद्धमुख	गंगानगर
(D) पांचना	करौली

कूट:
(a) A (b) D (c) B (d) C

31. राजस्थान की परवन प्रमुख सिंचाई परियोजना .... जिले में स्थित है। (Statistical Officer – 2021)
(a) धौलपुर (b) झालावाड़
(c) चित्तौगढ़ (d) कोटा

32. राजस्थान के किस प्रमुख सिंचाई परियोजना में, छिड़काव/फव्वारा सिंचाई को अनिवार्य/अनिवार्य कर दिया गया है? (Statistical Officer – 2021)
(a) माही नहर (b) नर्मदा नहर
(c) इन्दिरा गाँधी नहर (d) चम्बल नहर

33. निम्नलिखित में से कौनसी राजस्थान की अन्तर-राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं नहीं हैं? (Asst. Agri. Officer – 2021)
(A) जाखम परियोजना (B) भाखड़ा-नांगल परियोजना
(C) जवाई परियोजना (D) व्यास परियोजना
कूट:-
(a) A और B (b) B और C
(c) C और D (d) A और C

34. निम्न में से कौन-सी एक पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान राज्यों की संयुक्त सिंचाई परियोजना नहीं है? (Asst. Statistical Officer – 2021)
(a) भाखड़ा-नांगल परियोजना
(b) व्यास परियोजना
(c) गुड़गाँव नहर परियोजना
(d) सिद्धमुख परियोजना

35. सिद्धमुख परियोजना किस नदी से जल प्राप्त करती है? (Protection Officer - 2022)
(a) जाखम (b) नर्मदा
(c) रावी तथा व्यास (d) पार्वती

36. इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की कुल लंबाई लगभग कितनी है? (Assistant Engineer – Civil 2023)
(a) 150 किमी (b) 350 किमी
(c) 650 किमी (d) 850 किमी

37. सावन-भादो सिंचाई परियोजना सम्बन्धित है: (Statistical Officer Exam – 2023)
(a) बारा जिले से (b) उदयपुर जिले से
(c) अजमेर जिले से (d) कोटा जिले से

38. इंदिरा गाँधी नहर परियोजना के बारे में कौनसे कथन सत्य हैं? (Asst. Prof. Librarian and PTI Exam - 2023)
(A) इस नहर का उद्गम पंजाब में स्थित हरिके बैराज से होता है।
(B) पंजाब एवं हरियाणा में इंदिरा गाँधी फीडर नहर की लंबाई 170 कि.मी. है।
(C) राजस्थान में इंदिरा गाँधी फीडर नहर की लंबाई 34 कि.मी. है।
(D) इस परियोजना की परिकल्पना रावी-व्यस नदियों के अधिशेष जल में राजस्थान के हिस्से से 7.59 एम.ए.एफ. जल के उपयोग के लिए की गई है।
कूट:-
(a) केवल (A), (B) एवं (C) सही हैं
(b) केवल (A), (C) एवं (D) सही हैं
(c) केवल (A) एवं (C) सही हैं
(d) सभी सही हैं

39. राजस्थान में भाखड़ा नहर द्वारा सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत हिस्सा है (Asst. Prof. (Sanskrit College Edu.) – 2024)
(a) 21–22% (b) 11–12%
(c) 15–16% (d) 18–19%

40. निम्नलिखित में से कौनसे स्थान सिद्धमुख परियोजना से सिंचित हैं? (Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)
(a) सुमेरपुर एवं एरिनपुरा
(b) धरियावाद एवं सलूम्बर
(c) राजगढ़ एवं तारानगर
(d) केकड़ी एवं सरवर

41. सूची-I तथा सूची-II का मिलान कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए – (PTI and Librarian – 2024)

सूची-I (सिंचाई परियोजना)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) छापी	(i) झालावाड़
(B) बिला	(ii) बारां
(C) अड़वाना	(iii) भीलवाड़ा
(D) सावन-भादो	(iv) कोटा

कूट –
(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(d) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)

42. निम्नलिखित में से कौनसी इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना की एक लिफ्ट नहर है ? (Asst. Director - 2024)
(a) चारणवाला नहर
(b) बिरसलपुर नहर
(c) सूरतगढ़ नहर
(d) चौधरी कुम्भाराम नहर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

43. सूची-1 को सूची-I से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए:

[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]

सूची-I (सिंचाई परियोजना)	**सूची-II (जिला)**
A. परवन	i. झालावाड़
B. कालीतीर	ii. धौलपुर
C. लहासी	iii. बारा
D. तकली	iv. कोटा

कूट : A B C D **A B C D**

(a) iii ii iv i (b) I iv iii ii

(c) I iii ii iv (d) I ii iii iv

44. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए - [A.S.O. - 2025]

सूची-I (सिंचाई परियोजना)	**सूची-II (नदी)**
(A) सिद्धमुख	(i) कोठारी
(B) मेजा बाँध	(ii) चम्बल
(C) बीसलपुर	(iii) रावी-व्यास
(D) जवाहर सागर बाँध	(iv) बनास

कूट-

(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)

(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

(d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)

Answer Key

1	b	2	c	3	b	4	d	5	a	6	b	7	d	8	*	9	d	10	c
11	b	12	c	13	*	14	b	15	c	16	d	17	b	18	a	19	d	20	c
21	a	22	a	23	a	24	c	25	c	26	a	27	c	28	c	29	d	30	d
31	b	32	b	33	d	34	c	35	c	36	c	37	d	38	d	39	c	40	c
41	c	42	d	43	d	44	d												

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

कृषि (प्रमुख फसलें)

कृषि

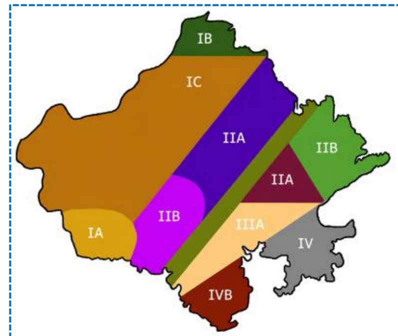

- राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 60% भाग कृषि के योग्य है व उपयोग में 53.02% क्षेत्र आता है। (आर्थिक समीक्षा 2025-26)
- राजस्थान में देश के कुल कृषिकृत क्षेत्र का 11.87% भाग है।
- **राज्य में भूमि जोतों का औसत आकार :** 2.73 हेक्टेयर (भारत 1.08 हेक्टेयर) (कृषि गणना 2015-16 के अनुसार)
- **राज्य में कुल प्रचालित भूमि जोत :-** 76.55 लाख (कृषि गणना 2015-16 के अनुसार)
- **कुल जोतो का क्षेत्रफल :-** 208.73 लाख हेक्टेयर (कृषि गणना 2015-16 के अनुसार)

राजस्थान के जलवायु क्षेत्र व प्रमुख फसलें

- राजस्थान में **10 कृषि जलवायु प्रदेश** है और भारत में **15 कृषि जलवायु प्रदेश** है, जिसमे से **जोन 6, 8, 9 और 14 राजस्थान** के अंतर्गत आते हैं:-

क्र.सं.	जलवायु क्षेत्र	सम्मिलित जिले	खरीफ फसलें	रबी फसलें
1	शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (I-A)	जोधपुर, फलोदी, बाड़मेर एवं बालोतरा	बाजरा, मोठ एवं तिल	गेहूँ, सरसों एवं जीरा
2	उत्तरी पश्चिमी सिंचित मैदानी क्षेत्र (I-B)	श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़	कपास एवं ग्वार	गेहूँ, सरसों एवं चना
3	अति शुष्क आंशिक सिंचित पश्चिमी मैदानी क्षेत्र (I-C) (सबसे बड़ा जलवायु प्रदेश)	बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू आंशिक (रतनगढ़, सरदारशहर, बीदासर एवं सुजानगढ़ तहसील)	बाजरा, मोठ एवं ग्वार	गेहूँ, सरसों एवं चना
4	अन्तः स्थलीय जलोत्सरण के अन्तवर्ती मैदानी क्षेत्र (II-A)	सीकर, चूरू आंशिक (रतनगढ़, सरदारशहर, बीदासर एवं सुजानगढ़ तहसील को छोड़कर), झुन्झुनू, नागौर एवं डीडवाना-कुचामन	बाजरा, ग्वार एवं दलहन	सरसों एवं चना
5	लूनी नदी का अन्तवर्ती मैदानी क्षेत्र (II-B)	जालौर, सिरोही आंशिक (पिण्डवाड़ा, आबू रोड़ तहसील छोड़कर), ब्यावर आंशिक (जैतारण एवं रायपुर)	बाजरा, ग्वार एवं तिल	गेहूँ एवं सरसों
6	अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र (III-A)	जयपुर, अजमेर, दौसा, टोंक, खैरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड़, ब्यावर आंशिक (जैतारण एवं रायपुर को छोड़कर)	बाजरा, ग्वार एवं ज्वार	गेहूँ, सरसों एवं चना
7	बाढ़ सम्भाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र (III-B)	अलवर, डीग, भरतपुर, धौलपुर, करौली एवं सवाईमाधोपुर	बाजरा, ग्वार एवं मूँगफली	गेहूँ, जौ, सरसों एवं चना
8	अर्द्ध आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (IV-A)	उदयपुर, चित्तौड़गढ़ आंशिक (बड़ी सादड़ी छोड़कर), राजसमंद, भीलवाड़ा, सिरोही आंशिक (पिण्डवाड़ा, आबू रोड़ तहसील)	मक्का, दलहन एवं ज्वार	गेहूँ एवं चना
9	आर्द्र दक्षिणी मैदानी क्षेत्र (IV-B) (सबसे छोटा जलवायु प्रदेश)	बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूम्बर एवं चित्तौड़गढ़ आंशिक (बड़ी सादड़ी)	मक्का, चावल, ज्वार एवं उड़द	गेहूँ एवं चना
10	आर्द्र दक्षिणी पूर्वी मैदानी क्षेत्र (V)	कोटा, बारां, बूंदी एवं झालावाड़	ज्वार एवं सोयाबीन	गेहूँ एवं चना

ऋतुओं के आधार पर फसलों का वर्गीकरण (तीन प्रकार)

उपनाम	खरीफ फसल	रबी फसल	जायद फसल
समय	स्यालू व सावणु	उनालू	
(i) बुवाई (ii) कटाई	जून-जुलाई अक्टूबर-नवम्बर	अक्टूबर-नवंबर मार्च-अप्रैल	मार्च से जून
प्रमुख फसले	चावल, ज्वार, बाजरा, मक्का, मूँगफली, सोयाबीन, अरण्डी, मूंग, मोठ, ग्वार, चवला	गेहूँ, जौ, सरसों, चना, मसूर, मटर, सूरजमुखी, तारामीरा, इसबगोल, धनिया, अफीम, तम्बाकू	तरबूज, खरबूजा, हरी-सब्जियाँ

प्रयोजन / उपयोग के आधार पर वर्गीकरण

- खाद्यान्न फसलें
- दलहन फसलें
- तिलहन फसलें
- रेशेदार फसलें
- नगदी / व्यापारिक फसलें
- पेय फसलें
- मसाला फसलें
- चारा फसलें
- औषधीय फसलें

खाद्यान्न फसलें

1. बाजरा :-

- **उपनाम -** गरीब का भोजन
- **मूलत:** अफ्रीकी पौधा सर्वाधिक क्षेत्रफल एवं शुष्क क्षेत्र वाली फसल
- **परिस्थितियाँ :-**
  - **मृदा :-** रेतीली बलुई
  - **तापमान :- 25-35°C**
  - **वर्षण :-** 20-35 सेमी.
  - **उत्पादक जिले -** बाड़मेर, अलवर, जयपुर, जोधपुर व लगभग संपूर्ण पश्चिमी राजस्थान
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** बाड़मेर, अलवर, जयपुर
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल :-** बाड़मेर, जोधपुर, जालौर
- **राजस्थान की देश में स्थिति -** राजस्थान का देश में पहला स्थान (देश का 41.34%) (कृषि सांख्यिकी 2024)
- **किस्में -** RCB- 2, RCB- 911, राज.- 171, बाजरा चरी- 2, RHB- 30, RHB-90, RHB-121, RHB-127, RHB-154, RHB-173, RHB-177, RHB-223, RHB-228, RHB-233, RHB-234
- **रोग -** हरित बाली, कण्डुआ
- **अन्य तथ्य :-**
  - **बाजरा अनुसंधान केन्द्र -** मंडोर (जोधपुर), गुड़ामालानी (बालोतरा)
  - **प्रोसेसिंग व इनक्यूबेशन सेंटर -** बाड़मेर (देश का पहला)
- **RHB–273**
  - यह दुनिया की पहली थ्री-वे संकर (तीन अलग-अलग किस्मों से मिलकर बनी) बाजरा किस्म है।
  - **विकासकर्ता –** राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा (जयपुर) तथा अर्ध शुष्क क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT), हैदराबाद।
  - यह किस्म **डाउनी मिल्ड्यू** और **ब्लास्ट** जैसे रोगों के प्रति प्रतिरोधी है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

2. मक्का:-

- **उपनाम :–** अनाजों की रानी, अमेरिकी पौधा
- **परिस्थितियाँ :-**
  - **तापमान:-** 12-35°C
  - **वर्षण :-** 50-80 सेमी.
  - **मृदा :-** लाल- लोमी
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल :-** भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
- **किस्में -** माही कंचन, माही धवल, (कृषि अनुसंधान केन्द्र, बाँसवाड़ा)
- **अन्य किस्में:-** सविता और **'मोती कम्पोजिट'**, अरुण, किरण, प्रभात, HM-4, 8, 9, नव ज्योत
- **उपयोग -** खाद्य व चारा
- **फसल :-** साइलेज चारा हरी पत्तियों का।
- **अन्य तथ्य :-**
  - **मक्का अनुसंधान केन्द्र:** बोरवट (बाँसवाड़ा)
  - **मक्का विशिष्ट मण्डी:** निम्बाहेड़ा (चितौड़गढ़)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

3. गेहूँ :-

- **उपनाम:-** काठिया, कनक
- मुख्य खाद्यान्न फसल
- **परिस्थितियाँ :-**
  - **तापमान :-**10-18°C
  - **वर्षण : -** 50-100 सेमी.
  - **मृदा :-** जलोढ़/दोमट
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर (अन्न का कटोरा), चित्तौड़गढ़
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल :-** श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़
  - गेहूँ उत्पादन में राजस्थान भारत का पाँचवाँ बड़ा राज्य है।
- **किस्में -** कल्याण सोना, सोनालिका, गंगा सुनहरी, कोहिनूर, चम्बल 65, राज.- 376, 821, 911, 1114, 1482, 3070, 3077, 3765, 3777, 4083, 4238, WH-1147, मालविका, दुर्गापुरा-65, मंगला, **खार्चिया**-65 (रेतीली भूमि के लिए उपर्युक्त), **लाल बहादुर, शरबती (उच्च गुणवत्ता वाली, आटे के लिए प्रसिद्ध), एम.जी. नाबी (काला गेहूँ), मैक्सिकन।**
- **उत्पादक प्रजातियाँ :-** (1) ट्रिटिकम एस्टीवम (चपाती) (2) ट्रिटिकम डुरुम (मेक्रोनी गेहूँ)
- **रोग :-** करजवा, रतुआ, टुण्डु

4. जौ :-

- **परिस्थितियाँ -** शुष्क व अर्द्धशुष्क जलवायु क्षेत्र
- **वर्षा :-** 50-80 सेमी
- **तापमान :-** प्रारंभ 15°C, पकते समय 20-22°C
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल :-** श्रीगंगानगर, जयपुर, सीकर
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** श्रीगंगानगर, जयपुर, सीकर
- **किस्में -** ज्योति, करण, कैलास, केदार, राज किरण, RD-2035, 2508, 57, RD-3064 (RARI दुर्गापुरा द्वारा)
- **उपयोग -** शराब व बीयर, पशु आहार, मधुमेह रोग, माल्ट उद्योग

5. चावल:-

- **उपनाम -** धान, सोना
- **औसत वर्षा :-** 100 - 150 सेमी
- खरीफ की फसल
- **सर्वाधिक उत्पादन -** बूंदी, हनुमानगढ़, कोटा
- **मृदा -** दोमट
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल -** बूंदी, हनुमानगढ़, कोटा
- **तापमान -** 20-30°C
- **राजस्थान धान का कटोरा -** श्रीगंगानगर
- **प्रमुख किस्में :-** माही सुगंधा, चम्बल, बासमती, कावेरी, रत्ना, परमल, जमुना, पद्मा, डांगर।
- माही सुगंधा चावल की किस्म कृषि अनुसंधान केंद्र बाँसवाड़ा द्वारा विकसित की गई।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

6. ज्वार:-

- **उपनाम -** गरीब की रोटी, केमल क्रॉप (**कारण -** अत्यधिक सुखा सहन करने के कारण)
- **तापमान -** बोते समय 35-40°C, काटते समय 25-32°C
- ज्वार शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु पौधा है।
- **सर्वाधिक उत्पादन -** अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़
- **उपयोग -** बीयर व **सॉर्बिटोल** निर्माण
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल -** अजमेर, पाली, टोंक
- **वर्षा -** 40-120 सेमी
- **ज्वार अनुसंधान केन्द्र-** वल्लभनगर (उदयपुर)

प्रमुख दलहनी फसलें :-

1. मूंग :-

- उर्वरता को बढ़ाता है।
- **तापमान** 20-25°C
- **वर्षा -** 50-80 सेमी
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल -** नागौर, जोधपुर, चूरू
- **सर्वाधिक उत्पादन -** नागौर, चूरू, जोधपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. चना :-

- **तापमान** -15-20°C
- **वर्षा** - 50-80 सेमी
- दलहनी फसलों में सर्वाधिक उत्पादन। (रबी की दलहन का 90 प्रतिशत)
- राजस्थान का देश में तीसरा स्थान - 17.39% उत्पादन। (आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार वर्ष 2023-24 में)
- राज्य में चना उत्पादन सर्दियों में मावठ से होता है।
- **सर्वाधिक बुवाई क्षेत्रफल** – अजमेर, जयपुर, जैसलमेर
- **सर्वाधिक उत्पादन** – चूरू, अजमेर, हनुमानगढ़
- **प्रमुख किस्में** - सम्राट, संगम, दोहदयलो, वरदान, GNG- 16, 663, 2144, 2171, 1488, 1499, PBG-10 (नई किस्म), RSG-888 (अनुभव), CSJ-515, RSG-973 (आभा), CSJD-884 (आकाश), RSG-991, RSG-963,
- **काबुली चने की किस्में** – CSJK-174, CSJK-21 (आनन्द)
- **अनुसंधान केन्द्र** - श्रीगंगानगर।

क्र.सं.	दलहन	सर्वाधिक उत्पादन	सर्वाधिक क्षेत्रफल
1	मोठ	बाड़मेर, बीकानेर, चूरू	बीकानेर, चूरू, बाड़मेर
2	उड़द	बूंदी, टोंक भीलवाड़ा	बूंदी, टोंक भीलवाड़ा
3	चवला/लोबिया	झुंझुनूं, सीकर, चूरू	झुंझुनूं, सीकर, चूरू
4	तुअर (अरहर)	बांसवाड़ा, उदयपुर, डूँगरपुर	बांसवाड़ा, उदयपुर, डूँगरपुर
5	मसूर	झालावाड़, प्रतापगढ़, झुंझुनूं	-
6	मटर	जयपुर, नागौर, अजमेर	-

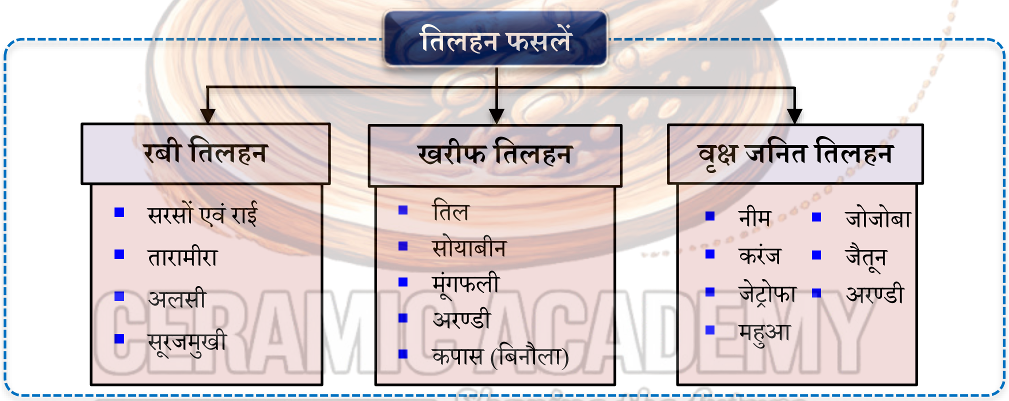

तिलहन फसलें

1. सरसों :-

- **देश में उत्पादन व क्षेत्रफल में स्थान** - प्रथम
- **मिट्टी** - दोमट एवं बलुई मृदा
- शीत एवं शुष्क जलवायु में उत्पादित
- **तापमान** - 20° - 25°C
- **वर्षा** - 75-100 सेमी.
- **राजस्थान** - सरसों का प्रदेश
- **पीली क्रांति** - सरसों से सम्बंधित है।
- **सरसों की मंडी** - सुमेरपुर (पाली)
- **केन्द्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र** - सेवर (भरतपुर)
  - **स्थापना - 1993**
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल** - टोंक, गंगानगर, बीकानेर
- **सर्वाधिक उत्पादन** - टोंक, अलवर, गंगानगर
- देश का 43.43% सरसों उत्पादन राजस्थान में। (राजस्थान > मध्यप्रदेश > उत्तरप्रदेश)
- **प्रमुख किस्में** - वरूणा-T59, बायो-902, पूसा बोल्ड, पूसा सरसों-25, पूसा सरसों-21, राज विजय सरसों, ब्रजराज, गिरिराज, RH-1706, 761, PM-31, दुर्गामणि

2. मूँगफली

- उष्ण कटिबंधीय जलवायु की फसल
- खरीफ की फसल है।
- **वर्षा-** 50-125 सेमी
- **तापमान-** 25° - 30°C
- **मिट्टी -** दोमट
- मिट्टी में नाइट्रोजन (N_2) को बढ़ाती है।
- **राजस्थान -** दूसरा स्थान
- **राजस्थान का राजकोट -** लूणकरणसर
- **उष्णकटिबंधीय जलवायु फसल**
- **किस्में -** चन्द्रा, RSB-87, RG-648, 575
- **सर्वाधिक उत्पादन –** बीकानेर, जोधपुर, चूरू
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** बीकानेर, जोधपुर, चूरू
- **नोट:** *दक्षिण भारत में रबी की फसल।*

3. सोयाबीन :-

- तिलहन तथा दलहन दोनों में शामिल किया जाता है।
- **वर्षा-** 75-100 सेमी
- **तापमान-** 25° - 35°C
- **राजस्थान का स्थान –** तीसरा
- **प्रमुख उत्पादक जिलें -** बारां, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, बूंदी
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** झालावाड़, बारां, कोटा
- **सर्वाधिक उत्पादन –** बारां, झालावाड़, कोटा
- **किस्में –** प्रतापराज-24
- **उपयोग –**
  - खाद्य तेल निर्माण
  - औद्योगिक उत्पादन निर्माण (पेंट, साबुन, ग्लिसरीन)
  - दाल बनाने में
  - प्रोटीन प्राप्ति हेतु

4. तिल:-

- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** पाली, सवाई माधोपुर, जोधपुर/करौली
- **सर्वाधिक उत्पादन –** पाली, सवाई माधोपुर, जोधपुर
- **किस्में -** RT-46, 54, 351, प्रगति
- **उष्ण-** आर्द्र जलवायु की फसल
- खरीफ की फसल है।

5. अलसी

- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** प्रतापगढ़, झालावाड़, चित्तौड़गढ़
- **सर्वाधिक उत्पादन –** प्रतापगढ़, झालावाड़, चित्तौड़गढ़
- **प्रमुख जिले -** हाड़ौती (कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़), प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़
- **किस्में -** पार्वती, त्रिवेणी।
- **उपयोग -** तेल निर्माण, रेशा निर्माण

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

6. अरण्डी

- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** जालौर, बाड़मेर, सिरोही
- **उपयोग -** तेल निर्माण, दवाई निर्माण
- **सर्वाधिक उत्पादन –** जालौर, सिरोही, बाड़मेर

7. तारामीरा

- बारानी भूमि पर उत्पादित किया जाता है।
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** जयपुर, पाली, सीकर
- **सर्वाधिक उत्पादन –** जयपुर, पाली, सीकर
- **उपयोग -** साबुन निर्माण

8. जोजोबा/होहोबा

- **उपनाम -** पीला सोना, मरूस्थलीय सोना।
- **मूलत:** इजरायली पौधा।
- **सरकारी जोजोबा फार्म -** ढूंढ़ (जयपुर), फतेहपुर (सीकर)
- **प्रमुख किस्में -** गौरव, मैक्स-13, पूसा-16
- **प्रकृति -** झाड़ीनुमा पौधा।
- तिलहनी पौधा।
- **उपयोग –** स्नेहक तेल का उत्पादन

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

9. जैतून

- राज्य द्वारा सर्वप्रथम बागवानी फसल घोषित किया।
- **उत्पादन में राज्य का स्थान -** प्रथम
- **उपयोग -** खाद्य तेल, सौन्दर्य प्रसाधन, दवा निर्माण
- **देश की पहली जैतून रिफायनरी -** लूणकरणसर (बीकानेर)
- **ओलिव ग्रीन टी फैक्ट्री -** बस्सी (जयपुर)

10. रतनजोत एवं करंज

- **उपयोग –** बायोडीजल
- **बायोडीजल प्लांट -** झामरकोटड़ा (उदयपुर)

व्यापारिक फसलें

1. गन्ना -

- भारतीय पौधा
- **परिस्थितियाँ –**
  - **तापमान :-** 15-25 °C
  - **वर्षा :-** 125-165 सेमी.
  - **मृदा :-** चीका / काली (कांपीय मृदा)
  - उष्ण कटिबंध जलवायु फसल
- **सर्वाधिक उत्पादन :-**
  - **क्षेत्रफल :-** श्रीगंगानगर, चितौड़गढ़, बूंदी
  - **उत्पादकता :-** श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़, बूंदी
- **किस्में –** CO-419,449, कोएच 92201, CO.SH-95255, 96268, सीओ पन्त 84211
- **उपयोग -** चीनी उद्योग

2. कपास

- **उपनाम -** बणिया, नरमा, सफेद सोना
- **परिस्थितियाँ –**
  - **तापमान:-** बोते समय: 20-25°C
    पकते समय: 30-35°C
  - **वर्षण:-** 75-100 सेमी.
  - उष्णकटिबंधीय पौधा
  - **पाला रहित समय की आवश्यकता :-** 90 दिन
- **सर्वाधिक उत्पादन:-** श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल :-** श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर
- **देशी कपास :-** श्री गंगानगर
- **किस्में –** नरमा (अमेरिकन कपास), RG-8 (देशी कपास), गंगानगर अगेती, वराह लक्ष्मी, बीकानेरी नरमा, संकर-4, वीरनार, GRG-8

NOTE:- राज्य सरकार द्वारा गैर-संशोधित बीटी कपास हाइब्रिड की व्यावसायिक खेती के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की **जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति** तथा बीटी कपास पर स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुसार खरीफ-2026 के लिए **बीटी कपास हाइब्रिड बीजों** की बिक्री की औपचारिक अनुमति जारी कर दी गई है। इसके तहत अनुमोदित **34 बीज कंपनियां** राज्य के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की आपूर्ति कर सकेंगी।

- **Bt-कपास:-** रेशा सबसे लंबा
- **राज HH-16 :-** राज्य की प्रथम संकर किस्म;
- **बिनौला :-** कपास का बीज
  - **उपयोग -** पशु आहार
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर; **उपकेन्द्र:-** बांसवाड़ा
- **उपयोग -** सूती वस्त्र उद्योग का आधार

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

3. ग्वार

- **सर्वाधिक उत्पादन:-** बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल :-** बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़
- **उपयोग :-**

  1. खाद्य पदार्थ 2. दवा निर्माण 3. श्रृंगार साधन 4. कपड़ा उद्योग
- **अंतर्राष्ट्रीय मंडी –** जोधपुर
- **राज्य का स्थान –** प्रथम (88.80%)

4. तम्बाकू :-

- उष्णकटिबंधीय पौधा
- **तापमान :-** 16-40°C
- **वर्षा :-** 50-100 सेमी.
- **प्रमुख किस्में -** निकोटिन ट्बेकम, निकोटिन रस्टिका, (सर्वाधिक उत्पादन)
- **सर्वाधिक उत्पादन -** जालौर, अलवर, झुंझुनूं
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल -** जालौर, अलवर, करौली
- **प्रमुख रोग -** मोजेक

5. ईसबगोल

- **सर्वाधिक उत्पादन –** नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर
- **सर्वाधिक क्षेत्रफल –** बाड़मेर, जालौर, नागौर
- **उपयोग –** औषधि निर्माण, बीजों से भूसी निर्माण
- **अनुसंधान केन्द्र -** मंडोर (जोधपुर)
- **ईसबगोल मंडी -** भीनमाल (जालौर)

8. खजूर

- **प्रमुख क्षेत्र -** पश्चिमी राजस्थान
- **सर्वाधिक संभावना -** बीकानेर
- **खजूर अनुसंधान केन्द्र -** बीकानेर
- **खजूर प्रयोगशाला -** चौपासनी (जोधपुर)

9. गुलाब

- **सर्वाधिक उत्पादन -** अजमेर
- **प्रसिद्ध -** खमनौर (राजसंमद), नाथद्वारा (राजसंमद)
- **किस्म -** चैती (दमस्क)
- **गुलाब नगरी -** पुष्कर

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

प्रमुख अनुसंधान केन्द्र

केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र :-

- **केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र (CAZRI) -** जोधपुर [1959]
- **केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान (CIAH) -** बीछवाल (बीकानेर), 1993
- **रेपसीड तथा सरसों अनुसंधान केन्द्र (1993)** – सेवर (भरतपुर)
- **राजस्थान बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र (NRCSS)-** तबीजी (अजमेर- 2000)

राज्य अनुसंधान केन्द्र :-

- **राजस्थान कृषि अनुसंधान केन्द्र (1943)-** दुर्गापुरा, जयपुर
- **इसबगोल, बाजरा अनुसंधान केन्द्र –** जोधपुर
- **पादप क्लिनिक अनुसंधान केन्द्र –** मंडोर, जोधपुर
- **कपास अनुसंधान केन्द्र –** श्रीगंगानगर
- **बेर व खजूर अनुसंधान केन्द्र –** बीकानेर
- **बाजरा अनुसंधान केन्द्र –** गुड़ामालानी, बालोतरा
- **ज्वार अनुसंधान केन्द्र -** वल्लभ नगर, उदयपुर
- **मक्का व चावल अनुसंधान केन्द्र –** बांसवाड़ा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कृषि विश्व विद्यालय

1. **स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय -** बीकानेर (1987)
2. **महाराणा प्रताप कृषि व तकनीक विश्वविद्यालय -** उदयपुर (1999)
3. **कृषि विश्वविद्यालय -** बोरखेड़ा (कोटा) (2013)
4. **कृषि विश्वविद्यालय -** मंडोर (जोधपुर) (2013)
5. **श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय -** जोबनेर (जयपुर) (2013)

- **मीठी क्रांति:-** देश के कुल शहद उत्पादन में 9% योगदान के साथ राजस्थान शीर्ष 5 राज्यों में शामिल हो गया है।
- **शहद उत्कृष्टता केंद्र :-** टोंक व भरतपुर।
- **उत्पादन :-** 8,200 मीट्रिक टन।

कृषि संस्थाएँ

1. **कृषि अनुसंधान निदेशालय -** उदयपुर [1964], वर्तमान - बीकानेर
2. **राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड -** जयपुर [1974]
3. **राजस्थान कृषि उद्योग निगम –** 01 अगस्त, 1969
4. **राजस्थान राज्य बीज निगम (RSSCL) -** 1978
5. **तिलम संघ -** जयपुर [1990], सहयोग - यूरोपियन आर्थिक समुदाय [E.U.]
6. **राज्य कृषि प्रबंध संस्थान -** दुर्गापुरा (जयपुर), शाखाएं - टोंक व कोटा

प्रमुख कृषि फार्म

- **केन्द्रीय कृषि फार्म -** सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)- 1956 (सहयोग – रूस)
- **एशिया का सबसे बड़ा केन्द्रीय कृषि फार्म -** जैतसर (अनूपगढ़), 1962 (सहयोग – कनाडा)

राजस्थान में बागवानी फसलों के उत्कृष्टता केन्द्र (सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस)

क्र.	उद्यानिकी फसल	उत्कृष्टता केन्द्र (स्थान)
1.	खट्टे फल उत्कृष्टता केन्द्र (सिट्रस फ्रूट)	नांता, कोटा
2.	ड्रैगन फ्रूट व अनार उत्कृष्टता केन्द्र	बस्सी, जयपुर
3.	खजूर उत्कृष्टता केन्द्र	सगराभोजका, जैसलमेर
4.	अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र	सवाईमाधोपुर तथा देवडावास- टोंक
5.	सब्जी-फल उत्कृष्टता केन्द्र	बूंदी
6.	संतरा, मसाले तथा औषधीय पेड़ो के लिए उत्कृष्टता केन्द्र	झालावाड़
7.	आंवला, आम, बेर, जैतून उत्कृष्टता केन्द्र	खेमरी, धौलपुर
8.	फूल उत्कृष्टता केन्द्र	सवाई माधोपुर
9.	सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र	चितौड़गढ़
10.	नारियल उत्कृष्टता केन्द्र	बीसलपुर, टोंक
11.	जैविक कृषि उत्कृष्टता केन्द्र	झालावाड़
12.	पपीता उत्कृष्टता केन्द्र	बहरावण्डा, दौसा
13.	अंजीर उत्कृष्टता केन्द्र	सिरोही
14	आम उत्कृष्टता केन्द्र	बांसवाड़ा
15	किन्नू उत्कृष्टता केन्द्र	गंगानगर
16	प्याज एवं सब्जी	अलवर
17	नेचुरल फार्मिंग उत्कृष्टता केन्द्र	जॉबनेर, जयपुर (श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

फ़सल	राजस्थान में सर्वाधिक उत्पादन (2023-24)	फ़सल	राजस्थान में सर्वाधिक उत्पादन (2023-24)
मिर्च	सवाई माधोपुर	आलू	धौलपुर
अदरक	उदयपुर	प्याज़	जोधपुर
हल्दी	बीकानेर	शकरकंद	सीकर
धनिया	झालावाड़	सिंघाड़ा	कोटा
जीरा	बाड़मेर	मेहंदी	पाली
अजवायन	चित्तौड़गढ़	तम्बाकू	जालौर
लहसुन	झालावाड़	ईसबगोल	जैसलमेर
सौंफ	नागौर	मटर	जयपुर
मेथी	बीकानेर	तिल	पाली
पपीता	सिरोही	अरंडी	जालौर

मुख्य फसलें व राजस्थान का योगदान

क्र.सं.	फसल	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान	राजस्थान का देश के कुल उत्पादन में योगदान (%)
1	राई एवं सरसों	राजस्थान	मध्यप्रदेश	उत्तर प्रदेश	43.43%
2	बाजरा	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	गुजरात	41.34%
3	कुल तिलहन	राजस्थान	मध्यप्रदेश	गुजरात	23.61%
4	पोषक अनाज	राजस्थान	कर्नाटक	उत्तर प्रदेश	14.21%
5	ग्वार	राजस्थान	हरियाणा	गुजरात	88.80%
6	मूँगफली	गुजरात	राजस्थान	मध्यप्रदेश	19.91%
7	ज्वार	महाराष्ट्र	कर्नाटक	राजस्थान	14.87%
8	चना	मध्यप्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	17.39%
9	कुल दलहन	मध्यप्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	13.76%
10	सोयाबीन	मध्यप्रदेश	महाराष्ट्र	राजस्थान	8.96%

खरीफ फसलें — अन्तिम उत्पादन अनुमान (2022-23)

फसल	घटते क्रम में (उत्पादन) — शीर्ष 3 जिले	घटते क्रम में (क्षेत्रफल) — शीर्ष 3 जिले
चावल	बूंदी, हनुमानगढ़, कोटा	बूंदी, हनुमानगढ़, कोटा
ज्वार	अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौडगढ़	अजमेर, पाली, टोंक
बाजरा	बाड़मेर, अलवर, जयपुर	बाड़मेर, जोधपुर, जालौर
मक्का	भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर	भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
मूंग	नागौर, जोधपुर, चुरू	नागौर, चूरू, जोधपुर
मोठ	बाड़मेर, बीकानेर, चूरू	बीकानेर, चूरू, बाड़मेर
चवला	झुंझुनू, सीकर, चूरू	झुंझुनू, सीकर, चूरू
उड़द	बूंदी, टोंक, भीलवाड़ा	बूंदी, टोंक, भीलवाड़ा
तुअर	बाँसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर	बाँसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर
मूँगफली	बीकानेर, जोधपुर, चूरू	बीकानेर, जोधपुर, चूरू
तिल	पाली, सवाई माधोपुर, जोधपुर/करौली	पाली, सवाई माधोपुर, जोधपुर
सोयाबीन	बारां, झालावाड़, कोटा	झालावाड़, बारां, कोटा
अरण्डी	जालौर, सिरोही, बाड़मेर	जालौर, बाड़मेर, सिरोही
गन्ना	गंगानगर, चित्तौड़गढ़ ,बूंदी	गंगानगर, चित्तौड़गढ़, बूंदी
कपास	गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर	गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर
ग्वार	बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर	बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

रबी फसलें — अन्तिम उत्पादन अनुमान (2022-23)

फसल	घटते क्रम में (उत्पादन) — शीर्ष 3 जिले	घटते क्रम में (क्षेत्रफल) — शीर्ष 3 जिले
गेहूँ	हनुमानगढ़, गंगानगर, चित्तौड़गढ़	गंगानगर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़
जौ	गंगानगर, जयपुर, सीकर	गंगानगर, जयपुर, सीकर
चना	अजमेर, जयपुर, जैसलमेर	चूरू, अजमेर, हनुमानगढ़
मसूर	झालावाड़, प्रतापगढ़, झुंझुनूं	झालावाड़, प्रतापगढ़, झुंझुनूं
मटर	जयपुर, नागौर, अजमेर	जयपुर, नागौर, सीकर
सरसों / राई	टोंक, अलवर, गंगानगर	टोंक, गंगानगर, बीकानेर
तारामीरा	जयपुर, पाली, सीकर	जयपुर, पाली, सीकर
अलसी	प्रतापगढ़, झालावाड़, चित्तौड़गढ़	प्रतापगढ़, झालावाड़, चित्तौड़गढ़

Sources: Rajasthan Agricultural Statistics at a Glance 2022-23, Commissionerate of Agriculture, Rajasthan, Jaipur

राजस्थान की प्रमुख फल-सब्जी (मुख्य / गौण) विशिष्ट मंडियाँ

क्र.	विशिष्ट मण्डी	जिन्स का नाम
1	गंगानगर	किन्नू व माल्टा मंडी
2	साधुवाली (गंगानगर)	गाजर विशिष्ट मंडी
3	चौमू (जयपुर)	आंवला मंडी
4	सवाई माधोपुर	अमरूद मंडी
5	भवानी मंडी (झालावाड़)	संतरा मंडी
6	सायला (जालौर)	अनार मंडी
7	पुष्कर (अजमेर)	फूल मंडी
8	बीकानेर	मूँगफली मंडी

क्र.	विशिष्ट मण्डी	जिन्स का नाम
9	मदनगंज (अजमेर)	दलहन विशिष्ट मंडी
10	आगणवां (जोधपुर)	ज्योतिबा फूले कृषि उपज मंडी
11	अलवर, रसीदपुरा (सीकर)	प्याज मंडी
12	बस्सी (जयपुर)	टमाटर मंडी
13	शाहपुरा (जयपुर)	टिण्डा मंडी
14	बसेड़ी (जयपुर)	मटर मंडी

क्र.सं.	विवरण	जानकारी
1	राज्य में सर्वाधिक कृषित क्षेत्रफल वाला जिला	बीकानेर
2	राज्य में न्यूनतम कृषित क्षेत्रफल वाला जिला	सलूम्बर
3	खाद्यान्न फसलों में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाली फसल	बाजरा
4	खाद्यान्न फसलों में सर्वाधिक उत्पादन वाली फसल	गेहूँ
5	दलहनी फसलों में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाली फसल	मूंग
6	दलहनी फसलों में सर्वाधिक उत्पादन वाली फसल	चना
7	तिलहनी फसलों में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाली फसल	सरसों
8	तिलहनी फसलों में सर्वाधिक उत्पादन वाली फसल	सरसों
9	प्रसिद्ध मेहंदी	सोजत की मेहंदी (पाली) और गिलूंड (राजसमंद) की लाल सुर्ख रंग वाली मेहंदी प्रसिद्ध है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	कृषि का प्रकार	विवरण	प्रमुख क्षेत्र
1	**मिश्रित कृषि**	कृषि एवं पशुपालन संयुक्त रूप से किया जाता है।	राजस्थान में मिश्रित कृषि सर्वाधिक बाड़मेर में की जाती है।
2	**बारानी कृषि**	मानसून पर आधारित कृषि	राजस्थान में बारानी कृषि सर्वाधिक बाड़मेर में की जाती है।
3	**शुष्क कृषि**	75 सेमी. से कम वर्षा पर आधारित कृषि	प्रमुख फसलें – बाजरा, ग्वार, मूंग, मोठ, चना
4	**आर्द्र कृषि**	75 सेमी. से अधिक वर्षा पर आधारित कृषि	प्रमुख फसलें – गन्ना, चावल, गेहूँ, कपास
5	**रिलेकल्चर**	बहुफसल की पद्धति जिसमें पहली फसल की कटाई से पहले दूसरी फसल बोई जाती है।	एक कृषि वर्ष - 1 जुलाई से 30 जून तक
6	**खड़ीन कृषि**	पश्चिमी राजस्थान में वर्षाजल रोककर की जाने वाली पारंपरिक कृषि पद्धति	पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा प्रारंभ; मुख्यतः जैसलमेर में प्रचलित
7	**स्थानांतरित कृषि**	पेड़ों को काटकर / जलाकर की जाने वाली कृषि	अन्य नाम – झूमिंग कृषि, कर्तन या दहन कृषि, राजस्थान में "वालरा" कहा जाता है; प्रमुख क्षेत्र – डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर; इसे "आदिवासियों की कृषि" और "पर्यावरण की दुश्मन" भी कहा जाता है। प्रकार – चिमाता (पहाड़ी), दजिया (मैदान)
8	**मोनोकल्चर**	एक कृषि वर्ष में एक खेत में एक फसल का उत्पादन किया जाता है।	—
9	**ड्यूओकल्चर**	एक कृषि वर्ष में एक खेत में दो फसलों का उत्पादन किया जाता है।	—
10	**ओलिगोकल्चर**	एक कृषि वर्ष में एक खेत में तीन फसलों का उत्पादन किया जाता है।	—

क्रमांक	फसल	आवश्यक वर्षा (सेमी.)	उपयुक्त तापमान (°C)	उपयुक्त मिट्टी का प्रकार
1	**बाजरा**	25 – 50	28° – 35°	रेतीली, जलोढ़
2	**जौ**	50 – 100	15° – 20°	जलोढ़
3	**गेहूँ**	50 – 100	15° – 20°	जलोढ़
4	**सरसों**	50 – 100	15° – 20°	जलोढ़
5	**कपास**	50 – 100	21° – 28°	काली मिट्टी
6	**मक्का**	50 – 100	21° – 28°	लाल चिकनी मिट्टी
7	**गन्ना**	125 – 150	18° – 24°	जलोढ़
8	**चावल**	150 – 200	10° – 24°	जलोढ़

क्र.सं.	प्रसंस्करण / पार्क का नाम	स्थान (जिला)
1	एग्रो प्रोसेसिंग पार्क	भुसावर (भरतपुर)
2	फूड पार्क	भुसावर (भरतपुर)
3	अमरूद, आंवला एवं मिर्च प्रसंस्करण इकाई	सवाई माधोपुर
4	जीरा प्रोसेसिंग पार्क	मेड़ता सिटी
5	ईसबगोल प्रोसेसिंग पार्क	सिरोही
6	मसाले (Spices) पार्क	जोधपुर व बारां
7	अनार प्रोसेसिंग पार्क *(निजी क्षेत्र के सहयोग से)*	बालोतरा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कृषि उत्पादन की विभिन्न शाखाएँ

- **सेरीकल्चर :-** रेशम कीट या रेशम उत्पादन
- **पिसीकल्चर :-** मछली या मत्स्य पालन
- **एपीकल्चर :-** मधुमक्खी पालन या शहद उत्पादन
- **विटीकल्चर :-** अंगूर की खेती
- **हॉर्टीकल्चर :-** बागवानी (फल, फूल, सब्जियाँ)
- **पोमोकल्चर :-** फल उत्पादन
- **फ्लोरीकल्चर :-** फूलों की खेती
- **ऑलेरीकल्चर :-** सब्जियों की खेती
- **ऑलिवीकल्चर :-** ऑलिव (जैतून) की खेती
- **सिल्वीकल्चर :-** वनों का संरक्षण एवं संवर्धन
- **वर्मीकल्चर :-** केंचुआ पालन (वर्मी कम्पोस्ट हेतु)

श्री अन्न योजना

- **प्रारंभ वर्ष:** वर्ष 2023
- **उद्देश्य:** मोटे अनाज (Millets) के उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और उपभोग को बढ़ावा देना।
- **राजस्थान से जुड़ाव:** इस योजना में **राजस्थान का बाजरा** (Pearl Millets) प्रमुख रूप से शामिल है।
- **'श्री अन्न' के रूप में घोषित प्रमुख मोटे अनाज:**
  - बाजरा
  - रागी
  - कंगनी
  - कुटकी
  - ज्वार
  - सांवा
  - कोदो
  - चीना

  Note:- मक्का और गेहूँ मोटे अनाज में नहीं आते हैं ।
- **राजस्थान की भूमिका:-** देश में मिलेट्स के कुल उत्पादन में **16% से अधिक योगदान** राजस्थान का है।
  - **बाजरा उत्पादन में राजस्थान देश में प्रथम स्थान** रखता है।
- **संस्थान व पहलें:**
  - **कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में Centre of Excellence on Pearl Millets** की स्थापना की जा रही है।
  - **Agro Processing Policy–2024** के अंतर्गत **श्री अन्न Promotion Agency** की स्थापना की जाएगी।
  - इस नीति में **Millets (श्रीअन्न)** के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं ताकि निवेश, प्रसंस्करण और विपणन को प्रोत्साहन मिल सके।

For RAS Mains:-

- **राजस्थान में कृषि की विशेषताएँ एवं महत्व:-**
  - **आधारभूत स्थिति :-** राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित।
    - कुल भौगोलिक क्षेत्र का **53.02%** कृषि उपयोग में। (आर्थिक समीक्षा 2025-26)
    - लगभग **62% जनसंख्या** की जीविका का आधार कृषि।
  - **प्राकृतिक नियंत्रण :-** कृषि जलवायु, धरातल, मिट्टी और जल उपलब्धता से नियंत्रित।
    - अरावली पर्वतमाला, थार मरुस्थल व चंबल के बीहड़ क्षेत्र कृषि में बाधक।
  - **मुख्य विशेषताएँ –**
    - **मानसून आधारित कृषि** – वर्षा पर निर्भर, इसलिए **"मानसून का जुआ"** कहलाती है।
    - **खाद्यान्न प्रधान कृषि** – वाणिज्यिक फसलों की अपेक्षा खाद्यान्न फसलें प्रमुख।
    - **मिश्रित कृषि** – कृषि के साथ पशुपालन व्यापक रूप से।
    - **शुष्क कृषि प्रणाली** – वर्षा की कमी के कारण नमी संरक्षण तकनीक अपनाई जाती है।
    - **मौसमी कृषि** – खरीफ की 90% फसलें बारानी (वर्षा आधारित)।
    - **सिंचाई की कमी** – केवल **40.9% कृषि क्षेत्र** सिंचित।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **उर्वरक उपयोग कम –**
    - **राष्ट्रीय औसत:** 137 किग्रा/हेक्टेयर
    - **राजस्थान: 65.35** किग्रा/हेक्टेयर (2022-23)
    - **सर्वाधिक उपयोग:** श्रीगंगानगर, **न्यूनतम:** डूंगरपुर
- **मानव श्रम की प्रधानता** – यंत्रीकरण सीमित।
- **क्षेत्रीय विविधता –**
    - **पूर्वी राजस्थान:** 66% फसली क्षेत्र
    - **पश्चिमी राजस्थान:** <25%
- **बड़ी जोतें, कम उत्पादकता** :- औसत जोत आकार: 2.73 हैक्टेयर
    - **राष्ट्रीय औसत:** 1.08 हैक्टेयर
- **तकनीकी पिछड़ापन** – आधुनिक कृषि तकनीक का सीमित उपयोग।
- **प्रमुख फसलें –**
    - **खरीफ:** बाजरा (राजस्थान देश में प्रथम)
    - **तिलहन:** राई व सरसों
    - **रबी:** गेहूँ
    - **दालें:** उत्पादन में चना, क्षेत्रफल में मूंग
    - **नकदी फसल:** कपास (गंगानगर, हनुमानगढ़)

✦ **भूमि विशेषताएँ :-** बंजर भूमि - सर्वाधिक **जैसलमेर में**

- **बीहड़ भूमि** – सर्वाधिक **धौलपुर में**

✦ **महत्त्व :-** राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़।

- कृषि से सहायक उद्योग (डेयरी, ऊन, तेल उद्योग)।
- ग्रामीण रोजगार का प्रमुख स्रोत।

✦ **मुख्य समस्याएँ:-**

क्रमांक	समस्या का प्रकार	प्रमुख कारण / विवरण
1	प्राकृतिक आपदाएँ / प्रकोप	राजस्थान की भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियाँ कृषि के लिए प्रतिकूल हैं। **मुख्य समस्याएँ:** ✦ मरुस्थलीय क्षेत्र की प्रधानता ✦ पर्वतीय क्षेत्र की उपस्थिति ✦ न्यून एवं अनिश्चित वर्षा ✦ बार-बार अकाल की स्थिति ✦ मृदा अपरदन (Soil Erosion) ✦ प्राकृतिक जल स्रोतों की कमी ✦ नहरी क्षेत्रों में सेम (Water-Logging) एवं लवणीयता की समस्या
2	आर्थिक कारण	**कृषि के पिछड़ेपन के मुख्य आर्थिक कारण —** ✦ कृषक निर्धनता ✦ पिछड़ी उत्पादन प्रणाली ✦ सिंचाई की कमी ✦ परिवहन सुविधाओं का अभाव ✦ कृषि में पूँजी निवेश की कमी ✦ कृषि आधारित उद्योगों की न्यूनता ✦ कृषि नीति के क्रियान्वयन का अभाव ✦ उर्वरक, बीज व कीटनाशकों का अधिक मूल्य ✦ भंडारण, ग्रेडिंग व विपणन की कमजोर व्यवस्था
3	सामाजिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयाँ	**राज्य के कृषि विकास में सामाजिक एवं नीतिगत बाधाएँ —** ✦ किसानों के बड़े परिवार व छोटे खेत ✦ अशिक्षा ✦ सामाजिक कुरीतियों पर व्यर्थ व्यय ✦ भूमि का उपविभाजन व अपखण्डन ✦ दोषपूर्ण भू-स्वामित्व प्रणाली (भूमिहीन मजदूरों की अधिकता) ✦ कृषि नीतियों का सही क्रियान्वयन न होना

✦ **निष्कर्ष:** उपर्युक्त सभी कठिनाइयों के कारण राजस्थान का कृषि विकास धीमा रहा है। सरकार द्वारा सिंचाई, तकनीक, बीज सुधार, उर्वरक वितरण, प्रशिक्षण एवं योजनाओं के माध्यम से सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सरकारी प्रयास

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM)-2026

- **आयोजन -** जयपुर
- **इसके प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से रोड शो और इन्वेस्टर मीट आयोजित किए जाएंगे –**

  [1] जयपुर [2] दिल्ली [3] अहमदाबाद [4] हैदराबाद [5] पुणे

पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन

- **आयोजन -** जयपुर
- **उद्घाटन –** शिवराज सिंह चौहान
- **संस्करण –** पहला
- **केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं –**

  [1] खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना। [2] किसानों की आय बढ़ाना [3] खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना

एग्रीस्टैक

- **यूनिक किसान आईडी –**

रैंक	1	2	3	4
राज्य	उतरप्रदेश	महाराष्ट्र	मध्यप्रदेश	राजस्थान
जारी किसान आईडी	1.99 करोड़	1.31 करोड़	1.04 करोड़	83.39 लाख

- यह एक डिजीटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) है।
- **लक्ष्य -** डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकत्रित कर कृषि सेवाओं को सुव्यवस्थित करना।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

PYQ Questions

1. इनमें से किस जिले में चावल का उत्पादन होता है? (LDC 2011)

(a) भीलवाड़ा (b) टोंक

(c) बूंदी (d) धौलपुर

2. मिश्रित खेती की निम्न में से कौन-सी मुख्य विशेषता है? (Asst. conservator forest exam 2011)

(a) दो या अधिक फसलों का एक साथ उत्पादन

(b) फसल उत्पादन के साथ पशुपालन भी संयुक्त रूप से

(c) एक ही खेत में नकद फसलों व खाद्य फसलों का उत्पादन

(d) एक ही समय पर दो या अधिक नकदी फसलों का उत्पादन

3. "राजस्थान-3077" किस्म का सम्बन्ध किस फसल से है ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) चावल (b) गेहूँ

(c) मक्का (d) मूँग

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – [Agriculture Dept. 2024]

सूची-I	सूची-II
(A) I-A	(i) अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदान
(B) II-A	(ii) शुष्क उत्तर-पश्चिमी मैदान
(C) III-A	(iii) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(D) IV-A	(iv) अन्तः प्रवाह शुष्क प्रदेश

कूट -

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

(b) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)

(c) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

5. राजस्थान में शुष्क खेती उन भागों में की जाती है जहाँ : - (AGRICULTURE OFFICER 2011)

(a) वर्षा 50 से.मी. से कम हो (प्रति वर्ष)

(b) झूमिंग प्रणाली प्रचलित हो

(c) वर्षा 100 से.मी. होती हो। (प्रति वर्ष)

(d) वर्षा 100 से.मी. से अधिक हो। (प्रति वर्ष)

6. 'राज-171' तथा 'मोती' उन्नत किस्में हैं – [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

(a) मक्का की (b) बाजरा की

(c) ज्वार की (d) गेहूँ की

7. निम्नलिखित फसलों पर विचार कीजिए : (AEN – 2013)

(A) चावल (B) गेहूँ

(C) बाजरा (D) चना

इनमें से कौन सी खरीफ की फसलें हैं ?

(a) (A) और (D) केवल (b) (B) व (C) केवल

(c) (A) और (C) केवल (d) (A), (B) और (C) केवल

8. राजस्थान के III-B कृषि जलवायु प्रदेश में आने वाला जिला समूह कौन सा है ? [Asst. Fisheries D. O. 2025]

(a) अलवर, भरतपुर, धौलपुर (b) अजमेर, जयपुर, नागौर

(c) कोटा, बाराँ, झालावाड़ (d) उदयपुर, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा

9. राजस्थान के किस जिले में अमेरिकन कपास का उत्पादन होता है? (Stenographer comp. exam 2011)

(a) कोटा (b) चित्तौड़गढ़

(c) उदयपुर (d) गंगानगर

10. राजस्थान में माही कंचन, माही धवल और मेघा किस्म हैं – (SCHOOL LECTURER 2013 G.K)

(a) मक्का की (b) चना की

(c) गेहूँ की (d) चावल की

11. राजस्थान के आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान कृषि जलवायु प्रदेश की रबी के मौसम की प्रमुख फसलें हैं: [Asst. Fisheries D. O. 2025]

(a) ज्वार और सोयाबीन (b) ज्वार और काला चना

(c) गेहूँ और मक्का (d) गेहूँ और सरसों

12. राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र (NMRC) की 'सेवर' में स्थापना हुई? (College Lecturer - 2014)

(a) 1993 (b) 2003

(c) 2004 (d) 2007

13. राजस्थान के मानचित्र पर छायांकित क्षेत्र (Shaded area) किस फसल के मुख्य क्षेत्र को प्रकट करता है ? (College Lecturer - 2014)

(a) मक्का (b) बाजरा

(c) जौ (d) ज्वार

14. राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत क्षेत्र कृषि योग्य है ? (School Lecturer-2015)

(a) 42 (b) 51

(c) 60 (d) 81

15. कृषि सांख्यकी 2022-23 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक जौ उत्पादित करने वाला जिला था - [Deputy Com.– 2025]

(a) जयपुर (b) उदयपुर

(c) भरतपुर (d) जोधपुर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

16. **राजस्थान में मक्का की कौनसी एक किस्म नहीं है?** **[Deputy Com.– 2025]**
(a) नवज्योत (b) धवल
(c) माही-कंचन (d) आर.सी.बी.- 911

17. **राजस्थान की जनसंख्या का कितना प्रतिशत अपनी आजीविका के लिये कृषि और सहायक गतिविधियों पर निर्भर करता है?** **(Clerk GR II Comb. Comp. Exam - 2013)**
(a) 52 प्रतिशत (b) 62 प्रतिशत
(c) 72 प्रतिशत (d) 68 प्रतिशत

18. **कोटा, झालावाड़, बूंदी और बारां जिले किस कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मिलित हैं?** **(Technical Assistant (G.W.D.) – 2024)**
(a) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान (b) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान
(c) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान (d) आर्द्र दक्षिणी मैदान

19. **राजस्थान में किस फसल के लिए प्रोजेक्ट गोल्डन रेज़ 2009 प्रारम्भ किया गया था?** **(Research Assistant – 2016)**
(a) मक्का (b) अरहर
(c) सरसों (d) गेहूँ

20. **कौनसा समूह राजस्थान में खरीफ की फसलों से संबंधित है?** **(Asst. Agriculture Officer (TSP) – 2015)**
(a) अरहर, चना, जौ, बाजरा (b) अरहर, मक्का, जौ, सरसों
(c) मक्का, बाजरा, ज्वार, अरहर (d) मक्का, बाजरा, सरसों, जौ

21. **राजस्थान में जालौर और बाड़मेर जिले किस फसल के अग्रणी उत्पादक हैं?** **(Asst. Agri Officer - 2015)**
(a) आलू (b) ईसबगोल
(c) लहसुन (d) धनिया

22. **तिल किसकी फसल है?** **(Asst. Agri Officer - 2015)**
(a) रबी (b) खरीफ
(c) जायद (d) इनमें से कोई नहीं

23. **कौनसा सुमेलित नहीं है?** **(Asst. Agri Officer - 2015)**
(a) चावल – हनुमानगढ़, बूंदी (2015–16)
(b) गेहूँ – गंगानगर, हनुमानगढ़ (2015–16)
(c) मूँगफली – अलवर, भरतपुर (2015–16)
(d) गन्ना – गंगानगर, चित्तौड़गढ़ (2015–16)

24. **सूची I को सूची II से सुमेलित करें तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें –** **(HEADMASTER 2018)**

सूची I (फसलें)	सूची II (किस्में)
(A) मक्का	(i) दोहद येलो
(B) चावल	(ii) माही धवल
(C) सरसों	(iii) वरदान
(D) चना	(iv) डागर

कूट:
(a) (A)–(i), (B)–(iii), (C)–(ii), (D)–(iv)
(b) (A)–(ii), (B)–(iv), (C)–(iii), (D)–(i)
(c) (A)–(iii), (B)–(ii), (C)–(iv), (D)–(i)
(d) (A)–(iv), (B)–(i), (C)–(ii), (D)–(iii)

25. **राजस्थान के कौन से जिले 'आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान' कृषि–जलवायु प्रदेश के अन्तर्गत आते हैं?** **(Sr. Teacher Gr II Comp. - 2018)**
(a) डूंगरपुर तथा बाँसवाड़ा
(b) डूंगरपुर, बाँसवाड़ा तथा प्रतापगढ़
(c) राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़
(d) कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ तथा सवाई माधोपुर

26. **सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए उत्तर दीजिए –** **(Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)**

सूची–I (फसल)	सूची–II (उच्च उपज किस्म)
(A) गेहूँ	(i) माही कंचन
(B) जौ	(ii) आरएचबी–30
(C) बाजरा	(iii) आरडी–2035
(D) मक्का	(iv) राज–3077

कूट:
(a) (A)–iv, (B)–iii, (C)–ii, (D)–i
(b) (A)–ii, (B)–iv, (C)–i, (D)–iii
(c) (A)–iii, (B)–i, (C)–iv, (D)–ii
(d) (A)–i, (B)–ii, (C)–iii, (D)–iv

27. **राजस्थान में दो प्रमुख कपास उत्पादक जिले हैं –** **(ASST. AGRICULTURE OFFICER 2018)**
(a) अलवर एवं भरतपुर (b) कोटा एवं बारां
(c) जयपुर एवं दौसा (d) गंगानगर एवं हनुमानगढ़

28. **सन् 2016 में प्रकाशित कृषि सांख्यिकी के अनुसार 1956–57 से 2013–14 की अवधि में राजस्थान के लिए कौन से वाक्य सही हैं?** **(College Lecturer – 2018)**
A. शुद्ध बोया क्षेत्र 36.36% से बढ़कर 53.13% हो गया।
B. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि दो गुनी हो गयी।
C. वन क्षेत्र में कई गुणा कमी आयी।
कूट:
(a) A, B और C (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल A

29. **निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?** **(College Lecturer – 2018)**
(a) कपास – वीरनार (b) गेहूँ – माही धवल
(c) चावल – माही सुगन्धरा (d) मक्का – माही कंचन

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

30. राजस्थान की कृषि सांख्यिकी रिपोर्ट 2016–17 के अनुसार कुल उत्पादन की दृष्टि से निम्नलिखित फसलों को घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिये : (Sr. Teacher Gr II - 2018)

A. गेहूँ B. मक्का
C. चावल D. बाजरा

कूट :

(a) A, B, C एवं D (b) A, C, B एवं D
(c) A, D, B एवं C (d) A, B, D एवं C

31. निम्न में से राजस्थान का कौन सा कृषि-जलवायु प्रदेश सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है ? (Food Safety Officer – 2019)

(a) I-A तथा I-B (b) III-A तथा III-B
(c) II-A तथा II-B (d) IV-B तथा V

32. निम्नलिखित में से कौनसा धान का किस्म है ? (Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)

(a) कोहिनूर (b) माही–सुगंधा
(c) राज – 911 (d) सोनालिका

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये : (Deputy Jailor - 2024 (Paper-II))

A. राजस्थान को 9 कृषि जलवायु क्षेत्रों में बाँटा गया है।
B. राजस्थान में मक्का, मूँगफली तथा कपास खरीफ़ की फसलें हैं।
C. राजस्थान सोयाबीन उत्पादन में देश में प्रथम है।

कूट :

(a) A और C (b) B और C
(c) केवल B (d) A, B और C

34. प्रमुख बाजरा उत्पादक जिलों का सही युग्म है – (Evaluation Officer – 2020)

(a) बाड़मेर – जालौर (b) नागौर – बूंदी
(c) सवाई माधोपुर – गंगानगर (d) जालौर – अलवर

35. निम्नलिखित में से कौन सा एक जिला राजस्थान के उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान प्रकार के कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मिलित नहीं है? (School Lecturer - 2020)

(a) चित्तौड़गढ़ (b) राजसमन्द
(c) भीलवाड़ा (d) टोंक

36. सीकर, झुंझुनूं एवं नागौर जिले राजस्थान की कौन सी कृषि जलवायु पेटी के अन्तर्गत आते हैं? (Forest Range Officer Gr-I Exam – 2018)

(a) शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र
(b) अन्तःस्थलीय अपवाह के अन्तर्वर्ती मैदानी क्षेत्र
(c) अर्द्धशुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र
(d) बाढ़-संभाव्य पूर्वी मैदानी क्षेत्र

37. रबी के मौसम में राजस्थान की प्रमुख खाद्यान्न फसल निम्न में से कौन सी है ? (Lecturer Exam – 2020)

(a) गेहूँ (b) बाजरा
(c) मक्का (d) ज्वार

38. निम्नलिखित में से कौनसे जिलों का समूह सरसों उत्पादक है? (Research Assistant (Evaluation Dept.) – 2024)

(a) उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर
(b) अजमेर, नागौर, पाली
(c) श्री गंगानगर, सवाई माधोपुर, भरतपुर
(d) प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर

39. कृषि सांख्यिकी 2022-23 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसा जिला सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक जिला कौनसा है? (Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) - 2024)

(a) भीलवाड़ा (b) गंगानगर
(c) हनुमानगढ़ (d) बूंदी

40. आर.एच.बी.-30 तथा आर.सी.बी.-2 किस फसल की संकर किस्में हैं? (Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) - 2024)

(a) रागी (b) ज्वार
(c) मक्का (d) बाजरा

41. भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और राजसमन्द जिले किस कृषि-जलवायु प्रदेश में सम्मिलित हैं ? (Asst. Prof. (College Edu.) - 2020)

(a) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान (b) आर्द्र दक्षिणी मैदान
(c) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान (d) बाढ़ सम्भावित पूर्वी मैदान

42. सोयाबीन उत्पादन जिला है – (H.M. Praveshika School - 2021)

(a) बारां (b) जालौर
(c) हनुमानगढ़ (d) बीकानेर

43. राजस्थान के किस जिले में सेम की समस्या द्वारा कृषि को क्षति पहुँची है? (Asst. Statistical Officer – 2021)

(a) कोटा (b) अलवर
(c) हनुमानगढ़ (d) बाँसवाड़ा

44. निम्नलिखित में से ज्वार उत्पादक जिले हैं – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)

(a) गंगानगर–हनुमानगढ़ (b) अजमेर–नागौर
(c) डूंगरपुर–बाँसवाड़ा (d) बाड़मेर–जैसलमेर

45. राजस्थान के ईसबगोल उत्पादक जिले है – (School Lecturer (School Edu.) - 2022)

(a) उदयपुर, राजसमन्द और चित्तौड़गढ़
(b) जालौर, सिरोही और बाड़मेर
(c) कोटा, बूंदी और झालावाड़
(d) सवाई माधोपुर, टोंक और करौली

46. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान का अलसी उत्पादक प्रदेश है? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)

(a) माही बेसिन (b) हाड़ौती प्रदेश
(c) शेखावाटी प्रदेश (d) घग्गर मैदान

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

47. राजस्थान में भील जनजाति द्वारा मैदानी भागों में की जाने वाली कृषि कहलाती है – (Gr II Exam - 2022)

(a) चिमाटा (b) दजिया
(c) दापा (d) कछावू

48. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए: (Sr. Teacher Gr II - 2022)

सूची–I (फसल)	सूची–II (मुख्य उत्पादक)
A. गेहूँ	i. अलवर
B. बाजरा	ii. भीलवाड़ा
C. चावल	iii. गंगानगर
D. मक्का	iv. बूंदी

कूट:
(a) A – iii, B – i, C – ii, D – iv
(b) A – iii, B – i, C – iv, D – ii
(c) A – i, B – iii, C – iv, D – ii
(d) A – iii, B – iv, C – i, D – ii

49. निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन से जिले सरसों उत्पादन में अग्रणी हैं? (Sr. Teacher Comp. Exam - 2022)

(a) सीकर, झुंझुनूं, चूरू (b) पाली, नागौर, बाँसवाड़ा
(c) भरतपुर, अलवर, गंगानगर (d) उदयपुर, राजसमंद, सिरोही

50. निम्नलिखित में से राजस्थान के अफीम उत्पादक जिले कौन से हैं ? (Sr. Teacher Comp. Exam - 2022)

(a) चित्तौड़गढ़, झालावाड़ (b) जयपुर, दौसा
(c) धौलपुर, भरतपुर (d) अजमेर, नागौर

51. राजस्थान के कौन से जिलों के युग्म में 'वालरा' कृषि की जाती है? (Sr Physical Edu Teacher Exam - 2022)

(a) डूंगरपुर एवं बाँसवाड़ा (b) गंगानगर एवं हनुमानगढ़
(c) कोटा एवं बारां (d) चूरू एवं सीकर

52. आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार, वर्ष 2021-22 में देश में मूँगफली उत्पादन में राजस्थान का कौन सा स्थान था? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)

(a) पहला (b) दूसरा
(c) तीसरा (d) चौथा

53. राजस्थान में अलसी उत्पादन प्रमुख जिले है – (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2022)

(a) अजमेर, पाली, नागौर और सीकर
(b) चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर और बाँसवाड़ा
(c) भीलवाड़ा, टोंक, सवाई माधोपुर और करौली
(d) बारां, कोटा, बूंदी और झालावाड़

54. माही कंचन तथा आर सी बी 911 संकर किस्में हैं – (RAS (Pre) Exam – 2023)

(a) क्रमशः मक्का तथा जौ की (b) क्रमशः मक्का तथा चावल की
(c) क्रमशः मक्का तथा बाजरे की (d) क्रमशः बाजरा तथा मक्का की

55. मक्का मुख्यत: उत्पादित किया जाता है – (Statistical Officer Exam – 2023)

(a) उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में (b) उत्तर-पूर्वी राजस्थान में
(c) मध्यवर्ती राजस्थान में (d) दक्षिणी राजस्थान में

56. राजकिरण और आर.डी. 57 किस फसल की संकर किस्में हैं? (Asst. Prof. Librarian and PTI Exam - 2023)

(a) जौ (b) चना
(c) बाजरा (d) मक्का

57. कृषि गणना 2015–16 के अनुसार, राजस्थान में परिचालित भूमि जोतों का औसत आकार था (Asst. Prof. Librarian and PTI Exam - 2023)

(a) 2.28 हेक्टेयर (b) 2.73 हेक्टेयर
(c) 3.87 हेक्टेयर (d) 4.5 हेक्टेयर

58. राजस्थान में निम्न में से कौन सी रबी मौसम की तिलहन फसलें हैं? (Asst. Prof. Lib and PTI Exam - 2023)

(a) सरसों, तारामीरा एवं अलसी
(b) तिल, सोयाबीन, अरंडी व मूँगफली
(c) सोयाबीन, सरसों एवं अरंडी
(d) सरसों, मूँगफली, तिल एवं अलसी

59. कृषि–जलवायु प्रदेश III-A में सम्मिलित जिलों का सही समूह है – (पुरातन जिलों के अनुसार) (Asst. Prof. Lib and PTI Exam - 2023)

(a) राजसमंद – भीलवाड़ा – चित्तौड़गढ़
(b) अजमेर – दौसा – टोंक – जयपुर
(c) कोटा – बूंदी – झालावाड़
(d) अलवर – भरतपुर – करौली

60. निम्नलिखित में से किस कृषि वर्ष में राजस्थान में अकाल/अभाव से प्रभावित जिलों की संख्या अधिकतम थी (2010-11 से 2022-23 के मध्य) ?

(a) 2019-20 (b) 2010-11
(c) 2015-16 (d) 2022-23

61. राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा सूखा/अकाल के वर्गीकरण में, निम्न में से कौनसा वर्गीकरण सही दर्शाता है ?

(अ) कृषि अकाल/सूखा (ब) मौसमी अकाल/सूखा
(स) जलीय अकाल/सूखा

कूट:
(a) केवल (अ) एवं (ब) (b) केवल (ब) एवं (स)
(c) (अ), (ब) एवं (स) (d) केवल (अ)

62. जयपुर, अजमेर, दौसा और टोंक जिले किस कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मिलित हैं ? (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)

(a) IV B – आर्द्र दक्षिणी मैदान (b) IV A – उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(c) III B – बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान (d) III A – अर्द्ध शुष्क पूर्वी मैदान

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

63. कृषि विभाग, राजस्थान सरकार के अनुसार, भीलवाड़ा, राजसमन्द तथा चित्तौड़गढ़ निम्नलिखित में से किस कृषि जलवायु प्रदेश के भाग हैं? (Archives Dept. Recrut. - 2024)
(a) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(b) सिंचित उत्तर पश्चिमी मैदान
(c) आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान
(d) आर्द्र दक्षिणी मैदानी प्रदेश

64. हाड़ौती प्रदेश राजस्थान के किस कृषि जलवायु प्रदेश में सम्मलित है? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) आर्द्र दक्षिणी मैदान
(b) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी प्रदेश
(c) उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान
(d) बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदान

65. राजस्थान का II-A कृषि जलवायु प्रदेश निम्नलिखित में से किसे दर्शाता है? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) अर्ध शुष्क पूर्वी मैदानी (b) आर्द्र दक्षिणी मैदानी
(c) अंत: प्रवाह शुष्क प्रदेश (d) शुष्क पश्चिमी मैदान

66. माही कंचन तथा आरसीबी 911 संकर किस्में हैं – (RAS (Pre) Exam – 2023)
(a) क्रमशः मक्का तथा जौ की
(b) क्रमशः मक्का तथा चावल की
(c) क्रमशः मक्का तथा बाजरे की
(d) क्रमशः बाजरा तथा मक्का की

67. इनमें से कौन सा समूह मिलेट्स (श्रीअनाज) फसलों का है? (RAS (Pre) Exam – 2023)
(a) बाजरा, मक्का, कोदो, ज्वार (b) रांगी, बाजरा, कोदो, मूंग
(c) कोदो, बाजरा, मक्का, कांगनी (d) ज्वार, कोदो, कांगनी, रागी

68. राजस्थान के अर्द्धशुष्क पूर्वी मैदान (III-A), कृषि जलवायु प्रदेश के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है? (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) यहाँ सिंचित और असिंचित दोनों प्रकार की कृषि की जाती है।
(b) इसका विस्तार जयपुर, अजमेर, दौसा व टोंक जिलों में है।
(c) मक्का, मूँगफली तथा ज्वार रबी की प्रमुख फसलें हैं।
(d) यहाँ 50 से.मी. से 70 से.मी. औसत वर्षा होती है।

69. राजस्थान के एक कृषि जलवायु प्रदेश के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्यों को सावधानीपूर्वक पढ़िये – (Asst. Statistical Officer– 2024)
(A) इस प्रदेश की औसत वर्षा 30 से 50 से.मी. है।
(B) इस प्रदेश में लाल रेतीली तथा सीरोजेम मृदा पायी जाती हैं।
(C) गेहूँ, सरसों एवं तिल इस प्रदेश की प्रमुख रबी की फसलें हैं।
कृषि जलवायु प्रदेश को पहचानिये –
(a) II-B (b) I-C
(c) III-A (d) II-A

70. निम्नलिखित में से कौनसी खरीफ फसल तथा उसके प्रमुख उत्पादक जिले सही सुमेलित हैं? (Asst. Prof. – 2024)
(a) गेहूँ – गंगानगर, हनुमानगढ़ तथा बारां
(b) मक्का – सीकर, जालौर तथा धौलपुर
(c) बाजरा – अलवर, बाड़मेर तथा जयपुर
(d) कपास – धौलपुर, जालौर तथा प्रतापगढ़

71. वीरनार, वरलक्ष्मी और संकर-4 किस फसल की विकसित नस्ले हैं? (Sr. Teacher Exam – 2024)
(a) चना (b) सरसों
(c) कपास (d) मूँगफली

72. वर्ष 2021-22 में, देश के कुल बाजरा उत्पादन में राजस्थान का योगदान (प्रतिशत में) था : (RAS (Pre) Exam – 2024)
(a) 46.30 (b) 87.69
(c) 38.98 (d) 34.69

73. सोनालिका, गंगा, सुनहरी और चम्बल 65 उच्च उत्पादक किस्में हैं – (Librarian Grade-II - 2024)
(a) ज्वार की (b) मक्का की
(c) गेहूँ की (d) जौ की

74. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान का सरसों का प्रमुख उत्पादन क्षेत्र नहीं है? (PTI and Librarian – 2024)
(a) दक्षिण क्षेत्र (b) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र
(c) पूर्वी क्षेत्र (d) उत्तरी क्षेत्र

75. राजस्थान में 2022-23 में अंतिम उत्पादन आंकड़े (दोनों खरीफ व रबी) को लाख मीट्रिक टन में, के अनुसार निम्नलिखित को घटते हुए क्रम में व्यवस्थित कीजिए – (PTI and Librarian (College Edu.) – 2024)
(a) अनाज उत्पादन (b) दलहन उत्पादन
(c) तिलहन उत्पादन (d) गन्ना उत्पादन
कूट:
(a) (a), (c), (b), (d) (b) (b), (d), (c), (a)
(c) (b), (d), (a), (c) (d) (d), (a), (b), (c)

76. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस कृषि जलवायु प्रदेश की मुख्य खरीफ फसल मक्का, धान, गन्ना तथा तिल है ? (Mines And Geology Dept. Exam - 2024)
(a) आर्द्र दक्षिणी मैदान (b) आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान
(c) अर्द्ध-आर्द्र दक्षिणी मैदान (d) सिंचित उत्तर-पश्चिमी मैदान

77. राजस्थान में रबी फसल 2022-23 के अन्तर्गत गेहूँ उत्पादन की दृष्टि से जिलों का सही अवरोही क्रम था – (Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)
(a) गंगानगर – हनुमानगढ़ – चित्तौड़गढ़ – बूंदी
(b) बूंदी – चित्तौड़गढ़ – गंगानगर – हनुमानगढ़
(c) हनुमानगढ़ – गंगानगर – बूंदी – चित्तौड़गढ़
(d) हनुमानगढ़ – गंगानगर – चित्तौड़गढ़ – बूंदी

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

78. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ?

(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)

फसल — किस्म | फसल — किस्म

(a) गेहूँ — राजस्थान 3077 (b) मक्का — माही धवल
(c) बाजरा — मंगला (d) चावल — माही सुगन्धा

79. "राज-171" किस निम्नलिखित में से किस फसल से सम्बद्ध है?

(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)

(a) चावल (b) गेहूँ
(c) बाजरा (d) मक्का

Answer Key

1	c	2	b	3	b	4	c	5	a	6	b	7	c	8	a	9	d	10	a
11	d	12	a	13	a	14	c	15	a	16	d	17	b	18	c	19	a	20	c
21	b	22	b	23	c	24	b	25	d	26	a	27	d	28	d	29	b	30	c
31	d	32	b	33	c	34	a	35	d	36	b	37	a	38	c	39	c	40	d
41	c	42	a	43	c	44	b	45	b	46	b	47	b	48	b	49	c	50	a
51	a	52	b	53	d	54	c	55	d	56	a	57	b	58	a	59	b	60	a
61	c	62	d	63	a	64	b	65	c	66	c	67	d	68	c	69	a	70	c
71	c	72	c	73	c	74	a	75	a	76	a	77	d	78	c	79	c		

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान में मक्का उत्पादन के लिए उपर्युक्त दशाओं तथा इसके प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों को स्पष्ट कीजिए।

[RAS Mains 2018 (5 Marks)]

Q. राजस्थान को कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभाजित कीजिये तथा किसी एक का सविस्तार वर्णन कीजिये।

[RAS Mains 2013 (10 Marks)]

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

10 पशुपालन व डेयरी विकास

राज्य में देश के कुल पशुधन का प्रतिशत

- **पशुगणना कार्य** - राजस्व मंडल, अजमेर
- **पशुगणना समय** - प्रत्येक पाँच वर्ष
- **सकल घरेलू उत्पाद में योगदान (GDP)** - 13%
- **प्रथम पशुगणना** - 1919
- **स्वतंत्रता पश्चात्** – 1951
- **नस्ल आधार पर** – 2007
  - **राष्ट्रीय उत्पादन में राजस्थान का योगदान :-**
    - **दूध उत्पादन:**
      - **पहला-** उत्तरप्रदेश (15.66%)
      - **दूसरा-** राजस्थान (14.82%)
        (पशुपालन सांख्यिकी 2025, राज्यवार दुग्ध उत्पादन 2024-25)
    - **ऊन उत्पादन:** प्रथम (47.85%)
- **नवीनतम पशुगणना** - 2019 (20वीं)

20वीं पशुगणना, 2019

- राजस्थान में कुल पशुधन की संख्या **568.01 लाख** तथा कुक्कुट (पोल्ट्री) की संख्या **146.23 लाख** है।
- देश के कुल पशुधन का **10.60%** भाग राजस्थान में पाया जाता है।
- **राज्य में उपलब्ध पशुधन का वर्गानुसार प्रतिशत :-**
  - **बकरियाँ** - 36.7%
  - **गाय** - 24.4%
  - **भैंस** - 24.1%
  - **भेड़** - 13.9%
- **प्रति हजार जनसंख्या पर पशु संख्या** - 828
- राज्य में पशु घनत्व 166 पशु प्रति वर्ग किलोमीटर है।

श्रेणी	क्रमांक	जिला	पशुघनत्व (प्रति किमी²)
सर्वाधिक पशुघनत्व वाले जिले	1	डूंगरपुर	433
	2	बाँसवाड़ा	386
	3	दौसा	308
	4	जयपुर	208
न्यूनतम पशुघनत्व वाले जिले	1	जैसलमेर	62
	2	बीकानेर	90
	3	बाराँ	110
	4	चूरू	117

- **वर्ष 2012 की तुलना में 2019 में -1.66% (9.31 लाख) की कमी (ऋणात्मक वृद्धि) दर्ज की गई :-**
  - **2012** - 577.32 लाख पशुधन
  - **2019** - 568 लाख पशुधनपशु सम्पदा की दृष्टि से राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है।
  - **पशु संख्या :-**
    - **सर्वाधिक :-** बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर
    - **न्यूनतम :-** धौलपुर, कोटा, सवाईमाधोपुर
  - **संख्या :-**
    - **सर्वाधिक वृद्धि-** भैंस
    - **सर्वाधिक कमी-** भेड़
  - **प्रतिशत :-**
    - **सर्वाधिक वृद्धि** – भैंस (+5.5%)
    - **सर्वाधिक कमी** – गधे (–71.31%)
- **गौवंश :-**
  - **सर्वाधिक** - बीकानेर > जोधपुर > बाड़मेर > उदयपुर
  - **न्यूनतम** - धौलपुर, करौली
- **भैंसवंश :-**
  - **सर्वाधिक** - जयपुर (I) > अलवर (II) > भरतपुर (III)
  - **न्यूनतम** - जैसलमेर
- **भेड़वंश :-**
  - **सर्वाधिक** - बाड़मेर (I) > जैसलमेर (II) > पाली (III)
  - **न्यूनतम** - बाँसवाड़ा
- **बकरी :-**
  - **सर्वाधिक** - बाड़मेर (I) > जोधपुर (II) > उदयपुर (III)
  - **न्यूनतम** - धौलपुर
- **सूअर :-**
  - **सर्वाधिक** - जयपुर (I) > भरतपुर (II)
  - **न्यूनतम** – डूँगरपुर
- **ऊँट :-**
  - ऊँट की संख्या के मामले में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।
  - देश के कुल 2.50 लाख ऊँटों में से 2.13 लाख राजस्थान में है।
  - वर्ष 2012 में ऊँटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो 2019 में घटकर 2.13 लाख रह गई।
  - राजस्थान में ऊँटों की संख्या में 34.69% की कमी हुई।
  - देश में ऊँटों की संख्या में कुल 37.1% की गिरावट दर्ज की गई।

CERAMIC ACADEMY Shaping future...

◈ **गौवंश :-**
- वर्ष 2019 में संख्या 13.9 मिलियन
- वर्ष 2012 में संख्या 13.3 मिलियन
- **वृद्धि -** +4.41%
- **देश में स्थान** ⟶ छठवां स्थान।

◈ **भैंस :-**
- वर्ष 2019 में संख्या 13.7 मिलियन
- वर्ष 2012 में संख्या 13.0 मिलियन
- **वृद्धि -** +5.53%
- **देश में स्थान** ⟶ द्वितीय (उत्तर प्रदेश के बाद)।

◈ **भेड़ :-**
- 2012–2019 के बीच 12.95% की गिरावट
- **देश में स्थान** ⟶ चौथा (तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक के बाद)।

◈ **बकरी :-**
- वर्ष 2019 में संख्या 20.84 मिलियन
- वर्ष 2012 में संख्या 21.67 मिलियन
- **कमी -** 3.81%
- **देश में स्थान** ⟶ प्रथम (सबसे अधिक बकरियाँ राजस्थान में)

◈ **घोड़े एवं टट्टू :-**
- **वर्ष 2012** ⟶ 0.38 लाख
- **वर्ष 2019** ⟶ 0.34 लाख
- **कमी -** 10.85%
- **देश में स्थान** ⟶ तीसरा (उत्तर प्रदेश व जम्मू-कश्मीर के बाद)।

◈ **गधे :-**
- देश में गधों की सर्वाधिक संख्या राजस्थान में
- **वर्ष 2012** ⟶ 0.81 लाख
- **वर्ष 2019** ⟶ 0.23 लाख
- **कमी -** 71.31%

20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक कमी वाले पशु

संख्या के आधार पर कमी

क्रमांक	पशु का नाम
1.	भेड़
2.	बकरी
3.	ऊँट
4.	सुअर
5.	गधा

प्रतिशत के आधार पर कमी

क्रमांक	पशु का नाम	कमी का प्रतिशत
1.	गधा	71.31%
2.	खच्चर	60.33%
3.	सुअर	34.87%
4.	ऊँट	34.69%
5.	भेड़	12.95%

संख्या के आधार पर वृद्धि

क्रमांक	पशु का नाम
1.	भैंस
2.	गाय

प्रतिशत के आधार पर वृद्धि

क्रमांक	पशु का नाम	कमी का प्रतिशत
1.	भैंस	5.33%
2.	गाय	4.60%

पशुओं की प्रमुख नस्लें

1. बकरी

- **राज्य का देश में स्थान** = प्रथम [16%]
- **सर्वाधिक** = बाड़मेर > जोधपुर
- **न्यूनतम** = धौलपुर > कोटा
- **प्रमुख नस्लें :-**

(i) जखराना/अलवरी -
- सर्वश्रेष्ठ नस्ल।
- सर्वाधिक दूध वाली नस्ल।

(ii) शेखावाटी -
- **विकास -** काजरी द्वारा [1959 में]
- **विस्तार -** सीकर, झुन्झुनूं, चूरू
- सींग नहीं होते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(iii) मारवाड़ी –
- प्राचीनतम नस्ल
- विस्तार - उत्तर पश्चिम राजस्थान में।
  - बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, पाली।

(iv) लोही -
- विस्तार - सीमावर्ती जिलों में
  - बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, पाली।
  - माँस के लिए प्रसिद्ध है।

(v) परबतसरी -
- मिश्रित नस्ल :- हरियाणा (बीटल) व सिरोही
- विस्तार - डीडवाना कुचामन, नागौर, अजमेर, जयपुर

(vi) सिरोही –
- विस्तार - सिरोही (सर्वाधिक), जालौर, उदयपुर

(vii) बारबरी/बड़वरी -
- सबसे सुन्दर नस्ल।
- विस्तार - पूर्वी राजस्थान
  - अलवर, भरतपुर, डीग, करौली, सवाईमाधोपुर।

(viii) झरवाड़ी -
- विस्तार - पूर्वी राजस्थान

(ix) जमनापरी -
- प्रसिद्ध - दूध के लिए।
- विस्तार - हाड़ौती क्षेत्र।

✦ अन्य तथ्य :-
- प्रसिद्ध बकरियाँ - वरूण गाँव (डीडवाना - कुचामन)
- बकरी का मांस - चेवण
- राज्य का सबसे बड़ा बकरी पालन केन्द्र - बलेखण (जयपुर)
- बकरी प्रजनन फार्म - रामसर (अजमेर)
- पश्चिमी क्षेत्रीय बकरी अनुसंधान केन्द्र - अविकानगर (टोंक)
- बकरी बैंक – प्रदेश का पहला 'बकरी बैंक' जैसलमेर में शुरू होगा।

2. भेड़

✦ प्रमुख नस्लें = 8

✦ देश में स्थान = चौथा [10.64%]

✦ सर्वाधिक :- बाड़मेर, जैसलमेर

✦ न्यूनतम :- बाँसवाड़ा, झालावाड़

✦ प्रमुख नस्लें :-

(i) चोकला/छापर-
- उपनाम - भारतीय मेरिनो
- सर्वोत्तम नस्ल
- विस्तार - शेखावाटी व बीकानेर
- प्रजनन केन्द्र - कोडमदेसर, बीकानेर

(ii) नाली -
- विस्तार – उत्तरी राजस्थान
- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, शेखावाटी
- प्रजनन केन्द्र - हनुमानगढ़
- विशेष - सबसे लम्बे रेशे वाली ऊन।

(iii) पूगल -
- विस्तार - बीकानेर, जैसलमेर, नागौर
- प्रजनन केन्द्र - बीकानेर

(iv) मगरा -
- उपनाम – चकरी, बीकानेरी चोकला
- ऊन कालीन बनाने हेतु उपयुक्त।
- मकरा/चकरी का ऊन चमकदार होता है।
- विस्तार - बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, चुरू।

(v) मारवाड़ी -
- सर्वाधिक रोग प्रतिरोधक क्षमता वाली नस्ल।
  - राज्य में सर्वाधिक
- प्रजनन केन्द्र - जोधपुर।

(vi) जैसलमेरी -
- सर्वाधिक ऊन वाली नस्ल
- प्रजनन केन्द्र - पोकरण (जैसलमेर)

(vii) खेरी -
- विस्तार - जोधपुर, नागौर, पाली

(viii) सोनाड़ी/चनोथर -
- लम्बे कान वाली नस्ल।
- वजन अधिक।
- माँस अधिक।
- सर्वाधिक दूध वाली।
- प्रजनन केन्द्र - चितौड़गढ़
- विस्तार - मेवाड़ क्षेत्र (राजसमंद, भीलवाड़ा, उदयपुर, चितौड़गढ), सिरोही, डूंगरपुर।

(ix) बागड़ी - अलवर

(x) मालपुरी -
- पूर्वी राजस्थान
- सवाईमाधोपुर, टोंक, करौली, जयपुर
- ऊन का रेशा मोटा (गलीचे मे उपयोगी)।
- प्रजनन केन्द्र - जयपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **विदेशी नस्लें**
  - **पूर्वी राजस्थान -** रूसी मेरिनो – टोंक, जयपुर, सीकर।
  - **टोंक -** रैम्बोइलेट, डोरसैट, रैम्बुल
  - **चितौड़ -** कोरिडेल
  - **रोग -** फड़किया, शीप पॉक्स, ब्लू टंग, तरकिया
  - **केन्द्रीय भेड़ व ऊन अनुसंधान केन्द्र -**
    - अविकानगर [मालपुरा, टोंक]
    - **स्थापना** = 1962 (By ICAR)
- **केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड -** जोधपुर (1987)
- **State Wool Testing Laboratory –** बीकानेर
- **ऊन मण्डी –** बीकानेर
- **State Wood Mill –** बीकानेर
- **भेड़ व ऊन प्रशिक्षण संस्थान -** जयपुर
  - **भेड़ प्रजनन फार्म -**
    - फतेहपुर [सीकर] भारत सरकार द्वारा
    - बांकलिया - डीडवाना-कुचामन

3. गाय

- **राजस्थान का स्थान –** छठवां
- **सर्वाधिक –** बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर
- **न्यूनतम -** धौलपुर , करौली
- **प्रमुख नस्लें :-**

(i) राठी
- **उपनाम -** राजस्थान की कामधेनु (सर्वाधिक दूध वाली नस्ल)
- **मिश्रित नस्ल-**लालसिंधी + साहीवाल + हरियाणवी
- **मूल स्थान -** राठ क्षेत्र (उत्तर-पूर्वी राजस्थान)
- **विस्तार -** श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर

(ii) थारपारकर
- **उपनाम –** मालाणी, थारी
- **उत्पत्ति क्षेत्र -** मालाणी, बाड़मेर
- **विस्तार -** पश्चिमी राजस्थान
- जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर, फलोदी।

(iii) साहीवाल
- मूलत: पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त से।
- **विस्तार -** पश्चिमी सीमावर्ती राजस्थान।

(iv) नागौरी - दूध कम।
- **उत्पत्ति -** सुहालक क्षेत्र - नागौर
- **बैल प्रसिद्ध –** भारवहन तथा हल चलाने के लिए
- **विस्तार -** नागौर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर

(v) कांकरेज
- **उत्पत्ति -** कच्छ का रन।
- तेज चलने और बोझा ढ़ोने की क्षमता के कारण प्रसिद्ध
- **विस्तार -** बाड़मेर, बालोतरा, जालौर, सिरोही, पाली।

(vi) सांचौरी - कांकरेज के समान।
- **विस्तार -** सांचौर (जालौर), सिरोही

(vii) गिर -
- **उत्पत्ति -** गिर (गुजरात)
- **उपनाम -** अजमेरा व रैंडा
- **विस्तार -** अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, टोंक, बूंदी।

(viii) हरियाणवी -
- दुग्ध उत्पादन व भारवहन की दृष्टि से उपयुक्त
- **विस्तार-** सीमावर्ती क्षेत्र में

(ix) मेवाती -
- हल जोतने व बोझा ढ़ोने में उपयोगी।
- **उपनाम -** कोठी
- **विस्तार -** अलवर, भरतपुर, डीग

(x) मालवी
- **उत्पत्ति -** मालवा (M.P.)
- **विस्तार-** झालावाड़, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, कोटा

- **विदेशी नस्लें :-**
  - **जर्सी** = उत्पत्ति अमेरिका
  - **हॉलीस्टिन = उत्पत्ति -** नीदरलैण्ड (हॉलैण्ड), सर्वाधिक दूध वाली।
  - **रेडडेन** = डेनमार्क
  - **अन्य नस्ल (भारत) -** पुंगनूर व ओंगोल (आंध्रप्रदेश), देवनी (महाराष्ट्र), हल्लीकर (कर्नाटक)।
  - **प्रथम गौ अभयारण्य -** नापासर (बीकानेर)
  - **देश का पहला गौ IVF सेंटर -** जोजावर गाँव (पाली)
  - **गौमूत्र रिफायनरी -** पथमेड़ा (जालौर)
  - **राष्ट्रीय कामधेनु विश्व विद्यालय -** पथमेड़ा (जालौर)
  - **गौवंश संवर्धन फार्म -** बस्सी (जयपुर)
  - **बुल मदर फार्म -** चांदन गाँव (जैसलमेर)

4. भैंस

- **राज्य का स्थान -** दूसरा (12.47%) (प्रथम उत्तर प्रदेश)
- **सर्वाधिक -** जयपुर, अलवर
- **न्यूनतम -** जैसलमेर, श्रीगंगानगर

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **प्रमुख नस्लें :-**

(i) मुर्रा/खुण्डी -

- **उत्पत्ति स्थान -** मोंटगोमरी (पाकिस्तान)
- **विशेषताएँ -** सर्वाधिक दूध वाली
  - सर्वाधिक पाली जाने वाली नस्ल।
  - ब्लैक गोल्ड
- **विस्तार -** जयपुर, अलवर, कोटपूतली - बहरोड़, खैरथल - तिजारा, भरतपुर, डीग, श्रीगंगानगर।
- **प्रजनन केन्द्र -** 1. कुम्हेर (डीग) 2. डग (झालावाड़)

(ii) भदावरी

- **मूल स्थान -** उत्तर प्रदेश
- इसके **दूध में अत्यधिक वसा** होती है।
- **विस्तार -** पूर्वी राजस्थान (भरतपुर, करौली, धौलपुर)

(iii) सूरती

- **उत्पत्ति -** सूरत (गुजरात)
- **विस्तार -** उदयपुर

(iv) जाफराबादी

- **उत्पत्ति -** काठियावाड़ (गुजरात)
- **विस्तार -** दक्षिणी राजस्थान
- डूंगरपुर, उदयपुर, सलूम्बर, सिरोही, जालौर।

(v) मेहसाना

- **उत्पत्ति -** मेहसाना (गुजरात)
- **विस्तार -** दक्षिण पश्चिमी राजस्थान
- जालौर, सिरोही, बाड़मेर, बालोतरा।

✦ **अन्य तथ्य :-**

- **भैंस प्रजनन व अनुसंधान केंद्र -** वल्लभनगर (उदयपुर)
  - **संचालन -** राजुवास (RAJUVAS), बीकानेर
- **भैंस प्रजनन फार्म -** बांकलिया (डीडवाना-कुचामन)

5. ऊँट

✦ राज्य पशु

✦ मरूस्थल का जहाज (रेगिस्तान का जहाज)

✦ **अन्तर्राष्ट्रीय ऊँट वर्ष -** 2024

✦ **देश में सर्वाधिक -** राजस्थान [84.43%]

✦ **सर्वाधिक -** जैसलमेर, बीकानेर

✦ **न्यूनतम -** प्रतापगढ़, धौलपुर

✦ **प्रमुख नस्लें :-**

(i) गोमठ - फलोदी

- सवारी के लिए प्रसिद्ध

(ii) बीकानेरी

- **उपयोग -** बोझा ढ़ोना व हल जोतना
- सर्वाधिक पाली जाने वाली नस्ल।
- उत्तर-पश्चिम राजस्थान में विस्तृत।

(iii) जैसलमेरी

- तेज दोड़ने वाली नस्ल।
- **विस्तार -** पश्चिमी राज्य।

(iv) नाचना

- सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध।
- BSF द्वारा उपयोग।

(v) अन्य नस्लें :-

- जोधपुरी, कच्छी, मेवाड़ी, केरूपाल (बीकानेर व चूरू में), अलवरी, गुरहा, खराई (कच्छ के दलदल में, तैरने की क्षमता)

✦ **अन्य तथ्य :-**

- **राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र –** बीछवाल (बीकानेर)
- **देश की पहली केमल मिल्क डेयरी -** जोहड़बीड (बीकानेर), जैसलमेर
- **ऊँटनी के दूध का प्रसंस्करण केन्द्र (मिनी प्लांट) -** जयपुर
- **प्रमुख रोग -** तिबरसा/सर्रा, ग्लेडर्स

6. घोड़े

✦ **राज्य का स्थान -** प्रथम (84.43%)

✦ **सर्वाधिक -** जालौर, बाड़मेर

✦ **न्यूनतम -** डूंगरपुर, प्रतापगढ़

✦ **प्रमुख नस्लें :-**

(i) मालानी - सर्वश्रेष्ठ नस्ल।

- **मिश्रण -** काठियावाड़ी व सिंधी
- मजबूत व दौड़ने के लिए प्रसिद्ध।
- **विस्तार -** मालानी (बाड़मेर), बालोतरा, जालौर, जोधपुर।

(ii) काठियावाड़ी - अरबी नस्ल के समान

- पश्चिमी राजस्थान में सर्वाधिक।

(iii) मारवाड़ी

- **सर्वाधिक -** पश्चिमी राजस्थान
- चेतक की नस्ल।

✦ **अन्य तथ्य :-**

- **राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र -** जोड़बीड़ (बीकानेर)
- **अश्व प्रजनन एवं अनुसंधान केन्द्र -** केरू (जोधपुर)
- **अश्व विकास कार्यक्रम-**सिवाणा (बालोतरा)

✦ **राज्य में कुल अश्व प्रजनन केन्द्र -** 10

✦ **अधीन -** पशुपालन विभाग

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

7. कुक्कुट/मूर्गियाँ

- **सर्वाधिक** - अजमेर
- **देशी नस्ल की सर्वाधिक** - बाँसवाड़ा
- **संकर नस्ल सर्वाधिक** - अजमेर
- **देशी नस्लें** -
  - **कड़कनाथ**- कड़कनाथ योजना (बाँसवाड़ा)
  - **असील** - [सबसे भारी नस्ल], बरसा
- **विदेशी नस्ल** -
  - व्हाइट लेग हॉर्न [सर्वाधिक अण्डा देने वाली]
- **प्रमुख रोग** - रानीखेत, बर्डफ्लू
- **कुक्कुट प्रशिक्षण संस्थान** - अजमेर
- **केन्द्रीय मुर्गा फार्म** - अजमेर

8. गधे/खच्चर

- **गधे** - देश में प्रथम स्थान
  - **सर्वाधिक** – बाड़मेर; **न्यूनतम** - टोंक
  - **राज्य का स्थान** - प्रथम
  - **गधों का मेला** - लूणियावास, भावगढ़ बंध्या (जयपुर), सोरसन (बारां)
  - **गधों का अभयारण्य** - डूँडलोद (झुन्झुनु)
  - **गधा** - शीतला माता की सवारी।
- **खच्चर** - **सर्वाधिक** – अलवर; **न्यूनतम** - टोंक

नोट- गधे एवं खच्चर संयुक्त रूप से सर्वाधिक जैसलमेर में और न्यूनतम चित्तौड़गढ़ में।

9. सुअर

- **सर्वाधिक** - जयपुर; **न्यूनतम** - डूंगरपुर
- **राजकीय शुक्कर फार्म** - अलवर
- **टेमवर्थ नस्ल** - सर्वाधिक मांस वाली।
- **रोग** - स्वाइन फीवर

10. मछली पालन

- **सर्वाधिक उत्पादन** - उदयपुर, बूंदी
- **सर्वाधिक उत्पादन बाँध** - कानोता (जयपुर)
- **सर्वेक्षण अनुसंधान केन्द्र** - उदयपुर
- **प्रशिक्षण महाविद्यालय** - उदयपुर (सजावटी मत्स्य पालन का प्रशिक्षण संस्था)
- **राज्य का पहला मछली अभयारण्य** - बड़ी तालाब (उदयपुर)
- **मत्स्य फार्म** - बांसवाडा (सागरोद)
- **College of fisheries** - उदयपुर
- **एक्वेरियम गैलरी** - बीसलपुर बाँध (टोंक)
  - देश का पहला रंगीन मछली उत्कृष्टता केन्द्र
- **झींगा मछली केन्द्र** - चूरू
  - खारा पानी एक्वाकल्चर प्रयोगशाला

11. हाथी

- **हाथी गाँव** - कुंडा ग्राम (आमेर, जयपुर)

सरकारी प्रयास

कृत्रिम गर्भाधान

- बस्सी (जयपुर) स्थित फ्रोजन सीमन बैंक में अत्याधुनिक वर्गीकृत सीमन उत्पादन इकाई की स्थापना की गयी है।
- कृत्रिम गर्भाधान पर मिलने वाला अनुदान 50 से बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया गया है।
- कृत्रिम गर्भाधान पर पशुपालक द्वारा वहन किये जाने वाला व्यय मात्र 70 रु. प्रति स्ट्रा है।
- कृत्रिम गर्भाधान कराये जाने पर केवल बछड़ियों के जन्म की सम्भावना 85 प्रतिशत तक है।

◈ **राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड द्वारा 6 जिलों को तरल नाइट्रोजन परिवहन वाहन उपलब्ध कराए गए हैं –**

[1] अलवर [2] खैरथल-तिजारा [3] कोटपुतली-बहरोड़ [4] सलूम्बर [5] फलौदी [6] जैसलमेर

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना

- **बीमित पशु** – वित्तीय वर्ष 2025-26 में 42 लाख दुधारू पशु (2024-25 में 21 लाख)
- **बीमा अवधि** - एक वर्ष (रीन्यू किया जा सकेगा)
- बीमा पूरी तरह निःशुल्क होगा।
- पशुपालक को बीमा के लिए कोई प्रीमियम नहीं देना होगा।
- बीमा की अधिकतम राशि - 40 हजार रुपये
- बीमा के लिए पशुओं का टैगिंग होना अनिवार्य है।

क्या है बीमा योजना

प्रत्येक पशुपालक को अधिकतम 2 गाय या 2 भैंस या 1 गाय एवं 1 भैंस या 10 बकरी या 10 भेड़ या 10 ऊंट का बीमा लाभ दिया जाना है।

□ सरकार द्वारा पशुओं के बीमा के लिए उम्र भी निर्धारित की गई है। जिसके तहत गाय की उम्र 3-12 वर्ष और भैंस की उम्र 4-12 वर्ष होनी चाहिए। इसी प्रकार बकरी और भेड़ की उम्र 1-6 वर्ष जबकि ऊंट की उम्र 2-15 वर्ष होनी चाहिए।

- **नोडल विभाग** - पशुपालन विभाग

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **पात्रता -** प्रदेश के सभी जनाधार कार्ड धारक पशुपालक।
  - अनुसूचित जाति और जनजाति के आवेदकों के लिए क्रमश: 16 और 12% आरक्षण का प्रावधान है।
- **क्रियान्वयन -** ट्रस्ट मोड पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा

राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना

- **शुभारम्भ –** वर्ष 2024-25
- **लाभ –** पात्र पशुपालकों को एक लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है।
- **प्राप्त ऋण का उपयोग -** गाय-भैंस के लिए शेड निर्माण, खेली निर्माण, चारा/बांटा तथा आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु।
- **अब तक वितरित ऋण -** 93 हजार से अधिक लाभार्थियों को 700 करोड़ रुपये से अधिक राशि।

उद्देश्य	पात्रता
इस योजना का मुख्य उद्देश्य गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देना	**राजस्थान** के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गोपालक परिवार
पशुपालकों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने और उनकी आय में सतत वृद्धि के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है।	ऐसे परिवार जिन्होंने पूर्व में दो से अधिक ऋण नहीं ले रखे हों
	प्रत्येक पात्र परिवार के एक सदस्य को ऋण सुविधा प्रदान की जाती है

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट

- **नोडल विभाग -** पशुपालन विभाग
- **536 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट** की शुरुआत की गई है।
- **वित्तपोषण –** केंद्र : राज्य सरकार = 60:40
- कॉल सेंटर हेल्प लाइन नंबर – 1962इस योजना के तहत अब तक 62 लाख से अधिक पशुओं (16 लाख से अधिक पशुपालक) को पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा चुकी है।
- कॉल सेंटर के माध्यम से **1962 एमवीयू राजस्थान चैटबॉट** भी संचालित किया जा रहा है।
  - चैटबॉट के माध्यम से अब तक एक लाख से अधिक पशुपालक लाभान्वित हो चुके हैं।
  - **महाराष्ट्र** सरकार ने इस मॉडल को अपनाया है। (1962 महापशुधन संजीवनी एप के माध्यम से व्हाट्सएप चैटबॉट)
- इस योजना के तहत कॉल सेंटर और व्हाट्सएप नम्बर 9063475027 चैटबॉट का संचालन CSR के तहत किया जा रहा है।
  - CSR के तहत सहयोग - इंडसइंड बैंक की सहायक संस्था BIFL

गाँव गवाळ योजना

- **शुभारम्भ –** 22 फरवरी, 2026 (खंडेली गाँव, रामगढ़मंडी – कोटा)
- **शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री –** मदन दिलावर
- **उद्देश्य –** प्राचीन गौचारण परंपरा को पुनर्जीवित करना और आवारा गायों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम।
- योजना के तहत प्रत्येक 70 गायों पर एक गाँव गवाळ नियुक्त किया जाएगा।
- **व्यय –** राजस्थान सरकार द्वारा नहीं बल्कि भामाशाहों (दानदाताओं) द्वारा।
- प्रारंभिक चरण में 15 गाँवों में नियुक्तियाँ की गई हैं।
- **मानदेय –** ₹1000 प्रति माह प्रति गाँव गवाळ

राज्य के पशु मेले

क्र.स.	मेला	स्थान	विशेषता
1.	मल्लीनाथ पशु मेला	तिलवाड़ा, बालोतरा	सबसे पुराना
2.	बलदेव पशु मेला	मेड़ता सिटी, नागौर	-
3.	वीर तेजाजी पशु मेला	परबतसर (डीडवाना-कुचामन)	-
4.	रामेदव पशु मेला	मानासर, नागौर	नागौरी बैल के लिए प्रसिद्ध
5.	गोगामेड़ी पशु मेला	नोहर, हनुमानगढ़	सबसे लम्बा मेला।
6.	कार्तिक पशु मेला	पुष्कर, अजमेर	राज्य का सबसे रंगीन मेला।
7.	जसवंत पशु मेला	भरतपुर	-
8.	चंद्रभागा पशु मेला	झालरापाटन, झालावाड़	-
9.	गोमती सागर पशु मेला	झालरापाटन, झालावाड़	मालवी नस्ल के पशुओं के लिए।
10.	महाशिवरात्रि पशु मेला	करौली	-
11.	निम्बोनाथ पशु मेला	पाली	-
12.	बड़ली भैरु पशु मेला	जोधपुर	-

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान के पशु मेले: सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था, परंपरा और अर्थव्यवस्था का अनूठा संगम

अब जिला स्तरीय पशु मेले भी आयोजित किए जाएंगे

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में वर्तमान सरकार पशुओं और पशुपालकों के कल्याण के लिए कटिबद्ध है। पहले चरण में पशुपालन विभाग ने 11 जिला स्तरीय मेलों के आयोजन की योजना भी बनाई और इनमें से उदयपुर, झुंझुनू जिलों को छोड़कर नौ जिलों- जोधपुर, जैसलमेर, जयपुर, चूरू, बीकानेर, राजसमंद, पाली, सिरोही और जालोर में मेलों का आयोजन किया जा चुका हैं। राजस्थान में पशुपालन विभाग आजादी के बाद से प्रदेश में राज्य स्तरीय 10 पशु मेलों का आयोजन हर वर्ष करता आ रहा है।

पुष्कर पशु मेला, पुष्कर, अजमेर

जिले के पुष्कर में हर वर्ष कार्तिक शुक्ल अष्टमी से मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया तक आयोजित होने वाला यह मेला विश्वभर में प्रसिद्ध है।

- प्रशासन सैलानियों के लिए पुष्कर झील में स्नान की व्यवस्था करता है।
- पशुपालन विभाग की ओर से पशु मेले का आयोजन और पर्यटन विभाग की ओर विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।
- मुख्यत: गीर नस्ल के बैलों, ऊंटों और घोड़ों का क्रय-विक्रय होता है। पशुपालन विभाग वर्ष 1963 से संचालन कर रहा है।

रामदेव पशु मेला, नागौर

यह मेला नागौर शहर से 5 किलोमीटर दूर मानासर गांव में प्रतिवर्ष माघ शुक्ल एकम से माघ शुक्ल पूर्णिमा तक लगता है।

- मारवाड़ नरेश उम्मेदसिंह को इस मेले का जन्मदाता माना जाता है।
- मान्यता है कि मानासर गांव के भूभाग पर रामदेव जी की मूर्ति स्वत: ही उद्भूत हुई थी।
- पशुपालन विभाग ने इसे राज्य स्तरीय मेलों में शामिल कर लिया और फरवरी 1958 से इस मेले का संचालन अपने हाथ में ले लिया।

महाशिवरात्रि पशु मेला करौली

करौली में हर वर्ष माघ शुक्ल पूर्णिमा से फाल्गुन कृष्ण सप्तमी तक ये मेला लगता है। महाशिवरात्रि के पर्व पर आयोजित होने के कारण इस मेले का नाम महाशिवरात्रि पशु मेला रख दिया गया।

- इस मेले की शुरुआत रियासत काल में हुई थी, बाद में राज्य सरकार के पशुपालन विभाग ने इसका संचालन अपने हाथ में ले लिया।
- हरियाणवी नस्ल के पशुओं की खरीद बिक्री होती है, राजस्थान के सिद्व क्षेत्र करौली में सप्ताहभर तक चलने वाले इस मेले में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्यप्रदेश के पशुपालक भी अच्छी संख्या में आते हैं।

मल्लीनाथ पशु मेला, तिलवाड़ा, बालोतरा

यह पशु मेला वीर योद्धा रावल मल्लीनाथ की याद में आयोजित किया जाता है। पशुपालन विभाग ने इस मेले का संचालन वर्ष 1957 में शुरू किया था लेकिन प्रतिवर्ष चैत्र माह कृष्ण एकादशी से चैत्र शुक्ल एकादशी तक आयोजित होने वाले मल्लीनाथ पशु मेले के उद्गम की कहानी बेहद रोचक है।

- वीर रावल योद्धा मल्लीनाथ ने राजगद्दी पर बैठने के बाद एक विशाल भजन कीर्तन का आयोजन किया। इसमें दूर-दूर से हजारों लोग एकत्रित हुए और आयोजन की समाप्ति पर लौटने से पूर्व अपनी सवारी के सुन्दर ऊंट, रथ में लगे घोड़ें, सुन्दर और आकर्षक बैलों का आदान प्रदान किया।
- यह मेला बालोतरा जिले की पचपदरा तहसील के तिलवाड़ा गांव में लूनी नदी के किनारे प्रतिवर्ष लगता है।

गोमती सागर पशु मेला, झालरापाटन

झालावाड़ जिले के झालरापाटन नामक नगर में यह पशु मेला वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी तक प्रति वर्ष भरता है।

- यह पशु मेला हाड़ौती क्षेत्र का एक प्रसिद्व मेला है, जहां मालवी नस्ल के बैलों की खरीद-बिक्री होती है।
- राज्य सरकार द्वारा वर्ष 1959 में इसे राज्य स्तरीय पशु मेलों में शामिल कर इसके आयोजन का दायित्व पशुपालन विभाग को सौंपा गया।

श्री गोगामेड़ी पशु मेला, हनुमानगढ़

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक लोक देवता गोगाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष श्रावण शुक्ल पूर्णिमा से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा तक गोगामेड़ी में इस मेले का आयोजन किया जाता है।

- अत्यंत पावन एवं प्रसिद्व गोगामेड़ी नामक यह स्थान हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील में पड़ता है।
- यहां सभी धर्मों के लोग अपनी आस्था प्रकट करते हैं। पशुपालन विभाग अगस्त 1959 से इस मेले के आयोजन की व्यवस्था का काम कर रहा है।

श्री बलदेव पशु मेला मेड़ता सिटी, नागौर

नागौर जिला नागौरी नस्ल के गौवंश के कारण अतीत काल से ही विश्व विख्यात रहा है। नागौर जिले में प्रतिवर्ष तीन राज्य स्तरीय पशुमेलों का आयोजन किया जाता है।

- लोकप्रिय किसान नेता श्री बलदेव राम मिर्धा की स्मृति में ये मेला हर साल चैत्र शुक्ल एकम से चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तक आयोजित किया जाता है।
- प्रमुख आकर्षण दम-खम के लिए विख्यात नागौरी नस्ल के बैल हैं, जिनकी लोकप्रियता के कारण राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा पंजाब से पशुपालक एवं व्यापारी यहां आते हैं।

श्री चंद्रभागा पशु मेला, झालावाड़

झालावाड़ जिले के झालरापाटन नामक नगर से गुजरने वाली चन्द्रभागा नदी के किनारे पर यह पशु मेला प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी से मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी तक आयोजित होता है।

- कहा जाता है कि महाराजा झाला जालिम सिंह ने अपने शासन काल के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए व्यापारिक केंद्र बनाने का फैसला लिया था।
- मालवी नस्ल के बैल इस मेले का प्रमुख आकर्षण है, पशुपालन विभाग नवंबर 1958 से इस मेले का संचालन कर रहा है।

श्री जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेला, भरतपुर

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल पंचमी से आश्विन शुक्ल चतुर्दशी तक भरतपुर जिला मुख्यालय पर ये मेला लगता है।

- भरतपुर रियासत के महाराजा कृष्णसिंह ने अपने दादा महाराजा जसवंत सिंह की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए उनके नाम पर इस मेले की शुरुआत वर्ष 1920 में एक छोटे से हाट के रूप में की थी।
- अक्टूबर 1958 में इस मेले की व्यवस्था पशुपालन विभाग के पास आने से पहले इसका आयोजन रियासती सरकार और कृषि विभाग आपसी सहयोग से करते थे।

वीर तेजाजी पशु मेला, परबतसर

डीडवाना-कुचामन जिले के परबतसर में श्रावण पूर्णिमा से भाद्रपद अमावस्या तक आयोजित होने वाला यह मेला आय की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा मेला है।

- जोधपुर के महाराजा अजीत सिंह ने यहां वीर तेजाजी की मूर्ति स्थापित कर और मंदिर की स्थापना कर इस मेले की शुरुआत की थी।
- यह मेला भी नागौरी नस्ल के लिए प्रसिद्ध है। पशुपालन विभाग ने साल 1947 में इसका संचालन अपने हाथ में ले लिया था।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

डेयरी विकास

- **डेयरी विभाग स्थापना** - 1973
- **राजस्थान डेयरी विकास निगम (RSDDC)** - 1975
- **राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फेडरेशन (RCDF)** - 1977 (जयपुर)
  - डेयरी विकास की शीर्ष संस्था
    - RSDDC का इसमें विलय किया गया।

त्रिस्तरीय ढांचा

शीर्ष (राज्य स्तर)	जिला स्तर	प्राथमिक स्तर
↓ RCDF	↓ जिला दुग्ध उत्पादक संघ ↓ कुल-24 (आर्थिक समीक्षा के अनुसार) नवीनतम- राजसमंद	↓ प्राथमिक दुग्ध समितियाँ कुल-19643

- **राज्य की सबसे पुरानी डेयरी** - पद्मा (अजमेर- 1938)
  - **सबसे बड़ी** - रानीवाड़ा (जालौर)
- **उरमूल** - बीकानेर
- **वरमूल** - जोधपुर
- **गंगमूल** - हनुमानगढ़
- **मिल्क पाउडर प्लांट** - पाली
  - **मवेशी फीड प्लांट** - कोटा
- **मेट्रो डेयरी** – जयपुर (गोविन्दगढ़)
- **RCDF का सीड मल्टीप्लीकेशन फार्म** - रोजड़ी (श्रीगंगानगर)
- **महिला दुग्ध उत्पादक समिति**
  - **सरकारी** - इंदोरा गाँव (चित्तौडगढ़)
  - **सहकारी** - भोजूसर (बीकानेर)
  - **प्रथम पशु सीमन बैंक** - बस्सी (जयपुर)
- **दूध उत्पादन**
  - **सर्वाधिक** - अलवर, जयपुर
  - **न्यूनतम** - जालौर, सिरोही

प्रमुख संस्थाएँ

- **उत्तर भारत का सबसे बड़ा दूध पैकिंग स्टेशन** - कोटपूतली
- **राज्य का पहला डेयरी व फूड विज्ञान महाविद्यालय** - उदयपुर
  - **संचालन** - महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय द्वारा।
- **डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिक महाविद्यालय**
  - बीकानेर
  - जोबनेर (जयपुर)
  - बस्सी (जयपुर)
- **राजस्थान पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान विश्वविद्यालय**
  - **राजुवास (RAJUVAS)** = बीकानेर - वेटरनरी विश्वविद्यालय
  - **दूसरा** – जोबनेर, जयपुर
- **राजस्थान राज्य पशु प्रबंधन व पशु प्रशिक्षण संस्थान** - जामडोली (जयपुर)
- **राजस्थान पशुपालन विकास बोर्ड** - जामडोली (जयपुर)
- **पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान** - नाथद्वारा (राजसमंद)
  - **पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान** - जोधपुर
- **राजस्थान राज्य पशुपालन कल्याण बोर्ड** - जयपुर
- **केन्द्रीय पशु प्रजनन केन्द्र** :- सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
- **प्रथम चारा बैंक** - मोहनगढ़ (जैसलमेर) (देश का पहला)

PYQ Questions

1. चोकला, मंगरा, पूगल किस पशु के प्रकार हैं ? (LDC 2011)
(a) बकरी (b) भेड़
(c) गाय–बैल (d) ऊँट

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए हुए कूटों का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए : (Teacher II Grade Exam. 2013)

सूची-I (राजस्थान के क्षेत्र)	सूची-II (गाय की नस्ले)
(i) उत्तरी पश्चिमी राजस्थान	(a) राठी
(ii) दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान	(b) कांकरेज
(iii) पश्चिमी राजस्थान	(c) थारपारकर
(iv) दक्षिण पूर्व मध्यवर्ती राजस्थान	(d) गिर

कूट :
(a) (i)(c), (ii)(b), (iii)(a), (iv)(d)
(b) (i)(a), (ii)(b), (iii)(c), (iv)(d)
(c) (i)(a), (ii)(b), (iii)(d), (iv)(c)
(d) (i)(b), (ii)(c), (iii)(d), (iv)(a)

3. भैंस की नस्ल है – (PTI Grade III Exam 2011)
(a) चोकला (b) मालानी
(c) सांचौरी (d) मुर्रा

4. जिस जिले में न्यूनतम भेड़े पाई जाती हैं, वह है – (PTI Grade III Exam 2011)
(a) जोधपुर (b) चूरू
(c) धौलपुर (d) बीकानेर

5. कांकरेज महत्वपूर्ण नस्ल है : (AEN Pre – 2013)
(a) गौधन की (b) भैंस की
(c) बकरी की (d) भेड़ की

6. निम्नलिखित में से कौन सी एक राजस्थान में भेड़ की नस्ल नहीं है? (AEN Pre – 2013)
(a) मालपुरा (b) नाली
(c) मगरा (d) मालवी

7. राजस्थान में इनमें से कौन-सी एक भेड़ की नस्ल पाई जाती है? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) नागौरी (b) राठी
(c) चौकला (d) मुर्रा

8. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए : (PTI GR II AND III 2013Paper - I)

गोवंश	जिला
A. राठी	i. बाड़मेर
B. थारपारकर	ii. बीकानेर
C. गिर	iii. जालौर
D. कांकरेज	iv. अजमेर

कूट:

	A B C D		A B C D
(a)	ii iv iii i	(b)	iii iv i ii
(c)	i ii iii iv	(d)	ii i iv iii

9. राजस्थान में उन्नीसवीं पशुधन गणना किस वर्ष में की गई ? (College Lecturer - 2014)
(a) 2010 (b) 2011 (c) 2012 (d) 2013

10. राजस्थान में कौन सी भेड़ की नस्ल नहीं है ? (College Lecturer - 2014)
(a) मालवी (b) नाली
(c) मालपुरी (d) सोनारी

11. निम्न में से कौन सी नस्ल राजस्थान में ऊँट से संबंधित है ? (College Lecturer - 2014 (Paper - III))
(a) पुगल (b) बारबरी
(c) गुरहा (d) मेवाती

12. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए – (College Lec - 2014)

सूची-I (राजस्थान के क्षेत्र)	सूची-II (गाय की नस्लें)
A. उत्तर-पश्चिमी राजस्थान	1. राठी
B. दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान	2. कांकरेज
C. पश्चिमी राजस्थान	3. थारपारकर
D. दक्षिण-पूर्वी मध्यवर्ती राजस्थान	4. गिर

विकल्प –
(a) A-3, B-2, C-1, D-4 (b) A-1, B-2, C-3, D-4
(c) A-1, B-3, C-2, D-4 (d) A-2, B-3, C-4, D-1

13. "खेरी" एक नस्ल है- (College Lecturer - 2014)
(a) बकरी की (b) ऊँट की (c) भैंस की (d) भेड़ की

14. 'पुगल' जिस पशु की नस्ल है, वह है – (Clerk GR II Comb. Comp. Exam - 2013)
(a) बकरी (b) भेड़ (c) गाय (d) ऊँट

15. पशुपालन की दृष्टि से राजस्थान का अग्रणी जिला है : (Research Assistant – 2016)
(a) जैसलमेर (b) बाड़मेर (c) जयपुर (d) कोटा

16. सूची – I को सूची – II से मिलाइए तथा नीचे दिए गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Research Assistant – 2016)

सूची – I (गाय की नस्लें)	सूची – II (राजस्थान के क्षेत्र)
A. थारपारकर	(i) मध्य भाग
B. कांकरेज	(ii) उत्तर-पश्चिमी भाग
C. राठी	(iii) दक्षिण-पश्चिमी भाग
D. नागौरी	(iv) पश्चिमी भाग

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

विकल्प :
(a) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(ii), B-(iv), C-(iii), D-(i)
(c) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(d) A-(iii), B-(ii), C-(i), D-(iv)

17. राजस्थान सरकार का मत्स्य फार्म 'सागरोद' स्थित है – (Research Assistant – 2016)
(a) टोंक में (b) कोटा में
(c) बाँसवाड़ा में (d) अलवर में

18. सूची-I को सूची-II से मिलाइये तथा निम्न कूटों की सहायता से सही विकल्प का चयन कीजिये : (Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) - 2015)

सूची-I (पशुधन)	सूची-II (नस्ल)
A. गौवंश	(i) बड़वारी
B. भेड़	(ii) मुर्रा
C. भैंस	(iii) मालवी
D. बकरी	(iv) नाली

कूट: A B C D
(a) (iii) (iv) (ii) (i) (b) (iv) (iii) (i) (ii)
(c) (ii) (i) (iii) (iv) (d) (i) (ii) (iv) (iii)

19. गलत युग्म कौन सा है? (Asst. Engineer exam 2018)
पशु — नस्ल पशु — नस्ल
(a) भेड़ — मगरा (b) भैंस — ओंगोल
(c) बकरी — सिरोही (d) ऊँट — मारवाड़ी

20. निम्नलिखित में से कौन सा गोवंश का नस्ल नहीं है? (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam - 2018)
(a) मालवी (b) राठी
(c) कांकरेज (d) बागड़ी

21. राजस्थान राज्य डेयरी विकास निगम की स्थापना निम्नलिखित में से किस वर्ष की गई थी? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
(a) 1978 (b) 1985
(c) 1972 (d) 1975

22. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चुनाव कीजिए – (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
पशु — नस्ल पशु — नस्ल
A. ऊँट — i. राठी B. भेड़ — ii. बीकानेरी
C. बकरी — iii. मगरा D. गाय — iv. झखराना
कूट:
(a) A–i, B–ii, C–iii, D–iv
(b) A–ii, B–iii, C–i, D–iv
(c) A–ii, B–iii, C–iv, D–i
(d) A–iv, B–iii, C–ii, D–i

23. राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (RCDF) का मुख्यालय कहाँ है? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
(a) जैसलमेर (b) बीकानेर
(c) जयपुर (d) अजमेर

24. 'सोनाड़ी' और 'नाली' नस्लें हैं – (College Lecturer– 2018)
(a) भेड़ की (b) बकरी की
(c) गौवंश की (d) ऊँट की

25. कौन सा सुमेलित नहीं है? (Sr. Teacher Gr II - 2018)
पशु — नस्ल पशु — नस्ल
(a) बकरी — बड़वारी (b) गौवंश — नाली
(c) भेड़ — जैसलमेरी (d) भैंस — भदावरी

26. निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Veterinary Officer – 2019)
A. राजस्थान में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता राष्ट्रीय औसत से अधिक है।
B. राजस्थान में ऑपरेशन फ्लड-I का प्रारंभ 1970 में हुआ।
C. राजस्थान में डेयरी विकास के लिए 'राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन' शीर्ष निकाय है।
कूट :
(a) केवल A तथा B सही हैं। (b) केवल B तथा C सही हैं।
(c) सभी सही हैं। (d) केवल A तथा C सही हैं।

27. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Veterinary Officer – 2019)

सूची-I (पशु)	सूची-II (नस्ल)
A. भेड़	1. मुर्रा
B. गोवंश	2. नाचना
C. ऊँट	3. राठी
D. भैंस	4. नाली

कूट :
(a) 4 3 2 1 (b) 4 3 1 2
(c) 3 4 2 1 (d) 2 3 4 1

28. बड़वारी नस्ल संबंधित है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) गौवंश (b) भैंस
(c) बकरी (d) भेड़

29. मल्लीनाथ पशु मेला आयोजित होता है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) झालरापाटन में (b) सवाई माधोपुर में
(c) परबतसर में (d) तिलवाड़ा में

30. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Veterinary Offi- 2019)

सूची-I (पशु मेला)	सूची-II (स्थान)
A. श्री बलदेव पशु मेला	1. मेड़ता सिटी
B. चंद्रभागा पशु मेला	2. परबतसर
C. रामदेव पशु मेला	3. झालरापाटन
D. वीर तेजाजी पशु मेला	4. नागौर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट :
(a) 1 3 4 2 (b) 3 1 4 2
(c) 1 3 2 4 (d) 4 1 3 2

31. थारपारकर नस्ल के गौवंश का उत्पत्ति स्थल माना जाता है – **(Veterinary Officer – 2019)**
(a) मालाणी (b) हरियाणा
(c) गंगानगर (d) दरीबा

32. कौन सा गोवंश नस्ल 'अजमेरा' के नाम से भी जाना जाता है? **(Veterinary Officer – 2019)**
(a) राठी (b) कांकरेज
(c) गिर (d) थारपारकर

33. निम्न में से कौन सी राजस्थान की बकरी की प्रसिद्ध नस्ल है? **(Forest Range Officer Gr-I Exam – 2018)**
(a) नागौरी (b) कांकरेज
(c) जखराना (d) चौकला

34. "नीली क्रांति" निम्न में से किससे सम्बन्ध रखती है? **(Lecturer Exam – 2020)**
(a) सरसों उत्पादन (b) बागवानी उत्पादन
(c) मत्स्य उत्पादन (d) मुर्गी-अण्डा पालन

35. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुसंगत नहीं है? **(Lecturer Exam – 2020)**
(a) भेड़ – बागड़ी, मारवाड़ी (b) बकरी – जमनापुरी, झरवाली
(c) ऊँट – गोमट, बीकानेरी (d) गाय – हरियाणवी, मुर्रा

36. सोनाड़ी नस्ल की भेड़ें राजस्थान के किस जिले में पाई जाती हैं? **(SI Exam - 2021)**
(a) पाली (b) नागौर
(c) सिरोही (d) उदयपुर

37. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ?
पशु नस्ल – स्थान **पशु नस्ल – स्थान**
(a) ऊँट – नाचना (b) भेड़ – खेरी
(c) भैंस – महसाना (d) बकरी – नाली

38. कौन सा सुमेलित नहीं है ? **(Asst. Prof. - 2020)**
पशुधन – नस्ल **पशुधन – नस्ल**
(a) भेड़ – चोकला (b) ऊँट – गोमठ
(c) बकरी – खेरी (d) भैंस – सुरती

39. गोमठ और मेवाड़ी किसकी नस्लें हैं? **(Head Master - 2021)**
(a) भैंस (b) बकरी
(c) ऊँट (d) भेड़

40. निम्नलिखित में से कौनसी नस्लें राजस्थानी भेड़ से संबंधित नहीं हैं? **(Lecturer– 2021)**
(a) मगरा और खेरी (b) चोकला और सोनाड़ी
(c) पूगल और नाली (d) मुर्रा और राठी

41. थारपारकर नस्ल अधिकांशतः पाई जाती है – **(Lecturer– 2021)**
(a) उत्तरी राजस्थान में (b) पश्चिमी राजस्थान में
(c) पूर्वी राजस्थान में (d) दक्षिणी राजस्थान में

42. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए – **(Lecturer– 2021)**

सूची-I (गोवंश नस्ल)	सूची-II (क्षेत्र)
(A) थारपारकर	(i) बाड़मेर, पाली एवं जालौर
(B) कांकरेज	(ii) झालावाड़, कोटा एवं उदयपुर
(C) मालवी	(iii) अजमेर, भीलवाड़ा एवं पाली
(D) गिर	(iv) बाड़मेर, जोधपुर एवं जैसलमेर

कूट –	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	iv	i	iii	ii
(b)	i	iv	ii	iii
(c)	iv	i	ii	iii
(d)	ii	iv	i	iii

43. निम्नलिखित सूची–I एवं सूची–II को सुमेलित करते हुए नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर दीजिए – **(Lecturer– 2021)**

सूची-I	सूची-II
(A) गाय	(a) लोहि, बारबरी, जमुनापारी
(B) भैंस	(b) राठी, गिर, थारपारकर
(C) भेड़	(c) मुर्रा, सुरती, मेहसाणा
(D) बकरी	(d) नाली, पूगल, मागरा

कूट – (A) (B) (C) (D)
(a) 3 4 1 2 (b) 1 2 3 4
(c) 2 3 4 1 (d) 4 1 2 3

44. भेड़ों की 'खेरी' नस्ल पाई जाती है –
(a) जोधपुर, पाली और नागौर जिलों में
(b) अलवर, भरतपुर और दौसा जिलों में
(c) कोटा, बारां और बूंदी जिलों में
(d) जैसलमेर, बीकानेर और गंगानगर जिलों में

45. पशुगणना 2019 के अनुसार, राजस्थान में पशुओं की कुल जनसंख्या थी – **(Lecturer – 2021)**
(a) 57.7 मिलियन (b) 56.8 मिलियन
(c) 68.8 मिलियन (d) 67.8 मिलियन

46. सर्रा (तिबरसा) रोग संबंधित है – **(Statistical Officer – 2021)**
(a) भैंस से (b) सूअर से
(c) बकरी से (d) ऊँट से

47. पशु जनगणना 2019 के अनुसार, निम्नलिखित में से किसकी जनसंख्या सबसे अधिक है? **(Asst. Agri Officer – 2021)**
(a) बकरी (b) भैंस
(c) भेड़ (d) ऊँट

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

48. राजस्थान में 2019 की 20वीं पशुधन गणना के अनुसार, सर्वाधिक भेड़ें पाई जाती हैं – (School Lecturer - 2022)

(a) अलवर में (b) बाड़मेर में
(c) बीकानेर में (d) गंगानगर में

49. कौन सा कथन सही नहीं है? (Sr. Teacher Gr II - 2022)

(a) राठ प्रदेश में गौवंश प्रमुख पशुधन है।
(b) मध्य राजस्थान मालवा पशुधन प्रदेश में सम्मिलित है।
(c) सिरोही, जालौर और पाली जिले कांकरेज पशुधन प्रदेश के भाग हैं।
(d) नागौर पशुधन प्रदेश बैलों के लिए प्रसिद्ध है।

50. 19वीं पशुधन गणना (2012) से 20वीं पशुधन गणना (2019) में राजस्थान में पशुधन की कुल संख्या में परिवर्तन है – (Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)

(a) 1.66% की वृद्धि (b) 1.66% की कमी
(c) 4.2% की वृद्धि (d) 2.66% की कमी

51. कौन-सा सुमेलितनहीं है? (Hospital Care Taker – 2022)

पशुधन — नस्ल **पशुधन — नस्ल**
(a) ऊँट – नाचना (b) भेड़ – लोही
(c) गोवंश – मेवाती (d) बकरियाँ – बड़वारी

52. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए : (Sr. Teacher - 2022)

A. लोही बकरी की एक नस्ल है।
B. गुढ़ा भैंस की एक नस्ल है।
C. जैसलमेरी ऊँट की एक नस्ल है।

कूट :
(a) A तथा B सही हैं। (b) A तथा C सही हैं।
(c) A, B तथा C सही हैं। (d) B तथा C सही हैं।

53. राजस्थान राज्य के पशुपालन विभाग द्वारा गौवंश प्रजनन हेतु 'गोपाल' कार्यक्रम राज्य के दस दक्षिण-पूर्वी जिलों में किस वर्ष में आरम्भ हुआ ? (Sr. Teacher - 2022)

(a) 1991-92 (b) 1990-91
(c) 1989-90 (d) 1987-88

54. सूची-I को सूची-II से मिलाइए एवं नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Sr. Teacher Gr II - 2022)

सूची-I (पशुधन)	सूची-II (नस्ल)
A. भेड़	(i) सुरती
B. गौवंश	(ii) नाली
C. भैंस	(iii) बरबरी
D. बकरी	(iv) सांचोरी

कूट :
(a) (iii) (i) (iv) (ii) (b) (ii) (iv) (iii) (i)
(c) (ii) (iv) (i) (iii) (d) (iv) (iii) (i) (ii)

55. राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केन्द्र स्थित है – (RAS (Pre) Exam – 2023)

(a) जोधपुर (b) अविकानगर
(c) बीकानेर (d) अजमेर

56. निम्नलिखित में से कौन सी बकरी की नस्ल है ? (Statistical Officer Exam – 2023)

(a) कांकरेज (b) सिरोही
(c) मालवी (d) सांचोरी

57. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए : (Asst. Prof., Librarian and PTI - 2023)

सूची-I (नस्ल)	सूची-II (पशु)
i. सुरती	a. बकरी
ii. मगरा	b. भेड़
iii. बारबरी	c. गाय-बैल
iv. मालवी	d. भैंस

कूट :	i	ii	iii	iv
(a)	c	b	a	d
(b)	d	b	a	c
(c)	d	b	c	a
(d)	b	d	a	c

58. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – (Asst. Prof. – 2024)

सूची-I (पशुधन)	सूची-I – (नस्ल)
(A) भैंस	(i) गोमठ
(B) ऊँट	(ii) चनोथर
(C) भेड़	(iii) जाफराबादी
(D) बकरी	(iv) लोही

कूट –
(a) A-(iii), B-(i), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(ii), B-(i), C-(iii), D-(iv)
(c) A-(i), B-(iii), C-(iv), D-(ii)
(d) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)

59. गलत युग्म का चुनाव कीजिए : (School Lec- 2024)

नस्ल – पशुधन **नस्ल – पशुधन**
(a) गिर – गाय (b) मगरा – भेड़
(c) शेखावाटी – बकरी (d) सूरती – ऊँट

60. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें – (Sr. Teacher Comp. Exam – 2024)

(A) राजस्थान के बाड़मेर जिले में भेड़ों की संख्या राज्य में सबसे अधिक है।
(B) सूरती, राजस्थान में पाई जाने वाली भैंस की एक नस्ल है।

सही विकल्प कौनसा है?
(a) (A) और (B) दोनों सही हैं (b) (A) और (B) दोनों गलत हैं
(c) केवल (B) सही है (d) केवल (A) सही है

61. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए – (Librarian Grade-II - 2024)

सूची-I (पशुधन)	सूची-II (नस्ल)
(A) भेड़	(i) बरबरी
(B) गाय	(ii) सोनाड़ी
(C) ऊँट	(iii) बीकानेरी
(D) बकरी	(iv) गिर

कूट –

(a) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)
(c) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(d) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

62. वर्ष 2021-22 में भैंसों के दूध उत्पादन मात्रा में राजस्थान की श्रेणी पूरे भारत के राज्यों में कौन सी थी?
(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)

(a) प्रथम (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) चतुर्थ

63. मुर्गियों में रानीखेत बीमारी किसके द्वारा होती है?
(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)

(a) जीवाणु (b) विषाणु
(c) प्रोटोजोआ (d) परजीवी कारक

64. निम्न में से किस समूह के नस्लों का समूह सुमेलित नहीं है?
(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)

(a) मिनोर्का – सूअर (b) सोनाड़ी – भेड़
(c) भदावरी – भैंस (d) बरबरी – बकरी

65. पशु आवास में एक वयस्क गाय को कितने खुले स्थान की आवश्यकता होती है? (Agri Officer Exam – 2024)

(a) 3.5 वर्ग मीटर (b) 5.0 वर्ग मीटर
(c) 7.0 वर्ग मीटर (d) 9.0 वर्ग मीटर

66. पश्चिमी गंगानगर, उत्तरी पूर्वी जैसलमेर और पश्चिमी बीकानेर जिलों में गौवंश की कौनसी नस्ल सामान्यत: मिलती है?
(PTI and Librarian– 2024)

(a) राठी (b) मालवी
(c) गिर (d) सांचोरी

67. निम्नलिखित में से कौनसी भेड़ की नस्ले नहीं हैं ?
(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)

(a) मगरा और खेरी
(b) पुगल और नाली
(c) चोकला और सोनाडी
(d) जमनापुरी और मालवी

68. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ?
(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)

ऊँट की नस्लें	क्षेत्र
(a) नाचना	जैसलमेर
(b) गोमठ	जोधपुर और नागौर
(c) केरुपाल	बीकानेर और चूरू
(d) कुटची	गंगानगर और हनुमानगढ़

69. पशुगणना-2019 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Lecturer and Coach - Exam-2024)

पशुधन	भारत में राजस्थान का प्रतिशत
(a) बकरियाँ	12.05%
(b) भेड़ें	10.64%
(c) ऊँट	84.43%
(d) भैंसें	12.47%

70. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सी एक भैंस की नस्ल है?
(Lecturer and Coach - Exam-2024)

(a) मगरा (b) मारवाड़ी
(c) मालपुरा (d) मुर्राह

71. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(Lecturer and Coach - Exam-2024)

सूची-I (नस्लें)	सूची-II (पशु)
A. मारवाड़ी	ऊँट
B. मेवाड़ी	भेड़
C. मेवाती	गाय
D. सूरती	भैंस

कूट :

(a) ii i iii iv (b) i ii iv iii
(c) iii iv ii I (d) iv iii i ii

72. वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और उससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों ने गत वित्तीय वर्ष की तुलना में टर्नओवर में कितने प्रतिशत वृद्धि की है?
(Research Assistant– 2024)

(a) 18.4 प्रतिशत (b) 24.4 प्रतिशत
(c) 5.4 प्रतिशत (d) 15.4 प्रतिशत

73. 2019 के पशुधन गणना के अनुसार, निम्नलिखित में से किस जिला समूह में भैंसों की संख्या सर्वाधिक थी ?
(Deputy Jailor - 2024)

(a) अलवर, अजमेर, भीलवाड़ा (b) जयपुर, दौसा, करौली
(c) भरतपुर, टोंक, नागौर (d) जयपुर, अलवर, भरतपुर

74. मगरा, जिसे पहले बीकानेरी के नाम से जाना जाता था; जिसे बीकानेरी चोकला और चकरी के नाम से भी जाना जाता है, नस्ल है–
(Deputy Jailor - 2024)

(a) भेड़ की (b) बकरी की
(c) गाय की (d) भैंस की

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

75. निम्नलिखित में से किस नस्ल के गौवंश दुग्ध उत्पादन तथा अच्छे बैलों के लिए जाने जाते हैं और अधिकांशतः बाड़मेर, पाली, सिरोही तथा सांचौर में पाए जाते हैं ? **[Sr. Teacher (G-B) - 2025]**

(a) कांकरेज (b) राठी
(c) मालवी (d) गिर

76. राजस्थान में गौवंश की कौन सी नस्ल सिंधी एवं साहीवाल की मिश्र नस्ल है ? **[Sr. Teacher (G-B) - 2025]**

(a) राठी (b) मालवी
(c) गिर (d) सांचौरी

77. पशुगणना-2019 के अनुसार, राजस्थान में भारत के ऊँटों का प्रतिशत है **[Sr. Teacher (G-C) - 2025]**

(a) 86.34% (b) 84.43%
(c) 88.43% (d) 80.43%

78. निम्नलिखित में से कौनसा (पशुधन नस्ल-उपनाम) सुमेलित नहीं है? **[Sr. Teacher (G-D) - 2025]**

(a) गिर-रेण्डा (b) थारपारकर-मालाणी
(c) चोकला-सोनाडी (d) मगरा-चकरी

Answer Key

1	b	2	b	3	d	4	c	5	a	6	d	7	c	8	d	9	c	10	a
11	c	12	b	13	d	14	b	15	b	16	c	17	c	18	a	19	b	20	d
21	d	22	c	23	c	24	a	25	b	26	c	27	a	28	c	29	d	30	a
31	a	32	c	33	c	34	c	35	d	36	d	37	d	38	c	39	c	40	d
41	b	42	c	43	c	44	a	45	b	46	d	47	a	48	b	49	b	50	b
51	b	52	b	53	b	54	c	55	c	56	b	57	b	58	a	59	d	60	a
61	b	62	b	63	b	64	a	65	c	66	a	67	d	68	d	69	a	70	d
71	a	72	d	73	d	74	a	75	a	76	a	77	b	78	c				

RAS Mains PYQ

Q. सोनाड़ी एवं मालवी पशुधन नस्लें राजस्थान के कौन से जिलों में पायी जाती है ? **[RAS Mains 2018 (2 Marks)]**

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Notes

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

11 खनिज संसाधन

खनिज – धात्विक एवं अधात्विक

◈ **प्रकार, वितरण एवं औद्योगिक उपयोग :-** आर्थिक समीक्षा के अनुसार

राजस्थान खनिजों का अजायबघर

कुल खनिज	खनन - 57	विविधता	भण्डारण	उत्पादन व आय
(82)	(मुख्य 22 व गौण 35)	(1st)	(2nd) 1st झारखण्ड	(3rd) 1st ओडिशा 2nd छत्तीसगढ़

◈ **एकमात्र उत्पादन वाला खनिज :-** 100% उत्पादन

1. सीसा–जस्ता
2. सेलेनाइट
3. वोलेस्टोनाइट
4. चांदी
5. केल्साइट
6. जिप्सम

◈ **उत्पादन में सर्वाधिक योगदान :-**

- चूना पत्थर, संगमरमर, सिलिका सैंड
- तामड़ा, तांबा, बेराइट्स
- वोलेस्टोनाइट, ग्रेनाइट, सीसा–जस्ता

खनिजों का वर्गीकरण

धात्विक खनिज		अधात्विक खनिज
लौह (CM-NIT)	**अलौह**	
कोबाल्ट	सोना-चाँदी	ऊर्जा खनिज- आण्विक खनिज- ईंधन खनिज
क्रोमाइट	प्लेटिनम	रासायनिक खनिज
मैंगनीज	सीसा - जस्ता	उर्वरक खनिज - रॉक फॉस्फेट, पोटाश आदि
निकल	टिन	बहुमूल्य खनिज
लौह अयस्क	ताँबा	क्ले खनिज
टंगस्टन	बॉक्साइट	पत्थर खनिज
टाइटेनियम	एल्युमिनियम	
	पारा / मर्करी	

धात्विक खनिज

1. लौह अयस्क :-

- सर्वाधिक हेमेटाइट किस्म
- सर्वाधिक उत्पादन – जयपुर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

क्र.सं.	जिला	प्रमुख लौह अयस्क क्षेत्र / स्थान
1	जयपुर	मोरिजा - बानोल, भुट्टों की गली, नीमेड भगवास, रायसल
2	सीकर	डाबला-सिंघाना (झुंझनूं), बगोली सराय, राजपुर, नानावास, रामपुरा
3	अलवर	भानगढ़, राजगढ़
4	उदयपुर	नाथरा की पाल, थूर-हुण्डेर
5	झुंझनूं	जमालोपुरा, कालीपहाड़ी, सिओर, टोण्डा
6	डूंगरपुर	लोहारिया, खामरिया, पादरपाल
7	बाँसवाड़ा	कमलपुरा, लामपा, तलवाड़ा
8	भीलवाड़ा	डाग, पुरबनेडा, तिरंगा क्षेत्र, बीगोद
9	बूंदी	लोहारपुरा, इन्द्रगढ़, मोहनपुरा
10	दौसा	नीमला- राइसेल, लालसोट
11	करौली	देदरौली, खोडा, टोड्डुपुरा, लीलोटी

- **लोह अयस्क का प्रयोग –** आधार खनिज, इस्पात उद्योग, भवन निर्माण, ऑटोमोबाइल उद्योग, रेल पटरी, मशीनरी, फनी्रचरी, उपकरण, इंजीनियरिंग उद्योग (भारी मशीन)

2. ताँबा :-

- **खेतडी -** सिघाना खनन HCL
- **उपयोग :-** रंग-रोगन में, विद्युत उपकरण निर्माण, मोटर इंजन, बर्तन, गाडियां निर्माण। (सुपर फॉस्फेट खाद)

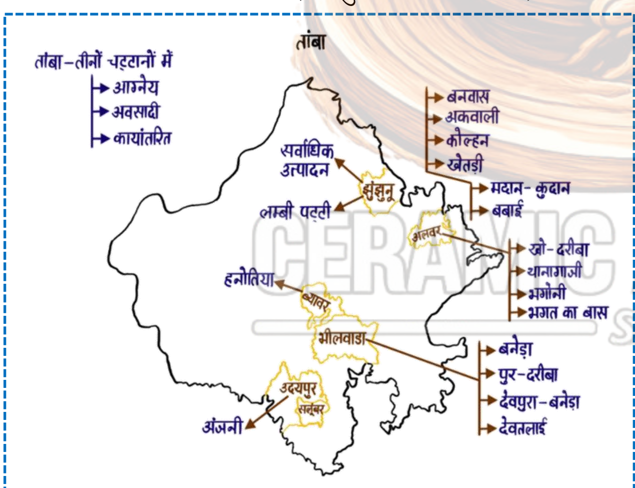

क्र.सं.	जिला	प्रमुख ताँबा (Copper) क्षेत्र / स्थान
1	झुन्झुनूं	खेतड़ी-सिंघाना क्षेत्र (कोल्हन, मन्धान, खेतड़ी, चाँदमारी, बबाई, बरखेड़ा) अकावली, मदान कुदान, मुरादपुर – पचेरी, धोलामाला, बनमाला, सुरहरी, छिन्छोरी, सतकुइ
2	अलवर	खो दरीबा, कुशलगढ़, सेनपुरी, भगत का बास, थानागाजी, भगोनी
3	सीकर	बन्नो की ढाणी, बालेश्वर
4	भीलवाड़ा	पुर दरीबा, देवपुरा- बनेड़ा, देवतलाई
5	चूरू	बिदासर
6	अजमेर	हनोतिया (ब्यावर), सावर (अजमेर)
7	सिरोही	बसंतगढ़
8	चित्तौडगढ़	भागेल-वारी, अकोला
9.	उदयपुर	देलवाड़ा-केरावली क्षेत्र, नन्दवेल-अकोदरा, बेदावल की पाल, चानी
10.	सलूम्बर	अंजनी-सलूम्बर
11.	भरतपुर	खानखेरा और कैर
12.	राजसमन्द	माजेरा, करौली और गोपाकुरा ब्लॉक

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **ताँबा का प्रयोग –**
  - ऑटोमोबाइल, विद्युत उपकरण, बर्तन, सिक्के व पदक, तार निर्माण, मूर्तियाँ, गैस पाइपलाइन, मिश्रधातु,
  - **बिजली उपकरण –** सर्किट बोर्ड व कनेक्टर में/ मोटर, जनरेटर, transformer
  - **कवकनाशी –** उदा- कॉपर, सल्फेट

3. सीसा-जस्ता व चाँदी:-

- **अयस्क →** गैलेना
- जुड़वा खनिज
- चाँदी का इन खनिज के साथ उत्पादन होता है। (By product)
- **सर्वाधिक उत्पादन →** उदयपुर

क्रमांक	जिला	प्रमुख जस्ता क्षेत्र / स्थान
1	उदयपुर	जावर क्षेत्र (जावरमाला, बरोड़ मगरा, मोचिया मगरा, बलारिया) , देबारी
2	भीलवाड़ा	रामपुरा आगुचा व गुलाबपुरा आगुचा, पुर बनेडा
3	डूंगरपुर	घुंघराव मोड़
4	बाँसवाड़ा	बरडालिया
5	सिरोही	बसंतगढ़, देरी, जोपार, तुरगी
6	राजसमंद	राजपुरादरीबा, सिन्देसर खुर्द, सिन्देसर कला, बेथुनी
7	अजमेर	सावर, कयार-घूघरा
8	अलवर	गुढ़ा – किशोरी दासपुर।
9	सवाई- माधोपुर	चौथ का बरवाड़ा

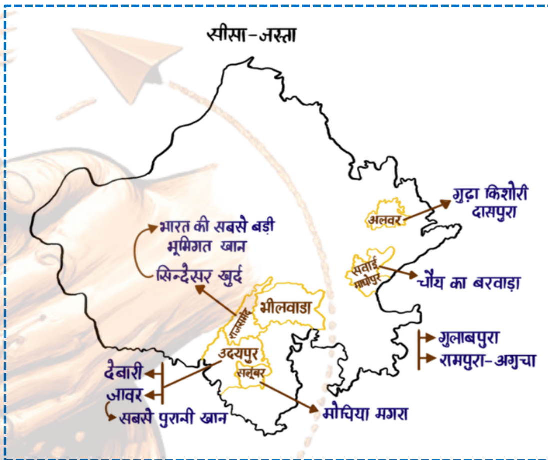

- **सीसा-जस्ता का प्रयोग :**
  - **जस्ता -** उर्वरक औषधी, तार ऑटोमोबाइल ड्राई सेल बैटरी, रबड उद्योग, पॉलिश में, रंग-रोगन में (Paint)।
  - **सीसा -** बैटरी, विकिरण सुरक्षा, कोटिंग, गोला बारूद, कॉच उद्योग, सेल, स्याही, माचिस और बैटरियों में।
- **चंदेरिया (चितौड़) :- संचालन-** हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा।
- **चाँदी का उपयोग:-** आभूषण व पदक, विद्युत उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में, ऑटोमोबाइल, क्लाउड सीडिंग, काँच उद्योग।

4. मैंगनीज:-

- **सर्वाधिक भण्डारण व उत्पादन :-** बाँसवाड़ा
- **नए भण्डार :-**
  - **बाँसवाड़ा :-** घाटोल, कालाखूंटा
  - **राजसमंद :-** नेगडिया
- **मैंगनीज का प्रयोग –** इस्पात उद्योग, काँच उद्योग, उर्वरक व कीटनाशक, ड्राई सेल बेट्री, ब्लीचिंग पाउड़र, मिश्र धातु।

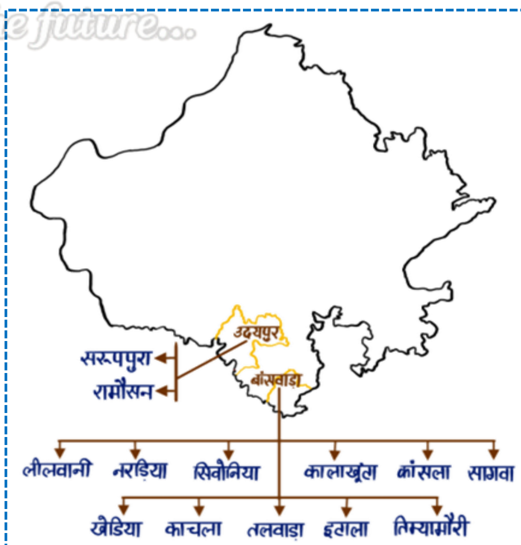

क्र.सं.	जिला	प्रमुख मैंगनीज क्षेत्र / स्थान
1	बाँसवाड़ा	लीलवानी, कालाखूंटा, तलवाड़ा, कांसला, इटाला, तिम्यामौरी/तिम्मामौरी, काचला, खेडिया, सागवा, रूपाखेडी, भंत्रा, घाटिया, ताम्बेसरा, घाटोल, नरड़िया, सिवानिया
2	उदयपुर	सरूपपुरा, रामौसन, बड़ीसार, छोटीसार
3.	राजसंमद	नेगडिया
4.	सीकर	रेवासा

5. सोना:-

- **भण्डारण :-** बाँसवाड़ा (जगपुरा - भूकिया)
- वर्तमान में उत्पादन प्रारंभ नहीं

क्र.सं.	जिला	प्रमुख सोना क्षेत्र / स्थान
1	भीलवाड़ा	रामपुरा आगुचा, देवतलाई
2	उदयपुर	जावर, बरोई, मोचिया मगरा, डागोचा (UDA - सलुम्बर क्षेत्र)
3.	बांसवाड़ा	जगपुरा भूकिया, आनंदपुरा भूकिया, जगपुरा भूकिया – देलवारा पट्टी, छोटिया अम्बा, घाटोल, कांकरिया, तिमारमाला, रतिमौरी
4.	राजसमंद	सिंन्देसर खुर्द, राजपुरा दरीबा

नए भण्डार:
डूंगरपुर – भारकुण्डी, दौसा – धानी – बासड़ी, झुंझनू – खेतड़ी, अलवर – खेड़ा मुंडियावास
Note: उपरोक्त केवल भण्डारण क्षेत्र है।

- **सोने का उपयोग:-** आभूषण, पदक, सिक्के, तकनीकी उपकरण, चिकित्सकीय उपयोग। (उदा. Dentistry Nano Medicine) Aerospace – अंतरिक्ष यान व उपग्रहों में कॉटिंग

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

6. टंगस्टन :-

- **अयस्क :-** Wolframite, scheelite

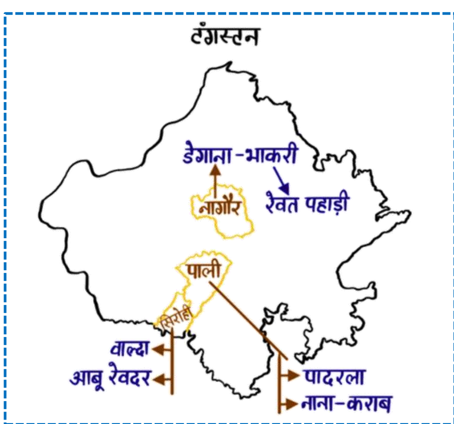

क्र.सं.	जिला	प्रमुख टंगस्टन क्षेत्र / स्थान
1	नागौर	डेगाना खदान (खेत पहाड़ी) भारत की सबसे बड़ी खदान
2	पाली	नाना कराब, पादरला
3.	सिरोही	▪ आबू रेवदर, बाल्दा, उड्वारिया (नए भण्डार) ▪ देवा का बेर एवं खेरा उपरेला

नए भण्डार:
सेवरिया, पीपलिया, बीजाथल (अजमेर – नागौर क्षेत्र)

- **टंगस्टन का प्रयोग –** रासायनिक अभिक्रिया, इस्पात, इलेक्ट्रोनिक, बल्ब, ऑटोमोबाइल उद्योग, कटिंग टूल्स, रक्षा उद्योग

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

अधात्विक खनिज

1. अभ्रक :-

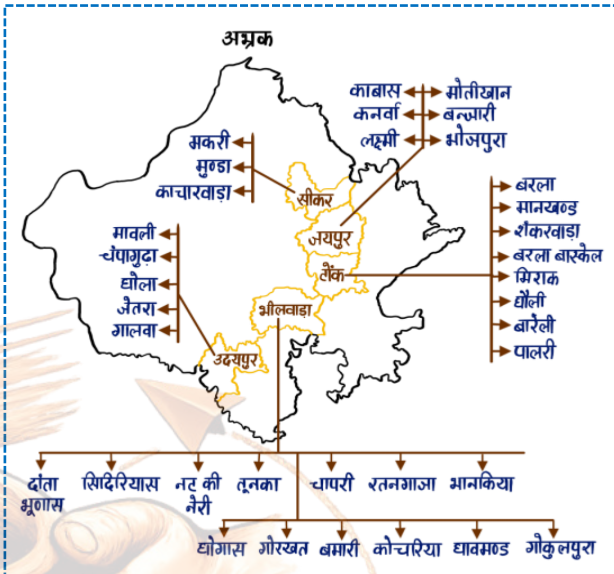

- खनिजों का बीमार बच्चा
- **अप्रधान खनिज :-** वर्ष 2015
- **माइकोनाइट उद्योग :-** चादर निर्माण; **सर्वाधिक -** भीलवाड़ा (अभ्रक सिटी)
- **प्राप्ति :-** आग्नेय व कायान्तरित चट्टानों में
- **अभ्रक के प्रयोग –** इलेक्ट्रिक उपकरण, सौंदर्य प्रसादन, औषधीय उपयोग, निर्माण उद्योग, ताप प्रतिरोधक (Iron, electric kettle), फिलर, पेंट, Transformer – Insulating sheet, Circuit board, चिकित्सा (mica injection for bacterial infection)

क्रमांक	जिला	प्रमुख अभ्रक क्षेत्र / स्थान
1	भीलवाड़ा	नात की नेरी, दांता भूणास, चापरी, सिंदिरियास, तुनका, गोरखत, गोकुलपुरा, घोगास, घावमण्ड, बमारी
2	उदयपुर	मावली, चम्पागुढ़ा, घोला- जेतरा, गालवा
3	टोंक	शंकरवाड़ा, मानखण्ड, मिराक, बरला, बरला बास्केट, घौली, बारेली, पालरी
4	जयपुर	लक्ष्मी, बन्जारी, मोती खान, कँवर का बास/कनर्वा का बास, भोजपुरा
5	सीकर	मकरी, मुण्डा, काचाखाड़ा

2. जिप्सम :-

- **उपनाम :-** हरसौंठ, सेलखड़ी, गोदंती
- जिप्सम के खनन में राजस्थान का एकाधिकार
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** बीकानेर > नागौर > जैसलमेर
- **जिप्सम के प्रयोग –** उर्वरक, कीटनाशक, Soil Conditioner, लवणीय मृदा के उपचार हेतु, Plaster of Paris, सीमेंट, False celling, Partition wall, चिकित्सा (प्लास्टर)

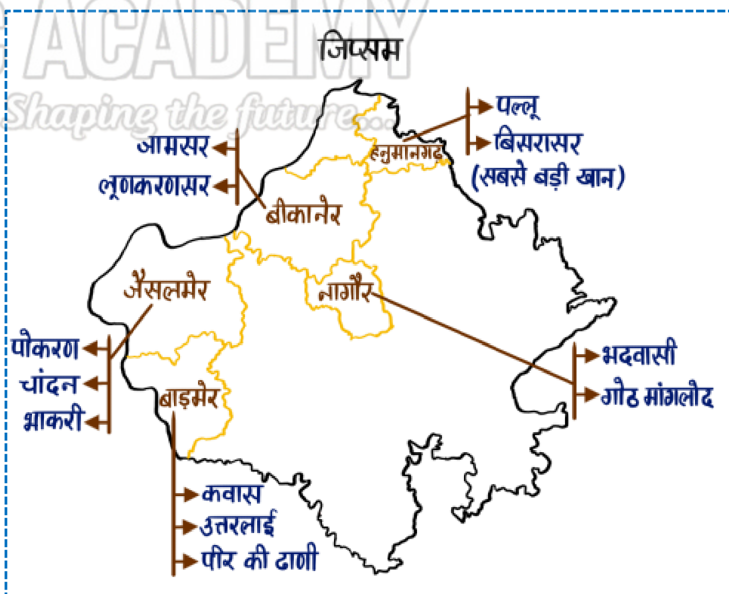

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्रमांक	जिला	प्रमुख जिप्सम क्षेत्र / स्थान
1	बीकानेर	जामसर, लूणकरणसर, सियासर, हरकासर, पूगल
2	नागौर	गोठ़-मांगलोद, गोटन, मालगू, भदवासी, भडान्न, जोधियासी, मंगोल
3	जैसलमेर	मोहनगढ़, हपीरवाली ढाणी, लाखा, पोकरण, चांदन, भाकरी
4	बाड़मेर	कावास, कुरला, श्योकर, उत्तरलाई, पीर-की-धाणी
5	पाली	खुटानी
6	जोधपुर	काराठा, ढाकोरिया, बादवासी, मिलव सगाली, मनोना, फालसुन्द
7	चूरू क्षेत्र	भालन, भानीन, जगासरी, भदीबाईन, देवगाठीय, साथन
8	श्रीगंगानगर	सूरतगढ़, तौलनिया, किसनापुरा, रंगमहल, नोखल
9	हनुमानगढ़	बिसरासर, पल्लू
नए भण्डार:- बीकानेर- बल्लर, कबरवाला, कायमवाला, अक्खूसर		

3. रॉक फॉस्फेट :-

- उर्वरक खनिज
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** उदयपुर ⟶ झामर - कोटड़ा

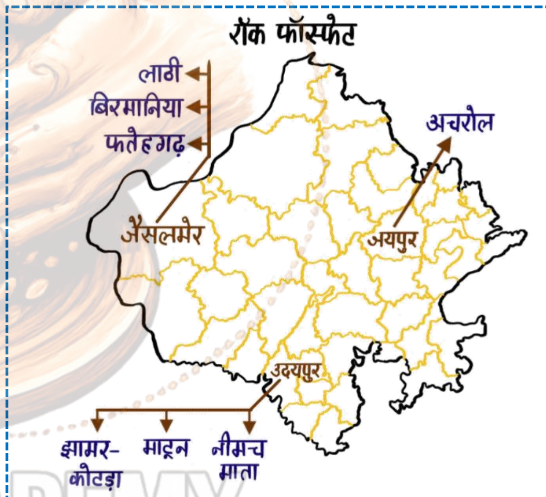

क्रमांक	जिला	प्रमुख रॉक फॉस्फेट क्षेत्र / स्थान
1	उदयपुर (सर्वाधिक उत्पादन)	झामर-कोटड़ा, डाफन कोटडा, लाखरवास, सीसारमा, कानपुर, बडागॉव, बैलागढ, कारबेरिया, नीमच माता, माटून, ढोल की पति, खरबरियों का गुर्रा
2	बाँसवाड़ा	सल्लोपट, राम कामुन्ना
3	जैसलमेर	बीरमानिया, फतेहगढ़
4	जयपुर	अचरोल
5	अलवर	अडूका-अदवानी
6	सीकर	करपुरा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

- **रॉक फॉस्फेट का प्रयोग :-** डिटजेंट, पानी के उपचार, मृदा उपचार, उर्वरक, धातु पॉलिश, चिकित्सा, सौंदर्य प्रसाधन, कृषि गुणवत्ता सुधार, धातु कर्म (Metallurgy – Fluxing Agent), Electric Vehicle

4. पोटाश :-

- **अयस्क -** सिल्वीनाइट
- उर्वरक खनिज
- विदेशों से आयात
  - **भण्डारण :-** नागौर- गंगानगर बेसिन (हनुमानगढ़- सर्वाधिक, चूरू, बीकानेर) हनुमानगढ़ – ऑरकियान – सतीपुरा – खुजा block, झंडावाली - सतीपुरा block
  - **बीकानेर :-** घडसीसर, अर्जुनसर, भारूसरी, हंसेरा , जैतपुरा, सतीपुरा, लाखासर
  - चुरू, श्रीगंगानगर
  - करौली, नागौर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **पोटाश खनन : राजस्थान (Current Update)**

- भारत में पहली बार **केंद्र सरकार ने राजस्थान में पोटाश की नीलामी की है।**
- राजस्थान में देश के कुल **पोटाश भंडार का 95% से अधिक** है।
- राज्य में कुल **8 पोटाश बेसिन** हैं।

✦ **नीलामी (हनुमानगढ़ ज़िले के ब्लॉक्स)**

ब्लॉक	खननकर्ता
औरकियान - सतीपुरा - खुजा ब्लॉक	ऑयल इंडिया लिमिटेड
झंडावाली - सतीपुरा ब्लॉक	हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड

✦ **उपयोग:-**

- उर्वरक निर्माण
- साबुन एवं काँच उद्योग
- कठोर जल के मृदुकरण में
- कॉच उद्योग, धातु शोधन, फायर एक्सटिंग्शर, De-icing, वॉटर slather, Pharmaceutical

5. पाइराइट :-

✦ उर्वरक खनिज

✦ सलादीपुर (सीकर)

6. एस्बेस्टॉस :-

✦ तापरोधी गुण, रेशेदार खनिज

✦ **प्रकार :-** क्राइसोटाइल, एम्फिबोल

✦ **उपनाम :-** मिनरल सिल्क, रॉकवुल

✦ **उपयोग :-** सीमेंट चादर, टाइल्स, बॉयलर, रेल व हवाई जहाजों में, साउण्ड इन्सुलेशन, फायर प्रूफ वस्त्र

✦ **सर्वाधिक :-** उदयपुर

क्र.सं.	जिला	प्रमुख ऐस्बेस्टॉस (Asbestos) क्षेत्र / स्थान
1	उदयपुर	खैरवाड़ा, धलाना-ओड़वास, ऋषभदेव, कान्थल, डेकालिया, सलूम्बर, बरना, गुंजाम
2	डूंगरपुर	देवल, खेमास, पीपरदा, मालवा, डूंगरसारज, जकौल, घंटीगला
3	राजसमंद	तिरवी, गुड़ा, नाथद्वारा
4	अजमेर	नैराला, कनवाली, नेनहुर्द, अर्जुनपुरा, नाई खुर्द
5	पाली	सेन्द्रा, मानपुरा

7. फेल्सपार :-

✦ **अजमेर –** मकरेडा (गुजरवाड़ा) – सर्वाधिक उत्पादन (95%)

✦ ब्यावर, जयपुर (गुजरवाड़ा), टोंक, सीकर

✦ **पाली –** फूलद, चाओदिया, डिगोर

✦ अभ्रक के साथ उत्पादन

8. केल्साइट:-

क्र.सं.	जिला	प्रमुख केल्साइट (Calcite) क्षेत्र / स्थान
1	सीकर	रायपुर, भायस, बालुपुरा, मांवड़ा, मोदा
2	उदयपुर	गुगरोड, पडासली, बरला, अरीड़ा, सेबलखेडा, राबचा, ढिन्क्ली, गेफल
3	झुंझुनूं	माधोगढ, पायरना
4	सिरोही	पीपरसाल, पिण्डवाड़ा, जनकिया, बेल का पहाड, राजपुरा
5	जयपुर	साखून, तासकोला, वरना का चौक, नजर, द्वारिकापुर
6	पाली	सिरयावडी, दादेरी, जनवेडा बेरी
7	भीलवाडा	खेड़ा, तारला, तेजा का वास, दौलातगढ़, अमलदा, जैतपुरा

9. डोलोमाइट :-

- उदयपुर, राजसमंद, अजमेर

क्र.सं.	जिला	प्रमुख डोलोमाइट (Dolomite) क्षेत्र / स्थान
1	बाँसवाड़ा	विठ्ठलदेव, खमेरा, जगपुरा, त्रिपुर सुन्दरी, अमरपुरा
2	उदयपुर	धरियावद, ईसवाल, कालोरा
3	राजसमंद	ईसवाल, हल्दीघाटी, कोठारिया, नाथद्वारा, ओडन, राजनगर, मोरचणा, तलाई, आगरिया, मटकेश्वर, करौली-कसोली
5	भीलवाडा	मांडल, कोशीथल
6	चितौडगढ़	चित्तौडिया – गोरेला – चांदखेडी (45 million tons)
7	जयपुर	भैंसलाना, मनवारामगढ़
8	जैसलमेर	चाचा, ओडानिया, इन्दो की धाणी, इंदोलाई-का-तालाब
9	अजमेर	बजला – कबरा
10	जोधपुर	राठौड़ो-का-धोरा

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

10. बेराइटस :-

- उदयपुर, अलवर

क्र.सं.	जिला	प्रमुख बेराइट्स (Barytes) क्षेत्र / स्थान
1	अलवर	राजगढ़, लादिया, गूजर, बालूपुरा, डहरा, ढेकला, जामडोली, भगत का वास, उमरेन, मानखेड़ा, बूरासिन्ध, झारोली, धोती, रींगसपुर, सेनपुरी, रामसिंहपुरा, जहीर का केरा, धोलेरा
2	भरतपुर	हथेरीकोरवा, घाटोली
3	बूंदी	उमर
4	सीकर	खड़वा, बिनीपुर
5	उदयपुर	रेलपटलिया
6	अलवर	सेनपुरी, उमरेन, भानखेड़ा, राजगढ़, जामडोली
7	राजसमन्द	डेलवाडा, कैसोली, नाथद्वारा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

11. बेंटोनाइट :-

- **बाड़मेर-** (शिव, आकली, पाबूपुरा), बीकानेर, सवाई माधोपुर
- दानेदार मिट्टी जिसका उपयोग वनस्पति तेल व खनिज तेल साफ करने में प्रयोग किया जाता है।

12. फ्लोराइट / फ्लोर्सपार :-

- डूंगरपुर - मांडो की पाल, काहिला
- जालौर - करड़ा क्षेत्र

13. सेलेनाईट :-

- बाड़मेर

14. वोलेस्टोनाइट :-

- **सिरोही :** (बेल का मगरा)
- उदयपुर (कोटड़ा)
- सलूम्बर (सराड़ा)
- अजमेर (अलीपुर गाँव)
- ब्यावर, डूंगरपुर, पाली

15. ग्रेफाइट :-

- बाँसवाड़ा, अजमेर
- **उपनाम** :- मिनरलकार्बन, काला सीसा
- **उपयोग** :- तेल के कुओं में
- दुकवाडा (बांसवाड़ा) में क्रिटिकल ग्रेफाइट मिनरल मिले हैं।

16. मेग्नेसाइट :-

- पाली- सैंदरा
- अजमेर- सरूया-छाजा
- उदयपुर- लेवा का गुड़ा
- डूँगरपुर- खेल, पीठ, डूंगर सरण

17. क्ले खनिज :-

सिलिका सैंड काँच बालूका	चीनी मिट्टी (केओलीन)	बॉल क्ले / बीकानेरी क्ले	फायर क्ले	ब्लीचिंग क्ले/फुलर्स अर्थ/ मुल्तानी मिट्टी
✦ **जयपुर (सर्वाधिक)** ▪ चितौड़ी, धूलाधोपुर, कुण्डाल, सामोद, कानोता, झिर, खोरी, निमोरा, बांसखो, वर्थाल ✦ **बून्दी :-** ▪ बाडोदिया ✦ **सवाई माधोपुर:-** ▪ आलमपुर, धोलेरा, धोलेरी, करोली और जारे, नारायणपुर, नरोली, टटवास, सपोटरा, एलनपुरा ✦ **बीकानेर** (मुंढ, गुरहा) ✦ **कोटा** (खिमज, कुण्डी, कानपुर) ✦ **भरतपुर**– जगजीवनपुरा, हथौडी ✦ **बाडमेर** – शिव ✦ **बारां :** छाबरा ✦ **जैसलमेर** - लाठी	✦ **उत्पादन :-** ▪ बीकानेर (Ist) (मुढ, चंडी) ▪ सीकर (IInd) ▪ अलवर ▪ जयपुर	✦ **बीकानेर > जैसलमेर** ✦ **उपयोग:-** ▪ सिरेमिक उद्योग	✦ **बीकानेर** (कोलायत-गढ़, कोटरी, इंडका) ✦ **भीलवाड़ा** (मगरुप, बनियाखेड़ा) ✦ **चित्तौड़गढ़** (ऐरल) ✦ **उपयोग** ▪ फायर ब्रिक्स (ईंटे) ▪ ब्लॉक्स निर्माण	✦ **बाडमेर** ▪ कपूरडी ▪ आलमसरिया ▪ गुरानदास ▪ रोहिली ▪ दीप की ढाणी ✦ **बीकानेर** ▪ मुध ▪ पलाना ▪ केसरदेसर ✦ **जैसलमेर** ▪ मंड ▪ मंडई

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

सिलिसियस अर्थ
✦ बाड़मेर- मत्ती का गोल, धारवी खुर्द, बरीयरा
✦ जैसलमेर- मण्डाई, सजित, कपुरिया

पत्थर खनिज :-

1. घीया पत्थर :-

- **उदयपुर:-** उदयपुर-ओरडा, देपुरा, डिंगरी, नाथरा की पाल, सलूम्बर, वेंद, सजेला, लोहोंगी, पाण्डला, देवला डण्डीथला, राठौडा का गुड़ा, बन्सरा, झाड़ोल, ऋपभदेव, कल्याणपुर, चिकला, खोजावाड़ा, मुण्डावाड़ा छोणी।
- **राजसमंद:-** राजसमन्द-उसन, कादार, संगत, कलोरा, रावचा, ओडन, उनवास।
- **अजमेर:-** हटुण्डी, लच्छीपुरा, चेपायद
- **पाली:-** सेन्द्रा, रायपुर
- **बाँसवाडा:-** जगपुरा, भूखिया, मण्डेला, जम्बोई, हिम्मतसिंह का गुड़ा, रानिया, नारावली।
- **डूंगरपुर:-** देवल, बलवाड़ा, थाना, पिपलोदा, पंचपुरा, बोडावली, जाकोल।
- **करौली:-** मोर का डूंगर
- **भीलवाड़ा:-** धेवरिया, जहाजपुर, चैनपुरा, वागवाड़ा, असनमाता, कचोलिया, अमरगढ़, छाबडिया, अभयपुर।
- **सलुम्बर:-** देवपुरा – सालोज, बेंद
- **सवाई माधोपुर**
- **जयपुर :-** दागोटा – झरना (जयपुर – दौसा)
- **टोंक :-** मालपुरा
- **भरतपुर :-** बयाना
- **डीग :-** कामा
- **दौसा :-** देगोटा-झरना, कलजपुरी, धनियाबाड़ा, रायला।
- **अलवर :-** रतनगढ़, नागलहेरी, बैजावास, भूगरभा।
- **चित्तौड़गढ़ :-** डूंगला।

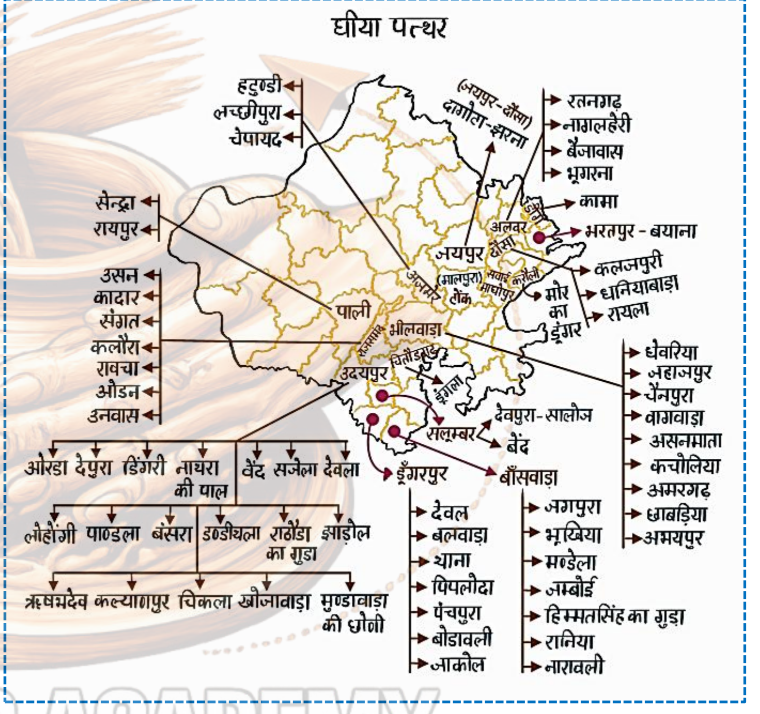

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

2. चूना पत्थर :-

- **सर्वाधिक :-** चित्तौड़गढ़
- **उपयोग :-** सीमेंट निर्माण, इस्पात उद्योग, चीनी परिशोधन
- **तीन प्रकार :-** सीमेंट ग्रेड, स्टील ग्रेड, केमिकल ग्रेड
- **उदयपुर :-** दरोली मन्देरिया क्षेत्र, विकरानी-खजुरिया क्षेत्र
- **चित्तौड़गढ़ :-** भेंसरा, दला का खेड़ा, मानपुरा, सेगवा, भीलों का खेड़ा, शुम्भुपुरा, अमराना, अमरपुरा, करोन्दा, निम्बाहेड़ा, चन्दाखेड़ी श्रीनगर।
- **सिरोही :-** आमली, किवरेली, रोहिड़ा, बनास, किसनगढ़, कोपताल।
- **बूँदी :-** लाखेरी, इन्दरगढ़, सतूर, हरीपुरा, पिपलीयान्त्री, साईपुरा, कठियारी, कुआगाँव, गैंडोली, चिपाता।
- **जैसलमेर :-** सोनू

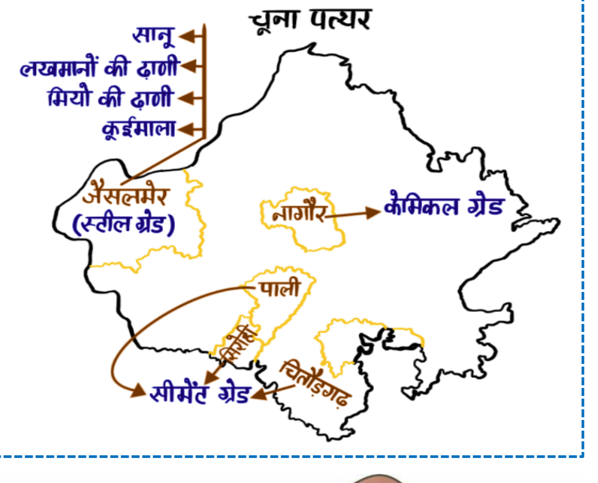

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **बांसवाड़ा :-** उमरई, कालींजरा, खेमरा-डण्डवाला।
- **कोटा :-** मोड़क, चेचट, सुकेत, निमोदा।
- **अजमेर :-** रूपनगर, जक, शिवपुरा से ब्यावर, सराधना, भगवानपुरा, भदसूरी, दौलपुरा, मगरा, राजपुरा, कायमपुरा, सलिमाबाद।
- **अलवर :-** राजगढ़, थानागाजी, जामडौली, बहाली, फतेहपुर, पायी का ग्वाड़ा।
- **नागौर :-** कठाली, अम्बाली गोटन, मुण्डवा
- **रायपुर :-** रैनाला, घाटी, मोहम्मदपुरा, दगोठा, कजलपुरा।
- **जयपुर :-** कोटपुतली, माओण्डा, जमवारामगढ़, राजपुर
- **जोधपुर :-** बिड़ाला।
- **भीलवाड़ा :-** दौलजी का खेड़ा, रूदपाड़ा, पटियाल, हमीरिया।
- **सवाईमाधोपुर :-** पाली, नरोली
- **पाली :-** मोराई, निम्बारा खुर्द।
- **राजसमन्द :-** हतुन, जसवन्तपुरा
- **झालावाड़ :-** गागरोन।

3. इमारती पत्थर :-

- **संगमरमर :-**
  - सर्वाधिक मूल्य, सर्वाधिक खनन
  - प्रसिद्ध और अच्छा - मकराना (डीडवाना कुचामन)
  - सर्वाधिक उत्पादन - राजसमंद
  - सबसे बड़ी मंडी एवं परिशोधन शाला - किशनगढ
  - **सबसे बड़ी खान-** R.K. मार्बल (राजसमन्द)
  - **संगमरमर की किस्में :-**
    - पीला मार्बल – जैसलमेर (पीथला)
    - काला मार्बल – जयपुर (भैंसलाना)
    - सफेद मार्बल – डिडवाना, कुचामन (मकराना)
    - सतरंगा – पाली (खांदरा)
    - नीला – पाली (देसूरी)
    - गुलाबी – उदयपुर, देवीमाता, ऋषभदेव, बाबरमाल
    - हरा – उदयपुर

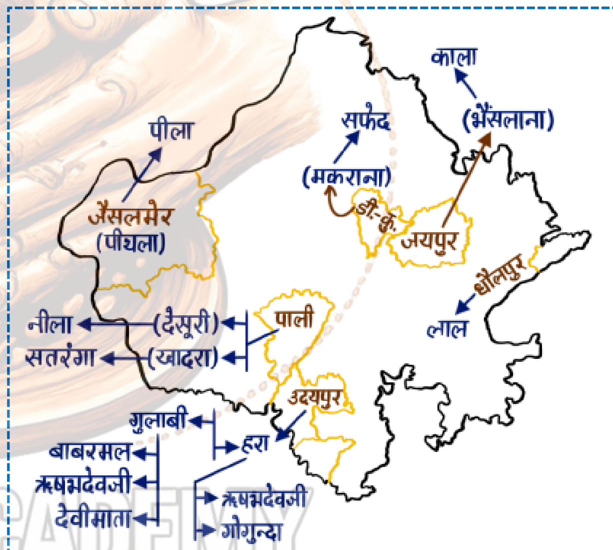

- **स्लेट स्टोन :-** अलवर, कोटपुतली, बेहरोड़
- **बलुआ पत्थर/Sand Stone :-** भरतपुर (बंसीपहाड़पुर)
- **लाल पत्थर (Red Stone) :-** धौलपुर (धौलपुर पत्थर), करौली
- **बालूका पत्थर/Sand Stone :-** जोधपुर
- **कोटा स्टोन :-** कोटा एवं चितौड़गढ
- **ग्रेनाइट :-** जालौर (granite city) > बाडमेर, सिरोही, पाली अजमेर, सीकर – अजीतगढ
- **ऑकर/लाल गेरू :-** चित्तौड़

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

4. कीमती/अर्द्धकीमती पत्थर :-

- **तामड़ा/गार्नेट :-**
  - **उपनाम -** फिरोजा, लालमणि, रक्तमणि

क्र.सं.	जिला	प्रमुख तामड़ा (Copper Ore) क्षेत्र / स्थान
1	टोंक	राजमहल, गाँवरी, कुशलपुरा, जनकपुर
2	अजमेर	सरवाड़, खरवारी
3	भीलवाड़ा	कमलपुरा, दादिया, बलियाखेड़ा
4	सीकर	महवा, बागेश्वर
5	चित्तौड़गढ़	केसरपुरा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

◈ **सुलेमानी पत्थर :-**
- अकीक/गोमद
- राजस्थान का एकाधिकार
- उत्पादन - झालावाड़, कोटा, चित्तौड़गढ, बाँसवाड़ा

◈ **पन्ना :-**
- हरी अग्नि
- **राजसमंद** - काला गुमान, टिक्की, आमेट – देवगढ़, गढबोर, गामगुढ़ा
- **उदयपुर** (गोगुन्दा)
- **अजमेर** – राजगढ़, बुबानी, मुहामी
- गामगुढ़ा से बुबानी तक 221 किमी की पन्ना बेल्ट खोजी गई।

◈ **हीरा :-**
- मालावी रायोलाइट्स से प्राप्त
- प्रतापगढ़ (केसरपुरा, मानपुरा)

◈ **जास्पर :-**
- जोधपुर

अन्य प्रमुख खनिज :-
- **Verniculite** - अजमेर
- **लिथियम** - डेगाना एवं अजमेर
- **क्वार्टज** - अजमेर, जयपुर
- **FeldSpar** - अजमेर

ऊर्जा खनिज

आण्विक खनिज :-

1. **लिथियम** – अजमेर
   - इसका एकाधिकार भारतीय सेना के पास हाल ही में नागौर में लिथियम भंडार मिले हैं।
2. **यूरेनियम**
   - **अयस्क** :- पिच ब्लेंड;
   - **उपयोग** :- परमाणु बिजली घर

क्र.सं.	जिला	प्रमुख यूरेनियम क्षेत्र / स्थान
1	सीकर	खण्डेला- रोहिल क्षेत्र, सुहागपुर, चुरला खनन- यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
2	अजमेर	किशनगढ़
3	भीलवाड़ा	भूणास, धोर, जहाजपुरा
	उदयपुर	उमरा
	बारां	रामगढ़

3. **थोरियम**
   - **अयस्क** :- मोनोजाइट

क्र.सं.	जिला	प्रमुख थोरियम क्षेत्र / स्थान
1	पाली	भद्रावन
2	भीलवाड़ा	सरदारपुरा
3	बांसवाड़ा	

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

4. बेरिलियम

✦ **अयस्क** :- आण्विक रियेक्टर में मंदक के रूप में

क्र.सं.	जिला	प्रमुख बेरिलियम (Beryllium) क्षेत्र / स्थान
1	जयपुर	गुजरवाड़ा
2	भीलवाड़ा	देड़ा तितौली, गढ़ागाँव, मेजा शिवरानी, एकलिंगपुरा
3	उदयपुर	शिकारवाड़ी, चम्पागढ़ा, सिलेका, रान
4	टोंक	धौली, सकरवाड़ा
5	डूंगरपुर	सागवाड़ा (पदेरी)
6	सीकर	तोरड़ा, बूचरा, चूरला, सांवलपुरा
7	राजसमंद	आमेट
8	अजमेर	बांदर सिंदरी

ईंधन खनिज :-

1. कोयला :-

✦ **लिग्नाइट - सर्वाधिक भण्डार :- बाड़मेर > बीकानेर**

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

2. खनिज तेल :-

✦ **उपनाम :- काला सोना (Black Gold)**
✦ **सर्वाधिक उत्पादन :-** बाड़मेर
✦ **तेल क्षेत्र :-** 14 जिले
✦ **पेट्रोलियम बेसिन / पेट्रोलिफेरस बेसिन :-** 4

1. **बाड़मेर** – सांचौर बेसिन 2. **जैसलमेर बेसिन** 3. **बीकानेर** – नागौर बेसिन 4. **विंध्यन बेसिन**

✦ **प्रमुख तेल क्षेत्र-**

- **जैसलमेर :-**
  - साधेवाला
  - बाघेवाला
  - तन्नोट
  - चिन्नेवाला
- **बीकानेर :-** पूनम, तुवरीवाला
- **बाड़मेर /बालोतरा**
  - **कोसलू :-** सरस्वती - केयर्न एनर्जी
  - **बायतु :-** ऐश्वर्या - केयर्न एनर्जी (गैसोलीन ↑)
  - **नगाणा :-** मंगला - केयर्न एनर्जी - सर्वाधिक तेल उत्पादन

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **जोगसर गाँव -** उत्पादन Ist (वर्ष 2009)
- **गुढ़ामालानी :-** केयर्न एनर्जी
- **कामेश्वरी :** गुढा, विजया, वंदना, दुर्गा, शक्ति अन्य क्षेत्र।

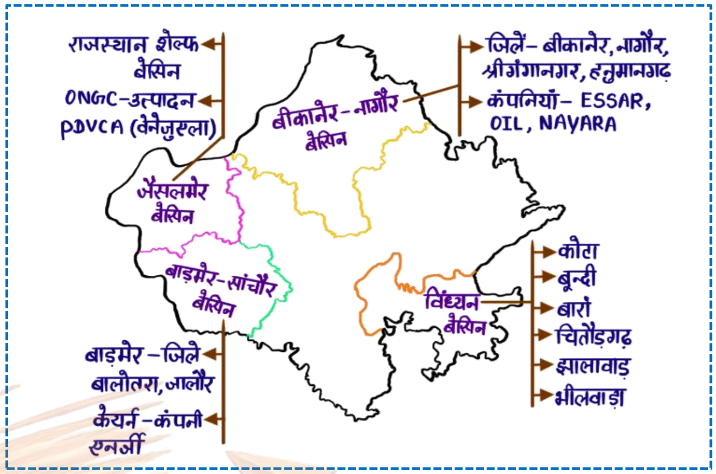

◈ HPCL राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRL), पचपदरा –

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में **कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति** ने निम्नलिखित को मंजूरी दी –
  - परियोजना की लागत को 43,129 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 79,459 करोड़ रुपये करने।
  - हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) द्वारा 8,962 करोड़ रुपये के अतिरिक्त इक्विटी निवेश।
  - इसके बाद HPCL का कुल इक्विटी निवेश 19,600 करोड़ रुपये हो जाएगा।
- निर्धारित वाणिज्यिक संचालन तिथि - 1 जुलाई, 2026
- **साझेदारी :-** HPCL: राजस्थान (74 : 26)
- HRL एक 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (MMTPA) की क्षमता वाला ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स है।
- इसमें 1.5 से 2.5 मिलियन टन राजस्थान क्रूड और 6.5 से 7.5 मिलियन टन आयातित क्रूड का मिश्रण उपयोग किया जाएगा।
- इसकी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है।
- इस रिफाइनरी में 26 प्रतिशत से अधिक पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होते हैं।
- **विभिन्न उत्पादों के संदर्भ में उत्पादन क्षमता –**

उत्पाद	पेट्रोल	डीजल	पॉलीप्रोपाइलीन	लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन (LLPDE)	हाई डेंसिटी पॉलीइथिलीन	बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडीन
उत्पादन (प्रति वर्ष)	1 मिलियन मीट्रिक टन	4 मिलियन मीट्रिक टन	1 मिलियन मीट्रिक टन	0.5 मिलियन मीट्रिक टन	0.5 मिलियन मीट्रिक टन	0.4 मिलियन मीट्रिक टन

- रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा में राजस्थान पेट्रो जोन (1022 हैक्टेयर) विकसित किया जा रहा है।
- यहाँ 8 प्लग एंड प्ले फैक्ट्री शेड्स का निर्माण किया जाएगा।
- जेरला में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा।19 अप्रैल, 2026 को जयपुर में राजस्थान पेट्रो जोन में औद्योगिक इकाइयों को डाउनस्ट्रीम उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए HPCL रिफाइनरी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग तथा उद्योगों के बीच 18 त्रिपक्षीय समझौते (MoU) हुए।

3. प्राकृतिक गैस :-

- **सर्वाधिक भण्डार :-** बाड़मेर-सांचौर बेसिन
- **उत्पादक क्षेत्र :-** बाड़मेर-सांचौर बेसिन
- **कंपनियाँ :-** OIL / ONGC / केयर्न एनर्जी/फोकस एनर्जी [जैसलमेर बेसिन / बाडमेर-सांचौर बेसिन]
- **पहला कुआँ :- डांडेवाला (जैसलमेर)**
- **Ist हीलियम एवं मिथेन गैस भण्डार :-** घोटारू (जैसलमेर)

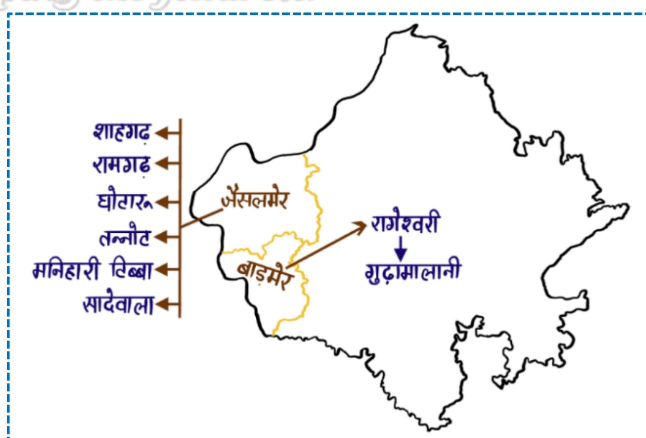

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

संस्थाएँ

1. **खान एवं भू-विज्ञान विभाग :-** 1949 ईस्वी, उदयपुर
2. राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम (RSMDC) - 1979 ईस्वी
   - वर्ष 2003 में 'RSMML' में मिला दिया गया।
3. राजस्थान राज्य खान व खनिज निगम लिमिटेड (RSMML) - 1974 ई., उदयपुर
4. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) -1966 ई., देबारी (Debari), (उदयपुर)
   - जिंक स्मेलटर प्लॉट (ZSP) - वर्ष 2005 - चंदेरिया (चितौड़) - सहयोग - ब्रिटेन
5. हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (HCl)
   - 1967 ई, खेतड़ी (झुंझुनूं)
   - **परियोजनाएँ :-**
     - खेतड़ी कॉपर लिमिटेड (झुंझुनूं)
     - चांदमारी कॉपर लिमिटेड (झुंझुनूं)
     - खो दरीबा ⟶ अलवर

क्या आप जानते हैं?

- **दुर्लभ खनिज** – हाल ही में बालोतरा - सिवाना की भाटीखेड़ा तहसील में रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ मृदा तत्व 'ऑक्साइड') के भंडार मिले है।

खनन नीतियाँ

1st	2nd	3rd	4th	5th	नवीनतम 6th
1978 ई.	1991 ई.	1994 ई.	वर्ष 2011	वर्ष 2015	9 दिसम्बर, 2024 (बजट 2024-25)

M – sand नीति –

- **1st –** 2020 (प्रारंभ – 25 Jan. 2021)
- **2nd –** 9 Dec. 2024 > 31 march 2029 तक

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

खनिज संबंधी नियम –

- जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमावली 2016 (DMFT Rules) ⟶ संशोधन (2025)
- राजस्थान अपवर्जन खनिज रियासत नियमावली (मई, 2016) संशोधित
- Granite Conservation & Development Rule 1999
- Marble Development & Conservation Rules 2002
- Minerals Conservation & Development Rules 2017
- Atomic Mineral Concession Rules 2016
- Mines & Minerals (Development & Regulation) Act. 1957
- National Mineral Exploration Trust (NMET) Rules 2015
- राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान खनिज नीति-2024

✡ खनिज क्षेत्र की स्थिति →

- वर्तमान में राज्य में 58 प्रकार के खनिजों (22 प्रमुख एवं 36 गौण खनिज) का उत्पादन किया जा रहा है।
- राज्य के भू-भाग का 0.68% क्षेत्र खनन गतिविधियों में संलग्न है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में खनिजों से राज्य की कुल राजस्व आय ₹ 7491 करोड़ थी जो राज्य की GSDP का 3.4% योगदान करती है।

प्रमुख खनिज → ₹ 3945 करोड़ (90% योगदान 6 प्रमुख खनिजों का)	सीसा-जस्ता > चूना पत्थर
गौण खनिज → ₹ 2472 करोड़	Masonary stone > Granite

- राजस्थान निम्नलिखित खनिजों का एकमात्र उत्पादक राज्य है - सीसा, जस्ता, वॉलेस्टोनाइट, सेलेनाइट, कैल्साइट, जिप्सम।

✡ लक्ष्य (Targets) →

- खनन क्षेत्र को 2029-30 तक 1% एवं 2046-47 तक 2% तक बढ़ाना। (राज्य के भू-भाग का)
- उत्पादित खनिजों की संख्या 58 से बढ़ाकर 2047 तक 70 करना।
- 2029-30 तक 50 प्रमुख खनिज ब्लॉक नीलामी के लिए तैयार करना।
- 2029-30 तक 50 लाख और 2046-47 तक 1 करोड़ रोजगार प्रदान करना।
- राज्य की GSDP में खनिज क्षेत्र का योगदान 2029-30 तक 5% और 2046-47 तक 8% तक बढ़ाना।
- 2029-30 तक राज्य की राजस्व आय को तीन गुना और 2046-47 तक ₹ 1 लाख करोड़ तक बढ़ाना।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

✡ प्रावधान →

- खनिजों की खोज में निजी सहभागिता को बढ़ावा।
- निवेशकर्त्ताओं के सहयोग के लिए पॉस्ट ऑक्शन फेसिलिटेशन सेल।
- राजस्व अपवंचन को रोकने के लिए -
  - (i) जियो-फेंसिंग
  - (ii) RFID - चेक पोस्ट
  - (iii) GPS Vehicle ट्रेकिंग एवं ड्रोनसर्वे
- प्री-एम्बेडेड क्लीयरेन्स के साथ ब्लॉक्स की नीलामी।
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हेतु परमिट एवं अनुमतियों की प्रक्रिया में सुधार।
- आवा कजावा पद्धति से ईंटो के निर्माण में प्रयुक्त मिट्टी पर देय रॉयल्टी में छूट।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✡ नई खनिज नीति की आवश्यकता →

राज्य को बदलते खनिज क्षेत्र की मांगों को पूरा करने और राष्ट्रीय आर्थिक सुधारों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए नई खनिज नीति की आवश्यकता है।

1. केंद्र सरकार द्वारा किए गए सुधार: माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट, 1957 में किए गए संशोधन। नीलामी व्यवस्था, महत्वपूर्ण व रणनीतिक खनिजों की नीलामी, अन्वेषण लाइसेंस जैसे प्रावधानों को नई नीति में शामिल करने की आवश्यकता।
2. राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 के साथ संरेखण - संसाधनों की दक्षता बढ़ाने और निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने की जरूरत।
3. रोजगार सृजन पर ध्यान - कौशल विकास और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करके रोजगार के अवसर बढ़ाना।
4. सतत खनन पर जोर - पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) मानकों को अपनाना और उत्तरदायी संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करना।
5. तकनीकी उन्नयन - खनिज विकास और प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग।
6. राजस्व वृद्धि - खनिज क्षेत्र के योगदान को बढ़ाकर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना।

✡ प्रमुख विशेषताएँ →

1. खनिज प्रबंधन (Mineral Management) - खनिज अन्वेषण और नीलामी में तेजी लाना। खनन विभाग को मजबूत बनाना और अवैध खनन को रोकने के लिए तकनीकी साधनों का उपयोग।
2. तकनीक का उपयोग (Leveraging Technology) - खनिज मूल्य श्रृंखला को उन्नत बनाना। डिजिटलीकरण और स्वचालन की ओर बढ़ना।
3. सतत खनन और ESG (Sustainable Mining & ESG) - शून्य-अपशिष्ट खनन (Zero-Waste Mining) को अपनाना। ESG मानकों का पालन सुनिश्चित करना।
4. कौशल उन्नयन और सामुदायिक जुड़ाव (Skill Upgradation & Community Engagement) - खनन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाना और श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार। CSR और DMFT फंड का उपयोग करके प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना।
5. रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज (Strategic & Critical Minerals) - महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और नीलामी में तेजी लाना। सेरामिक और दुर्लभ पृथ्वी (Rare Earth) उद्योगों को बढ़ावा देना।
6. राज्य खनन कंपनियां (State Mining Companies) - राज्य सरकार के उपक्रमों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना। नई खनन तकनीकों को अपनाना और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।
7. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (Petroleum & Natural Gas) - राज्य की प्राकृतिक गैस उत्पादन को 2029-30 तक 1.5 गुना तक बढ़ाना। रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का विस्तार करना। प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देना।

✡ नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य स्तर पर परियोजना प्रबंधन इकाई (PMU) की स्थापना।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान M-Sand नीति-2024

- **अवधि** → 31 मार्च, 2029 तक लागू रहेगी।

- वर्तमान में राजस्थान में नदी की रेत की कुल वार्षिक मांग करीब 70 मिलियन टन है।
- राज्य में 36 m-sand इकाइयाँ संचालित है जो 13 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन करती है।

- दीपक कुमार बनाम हरियाणा राज्य वाद, 2012 में उच्चतम न्यायालय द्वारा बिना पर्यावरणीय मंजूरी के नदी रेत खनन पर प्रतिबंध लगाया।

उद्देश्य (objectives) →

1. नदियों की पारिस्थितिकी प्रणाली को क्षति से बचाना, नदी की रेत के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करना और उस पर निर्भरता को कम करना।
2. नदी की रेत के लिए एक सरल और किफायती विकल्प प्रदान करना।
3. M-Sand उत्पादन को हर साल 20% तक बढ़ाना, ताकि 2028-29 तक वार्षिक उत्पादन 30 मिलियन टन तक पहुँच सके।
4. खनन क्षेत्रों में अतिरिक्त परत (Overburden) का उपयोग कर सतत और पर्यावरण-अनुकूल खनन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना।
5. निर्माण और ध्वस्त (C&D) सामग्री से प्राप्त मोटे और महीन मिश्रणों (aggregates) के पुनर्चक्रण (recycling) को प्रोत्साहित करना।
6. M-Sand उद्योग को बढ़ावा देना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन करना।

मुख्य विशेषताएँ →

1. एम-सेण्ड यूनिट्स को उद्योग का दर्जा।
2. एम-सैंड इकाइयों के लिए प्रोत्साहन :
   - वित्तीय लाभ: रॉयल्टी में छूट (50 प्रतिशत) और ओवरबर्डन डंप उपयोग शुल्क में राहत।
   - निवेश सब्सिडी : 10 वर्षों के लिए 75 प्रतिशत राज्य कर प्रतिपूर्ति।
   - बिजली शुल्क छूट:7 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत।
   - स्टाम्प शुल्क में कमी:स्टाम्प शुल्क पर 75 प्रतिशत छूट।
3. एम-सेण्ड इकाई की स्थापना के लिए 3 साल के अनुभव, 3 करोड़ रुपये की नेटवर्थ और 3 करोड़ रुपये के टर्नओवर की बाध्यता समाप्त की गई है।
4. गुणवत्ता मानक एवं नियंत्रण :
   - गुणवत्ता अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु बी.आई. एस. प्रमाणन और समय-समय पर अनिवार्य परीक्षण।
   - एम-सैंड इकाइयों में ऑन-साइट गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं को प्रोत्साहन।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

5. अपशिष्ट प्रबंधन और स्थिरता :
- जल पुनः उपयोग के लिए शून्य निर्वहन (जीरो-डिसचार्ज) प्रणालियों को बढ़ावा देना।
- एम-सैंड उत्पादन हेतु निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सी. एण्ड डी.) अपशिष्ट पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना। पर्यावरण संरक्षण हेतु अपशिष्ट निपटान तंत्र विकसित करना।

6. कार्यान्वयन रणनीति :
- नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु खान और भूविज्ञान विभाग के अन्तर्गत एक समर्पित एम-सैंड सेल की स्थापना करना।
- सरकारी परियोजनाओं में एम-सैंड के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना (2028-29 तक 50 प्रतिशत का लक्ष्य)।

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स (बालोतरा) -

- केंद्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉर्ट कमिटी की संयुक्त बैठक में यहाँ मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया गया।
- यह कॉम्प्लेक्स एक ज्वालामुखी कुंड है, जो 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलीमेंट्स (REE), हेवी रेयर अर्थ एलीमेंट्स (HREE) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का भंडार है।
- यहाँ नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलीमेंट्स मिले हैं, जिनका का उपयोग –
  - एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मेटेरियल के में।
  - चिकित्सा तथा वैज्ञानिक उपकरणों में उपयोग होने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट में।
  - परमाणु रिएक्टर, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण में।
- राज्य सरकार द्वारा रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना की जा रही है।
- राज्य में खनिज अनुसंधान कार्य हेतु सहयोग – भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक मिनरल्स डायरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च IIT हैदराबाद और IIT ISM धनबाद।

संगतराश कार्यक्रम

- **राजस्थान स्टैट माइंस एंड मिनरल्स (RSMM)** द्वारा झामरकोटड़ा खनन क्षेत्र के ओवरबर्डन एवं वेस्ट मेटेरियल को रिसाइकिल कर **'मॉर्डन एंड कंटेम्परेरी स्कल्पचर'** के लिए उपयोग करने हेतु प्रारम्भ किया गया है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

PYQ Questions

1. भीलवाड़ा जिले के आगूचा-गुलाबपुरा क्षेत्र से कौन सा खनिज प्राप्त होता है ? **(LDC 2011)**
(a) जस्ता (b) अभ्रक
(c) ताँबा (d) केल्साइट

2. चंदेरिया सीसा–जस्ता प्रक्रमक किस जिले में स्थित है ? **(LDC 2011)**
(a) उदयपुर (b) चित्तौड़गढ़
(c) भीलवाड़ा (d) अजमेर

3. निम्नलिखित में से कौनसा जैसलमेर में प्राकृतिक–गैस भण्डार क्षेत्र नहीं है? **[EO/RO Re Exam 2025]**
(a) घोटारू (b) जोगसारिया
(c) चिन्नेवाला (d) मनिहारी टिब्बा

4. सुमेलित कीजिये: **(Asst. Conservator Forest 2011)**

खनिज	क्षेत्र
(a) जिप्सम	(i) जावर
(b) ताँबा	(ii) झामर-कोटड़ा
(c) रॉक फास्फेट	(iii) खो-दरीबा
(d) सीसा व जस्ता	(iv) जामसर

कोड: (a) (b) (c) (d)
(a) (iv) (iii) (ii) (i) (b) (iii) (ii) (i) (iv)
(c) (ii) (i) (iv) (iii) (d) (iii) (iv) (ii) (i)

5. कौन सा सुमेलित नहीं है ? **[Asst. Professor 2025]**

खनिज	खनन क्षेत्र
(a) रॉक फॉस्फेट	मटून, ढोल-की-पाल
(b) सिलिका सेण्ड	मुध, गुडहा
(c) घीया पत्थर	अलीपुरा, रूपनगर
(d) सिलिसियस अर्थ	मण्डाई, धारवी खुर्द

6. सूची मिलाइये : **(AEN Pre – 2013)**

खनिज	क्षेत्र
(A) जिप्सम	(I) झामर -कोटड़ा
(B) ताँबा	(II) रामपुरा - आगूचा
(C) रॉक फॉस्फेट	(III) खो - दरीबा
(D) सीसा एवं जस्ता	(IV) जामसर

कूट :
(a) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)
(b) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)
(c) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)
(d) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

7. राजस्थान का कौन सा जिला 95 प्रतिशत से अधिक फेल्सपार का उत्पादन करता है ? **(AEN Pre – 2013)**
(a) जयपुर (b) अजमेर
(c) टोंक (d) पाली

8. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन से जिले में बेंटोनाइट के महत्वपूर्ण भण्डार हैं ? **(AEN Pre – 2013)**
(a) कोटा, झालावाड़, बाँरा (b) अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा
(c) बाड़मेर, बीकानेर, सवाई माधोपुर (d) जयपुर, सीकर, झुंझुनू

9. राजस्थान में मैंगनीज खनन के लिए प्रसिद्ध स्थान है – **(Sr.Teacher Grade-II 2013)**
(a) तलवाड़ा (b) सिंघाना
(c) दरीबा (d) जावर

10. राजस्थान में कौन-सा जिला केल्साइट का उत्पादक नहीं है? **(Sr.Teacher Grade-II 2013)**
(a) सीकर (b) पाली
(c) सिरोही (d) अलवर

11. राजस्थान में 'खो दरीबा' क्षेत्र निम्न में से किस खनिज से सम्बन्धित है ? **(Headmaster 2011)**
(a) सीसा एवं जस्ता (b) ताँबा
(c) मैंगनीज (d) चाँदी

12. निम्नलिखित का मिलान कीजिए **(Headmaster 2011)**

सूची-I (खनिज)	सूची-II (राजस्थान में मुख्य उत्पादन क्षेत्र)
(A) फेल्सपार	(i) सीकर
(B) फ्लोराइट	(ii) पाली
(C) केल्साइट	(iii) अजमेर
(D) वोलेस्टोनाइट	(iv) बाड़मेर
	(v) डूंगरपुर

विकल्प :
(a) (iii) (v) (i) (ii) (b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (ii) (iii) (iv) (d) (v) (i) (iv) (iii)

13. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही नहीं है ? **(HEADMASTER 2011)**
(a) जावर – जस्ता एवं सीसा अयस्क (b) बाँसवाड़ा – मैंगनीज
(c) नागौर – जिप्सम (d) बूंदी – गार्नेट

14. राजस्थान उत्पादन में अपना एकाधिकार रखता है : **(HEADMASTER 2011)**
(a) वोलेस्टोनाइट के (b) अभ्रक के
(c) मैंगनीज के (d) फेल्सपार के

15. नाथरा-की-पाल जिससे सम्बन्धित है, वह है – **(SUB INSPECTOR COMP. EXAM 2013)**
(a) लौह अयस्क (b) अभ्रक
(c) ताँबा (d) कोयला

16. राजस्थान का 90% से अधिक फेल्सपार का उत्पादन करने वाला जिला है - **(SUB INSPECTOR EXAM 2013)**
(a) भीलवाड़ा (b) अजमेर
(c) नागौर (d) जयपुर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

17. जावर खानों समीप स्थित है **(School Lec 2011GK)**
(a) उदयपुर के (b) खेतड़ी के
(c) भीलवाड़ा के (d) बाँसवाड़ा के

18. जगपुरा, आनंदपुर व भूकिया प्रसिद्ध है : **(SCHOOL LECTURER 2013)**
(a) लौह अयस्क (b) सोना भण्डार
(c) सीसा-जस्ता (d) रॉक फॉस्फेट

19. निम्नलिखित में से कौन सा जिला राजस्थान में मैंगनीज उत्पादक है? **(SCHOOL LECTURER 2013)**
(a) जोधपुर (b) बाँसवाड़ा
(c) सिरोही (d) राजसमंद

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए कूट से कीजिए - **[A.S.O. - 2025]**

सूची-1 (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(A) पाइराइट	(i) जनकपुरा
(B) बैराइट्स	(ii) सलादीपुरा
(C) तामड़ा	(iii) काला गुमान
(D) पन्ना	(iv) बालूपुरा

कूट -
(a) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(ii)
(c) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
(d) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)

21. इनमें से कौन-सा राजस्थान का प्रमुख जिप्सम उत्पादक क्षेत्र है? **(STENOGRAPHER 2011)**
(a) बीकानेर–गंगानगर–हनुमानगढ़ क्षेत्र
(b) जोधपुर–बीकानेर–बाड़मेर क्षेत्र
(c) चूरू–झुन्झुनू–सीकर क्षेत्र
(d) जैसलमेर–बाड़मेर–जोधपुर क्षेत्र

22. इनमें से कौन सा राजस्थान का टंगस्टन उत्पादक क्षेत्र है ? **(STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)**
(a) राजमहल (b) गोगुन्दा
(c) डेगाना (d) जावर

23. निम्नलिखित में से कौनसे राजस्थान में प्रमुख ताँबा उत्पादक क्षेत्र हैं? **[Agriculture Dept. 2024]**
(A) अकवाली खानें (B) मंधान पहाड़ियाँ
(C) दरीबा पहाड़ियाँ (D) उडवारिया
नीचे दिए गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए-
(a) केवल (B) तथा (C) (b) (A), (B) तथा (C)
(c) (A), (B), (C) तथा (D) (d) (B), (C) तथा (D)

24. "गोठ मांगलोद" क्षेत्र का सम्बन्ध किस खनिज से है ? **(RAS Pre 2013)**
(a) रॉक-फॉस्फेट (b) टंग्स्टन
(c) मैंगनीज (d) जिप्सम

25. सूची-1 को सूची-2 के साथ सुमेलित करते हुए उनके नीचे दिये गये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए : **(RAS Pre 2013)**

सूची-1(कोयला/गैस खदानें)	सूची-2 (जिला)
A. केसर देसर	i. जैसलमेर
B. कपूरड़ी	ii. नागौर
C. मातासुख	iii. बीकानेर
D. तनोट	iv. बाड़मेर

कूट: A B C D
(a) iii iv ii i (b) iii ii iv i
(c) i ii iii iv (d) i iv ii iii

26. लौह अयस्क खनन क्षेत्र नहीं है ? **(RAS Pre 2013)**
(a) मोरीजा (b) डाबला
(c) नीमला (d) तळवाड़ा

27. राजस्थान का कौन सा जिला रॉक-फॉस्फेट खनिज का उत्पादक नहीं है ? **(ASST. JAILOR 2013)**
(a) उदयपुर (b) जैसलमेर (c) पाली (d) जयपुर

28. डेगाना जिस खनन के लिए जाना जाता है : **(College Lecturer - 2014)**
(a) लौह अयस्क (b) टंगस्टन
(c) कोयला (d) ताँबा

29. राजस्थान के किस जिले में जिप्सम का उत्पादन सर्वाधिक होता है? **(College Lecturer - 2014)**
(a) अजमेर (b) बाड़मेर (c) जैसलमेर (d) उदयपुर

30. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए **(College Le - 2014)**

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खान क्षेत्र)
A. पन्ना	टिक्की, गढ़बोर
B. तामड़ा	राजमहल, बागेश्वर
C. मैंगनीज	लीलावानी, कालाखुंटा
D. ताँबा	कोल्हन, भगोनी

विकल्प –
(a) A-1, B-3, C-2, D-4 (b) A-3, B-2, C-1, D-4
(c) A-1, B-2, C-3, D-4 (d) A-3, B-4, C-2, D-1

31. सूची-1 व सूची-2 को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कोड से सही उत्तर का चयन कीजिए : – **(School Lec-2015)**

सूची-I	सूची-II
A. लूणकरणसर	बेरिलियम
B. जावर	जिप्सम
C. डिगाना	सीसा व जस्ता
D. चम्पा गुड़ा	टंगस्टन

कूट : A B C D
(a) 1 2 3 4 (b) 2 3 4 1
(c) 3 4 2 1 (d) 4 2 1 3

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

32. बीकानेर-नागौर पेट्रोलिफेरस बेसिन के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौनसा जिला सम्मिलित नहीं है? **[Agriculture Dept. 2024]**

(a) गंगानगर (b) चूरू
(c) हनुमानगढ़ (d) सीकर

33. सुमेलित कीजिए: **(Clerk GR II Exam - 2013)**

A. ताँबा — i. जामसर
B. जिप्सम — ii. खो-दरीबा
C. सीसा व जस्ता — iii. झामर-कोटड़ा
D. रॉक-फॉस्फेट — iv. रामपुरा-आगूचा

कूट:
(a) A-ii, B-i, C- iv, D- iii (b) A-iv, B-iii, C-ii, D-i
(c) A-ii, B-iii, C-i, D-iv (d) A-iii, B-ii, C-i, D-iv

34. 'मंगला तेल क्षेत्र' जिस जिले में स्थित है, वह है – **(Clerk GR II Exam - 2013)**

(a) जैसलमेर (b) बाड़मेर
(c) जोधपुर (d) बीकानेर

35. गलत युग्म को पहचानिए : **(RAS EXAM 2016)**

(a) जिप्सम – पलाना (b) गुलाबी संगमरमर – बाबरमल
(c) तामड़ा – राजमहल (d) यूरेनियम – कुराड़िया

36. जनकपुरा और सरवाड़ खानें जिस खनिज के उत्पादन के लिये जानी जाती हैं, वह है – **(RAS/RTS Exam 2016)**

(a) पन्ना (b) तमडा
(c) पाइराइट (d) बेराइट्स

37. निम्नलिखित में से राजस्थान के संदर्भ में कौन से सुमेलित हैं ? **[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]**

	खनिज	**खनन/जमाव क्षेत्र**
A.	ताँबा	बीदासर
B.	मैंगनीज	काचला
C.	लौह अयस्क	नीमला
D.	सीसा एवं जस्ता	इन्द्रगढ़

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A, B तथा D (b) A, B तथा C
(c) केवल A तथा B (d) केवल B तथा C

38. जामडोली तथा उमरेन खनन क्षेत्र हैं **[S.I. Telecom - 2025]**

(a) बेराइट्स के (b) तामड़ा के
(c) केल्साइट के (d) फायर क्ले के

39. निम्न में से कौन-सा युग्म सही नहीं है? **(Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) - 2015)**

(a) फेल्सपार (खनिज) – अजमेर (उत्पादक जिला)
(b) रॉक फॉस्फेट (खनिज) – टोंक (उत्पादक जिला)
(c) वोलास्टोनाइट (खनिज) – सिरोही (उत्पादक जिला)
(d) टंगस्टन (खनिज) – नागौर (उत्पादक जिला)

40. निम्न में से कौनसे कथन सत्य हैं? **(RAS (Pre) – 2018)**

(A) संगमरमर विकास एवं संरक्षण नियमावली – 2002
(B) राजस्थान खनिज नीति – 2015
(C) जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमावली – 2016
(D) राजस्थान अपवर्जन खनिज रियायत नियमावली (संशोधित मई 2016 तक)

कूट:
(a) केवल (A), (C) एवं (D) (b) केवल (A), (B) एवं (D)
(c) केवल (A) एवं (D) (d) ये सभी

41. निम्नलिखित में से कौनसी खनिजों का राजस्थान लगभग अकेला उत्पादक है? **(RAS (Pre) Exam – 2018)**

(A) सीसा एवं जस्ता अयस्क (B) तांबा अयस्क
(C) वोलास्टोनाइट (D) सेलनाइट

कूट:
(a) (A) और (C) (b) (A), (B) और (D)
(c) (A), (B) और (C) (d) (A), (C) और (D)

42. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान का केल्साइट खनन क्षेत्र नहीं है ? **[Sr. Teacher (S.Sc.) - 2025]**

(a) घेवरिया - चाँदपुर क्षेत्र (भीलवाड़ा)
(b) रायपुर और मांवड़ा क्षेत्र (सीकर)
(c) राजपुरा और पिण्डवाड़ा क्षेत्र (सिरोही)
(d) माधोगढ़ क्षेत्र (झुन्झुनूं)

43. कौन सा सुमेलित नहीं है? **(HEADMASTER 2018)**

खनिज – खान क्षेत्र **खनिज – खान क्षेत्र**
(a) जिप्सम – जामसर (b) मैंगनीज – लीलवानी
(c) गार्नेट – राजमहल (d) फेल्सपार – डेगाना

44. झामर कोटड़ा खानों जानी जाती हैं – **(Headmaster 2018)**

(a) रॉक फॉस्फेट (b) अभ्रक
(c) बॉक्साइट (d) बेराइट्स

45. 'लालसोट', 'रावसोला' एवं 'बोमानी' स्थान किस खनिज से संबंधित हैं? **(ASST. ENGINEER EXAM 2018)**

(a) मैगनीज़ (b) टंगस्टन
(c) ताँबा (d) लौह अयस्क

46. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ गलत है? **(Protection Officer - 2018)**

(खनिज)	**(प्रमुख खदान)**
(a) सीसा–जस्ता	राजपुरा दरिबा
(b) लौह–अयस्क	डाबला क्षेत्र
(c) ताँबा	लीलवानी
(d) रॉक फॉस्फेट	झामर कोटड़ा

47. निम्न में से कौन सा युग्म गलत है? **(College Lecturer – 2018)**

(a) पेट्रोल – भाग्य शक्ति (बाड़मेर) (b) कोयला – पलाना (बीकानेर)
(c) पेट्रोल – घोटारू (जैसलमेर) (d) कोयला – बरसिंगसर (बाड़मेर)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future

48. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए: (Food Safety Officer – 2019)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
A. रॉक फॉस्फेट	1. धरियावाद तथा खमेरा
B. टंगस्टन	2. डाफन कोटड़ा तथा फतेहगढ़
C. मैंगनीज	3. लीलवानी
D. डोलोमाइट	4. डेगाना

कूट: A B C D

(a) 2 4 3 1 (b) 2 4 1 3
(c) 4 2 3 1 (d) 4 1 3 2

49. निम्नलिखित (खनिज खनन क्षेत्र) में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है? [Protection Officer - 2025]

(a) अभ्रक शंकरवाड़ा (b) रॉक फॉस्फेट नात की नेरी
(c) फेल्सपार गुजरवाड़ा (d) जिप्सम कवास, कुर्ला

50. बायतू, कांसल एवं कपूरड़ी क्षेत्र किसके उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं? (Food Safety Officer – 2019)

(a) पवन ऊर्जा (b) भू-तापीय ऊर्जा
(c) तेल एवं गैस (d) जल-विद्युत

51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये: [Asst. Fisheries D. O. 2025]

A. सीकर जिले में पाइराइट के भण्डार हैं।
B. बाड़मेर, बीकानेर और सवाई माधोपुर जिलों में बेण्टोनाइट के भण्डार हैं।
C. राजमहल (टोंक) और सरवाड़ (अजमेर) पन्ना के प्रमुख खनन क्षेत्र हैं।

कूट :

(a) A और B (b) A, B और C
(c) B और C (d) A और C

52. सुमेलित कीजिए : (Food Safety Officer – 2019)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (उत्पादक जिला)
A. वुल्फ्रेमाइट	i. बाड़मेर
B. बेरेलियम	ii. बाँसवाड़ा
C. मैंगनीज	iii. उदयपुर
D. बेन्टोनाइट	iv. नागौर

सही कूट चुनिए : A B C D

(a) ii iii iv i (b) iv iii ii i
(c) i iii ii iv (d) i ii iii iv

53. गलत युग्म को चुनिए? (School Lecturer - 2018)

	खनिज		खान
1.	चूना पत्थर	–	कनोई
2.	मैग्नेसाइट	–	सेन्द्रा
3.	पन्ना	–	काला गुमान
4.	बेंटोनाइट	–	राजगढ़

कूट:-

(a) 1 (b) 2 (c) 3 (d) 4

54. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये : (School Lec - 2018)

खनिज	राजस्थान में खनन क्षेत्र
(अ) पाइराइट	(i) सलादीपुर (सीकर)
(ब) टंगस्टन	(ii) डेगाना (नागौर)
(स) ताँबा	(iii) बिलाड़ा (जोधपुर)
(द) लाइमस्टोन / चूना पत्थर	(iv) खेतड़ी सिंघाना (झुंझुनूं)

कूट : अ ब स द   अ ब स द

(a) (i), (ii), (iii), (iv) (b) (i), (ii), (iv), (iii)
(c) (iv), (ii), (iii), (i) (d) (i), (iii), (ii), (iv)

55. सूची-I व सूची-II को सुमेलित कर निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए : (School Lecturer– 2018)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (स्थान)
(अ) ग्रेनाइट	(i) देपुरा (उदयपुर)
(ब) चूना पत्थर	(ii) सोनू (जैसलमेर)
(स) घीया पत्थर	(iii) अजीतगढ़ (सीकर)
(द) रॉक फॉस्फेट	(iv) माटोन (उदयपुर)

कूट : A B C D   **A B C D**

(a) (i), (iv), (iii), (ii) (b) (iii), (ii), (i), (iv)
(c) (ii), (iii), (i), (iv) (d) (iv), (i), (iii), (ii)

56. निम्न में से राजस्थान का कौन सा क्षेत्र ताँबा भण्डारण के लिए प्रसिद्ध है ? (Deputy Commandant – 2020)

(a) लूणकरणसर (b) खेतड़ी
(c) अगूचा (d) इनमें से कोई नहीं

57. राजस्थान में रॉक फॉस्फेट की प्रमुख खदानें कहाँ स्थित हैं ? (Deputy Commandant – 2020)

(a) खो दरिबा (b) कोलिहान
(c) डेगाना (d) झामर कोटड़ा

58. राजस्थान में वोलास्टोनाइट का प्रमुख भण्डारण कहाँ पाया जाता है? (Deputy Commandant – 2020)

(a) प्रतापगढ़ जिले में (b) सिरोही जिले में
(c) बाँसवाड़ा जिले में (d) बाड़मेर जिले में

59. दशकों से राजस्थान तामड़ा उत्पादन में अग्रणी रहा है। इसकी खानें प्रमुखत: स्थित हैं (Forest Range Officer Gr-I 2018)

(a) टोंक व जोधपुर में (b) जयपुर व अलवर में
(c) जयपुर व दौसा में (d) टोंक व अजमेर में

60. निम्न में से कौन सा राजस्थान के तेल क्षेत्र का नाम नहीं है? (Forest Range Officer Gr-I 2018)

(a) ऐश्वर्या (b) सरस्वती
(c) लक्ष्मी (d) रामेश्वरी

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

61. दिये गये खनिजों एवं उनके खनन क्षेत्रों में से दृष्टिपूर्ण (गलत) युग्म की पहचान कीजिए : (Lecturer Exam – 2020)

खनिज	खनन क्षेत्र
(a) लौह-अयस्क	नाथरा-की-पाल
(b) ताँबा	खेतड़ी-सिंघाना
(c) जस्ता एवं सीसा	जावर
(d) टंगस्टन	झामर-कोटड़ा

62. कौन सा सुमेलित नहीं है? (Asst. Testing Officer - 2021)

खनिज	निक्षेप क्षेत्र
(a) ताम्र	अकावाली (झुन्झुनू)
(b) लौह अयस्क	पुर-बनेड़ा पेटी (भीलवाड़ा)
(c) सीसा एवं जस्ता	हनोतिया (अजमेर)
(d) मैंगनीज	सिवानिया-खेरिया (बाँसवाड़ा)

63. निम्न में से किन खनिजों में राजस्थान भारत में एकल उत्पादनकर्ता है? (Asst. Testing Officer – 2021)

(a) अभ्रक, वोलेस्टोनाइट तथा जिंक अयस्क
(b) अभ्रक, जिप्सम तथा यूरेनियम
(c) जिप्सम, वोलेस्टोनाइट तथा यूरेनियम
(d) सीसा एवं जिंक अयस्क, सेलेनाइट तथा वोलेस्टोनाइट

64. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है? (Superintendent Garden – 2021)

(a) राजस्थान के राजसमन्द एवं अजमेर जिलों में पन्ना भंडार पाये जाते हैं।
(b) राजस्थान भारत में जिप्सम का लगभग अकेला उत्पादक राज्य है।
(c) राजस्थान में कार्बोनिफेरस युगीन लिग्नाइट कोयले के सर्वाधिक भंडार पाये जाते हैं।
(d) अजमेर राजस्थान में फेल्सपार का अग्रणी उत्पादक है।

65. किस खनिज से सीमेंट चादरें, टाइलें, फिल्टर्स, बॉयलर्स तथा अन्य ताप निरोधक वस्तुओं का निर्माण किया जाता है? (SI Exam - 2021)

(a) फेल्सपार (b) डोलोमाइट
(c) एस्बेस्टस (d) वोलास्टोनाइट

66. सूची-I और सूची-II को मिलाइए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए : (Sub Inspector Exam - 2021)

सूची-I (यूरेनियम केन्द्र)	सूची-II (राज्य)
(A) डोमियासियात	i. राजस्थान
(B) लमबापुर	ii. कर्नाटक
(C) रोहिली	iii. मेघालय
(D) गोगी	iv. आंध्र प्रदेश

कूट : A B C D A B C D
(a) iii, iv, i, ii (b) ii, i, iii, iv
(c) i, iii, iv, ii (d) iv, ii, iii, i

67. राजस्थान में किस शहर को 'ग्रेनाइट सिटी' के नाम से भी जाना जाता है ? (Sub Inspector Exam - 2021)

(a) जयपुर (b) जालौर
(c) जैसलमेर (d) जोधपुर

68. भारत का कौन सा राज्य जिप्सम का सर्वाधिक उत्पादन करता है? (Sub Inspector Exam - 2021)

(a) तमिलनाडु (b) गुजरात
(c) राजस्थान (d) मध्य प्रदेश

69. राजस्थान के खनिज संसाधनों तथा उनके उत्पादक स्थलों का मिलान कीजिए : (Sub Inspector Exam - 2021)

खनिज संसाधन	उत्पादक स्थल
I. टंगस्टन	A. लीलवानी
II. मैंगनीज	B. डेगाना
III. ताँबा	C. जावर माला
IV. सीसा–जस्ता	D. खेतड़ी सिंघाना

सुमेलित युग्म हैं :
(a) I – B, II – A, III – D, IV – C
(b) I – A, II – B, III – C, IV – D
(c) I – C, II – D, III – B, IV – A
(d) I – D, II – C, III – A, IV – B

70. राजस्थान का एकमात्र जिला जहाँ पाइराइट भण्डार है : - (Asst. Prof. - 2020)

(a) भीलवाड़ा (b) राजसमन्द
(c) दौसा (d) सीकर

71. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Asst. Prof. - 2020)

खनिज	खनन क्षेत्र
(a) तामड़ा	राजमहल, सरवाड़
(b) घीया पत्थर	कागदार, देवल, जगपुरा
(c) सिलिका सैंड	धरियावद, हल्दीघाटी, राजनगर
(d) फायर क्ले	कोलायत, मंगरुप, एरल

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए– (Head Master Praveshika School - 2021)

सूची-I (स्थान)	सूची-II (खनिज निक्षेप)
(A) नात-की-नेरी	(i) अभ्रक
(B) सिसारमा	(ii) फेल्सपार
(C) गुजरवाड़ा	(iii) मैंगनीज
(D) लीलवानी	(iv) रॉक फॉस्फेट

कूट :
(a) A-(i), B-(ii), C-(iv), D-(iii)
(b) A-(i), B-(iv), C-(iii), D-(ii)
(c) A-(ii), B-(i), C-(iv), D-(iii)
(d) A-(i), B-(iv), C-(ii), D-(iii)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

73. निम्न में से कौन सा सही सुमेलित है? (RAS EXAM 2021)

(A) मांडो-की-पाल – फेल्स्पार (B) तलवाड़ा – सीसा एवं जस्ता
(C) खेड़वाड़ा – एस्बेस्टस (D) ऋषभदेव – अभ्रक

कूट:-

(a) B (b) D
(c) A (d) C

74. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए – (Asst. Agriculture Officer – 2021)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (क्षेत्र)
(A) लोह अयस्क	(i) डेगाना - भाकरी
(B) ताँबा	(ii) चौथ का बरवाड़ा
(C) सीसा व जस्ता	(iii) खो-दरीबा
(D) टंगस्टन	(iv) डाबला सिंघाना

कूट:-

(a) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)
(b) A-(ii), B-(i), C-(iv), D-(iii)
(c) A-(iii), B-(ii), C-(i), D-(iv)
(d) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)

75. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए – (Asst. Statistical Officer – 2021)

जिला		ताँबा भण्डार क्षेत्र
(A) अलवर	–	पादर की पाल
(B) डूंगरपुर	–	मदन कुदान
(C) झुंझनूं	–	भगोनी
(D) सीकर	–	बालेश्वर

कूट: (a) A-3, B-1, C-2, D-4 (b) A-4, B-1, C-2, D-3
(c) A-3, B-2, C-1, D-4 (d) A-2, B-1, C-4, D-3

76. गलत युग्म कौनसा है? (School Lecturer - 2022)

	डोलोमाइट निक्षेप		जिला
(a)	बाजला–काबरा	–	अजमेर
(b)	मांडल	–	भीलवाड़ा
(c)	करौली–कसौली	–	राजसमंद
(d)	इण्डों की ढाणी	–	कोटा

77. सूची-I को सूची-II से मिलाइए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये – (School Lecturer - 2022)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(A) ताम्र	(i) राजपुरा-दरीबा
(B) सीसा एवं जस्ता	(ii) मोरिजा-नीमला
(C) लौह अयस्क	(iii) छोटीसार-बड़ीसार
(D) मैंगनीज	(iv) खो-दरीबा

कूट: (a) (iv) (i) (iii) (ii) (b) (iv) (i) (ii) (iii)
(c) (i) (iv) (ii) (iii) (d) (iv) (ii) (i) (iii)

78. राजस्थान, देश में कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में राज्य का कच्चे तेल का उत्पादन कितना है? (School Lecturer - 2022)

(a) 20% से अधिक (b) 30% से अधिक
(c) 10% से कम (d) 15% से कम

79. राजस्थान की नई खनिज नीति 2015, निम्नलिखित में से कौन से मुद्दों पर जोर देती है? (School Lecturer - 2022)

A. शून्य अपशिष्ट B. सुरक्षा उपाय
C. किफायती/लागत सार्थकता D. उत्पादकता एवं संरक्षण

कूट:

(a) A, B और C (b) A, C और D
(c) B, C और D (d) A, B, C और D

80. सोने की भुकिया–जगपुरा–दिलवारा पेटी स्थित है – (School Lecturer - 2022)

(a) प्रतापगढ़ (b) बाँसवाड़ा
(c) जालौर (d) झालावाड़

81. निम्नलिखित में से कौन से राजस्थान में पेट्रोलिफेरस बेसिन हैं? (School Lecturer - 2022)

(A) बाड़मेर–सांचौर बेसिन (B) जैसलमेर बेसिन
(C) बीकानेर–नागौर बेसिन (D) विन्ध्यन बेसिन

कूट:

(a) A, B एवं C (b) A, C एवं D
(c) B, C एवं D (d) A, B, C एवं D

82. निम्नलिखित में से कौन से ताँबा खनन क्षेत्र हैं ? (Hospital Care Taker – 2022)

A. खेतड़ी – सिंघाना पट्टी B. खो – दरिबा पट्टी
C. चोमू – मोरिया – बनोल बेल्ट D. पुर – बनेड़ा क्षेत्र

कूट:

(a) A, B एवं C (b) A, C एवं D
(c) B, C एवं D (d) A, B एवं D

83. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस जिले में सर्वाधिक (मिलियन टन) तांबे का भंडार है ? (Assistant Engineer 2023)

(a) अलवर (b) चित्तौड़गढ़
(c) पाली (d) झुंझुनू

84. राजस्थान में कालाखुटा, लीलवानी, नारदिया, तिम्मामोरी किस खनिज के उत्पादक क्षेत्र हैं? (RAS Exam – 2023)

(a) मैंगनीज़ (b) टंगस्टन
(c) ताँबा (d) लौह अयस्क

85. निम्न में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है ? (Statistical Officer Exam – 2023)

खनिज — खनन क्षेत्र **खनिज — खनन क्षेत्र**

(a) यूरेनियम — रोहिल (b) फेल्सपार — मकरेड़ा
(c) टंगस्टन — जामसर (d) बेरिलियम — चम्पागुड़ा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

86. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए : (Asst. Prof. Exam - 2023)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खदान/भंडार)
i. टंगस्टन	a. आसीन्द
ii. एस्बेस्टस	b. नाना कराब
iii. फेल्स्पार	c. रेवासा
iv. मैंगनीज	d. लोहारवाड़ा

कूट :	i	ii	iii	iv		i	ii	iii	iv
(a)	b	a	d	c	(b)	c	b	d	a
(c)	b	d	a	c	(d)	a	b	d	c

87. सूची–I को सूची–II से मिलाइए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए (Asst. Prof. Librarian & PTI Exam - 2023)

सूची–I (जिला) (पुरातन)	सूची–II (खनन क्षेत्र)
(a) राजसमंद	(I) कचला
(b) बाँसवाड़ा	(II) ओड़न
(c) जोधपुर	(III) चुरला
(d) सीकर	(IV) फलसुन्द

कूट -
(a) (a)-(II), (b)-(I), (c)-(IV), (d)-(III)
(b) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(II), (d)-(III)
(c) (a)-(II), (b)-(III), (c)-(IV), (d)-(I)
(d) (a)-(III), (b)-(II), (c)-(I), (d)-(IV)

88. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) अभ्रक - नट-की-बेरी, टून्का
(b) पन्ना - गुम-गुरहा, बूबानी-मुहामी
(c) गार्नेद - राजमहल, कुशालपुरा
(d) लीथियम - जनकपुरा, गुजरवाड़ा

89. निम्नलिखित में से किस जिले में राजस्थान के प्रमुख जिप्सम भंडार हैं ? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) नागौर (b) झालावाड़
(c) सीकर (d) भरतपुर

90. खारी, चनेरी, पलाना, गंगा सरोवर किस खनिज की खानें हैं? (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) गैस (b) कोयला
(c) लौह अयस्क (d) यूरेनियम

91. खैरवाड़ा तथा ऋषभदेव किस खनिज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं? (Archaeology & Museums Dept. - 2023)
(a) लौह अयस्क (b) बेरिलियम
(c) एस्बेस्टॉस (d) अभ्रक

92. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए – (Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (उत्पादक क्षेत्र)
(A) बैराइट्स	(i) बिरमानिया
(B) जिप्सम	(ii) गोठ-मंगलोद
(C) रॉक-फॉस्फेट	(iii) माण्डो-की-पाल
(D) फ्लोर्सपार	(iv) भगत-का-बास

कूट: (a) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(b) A-(iv), B-(i), C-(ii), D-(iii)
(c) A-(i), B-(ii), C-(iv), D-(iii)
(d) A-(iii), B-(ii), C-(iv), D-(i)

93. गलत युग्म का चुनाव कीजिए – (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) ताँबा – अगूचा गुलाबपुरा (b) मैंगनीज – कांसला
(c) सीसा व जस्ता – राजपुरा दरीबा (d) लौह अयस्क – डाबला क्षेत्र

94. राजस्थान सरकार के पेट्रोलियम निदेशालय के अनुसार, राज्य को कितने संभावित पेट्रोलिफेरस बेसिनों में वर्गीकृत किया गया है? (Archives Dept. Recruitment - 2024)
(a) 12 (b) 10 (c) 8 (d) 4

95. कौनसा (खनिज – खनन क्षेत्र/भण्डार) सुमेलित नहीं है? (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) फ्लोराइट – माण्डो-की-पाल (b) बेराइट्स – बालूपुरा, खोरा
(c) तामड़ा – राजगढ़, कुशलगढ़ (d) चूना पत्थर – माण्डला, मुण्डवा

96. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में एक घीया पत्थर उत्पादक क्षेत्र नहीं है? (Archives Department Recruitment – 2024)
(a) सलूम्बर – बेंद (b) गुंजन – कछाला
(c) ओरडा – देपुरा (d) ऋषभदेव – चिकला

97. राजस्थान में निम्नलिखित में से असतत /अस्थिर खनन के पर्यावरणीय प्रभाव कौनसे हैं? (Asst. Statistical Offi - 2024)
(A) वायु प्रदूषण (B) जैव- विविधता का हास
(C) भूमि क्षरण (D) सतही तथा भू-जल प्रदूषण
कूट: (a) A, B, C, D (b) A, B, C
(c) B, C, D (d) केवल B तथा C

98. जी.एस.आई. द्वारा हाल ही में, राजस्थान के किस जिले में बॉक्साइट की प्राप्ति रिपोर्ट की गई है? (Asst. Statistical Officer– 2024)
(a) कोटा (b) उदयपुर
(c) बाँसवाड़ा (d) झालावाड़

99. नात-की-नेरी, टुनका, सिंदिरियास निम्नलिखित में से किस खनिज के खनन क्षेत्र हैं? (Asst. Prof.– 2024)
(a) अभ्रक (b) यूरेनियम
(c) पन्ना (d) ताँबा

100. राजस्थान के डेगाना क्षेत्र में टंगस्टन से सम्बंधित कौनसा खनिज पाया जाता है? (Programmer Exam - 2024)
(a) हेमेटाइट (b) वोल्फ्रामाइट
(c) मैग्नेटाइट (d) बॉक्साइट

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL
CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

101. ताँबे की खानें कुशलगढ़, सेनपरी व भगत का बास निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित हैं? (School Lecturer - 2024)
(a) झुन्झुनू (b) अलवर (c) भीलवाड़ा (d) कोटा

102. राजस्थान में निम्नलिखित स्थलों पर ऐसबेस्टस खदानें कहाँ अवस्थित हैं? (RAS (Pre) Exam – 2024)
(a) अर्जुनपुरा और पिपारड़ा (b) कुर और मंगोल
(c) करपुरा और फतेहगढ़ (d) देपुरा और डिंगरी

103. राजस्थान में लिग्नाइट के सबसे महत्वपूर्ण संसाधन स्थित हैं: (RAS (Pre) Exam – 2024)
(a) पलाना, अगूचा एवं मेड़ता (b) पलाना, कसनाऊ एवं जगपुरा
(c) कपूरड़ी, मेड़ता एवं कसनाऊ (d) कपूरड़ी, पलाना एवं जगपुरा

104. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में घीया पत्थर खनन क्षेत्र नहीं है? (Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)
(a) देवपुरा (b) बालूपुरा
(c) दागोटा–झरना (d) घेवरिया–चाँदपुर

105. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए – (Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(A) लौह अयस्क	(i) रेवत पहाड़ियाँ
(B) मैंगनीज	(ii) काली पहाड़ी
(C) टंगस्टन	(iii) सागवाड़ा
(D) बेरिलियम	(iv) काला खूँटा

कूट:
(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)
(d) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)

106. निम्नलिखित में से कौन सा खनिज बाँसवाड़ा जिले के लीलवानी एवं नराड़िया क्षेत्र में पाया जाता है ? (Agri Offier – 2024)
(a) सोना (b) जस्ता
(c) मैंगनीज़ (d) बेरिलियम

107. राजस्थान का निम्नलिखित में से कौनसा लौह-अयस्क का खनन क्षेत्र नहीं है? (PTI and Librarian– 2024)
(a) पुर-बनेड़ा क्षेत्र (b) नीमला क्षेत्र
(c) डाबला क्षेत्र (d) थूर- हुण्डेर क्षेत्र

108. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसा खनन क्षेत्र मुल्तानी मिट्टी का नहीं है? (PTI and Librarian– 2024)
(a) कपूरड़ी (b) मोकासर
(c) पलाना (d) केसरदेसर

109. निम्न का सुमेल कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Mines & Geology Dept. - 2024)

खनिज	क्षेत्र
(अ) पन्ना	(i) मांडो की पाल
(ब) फ्लोराइट	(ii) कालागुमान
(स) लिग्नाइट	(iii) झामर-कोटड़ा
(द) रॉक फॉस्फेट	(iv) कपूरडी- जालिपा

कूट : (a) (ii) (i) (iv) (iii) (b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (iii) (iv) (i) (ii) (d) (iv) (iii) (i) (ii)

110. बिरमाणिया और फतेहगढ़ क्षेत्र किस खनिज के उत्पादक क्षेत्र हैं? (Mines And Geology Dept. Exam - 2024)
(a) डोलोमाइट (b) जिप्सम
(c) रॉक फॉस्फेट (d) अभ्रक

111. राजस्थान में लिग्नाइट भण्डार कहाँ स्थित हैं ? (Public Relation Officer – 2024)
(a) पलाना, कपूरड़ी, मेड़ता रोड (b) कपूरड़ी, सानू, पलाना
(c) पलाना, मेड़ता रोड, सानू (d) मेड़ता रोड, अगूचा, पलाना

112. सूची-1 को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूची के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए : (Public Relation Officer – 2024)

सूची-1 (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(अ) रॉक फॉस्फेट	(i) जामसर
(ब) एस्बेस्टॉस	(ii) नात की नेरी
(स) अभ्रक	(iii) अडूका अदवानी
(द) जिप्सम	(iv) खेरवाड़ा

कूट : (a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (iii) (iv) (ii) (i) (d) (iv) (ii) (iii) (i)

113. निम्नलिखित (खनिज-खनन क्षेत्र) युग्मों में कौनसा सुमेलित नहीं है? (Lecturer and Coach - Exam-2024)
(a) लौह अयस्क – नात की नेरी
(b) सीसा और जस्ता – आगुचा गुलाबपुरा
(c) ताँबा – खो-दरीबा (d) मैंगनीज़ – कालाखूंटा

114. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सा रॉक फॉस्फेट खनन/ भण्डार क्षेत्र नहीं है ? (Lecturer and Coach - Exam-2024)
(a) बिरमानिया (b) मटून
(c) गोठ-मांगलोद (d) डाकन कोटड़ा

115. निम्न सूची-1 और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सही कूट का चयन कीजिए : (Lec. and Coach - Exam-2024)

सूची-1 (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
A. लौह अयस्क	जावर खनन क्षेत्र
B. सीसा एवं जस्ता	मन्धान
C. मैंगनीज़	नाथरा-का-पाल
D. ताँबा	तिम्मामौरी

कूट : (a) (i) (ii) (iii) (iv) (b) (iii) (i) (iv) (ii)
(c) (iv) (iii) (ii) (i) (d) (ii) (iv) (i) (iii)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

116. कांसला नरडिया क्षेत्र में निम्नलिखित में से कौन से अयस्क की बहुलता है ? (Lecturer and Coach Exam-2024)

(a) मैंगनीज़ (b) बेरिलियम
(c) फेल्सपार (d) अभ्रक

117. कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए: (Lecturer and Coach Exam-2024)

कॉलम-I (खनिज)	कॉलम-II (खनन क्षेत्र)
A. ताँबा	रायसल
B. सीसा और जस्ता	काला खूंटा
C. मैंगनीज	कोल्हन
D. लौह-अयस्क	राजपुरा- दरीबा

कूट : (a) iii iv ii I (b) i ii iii iv
(c) iv iii ii I (d) i ii iv iii

118. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा क्षेत्र बालुका पत्थर का उत्पादक नहीं है? (Research Assistant– 2024)

(a) डांग क्षेत्र (b) हाड़ौती क्षेत्र
(c) सिरोही क्षेत्र (d) जोधपुर क्षेत्र

119. कालागुमान क्षेत्र किस खनिज से सम्बन्धित है? (Asst. Director - 2024 (Paper-II))

(a) केल्साइट (b) गार्नेट
(c) बेंटोनाइट (d) पन्ना

120. निम्नलिखित युग्म (खनिज – खनन स्थल) पर विचार कीजिए और गलत युग्म की पहचान कीजिए – (Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)

(a) टंगस्टन – देवा का बेर
(b) गारनेट – कालाखुंटा
(c) एस्बेस्टस – ऋषभदेव
(d) पन्ना – गोगुन्दा

121. 'कैओलिन' के नाम से किसे जाना जाता है ? (Deputy Jailor - 2024)

(a) सिलिका सैण्ड (b) फायर क्ले
(c) चाइना क्ले (d) डोलोमाइट

122. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए – (Technical Assistant – 2024)

सूची-I (खनिज)	सूची-II (खनन क्षेत्र)
(A) कैल्साइट	(i) रेलपातलिया
(B) बैराइट्स	(ii) बेल्का पहाड़
(C) फ्लोराइट	(iii) राम-का-मुन्ना
(D) रॉक फॉस्फेट	(iv) मांडो-की-पाल

कूट: (a) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)
(d) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

123. निम्न को सुमेलित कीजिये – (College Lec. – 2018)

सूची I – खनिज	सूची II – निक्षेप
A. ताँबा	i. मोरिजा निक्षेप
B. लौह अयस्क	ii. गरारिया से रतिमौरी
C. सीसा एवं जस्ता	iii. मदान-कूदान निक्षेप
D. मैंगनीज	iv. झावर निक्षेप

कूट: (a) i ii iii iv (b) ii iv i iii
(c) iv ii iii I (d) i ii iv iii

124. सेट-I को सेट-II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए – [Deputy Com.– 2025]

सेट-I (खनिज)	सेट-II (खनन क्षेत्र)
(A) लौह-अयस्क	(i) सागवा
(B) मैंग्नीज़	(ii) अक्वाली
(C) सीसा एवं जस्ता	(iii) नानावास
(D) ताँबा	(iv) जोपार

कूट - (a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(b) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

125. निम्नांकित में से कौनसी रॉक फॉस्फेट की खान है? [Deputy Com.– 2025]

(a) रिषभदेव तथा नाथरा की पाल
(b) नीमच माता तथा झामर कोटड़ा
(c) मावली तथा मानपुरा
(d) मोहनगढ़ तथा सलूम्बर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

Answer Key

1	a	2	b	3	b	4	a	5	c	6	c	7	b	8	c	9	a	10	d
11	b	12	a	13	d	14	a	15	a	16	b	17	a	18	b	19	b	20	c
21	a	22	c	23	b	24	d	25	a	26	d	27	c	28	b	29	*	30	c
31	b	32	d	33	a	34	b	35	a	36	b	37	b	38	a	39	b	40	d
41	d	42	a	43	d	44	a	45	d	46	c	47	d	48	a	49	b	50	c
51	a	52	b	53	d	54	b	55	b	56	b	57	d	58	b	59	d	60	c
61	d	62	c	63	d	64	c	65	c	66	a	67	b	68	c	69	a	70	d
71	c	72	d	73	d	74	d	75	a	76	d	77	b	78	a	79	d	80	b
81	d	82	d	83	d	84	a	85	c	86	a	87	a	88	d	89	a	90	b
91	c	92	a	93	a	94	d	95	c	96	b	97	a	98	a	99	a	100	b
101	b	102	a	103	c	104	b	105	d	106	c	107	a	108	b	109	a	110	c
111	a	112	c	113	a	114	c	115	b	116	a	117	a	118	c	119	d	120	b
121	c	122	d	123	b	124	b	125	b										

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान के प्रमुख रॉक फॉस्फेट उत्पादक क्षेत्रों के नाम दीजिए और इसका उपयोग बताइए। [RAS Mains 2023 (2 Marks)]

Q. राजस्थान के जस्ता उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। [RAS Mains 2021 (2 Marks)]

Q. राजस्थान में प्रमुख धात्विक खनिजों के वितरण की संक्षेप में विवेचना कीजिए। [RAS Mains 2021 (2 Marks)]

Q. राजस्थान के मुख्य अधात्विक खनिजों के नाम लिखिये। [RAS Mains 2016 (2 Marks)]

Q. राजस्थान में इमारती पत्थरों के प्रकार एवं वितरण को संक्षेप में समझाइये। [RAS Mains 2016 (5 Marks)]

Q. राजस्थान में लिग्नाइट कोयले के वितरण एवं औद्योगिक उपयोग के बारे में लिखिये। [RAS Mains 2016 (5 Marks)]

Q. राजस्थान में सीसा एवं जस्ता उत्पादन क्षेत्रों के वितरण को स्पष्ट कीजिए। [RAS Mains 2016 (Sp.) (5 Marks)]

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

12 ऊर्जा

◈ **राज्य की अधिष्ठापित ऊर्जा** – 31556.43 MW (दिसम्बर 2025 तक)

ऊर्जा के प्रकार :-

A. उत्पादन के आधार पर		B. संभावनाओं के आधार पर	
परंपरागत	**गैर-परंपरागत**	**अनवीकरणीय**	**नवीकरणीय**
जलीय	सौर ऊर्जा	कोयला	जलीय
कोयला	पवन ऊर्जा	प्राकृतिक गैस	सौर ऊर्जा
पेट्रोलियम	बायोगैस	पेट्रोलियम	पवन ऊर्जा
प्राकृतिक गैस	बायोमास	परमाणु ऊर्जा	बायोगैस
	ज्वारीय ऊर्जा		ज्वारीय ऊर्जा
	भूतापीय ऊर्जा		बायोमास
	परमाणु-ऊर्जा		

जल विद्युत परियोजनाएँ

A. राज्य की परियोजनाएँ :- (राज्य सरकार)

राज्य में प्रति व्यक्ति विद्युत की खपत 231 किलोवाट (kW) है।

1. अनास :- बाँसवाड़ा
- **नदी :-** अनास, हरिण
- **क्षमता :-** 45 MW

2. जाखम परियोजना :- प्रतापगढ़
- **नदी :-** जाखम
- **विद्युत :-** 5.5 MW

3. इंदिरा गांधी लघु जल विद्युत परियोजना – गंगानगर, बीकानेर [विद्युत (23. 85 MW)]

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

B. संयुक्त परियोजनाएँ :- (राज्य : राज्य)

क्र.सं.	परियोजना	राज्य	राजस्थान की हिस्सेदारी	अन्य तथ्य
1.	भाखड़ा नांगल	राजस्थान, हरियाणा, पंजाब	227 MW	
2.	व्यास परियोजना	राजस्थान, हरियाणा, पंजाब	429.66 MW (427 Mw)	
3.	चम्बल नदी घाटी परियोजना	राजस्थान, मध्य प्रदेश	193 MW	साझेदारी [50 : 50]
4.	राहुघाट ↓ करौली (प्रस्तावित)	राजस्थान : मध्यप्रदेश 50 : 50	79MW	पर्यावरणीय कारणों से रोक

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

C. केंद्र सरकार द्वारा संचालित जल विद्युत परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना	नदी	राज्य
1.	सलाल	चिनाब	जम्मू-कश्मीर
2.	दुलहस्ती	चंद्रा व चिनाब	जम्मू-कश्मीर
3.	उरी	झेलम	जम्मू-कश्मीर
4.	पार्वती	पार्वती	हिमाचल प्रदेश
5.	चमेरा	रावी	हिमाचल प्रदेश
6.	नाथपा झाकरी	सतलज	हिमाचल प्रदेश
7.	रामपुर	सतलज	हिमाचल प्रदेश
8.	टिहरी	भागीरथी	उत्तराखण्ड
9.	टनकपुर	शारदा	उत्तराखण्ड
10.	धौलीगंगा	धौलीगंगा	उत्तराखण्ड

◈ नोट-

- **ताला जल विद्युत परियोजना -** भूटान (वांगचू/रायडक नदी)
- भारत सरकार और भूटान की संयुक्त साझेदारी (राजस्थान इस परियोजना से जल विद्युत प्राप्त करेगा)

तापीय विद्युत परियोजनाएँ

◈ तापीय विद्युत के प्रकार :-

कोयला	खनिज तेल	प्राकृतिक गैस
A. सुपर थर्मल पॉवर प्लांट	**B. क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट**	**C. अल्ट्रा मेगा पॉवर प्लांट**
✦ **कुल क्षमता -** 1000 MW से अधिक ✦ **राजस्थान में** ⟶ 6 1. सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) 2. कोटा 3. कवई (बारां) 4. भादरेस (बाड़मेर) 5. छबड़ा (बारां) 6. कालीसिंध (झालावाड़)	✦ एक इकाई की क्षमता 500MW से अधिक (Per Unit 500mw ↑ above) ✦ **कुल** ⟶ राज्य में चार 1. सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) 2. छबड़ा (बारां) 3. काली सिंध (झालावाड़) 4. कवई (बारां)	↓ 4000 MW से अधिक

आधार :- कोयला (लिग्नाइट)

- बीकानेर, नागौर और बाड़मेर में लिग्नाइट कोयला सर्वाधिक पाया जाता है।

◈ राजस्थान सरकार :-

1. **सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट (सुपर क्रिटिकल) -** श्रीगंगानगर
   - **क्षमता:** 2820 मेगावाट (कोयला आधारित सबसे बड़ा)
   - **5 चरण (8 यूनिट)**
     - I. 250 मेगावाट (2)
     - II. 250 मेगावाट (2)
     - III. 250 मेगावाट
     - IV. 250 मेगावाट
     - V. 660 मेगावाट (2)
   - **राज्य का "प्रथम सुपर थर्मल पावर प्लांट":**
     - स्थापना 1998
     - 2002 ई. (सुपर थर्मल का दर्जा)
   - यह क्रिटिकल सुपर थर्मल पावर प्लांट की श्रेणी में भी आता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. **कोटा सुपर थर्मल पावर प्लांट**
   - राज्य की पहली ताप विद्युत परियोजना (प्रथम थर्मल पावर प्लांट, 1983 ई.)
   - दूसरी सुपर थर्मल परियोजना (2003 ई.)
   - **क्षमता-** 1240 मेगावाट
   - **5 चरण (यूनिट):**

     I. 110 मेगावाट (2) ⟶ शिलान्यास (1978) (उत्पादन प्रारम्भ ⟶ 17 जनवरी, 1983)
     II. 210 मेगावाट
     III. 210 मेगावाट
     IV. 195 मेगावाट
     V. 195 मेगावाट
3. **कालीसिन्ध सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट:** झालावाड़
   - क्षमता 1200 मेगावाट (600 × 2 यूनिट)
4. **बाराँ :**
   (i) छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट
   - पहला सुपर **''क्रिटिकल पावर''** प्लांट
   - **क्षमता:** 2320 मेगावाट (3 चरण 6 यूनिट)

     I. 250 मेगावाट (2)
     II. 250 मेगावाट (2)
     III. 660 मेगावाट (2) (17 सितम्बर, 2013)

   (ii) कवाई सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट
   - अडानी ग्रुप द्वारा
   - **क्षमता:** 1320 मेगावाट (660 × 2 यूनिट)
5. **दानपुर थर्मल पावर प्लांट:**
   - बाँसवाड़ा (SRI सिद्धि एनरटेक लिमिटेड को स्वीकृती दी थी)
   - **क्षमता:**
6. **बाड़मेर:**
   (i) कपूरड़ी – जालीपा पावर प्लांट (आट्रेस पावर प्लांट)
   - **क्षमता:** 1500 मेगावाट (एच. एम. सक्सेना)
   - 1080 मेगावाट (जे.एस.डब्ल्यू. एनर्जी लिमिटेड)- राज वेस्ट कम्पनी

   (ii) गिरल (थुम्बली गाँव) – भूमिगत तापीय विद्युत परियोजना
   - **क्षमता:** 125 मेगावाट (2)
   - **सहयोग: जर्मनी KLF**

   (iii) भादरेस – क्षमता 1080 मेगावाट
7. **बीकानेर:**
   (i) बरसिंगसर – 250 मेगावाट (5 जून, 2010)
   - **संचालन–** नैवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (प्राइवेट लिमिटेड)

   (ii) गुरहा– प्रस्तावित- 375 मेगावाट + बीठनोक (प्रस्तावित) NLC इंडिया लिमिटेड (250 मेगावाट)
   (iii) पलाना– 60 मेगावाट (स्वीकृत)

- छबड़ा और सूरतगढ़ पावर प्लांट को क्रिटिकल स्टेज पर लाने की घोषणा **14 जनवरी, 2009** को की गई थी।
- राजस्थान में कोयला आधारित परियोजनाएँ लिग्नाइट और टर्शरी युग के कोयले पर निर्भर है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

◈ लिग्नाइट कोयला भण्डार :-

- ✦ पलाना, खारी, चन्नेरी, गंगा सरोवर, मुंध, बरसिंगसर (बीकानेर)
- ✦ पलाना में 20.5 मिलियन टन कोयला भण्डार का अनुमान है।
- ✦ देशनोक, माधोगढ़, गुड़ा आदि।
- ✦ बीकानेर क्षेत्र से 56,000 टन कोयला प्रतिवर्ष उत्पादन होता है।

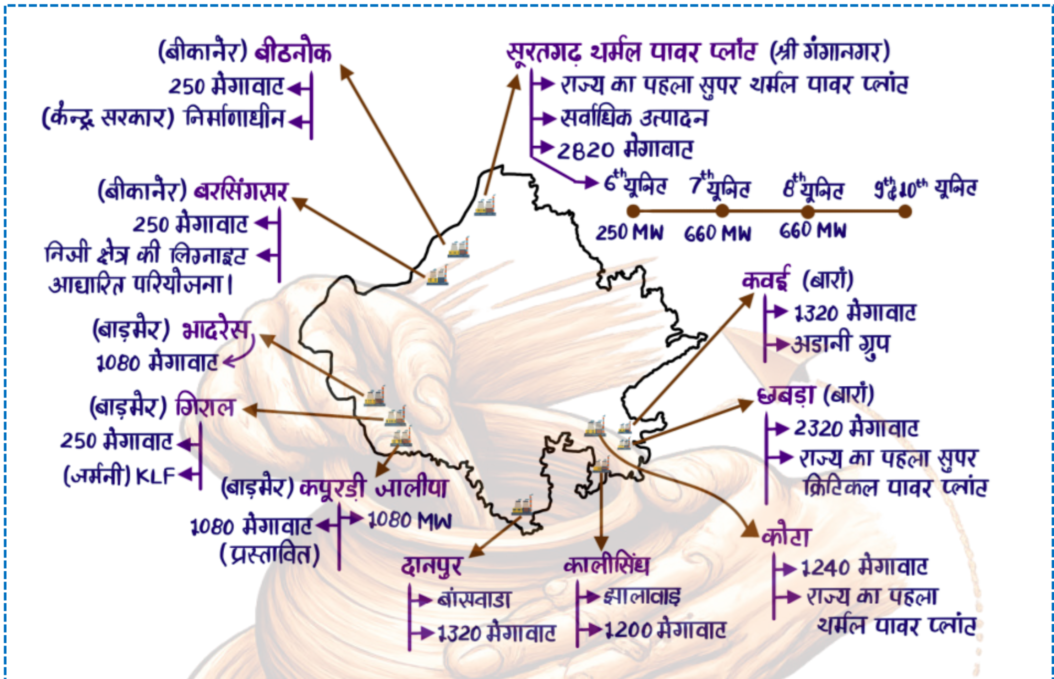

◈ **केन्द्र सरकार द्वारा संचालन :-** NTPC (नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन)

1. **सिंगरौली :-** उत्तर प्रदेश
2. **रिहंद :-** उत्तर प्रदेश
3. **ऊँचाहर :-** उत्तर प्रदेश
4. **कहलगांव :-** बिहार
5. **तलचर :-** उड़ीसा

◈ **अन्य राज्य के साथ परियोजना:-** सतपुड़ा तापीय विद्युत परियोजना (बैतूल, मध्यप्रदेश) साझेदारी- राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात

आधार :- गैस आधारित तापीय परियोजनाएँ

राज्य सरकार द्वारा	केन्द्र सरकार द्वारा	प्रस्तावित
1. रामगढ़ (1996) ✦ जैसलमेर ✦ राज्य सरकार की पहली ✦ 273.5 MW	**1. अंता (1989)** ✦ बारां ✦ HBJ पाइप लाइन पर ✦ राज्य की पहली ✦ 419.33 MW	**1. केशोरायपाटन** ✦ बूँदी ✦ पहली निजी ✦ 1000 MW ✦ प्रस्तावित (166 मेगावाट, नेफ्था आधारित)
2. कम्बाइंड साइकिल ✦ धौलपुर - 330 MW ✦ प्रथम चरण :- नेफ्था आधारित ▪ 110 × 2 = 220 MW ✦ द्रवीकृत गैस = 110 × 1 = 110 MW	**2. दादरी** ✦ उत्तरप्रदेश	**2. नाँता** ✦ कोटा
3. झामर-कोटड़ा ✦ उदयपुर - 4 MW	**3. औरेया** ✦ उत्तरप्रदेश	**3. कवई** ✦ बारां
		4. साग डूंगरी - बाँसवाड़ा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान परमाणु/आण्विक ऊर्जा स्टेशन

1. रावतभाटा :- (चित्तौड़गढ़) 1972 ईस्वी / सहयोग – कनाडा

- **संचालन :-** NPCIL (नाभिकीय ऊर्जा निगम, केन्द्र सरकार)
- **क्षमता :-** 1180 MW
- **निर्माणाधीन :-** 700 MW × 2 Unit :- 1400 MW
- **9 सितंबर 2017** को देश के दूसरे न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स की स्थापना की गयी।

माही बाँसवाड़ा परमाणु प्रोजेक्ट – (Current Update)

- **शिलान्यास –** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा (25 सितंबर 2025)।
- प्रदेश का दूसरा एटॉमिक रिएक्टर
- **स्थान:** नापला, बाँसवाड़ा
- देश का आठवाँ परमाणु रिएक्टर
- यह प्रोजेक्ट वर्ष 2037 में पूर्ण होगा
- इससे पहले ही वर्ष 2032-33 से बिजली उत्पादन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी
- 700-700 मेगावाट की चार इकाइयाँ संचालित होगी जिनसे कुल 2800 मेगावाट बिजली उत्पादित हो सकेगी
- प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिक्टर (PHWR) तकनीक पर आधारित प्रदेश का पहला स्वदेशी परमाणु बिजलीघर
- **कंपनी:** अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (ASHVINI)

नरौरा (उत्तरप्रदेश) :-

- राजस्थान को 44 MW विद्युत प्राप्त

सौर ऊर्जा

- **देश में सर्वाधिक संभावना :-** राजस्थान (क्षमता = 142 GW), जोधपुर
  - **सौर ऊर्जा दिवस –** 325
  - बंजर भूमि की उपलब्धता, आसान भूमि अधिगृहण
  - सूर्यतप की तीव्रता अधिक
  - निवेश की प्राप्ति
- **राजस्थान में स्थापित सौर ऊर्जा (दिसम्बर 2025 तक):- 42, 531** MW (केवल सौर ऊर्जा संयत्र से)
  - बजट 2026-27 के अनुसार विगत वर्ष 19209 मेगावाट की वृद्धि हुई।

सौर ऊर्जा प्लांट :-

- **जैसलमेर :-**

1. फतेहगढ़- 1500 मेगावाट (अडानी ग्रुप)।
2. बोडाना- 2000 मेगावाट (RSDCL)।
3. राघवा सहवा- प्रस्तावित।
4. धूड़सर – प्रस्तावित (रिलायंस)।
5. भैंसडा/भैंसाडा- प्रस्तावित।
6. पोकरण (भिणाजपुरा गाँव)- 975 मेगावाट (90 प्रतिशत सामग्री जयपुर SEZ से)।

- **फलौदी :-**

1. **भड़ला-** 2245 मेगावाट। कुल चार चरण- [a] 65 मेगावाट (RSDCL), [b] 680 मेगावाट (RSDCL), [c] 1000 मेगावाट (SURAJ, IL&FS), [d] 500 मेगावाट (अडानी ग्रुप, RSDCL)
2. **नोख-** 925 मेगावाट (RSDCL)।
3. **फलौदी पोकरण-** 750 मेगावाट (मैसर्स एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी)।

- **बीकानेर :-**

1. **पूगल –** 2450 मेगावाट (RSDCL)-
   [a] 1000 मेगावाट, [b] 1000 मेगावाट, [c] 450 मेगावाट
2. **छतरगढ़ –** प्रस्तावित।
3. **मेहरासर-दीनसर-बराला –** प्रस्तावित।
4. **सवाईसर-करणीसर-भाटियान-बिकोलोई –** प्रस्तावित।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

अन्य सौर ऊर्जा प्लांट :-

1. खींवसर सोलर एनर्जी प्लांट (नागौर, 5.00 मेगावाट, प्रथम निजी सोलर प्लांट)।
2. गौरीर सोलर फोटो वोल्टिक (झुन्झुनूं, 100 मेगावाट)।
3. मोकला सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट (जैसलमेर, 50 मेगावाट)।
4. धूनिया सोलर एनर्जी प्लाण्ट (जोधपुर, 5.00 मेगावाट)।
5. आगोरिया सोलर पावर प्रोजेक्ट (बाड़मेर, 50 मेगावाट)।
6. मुवाना सोलर एनर्जी प्लांट (नागौर, 1.89 मेगावाट)।
7. टाटा पॉवर सोलर प्लांट (भानीपुरा, बीकानेर 300 मेगावाट)।
8. मैनावली कैनाल टॉप सौर प्लांट (हनुमानगढ़)
9. गौरबिया सोलर प्लांट (बीकानेर, 435 मेगावाट, केन्द्र सरकार)

सौर ऊर्जा नीति :-

1st	2nd	3rd	राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति
वर्ष 2011	वर्ष 2014	18 दिसम्बर 2019	वर्ष - 2024

प्रमुख संस्थान:-

1. राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RREC)

- **स्थापना :-** 9 अगस्त 2002
- REDA & RSPCL दोनों को मिलाकर
- REDA (राजस्थान ऊर्जा विकास एजेंसी) 1985
- **RSPCL :-** 1995
- **कार्य :-** गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों का विकास एवं संरक्षण
- RSDCL (राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड):- 11 नवम्बर 2011, RREC की सहयोगी संस्था

2. सौर ऊर्जा संबंधी निजी संस्थान

- ऐस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी
- अडानी ग्रुप
- IL&FS एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी
- SURAJ (सौर ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड)

नोट:-

- **SEEZ (Solar Energy Enterprising zone) :-** जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर
- **ग्रीन एनर्जी कोरिडोर :-** गुजरात के बनासकांठा से पंजाब के मोगा तक।
  - राजस्थान के पाँच जिलों (अजमेर, चित्तौड़गढ़, नागौर, जोधपुर, बीकानेर) से होकर गुजरेगा।
- **Solar City :-** जोधपुर, अजमेर, जयपुर (प्रस्तावित- पुष्कर, जैसलमेर)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

पीएम-कुसुम योजना –

फ्लैगशिप योजना

- राजस्थान में 4 हजार मेगावाट क्षमता के 1,808 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।
- मार्च 2026 में 543 मेगावाट के संयंत्र स्थापित हुए। (किसी एक माह में अब तक की हासिल की गई सर्वाधिक क्षमता)

	कंपोनेंट-A	कंपोनेंट-C
राजस्थान की रैंकिंग	देश में प्रथम स्थान	देश में तीसरा स्थान (1st - गुजरात ; 2nd - महाराष्ट्र)
पहला प्लांट	अप्रैल 2021	नवम्बर, 2023

- केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने राजस्थान को कुसुम कम्पोनेंट-ए तथा कुसुम कम्पानेंट-सी में कुल 10.7 गीगावाट की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।
- राजस्थान डिस्कॉम्स का लक्ष्य– 6,700 मेगावाट क्षमता (अक्टूबर, 2026 तक)।
- योजना के तहत **33 केवी ग्रिड सब स्टेशन से 5 किलोमीटर के दायरे में** किसान, किसान समूह, सहकारी समितियां तथा सौर ऊर्जा उत्पादक **अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट** स्थापित कर सकते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- फीडर लेवल सोलराइजेशन में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने इसी वर्ष जनवरी माह में दिल्ली में आयोजित हुए **ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक समारोह** में राजस्थान डिस्कॉम्स को **गोल्ड अवॉर्ड** से सम्मानित किया था।
- **23.60 मेगावाट क्षमता** के **12 सौर ऊर्जा संयंत्र** स्थापित – 26 मार्च, 2026 (राम नवमी)
  - जयपुर, अजमेर और जोधपुर में 4-4 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं।
  - ये संयंत्र बूंदी, अलवर, अजमेर, कोटपूतली, नागौर, डीडवाना, सीकर, बीकानेर, बालोतरा और जोधपुर सर्किल में लगे हैं।

रूफ टॉप सौर ऊर्जा –

- कुल रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर है। (कुल क्षमता - 2,090 मेगावाट)

प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान
गुजरात (6,882 मेगावाट क्षमता)	महाराष्ट्र (5,442 मेगावाट क्षमता)

- राजस्थान में अब तक घरेलू, अघरेलू तथा औद्योगिक श्रेणी में स्थापित कुल रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र - 2,45,317
- **PM सूर्यघर योजना** के तहत राज्य में स्थापित रूफ टॉप सोलर संयंत्र - अब तक 1 लाख 77 हजार 468 (686 मेगावाट)
  - **कुल उपभोक्ता -** 23,273
  - मार्च 2026 में - 20,343 (एक माह में स्थापित रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की दूसरी सर्वाधिक संख्या)
  - 23 मार्च 2026 को एक ही दिन में 910 सौर ऊर्जा संयंत्र लगे। यह किसी भी एक दिन में लगे सोलर की सर्वाधिक संख्या।
  - **जनवरी 2026 में -** 20,853 (एक माह में स्थापित रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की सर्वाधिक संख्या)
  - इस योजना में गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल के बाद राजस्थान देश में पांचवें स्थान पर है।

पवन ऊर्जा

- **संभावना :-** 284 गीगावाट (150 मीटर की ऊंचाई)
- **स्थापित (दिसम्बर 2025) :-** 5229 मेगावाट
- **सर्वाधिक :-** जैसलमेर ⟶ उत्पादन व संयंत्र स्थापित करने में

संयंत्र	स्थान	संयंत्र	स्थान
1. अमरसागर (Ist)	जैसलमेर (14 अगस्त 1999)	8. हर्ष पर्वत	सीकर
2. देवगढ़ (2nd)	प्रतापगढ़	9. मोकला	जैसलमेर
3. बीठड़ी (3rd)	फलोदी	10. मुलाना	जैसलमेर
4. सोढा बाँधन	जैसलमेर	11. पिथला	जैसलमेर
5. पोहरा	जैसलमेर	12. लखमणा	जैसलमेर
6. आकल	जैसलमेर	13. बड़ाबाग (PVT)	जैसलमेर
7. हँसुआ	जैसलमेर	14. कोडियासर (रेलवे द्वारा)	जैसलमेर

पवन ऊर्जा नीति :-

- **प्रथम पवन ऊर्जा नीति :-** 2012
- **पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति :-** लागू - 18 दिसंबर, 2019
  - **लक्ष्य-** 3500 मेगावाट (2024-25 तक)
  - **कुल स्थापित हाइब्रिड ऊर्जा-** 2140 मेगावाट (885.60 मेगावाट केवल पवन ऊर्जा से)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

बायोमास ऊर्जा

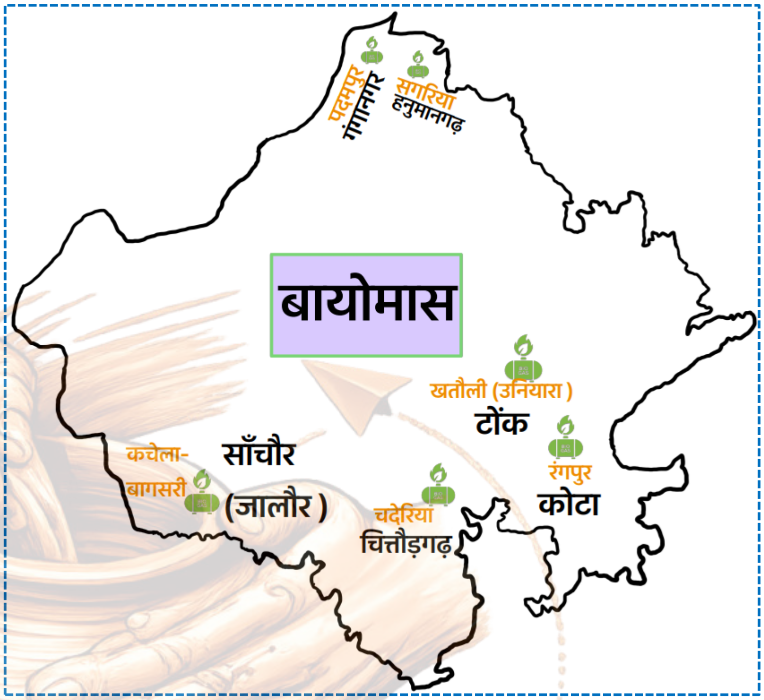

- **स्थापित क्षमता :-** 207.50 मेगावाट
  - **स्रोत-**
    - सरसों
    - चावल की भूसी
    - विलायती बबूल (जूली फ्लोरा)
  - **सर्वाधिक संभावना :-** श्रीगंगानगर
  - **सबसे बड़ा प्लांट :-** सिरोही
  - **बायोवेस्ट आधारित :-** ब्यावर प्लांट
- **संयंत्र (plant) :-**
- **नीति :-** प्रथम बायोमास नीति वर्ष 2010
  - द्वितीय बायोमास नीति - 29 सितम्बर 2023 (बायोमास व वेस्ट टू एनर्जी नीति)
- **बायोमास आधारित बायोफ्यूल/ बायोडीजल :-**
  - **स्रोत :-** रतनजोत, करंज
  - **बायोडीजल प्लांट-** झामरकोटड़ा (उदयपुर)
  - बायोफ्यूल नीति- 2007
  - राजस्थान बायोफ्यूल नियम, 2019
  - बायोफ्यूल मिशन एवं बायोफ्यूल प्राधिकरण की स्थापना- 2005-06
  - **गोगुंदा (उदयपुर) में "सेंटर फॉर एक्सीलेंस"** हेतु 50 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई।
  - **राज्य के प्रमुख बायोडीजल संयंत्र :**
    - **राजस्थान का पहला व्यावसायिक बायोडीजल प्लांट –** *कालरावास (उदयपुर)* – I.K.F. (Indian Krishi Fuel) द्वारा स्थापित।
    - **राजस्थान स्टेट माइन्स एंड मिनरल्स लिमिटेड** द्वारा *झामरकोटड़ा (उदयपुर)* में बायोडीजल प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित (1 MT प्रतिदिन उत्पादन क्षमता)।
    - **निजी संयंत्र** – भीलवाड़ा व जयपुर में 2018-19 से संचालन।
    - **निर्माणाधीन संयंत्र** – सिरोही, उनियारा (टोंक), कोटपूतली, अलवर व बयाना।
    - **HPCL** द्वारा *सालावास (जोधपुर)* में बायोडीजल ब्लेंडिंग सेंटर की स्थापना प्रस्तावित।
    - **बायोइलेक्ट्रिक प्लांट** – पदमपुरा, चंदेरिया, कोटा (कार्यरत)।
    - **7 नवम्बर, 2019 को जोधपुर में देश का पहला "बायोडीजल मोबाइल रिटेल आउटलेट"** प्रारंभ किया गया।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

बायोगैस ऊर्जा

- **स्रोत :-** गाय का गोबर
- **सर्वाधिक संभावना :-** उदयपुर
- **गैस :-** मिथेन (CH_4) - 65% & CO_2 ⟶ 30%
- 23 अगस्त, 2022 को HPCL ने गोबर धन योजना के तहत राजस्थान के सांचौर में पथमेड़ा ग्राम में गोबर से 'संपीड़ित बायोगैस परियोजना' का शिलान्यास किया।

नीतिगत पहल :

- **राजस्थान राज्य बायोफ्यूल नीति** - 2007
- **राजस्थान जैव ईंधन नियम** – 2019 लागू किए गए।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

ऊर्जा संबंधी प्रमुख संस्थान

- **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RREC)**
- **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड :-** जयपुर
- **विद्युत वितरण निगम लिमिटेड :-** जयपुर, अजमेर, जोधपुर
- **राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम :-** जयपुर

पोकरण: 975 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट का केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने किया लोकार्पण

देश का पहला ऐसा सोलर प्लांट... जो 90 फीसदी मेक इन राजस्थान

बिजली 2.18 रुपए यूनिट दर से राजस्थान को ही मिलेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पोकरण (जैसलमेर). पोकरण क्षेत्र के भिणाजपुरा गांव में गुरुवार को रिन्यू कंपनी के 975 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट का केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा सोलर प्लांट है, जो पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' है। इसमें लगे 100 प्रतिशत उपकरण (सोलर मॉड्यूल), सामान देश में बने हैं और इसमें भी 90 प्रतिशत हिस्सा जयपुर स्थित सेज की मेन्यूफेक्चरिंग यूनिट में निर्मित किया है।

इस मौके पर जोशी ने कहा कि राजस्थान ने कड़ी धूप को हरित और स्वच्छ ऊर्जा में बदल दिया है। पहले सौर ऊर्जा में गुजरात आगे था, लेकिन अब राजस्थान भी सशक्त प्रतिस्पर्धी बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैसलमेर और पोकरण जैसे सरहदी क्षेत्र अब सौर ऊर्जा में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। सभी के सहयोग से राजस्थान को हरित और उज्ज्वल बनाएंगे, ताकि इसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल किया जा सके। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने भी संबोधन दिया।

- **3500** एकड़ में फैला प्लांट
- **100** प्रतिशत मेक इन इंडिया
- **90** प्रतिशत हिस्सा जयपुर स्थित सेज की मैन्यूफेक्चरिंग यूनिट में निर्मित
- **2.18** रुपए प्रति यूनिट दर पर डिस्कॉम्स को होगी सप्लाई
- **2490** मिलियन यूनिट बिजली का सालाना उत्पादन
- **5** लाख उपभोक्तओं को होगी विद्युत आपूर्ति

मात्र 15 माह में तैयार हुआ प्लांट

पोकरण और भनियाना तहसील के कई गांवों में करीब 3500 एकड़ में प्लांट फैला है। रिन्यू कंपनी के सीईओ सुमंत सिन्हा ने कहा कि प्लांट केवल 15 माह में तैयार कर चालू कर दिया गया है। कंपनी प्रदेश के डिस्कॉम्स को 2.18 प्रति यूनिट दर पर सप्लाई करेगी। इसके लिए अनुबंध हो चुका है। इससे सालाना करीब 2490 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इससे प्रदेश के 5 लाख उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति की जा सकती है। यहां उत्पादित बिजली राजस्थान में ही आपूर्ति की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से आग, तुरंत पाया काबू: मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान मंच के पीछे कारपेट के नीचे वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिसे तुरंत काबू कर लिया गया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों व सुरक्षाकर्मियों ने रेत डालकर आग बुझाई।

Ceramic Current Corner :-

- **राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024:-**

✲ अवधि → 29 मार्च, 2029 तक लागू।

✲ नोडल एजेंसी → राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RREC)

✲ लक्ष्य → वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 GW तक बढ़ाना

Energy	Targets
Solar	90 GW
Wind & hybrid	25 GW
Hydro, pump storage plant (psp), Battery Energy Storage System	10 GW
Total	125 GW

✲ उद्देश्य (objectives) →

- यह नीति नवीकरणीय और पारंपरिक ऊर्जा के संतुलित मिश्रण, ग्रिड स्थिरता, ऊर्जा भंडारण, और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देगी।
- पवन-सौर ऊर्जा संकरण, अपशिष्ट-से-ऊर्जा परियोजनाएं, और बायोमास ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, इलेक्ट्रोलाइज़र और भंडारण अवसंरचना का विकास होगा।
- बंजर भूमि के उपयोग, उपकरण निर्माण, और निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- यह नीति रोजगार वृद्धि, कार्बन उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य स्वच्छ और सतत ऊर्जा भविष्य की ओर अग्रसर होगा।

✲ प्रावधान →

- नई नीति में 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 गीगावाट तक बढ़ाने, फ्लोटिंग, रिजर्वायर टॉप और कैनाल टॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने, पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट सहित बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं और 8 मार्च, 2019 के बाद शुरू हुई छोटी जल विद्युत परियोजनाओं को शामिल करने और नेट मीटरिंग व्यवस्था में 80% ट्रांसफार्मर क्षमता तक सोलर रूफटॉप लगाने की अनुमति दी गई है।
- नीति में बायोगैस, बायो सीएनजी को प्रोत्साहन और वर्ष 2030 तक 2000 केटीपीए ग्रीन हाईड्रोजन उत्पादन के लिए ग्रीन हाइड्रोजन वेली की स्थापना, और न्यूनतम 1 गीगावाट के इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

- **राजस्थान ऊर्जा भंडारण परियोजना – (सुजस current update)**
  - **स्थान:** पूगल, बीकानेर
  - **क्षमता:** 2500 मेगावाट प्रति घंटा
  - **क्षेत्रफल:** 4000 एकड़
  - **परियोजना का प्रकार:** बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS)
  - **शिलान्यास:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा, 25 सितम्बर, बाँसवाड़ा दौरे के दौरान
  - **संबद्ध सौर संयंत्र:** 1560 मेगावाट
  - **उद्देश्य:**
    - सौर ऊर्जा को संग्रहित कर बिना धूप वाले समय में बिजली आपूर्ति
    - ग्रिड की विश्वसनीयता और हरित ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाना

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **तकनीकी विवरण:**

- **ऊर्जा स्रोत:** सौर पैनल / पवन टरबाइन
- **भंडारण माध्यम:** लिथियम-आयन बैटरियां
- **नियंत्रण प्रणाली:** बैटरी प्रबंधन प्रणाली (BMS) – तापमान व वोल्टेज नियंत्रण
- **परिवर्तन प्रणाली:** इनवर्टर/कन्वर्टर – DC को AC में बदलता है
- **प्रणाली की विशेषता:** द्विदिशीय (चार्ज व डिस्चार्ज दोनों सक्षम)
- **लाभ:** 24×7 स्वच्छ, विश्वसनीय हरित ऊर्जा उपलब्धता

PYQ Questions

1. पवन ऊर्जा परियोजना कहाँ स्थापित किया गया है ? **(LDC 2011)**

(a) चूरू (b) माउंट आबू
(c) पुष्कर (d) मथानिया

2. बरसिंगसर ताप परियोजना किस जिले में स्थित है ? **(LDC 2011)**

(a) बीकानेर (b) जैसलमेर
(c) जोधपुर (d) नागौर

3. माही जल विद्युत परियोजना किस जिले में स्थित है ? **(LDC 2011)**

(a) डूंगरपुर (b) बाँसवाड़ा
(c) राजसमंद (d) प्रतापगढ़

4. छबड़ा पॉवर परियोजना स्थित है: **(ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)**

(a) कोटा जिले में
(b) झालावाड़ जिले में
(c) बारां जिले में
(d) सवाई माधोपुर जिले में

5. जोधपुर में मथानिया में 140 मेगावाट की क्षमता का प्रस्तावित पॉवर प्लांट आधारित होगा: **(ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)**

(a) सौर ऊर्जा पर (b) गैस पर
(c) लिग्नाइट पर (d) सौर व डीजल दोनों पर

6. कवई विद्युत परियोजना सम्बन्धित है: **(ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)**

(a) कोटा जिले से (b) बारां जिले से
(c) बाड़मेर जिले से (d) बाँसवाड़ा जिले से

7. एक ही स्थान पर पवन ऊर्जा उत्पादन की सबसे बड़ी सुविधा का विकास जिस जिले में हो रहा है, वह है – **(ASST. CONSERVATOR FOREST EXAM 2011)**

(a) बाड़मेर (b) बीकानेर
(c) जैसलमेर (d) सिरोही

8. देश के 142 ऊर्जा ब्लाक में से राजस्थान में कितने ऊर्जा ब्लाक हैं? **(Teacher II Grade Exam. 2011)**

(a) 90 (b) 40
(c) 100 (d) 85

9. प्राकृतिक गैस पर आधारित 'शक्ति परियोजना' स्थित है – **(Teacher II Grade Exam. 2011)**

(a) भिवाड़ी (b) उदयपुर
(c) बीकानेर (d) रामगढ़

10. राजस्थान में परमाणु केंद्र कहाँ स्थित है? **(Teacher II Grade Exam. 2011)**

(a) रावतभाटा (b) सूरतगढ़
(c) उदयपुर (d) भीलवाड़ा

11. धौलपुर पावर प्रोजेक्ट आधारित है : **(H.M. 2011)**

(a) लिग्नाइट पर (b) गैस पर
(c) नेप्था पर (d) डीजल पर

12. मथानिया सौर ऊर्जा परियोजना स्थित है : **(H.M. 2011)**

(a) जैसलमेर जिले में (b) जोधपुर जिले में
(c) नागौर जिले में (d) बीकानेर जिले में

13. राजस्थान में गैस आधारित विद्युत परियोजना कहाँ स्थित है? **(STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)**

(a) छबड़ा (b) पलाना
(c) अन्ता (d) सूरतगढ़

14. अंता विद्युत परियोजना किस जिले में स्थित है ? **(SCHOOL LECTURER - 2013)**

(a) कोटा (b) झालावाड़
(c) चित्तौड़गढ़ (d) बारां

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

15. राजस्थान में ऊर्जा सृजन का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत कौन-सा है:
(Research Assistant – 2016)
(a) सौर (b) वायु (c) थर्मल (d) आण्विक

16. वह गाँव जहाँ अदाणी पावर राजस्थान लिमिटेड इकाई स्थापित है
(School Lecturer – 2018)
(a) थुम्बली (बाड़मेर) (b) माही (बाँसवाड़ा)
(c) कवाई (बारा) (d) अन्ता (बारां)

17. गिरल लिग्नाइट तापीय परियोजना, राजस्थान के किस जिले में स्थित है ? (School Lecturer - 2020)
(a) बीकानेर (b) बारा
(c) बाड़मेर (d) चूरू

18. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए : (ACF & Forest Range Offi Gr-I 2018)

सूची-1 (ऊर्जा परियोजना)	सूची-2 (अवस्थिति)
A. भड़ला सोलर पार्क	(i) खीवंसर, नागौर
B. अवशिष्ट ऊर्जा परियोजना	(ii) देवगढ़, प्रतापगढ़
C. पवन ऊर्जा परियोजना	(iii) बालोतरा, बाड़मेर
D. सौर ऊर्जा परियोजना	(iv) फलौदी, जोधपुर

कूट : A B C D
(a) (iii) (iv) (ii) (i) (b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (iv) (iii) (i) (ii) (d) (i) (ii) (iii) (iv)

19. राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन सा नगर भारत सरकार के 'सोलर सिटी विकास कार्यक्रम' का हिस्सा नहीं है?
(ACF And Forest Range Officer Gr-I- 2018)
(a) अजमेर (b) जयपुर
(c) जोधपुर (d) उदयपुर

20. माही बजाज सागर परियोजना किन राज्यों की संयुक्त परियोजना है?
(ACF And Forest Range Officer 2018)
(a) राजस्थान और मध्यप्रदेश (b) राजस्थान और गुजरात
(c) राजस्थान और पंजाब (d) राजस्थान और हरियाणा

21. राजस्थान के निम्न तापीय बिजली घरों में से किसकी प्रस्थापित क्षमता सर्वाधिक है? (ACF And Forest Range Officer 2018)
(a) सूरतगढ़ ताप बिजली घर (b) कोटा ताप बिजली घर
(c) कालीसिन्ध ताप बिजली घर (d) छबड़ा ताप बिजली घर

22. राजस्थान के निम्न में से किस जिले में द्वितीय पवन ऊर्जा प्लांट स्थापित किया गया? (Lecturer Exam – 2020)
(a) जैसलमेर (b) बाड़मेर
(c) जालौर (d) प्रतापगढ़

23. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनिये – (Asst. Testing Officer – 2021)

सौर ऊर्जा प्लांट	अवस्थिति (जिला)
A. खींवसर प्लांट	i. जैसलमेर
B. धूनिया प्लांट	ii. नागौर
C. अगोरिया प्लांट	iii. जोधपुर
D. मोकला प्लांट	iv. बाड़मेर

कूट :
(a) ii, iii, iv, I (b) ii, iii, i, iv
(c) iii, ii, iv, I (d) i, ii, iii, iv

24. राजस्थान सरकार द्वारा "राजस्थान पवन एवं हाईब्रिड ऊर्जा नीति" किस वर्ष में घोषित की गई?
(Asst. Testing Officer – 2021)
(a) 2015 (b) 2017
(c) 2018 (d) 2019

25. गिरल लिग्नाइट थर्मल पावर प्लांट अवस्थित है?
(Superintendent Garden – 2021)
(a) बीकानेर में (b) बाड़मेर में
(c) चित्तौड़गढ़ में (d) कोटा में

26. 'राजस्थान सौर ऊर्जा नीति' किस वर्ष में जारी की गई ?
(Asst. Prof. - 2020)
(a) 2017 (b) 2019
(c) 2020 (d) 2015

27. राजस्थान की पहली पवन ऊर्जा परियोजना है –
(Asst. Prof. (College Education) - 2020)
(a) अमर सागर पवन ऊर्जा परियोजना
(b) देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना
(c) बीठड़ी पवन ऊर्जा परियोजना
(d) मोकला पवन ऊर्जा परियोजना

28. कौनसा सुमेलित नहीं है?
(Head Master Praveshika School - 2021)
(a) सौर ऊर्जा प्लांट – मोकला
(b) राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना – रावतभाटा
(c) गैस आधारित ऊर्जा परियोजना – गिरल
(d) अमर सागर पवन ऊर्जा परियोजना – जैसलमेर

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए – (Asst. Agri. Officer – 2021)

सूची-I (ऊर्जा)	सूची-II (स्थान)
(A) प्राकृतिक गैस	(i) बड़ा बाग
(B) पवन	(ii) भेरू खेड़ा
(C) सौर ऊर्जा	(iii) रामगढ़
(D) परमाणु ऊर्जा	(iv) रावतभाटा

कूट: (a) A-(ii), B-(iii), C-(i), D-(iv)
(b) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)
(c) A-(iii), B-(ii), C-(i), D-(iv)
(d) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

30. देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना .... में अवस्थित है।
(Asst. Statistical Officer – 2021)
(a) जैसलमेर (b) हनुमानगढ़
(c) प्रतापगढ़ (d) बारां

31. विश्व का सबसे बड़ा सोलर (सौर ऊर्जा) पार्क भड़ला अवस्थित है
(School Lecturer - 2022)
(a) जोधपुर (b) बाड़मेर
(c) जैसलमेर (d) बीकानेर

32. माही बाँसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट इकाइयाँ 1 से 4 का पहला कंक्रीट भराव किस वर्ष में अपेक्षित है?
(School Lecturer - 2022)
(a) 2023 (b) 2024
(c) 2025 (d) 2026

33. किस कम्पनी ने भारत का पहला 390 मेगावाट का पवन सौर हाइब्रिड पावर प्लांट जैसलमेर में शुरू किया है?
(School Lecturer - 2022)
(a) रिलायंस पावर लिमिटेड (b) सुजलॉन एनर्जी
(c) टाटा पावर कं. लि.
(d) "ए.एच.ई.जे.ओ.एल." अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सहायक कम्पनी

34. निम्नलिखित में से कौन-सी राजस्थान की कोयला आधारित ताप ऊर्जा परियोजना नहीं है? (Hospital Care Taker – 2022)
(a) कालीसिंध (b) अंता
(c) सूरतगढ़ (d) छबड़ा

35. बड़ाबाग (जैसलमेर) तथा देवगढ़ (चित्तौड़गढ़) में है
(Food Safety Officer – 2022)
(a) पवन ऊर्जा परियोजना (b) बायोगैस ऊर्जा परियोजना
(c) सौर ऊर्जा परियोजना (d) पवन तथा सौर ऊर्जा परियोजना

36. माही बजाज सागर परियोजना एक संयुक्त उद्यम है –
(RAS (Pre) Exam – 2023)
(a) राजस्थान, पंजाब तथा गुजरात का
(b) गुजरात तथा राजस्थान का
(c) राजस्थान, गुजरात तथा मध्यप्रदेश का
(d) मध्यप्रदेश तथा राजस्थान का

37. कालीसिंध सुपरताप बिजली स्टेशन अवस्थित है —
(RAS (Pre) Exam – 2023)
(a) बारा (b) झालावाड़
(c) डूंगरपुर (d) बाँसवाड़ा

38. निम्नलिखित में से कौन सी परियोजना राजस्थान की 'प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना' थी? (Statistical Officer Exam – 2023)
(a) देवगढ़ परियोजना (b) अमर सागर परियोजना
(c) बीथड़ी परियोजना (d) धूनिया परियोजना

39. लिग्नाइट पर आधारित ताप विद्युत संयंत्र स्थित हैं –
(Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(a) कवाई तथा दानपुर (b) छबड़ा तथा सूरतगढ़
(c) गीरल तथा बाँसवाड़ा (d) गुढ़ा गाँव तथा गिरल

40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :
(Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)
(A) चम्बल परियोजना मध्यप्रदेश तथा राजस्थान का संयुक्त उपक्रम है।
(B) गांधी सागर बांध का निर्माण प्रथम चरण में हुआ।
(C) जवाहर सागर बांध का निर्माण द्वितीय चरण में हुआ।
कूट : (a) केवल (A) एवं (B) सही हैं। (b) केवल (B) एवं (C) सही हैं।
(c) केवल (A) एवं (C) सही हैं। (d) (A), (B) एवं (C) सही हैं।

41. राजस्थान में पेट्रोलियम उत्पादन क्षेत्र कितने जिलों में फैला हुआ है? (Asst. Prof. Librarian & PTI Exam - 2023)
(a) 14 जिलों में (b) 10 जिलों में
(c) 8 जिलों में (d) 6 जिलों में

42. राजस्थान के जैसलमेर जिले में प्रारंभ की गई प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना का नाम है –
(Asst. Prof. Librarian & PTI Exam - 2023)
(a) देवगढ़ पवन ऊर्जा परियोजना
(b) फलोदी पवन ऊर्जा परियोजना
(c) बीठड़ी पवन ऊर्जा परियोजना
(d) अमर सागर पवन ऊर्जा परियोजना

43. सूची - I को सूची - II से सुमेलित करते हुए नीचे दर्शाए गये विकल्पों मेंसे सही कूट का चयन कीजिए :
(ASST. ENGINEER 2023)

सूची-I (ऊर्जा के स्रोत)	सूची-II (क्षेत्र)
A. तापीय ऊर्जा	i. अमर सागर
B. सौर ऊर्जा	ii. बायतू
C. प्राकृतिक गैस	iii. सूरतगढ़
D. पवन ऊर्जा	iv. भड़ला

कूट :
(a) iii iv i ii (b) i ii iii iv
(c) ii iv i iii (d) iii iv ii i

44. राजस्थान सरकार ने 'राजस्थान विण्ड एण्ड हाइब्रिड एनर्जी पॉलिसी' कब लागू की ? (ASST. ENGINEER 2023)
(a) 1 दिसम्बर, 2019 (b) 4 अक्टूबर, 2020
(c) 18 दिसम्बर, 2019 (d) 1 सितम्बर, 2022

45. रामगढ़ गैस तापीय विद्युत परियोजना किस जिले में स्थित है?
(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)
(a) जैसलमेर (b) गंगानगर
(c) बीकानेर (d) कोटा

46. निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में एक गैस आधारित ऊर्जा संयंत्र नहीं है? (Archaeology and Museums Exam - 2023)
(a) धौलपुर (b) अन्ता (बारा)
(c) रामगढ़ (जैसलमेर) (d) गिरल (बालोतरा-बाड़मेर)

47. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौनसा पवन ऊर्जा परियोजना स्थल नहीं है? (Archives Dept Recruitment - 2024)
(a) बीठड़ी (b) फलौदी
(c) मोकला (d) देवगढ़

48. रामगढ़ पावर प्लाण्ट को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होती है- (Archives Department Recruitment - 2024)
(a) बाघेवाला से (b) मनिहारी टिब्बा तथा तनोट से
(c) तुरीवाला से (d) अंकलेश्वर (गुजरात) से

49. सूची-I (सोलर पार्क) को सूची-II (कम्पनी/उपक्रम) के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए- (Archives Dept Recruitment - 2024)

सूची-I (सोलर पार्क)	सूची-II (कम्पनी/उपक्रम)
(A) फलौदी – पोखरण	(i) एसेंल सौर्य ऊर्जा कम्पनी
(B) फतेहगढ़ फेज़-I बी	(ii) अडानी रिन्यूएबल एनर्जी कम्पनी
(C) नोख – जैसलमेर	(iii) आर.एस.डी.सी.एल.
(D) पूंगल – बीकानेर	(iv) आर.एस.डी.सी.एल.

कूट:
(a) A-(i), B-(iv), C-(iii), D-(ii)
(b) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(c) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)
(d) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)

50. निम्नलिखित में से कौनसा (सौर ऊर्जा संयंत्र - जिला) सही सुमेलित नहीं है? (Asst. Statistical Officer -2024)
(a) धूनी – सीकर (b) अगोरिया - बाड़मेर
(c) गोरीर – झुन्झुनू (d) मोकला - जैसलमेर

51. राजस्थान में RRECL द्वारा प्रथम एवं द्वितीय व्यावसायिक पवन फार्म कहाँ स्थापित किए गए थे? (Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)
(a) जैसलमेर तथा आकल (b) देवगढ़ तथा नोख
(c) फलोदी तथा हर्षनाथ (d) खोडल तथा देवगढ़

52. कथन (A): राजस्थान में सौर ऊर्जा विकास की असीम सम्भावनाएँ हैं।
कारण (R): भाडला सोलर पार्क 2,245 मेगावाट क्षमता वाला राजस्थान का सबसे बड़ा सौर विद्युत संयंत्र है।
(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

53. निम्नलिखित में से राजस्थान में कौनसा स्थल पवन ऊर्जा का नहीं है? (PTI and Librarian– 2024)
(a) फलौदी (b) पथमेड़ा – सांचौर
(c) खोड़ल (d) हर्षनाथ

54. राजस्थान अक्षय ऊर्जा नीति : 2023 के अनुसार वर्ष 2029-30 तक गैर-परम्परागत ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है- (PTI and Librarian – 2024)
(a) 8,500 मेगावाट (b) 1,25,000 मेगावाट
(c) 90,000 मेगावाट (d) 65,000 मेगावाट

55. राजस्थान के उन स्थानों का चयन कीजिए जो सोलर पार्क से सम्बद्ध हैं : (Mines And Geology Dept. Exam - 2024)
(अ) पोहरा (ब) पूगल
(स) नोख (द) आकल
कूट :
(a) (अ), (स) तथा (द) (b) केवल (स)
(c) (ब), (स) तथा (द) (d) (ब) तथा (स)

56. 'भादरेस तापीय विद्युत परियोजना' निम्नलिखित में से किस जगह पर स्थित है ? (Lecturer and Coach -2024)
(a) बाड़मेर (b) बीकानेर
(c) जोधपुर (d) पाली

57. कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Lecturer and Coach - 2024)

कॉलम-I (स्थान)	कॉलम-II (सोलर पावर प्लांट)
A. नागौर	आगोरिया
B. झुंझुनूं	धूनिया
C. जोधपुर	गौरियर
D. बाड़मेर	खींवसर

कूट :
(a) ii i iii iv (b) iii ii iv i
(c) iv iii ii I (d) i ii iii iv

58. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (सोलर पार्क – कुल उत्पादन क्षमता) सुमेलित नहीं है? (Research Assistant– 2024)
(a) फलोदी-पोकरण – 750 मेगावॉट (b) बोडाना – 2,000 मेगावॉट
(c) नोखा – 925 मेगावॉट (d) पुगल – 1,450 मेगावॉट

59. जैसलमेर के सोढा तथा आकला में निम्नलिखित में से किस प्रकार की ऊर्जा का उत्पादन होता है? (Asst. Director - 2024)
(a) सौर ऊर्जा (b) बायोमास ऊर्जा
(c) पवन ऊर्जा (d) सौर तथा पवन ऊर्जा

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

60. सूची–I (ऊर्जा के स्रोत) को सूची–II (स्थान) से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(Asst. Testing Officer(PWD) – 2024)

सूची–I (ऊर्जा के स्रोत)	सूची–II (स्थान)
(A) पवन	(i) मैनावाली
(B) जल विद्युत	(ii) अंता
(C) सौर	(iii) बिठड़ी
(D) प्राकृतिक गैस	(iv) अनूपगढ़

कूट :

(a) (A)–(iv), (B)–(i), (C)–(ii), (D)–(iii)

(b) (A)–(iii), (B)–(iv), (C)–(i), (D)–(ii)

(c) (A)–(i), (B)–(ii), (C)–(iii), (D)–(iv)

(d) (A)–(ii), (B)–(iii), (C)–(iv), (D)–(i)

61. नहर पर स्थित राजस्थान का प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र निर्मित है : [Asst. Fisheries D. O. 2025]

(a) धूनिया में (b) हरकासर में

(c) पार की ढाणी में (d) मैनावली में

62. राजस्थान के निम्नलिखित स्थानों पर विचार कीजिए : [Asst. Professor 2025]

A. देवगढ़ B. सोढा, जैसलमेर

C. भाड़ला D. फतेहगढ़

उपर्युक्त में से कितने स्थान/स्थानों पर सोलर पार्क है/हैं ? सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए :

कूट :

(a) A और C (b) C और D

(c) B और D (d) A और D

63. निम्नलिखित में से राजस्थान में कौनसा स्थल पवन ऊर्जा का नहीं है? [PTI and Librarian 2024]

(a) फलोदी (b) पथमेड़ा – सांचौर

(c) खोडल (d) हर्षनाथ

Answer Key

1	d	2	a	3	b	4	c	5	*	6	b	7	c	8	d	9	d	10	a
11	b	12	b	13	c	14	d	15	c	16	c	17	c	18	b	19	d	20	b
21	d	22	d	23	a	24	d	25	b	26	b	27	a	28	c	29	*	30	c
31	a	32	b	33	d	34	b	35	a	36	b	37	b	38	b	39	d	40	a
41	a	42	d	43	d	44	c	45	a	46	d	47	c	48	b	49	c	50	a
51	a	52	b	53	b	54	c	55	d	56	a	57	c	58	d	59	c	60	b
61	d	62	b	63	b														

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान की "एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024" की विवेचना कीजिए। [RAS Mains 2024 (5 Marks)]

Q. राजस्थान में बायोमास परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण दीजिए। [RAS Mains 2024 (5 Marks)]

Q. राजस्थान में गैर-परम्परागत ऊर्जा के विकास का विवरण दीजिए। [RAS Mains 2024 (10 Marks)]

Q. राजस्थान में सौर ऊर्जा हेतु कौन सी उपर्युक्त दशाएँ पायी जाती हैं ? [RAS Mains 2024 (2 Marks)]

Q. 'राजस्थान में सौर ऊर्जा की विपुल सम्भावनायें हैं।' समझाइये। [RAS Mains 2024 (5 Marks)]

Q. ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्रोत कौन से हैं? राजस्थान के विशेष संन्दर्भ में किन्हों दो गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का वर्णन करें। [RAS Mains 2024 (10 Marks)]

13 प्रमुख उद्योग

उद्योगों का वर्गीकरण

कच्चे माल /विनिर्माण के आधार पर
- खनिज आधारित
- कृषि आधारित
- वनोत्पाद आधारित
- लघु व कुटीर उद्योग
- इंजीनियरिंग उद्योग
- रासायनिक उद्योग

आकार के आधार पर
- सूक्ष्म उद्योग
- लघु उद्योग
- मध्यम उद्योग

स्वामित्व/पूँजी के आधार पर
- निजी उद्योग (व्यक्तिगत आधार)
- सहकारी उद्योग (व्यक्तिगत एवं सरकार दोनों का अधिकार)
- सार्वजनिक उद्योग (सरकार का अधिकार)
  - केन्द्र सरकार के उपक्रम - 7
  - राज्य सरकार के उपक्रम - 23 :-
    - ✓ वैधानिक बोर्ड (6)
    - ✓ कम्पनी अधिनियम (17)

◈ **विनिर्माण कार्य के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण :-**

खनिज आधारित		कृषि आधारित	वनोत्पाद आधारित	लघु व कुटीर उद्योग
▪ सीमेंट	▪ नमक	▪ चीनी उद्योग	▪ रेशम	▪ रंगाई-छपाई
▪ काँच	▪ संगमरमर	▪ सूती वस्त्र उद्योग	▪ लाख	▪ चमड़ा उद्योग
▪ लौह- इस्पात	▪ अभ्रक	▪ खाद्य प्रसंस्करण	▪ रबर	▪ लकड़ी फर्नीचर
▪ सीसा - जस्ता	▪ सिरेमिक	▪ तम्बाकू	▪ कागज	▪ हाथ कागज
▪ प्लास्टर ऑफ पेरिस	▪ तेल शोधक	▪ वनस्पति घी	▪ माचिस	▪ बीड़ी उद्योग
▪ तांबा		▪ खाद्य तेल		▪ कत्था निर्माण
				▪ हथकरघा
				▪ बंधेज

◈ **आकार के आधार पर उद्योग :-**

✦ **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग :-**

वर्ग	निवेश सीमा (₹ करोड़ में)	कारोबार (टर्नओवर) सीमा (₹ करोड़ में)
Micro (सूक्ष्म उद्यम)	2.5	10
Small (लघु उद्यम)	25	100
Medium (मध्यम उद्यम)	125	500

✦ वर्तमान में **43 जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्रों के साथ-साथ 6 उप-केन्द्र** उद्यमियों को सहायता प्रदान कर रहें हैं।

✦ **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (रीको) द्वारा 445 औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया गया है।**
- **उद्देश्य:** औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना।
- ये औद्योगिक क्षेत्र सुव्यवस्थित तथा व्यवसाय-अनुकूल आधारभूत संरचना उपलब्ध कराते हैं। रीको द्वारा परिवहन कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति, जल प्रबंधन तथा आधुनिक संचार प्रणालियों को सुनिश्चित करता है, जो राजस्थान में औद्योगिक विकास एवं व्यावसायिक सफलता के प्रमुख कारक हैं।

✦ **वर्ष 2025-26 (दिसम्बर तक) में रीको द्वारा 7,654.63 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया एवं 19 नए औद्योगिक क्षेत्र यथा-**

(1) अजयमेरू पालरा विस्तार, अजमेर　**(2)** बोरावास द्वितीय चरण, बालोतरा　**(3)** सेरेमिक पार्क गजनेर, बीकानेर
(4) धुंवाला, भीलवाड़ा　**(5)** महुवा कलां, भीलवाड़ा　**(6)** पण्डेर, भीलवाड़ा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(7) आईटी पार्क, अजमेर
(8) बंजारी सुहागपुरा, बांसवाड़ा
(9) भिण्डर, सगतपुरा, उदयपुर
(10) संध सौंखरी, कठूमर, अलवर
(11) कचारिया, किशनगढ़, अजमेर
(12) स्टोन पार्क, गुण्डी फतेहपुर, कोटा,
(13) वेस्ट रिसाईकलिंग पार्क, गुण्दी फतेहपुर, कोटा
(14) पीपलखेडी, बारां
(15) केकड़ी विस्तार, अजमेर
(16) टेक्सटाइल पार्क, रूपाहेली, भीलवाड़ा
(17) बरौली, धौलपुर
(18) पीपलूंद, भीलवाड़ा
(19) कीड़ीमाल, भीलवाड़ा विकसित किये गये हैं तथा 1,499 भूखण्ड (औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय तथा अन्य भूखण्ड सहित) आवंटित किये गये।

- राजस्थान में सर्वाधिक उद्योग एवं फैक्ट्रियाँ **जयपुर** जिले में स्थित है।
- राजस्थान में सर्वाधिक वृहद (बड़े) उद्योग **अलवर** जिले में स्थापित है।
- तीव्र औद्योगिक विकास के कारण **कोटा** को 'राजस्थान की औद्योगिक नगरी' कहा जाता है।

कृषि आधारित उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग:-

- **प्राचीन एवं संगठित उद्योग**
- **सर्वाधिक :-** श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
- **कच्चा माल :-** कपास
- **कुल सूती वस्त्र मिले :-** 1951 ई. ⇒ 7 (2018-19 तक 64)
- भीलवाड़ा को "वस्त्र निर्यातक नगर" का दर्जा (2009)

तीन प्रकार की मिलें

निजी	सार्वजनिक	सहकारी
◈ **दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड** ✦ **स्थापना** - 1889 ई. (ब्यावर) ✦ **संस्थापक:** दामोदर दास राठी (सहयोग- कर्नल डिक्सन) ✦ सर्वाधिक कार्यशील करघे ◈ **मेवाड टेक्सटाइल्स** - 1938 ई., भीलवाड़ा ◈ **सार्दुल टेक्सटाइल्स** - श्रीगंगानगर (1946) ◈ **उदयपुर कॉटन मिल्स (1961 ई.)** - उदयपुर (बंद) ◈ **आदित्य मिल्स** - किशनगढ़ (अजमेर) ◈ राजस्थान स्पिनिंग & जिनिंग/विविंग मिल्स ✦ गुलाबपुरा (भीलवाड़ा) (1960 ई.) ◈ **मॉर्डन ग्रुप :-** भीलवाड़ा ◈ **माणिक्य लाल वर्मा :-** भीलवाड़ा ◈ **राजस्थान टेक्सटाइल मिल :-** भवानीमण्डी (झालावाड़) ◈ **मॉर्डन सिन्थेटिक फाइबर मिल :-** ✦ कोटपूतली-बहरोड, एकमात्र ◈ **जयपुर स्पिनिंग एवं विविंग मिल्स :-** **पोद्दार,** जयपुर ◈ **श्रीगोपाल इण्डस्ट्रीज** :- कोटा	◈ **एडवर्ड मिल्स लिमिटेड** (Ist सार्वजनिक मिल) - 1906 ई., ब्यावर ◈ **महालक्ष्मी मिल्स लिमिटेड** - 1925, ब्यावर ◈ **विजयनगर मिल्स लिमिटेड** - **1974,** ब्यावर ◈ **महाराजा श्री उम्मेद सिंह मिल्स** ✦ **स्थापना:-** 1918 ई., पाली ✦ 1939 ई. :- सार्वजनिक ✦ सबसे बड़ी व सर्वाधिक उत्पादन	◈ **राज. राज्य सहकारी कताई मिल :-** ◈ 1965 ई. - गुलाबपुरा (भीलवाड़ा) ◈ प्रथम सहकारी सूती वस्त्र मिल ◈ **श्री गंगानगर सहकारी कताई मिल** 1978 ई. – हनुमानगढ़ ◈ **गंगापुर सहकारी कताई मिल** - भीलवाड़ा [1981] ✦ **जिनिंग मिल, गुलाबपुरा- भीलवाड़ा** ✦ **राजस्थान राज्य सहकारी स्पिनिंग एवं जिनिंग मिल्स संघ लिमिटेड (स्पिनफैड)- भीलवाड़ा** ▪ 1 अप्रैल, 1993 ▪ सहकारी सूती वस्त्र मिलों का एक संघ ▪ तीनों सहकारी मिले

Note :

- **सूती वस्त्र का प्राचीन केन्द्र :-** ब्यावर
- **कारपेट डिजाइन सेंटर :-** जयपुर
- **पावरलूम सेंटर :-** Ist किशनगढ़, 2nd भीलवाड़ा
- **प्रथम हाईटेक टेक्सटाइल्स पार्क :-** सिलोरा (किशनगढ़) [अजमेर]
- **कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेन्टर :-** भीलवाड़ा (राजस्थान का मैनचेस्टर Ist) 2nd : - भिवाड़ी (खैरथल - तिजारा)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट –

- इसके तहत 892 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सांगानेर (जयपुर) में 12.3 MLD क्षमता के कॉमन एफलुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETP) का संचालन किया जा रहा है।
- वर्तमान में इससे जुड़े वस्त्र प्रसंस्करण उद्योग - 758
- शेष 134 उद्योग ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन से जोड़े जाएंगे।
- **द्रव्यवती नदी** को अपशिष्ट मुक्त बनाने के लिए औद्योगिक इकाइयों को अनिवार्य रूप से CETP जोड़ा जाएगा।

चीनी उद्योग:-

- कृषि आधारित दूसरा सबसे बड़ा उद्योग
- **कच्चा माल :** गन्ना एवं चुकन्दर
- **सर्वाधिक गन्ना व चीनी उत्पादन :-** श्रीगंगानगर

प्रमुख मिलें		
निजी	**सरकारी**	**सहकारी**
मेवाड़ शुगर मिल्स - भूपालसागर (चित्तौडगढ़) - 1932 ई. में - राज्य की प्रथम निजी चीनी मिल - **इसके अधीन –** उदयपुर शुगर मिल्स, 1976 ई० (बन्द)	**राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल (श्रीगंगानगर)** - **स्थापना :** 1937 ई० - **निजी :** 1945-52 ई० - **सार्वजनिक :** 1956 ई० - **चुकन्दर से चीनी बनाने का प्लांट :**1968 ई **नई समन्वित मिल (वर्ष 2016, कमीनपुरा, श्रीगंगानगर):** डिस्टलरी, पशुआहार 5MW विद्युत उत्पादन भी करेगा। **अन्य कार्य** - **द हाईटेक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री:** धौलपुर - रॉयल हेरिटेज लिकर (शराब) का निर्माण - डिस्टलरी निर्माण - सैनिटाइजर का निर्माण 1945 में इस मील को बीकानेर औद्योगिक कॉर्पोरेशन के रूप में पंजीकृत किया गया था।	**केशोरायपाटन मिल्स** - **स्थापना -** 1965 ई. - प्रथम सहकारी चीनी मिल, बून्दी - वर्तमान में बन्द

ऊन उद्योग :-

- **ऊन उत्पादन में राजस्थान :-** प्रथम स्थान (47.85%)
- **आधारभूत पशुपालन सांख्यिकी – 2025**
- **ऊनी धागे के कुल कारखानें :-** 6 (**सर्वाधिक**: भीलवाड़ा)
- **एशिया की सबसे बड़ी ऊन मण्डी :-** बीकानेर
- **स्टेट वूलन मिल्स :-** बीकानेर
- **जोधपुर ऊन फैक्ट्री :-** जोधपुर
- **वर्स्टेड स्पिनिंग मिल्स :-** चूरू व लाडनूं (डीडवाना - कुचामन) [वर्तमान में बन्द]
- **विदेशी आयात - निर्यात संस्थान :-** कोटा
- **अखिल भारतीय ऊन विकास बोर्ड :-** जोधपुर
- **गलीचा प्रशिक्षण केन्द्र :-** बीकानेर
- **ऊन कॉम्पलैक्स :-** खारा (बीकानेर), नरबदखेड़ा, गुहाना (ब्यावर)
- **सर्वाधिक ऊन उत्पादक जिला :-** जोधपुर
- **वूल टेस्टिंग लैब :-** बीकानेर
- **ऊन प्रशिक्षण केन्द्र :-** जयपुर
- **केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान केन्द्र :-** अविकानगर (टोंक)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future

वनस्पति घी उद्योग :-

- पहला वनस्पति घी कारखाना 1964 ई में भीलवाड़ा में स्थापित किया गया।
- **सर्वाधिक उत्पादन :-** जयपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सरसों तेल उद्योग :-

- **वर्तमान में सरसों तेल का सर्वाधिक उत्पादन :-** जयपुर
- **प्रमुख कारखानें :-**

  [1] चंबल – जयपुर [2] वीर बालक – जयपुर
  [3] नेताजी – जयपुर [4] इंजन मार्का – भरतपुर

Do You Know

- **बायोडीजल रिफायनरी:-** कलड़वास, उदयपुर
- **बायोडीजल प्लांट :-** झामर कोटड़ा, उदयपुर

डेयरी उद्योग-

- राजस्थान में डेयरी उद्योग का सर्वाधिक विकास - जयपुर में
- राजस्थान राज्य डेयरी विकास निगम - 1975, जयपुर (सहयोग-विश्व बैंक)
- **डेयरी विकास के लिए राज्य में त्रिस्तरीय ढाँचा बनाया गया-**
  - **शीर्ष –** RCDF (राजस्थान सहकारी डेयरी संघ, जयपुर); **स्थापना-** 1977
  - **जिला स्तर पर –** जिला दुग्ध सहकारी; सघ-24
  - **ग्रामीण स्तर पर –** प्राथमिक सहकारी दुग्ध समितियाँ = 19643

Note:- RCDF (Rajasthan Cooperative dairy Federation) की स्थापना राजस्थान राज्य विकास निगम (1975) के स्थान पर की गई।

राजस्थान में संचालित प्रमुख डेयरी -

- **राजस्थान की प्रथम डेयरी -** पद्मा (अजमेर, 1938)
- **वरमूल (WRMOL) -** Westem Rajasthan Milk Union Ltd. (जोधपुर)
- **उरमूल (URMUL)-** Uttari Rajasthan Milk Union Ltd. (बीकानेर)
- **गांगमूल (Gangmul)-** Ganganagar Milk Union Ltd. (हनुमानगढ़)
- **कैमल मिल्क डेयरी -** 1st बीकानेर, 2009 (जोडबीड) 2nd जैसलमेर, 2021 (पोकरण)
- **मेट्रो डेयरी -** गीविन्दगढ, जयपुर (क्षमता - 11 लाख लीटर)
- **देश में राजस्थान का दूध उत्पादन में द्वितीय स्थान (14.82%), प्रथम स्थान उत्तरप्रदेश**
- ऊँटनी के 'दुग्ध विपणन का केन्द्र' जयपुर में स्थापित किया गया है।
  - **क्षमता**-21,000 लीटर / दिन

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

वनोत्पाद आधारित उद्योग

रेशम उद्योग :-

- **वनस्पति:** शहतूत
- **सर्वाधिक रेशम उत्पादन / टसर कृषि :** उदयपुर, बाँसवाड़ा, कोटा
- **रेशम कीट पालन :** सेरीकल्चर
- **कृत्रिम रेशम कारखानें :** कोटा, गुलाबपुरा (भीलवाड़ा), बाँसवाड़ा
- **रेशम खेती के प्रकार:**

  [1] **मलबरी व एरी :-** अरंडी के पौधे पर [2] **टसर :-** साल व अर्जुन के पौधे पर
- **राजस्थान में सर्वाधिक प्रचलित:** टसर कृषि (टसर रेशम कार्यक्रम – 1986)

कागज उद्योग :-

- **पहला कारखाना:** सांगानेर (जयपुर)
- **कुमारप्पा कागज निर्माण संस्थान:** सांगानेर (जयपुर)
- **हाथ से कागज बनाने का प्राचीन कारखाना:** घोसुण्डा (चितौड़गढ़)
- **अन्य केन्द्र:** भीलवाड़ा, कोटपूतली - बहरोड़
- **संभावना:** उदयपुर, बाँसवाड़ा, चितौड़गढ़। [**कारण:** बाँस की प्रचुरता]

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

वनोत्पाद आधारित अन्य उद्योग :-

क्रमांक	उत्पाद / उद्योग	वनस्पति / वृक्ष	प्रमुख क्षेत्र (स्थान)
1.	बीड़ी उद्योग	तेंदू पत्ता	अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक
2.	कत्था	खैर	उदयपुर, चित्तौड़गढ़
3.	औषधि एवं शराब उद्योग	महुआ	डूंगरपुर, बाँसवाड़ा
4.	नक्काशीदार फर्नीचर	सागवान / रोहिड़ा	बाड़मेर एवं जोधपुर
5.	खाद्य गोंद	कूमट वृक्ष	चौहटन (बाड़मेर)

खनिज आधारित उद्योग

सीमेंट उद्योग :-

- **सर्वाधिक सीमेंट उत्पादन:** जे.के. सीमेंट प्लांट, निम्बाहेड़ा (चितौड़गढ़)
- **भविष्य में संभावना:** जैसलमेर
- **कच्चा माल:** चूना पत्थर, जिप्सम, सिलिका
- **प्रमुख सीमेंट कारखाने:**

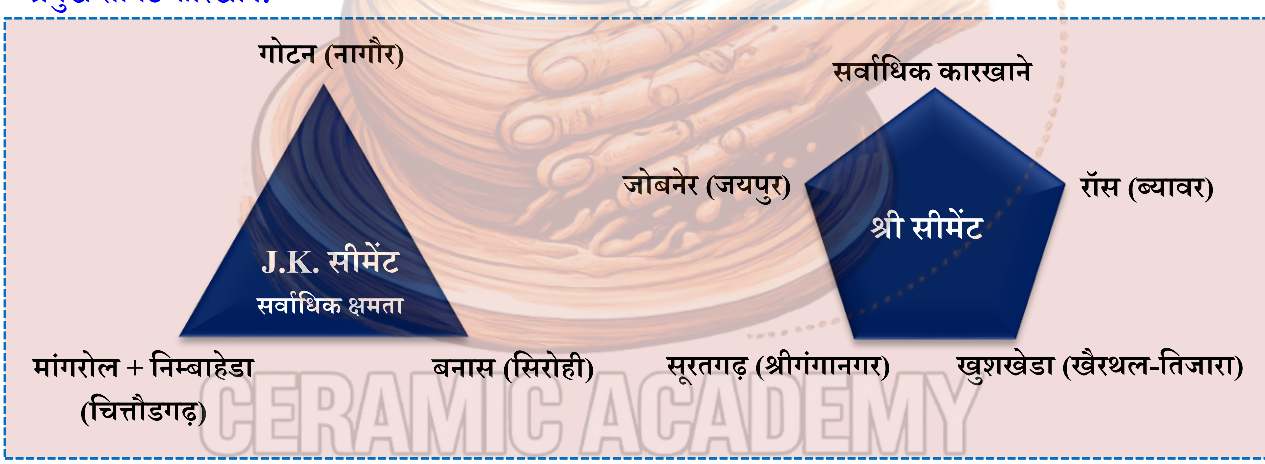

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

1. ACC Ltd. (एसोसिएट सीमेंट कंपनी) :-

- **स्थापना :** 1915 ई०, **उत्पादन :** 1917 ई. में
- **सहयोग :** क्लिक निक्सन
- **लाखेरी (बून्दी):** राज्य का प्रथम सीमेंट कारखाना
- **वर्तमान :** अडानी द्वारा संचालित

2. जयपुर उद्योग लिमिटेड

- **स्थापना:** 1953 ई०, सवाई माधोपुर
- आजादी के बाद पहली
- राज्य की दूसरी सीमेंट फैक्ट्री
- एशिया की सबसे बड़ी सीमेंट फैक्ट्री
- वर्तमान में बन्द

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

	सीमेंट उद्योग	कारखाना		सीमेंट उद्योग	कारखाना
1.	अम्बुजा	राबड़ियावास, ब्यावर	8.	ग्रासिम	कोटपूतली - बहरोड़
2.	अल्ट्राटेक	पिण्डवाड़ा, सिरोही कोटपूतली - बहरोड़ शंभुपुरा (चितौड़गढ़)	9.	डी. एल. एफ.	रास, पाली
3.	श्री सीमेंट	ब्यावर व नवलगढ़	10.	आदित्य	चितौड़गढ़
4.	बिड़ला	चंदेरिया (चितौड़गढ़)	11.	मारवाड़	मूंडवा, नागौर
5.	बिनानी	पिण्डवाड़ा (सिरोही)	12.	J.K. सीमेंट	डबोक, उदयपुर
6.	श्रीराम	कोटा (सबसे कम उत्पादन)	13.	इंडिया सीमेंट लिमिटेड	नौखिया, बांसवाडा
7.	मंगलम् एवं नीर श्री	मोड़क, कोटा	14.	हिंदुस्तान सीमेंट	उदयपुर

सफेद सीमेंट कारखाने :-

- **जे. के. व्हाइट :-** गोटन (नागौर)- Ist (1984)
- **बिरला व्हाइट सीमेंट:-** अल्ट्राटेक की एक यूनिट
    - **खारिया खंगार (जोधपुर):** 2nd [सबसे बड़ी]
- **जे. के. व्हाइट :-** मांगरोल (चितौड़गढ़)
- **औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन :-**
    - **मेसर्स डालमिया सीमेंट संयंत्र (क्लिंकराइजेशन यूनिट) –**
        - **भूमि आवंटन –** रामगढ़ (जैसलमेर) में 121.42 हेक्टेयर
    - **मेसर्स जे.के. सीमेंट लिमिटेड -** जैसलमेर जिले (ग्राम - सैला, मोकला, हरचंदराम की ढाणी, खीवरसर, पारेर एवं ग्रामवाटी ग्राम लापोड़ो) में 71.37 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक प्रयोजन के लिए एवं प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए आवंटित।

कांच व सिरेमिक उद्योग :-

- **कच्चा माल :** सोडियम सल्फेट, कांच बालूका (सिलिका सैंड), शोरा (पोटेशियम नाइट्रेट)
- **सर्वाधिक विकास :** धौलपुर, अलवर
- **उत्पादक जिलें :** जयपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर, बून्दी व बीकानेर

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

1. **धौलपुर ग्लास वर्क्स :-** धौलपुर
    - काँच बोतल निर्माण
    - **अधीन :-** गंगानगर शुगर मिल
2. **दी हाईटेक प्रीसिजन ग्लास वर्क्स :-** सार्वजनिक
    - वर्तमान में बन्द
    - **अधीन :-** गंगानगर शुगर मिल
3. **सेमकोर ग्लास इंडस्ट्रीज :-** टीवी की पिक्चर ट्यूब
    - **वर्तमान :** बन्द
    - **कंपनी :** सेमसंग (दक्षिणी कोरिया)
4. **इमर्ज ग्लास फैक्ट्री :-** बहरोड़ (कोटपूतली - बहरोड़)
5. **सेंट गोबेन :-**
    - कहरानी, भिवाडी, (खैरथल - तिजारा)
    - क्लोर ग्लास सेम्पल

- **घिलोट सिरेमिक इण्डस्ट्रीयल जॉन :-** कोटपूतली - बहरोड़
- सिरेमिक प्रयोगशाला, कॉम्पलेक्स (खारा), सेंटर फॉर एक्सीलेंस - बीकानेर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

नमक उद्योग :-

- **सर्वाधिक उत्पादन :** गुजरात > तमिलनाडु > राजस्थान
- **सर्वाधिक नमक उत्पादक जिला :** नागौर
- **झीलों से नमक :** राजस्थान प्रथम
- **नमक उत्पादन :** 70% सार्वजनिक क्षेत्र, 30% निजी क्षेत्र
- **आयोडीन युक्त नमक में :** राजस्थान 2nd
- **देश का सबसे बड़ा आंतरिक नमक उत्पादक क्षेत्र :** सांभर झील
  - **सांभर साल्ट लिमिटेड :** सांभर (जयपुर)
    - **स्थापना -** 1964 ईस्वी
    - **हिस्सेदारी :** केन्द्र : राज्य - 60:40
    - **सहायक कम्पनी -** हिन्दुस्तान साल्ट लिमिटेड
- **राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स (PSU) द्वारा उत्पादन :** डीडवाना, पचपदरा
- **साल्ट रिफाइनरी :** नावां (डीडवाना - कुचामन)
- **प्रयोगशालाएँ :** नावां (डीडवाना - कुचामन) एवं फलोदी

ग्रेनाईट व संगमरमर उद्योग :-

- **राज्य का सबसे बड़ा प्रोसेसिंग सेंटर :** जालौर
- **देश की सबसे बड़ी मण्डी :** किशनगढ़ (अजमेर)
- **संगमरमर का सबसे बड़ा प्रोसेसिंग सेंटर :** किशनगढ़ (अजमेर)

रसायन आधारित उद्योग

राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स

(1) सोडियम सल्फेट वर्क्स, 1964

(2) सोडियम सल्फेट संयंत्र : शुद्ध नमक बनाना

(3) सोडियम सल्फाइट फैक्ट्री : सोडियम सल्फाइट का निर्माण

- **सल्फ्यूरिक एसिड प्लांट –** अलवर
- मोदी अल्केनीज एसिड का उत्पादन
- खेतड़ी तांबा संयंत्र व देबारी जिंक संयंत्र में भी सल्फ्यूरिक
- कैल्शियम कार्बाइड कारखाना : उदयपुर एवं धौलपुर

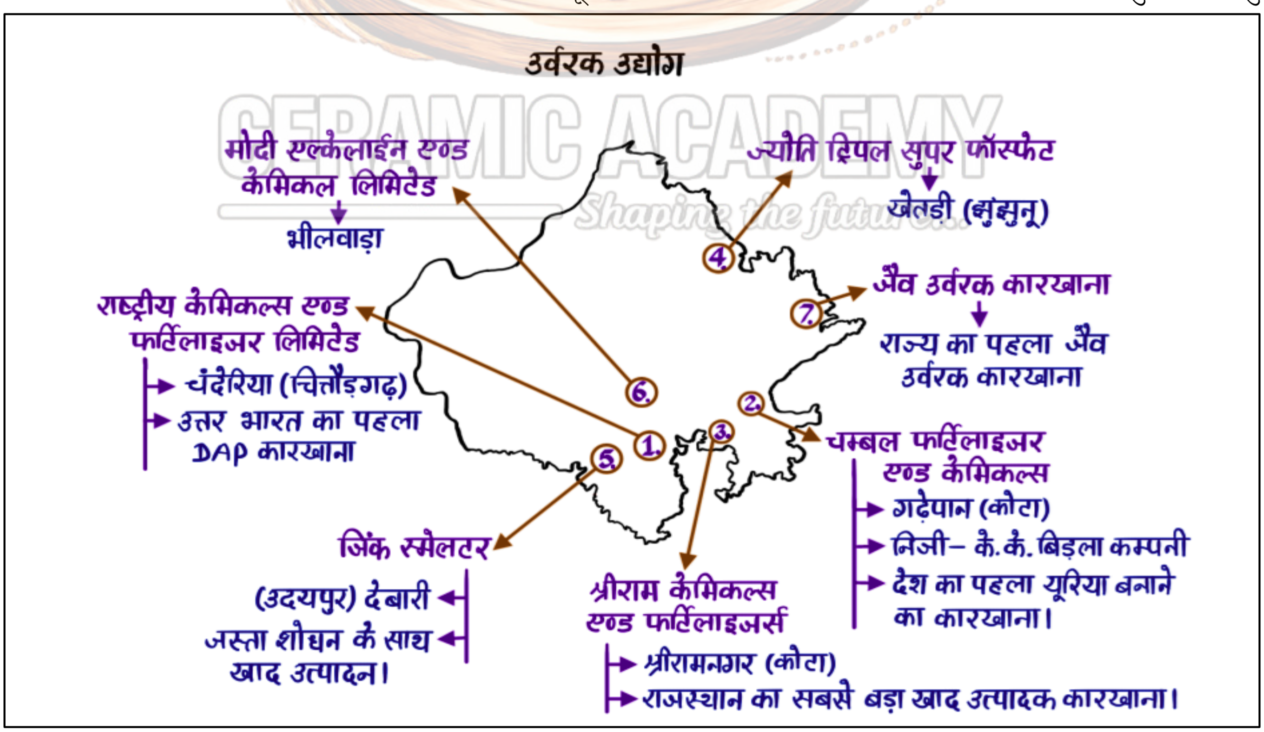

क्र.सं.	उद्योग का नाम	स्थान
1	श्रीराम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल लिमिटेड	रामनगर, कोटा
2	देबारी जिंक स्मेल्टर (रासायनिक खाद उत्पादन)	उदयपुर
3	चम्बल फर्टिलाइज़र एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज (गड़ेपान I, II, III)	गड़ेपान, कोटा
4	उदयपुर फॉस्फेट	उदयपुर
5	कोरोमण्डल इंटरनेशनल लिमिटेड	जगपुरा, कोटा
6	डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड	कोटा
7	जीवन फर्टिलाइज़र	कोटा
8	ज्योति ट्रिपल सुपर फॉस्फेट	खेतड़ी (नीमकाथाना)
9	इंडियन पोटाश लिमिटेड	जयपुर
10	लिबर्टी फॉस्फेट लिमिटेड	उदयपुर
11	अधीशा फॉस्फेट	उमरड़ा (उदयपुर)
12	प्रेम सखी फर्टेक्स लिमिटेड	लकड़वास (उदयपुर)
13	बोहरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड	उमरड़ा (उदयपुर)
14	झामर-कोटडा फर्टिलाइज़र	उदयपुर
15	रामा फॉस्फेट	उमरड़ा (उदयपुर)
16	अरावली फॉस्फेट लिमिटेड	उमरड़ा (उदयपुर)
17	राष्ट्रीय कैमिलक्स एण्ड फर्टीलाइजर्स डी.ए.पी. खाद कारखाना, हिन्दुस्तान जिंक फर्टिलाइज़र	कपासन (चित्तौड़गढ़)
18	अरिहन्त फॉस्फेट एण्ड फर्टिलाइज़र लिमिटेड	निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़)
19	चम्बल फर्टिलाइज़र एण्ड केमिकल लिमिटेड	जयपुर
20	जैव उर्वरक खाद कारखाना (राजस्थान का प्रथम जैव उर्वरक संयंत्र)	भरतपुर
21	गंगानगर फर्टिलाइज़र	श्रीगंगानगर
22	मोदी केमिकल्स	अलवर
23	राजस्थान एक्सप्लोसिव्स एण्ड केमिकल्स (विस्फोटक/डेटोनेटर निर्माण)	धौलपुर
24	हाइटेक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री (काँच उद्योग)	धौलपुर
25	सहकारी कीटनाशक कारखाना	जयपुर
26	टायर-ट्यूब कारखाना	अलवर
27	जे.के. टायर्स (वाहन टायर-ट्यूब)	कांकरोली, राजसमंद
28	श्रीराम रेयॉन्स एण्ड टायर कॉर्ड	कोटा
29	सल्फ्यूरिक एसिड प्लांट	अलवर
30	मोदी अल्कलीज एण्ड केमिकल्स	भीलवाड़ा
31	कृत्रिम रेशम कारखाने	कोटा, गुलाबपुरा, जयपुर, बाँसवाड़ा
32	नोटों की स्याही निर्माण कारखाना	भिवाड़ी (खैरथल-तिजारा)
33	रतनजोत से बायोडीजल	कालरावास (उदयपुर)
34	माचिस कारखाना	कोटा, उदयपुर, फतेहगढ़
35	कैल्शियम कार्बाइट	उदयपुर, धौलपुर
36	पाइराइट एण्ड फॉस्फेट लिमिटेड – सलादीपुरा (सीकर)	सलादीपुरा (सीकर)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

इंजीनियरिंग उद्योग

S.No.	उद्योग/कंपनी	कारखाना	अन्य तथ्य
1.	जयपुर मैटल्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स	जयपुर	▪ निर्माण- बिजली के मीटर ▪ वर्तमान में बन्द
2.	कैप्सटन मीटर कंपनी	जयपुर, पाली	▪ निर्माण: पानी के मीटर
3.	मान इण्डस्ट्रीज	जयपुर	▪ निर्माण: लोहे के टॉवर & ढाँचे निर्माण
4.	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिकस कॉर्पोरेशन	जयपुर	▪ टेलीविजन निर्माण
5.	नेशनल इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज लिमिटेड	जयपुर	▪ बॉल बियरिंग निर्माण ▪ एशिया की सबसे बड़ी कंपनी
6.	सिमको (1957 ई.) वैगन फैक्ट्री	भरतपुर	▪ वर्ष 2000 में बन्द। ▪ वर्ष 2008 में पुनः चालू। ▪ टीटागढ़ वैगन्स कम्पनी द्वारा
7.	वैगन फैक्ट्री	कोटा	▪ बड़ी लाइनों के वैगन का निर्माण
8.	अशोक लीलैण्ड ट्रक कारखाना	अलवर	
9.	अवन्ति स्कूटर्स	अलवर	
10.	होण्डा कार परिवहन	खुशखेड़ा (खैरथल - तिजारा)	▪ कंपनी: होण्डा सिऑल ▪ राज्य का पहला कार उत्पादक
11.	होंडा मोटरसाइकिल व स्कूटर्स लिमिटेड	टपुकड़ा (खैरथल-तिजारा)	
12.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	कांकाणी (जोधपुर)	▪ सैन्य उपकरण: मेंटेनेंस व रिपेयरिंग यूनिट
13.	लोको रेल्वे कारखाना एण्ड कैरिज कारखाना	अजमेर	
14.	मेमू रेल कोच फैक्ट्री	भीलवाड़ा	
15.	फ्लोर्सपार संयंत्र	डूंगरपुर	▪ इस्पात, एल्यूमिनियम संयंत्र
16.	राजस्थान टेलीफोन इण्डस्ट्रीज	भिवाड़ी	
17.	वायरलैस फैक्ट्री	कनकपुरा (जयपुर)	
18.	पिक्चर टयूब	सीलापुरा (जयपुर)	
19.	राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंशन लिमिटेड़	जयपुर	

केबल उद्योग

- कोटा, जयपुर, नोखा (बीकानेर), पाली
- **हैवल्स केबल फैक्ट्री:** अलवर, (देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड फैक्ट्री)
- **हैवल्स वाटर हीटर:** नीमराणा (कोटपूतली - बहरोड़)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

स्वामित्व के आधार पर उद्योग

केन्द्रीय औद्योगिक उपक्रम :-

केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित				
	उपक्रम	स्थापना	सहयोग	अन्य तथ्य
1.	हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड	1966 ईस्वी, देबारी (उदयपुर)		▪ उत्पादन : सीसा - जस्ता व चाँदी, सल्फ्यूरिक एसिड (भारत की सबसे बड़ी) ▪ वर्तमान संचालन : वेदांता ग्रुप ▪ अन्य संयंत्र : जिंक स्मेलटर - देबारी (उदयपुर) ▪ सीसा - जस्ता स्मेलटर- चंदेरिया (चितौड़) ▪ दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्पलेक्स - दरीबा (राजसंमद)
2.	हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड	1967 ई., खेतड़ी (झुन्झुनूं)	USA	▪ तीन परियोजनाएँ अधीन: (i) खेतड़ी कॉपर कॉम्पलेक्स : खेतड़ी (झुन्झुनूं) (ii) खो- दरीबा ताम्र परियोजना : अलवर (iii) चांदमारी ताम्र परियोजना : झुन्झुनूं
3.	हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (HMT)	1967 ई., अजमेर	चेकोस्लोवाकिया	वर्तमान में बन्द।
4.	हिन्दुस्तान साल्ट लि० (HSL)	1964 ई., जयपुर	सांभर साल्ट लिमिटेड (SSL)	▪ साझेदारी : HSL : SSL ▪ 60% : 40%
5.	इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड	1964 ई., कोटा	रूस	▪ वर्तमान में बन्द
6.	राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड	1981 ई., कनकपुरा (जयपुर)		▪ निर्माण : टेलीविजन व अन्य उपकरण ▪ साझेदारी : केन्द्र : राज्य = 51 : 49 ▪ सहायक कंपनी : इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (कोटा)
7.	मॉर्डन बेकरीज इंडिया लिमिटेड	1965 ई., जयपुर		▪ ब्रेड का कारखाना ▪ वर्तमान में अधीन :- हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
8.	राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड	1978 ई., जयपुर		▪ सहयोग :- IDPL & RIICO
9.	राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	RSMML & RFC चंदेरिया (चित्तौड़गढ़)	ब्रिटेन	

राज्य वैधानिक बोर्ड द्वारा गठित :-

- राजस्थान वित्त निगम- 1955
- राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम- 1964 (1 अक्टूबर)
- राजस्थान राज्य हाउसिंग बोर्ड निगम- 1970
- राज्य कृषि विपणन बोर्ड- 1974
- राजस्थान भूमि विकास निगम- 1975
- कृषि भण्डारण निगम- 1957

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

'पंच-गौरव'

क्र.स.	जिला	उपज	प्रजाति	उत्पाद	पर्यटन स्थल	खेल
1.	अजमेर	गुलाब	नीम	ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद	पुष्कर तीर्थ	कबड्डी
2.	अलवर	प्याज	अर्जुन	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	सरिस्का टाइगर रिजर्व	कुश्ती
3.	बालोतरा	अनार	रोहिड़ा	टैक्सटाइल उत्पाद	नाकोड़ा जैन मंदिर	क्रिकेट
4.	बांसवाड़ा	आम	सागवान	ग्रेनाइट/मार्बल के उत्पाद	त्रिपुर सुंदरी मंदिर	तीरंदाजी
5.	बारां	लहसुन	चिरौंजी	लहसुन (गार्लिक) प्रोडक्ट	रामगढ़ क्रेटर	फुटबॉल
6.	बाड़मेर	ईसबगोल	रोहिड़ा	कशीदाकारी	किराडू मंदिर	बास्केटबॉल
7.	ब्यावर	गेहूँ	करंज	क्वार्टज एवं फेल्डस्पार पाउडर	टोडगढ़ पहाड़ी	हॉकी
8.	भरतपुर	शहद	कदम्ब	कृषि आधारित उत्पाद	केवलादेव नेशनल पार्क	कुश्ती
9.	भीलवाड़ा	संतरा	अर्जुन	टेक्सटाईल उत्पाद	मांडलगढ़ किला	बास्केटबॉल
10.	बीकानेर	मोठ	रोहिड़ा	बीकानेरी नमकीन	करणी माता मंदिर	तीरंदाजी
11.	बूंदी	चावल	धोक	सेंडस्टोन	रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व	कबड्डी
12.	चित्तौडगढ़	सीताफल	बील पत्र	ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद	चित्तौड़गढ़ दुर्ग	कबड्डी
13.	चूरू	ग्वारपाठा	खेजड़ी	लकड़ी के उत्पाद	सालासर बालाजी मंदिर	एथलेटिक्स
14.	दौसा	सौंफ	ढ़ाक	पत्थर के उत्पाद	मेहंदीपुर बालाजी मंदिर	फुटबॉल
15.	डीग	सरसों	अर्जुन	स्टोन आधारित उत्पाद	डीग महल	कुश्ती
16.	धौलपुर	आलू	करंज	स्टोन आधारित उत्पाद	मचकुंड	हॉकी
17.	डीडवाना- कुचामन	प्याज	खेजड़ी	मार्बल एवं ग्रेनाइट के उत्पाद	डीडवाना झील	बास्केटबॉल
18.	डूंगरपुर	आम	सागवान	मार्बल के उत्पाद	बेणेश्वर धाम	हॉकी
19.	श्रीगंगानगर	किन्नू	शीशम	सरसों तेल	बुढ़ा जोहड़	एथलेटिक्स
20.	हनुमानगढ़	किन्नू	शीशम	कृषि आधारित उत्पाद	गोगामेड़ी मंदिर	हॉकी
21.	जयपुर	आंवला	लेसुआ/लिसोड़ा	रत्नाभूषण	आमेर दुर्ग	कबड्डी
22.	जैसलमेर	खजूर	पीलू जाल	येलोस्टोन के उत्पाद	जैसलमेर दुर्ग	जिम्नास्टिक
23.	जालौर	अनार	पीलू जाल	ग्रेनाईट के उत्पाद	सुंधा माता मंदिर	बॉक्सिंग
24.	झालावाड़	संतरा	सागवान	कोटा स्टोन के उत्पाद	गागरोन दुर्ग	बास्केटबॉल
25.	झुंझुनूं	सरसों	नीम	लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद	लोहार्गल तीर्थ	बास्केटबॉल
26.	जोधपुर	जीरा	पीलू जाल	लकड़ी के फर्नीचर	मेहरानगढ़ दुर्ग	जिम्नास्टिक
27.	करौली	तिल	बरगद	सेंडस्टोन के उत्पाद	कैलादेवी मंदिर	क्रिकेट
28.	खैरथल-तिजारा	प्याज	शीशम	ऑटोमोबाईल पार्ट्स	तिजारा जैन मंदिर	कुश्ती
29.	कोटा	धनिया	खैर	कोटा डोरिया	चम्बल रिवर फ्रन्ट	कुश्ती
30.	कोटपूतली – बहरोड़	गाजर	गूगल	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	बैराठ	कुश्ती
31.	नागौर	मूंग	खेजड़ी	पान मैथी एवं मसाला प्रसंस्करण	मीराबाई स्मारक	कबड्डी
32.	पाली	मेहंदी	नीम	टेक्सटाईल के उत्पाद	रणकपुर जैन मंदिर	बास्केटबॉल

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.स.	जिला	उपज	प्रजाति	उत्पाद	पर्यटन स्थल	खेल
33.	फलौदी	जीरा	पीलू जाल	सोनामुखी के उत्पाद	खींचन	एथलेटिक्स
34.	प्रतापगढ़	कलौंजी	तेंदू	थेवा आभूषण	सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य	तीरंदाजी
35.	राजसमंद	सीताफल	नीम	ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद	कुम्भलगढ़ किला	हॉकी
36.	सलूम्बर	मक्का	पलाश	क्वार्ट्ज	जयसमंद झील	कबड्डी
37.	सवाईमाधोपुर	अमरुद	नीम	मार्बल के उत्पाद	रणथम्भौर नेशनल पार्क	फुटबॉल
38.	सीकर	प्याज	अरडू	लकड़ी के फर्नीचर	खाटूश्याम जी मंदिर	बास्केटबॉल
39.	सिरोही	सौंफ	महुआ	मार्बल के उत्पाद	देलवाड़ा जैन मंदिर	तीरंदाजी
40.	टोंक	सरसों	अमलतास	स्लेट स्टोन के उत्पाद	डिग्गी कल्याण जी	एथलेटिक्स
41.	उदयपुर	सीताफल	महुआ	मार्बल व ग्रेनाइट के उत्पाद	फतेहसागर एवं पिछोला झील	तैराकी

- **पंच गौरव कार्यक्रम** के तहत राज्य के पांच जिलों में विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी है।
- **स्वीकृति –** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम से जुड़ी उच्चस्तरीय समिति द्वारा।

जिला	दौसा	चूरू	डीडवाना-कुचामन	फलौदी	बालोतरा
परियोजना	टेक्नोलॉजी फैसिलिटेशन सेंटर	कॉमन ODOP कटिंग एवं सीजनिंग सुविधा केंद्र	CNC मशीन एवं टेक्नोलॉजी सेंटर	कॉमन क्लाइमेट-कंट्रोल्ड वेयरहाउसिंग फैसिलिटी	टेक्सटाइल डिजिटल प्रिंटिंग कॉमन फैसिलिटी सेंटर
उद्देश्य	पत्थर आधारित उत्पादों की गुणवत्ता सुधार के लिए।	लकड़ी से संबंधित उत्पादों की कटिंग और सीजनिंग के लिए।	स्टोन प्रोसेसिंग के लिए।	सोनामुखी के लिए।	वस्त्र उत्पादों में आधुनिक तकनीक से डिजाइन आदि सुधारने के लिए।
लागत	₹ 3.30 करोड़ र	₹ 2.5 करोड़	₹ 5.05 करोड़	₹ 2.35 करोड़	₹ 5 करोड़

औद्योगिक विकास के प्रयास

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) —

- रीको (RIICO) द्वारा क्रियान्वयन
- राजस्थान में सर्वाधिक SEZ जयपुर में स्थित हैं।

प्रमुख सेज	सम्बन्धित क्षेत्र	जिला
बोरानाडा सेज	ग्वारगम, हैण्डीक्राफ्ट	मानसरोवर, जोधपुर
सीतापुरा सेज	जेम्स & ज्वैलरी	जयपुर
महिन्द्रा सेज	आई. टी., हैण्डीक्राफ्ट	कलवाड़ा, जयपुर
सोमानी सेज	हार्डवेयर एण्ड सॉफ्टवेयर	खैरथल - तिजारा
RNB सेज	टैक्सटाईल	बीकानेर
वाटिका सेज (प्रस्तावित)	IT (सूचना प्रौद्योगिकी) और ITeS (IT-सक्षम सेवाओं)	जयपुर

औद्योगिक पार्क व कॉम्पलेक्स :-

1. **जापानी, पार्क / जापानी जोन**
   - **नीमराणा (कोटपूतली - बहरोड़)**
   - **JETRO (जापानी बाह्य व्यापार संगठन)** ने अपना पहला औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया।
2. **साउथ कोरियन इण्डस्ट्रियल जोन**
   - घिलोट (नीमराणा, कोटपूतली - बहरोड़)
   - ग्लास व सिरेमिक हब
   - RIICO & KOTRA द्वारा (Korea Trade Promotion Agency)
3. **एग्रो फूड पार्क :** RIICO द्वारा, (कृषि खाद्य पार्क)
   (i) **रानपुर :** कोटा
   (ii) **मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र :** अलवर
   (iii) **बोरनाडा :** जोधपुर
   (iv) **उद्योग विहार :** श्रीगंगानगर
   (v) **प्रस्तावित :** झालावाड़
   (vi) **प्रस्तावित :** सांचौर
4. **मिनी एग्रो पार्क** – अनूपगढ़, श्रीगंगानगर (प्रस्तावित)
5. **ग्रीन टेक मेगा फूड पार्क :** रूपनगढ़ अजमेर (राजस्थान का पहला मेगा फूड पार्क)
6. **मेगा फूड पार्क :** मथानिया (जोधपुर), पलाना (बीकानेर) (प्रस्तावित)
7. **कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र :** तिंवरी (जोधपुर) RIICO द्वारा
8. **मसाला पार्क :**
   - **रामपुरा भाटियान :** जोधपुर (पहला)
   - **रामगंज मंडी :** कोटा (2nd)
9. **स्टोन पार्क :**
   - बिशनोदा, धौलपुर
   - मंडोर, जोधपुर
   - मंडाना, कोटा
   - करौली
   - दौसा
   - कछालिया (RIICO द्वारा) - बूंदी
10. **बायो टेक्नोलॉजी पार्क**
    - सीतापुरा (जयपुर)
    - चोपांकी (भिवाड़ी)
    - बोरुन्दा, जोधपुर
11. **एपैरल पार्क :**
    - वस्त्र निर्माण निर्यातक इकाई
    - महल - जगतपुरा (जयपुर)
    - भिवाड़ी (खैरथल - तिजारा)
12. **अर्थ स्टेशन**
    - सेटेलाइट से तीव्र संपर्क
    - सीतापुरा (जयपुर), बोरनाडा (जोधपुर)
13. **साइबर पार्क :** जोधपुर (RIICO) द्वारा
14. **सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क :** कनकपुरा (जयपुर)
15. **पुष्प पार्क :** खुशखेड़ा (खैरथल-तिजारा)
16. **वर्ल्ड ट्रेड पार्क :** जयपुर
17. **फिनटेक पार्क:** जोधपुर
18. **सूचना तकनीकी (IT) पार्क :** जयपुर
19. **जैम्स बोर्स पार्क :-** सीतापुरा, जयपुर
20. **सौर पैनल पार्क:-** काकाणी, जोधपुर
    - गुण्डी फतेहपुर औद्योगिक क्षेत्र (कोटा) :- स्टोन, एग्रो, इंजीनियरिंग
    - दिल्ली–मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट सलावपुर और बिजून में लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए गए हैं।
21. **ऑटो & इलेक्ट्रोनिक्स हब :-** सालरपुर औद्योगिक पार्क, भिवाड़ी
22. **मेगा जिंक पार्क -**
    - **स्थापना**-कांखला (भीलवाड़ा)
    - **निवेश** -₹1 लाख करोड़

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

- **कंपनी -** वेदांता समूह (राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट
- समिट-2024 के दौरान राज्य सरकार के साथ MOU)
- उत्तर भारत में अपनी तरह का पहला जिंक पार्क होगा, जिसमें
- सिर्फ जिंक वेल्यू चेन से जुड़ी हुई कंपनियां अपना प्लांट लगाएंगी।

23. **लघु खनिज कॉम्पलेक्स/पार्क –** करौली, धोहिंडा (राजसमंद), मित्रपुरा (सवाईमाधोपुर)
24. **होजरी कॉम्पलेक्स :** चौपांकी (खैरथल - तिजारा)
25. **चमड़ा कॉम्पलेक्स**
    - मानपुर माचेड़ी : जयपुर
    - सीतापुरा (जयपुर)
    - भिवाड़ी (खैरथल - तिजारा)
26. **इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पलेक्स :** इलेक्ट्रिक हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क - कूकस (जयपुर)
27. **कोटा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स –** कोटा
28. **ऊन कॉम्पलैक्स -** खारा (बीकानेर), ब्यावर, गोहना (ब्यावर), नरबदखेड़ा
29. **सिरेमिक कॉम्पलैक्स -** खारा (बीकानेर)
30. **पेट्रो कॉम्पलैक्स –** बालोतरा
31. **सिरेमिक पार्क -** सोनियाणा (चित्तौड़गढ़), गजनेर औद्योगिक पार्क, बीकानेर
32. **स्टोन पार्क -** निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ.), बूंदी
33. **खिलौना पार्क –** कोटा
34. **फार्मा पार्क -** DMIC (दिल्ली मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर)
35. **मेडिटेक मेडिकल डिवाइसेज पार्क -** बोरानाडा (जोधपुर)

संस्था एवं सेंटर

1. **सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजिनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी -** जयपुर
2. **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT) -** जोधपुर
3. **फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट -** जोधपुर
4. **नेशनल ट्रेनिंग सेंटर फॉर वुड टेक्नॉलॉजी एवं डिजाइन -** जोधपुर
5. **हैंडलूम डिजायन, डेवलपमेंट एण्ड ट्रेनिंग सेंटर -** नागौर
6. **सेन्टर फॉर ज्वैलरी डिजाइन एण्ड ट्रेनिंग -** जेम्स बोर्ड (जयपुर)
7. **अमृत ग्लोबल टेक्नोलॉजी & एप्लीकेशन सेंटर (जयपुर):-** IT, Fintech, AI
8. **देश का पहला कार मॉल -** देवमाली (ब्यावर)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

औद्योगिक जोन

1. **चडुआल जोन (सिरोही) :-** एग्रो & स्टोन इंडस्ट्रीज
2. **झक जोन (जोधपुर) :-** लाइमस्टोन आधारित इंडस्ट्रीज
3. **महुआ कलां जोन (भीलवाड़ा) :-** इंजीनियरिंग & टेक्सटाइल
4. **मलसीसर जोन (झुंझुनू) :-** एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग, स्टोन आधारित उद्योग
5. **नाडोल जोन (पाली) :-** एग्रो आधारित एंड फूड प्रोसेसिंग, फेब्रिकेशन एंड आयरन-स्टील वर्क्स
6. **वरकाना जोन (पाली) :-** एग्रो आधारित एंड फूड प्रोसेसिंग, फेब्रिकेशन
7. **भहुआ जोन (उदयपुर) :-** स्टोन आधारित, एग्रो आधारित एंड फूड प्रोसेसिंग
8. **डग उमरिया जोन (झालावाड़) :-** स्टोन एंड फूड आधारित
9. **रूपाहेली जोन (भीलवाड़ा) :-** वस्त्र आधारित उद्योग
10. **बिचून जोन (जयपुर) :-** इलेक्ट्रोनिक्स इंडस्ट्रीज
11. **हुक्कन निमोदिया औद्योगिक जोन :-** जयपुर
12. **स्पोर्ट्स गुड्स & टॉयज जोन –** खुशखेडा, खैरथल-तिजारा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

गैस पे-जोन की खोज(24 मई,2026)

- **स्थान:** जैसलमेर के डांडेवाला फील्ड के सानू फॉर्मेशन में
- **खोज:** सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने
- कंपनी के अनुसार, डांडेवाला फील्ड में सानू फॉर्मेशन से पहली बार प्राकृतिक गैस का प्रवाह शुरू हुआ है, जिससे क्षेत्र की हाइड्रोकार्बन संभावनाओं को नया बल मिला है।
- नए गैस क्षेत्र से वर्तमान में लगभग 25 हजार स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रतिदिन प्राकृतिक गैस का उत्पादन हो रहा है।

औद्योगिक पार्क्स एवं विशेष निवेश क्षेत्र (राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2025-26)

राजस्थान पेट्रो जोन (आर.पी.जेड.)

- एच.पी.सी.एल. राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एच.आर.आर.एल.) के डाउनस्ट्रीम उत्पादों के बेहतर उपयोग हेतु 700 हेक्टेयर भूमि पर राजस्थान पेट्रो जोन (आर.पी.जेड.) विकसित किया जा रहा है।
- आर.पी.जेड. का प्रथम चरण सितम्बर 2025 में डाउनस्ट्रीम पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिए आवंटन हेतु प्रारम्भ किया गया है।
- अल्प पूंजी के साथ न्यूनतम समय में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतु आर.पी.जेड. में 8 प्लग एंड प्ले फैक्ट्री शेड्स की योजना बनाई गई है, जिनमें से 2 शेड्स का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है।

इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क

- पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट से संसाधनों की पुर्नप्राप्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क ग्राम थौलाई, तहसील जमवारामगढ़, जयपुर में 48.21 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किया गया है।
- **दूसरा पार्क** गुण्दी-फतेहपुर, रामगंज मंडी, कोटा में 21.09 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया गया है।

गुण्दी-फतेहपुर, कोटा: में 18.83 हेक्टेयर भूमि पर एक **स्टोन पार्क की स्थापना** की गई है।

सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग पार्क

- कंकाणी औद्योगिक क्षेत्र, जोधपुर में 41 हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग पार्क स्थापित किया गया है।

राज्य में उपलब्ध प्रचुर कच्चे माल का उपयोग करने तथा सिरेमिक एवं ग्लास उद्योगों में निवेश आकर्षित करने के लिए रीको द्वारा दो प्रमुख सिरेमिक जोन विकसित किये जा रहे हैं-

[i] **सोनियाना सिरेमिक एवं ग्लास जोन, चित्तौड़गढ़** [ii] **गजनेर सिरेमिक एवं ग्लास जोन, बीकानेर**

हस्तशिल्प एवं फर्नीचर पार्क, जोधपुर:

- हस्तशिल्प एवं फर्नीचर उद्योग राजस्थान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें जोधपुर एक प्रमुख निर्यात केन्द्र के रूप में उभर रहा है।
- इस उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको द्वारा बोरानाडा एक्सटेंशन औद्योगिक क्षेत्र जोधपुर में 161.75 एकड़ भूमि पर हस्तशिल्प एवं फर्नीचर पार्क का विकास किया गया है।

अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास: यूनिटी मॉल (पी.एम. एकता मॉल)

- भारत सरकार द्वारा यूनिटी मॉल की स्थापना हेतु ₹202 करोड़ की स्वीकृति प्रदान औद्योगिक, खनन एवं आर्थिक वृद्धि की गई है।
- रीको द्वारा यूनिटी मॉल परियोजना के लिए जयपुर में 19,987 वर्ग मीटर भूमि उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को आवंटित की गई है।
- इस परियोजना के क्रियान्वयन हेतु रीको को कार्यकारी एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

औद्योगिक निवेश कार्यक्रम

निवेश कार्यक्रम / समिट (Summit)	आयोजन समय / तिथि	स्थान
रिसर्जेंट राजस्थान (Resurgent Rajasthan)	वर्ष 2008	जयपुर
निवेश / इन्वेस्ट राजस्थान समिट	7-8 अक्टूबर, 2012	जयपुर
रिसर्जेंट राजस्थान पार्टनरशिप समिट	नवम्बर, 2015	जयपुर
राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट	9-11 दिसम्बर, 2024	JECC, जयपुर
राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव	11-12 दिसम्बर, 2025	जयपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनेवेस्टमेंट सम्मिट (आयोजन - जयपुर, JECC)

- **JECC -** जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर
- **राइजिंग राजस्थान की थीम -** Replete, Responsible, Ready (R3)
- **उद्देश्य -** अगले 5 वर्षों में राजस्थान को 350 B$ की अर्थव्यवस्था बनाना।
- **निवेश कार्यक्रम का आयोजन करवाने वाली नोडल एजेंसी** :BIP-(गठन-1991)
- **BIP** :ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन
- **उद्देश्य:** 10 करोड़. से अधिक के औद्योगिक निवेश

क्रियान्वयन विभाग	एम.ओ.यू./प्रोजेक्ट की कुल संख्या	क्रियान्वयन विभाग	निवेश प्रस्ताव (₹ करोड़)
उद्योग	4340	ऊर्जा	2827421
कृषि	2352	उद्योग	225575
पर्यटन	1245	शहरी विकास एवं आवासन	106724
ऊर्जा	812		

औद्योगिक संस्थान

1. राजस्थान वित्तीय निगम (Rajasthan Financial Corporation - RFC)

स्थापना	17 जनवरी, 1955 (SFC एक्ट, 1951 के तहत)
मुख्यालय	उद्योग भवन, जयपुर
मुख्य उद्देश्य	राज्य में अतिलघु (Micro), लघु (Small) एवं मध्यम (Medium) उद्योगों को मध्यम एवं दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध करवाना
ऋण सीमा (Loan Limit)	**न्यूनतम:** ₹2,000 से लेकर अधिकतम: ₹20 करोड़ तक

✦ **RFC की प्रमुख योजनाएँ**

- **फ्लैक्सी ऋण योजना (Flexi Loan Scheme):** अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड वाले MSME उद्योगों को सरल शर्तों और कम/सस्ती ब्याज दरों पर त्वरित ऋण उपलब्ध कराना।
- **टॉप-अप योजना (Top-Up Loan Scheme):** पूर्व से चल रहे उद्योगों को उनके आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन या मशीनरी विकास के लिए अतिरिक्त ऋण देना।
- **सैमफैक्स योजना (SEMFEX Scheme):** पूरा नाम Self Employed for Ex-Servicemen है। इसके तहत भूतपूर्व सैनिकों (Ex-Servicemen) को स्वयं का उद्योग/रोजगार स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।
- **गुड बॉरोअर्स (Good Borrowers) कार्ड स्कीम:** RFC अपने नियमित और समय पर ऋण चुकाने वाले (विश्वसनीय) ऋणियों को उनके टर्नओवर और रीपेमेंट के आधार पर तीन श्रेणियों के विशेष कार्ड जारी करता है, जिससे उन्हें आगे लोन लेने में प्राथमिकता और ब्याज में छूट मिलती है:
  1. **सिल्वर कार्ड (Silver Card)**
  2. **गोल्ड कार्ड (Gold Card)**
  3. **प्लेटिनम कार्ड (Platinum Card)**

2. राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (RAJSICO)

स्थापना	3 जून, 1961 (कंपनी अधिनियम के तहत गठित) **नोट:** वर्ष 1975 में इसे पब्लिक लिमिटेड कंपनी का दर्जा मिला
मुख्यालय	उद्योग भवन, जयपुर
मुख्य उद्देश्य	राज्य के लघु उद्योगों एवं हस्तशिल्पियों/कारीगरों को वित्तीय, तकनीकी, कच्चे माल और विपणन (मार्केटिंग) की सहायता देना

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **राजसिको (RAJSICO) के कार्य और उद्देश्य**

- **कच्चा माल व मशीनरी:** यह निगम लघु औद्योगिक इकाइयों को रियायती व सुलभ दरों पर उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा माल (जैसे लोहा, स्टील, कोयला आदि) और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराता है।
- **उत्पादों का विपणन (Marketing):** लघु उद्योगों और स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प (Handicrafts) उत्पादों को सीधे खरीदकर देश-विदेश में बेचने का काम करता है।
- राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड (आर.एस.आई.सी.) जयपुर, उदयपुर, दिल्ली और कोलकाता में राजस्थली आउटलेट्स के माध्यम से राज्य के कारीगरों की हस्तशिल्प वस्तुओं का विपणन करता है।
  - आर.एस.आई.सी. विभिन्न सरकारी विभागों को कांटेदार तार, टेंट, तिरपाल, स्टील फर्नीचर, पॉलीथीन बैग और एंगल आयरन पोस्ट जैसे उत्पादों की आपूर्ति करके लघु उद्योगों को बढ़ावा देता है।
- **रोजगार व प्रशिक्षण (Training):** आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के बुनकरों एवं हस्तशिल्पियों (जैसे- कालीन/गलीचा निर्माण, ब्लॉक प्रिंटिंग आदि) को कौशल उन्नयन के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।
- **निर्यात अवसंरचना (Inland Container Depots - ICD):** राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राजसिको द्वारा जयपुर (कनकपुरा), जोधपुर (भगत की कोठी), भीलवाड़ा में शुष्क बंदरगाह (Inland Container Depots) और जयपुर में एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स का संचालन किया जाता है।
  - **राजसीको ने आयातकों एवं निर्यातकों को सुविधा प्रदान करने के लिए:** एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स, राजसीको, सांगानेर (जयपुर) से बॉन्डेड ट्रक सुविधा भी प्रारंभ की गई है।

3. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (RIICO)

मूल स्थापना	28 मार्च, 1969 (RSIMDC के रूप में - खनिज और औद्योगिक विकास दोनों साथ था)
स्वतंत्र पुनर्गठन	1 जनवरी, 1980 (खनिज को अलग कर केवल औद्योगिक विकास के लिए 'RIICO' बना)
मुख्यालय	उद्योग भवन, जयपुर
संस्थागत दर्जा	यह राजस्थान में औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे (Infrastructure) के लिए शीर्ष संस्था (Apex Body) है।

✦ **रीको (RIICO) के कार्य और उद्देश्य**

- **बुनियादी ढांचा और भूमि आवंटन:** राज्य भर में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करना और उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि/प्लॉट अधिग्रहित कर आवंटित करना।
- **वित्तीय सहायता:** राजस्थान में मध्यम एवं वृहद उद्योगों को दीर्घकालिक वित्तीय ऋण और इक्विटी सहायता प्रदान करना।
- **विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) का संचालन:** राज्य में विशिष्ट औद्योगिक विकास के लिए सेज (SEZ) जैसे- महिंद्रा वर्ल्ड सिटी (जयपुर), सीतापुरा जेम्स एंड ज्वेलरी सेज आदि का विकास और संचालन करना।
- **विशिष्ट पार्क (Specialized Parks):** रीको द्वारा राज्य में एग्रो-फूड पार्क, ईपीआईपी (EPIP), जापानी ज़ोन (नीमराना), और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे थीम-बेस्ड पार्कों का विकास किया जाता है।
- **रिफाइनरी डाउनस्ट्रीम डिस्ट्रिक्ट्स:** रीको द्वारा बाड़मेर (पचपदरा) रिफाइनरी के पास पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल्स निवेश क्षेत्र (PCPIR) का विकास तेजी से किया जा रहा है।
- **सिंगल विंडो और वन स्टॉप शॉप:** रीको बड़े निवेशकों को कस्टमाइज्ड पैकेज और निवेश प्रोत्साहन देने के लिए ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (BIP) के साथ मिलकर काम करता है।

4. ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण (RUDA)

स्थापना	नवम्बर, 1995 (राजस्थान सरकार द्वारा सोसायटिज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1958 के तहत स्थापित)
मुख्यालय	सहकार भवन,जयपुर
मुख्य उद्देश्य	ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के अलावा अन्य गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर दस्तकारों व ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी स्वरोजगार और आजीविका के साधन विकसित करना

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **रूडा (RUDA) के प्रमुख प्रशिक्षण एवं कार्य क्षेत्र-** यह संस्था मुख्य रूप से क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाकर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल के आधार पर निम्नलिखित **3 प्रमुख उप-क्षेत्रों में प्रशिक्षण और सहायता** प्रदान करती है – [1] चर्म उद्योग [2] ऊन एवं वस्त्र उद्योग [3] लघु व गौण खनिज उद्योग
- **विपणन सहायता (Marketing Support):** रूडा द्वारा प्रशिक्षित दस्तकारों के उत्पादों की बिक्री के लिए 'गांधी शिल्प बाजार', 'क्राफ्ट बाजार' और प्रदर्शनियों (Exhibitions) का आयोजन किया जाता है।
- **भौगोलिक संकेतक (GI Tag):** रूडा ने राजस्थान के कई पारंपरिक शिल्पों (जैसे कोटा डोरिया, पोकरण टेराकोटा, ब्लू पॉटरी) को अंतरराष्ट्रीय पहचान और GI टैग दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

औद्योगिक विकास के लिए नीतियाँ

राजस्थान इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट पॉलिसी-2026

- यह चार रणनीतिक स्तंभों पर आधारित है – G4 (ग्रीन, गवर्नेंस, ग्रोथ और ग्लोबलाइजेशन)
- **प्रमुख लक्ष्य -** राज्य की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2028-29 तक 350 बिलियन डॉलर तक पहुँचाना।
- इस नीति के तहत प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल औद्योगिक उत्पादन, अक्षय ऊर्जा तथा सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- नीति के माध्यम से रीको (RIICO) एवं नॉन रीको क्षेत्रों में CETP (Common Effluent Treatment Plant) की स्थापना के लिए नई योजनाएँ लाई जाएंगी तथा नए इंटीग्रेटेड रिसोर्स रिकवरी पार्क की स्थापना भी की जाएगी।
- DMIC कॉरिडोर में नोड आधारित औद्योगिक पार्कों के विकास का कार्य प्रारम्भ किया जाएगा।

राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति, 2026 -

- औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति प्रधानमंत्री के **'राइजिंग, रिलायबल एण्ड रिसेप्टिव राजस्थान'** के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक निवेश के इको-सिस्टम को मजबूत करने का प्रयास है।
- औद्योगिक पार्कों की अवसंरचना के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा पार्क की सीमा तक जल एवं विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, औद्योगिक पार्क तक सड़क एवं सम्पर्क मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा।
  - इसके लिए 60% राज्य सरकार एवं 40% व्यय विकासकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा तथा इसमें राज्य सरकार का अधिकतम अंशदान 3 करोड़ तक होगा।
- इस नीति के तहत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20% पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा।
  - **इसकी अधिकतम सीमा है -**

100 एकड़ तक के पार्क के लिए	100 से 250 एकड़ के लिए	250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के लिए
20 करोड़ रुपये	30 करोड़ रुपये	40 करोड़ रुपये

- इसके लिए CETP पर व्यय का 50% प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपये प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।
- राज निवेश पोर्टल से औद्योगिक पार्क का अनुमोदन होगा।
  - राज निवेश पोर्टल पर औद्योगिक पार्क स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी सभी के लिए उपलब्ध होगी।
  - इस पोर्टल के माध्यम से आवेदकों को सिंगल विंडो क्लीयरेंस मिलेगी।
- कैप्टिव नवीकरणीय ऊर्जा पर 7 वर्ष तक 100% विद्युत शुल्क छूट, स्टाम्प शुल्क एवं कन्वर्जन शुल्क में 25% छूट या प्रतिपूर्ति तथा प्लग एंड-प्ले ऑफिस कॉम्प्लेक्स एवं कॉमन यूटिलिटी सेंटर के लिए रिप्स-2024 के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी सम्मिलित हैं।
- **इस नीति के तहत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए चार विकास मॉडल निर्धारित किए गए हैं-**
  (1) **मॉडल-ए** के तहत पूर्णतः रीको द्वारा आवंटित भूमि पर विकास किया जाएगा।
  (2) **मॉडल-बी** के तहत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा अधिग्रहण की जाएगी एवं शेष 20% भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध होगी।
  (3) **मॉडल-सी** के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी।
  (4) **मॉडल-डी** पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।
- निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

औद्योगिक इकाई के लिए भूमि आवंटन, स्टील वैल्यू चैन को मजबूती मिलेगी -

- मैसर्स ग्रोथ इण्डस्ट्रीयल मिनरल्स प्रा. लि. को ग्राम रामल्यावार्स, तहसील नीमकाथाना में औद्योगिक प्रयोजन के लिए 53 हेक्टेयर की भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के प्रावधानों के तहत आवंटित करने का निर्णय लिया गया है।

'राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी' 2026

- यह प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर पॉलिसी हैं।
- **उद्देश्य –** सेमीकंडक्टर और सेंसर्स के क्षेत्रों में एंकर निवेश को आकर्षित करना, विश्व-स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का विकास करना तथा फैबलेस डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है।
- राज्य को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाना।
- सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी एवं कौशल संवर्धन,रिसर्च एवं डेवलपमेंट तथा टैक्नोलॉजी ट्रांसफर को भी इस नीति के माध्यम से बढ़ावा दिया जाएगा।
- इस नीति के तहत सेमीकंडक्टर पार्कों में अक्षय ऊर्जा, जल दक्षता, पुनर्चक्रण और सर्कुलर पहलों के माध्यम से ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन** के तहत अनुमोदित परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे –
  - सात वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत-प्रतिशत छूट, स्टाम्प शुल्क भू-रूपांतरण शुल्क में 75% छूट तथा 25% पुनर्भरण।
  - पूंजी सब्सिडी के 60% के समतुल्य पूंजी अनुदान राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाएंगे।
  - पूंजीगत निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैंकों अथवा वित्तीय संस्थानों से लिए गए टर्म लोन पर 5% ब्याज अनुदान भी उपलब्ध होगा।
  - पर्यावरणीय परियोजनाओं की लागत का 50% तक प्रतिपूर्ति, कैप्टिव पावर प्लांट के लिए सात वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत-प्रतिशत छूट तथा राजस्थान ग्रीन रेटिंग सिस्टम के तहत प्रमाणित इकाइयों को सहमति शुल्क में 50% की छूट प्रदान की जा सकेगी।
- इसके साथ ही रोजगार सृजन प्रोत्साहन, स्किल एवं ट्रेनिंग इन्सेंटिव, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी क्रिएशन इन्सेंटिव और क्वालिटी सर्टिफिकेशन इन्सेंटिव जैसे अन्य लाभ भी नीति में देय होंगे।

'एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी' 2026 -

- उद्देश्य - प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के साथ राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना।
- एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित इस नीति के तहत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।
- **परियोजनाओं का वर्गीकरण -**

विनिर्माण परियोजनाओं के लिए अचल पूंजी निवेश सीमा	सर्विस सेक्टर के लिए अचल पूंजी निवेश सीमा	परियोजना की श्रेणी
न्यूनतम 50 करोड़ रुपये से 300 करोड़ रुपये	25 करोड़ से 100 करोड़ रुपये	लार्ज परियोजना
300 करोड़ से एक हजार करोड़	100 करोड़ से 250 करोड़ रुपये	मेगा परियोजना
एक हजार करोड़ रुपये से अधिक	250 करोड़ रुपये से अधिक	अल्ट्रा मेगा परियोजना

- पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75% पुनर्भरण के निवेश अनुदान, विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28% और सर्विस सेक्टर के 14 से 20% तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2% से 2% तक टर्नओवर लिंक्ड प्रोत्साहन में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी।
- रीको से भूमि लेने वाले मेगा, अल्ट्रा मेगा विनिर्माण उद्यमों को 10 वर्षो तक फ्लेक्जिबल लैण्ड पेमेंट और 5 वर्षों के लिए 25% ऑफिस स्पेस के लिए लीज रेन्टल सब्सिडी का लाभ भी देय होगा।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स उद्योगों को दीर्घकालिक राहत देने के लिए 7 वर्षों तक विद्युत शुल्क से शत-प्रतिशत छूट, 7 वर्षों तक मंडी शुल्क अथवा बाजार शुल्क का शत-प्रतिशत पुनर्भरण, स्टाम्प शुल्क, रूपांतरण शुल्क में 75% छूट तथा 25% पुनर्भरण की व्यवस्था भी की गई है।

एकीकृत क्लस्टर विकास योजना – 2024

- **अवधि:** 8 दिसंबर, 2024 से 31 मार्च, 2029
- **प्रारंभिक लक्ष्य:** राज्य सरकार 15 क्लस्टरों का विकास करेगी। [शेष के लिए आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अध्याय 5 में देखें]

राजस्थान व्यापार संवर्द्धन नीति, 2025

- राजस्थान व्यापार संवर्द्धन नीति 2025 को राज्य में 7 दिसम्बर 2025 से लागू किया गया है।

राजस्थान वस्त्र एवं परिधान नीति, 2025

- यह नीति राज्य को वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र के लिए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से 13 फरवरी 2025 को अधिसूचित की गयी है।
- **जारी-** 31 मार्च, 2025
- **अवधि-** 31 मार्च, 2029
- **नोडल विभाग -** उद्योग एवं वाणिज्य विभाग

राजस्थान लॉजिस्टिक्स नीति 2025

राजस्थान लॉजिस्टिक्स नीति 2025, एक व्यापक पहल है जिसका उद्देश्य राज्य की लॉजिस्टिक्स आधारभूत–संरचना को सुदृढ़ करना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना तथा वृहद् स्तर पर निजी निवेश आकर्षित करना है। लॉजिस्टिक्स अवसंरचना से जुड़े निवेशक एवं उद्यम इस नीति के अंतर्गत सक्षम एवं प्रोत्साहन–आधारित ढांचे से लाभान्वित हो सकते हैं।

प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैं–

साइलो, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, कंटेनर फ्रेट स्टेशन, एयर फ्रेट स्टेशन, कार्गो टर्मिनल एवं ड्राई पोर्ट जैसी लॉजिस्टिक्स अवसंरचनाओं हेतु पूंजी अनुदान देय है। यह अनुदान पात्र स्थिर पूंजी निवेश (इ.एफ.सी.आई.) का 25 प्रतिशत होगा, जिसे 10 वर्षों की अवधि में वार्षिक रूप से वितरित किया जाएगा तथा यह अनुदान लागू प्रावधानों के अनुसार ₹5 करोड़ से ₹50 करोड़ तक की वार्षिक अधिकतम सीमा के अधीन होगी।

7 वर्षों की अवधि के लिए 7 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान, जिसकी अधिकतम सीमा ₹50 लाख प्रति वर्ष होगी।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण सहायता– एकमुश्त प्रोत्साहन के रूप में अधिकतम 6 माह की अवधि के लिए प्रति श्रमिक प्रति माह प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम ₹4,000 तक) प्रतिपूर्ति।

वित्तीय प्रोत्साहन –

- स्टाम्प ड्यूटी एवं भूमि रूपांतरण शुल्क में 75 प्रतिशत छूट एवं 25 प्रतिशत प्रतिपूर्ति
- 7 वर्षों के लिए विद्युत शुल्क एवं मण्डी शुल्क में 100 प्रतिशत छूट

प्रौद्योगिकी अपनाने हेतु प्रोत्साहनः

- वाणिज्यिक वाहनों हेतु प्रति ट्रक ₹2,000 तक ट्रैकिंग उपकरण की लागत का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति।
- राज्य में संचालित इकाइयों के लिए लॉजिस्टिक्स प्रबंधन सॉफ्टवेयर की लागत का 50 प्रतिशत एकमुश्त प्रतिपूर्ति, प्रति इंस्टॉलेशन ₹2 लाख तक।
- फायर डिटेक्शन सिस्टम की लागत का 20 प्रतिशत (₹10 लाख तक) एकमुश्त प्रतिपूर्ति।

पर्यावरणीय सततता परियोजनाओं के लिए हरित प्रोत्साहन (ग्रीन इंसेंटिव) जिसमें परियोजना लागत का 50 प्रतिशत (₹12.5 करोड़ तक) एकमुश्त प्रतिपूर्ति।

राजस्थान लॉजिस्टिक्स नीति–2025 के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहन एवं लाभ राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 के प्रावधानों के अनुरूप हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी – 2025 –

- **अनुमोदन** – 21 जनवरी 2026
- **नोडल विभाग -** उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग
- इस नीति के तहत राज्य सरकार **जोधपुर-पाली-मारवाड़ और कंकाणी** सहित अन्य उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्रों को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर्स घोषित करेगी।
- इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रेक लैण्ड अलॉटमेंट, यूटिलिटी कॉर्डिनेशन और सिंगल विण्डो रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाएगा।
- प्रदेश में निवेशकों को सेमीकंडक्टर यूनिट्स की स्थापना के लिए **राजनिवेश पोर्टल** के माध्यम से आवेदन करना होगा।
- राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति के लिए दो समितियों-**स्टेट लेवल सेंक्शनिंग कमेटी (एसएलएफसी)** और **स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी** का गठन किया जाएगा।
- केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन** की शुरुआत की थी।
- हाल ही के केंद्रीय बजट में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 40 हजार करोड़ का प्रावधान किया है।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026 –

- **आयोजन -** जयपुर के जेईसीसी में 5-8 फरवरी तक
- **आयोजक -** रीको, सीडोस और लघु उद्योग भारती
- **संस्करण -** 13वां
- **उद्घाटन -** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- पत्थर उद्योग क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को एक अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2000 में इसे शुरू किया गया था।
- मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले **श्रीराम मेगा स्ट्रक्चर** के निदेशक **अनिल चौधरी** तथा **एवर शाइन मार्बल्स** के प्रबंध निदेशक **मुकेश चंद्र अग्रवाल** को **लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड** से सम्मानित किया।
  - इस कार्यक्रम में 12वें ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चर अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं को सम्मानित किया गया।
  - वास्तुकार **प्रमोद जैन** को उनके उत्कृष्ट प्रोजेक्ट मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (MIC), जोधपुर के लिए प्रतिष्ठित 'ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चरल अवॉर्ड (AISA) 2025' से सम्मानित किया गया।

मसाला औद्योगिक संगोष्ठी एवं किसान मेला, 2026 -

- **आयोजन -** राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान संस्थान, तबीजी (अजमेर)
- **उद्घाटन -** केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी द्वारा
- संस्थान में नई बीज प्रसंस्करण सुविधा का लोकार्पण किया।
- वर्तमान में यह संस्थान अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। (स्थापना-वर्ष 2000)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026 -

- **आयोजन -** जवाहर कला केन्द्र, जयपुर (17-26 अप्रैल)
- **आयोजक -** सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा प्रतिवर्ष
- **उद्घाटन** – गौतम कुमार दक
- **सर्वाधिक बिक्री -**

	संस्थागत श्रेणी	जिला उपभोक्ता भंडार	क्रय विक्रय सहकारी समितियाँ	ग्राम सेवा सहकारी समितियाँ
प्रथम	कॉनफेड	कोटा	मथानिया	पलसाना
द्वितीय	तिलम संघ	उदयपुर	बिलाड़ा	निमोद
तृतीय	RCDF (जयपुर)	बारां	नागौर	-

- **नवाचार श्रेणी** में उत्कृष्ट कार्य के लिए **बाड़मेर** जिले की **सुंदरा ग्राम सेवा सहकारी समिति** को पुरस्कृत किया गया।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

केन्द्र सरकार की भव्या (BHAVYA) योजना –

- **BHAVYA -** बिल्डिंग हाई इम्पैक्ट वैल्यू एडेड फॉर एक्सलरेटेड डेवलपमेंट
- **राजस्थान के 5 जिलों में औद्योगिक हब विकसित किए जाएँगे -** [1] बालोतरा [2] जयपुर [3] जोधपुर [4] कोटा [5] दौसा
- **नेतृत्व -** केन्द्रीय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT)
- **नोडल एजेंसी -** नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NICDC)
- इस योजना में दो चरणों में 50-50 औद्योगिक हब विकसित किए जाएँगे।

राजस्थान को मिला पहला सेमीकंडक्टर प्लांट -

- **उद्घाटन -** अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल माध्यम से (15 मई 2026)
- **अवस्थिति -** सलारपुर – खुशखेड़ा (भिवाड़ी)
- सेमीकंडक्टर ATMP/OSAT प्लांट का नेतृत्व - सहस्रा सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
- यह भारत का पहला लघु और मध्यम उद्यम (SME) नेतृत्व वाला सेमीकंडक्टर प्लांट है।
- MeitY की 'इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और सेमीकंडक्टर्स के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना' (SPECS) के तहत विकसित।
- **निवेश -** ₹150 करोड़ से अधिक
- इस प्लांट में Micro SD और फ्लैश स्टोरेज जैसे उत्पादों के लिए मेमोरी चिप्स, साथ ही LED ड्राइवर ICs, eSIMs और RFID उत्पादों की पैकेजिंग की जाएगी।
- वर्तमान वार्षिक पैकेजिंग क्षमता - 60 मिलियन सेमीकंडक्टर यूनिट्स
  - इसमें SPECS-समर्थित अनुमानित क्षमता लगभग 43 मिलियन यूनिट्स है।
  - अगले 2-3 वर्षों में इसकी वार्षिक क्षमता को बढ़ाकर लगभग 400-600 मिलियन यूनिट्स तक ले जाने की योजना है।
- **ELCINA** इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (EMC) का भी उद्घाटन किया गया।
  - 50.3 एकड़ ज़मीन पर ₹46.09 करोड़ की परियोजना लागत से विकसित।
  - विकास - मैसर्स ELCINA इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड (SPV)
  - भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर योजना के तहत ₹20.24 करोड़ की प्रत्यक्ष सहायता दी है।
  - EMC ने अब तक 20 कंपनियों से ₹1,200 करोड़ से ज़्यादा के निवेश की योजनाएँ आकर्षित की हैं।
- भिवाड़ी में 61 करोड़ रुपये के 34 MLD के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण तथा 52 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 34 MLD STP ट्रीटेड वाटर लाइन का शिलान्यास किया गया है।

राजस्थान के प्रमुख GI टैग

◈ **राजस्थान के GI टैग प्राप्त उत्पाद :-** हाल ही में, खेजड़ी से प्राप्त फली सांगरी को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के सहयोग से राजस्थान के 17वें GI टैग उत्पाद के रूप में मान्यता मिली है। वर्तमान में राज्य में 17 उत्पादों और पाँच कला रूपों को GI टैग का दर्जा प्राप्त है।

क्र.सं.	उत्पाद का नाम	श्रेणी	जिला / क्षेत्र	मुख्य विशेषता
1	मकराना संगमरमर	खनिज / पत्थर	नागौर	▪ विश्व प्रसिद्ध सफेद संगमरमर
2	कोटा डोरिया	वस्त्र	कोटा	▪ पारंपरिक महीन सूती व जरी वस्त्र
3	सांगानेरी प्रिंट	वस्त्र	जयपुर	▪ हाथ से ब्लॉक प्रिंटिंग; प्राकृतिक रंग
4	बगरू प्रिंट	वस्त्र	जयपुर	▪ मिट्टी आधारित रंगों से ब्लॉक प्रिंटिंग
5	ब्लू पॉटरी	शिल्प	जयपुर	▪ नीले रंग की विशिष्ट टाइल और बर्तन कला
6	पोकरण पॉटरी	शिल्प	जैसलमेर	▪ लाल मिट्टी से बनी पारंपरिक पॉटरी
7	बीकानेरी भुजिया	खाद्य	बीकानेर	▪ बेसन व मसालों से बना कुरकुरा स्नैक
8	फुलकारी	वस्त्र / कढ़ाई	राजस्थान, पंजाब, हरियाणा	▪ रंग-बिरंगे धागों से कशीदाकारी
9	कठपुतली	शिल्प	राजस्थान	▪ पारंपरिक लोकनाट्य कठपुतलियाँ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	उत्पाद का नाम	श्रेणी	जिला / क्षेत्र	मुख्य विशेषता
10	कठपुतली (लोगो)	शिल्प (लोगो)	राजस्थान	▪ GI लोगो – विशेष पहचान चिह्न
11	कोटा डोरिया (लोगो)	वस्त्र (लोगो)	कोटा	▪ GI पहचान के लिए विशिष्ट लोगो
12	ब्लू पॉटरी (लोगो)	शिल्प (लोगो)	जयपुर	▪ GI लोगो संस्करण
13	मोलेला टेराकोटा	शिल्प	राजसमंद	▪ पौराणिक टेराकोटा चित्रशिल्प
14	मोलेला (लोगो)	शिल्प (लोगो)	राजसमंद	▪ GI लोगो के साथ
15	पिछवाई कला	चित्रकला	नाथद्वारा	▪ श्रीनाथजी की चित्रकला
16	थेवा कला	शिल्प	प्रतापगढ़	▪ सोने की जालीकारी – काँच पर
17	सोजत मेहंदी	कृषि / वन	पाली	▪ उच्च गुणवत्ता की हिना (मेहंदी)
18	उस्ता कला	शिल्प	बीकानेर	▪ ऊँट की खाल पर मीनाकारी अलंकरण
19	कशीदाकारी	कढ़ाई	बीकानेर	▪ मेघवाल महिलाओं द्वारा मिरर वर्क
20	बंधेज	वस्त्र	जोधपुर	▪ रंग-बिरंगी टाई-डाई टेक्सटाइल कला
21	कोफ्तगिरी	धातु शिल्प	उदयपुर	▪ लोहे पर सोना-चांदी जड़ने की कला
22	सांगरी	खाद्य / वन	बीकानेर व पश्चिमी राजस्थान	▪ खेजड़ी की सूखी फली – पोषक तत्वों से भरपूर

नागौरी अश्वगंधा –

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री द्वारा GI टैग प्रदान किया गया।
- यह राजस्थान से GI टैग प्राप्त 22वाँ उत्पाद है।
- यह सोजत मेहंदी (पाली) के बाद 'कृषि श्रेणी' में GI टैग प्राप्त करने वाले राज्य का दूसरा उत्पाद।

NOTE :- पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक कार्यालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (भारत सरकार) की आधिकारिक जानकारी के अनुसार राजस्थान से GI टैग प्राप्त कुल 22 उत्पाद है। सांगरी को अभी तक GI टैग प्रदान नहीं किया गया है। (भारत के GI टैग प्राप्त उत्पादों की सूची के लिए WWW.IPINDIA.GOV.in वेबसाइट देखें)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

PYQ Questions

1. राजस्थान में प्रथम चीनी उद्योग कहाँ स्थापित किया गया था? (LDC 2011)

(a) श्रीगंगानगर (b) उदयपुर
(c) केशोरायपाटन (d) भूपालसागर

2. भारत सरकार का उपक्रम इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड कहाँ स्थित है? (LDC 2011)

(a) जयपुर (b) उदयपुर
(c) कोटा (d) अजमेर

3. हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड उद्योग को कच्चा माल कहाँ से उपलब्ध होता है ? (LDC 2011)

(a) खेतड़ी क्षेत्र से (b) सीकर क्षेत्र से
(c) जयपुर क्षेत्र से (d) जावर क्षेत्र से

4. हिन्दुस्तान मशीन टूल्स कहाँ स्थित है ? (LDC 2011)

(a) कोटा (b) जयपुर
(c) भीलवाड़ा (d) अजमेर

5. भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र किस जिले में है ? (LDC 2011)

(a) भरतपुर (b) अलवर
(c) जयपुर (d) धौलपुर

6. इनमें से हाथ से कागज निर्माण का कार्य कहाँ किया जाता है? (LDC 2011)

(a) बाड़मेर (b) बालोतरा
(c) सांगानेर (d) कैथून

7. राजस्थान में सफेद सीमेंट प्लांट स्थित है: (ASST. Conservator Forest Exam 2011)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(a) गोटन में (b) मोडक में
(c) निम्बाहेड़ा में (d) लाखेरी में

8. चित्तौड़गढ़ में भूपाल सागर चीनी मिल कार्य कर रही है:
(ASST. Conservator Forest Exam 2011)
(a) निजी क्षेत्र में
(b) सार्वजनिक क्षेत्र में
(c) सहकारी क्षेत्र में
(d) सार्वजनिक-निजी साझेदारी के आधार पर

9. राजस्थान में JETRO (जापानी बाह्य व्यापार संगठन) ने अपना पहला औद्योगिक क्षेत्र कहाँ पर स्थापित किया है ?
[Asst. Professor 2025]
(a) सीतापुरा (b) भिवाड़ी
(c) गिलोठ (d) नीमराणा

10. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
[Agriculture Dept. 2024]

(सूती वस्त्र उद्योग)	**(स्थान)**
(a) शार्दुल टेक्सटाइल लिमिटेड	श्रीगंगानगर
(b) आदित्य मिल्स	किशनगढ़
(c) मेवाड़ टेक्सटाइल्स	चित्तौड़गढ़
(d) राजस्थान टेक्सटाइल्स	भवानी मंडी

11. राजस्थान में प्रथम सीमेंट उद्योग स्थापित किया गया था:
(Accountant & JR. Accountant 2011)
(a) ब्यावर में (b) सवाई माधोपुर में
(c) लाखेरी में (d) निम्बाहेड़ा में

12. राजस्थान में किस शहर में सीमेंट का सर्वाधिक उत्पादन होता है?
(Teacher II Grade Exam. 2011)
(a) चित्तौड़गढ़ (b) जयपुर
(c) भरतपुर (d) सिरोही

13. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ?
[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]

सीमेण्ट उद्योग	**अवस्थिति**
(a) जे.के. लक्ष्मी सीमेण्ट लि.	ब्यावर
(b) बिनानी सीमेण्ट लि.	नीमकाथाना
(c) मंगलम सीमेण्ट	मोडक
(d) हिन्दुस्तान सीमेण्ट	उदयपुर

14. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है ?
[S.I. Telecom - 2025]

उद्योग	**अवस्थिति**
(a) मेवाड़ शुगर मिल्स लिमिटेड	भूपालसागर
(b) वस्टेंड स्पिनिंग मिल	चूरू
(c) श्री सीमेन्ट	ब्यावर
(d) जे.के. टायर्स	कोटा

15. निम्नलिखित में से कौन-सा सुमेलित नहीं है ?
(Sr.Teacher Grade-II 2013)
(a) इन्स्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड – कोटा
(b) राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स – सांभर
(c) चम्बल फर्टिलाइजर्स – गड़ेपान
(d) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड – देबारी

16. राजस्थान में मसाला पार्क अवस्थित हैं –
[Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(a) विशनोदा तथा सीतापुरा में
(b) मथानिया तथा रामगंज मण्डी में
(c) कूकस तथा खारा में
(d) नीमराना तथा भिवाडी में

17. निम्न में से राजस्थान का 'ग्रेनाइट सिटी' के रूप में किसे जाना जाता है ? **(Headmaster 2011)**
(a) सिरोही (b) उदयपुर
(c) जालौर (d) जोधपुर

18. राजस्थान में पहला वस्त्र उद्योग स्थापित किया गया था
(SCHOOL LECTURER 2011 GK)
(a) 1906 में (b) 1925 में
(c) 1938 में (d) 1889 में

19. राज्य का पहला 'स्पाइस पार्क' कहाँ स्थापित किया गया ?
(SCHOOL LECTURER 2013 Geography)
(a) कोटा - रामगंज मंडी (b) जयपुर
(c) जोधपुर (d) उदयपुर

20. कौन सा एक सुमेलित नहीं है ?
(SCHOOL LECTURER 2013)
(a) भूपाल सागर – चीनी
(b) दाकन कोटड़ा - राक फॉस्फेट
(c) लाखेरी - सीमेण्ट
(d) जयपुर मेटल्स - बिजली के तार

21. इनमें से कौन-सा सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्र नहीं है ?
(STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) टोंक (b) भीलवाड़ा
(c) किशनगढ़ (d) ब्यावर

22. राजस्थान के किस जिले में काँच उद्योग स्थापित हुआ है ?
(PTI GR II AND III 2013 Paper - I)
(a) धौलपुर (b) डूंगरपुर
(c) सिरोही (d) चित्तौड़गढ़

23. राजस्थान का सबसे पुराना उद्योग कौन सा है ?
(SCHOOL LECTURER COACH 2013)
(a) सीमेंट (b) चीनी
(c) सूती वस्त्र (d) ताँबा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

24. निम्नलिखित में से कौन सा एक राजस्थान में सीमेंट उद्योग का केन्द्र नहीं है ? (Jr. Accountant-T.R.A.- Paper-I)
(a) गोटन (b) मोडक
(c) ब्यावर (d) गुलाबपुरा

25. कौन सा सुमेलित नहीं है ? (ASST. JAILOR 2013)
उद्योग – स्थान उद्योग – स्थान
(a) वस्त्र – भीलवाड़ा (b) उर्वरक – मोडक
(c) सीमेंट – निम्बाहेड़ा (d) सोडियम सल्फेट - डीडवाना

26. सेंट गोबेन ग्लास फैक्ट्री एक (A) कम्पनी है जिसकी इकाई (B) में अवस्थित है। [Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) (A) फ्रेन्च (B) भिवाड़ी (b) (A) जर्मन (B) धौलपुर
(c) (A) जापानी (B) कोटा (d) (A) अमेरिकन (B) बेहरोड़

27. कौन सा सुमेलित नहीं है ? [Sr. Teacher (G-B) - 2025]

उद्योग	अवस्थिति
(a) चम्बल फर्टिलाइज़र	गढ़ेपान
(b) सल्फ्यूरिक एसिड प्लान्ट	कपासन
(c) कैप्सटन मीटर	जयपुर
(d) राजस्थान टेलीफोन	भिवाड़ी

28. "नेक्स्ट जेन टेक्सटाइल पार्क" राजस्थान के किस जिले में अवस्थित है? [Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) अजमेर (b) पाली
(c) जयपुर (d) अलवर

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कोड से कीजिये : (Sr. Teacher Gr II (Spl. Edu.) - 2015)
A. राजस्थान में प्रथम सीमेंट प्लांट लाखेरी में स्थापित किया गया।
B. सोजत में टायर फैक्ट्री स्थित है।
C. बीकानेर में स्टेट वूलन मिल स्थित है।
D. राजस्थान में कोटा सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
कूट:
(a) A, B और C सही (b) C और D सही
(c) A और C सही (d) B, C और D सही

30. निम्नलिखित में से राजस्थान की कौनसा खनिज आधारित प्रमुख उद्योग है? (RAS (Pre) Exam – 2018)
(A) जस्ता गलन उद्योग (B) सीमेंट उद्योग
(C) इलेक्ट्रॉनिक उद्योग (D) संगमरमर उद्योग
कूट:
(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (A), (B) और (D) (d) (A), (C) और (D)

31. पचपदरा, बाड़मेर में प्रस्तावित ऑयल रिफाइनरी किसका संयुक्त उपक्रम है? (RAS (Pre) Exam – 2018)
(a) ओएनजीसी एवं भारत सरकार
(b) ऑयल एवं राजस्थान सरकार
(c) एचपीसीएल एवं भारत सरकार
(d) एचपीसीएल एवं राजस्थान सरकार

32. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए: (HEADMASTER - 2018)

सूची I (उद्योग)	सूची II (केन्द्र)
(A) वस्त्र	(i) भरतपुर
(B) सीमेंट	(ii) गढ़ेपान
(C) रसायन	(iii) विजयनगर
(D) इंजीनियरिंग	(iv) मोडक

कूट:	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

33. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है ? [Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) राजस्थान कोऑपरेटिव स्पिनिंग एण्ड विविंग मिल लि. -गुलाबपुरा
(b) रिलायंस कोमोटेक्स -उदयपुर
(c) द मेवाड़ शुगर मिल्स -राजसमन्द
(d) वस्टेंट स्पिनिंग मिल -चुरू

34. राजस्थान में सीमेंट उद्योग के स्थानीयकरण का प्रमुख कारक कौन सा है? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
(a) बाजार (b) कच्चे माल की उपलब्धता
(c) शक्ति संसाधनों की उपलब्धता (d) प्रशिक्षित श्रमिक

35. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2018)
उद्योग — अवस्थिति
(a) सीमेंट — मोडक (b) उर्वरक — गढ़ेपान
(c) ग्लास (काँच) — लीलवाणी (d) ताँबा — खेतड़ी

36. 'राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स' की तीन इकाइयाँ कहाँ स्थित हैं? (College Lecturer - 2018)
(a) लूनकरनसर (b) डीडवाना
(c) सांभर लेक (d) फलौदी

37. राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन सा सीमेंट उद्योग का केन्द्र नहीं है? (Sr. Teacher Gr II (TSP) - 2018)
(a) निम्बाहेड़ा (b) मोडक
(c) गढ़े पान (d) ब्यावर

38. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कोड से कीजिये : (Sr. Teacher Gr II (TSP) - 2018)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सूची–I (उद्योग)	सूची–II (अवस्थिति)
A. सूती वस्त्र उद्योग	i. डीडवाना
B. इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग	ii. गुलाबपुरा
C. नमक उद्योग	iii. भिवाड़ी
D. संगमरमर उद्योग	iv. मकराना

कूट :
(a) A–ii, B–iii, C–i, D–iv
(b) A–i, B–ii, C–iii, D–iv
(c) A–iii, B–ii, C–i, D–iv
(d) A– ii, B–i, C– iii, D–iv

39. निम्नलिखित में कौन सा राजस्थान के सूती-वस्त्र उद्योग से संबंधित नहीं है ? **(Food Safety Officer – 2019)**
(a) रिलायंस कॉमटेक्स, उदयपुर (b) मेवाड़ टेक्सटाइल, भीलवाड़ा
(c) बिड़ला कॉर्पोरेशन, चित्तौड़गढ़ (d) एडवर्ड मिल्स, ब्यावर

40. मेवाड़ शुगर मिल अवस्थित है – **(Food Safety Officer – 2019)**
(a) भूपाल सागर में (b) श्री गंगानगर में
(c) उदयपुर में (d) केशोरायपाटन में

41. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित करें तथा नीचे दिए गए कूट से अपने उत्तर का चयन करें : **(Food Safety Officer – 2019)**

सूची-I (स्थान)	सूची-II (उद्योग)
A. ब्यावर	1. सरसों तेल
B. भरतपुर	2. चीनी
C. गंगानगर	3. वस्त्र
D. केश्वानागुजर	4. कागज

कूट: A B C D
(a) 3 1 4 2 (b) 3 1 2 4
(c) 4 1 2 3 (d) 4 3 2 1

42. निम्न में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है? **[Deputy Com.– 2025]**

सीमेंट इकाई	जिला
(a) जे.के. सीमेंट	उदयपुर
(b) हिन्दुस्तान सीमेंट	कोटा
(c) अम्बूजा सीमेंट	पाली
(d) ए.सी.सी. लिमिटेड	बूँदी

43. निम्न में से कौन सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है ? **(Evaluation Officer – 2020)**
(a) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड – देबारी
(b) राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रुमेन्टेशन लिमिटेड – जयपुर
(c) मोदी अल्केलाइन एवं केमिकल लिमिटेड – भरतपुर
(d) ओरियन्टल पॉवर केबिल लिमिटेड – कोटा

44. राजस्थान की प्रथम सूती कपड़े की मिल कहाँ स्थापित की गई थी ? **(Deputy Commandant – 2020)**
(a) भीलवाड़ा (b) जयपुर
(c) जालौर (d) ब्यावर

45. निम्न में से कौन से शहर में रीको द्वारा स्थापित एग्रो फूड पार्क नहीं है? **(ACF & Forest Range Officer Gr-I – 2018)**
(a) कोटा (b) जोधपुर
(c) श्रीगंगानगर (d) जयपुर

46. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस स्थान पर कॉच उद्योग की इकाई स्थापित नहीं है? **[Deputy Com.– 2025]**
(a) भिवाड़ी (b) बहरोड़
(c) धौलपुर (d) करौली

47. सीसा – जस्ता प्रद्रावक अवस्थित है? **(Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)**
(a) अजमेर (b) डीडवाना
(c) कोटा (d) चन्देरिया

48. राजस्थान में स्थित निम्न औद्योगिक उपक्रमों में से कौन सा भारत सरकार का उपक्रम नहीं है ? **(SI Exam - 2021)**
(a) इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड, कोटा
(b) सांभर साल्ट्स लिमिटेड, सांभर
(c) मॉडर्न बेकरीज इंडिया लिमिटेड, जयपुर
(d) श्री गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड, श्रीगंगानगर

49. गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड ने चुकंदर से चीनी बनाना कब से प्रारम्भ किया था ? **(SI Exam - 2021)**
(a) 1968 (b) 1967
(c) 1963 (d) 1969

50. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ? **(Asst. Prof. (College Education) - 2020)**
उद्योग – अवस्थिति उद्योग – अवस्थिति
(a) स्टेट वूलन मिल – चूरू (b) पानी के मीटर – जयपुर
(c) सीमेंट – मोड़क (d) सूती वस्त्र – ब्यावर

51. रंगाई एवं छपाई उद्योग के कारण राजस्थान का कौन सा जिला जल प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित हुआ है ? **(Asst. Prof. (College Education) - 2020)**
(a) पाली (b) जैसलमेर
(c) दौसा (d) झालावाड़

52. कौन सा सुमेलित नहीं है ? **(Asst. Prof. - 2020)**
उद्योग – स्थिति
(a) सोडियम सल्फेट – डीडवाना
(b) टायर और ट्यूब – अलवर
(c) विद्युत मीटर – जयपुर
(d) रासायनिक उर्वरक – मोडक

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

53. सूची–I एवं सूची–II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए– **(RAS EXAM - 2021)**

सूची–I (जिला)	सूची–II (प्रमुख उद्योग)
(A) उदयपुर	(i) सफेद सीमेंट
(B) नागौर	(ii) रसायन
(C) भीलवाड़ा	(iii) वस्त्र उद्योग
(D) कोटा	(iv) सीसा एवं जस्ता

कूट :
(a) A-(iii), B-(i), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(c) A-(i), B-(ii), C-(iv), D-(iii)
(d) A-(iv), B-(i), C-(iii), D-(ii)

54. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (सूती वस्त्र मिल – केन्द्र) सुमेलित नहीं है? **(Technical Assistant – 2024)**
(a) मेवाड़ टेक्सटाइल मिल्स – उदयपुर
(b) श्री उम्मेद मिल्स – पाली
(c) राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स – भवानी मंडी
(d) शार्दुल टेक्सटाइल मिल्स – श्रीगंगानगर

55. श्रीराम फर्टिलाइज़र उद्योग अवस्थित है – **(School Lecturer (School Edu.) - 2022)**
(a) ब्यावर में (b) कोटा में
(c) डीडवाना में (d) पचपदरा में

56. वर्स्टेड स्पिनिंग मिल अवस्थित है – **(School Lecturer (School Edu.) - 2022)**
(a) कोटा (b) झालावाड़
(c) लाडनूं (d) डूंगरपुर

57. निम्नांकित युग्मों में से कौन सा/से सुमेलित है /हैं? **(Deputy Jailor - 2024)**
(A) स्टोन पार्क – बिशनोदा (धौलपुर)
(B) होजरी पार्क – बाँसवाड़ा
(C) एग्रोफूड पार्क – बोरनाड़ा (जोधपुर)
(D) टेक्सटाइल पार्क – सिलोरा (किशनगढ़)
कूट :
(a) केवल (B) (b) (A) और (B)
(c) (A), (B) और (C) (d) (A), (C) और (D)

58. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (CEERI) स्थित है – **(Deputy Jailor - 2024)**
(a) टोंक में (b) पिलानी में
(c) जोधपुर में (d) बीकानेर में

59. राजस्थान के कौन से जिले में बड़े उद्योगों (Large Scale Industries) की सर्वाधिक संख्या पाई जाती है? **(Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)**
(a) अलवर (b) भीलवाड़ा
(c) जयपुर (d) उदयपुर

60. निम्नलिखित में से कौन सी सीमेंट फैक्ट्री चित्तौड़गढ़ जिले में अवस्थित नहीं है? **(Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)**
(a) बिरला सीमेंट वर्क्स लिमिटेड (b) जे.के. सीमेंट लिमिटेड
(c) आदित्य सीमेंट वर्क्स (d) हिंदुस्तान सीमेंट लिमिटेड

61. ए सी सी लिमिटेड की एक सीमेंट इकाई है – **(Sr. Teacher Exam - 2022)**
(a) गोटन में (b) लाखेरी में
(c) सिरोही में (d) चित्तौड़गढ़ में

62. राजस्थान के झुंझुनूं जिले में 'खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स' भारत सरकार द्वारा किस वर्ष में स्थापित हुआ था? **(Sr. Teacher Exam - 2022)**
(a) 1967 (b) 1968
(c) 1969 (d) 1970

63. लोको तथा कैरिज वर्कशॉप अवस्थित है : **(Sr. Teacher Exam - 2022)**
(a) भरतपुर (b) अलवर
(c) कोटा (d) अजमेर

64. निम्नलिखित में से किसे राजस्थान में हस्तशिल्प के लिए निर्यात उत्कृष्टता के शहर के रूप में नामित किया गया है ? **(Assistant Engineer – Civil 2023)**
(a) पाली (b) बीकानेर
(c) जयपुर (d) उदयपुर

65. राजस्थान राज्य गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड को वर्ष 1945 में निजी क्षेत्र में "____" के रूप में स्थापित किया गया था। **(Asst. Town Planner – 2022)**
(a) मेवाड़ शुगर मिल्स लिमिटेड, चित्तौड़गढ़
(b) महाराजा श्री उम्मेद मिल्स लिमिटेड, पाली
(c) केशोरायपाटन सहकारी चीनी कारखाना, बूंदी
(d) बीकानेर औद्योगिक निगम लिमिटेड, बीकानेर

66. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) द्वारा स्थापित निम्नलिखित में से कौन सा औद्योगिक क्षेत्र क्षेत्रफल में सबसे छोटा है? **(Asst. Town Planner – 2022)**
(a) कोटा के पास रनपुर
(b) जोधपुर के पास बोरानाड़ा
(c) उद्योग विहार, श्री गंगानगर
(d) एमआईए (मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र) अलवर

67. मेवाड़ टेक्सटाइल मिल अवस्थित है – **(Food Safety Officer – 2022)**
(a) ब्यावर में (b) भीलवाड़ा में
(c) बाँसवाड़ा में (d) पाली में

68. निम्नलिखित में से कौन सा एक रीको (RIICO) का कृषि खाद्य फार्म केन्द्र है ? **(Food Safety Officer – 2022)**
(a) रीको, भरतपुर (b) उद्योगविहार, जैसलमेर
(c) एम.आई.ए., कोटा (d) बोरानाडा, जोधपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

69. **कौन सा सुमेलित नहीं है?** **(Sr. Teacher Gr II - 2022)**

उद्योग — स्थिति	उद्योग — स्थिति
(a) हाईटेक ग्लास — धौलपुर	(b) सफेद सीमेण्ट — निम्बाहेड़ा
(c) टायर-ट्यूब — अलवर	(d) पॉलिमर — शाहपुरा

70. **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन सा जिला राज्य का प्लास्टिक केन्द्र (हब) माना जाता है?** **(Sr. Teacher Gr II - 2022)**

(a) दौसा (b) भरतपुर
(c) अलवर (d) जयपुर

71. **चुकन्दर पर आधारित प्रथम चीनी उद्योग स्थापित हुआ था –** **(RAS (Pre) Exam – 2023)**

(a) श्री गंगानगर में (b) भोपालसागर में
(c) केशोरायपाटन में (d) उदयपुर में

72. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :** **(Asst. Prof., Librarian - 2023)**

सूची-I (सीमेंट उद्योग)	सूची-II (स्थान)
A. जे.के. सीमेंट	i. मोडक
B. बिरला सीमेंट	ii. पिंडवाड़ा
C. बिनानी सीमेंट	iii. चित्तौड़गढ़
D. नीर श्री सीमेंट	iv. निम्बाहेड़ा

कूट :	A	B	C	D
(a)	iv	ii	i	iii
(b)	iv	iii	ii	i
(c)	iii	i	iv	ii
(d)	i	ii	iii	iv

73. **निम्नलिखित में से कौनसा एक (उद्योग – अवस्थिति) सुमेलित नहीं है?** **(Asst. Prof., Librarian and PTI Exam - 2023)**

(a) राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन – उदयपुर
(b) दी मेवाड़ शुगर मिल्स – भूपालसागर
(c) राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स – गुलाबपुरा
(d) हाईटेक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री – धौलपुर

74. **राजस्थान स्पिनींग एण्ड वीविंग मिल्स लि. का संयंत्र स्थित है।** **(ASST. ENGINEER 2023)**

(a) केवल गुलाबपुरा में
(b) भीलवाड़ा, ब्यावर, किशनगढ़ में
(c) भवानी मंडी, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर में
(d) बाँसवाड़ा, मोरदी में

75. **निम्नलिखित में से कौन सा रीको द्वारा विकसित एक एग्रो फूड पार्क नहीं है ?** **(ASST. ENGINEER 2023)**

(a) रनपुर (b) बोरानाड़ा
(c) उद्योग विहार (d) कमानीपुरा

76. **एग्रो फूड पार्क, रानपुर स्थित है –** **(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)**

(a) जोधपुर में (b) बीकानेर में
(c) उदयपुर में (d) कोटा में

77. **निम्नलिखित में से कौनसा (सूती वस्त्र उद्योग – अवस्थिति केन्द्र) सही सुमेलित नहीं है?** **(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)**

(a) महाराजा उम्मेद मिल्स – जोधपुर
(b) राजस्थान स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स – गुलाबपुरा
(c) शार्दुल टेक्सटाइल मिल्स – श्रीगंगानगर
(d) मेवाड़ टेक्सटाइल मिल्स – भीलवाड़ा

78. **रीको द्वारा विकसित निम्नलिखित में से कौनसा एग्रो-फूड पार्क क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़ा है?** **(Archaeology and Museums Dept. Exam - 2023)**

(a) उद्योग विहार (श्रीगंगानगर) (b) रनपुर-1 (कोटा)
(c) बोरानाडा (जोधपुर) (d) एम.आई.ए. (अलवर)

79. **ग्रीनटेक मेगा फूड पार्क राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?** **(Archives Dept Recruitment - 2024)**

(a) बारां (b) नागौर
(c) अजमेर (d) जोधपुर

80. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये–** **(Archives Dept - 2024)**

सूची-I (सूती वस्त्र मिल)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) एडवर्ड मिल	(i) भवानीमण्डी
(B) राजस्थान टेक्सटाइल मिल	(ii) भीलवाड़ा
(C) सार्दुल टेक्सटाइल मिल	(iii) श्रीगंगानगर
(D) मेवाड़ टेक्सटाइल मिल	(iv) ब्यावर

कूट:
(a) A-(iii), B-(ii), C-(i), D-(iv)
(b) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii)
(c) A-(iv), B-(i), C-(iii), D-(ii)
(d) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)

81. **निम्नलिखित में से कौनसा राजस्थान में एक ऊनी वस्त्र मिल का केन्द्र नहीं है?** **(Archives Dept. Recruitment - 2024)**

(a) जोधपुर (b) चूरू
(c) लाडनू (d) हनुमानगढ़

82. **कपड़ा उद्योग के श्री गोपाल इंडस्ट्रीज व महालक्ष्मी मिल्स क्रमशः राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जगह स्थित हैं?** **(Archives Department Recruitment - 2024)**

(a) भीलवाड़ा-कोटा (b) पाली-नागौर
(c) कोटा-ब्यावर (d) भीलवाड़ा-जयपुर

83. **चुकन्दर पर आधारित प्रथम चीनी उद्योग स्थापित हुआ था –** **(RAS (Pre) Exam – 2023)**

(a) श्री गंगानगर में (b) भोपालसागर में
(c) केशोरायपाटन में (d) उदयपुर में

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

84. वर्ष 2021-22 में राजस्थान के कुल निर्यात में वस्त्र (टेक्सटाइल) की स्थिति थी –

(Archives Department Recruitment - 2024)

(a) द्वितीय (b) सातवाँ
(c) प्रथम (d) चतुर्थ

85. निम्नलिखित में से कौनसा एग्रो फूड पार्क, रीको द्वारा विकसित नहीं किया गया है? (Asst. Statistical Officer– 2024)

(a) उद्योग विहार, श्रीगंगानगर (b) बोरानाडा, जोधपुर
(c) रणपुर, कोटा (d) किशनगढ़, अजमेर

86. राजस्थान में चीनी उद्योग के स्थानीयकरण को कौनसे कारक प्रभावित करते हैं? (Asst. Statistical Officer– 2024)

(A) मिल के आस-पास के क्षेत्रों में गन्नों की उपलब्धता
(B) परिवहन की सुविधा की उपलब्धता
(C) सल्फर एवं चूने की उपलब्धता
(D) सस्ता एवं कुशल श्रम

कूट –

(a) B, C और D (b) A, B, C और D
(c) केवल A और D (d) A, B और C

87. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए (Asst. Prof. – 2024)

सूची-I (उद्योग)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) राजस्थान कोऑपरेटिव मिल्स	(i) ब्यावर
(B) वर्स्टेड स्पिनिंग मिल्स	(ii) चूरू
(C) श्री सीमेन्ट	(iii) कांकरोली
(D) जे.के. टायर	(iv) गुलाबपुरा

कूट –

(a) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(b) A-(i), B-(ii), C-(iv), D-(iii)
(c) A-(ii), B-(iv), C-(i), D-(iii)
(d) A-(iv), B-(ii), C-(iii), D-(i)

88. रीको (RIICO) ने किस स्थान पर जापानी औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया है? (Sr. Teacher Comp. Exam – 2024)

(a) भिवाड़ी (b) सीतापुरा (जयपुर)
(c) नीमराना (d) शाहपुरा

89. निम्न में से कौनसा (सीमेंट उद्योग – जिले में स्थित) सुमेलित नहीं है?

(Librarian Grade-II - 2024)

(a) बिरला व्हाइट सीमेंट – नागौर (b) मंगालम सीमेंट – कोटा
(c) राजश्री सीमेंट – उदयपुर (d) ए.सी.सी. सीमेंट – बूंदी

90. निम्नलिखित में से कौनसा (उद्योग – स्थान) सही सुमेलित नहीं है?

(Local Self Govt. Dept. Re-Exam- 2022)

(a) स्टेट वूलन मिल्स – बीकानेर
(b) सल्फ्यूरिक एसिड प्लांट – अलवर
(c) सीमेण्ट – लाखेरी
(d) काँच – भीलवाड़ा

91. राजस्थान में प्रथम चीनी मिल किस वर्ष में स्थापित की गई?

(Agriculture Officer Comp. Exam – 2024)

(a) 1932 (b) 1937
(c) 1965 (d) 1976

92. निम्नलिखित उद्योगों तथा उनकी अवस्थितियों में से कौनसा एक सुमेलित नहीं है? (PTI and Librarian– 2024)

(a) टायर-ट्यूब फैक्ट्री – अलवर
(b) कोऑपरेटिव पेस्टिसाइड फैक्ट्री – श्रीगंगानगर
(c) राजस्थान एक्सप्लोसिव एण्ड केमिकल्स – धौलपुर
(d) स्टेट केमिकल वर्क्स – डीडवाना

93. राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) 2022 में निम्न में से कौन-कौनसे उद्देश्य सम्मिलित हैं?

(PTI and Librarian – 2024)

(a) विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का विकास।
(b) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करना।
(c) संतुलित व समावेशी क्षेत्रीय विकास।
(d) पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करना।

कूट –

(a) (a), (b) और (c) (b) (b), (c) और (d)
(c) (a), (c) और (d) (d) (c), (b) और (d)

94. बालोतरा और बगरू में जल प्रदूषण का प्रमुख कारण है :

(Mines And Geology Dept. Exam - 2024)

(a) खनन क्रियाएँ (b) उर्वरक इकाइयाँ
(c) रासायनिक इकाइयाँ (d) वस्त्र इकाइयाँ

95. कौन सा सुगठित नहीं है ? (Mines And Geology - 2024)

सूती वस्त्र उद्योग	स्थिति
(a) मेवाड़ टेक्सटाइल मिल्स	उदयपुर
(b) राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स	भवानीमंडी
(c) एडवर्ड मिल्स	ब्यावर
(d) सार्दुल टेक्सटाइल मिल्स	श्रीगंगानगर

96. किस चीनी मिल में डिस्टिलरी है ?

(Public Relation Officer – 2024)

(a) दी मेवाड़ शुगर मिल (b) दी केशोराय पाटन शुगर मिल
(c) उदयपुर शुगर मिल (d) गंगानगर शुगर मिल

97. सूची-1 और सूची-II को सुमेलित करके नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए –

(Lecturer and Coach Exam-2024)

सूची-I (सीमेंट प्लान्ट)	सूची-II (जिला)
(अ) श्रीराम सीमेंट	(i) कोटा
(ब) एसीसी सीमेंट	(ii) चित्तौड़गढ़
(स) आदित्य सीमेंट	(iii) बूंदी
(द) जे.के. लक्ष्मी सीमेंट	(iv) सिरोही

कूट :

(a) (अ)-(iii), (ब)-(iv), (स)-(i), (द)-(ii)

(b) (अ)-(iv), (ब)-(ii), (स)-(iii), (द)-(i)

(c) (अ)-(i), (ब)-(iii), (स)-(ii), (द)-(iv)

(d) (अ)-(ii), (ब)-(iii), (स)-(iv), (द)-(i)

98. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में 'स्पाइस पार्क' स्थापित है ? **(Lecturer and Coach - Exam-2024)**

(a) टोंक (b) जयपुर

(c) कोटा (d) भरतपुर

99. निम्नलिखित में से किस स्थान पर सूती वस्त्र उद्योग स्थित नहीं है? **(Lecturer and Coach - Exam-2024)**

(a) भीलवाड़ा (b) ब्यावर

(c) उदयपुर (d) जालौर

100. निम्नलिखित में से कौन से सुमेलित हैं ? **(Lecturer and Coach - Comp. Exam-2024)**

सीमेण्ट इकाई	स्थान
A. हिन्दुस्तान सीमेण्ट लिमिटेड	ब्यावर
B. बिड़ला व्हाइट सीमेण्ट	गोटन
C. राजश्री सीमेण्ट	मीरापुर
D. श्री सीमेण्ट	चन्देरिया

कूट :

(a) A, B और C (b) B और C

(c) B और D (d) A और B

101. निम्नलिखित सूचना पर विचार कीजिए – **(Asst. Director - 2024)**

(A) नेक्स्टजेन टेक्सटाइल पार्क – पाली

(B) किशनगढ़ हाई-टेक टेक्सटाइल पार्क – अजमेर

(C) जयपुर टेक्सवीविंग पार्क – जयपुर

(D) जयपुर इंटिग्रेटेड टेक्सक्राफ्ट पार्क – दौसा

उपर्युक्त में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) केवल (C) और (D) (b) (A), (B), (C) और (D)

(c) (A), (B) और (C) (d) केवल (A) और (B)

Answer Key

1	d	2	c	3	a	4	d	5	b	6	c	7	a	8	a	9	d	10	c
11	c	12	a	13	a	14	d	15	b	16	b	17	c	18	d	19	c	20	d
21	a	22	a	23	c	24	d	25	b	26	a	27	b	28	b	29	c	30	c
31	d	32	a	33	c	34	b	35	c	36	b	37	c	38	a	39	c	40	a
41	b	42	b	43	c	44	d	45	d	46	d	47	d	48	d	49	a	50	a
51	a	52	d	53	d	54	a	55	b	56	c	57	d	58	b	59	a	60	d
61	b	62	a	63	d	64	c	65	d	66	a	67	b	68	d	69	b	70	d
71	a	72	b	73	a	74	d	75	d	76	d	77	a	78	b	79	c	80	c
81	d	82	c	83	a	84	a	85	d	86	b	87	a	88	c	89	*	90	d
91	a	92	b	93	c	94	d	95	a	96	d	97	c	98	c	99	d	100	b
101	d																		

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान में सीमेन्ट उद्योग की अवस्थिति के कारकों एवं वृद्धि की व्याख्या कीजिए। **[RAS Mains 2018 (5 Marks)]**

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

14 जनसंख्या

जनगणना

- भारत की **पहली जनगणना** सन् **1872 ई.** में **लॉर्ड मेयो** के काल में प्रारंभ हुई थी।
- **क्रमवार (नियमित) जनगणना** सन् **1881 ई.** में **लॉर्ड रिपन** के समय से प्रारंभ हुई।

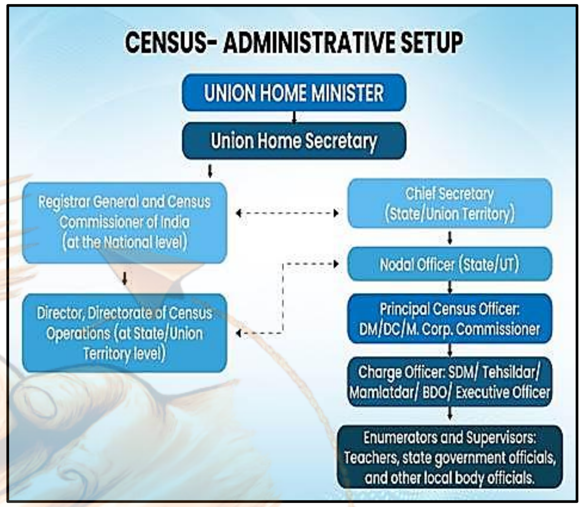

- जनगणना का विषय **संघ सूची** (सातवीं अनुसूची) में सम्मिलित है।
- **जनगणना अधिनियम** सन् **1948 ई.** में पारित किया गया।
- राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग का गठन **11 मई 2000** को किया गया।
- अब तक भारत में कुल **15 जनगणनाएँ** (वर्ष 2011 तक) संपन्न हुई है।
- **2011 की जनगणना :-**
  - यह **आज़ाद भारत की सातवीं** जनगणना थी।
  - और **21वीं सदी की दूसरी** जनगणना थी।
  - देश भर के शामिल जिले 640 (राजस्थान के 33)
  - **शुभंकर :-** प्रगणक शिक्षिका
  - **जनगणना को राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर** में पहली बार दर्ज किया गया।
  - इस जनगणना में **प्रथम बार घरों की गणना** की गई।
  - **किन्नरों** को इस जनगणना में **पहली बार अलग श्रेणी** के रूप में शामिल किया गया।
  - यह **भारत की पहली पेपरलेस जनगणना** थी, जिसमें डिजिटल माध्यमों का उपयोग किया गया।
- **जनगणना 2011 का नारा:** ***"हमारी जनगणना, हमारा भविष्य"***
- **2011 की जनगणना दो चरणों में सम्पन्न हुई:**
  - **पहला चरण:** 15 मई से 30 जून, 2010 तक (घर गणना और जनसंख्या सूचीकरण)
  - **दूसरा चरण:** 9 फरवरी से 28 फरवरी, 2011 तक (व्यक्तिगत जनगणना)
- **राजस्थान की कुल जनसंख्या (2011):** 6.86 करोड़ (6,85,48,437) –(पुरुष-51.86% / महिलाएँ-48.14%)
- **भारत की कुल जनसंख्या में राजस्थान का प्रतिशत:** 5.67%।
- **राजस्थान का स्थान (जनसंख्या के आधार पर):** सातवाँ (7वाँ) —
  (**नोट:** वर्ष 2014 में तेलंगाना राज्य बनने के कारण स्थान में परिवर्तन हुआ।)
- 10 लाख से अधिक → मेट्रो सिटी → जयपुर, जोधपुर, कोटा
- **राज्य में सर्वाधिक व न्यूनतम जनसंख्या वाले जिलें :-**

सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले	जनसंख्या (लाख में)	न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले	जनसंख्या (लाख में)
जयपुर	66.26	जैसलमेर	6.70
जोधपुर	36.87	प्रतापगढ़	8.68
अलवर	36.74	सिरोही	10.36
नागौर	33.07	बूँदी	11.11
उदयपुर	30.68	राजसमंद	11.56

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

वृद्धि दर

- **1911-21** → –6.29% न्यूनतम
- **1971-81** → 32.97% सर्वाधिक
- **2001-2011** → 21.30%

सर्वाधिक	न्यूनतम
बाड़मेर - 32.5%	**श्री गंगानगर** - 10.0%
जैसलमेर - 31.8%	**झुंझुनूं** - 11.7%
जोधपुर - 27.7%	**पाली** - 11.9%
बाँसवाड़ा - 26.5%	**बून्दी** - 15.4%

श्रेणी	सर्वाधिक जिले	न्यूनतम जिले
ग्रामीण जनसंख्या (19%)	1. जैसलमेर 2. बाड़मेर 3. बाँसवाड़ा	1. कोटा 2. श्रीगंगानगर 3. झुंझनूं
नगरीय जनसंख्या (29%)	1. अलवर 2. दौसा 3. बारां	1. डूंगरपुर 2. प्रतापगढ़ 3. हनुमानगढ़

- 25 जिलों की वृद्धि दर राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक है।
- 16 जिलों की वृद्धि दर राजस्थान की वृद्धि दर से अधिक है।
- **1981 में वृद्धि दर** → 32.97%
- **2001 में वृद्धि दर** → 28.41%
- **1991 में वृद्धि दर** → 28.44%
- **नागौर एवं भीलवाड़ा की वृद्धि दर जनगणना 2011 में समान रही** → 19.2%
- **जयपुर एवं जालौर की वृद्धि दर जनगणना 2011 में समान रही** → 26.2%

जनसंख्या घनत्व

- **वर्ष 2011** → 519 प्रति वर्ग मील / 200 प्रति वर्ग कि. मी. (2001- 165 प्रति वर्ग कि. मी.)
- **100 से कम** = 3 जिले
- **500 से अधिक** = 2 जिले
- **सिरोही** = 202 (लगभग राज्य के जनघनत्व के बराबर)
- **राज्य के औसत जनघनत्व से ज्यादा** = 18 जिले
- **जनघनत्व में सर्वाधिक वृद्धि** = जयपुर (124)
- **न्यूनतम वृद्धि** = जैसलमेर (4)

सर्वाधिक	न्यूनतम
जयपुर (595)	जैसलमेर (17)
भरतपुर (503)	बीकानेर (78)
दौसा (476)	बाड़मेर (92)
अलवर (438)	चूरू (147)
धौलपुर (398)	जोधपुर (161)

लिंगानुपात

वर्ष 2011 → 928 (लिंगानुपात)

सर्वाधिक	न्यूनतम
डूंगरपुर (994)	धौलपुर (846)
राजसमंद (990)	जैसलमेर (852)
पाली (987)	करौली (861)
प्रतापगढ़ (983)	भरतपुर (880)
बाँसवाड़ा (980)	श्री गंगानगर (887)

- **सर्वाधिक वृद्धि :-** जैसलमेर (31)
- **सर्वाधिक गिरावट :-** डूंगरपुर (28)
- **बारां :-** 929
- 928 से 18 जिलों का अधिक, 15 जिलों का कम लिंगानुपात
- **बीकानेर एवं दौसा समान लिंगानुपात** → 905

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

ग्रामीण लिंगानुपात (933)		शहरी लिंगानुपात (914)	
सर्वाधिक	न्यूनतम	सर्वाधिक	न्यूनतम
पाली (1003)	धौलपुर (841)	टोंक (985)	जैसलमेर (807)
राजसमंद (998)	करौली (856)	बाँसवाड़ा (964)	धौलपुर (864)
डूंगरपुर (996)	जैसलमेर (859)	प्रतापगढ़ (963)	अलवर (872)

- ग्रामीण लिंगानुपात **2001** में **930** था।
- शहरी लिंगानुपात **2001** में **890** था।

शिशु लिंगानुपात 888 (0-6 वर्ष) (कुल आबादी का 15.54%)	
सर्वाधिक	न्यूनतम
बाँसवाड़ा (934)	झुंझुनूं (837)
प्रतापगढ (933)	सीकर (848)
भीलवाड़ा (928)	करौली (852)

- **राजस्थान में ग्रामीण बाल लिंगानुपात (राज्य औसत: 892) और शहरी (राज्य औसत: 874)**
- **औसत शिशु लिंगानुपात से कम वाले जिले:** 12
- **समान बाल लिंगानुपात (912) तीन जिलें –** चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बारां
- **2001 में बाल लिंगानुपात 909 था। (2011 में 21 की कमी आई)**
- **सर्वाधिक शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिले:**

क्र.सं.	जिला	बाल लिंगानुपात (0–6 वर्ष)
1	नागौर	907
2	बीकानेर	906
3	भीलवाड़ा	904
4	बारां	901

- **न्यूनतम शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिले:**

क्र.सं.	जिला	बाल लिंगानुपात (0–6 वर्ष)
1	धौलपुर	841
2	गंगानगर	842
3	दौसा	847
4	अलवर	851

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

- **सर्वाधिक ग्रामीण बाल लिंगानुपात वाले जिले:**

क्र. सं.	जिला	बाल लिंगानुपात (0–6 वर्ष)
1	बाँसवाड़ा	937
2	प्रतापगढ़	936
3	भीलवाड़ा	933

- **न्यूनतम ग्रामीण बाल लिंगानुपात वाले जिले:**

क्र.सं.	जिला	बाल लिंगानुपात (0–6 वर्ष)
1	झुंझुनूं	832
2	सीकर	843
3	करौली	850

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

साक्षरता

- **साक्षर** = 7 वर्ष से अधिक
- **19 जिले राज्य** की औसत साक्षरता दर से कम है।
- **Note:** साक्षरता में कमी
  - **बाड़मेर (2.5%)**
  - **चूरू (0.8%)**
- **31 जिलों** में साक्षरता में वृद्धि हुई।
- **भारत में राजस्थान राज्य का महिला एवं पुरुष साक्षरता में अंतर सर्वाधिक है। (27.01%)**
- **राष्ट्रीय औसत साक्षरता से अधिक वाले जिले**- कोटा, जयपुर, झुंझुनूं

साक्षरता दर = 66.1%	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**
कोटा 76.6%	जालौर 54.9%
जयपुर 75.5%	सिरोही 55.3%
झुंझुनूं 74.1%	प्रतापगढ़ 56.0%
सीकर 71.9%	बाँसवाड़ा 56.3%

पुरुष साक्षरता = 79.2%		महिला साक्षरता 52.1%	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
झुंझुनूं - 86.9%	प्रतापगढ - 69.5%	कोटा 65.9%	जालौर 38.5%
कोटा - 86.3%	बाँसवाड़ा - 69.5%	जयपुर 64.01%	सिरोही 39.7%
जयपुर - 86.1%	सिरोही - 70%	झुंझुनूं 61.0%	जैसलमेर 39.7%
सीकर	जालौर	श्रीगंगानगर	बाड़मेर

ग्रामीण साक्षरता → 61.44%

सर्वाधिक	न्यूनतम
झुंझुनूं	सिरोही

शहरी साक्षरता → 79.68%

सर्वाधिक	दर (%)
उदयपुर	87.5
बाँसवाड़ा	85.2
प्रतापगढ़	84.8
डूंगरपुर	84.4
न्यूनतम	**दर (%)**
नागौर	70.6
जालौर	71.1
चूरू	72.6
धौलपुर	72.7

श्रेणी	कुल साक्षरता (%)	पुरुष साक्षरता (%)	महिला साक्षरता (%)
राज्य स्तर	66.1%	79.20%	52.1%
ग्रामीण क्षेत्र	61.4%	76.2%	45.8%
शहरी क्षेत्र	79.7%	87.9%	70.7%

ग्रामीण और शहरी साक्षरता

श्रेणी	औसत (%)	सर्वाधिक (जिला)	%	न्यूनतम (जिला)	%
ग्रामीण साक्षरता	61.44	झुंझुनूं	73.4	सिरोही	49.0
ग्रामीण पुरुष साक्षरता	76.16	झुंझुनूं	86.8	सिरोही	64.6
ग्रामीण महिला साक्षरता	45.8	झुंझुनूं	59.8	सिरोही	32.7
शहरी साक्षरता	79.7	उदयपुर	87.5	नागौर	70.6
शहरी पुरुष साक्षरता	87.9	उदयपुर	93.4	धौलपुर	81.3
शहरी महिला साक्षरता	70.7	उदयपुर	81.2	जालौर	56.9

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

साक्षरता दर की प्रवृत्ति : (1951 से 2011)

वर्ष	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
दर	8.50%	18.12%	22.57%	30.11%	38.55%	60.41%	66.11%

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या : (कुल जनसंख्या 6.85 करोड़)

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

ग्रामीण जनसंख्या → 75.10% (5.15 करोड़)		शहरी जनसंख्या → 24.90% (1.70 करोड़)	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
जयपुर	जैसलमेर	जयपुर	प्रतापगढ़
अलवर	कोटा	जोधपुर	डूंगरपुर
नागौर	प्रतापगढ़	कोटा	जैसलमेर
ग्रामीण जनसंख्या (प्रतिशत)		**शहरी जनसंख्या (प्रतिशत)**	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
डूंगरपुर	कोटा	कोटा	डूँगरपुर
बाड़मेर	जयपुर	जयपुर	बाड़मेर

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति

अनुसूचित जाति → 17.83% (12,221,593 Cr.)		अनुसूचित जनजाति → 13.48% (92,38,534 Cr.)	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
जयपुर	डूंगरपुर	उदयपुर	बीकानेर
श्री गंगानगर	प्रतापगढ़	बाँसवाड़ा	नागौर
नागौर	बाँसवाड़ा	डूंगरपुर	चुरू
(प्रतिशत)		**(प्रतिशत)**	
सर्वाधिक	**न्यूनतम**	**सर्वाधिक**	**न्यूनतम**
श्री गंगानगर (36.58 %)	डूंगरपुर (3.8%)	बाँसवाड़ा (76.38%)	नागौर (0.31%)
हनुमानगढ़ (27.85%)	बाँसवाड़ा (4.46%)	डूंगरपुर (70.8%)	बीकानेर (0.33%)
करौली (24.31%)	उदयपुर (6.14%)	प्रतापगढ़ (63.42%)	चुरू (0.55%)
चुरू (22.15%)	प्रतापगढ़ (6.96%)	उदयपुर (49.71%)	श्रीगंगानगर (0.68%)

अनुसूचित जाति

- शहरी जनसंख्या 15.7 %
- ग्रामीण जनसंख्या 18.5 %

◈ **दशकीय वृद्धि दर – 26.01%**
- **अधिकतम** – बाड़मेर ; **न्यूनतम** – डूंगरपुर
- **ग्रामीण** – (23.2%)
- **अधिकतम** – बाड़मेर; **न्यूनतम** – डूंगरपुर
- **नगरीय** – (37.4%)
- **अधिकतम** – राजसमन्द; **न्यूनतम** – चुरू

◈ **लिंगानुपात – 923**
- **अधिकतम** – राजसमन्द (982); **न्यूनतम** – धौलपुर (863)
- **ग्रामीण** – 923; **नगरीय** – 922

अनुसूचित जनजाति

- शहरी जनसंख्या 3.2%
- ग्रामीण जनसंख्या 16.9 %

◈ **दशकीय वृद्धि दर – 30.02%**
- **अधिकतम** – नागौर; **न्यूनतम** – श्री गंगानगर
- ग्रामीण वृद्धि दर (29.4%)
- **अधिकतम** – बीकानेर ; **न्यूनतम** – श्री गंगानगर
- नगरीय वृद्धि दर (43.6%)
- **अधिकतम** – धौलपुर ; **न्यूनतम** – डूंगरपुर

◈ **लिंगानुपात – 948**
- **अधिकतम** – डूंगरपुर (1000); **न्यूनतम** – धौलपुर (842)
- **ग्रामीण** – 951; **शहरी** – 893

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान में धार्मिक जनसंख्या का प्रतिशत

धर्म	कुल जनसंख्या का प्रतिशत
हिन्दू	88.49
मुस्लिम	9.07
इसाई	0.14
सिख	1.27
बौद्ध	0.02
जैन	0.91
अन्य धर्म	0.01
धर्म नहीं बनाया	0.10

जनगणना 2026

- **अधिसूचित** – 16 जून, 2025
- **बजट** – 11718.24 करोड़
- भारत की **16वीं जनगणना**
- स्वतंत्रता के पश्चात् **8वीं जनगणना**
- **आदर्श वाक्य** – हमारी जनगणना, हमारा विकास
- **शुभंकर** – **"प्रगति" और "विकास"**
- **30 अप्रैल, 2025** को मंत्रिमण्डलीय समिति ने जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल करने का निर्णय लिया।
- भारत की पहली डिजीटल जनगणना
- **जनगणना के चरण-**

दो चरण

हाउसलिस्टिंग और आवास की जनगणना
- **समय** – अप्रैल-सितम्बर 2026
- प्रत्येक राज्य या केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा 30 दिन की अवधि में आयोजित।
- **प्रथम चरण की अधिसूचना** – 7 जनवरी 2026

जनसंख्या गणना
- **समय** – फरवरी 2027
- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखण्ड व हिमाचल प्रदेश में सितम्बर 2026 में आयोजित

◈ **जनगणना के लिए 4 डिजीटल प्लेटफॉर्म लॉन्च –**

1. **हाउस लिस्टिंग ब्लॉक क्रिएटर (HLBC) वेब एप्लिकेशन :-** उपग्रह चित्रों की सहायता से मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाने में सहायक।
2. **HLO मोबाइल एप्लिकेशन :-** प्रगणक मकान – सूचीकरण डेटा एकत्र व अपलोड कर सकते है।
3. **स्व-गणना (SE) पोर्टल**
4. **जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (CMMS) पोर्टल :-** जनगणना से संबंधित गतिविधियों की योजना, प्रबंधन, क्रियान्वयन और निगरानी की जाएगी।

◈ **स्व-गणना :-**

- **15 दिन** की अवधि में (राज. 1 मई – 15 मई)
- ऑनलाइन पोर्टल पर स्व-गणना की सुविधा **16 भाषाओं** में उपलब्ध

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **जनगणना की संदर्भ तिथि:-** 1 मार्च 2027 (लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखण्ड व हिमाचल प्रदेश → अक्टूबर 2026)

Expansion of Administrative Units
Census 2011–2027 Comparison

Administrative Unit	Census 2011	Census 2027
State/UT	35	36
District	640	784
Sub-district	5,990	7,092
Statutory Town	4,041	5,128
Census Town	3,892	4,580
Village	6,40,932	6,39,902

◈ **राजस्थान में जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले तत्त्वों में प्राकृतिक तत्त्व सबसे अधिक प्रभावशाली हैं।**

1. **जलवायु –** पश्चिमी मरुस्थलीय भाग में कम वर्षा (25 से.मी. से कम) एवं उच्च तापमान के कारण जनसंख्या कम है, जबकि अरावली के पूर्व एवं दक्षिण-पूर्वी भागों की अनुकूल जलवायु के कारण जनसंख्या अधिक है।
2. **उच्चावच (स्थलाकृति) –** पश्चिमी राजस्थान के रेतीले एवं बालुका स्तूप वाले क्षेत्रों में जनसंख्या विरल है, जबकि पूर्वी मैदान एवं हाड़ौती पठार में जनसंख्या सघन है।
3. **जल उपलब्धता –** जहाँ जल की उपलब्धता अधिक है, वहाँ जनसंख्या का केन्द्रीकरण हुआ है। पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी राजस्थान इसका प्रमुख उदाहरण हैं।
4. **मृदा की उर्वरता –** उपजाऊ मिट्टी वाले क्षेत्रों में कृषि विकास के कारण जनसंख्या अधिक निवास करती है।
5. **सिंचाई सुविधा –** नहरों एवं सिंचाई परियोजनाओं, विशेषकर इन्दिरा गाँधी नहर, ने गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं बीकानेर जैसे क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा दिया है।
6. **आर्थिक गतिविधियाँ –** कृषि, पशुपालन, खनन एवं औद्योगिक विकास ने जयपुर, कोटा, अलवर, उदयपुर, भीलवाड़ा आदि क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि की है।
7. **अकाल एवं पलायन –** पश्चिमी राजस्थान में अकाल के समय लोग एवं पशुपालक अन्य क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं, जिससे जनसंख्या वितरण प्रभावित होता है।

समस्याएँ एवं नियोजन

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

◈ राजस्थान में जनसंख्या एवं विकास का संतुलन राज्य के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। राज्य में जनसंख्या से संबंधित अनेक समस्याएँ विद्यमान हैं, जिनके समाधान हेतु विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

प्रमुख समस्याएँ:

1. **जनसंख्या वृद्धि :-** 1991-2001 दशक में जनसंख्या वृद्धि दर 28.33% रही, जबकि 2001-2011 में यह घटकर 21.3% हो गई।
2. **असंतुलित लिंगानुपात :-** वर्ष 2001 में प्रति 1000 पुरुषों पर 921 महिलाएँ थीं, जो 2011 में बढ़कर 928 हुईं; फिर भी राष्ट्रीय औसत से कम रहीं।
3. **तीव्र शहरीकरण :-** शहरी जनसंख्या 1981 में 21.1%, 1991 में 25.4%, 2001 में 23.43% तथा 2011 में 24.9% रही। इससे आवास संकट, गंदी बस्तियाँ, प्रदूषण एवं अपराध बढ़े।
4. **कम साक्षरता :-** साक्षरता दर 2001 में 60.41% से बढ़कर 2011 में 66.10% हुई, जबकि महिला साक्षरता 2011 में केवल 52.1% रही।
5. **कम जनसंख्या घनत्व :-** 2001 में जनसंख्या घनत्व 165 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी था, जो 2011 में बढ़कर 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो गया।
6. **जनसंख्या स्थानांतरण :-** ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर पलायन तथा अन्य राज्यों में रोजगार हेतु प्रवास से सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न हुईं।

अन्य समस्याएँ:

- कुपोषण
- स्वास्थ्य सेवाओं की कमी
- पेयजल संकट
- आवासीय समस्या
- बेरोजगारी एवं निर्धनता
- गंदी बस्तियाँ एवं प्रदूषण

नियोजन एवं समाधान:

1. जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण
2. साक्षरता एवं महिला शिक्षा का विस्तार
3. नियोजित शहरीकरण
4. शुद्ध जल, स्वास्थ्य एवं पोषण सुविधाओं का विस्तार
5. परिवार नियोजन कार्यक्रमों को प्रभावी बनाना

सरकारी प्रयास:

- प्रमुख नगरों के मास्टर प्लान तैयार किए गए।
- स्मार्ट सिटी योजना में जयपुर, उदयपुर, अजमेर एवं कोटा का चयन।
- विश्व बैंक एवं U.N.F.P.A. के सहयोग से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परियोजनाएँ।
- राजलक्ष्मी योजना द्वारा नसबंदी को प्रोत्साहन।
- राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (1996-97) के अंतर्गत साक्षरता अभियान।

निष्कर्ष:

- राजस्थान में जनसंख्या नियंत्रण, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा विस्तार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास द्वारा ही संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

जन सांख्यिकी प्रदर्शन

- **जनसंख्या को प्रभावित करने वाले कारक:-**
  - **प्राकृतिक कारक -** जन्म दर (प्रति 1000 व्यक्तियों पर जीवित जन्म की संख्या) 62 1971-1981 के दशक में मृत्यु दर कम व जन्म दर अधिक होने के कारण जनसंख्या वृद्धि दर 32.97% रही।
  - **मृत्यु दर -** (निश्चित अवधि में प्रति 1000 व्यक्तियों पर मृत्यु की संख्या)
    Eg. 1911-1921 - मृत्यु दर अधिक थी।
- **भौगोलिक कारक:-**
  - **जलवायु -** चरम जलवायु मरुस्थलीय &ध्रवीय जलवायु जीवन हेडु अनुकूल नहीं है इस कारण इन क्षेत्रों में जनसंख्या विरल है।
    (**Eg.** जैमलमेर- 6 लाख जनमख)
  - जब्कि समशीतोषण व स्थिर जलवायु जीवन हेतु उपयुक्त दशाएँ प्रदान करती है कारणवश इन क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या निवास करती है।
    (**Eg.** जयपुर- 66 लाख जनसंख्या)
- **मृदा की उर्वरता :-** नदी घाटियाँ पथरीले जलोढ़ मृदा वाले उपजाऊ क्षेत्र कृषि अवसरों की प्रचूतता के कारण घनी आबादी को आकर्षित करते हैं। उदा. - भरतपुर, दौसा, अलवर
- **स्थलाकृति (Terrain) :–** पहाड़ी क्षेत्र, पथरीले इलाके कृषि, परिवहन हेतु अनुत्युक्त होते है इस कारण आसमान तल क्षेत्रों जनसंख्या कम निवास करती है। उदा. – प्रतापगढ व सिरोही में निम्न जसंख्या।
  जबकि समतल मैदानी क्षेत्रों में जनसंख्या अधिक होती है। (अदा. – नागौर, जोधपुर, जयपुर)
- **जल उपलब्धता :–** कृषि कार्य, निर्माण व उद्योग तथा सेवा क्षेत्र एवंम दैनिक कार्यो हेतु जल अति आवश्यक इस कारण प्रचूर जल उपलब्धता वाले क्षेत्र घनी आबादी आकर्षित करते है वहीं सीमित जल संसाधन वाले शुष्क क्षेत्रों जनसंख्या विरल है। उदा. – पूर्वी मैदान की तुलना में पश्चिमी राजस्थान में जनसंख्या कम है)
- **आर्थिक & सामाजिक कारक :–**
  - रोजगार के अवसर हेतु लोगो का ग्रामीण क्षेत्र से नगर की ओर पलायन।
  - आधारभूत सुविधा Eg. शिक्षा, स्वास्थ्, बिपली etc के कारण शहरों में गांव की तुलना में अधिक जनसंख्या।
  - Eg. - जयपुर & अलवर में जल, खनिज, परिवहन etc के कारण आर्थिक अवसर अधिक है वहीं प्रतापगढ में उपरोक्त अवसरों का अभाव है इस कारण प्रतापगढ़ में जनसंरया तुलनात्मक रूप से कम है।
  - युद् & देगों की परिस्थिति से बचने के चलते लोग सुरक्षित स्थानों पर निवास करते है। इस कारण सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या विरल है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. वर्ष 2011 की जनगणना के अन्तरिम आँकड़ों के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या है : (LDC 2011)
(a) 56,507,188 (b) 68,621,012
(c) 62,304,520 (d) 66,724,348

2. वर्ष 2011 में राजस्थान में सर्वाधिक महिला साक्षरता किस जिले में अंकित की गई ? (LDC 2011)
(a) झुंझुनूं (b) जयपुर (c) कोटा (d) अजमेर

3. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में क्रमशः कुल, ग्रामीण और नगरीय का लिंगानुपात था – [Technical Assistant (Geophysics) 2024]
(a) 952, 942, 926 (b) 922, 938, 921
(c) 928, 933, 914 (d) 975, 952, 935

4. राजस्थान का क्षेत्रफल (2001 में) भारत के क्षेत्र का प्रतिशत है (Teacher II Grade Exam. 2011)
(a) 10.41% (b) 20.5%
(c) 18.7% (d) 12.5%

5. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में अनुसूचित जाति की दशाब्दी जनसंख्या वृद्धि दर थी – [Technical Assistant (Geophysics) 2024]
(a) 25.6% (b) 26.1%
(c) 26.8% (d) 27.2%

6. 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का स्थान है - (Teacher II Grade 2011)
(a) छठवां (b) सातवां
(c) आठवां (d) पाँचवां

7. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में अधिकतम व न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः हैं – [Asst. Testing Officer (PWD) 2024]
(a) बांसवाड़ा एवं जैसलमेर (b) डूंगरपुर एवं धौलपुर
(c) जयपुर एवं श्रीगंगानगर (d) प्रतापगढ़ एवं भरतपुर

8. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) समान थी ? [Deputy Jailor (P-II) 2024]
(a) अजमेर, भरतपुर (b) करौली, पाली
(c) जयपुर, जालौर (d) टोंक, दौसा

9. राजस्थान के किस जिले में वर्ष 2001-2011 के दौरान सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर हुई ? (Headmaster 2011)
(a) जैसलमेर (b) बाड़मेर
(c) जयपुर (d) जोधपुर

10. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के किस जिले में महिला साक्षरता की दर न्यूनतम है ? (Headmaster 2011)
(a) बाड़मेर (b) बाँसवाड़ा
(c) सिरोही (d) जालौर

11. सन् 2001-2011 के मध्य न्यूनतम व अधिकतम प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि वाले जिले हैं, क्रमशः (SCHOOL LECTR. 2013)
(a) डूंगरपुर – जयपुर (b) हनुमानगढ़ – दौसा
(c) बाँसवाड़ा – कोटा (d) गंगानगर – बाड़मेर

12. राजस्थान में कौन से जिले 2011 में 100 से कम जनसंख्या घनत्व वाले हैं ? (SCHOOL LECTURER 2013)
(a) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर (b) जैसलमेर, चुरु, जोधपुर
(c) बीकानेर, नागौर, चुरु (d) चुरु, बाड़मेर, जोधपुर

13. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान की शहरी साक्षरता दर थी– [Research Assistant (Evaluation Dept.) 2024]
(a) 79.7% (b) 79.1%
(c) 77.6% (d) 80.9%

14. निम्नलिखित में से कौनसे जिले में जनसंख्या का सबसे कम घनत्व है (जनगणना-2011)? [Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) – 2024]
(a) बीकानेर (b) चूरु
(c) पाली (d) बाड़मेर

15. 2011 की जनगणना में निम्नलिखित में से राजस्थान के किन जिलों में अनुसूचित जाति का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में सबसे कम अंकित किया गया? [Asst. Director (Sci. and Tech. Dept.) – 2024]
(a) राजसमंद तथा डूंगरपुर (b) बांसवाड़ा तथा उदयपुर
(c) डूंगरपुर तथा करौली (d) भरतपुर तथा बांसवाड़ा

16. राजस्थान राज्य में 2001-2011 के दौरान लिंगानुपात में कितने अंकों की वृद्धि हुई ? (PTI GR II & III 2013)
(a) 5 (b) 7 (c) 10 (d) 15

17. राजस्थान के किस जिले में 2011 में महिला साक्षरता उच्चतम है? (ASST. JAILOR 2013)
(a) जयपुर (b) कोटा (c) झुंझुनूं (d) सीकर

18. 2011 में राजस्थान की कुल जनसंख्या में जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत है : (ASST. JAILOR 2013)
(a) 13.8 (b) 16.9 (c) 13.7 (d) 13.5

19. सूची – I को सूची – II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए– (College Lecturer – 2014)

सूची – I (जिले)	सूची – II (लिंगानुपात)
A. डूंगरपुर	(i) 846
B. राजसमन्द	(ii) 990
C. धौलपुर	(iii) 852
D. जैसलमेर	(iv) 994

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

विकल्प:
(a) A-(ii), B-(iv), C-(i), D-(iii)
(b) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(c) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(d) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv)

20. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन/किन जिलों/जिले में 2001–2011 के मध्य जनसंख्या दशकीय वृद्धि दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई? [Lecturer and Coach (G-E) 2024]
(A) बाड़मेर (B) जैसलमेर
(C) बाँसवाड़ा
कूट :
(a) (A), (B) और (C) (b) केवल (A)
(c) (A) और (B) (d) (B) और (C)

21. निम्नलिखित जिलों में से किस जिले में 2011 में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत सबसे कम था? [Research Assistant (Evaluation Dept.) 2024]
(a) श्री गंगानगर (b) चूरू
(c) नागौर (d) हनुमानगढ़

22. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के सर्वाधिक कुल जनसंख्या वाले जिलों को अवरोही क्रम में जमाएँ – (RAS EXAM 2016)
(a) जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर
(b) जयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर
(c) जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर
(d) जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर

23. 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित जिलों के समूह में से सही जनसंख्या घनत्व का अवरोही क्रम कौन सा है? (Sr. Teacher Gr II – 2015)
(a) दौसा, भरतपुर, उदयपुर, कोटा
(b) भरतपुर, कोटा, दौसा, उदयपुर
(c) कोटा, भरतपुर, उदयपुर, दौसा
(d) भरतपुर, दौसा, कोटा, उदयपुर

24. जनगणना 2011 के अनुसार क्रमशः भारत एवं राजस्थान की नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत कितना है? (RAS (Pre) Exam – 2018)
(a) 24.87% एवं 31.15% (b) 34.15% एवं 24.87%
(c) 21.87% एवं 34.15% (d) 31.15% एवं 24.87%

25. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के किन जिलों में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में न्यूनतम है? (RAS (Pre) Exam – 2018)
(a) सीकर और धौलपुर (b) झुंझुनु और चूरू
(c) बीकानेर और नागौर (d) गंगानगर और हनुमानगढ़

26. राजस्थान की जनगणना 2011 के अनुसार निम्न जिलों को उनकी जनसंख्या के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए – (HEADMASTER 2018)
(a) जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर
(b) जयपुर, जोधपुर, अलवर, नागौर
(c) जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर
(d) जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर

27. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? [Lecturer and Coach (G-C) 2024]

	जिले - बाल लिंगानुपात (राजस्थान)	(0 से 6 वर्ष की आयु)
(a)	बाँसवाड़ा	934
(b)	प्रतापगढ़	933
(c)	उदयपुर	926
(d)	भीलवाड़ा	928

28. जनगणना-2011 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिलों का सही युग्म निम्नलिखित में से कौन सा है ? [Lecturer and Coach (G-D) 2024]
(a) अलवर – बाँसवाड़ा (b) डूंगरपुर – राजसमन्द
(c) बाड़मेर – बीकानेर (d) दौसा – धौलपुर

29. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के निम्नांकित जिलों में से किस जिले का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है? [Lecturer and Coach (G-D) 2024]
(a) चित्तौड़गढ़ (b) भीलवाड़ा
(c) हनुमानगढ़ (d) झालावाड़

30. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान के कौन से जिलों में बाल (0–6 वर्ष) लिंगानुपात 850 महिला प्रति 1000 पुरुष से कम पाया गया है? (ASST. ENGINEER EXAM 2018)
(a) करौली एवं गंगानगर (b) करौली एवं सीकर
(c) झुन्झुनु एवं करौली (d) झुन्झुनु एवं सीकर

31. राजस्थान में सन् 2001-2011 के मध्य सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों का युग्म कौन सा है ? [Lecturer and Coach (G-C) 2024]
(a) पाली, सिरोही (b) श्रीगंगानगर, झुंझुनूं
(c) टोंक, बीकानेर (d) हनुमानगढ़, चूरू

32. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में ग्रामीण महिला साक्षरता दर है – (Sr. Teacher Gr II Exam – 2018)
(a) 49.6% (b) 52.1% (c) 45.8% (d) 41.3%

33. जनगणना 2001 एवं 2011 के मध्य, राजस्थान के किन जिलों में लिंगानुपात में कमी आई है? (Sr. Teacher Gr II Exam 2018)
(a) राजसमन्द एवं चूरू (b) अजमेर एवं धौलपुर
(c) अजमेर एवं झालावाड़ (d) धौलपुर एवं झालावाड़

34. कथन (S): राजस्थान में जनसंख्या का वितरण असमान है।
कारण (R): राज्य में जलवायु तथा उच्चावचीय कारकों में विविधता पायी जाती है। **(Sr. Teacher Gr II Exam 2018)**
(a) (S) तथा (R) दोनों सही हैं। (b) (S) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(c) (S) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है। (d) (S) तथा (R) दोनों सही नहीं हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

35. निम्नलिखित में से 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या से सम्बन्धित सही है/हैं ? (Gr II Exam 2018)
(अ) बच्चों का लिंगानुपात – 888
(ब) महिला साक्षरता का प्रतिशत – 52.1
(स) अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत – 16.9
(द) नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत – 25.1
सही उत्तर चुनिए –
(a) (अ) और (ब) सही (b) (स) और (द) सही
(c) (अ), (ब) और (स) सही (d) (ब), (स) और (द) सही

36. सन् 2011 में राजस्थान के कौन से जिलों में उनकी कुल जनसंख्या में सर्वाधिक प्रतिशत ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या है? (Protection Officer – 2018)
(ग्रामीण) — (नगरीय) (ग्रामीण) — (नगरीय)
(a) बाड़मेर — अजमेर (b) सिरोही — जोधपुर
(c) प्रतापगढ़ — जयपुर (d) डूंगरपुर — कोटा

37. अनुसूचित जनजाति के प्रतिशत (2011) के अनुसार जिलों का सही अवरोही क्रम है – (Protection Officer – 2018)
(a) डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़
(b) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर
(c) बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर, डूंगरपुर
(d) डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा

38. 2011 में राजस्थान के कौन से जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक नगरीय जनसंख्या है? (College Lecturer – 2018)
(a) अजमेर और उदयपुर (b) जोधपुर और अजमेर
(c) कोटा और जयपुर (d) जयपुर और बीकानेर

39. जनगणना 2011 के अनुसार, ऐसे कितने जिले थे, जिनमें बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) 912 था ? [Lecturer and Coach (G-B) 2024]
(a) तीन (b) चार
(c) दो (d) पाँच

40. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में ग्रामीण और शहरी साक्षरता दर क्या थी? (Asst. Statistical Officer - 2018)
ग्रामीण — शहरी
(a) 67.3% — 76.2% (b) 71.7% — 78.5%
(c) 61.4% — 79.7% (d) 64.8% — 72.5%

41. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के कौन से जिले में उसकी ग्रामीण जनसंख्या का लिंगानुपात 1000 से अधिक है? (Sr. Teacher Gr II – 2018)
(a) पाली (b) चित्तौड़गढ़
(c) नागौर (d) जालौर

42. वर्ष 2001–2011 के बीच निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन से जिलों में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 30% से अधिक दर्ज़ की गयी? (Sr. Teacher Gr II – 2018)
A. बाँसवाड़ा B. जोधपुर
C. जैसलमेर D. बाड़मेर
कूट :
(a) B, C एवं D (b) B एवं D
(c) A एवं D (d) C एवं D

43. 2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौन से जिलों के समूह में सबसे कम महिला साक्षरता अंकित है ? (Food Safety Officer – 2019)
(a) कोटा, धौलपुर, जयपुर (b) जालौर, बीकानेर, प्रतापगढ़
(c) जालौर, सिरोही, जैसलमेर (d) बाड़मेर, बारां, जालौर

44. 2001 से 2011 के मध्य निम्न में से किस जिले में अनुसूचित जनजाति की दशकिय जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक अंकित की गई है ? (School Lecturer – 2018)
(a) बाँसवाड़ा (b) नागौर
(c) जैसलमेर (d) बाड़मेर

45. राजस्थान में कौन से जिले में जनसंख्या घनत्व 100 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम पाया जाता है? (जनगणना 2011 के अनुसार) (School Lecturer – 2018)
(a) जैसलमेर, बाड़मेर एवं जालौर
(b) जैसलमेर, बाड़मेर एवं जोधपुर
(c) जैसलमेर, बाड़मेर एवं पाली
(d) जैसलमेर, बाड़मेर एवं बीकानेर

46. 2001-2011 के बीच निम्न में से किन जिलों की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर सबसे कम रही ? (Veterinary Officer – 2019)
(a) झुन्झुनूं, जालौर, डूंगरपुर (b) जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर
(c) पाली, झुन्झुनूं, गंगानगर (d) गंगानगर, कोटा, नागौर

47. 2001-2011 जनगणना के दौरान, राजस्थान के जनसंख्या घनत्व में कितना परिवर्तन पाया गया ? [Lecturer and Coach (G-A) 2024]
(a) +35 (b) +28
(c) +38 (d) –32

48. जनगणना 2011 के अनुसार निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन से जिले 30% दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर से उच्च दर दर्शाते हैं? (Agriculture Research Officer– 2020)
(A) बाँसवाड़ा (B) जैसलमेर
(C) बाड़मेर (D) जोधपुर
कूट :
(a) (B) एवं (D) (b) (C) एवं (D)
(c) (A) एवं (B) (d) (B) एवं (C)

49. जनसंख्या घनत्व के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से राजस्थान के जिलों का सही अवरोही क्रम कौन सा है ? (2011 की जनगणना अनुसार) (Agri Research Officer– 2020)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(a) जयपुर, दौसा, भरतपुर एवं अलवर
(b) जयपुर, अलवर, भरतपुर एवं दौसा
(c) जयपुर, भरतपुर, दौसा एवं अलवर
(d) जयपुर, भरतपुर, अलवर एवं दौसा

50. राजस्थान के कौन से जिले में वर्ष 2001-11 अवधि में महिला जनसंख्या में दशकीय वृद्धि दर न्यूनतम रही है ? **(School Lecturer – 2020)**

(a) श्रीगंगानगर (b) पाली
(c) झुंझुनू (d) हनुमानगढ़

51. 2001 से 2011 के मध्य राजस्थान के किस जिले में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या में सर्वाधिक दशकीय परिवर्तन अंकित किया गया ? **(Agri. Officer – 2020)**

(a) नागौर (b) जैसलमेर
(c) बाँसवाड़ा (d) डूंगरपुर

52. नीचे दिये गये कूट के आधार पर सही कथन का चयन कीजिए : **(Agri. Officer – 2020)**

A. 2011 में कोटा जिले ने 76.6% साक्षरता अंकित की।
B. 2011 में जालौर जिले की महिला साक्षरता न्यूनतम रही।
C. बीकानेर जिले ने 2011 में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व अंकित किया।
D. 2011 में राजस्थान की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 21.3% रही।

कूट :
(a) A, B एवं C (b) B, C एवं D
(c) A, B एवं D (d) A, B, C एवं D

53. 2011 की जनगणना के अनुसार निम्न में से किस जिले में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत न्यूनतम है ? **(Agri. Officer – 2020)**

(a) दौसा (b) करौली
(c) जैसलमेर (d) राजसमन्द

54. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के कौन से जिले क्रमशः न्यूनतम ग्रामीण एवं शहरी दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर दर्शाते हैं? **(Forest Range Officer Exam – 2018)**

(a) गंगानगर एवं झुंझनूं (b) कोटा एवं डूंगरपुर
(c) डूंगरपुर एवं कोटा (d) झुंझनूं एवं सीकर

55. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन से वाक्य सही हैं? **(Forest Range Officer Exam – 2018)**

A. राजस्थान की 24.9% जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में रहती है।
B. राजस्थान के शहरी क्षेत्रों का लिंगानुपात 914 है।
C. राजस्थान में अधिकतम बाल लिंगानुपात बाँसवाड़ा जिले में पाया जाता है।
D. राजस्थान में सन् 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या घनत्व में 35 व्यक्ति/वर्ग किलोमीटर बढ़ोतरी हुई।

कूट :
(a) A, B एवं D (b) A, C एवं D
(c) B, C एवं D (d) A, B, C एवं D

56. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के निम्न में से किस जिले का जनसंख्या घनत्व द्वितीय स्थान पर था? **(Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)**

(a) दौसा (b) अलवर
(c) भरतपुर (d) कोटा

57. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के कितने जिलों में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 50 से अधिक था? **(Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari – 2020)**

(a) 04 (b) 02
(c) 05 (d) 03

58. राजस्थान का प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व (2011 की जनगणना के अनुसार) क्या था? **(Lecturer (Tech. Edu.) Exam – 2020)**

(a) 211 (b) 205
(c) 200 (d) 199

59. राज्य में अधिकतम कुल, ग्रामीण एवं नगरीय दशकिय जनसंख्या वृद्धि के संदर्भ में राजस्थान के जिलों का सही क्रम क्या है? (जनगणना 2011 के अनुसार) **(Superintendent Garden – 2021)**

(a) जैसलमेर, बाड़मेर एवं बारा (b) जैसलमेर, अलवर एवं बाड़मेर
(c) बाड़मेर, बारा एवं अलवर (d) बाड़मेर, जैसलमेर एवं अलवर

60. 2001–2011 के दशक में राजस्थान के किस जिले की जनसंख्या वृद्धि दर न्यूनतम थी ? **(SI Exam 2021)**

(a) झुंझुनू (b) गंगानगर
(c) बूंदी (d) पाली

61. राजस्थान में 2001 से 2011 में ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का दशकीय परिवर्तन प्रतिशत है : **(Asst. Prof. – 2020)**

	ग्रामीण	नगरीय		ग्रामीण	नगरीय
(a)	19.0	29.0	(b)	18.8	27.4
(c)	19.1	30.8	(d)	20.8	21.8

62. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के कौन से जिलों में उनकी कुल जनसंख्या का 5% से कम अनुसूचित जाति की जनसंख्या अंकित की गई है ? **(Asst. Prof. – 2020)**

(a) जैसलमेर और जोधपुर (b) उदयपुर और प्रतापगढ़
(c) डूंगरपुर और बाँसवाड़ा (d) चित्तौड़गढ़ और राजसमन्द

63. राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार, किन जिलों में अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में अधिकतम और न्यूनतम है? **(Head Master 2021)**

अधिकतम – न्यूनतम
(A) बाँसवाड़ा – चूरू और गंगानगर
(B) बाँसवाड़ा – बीकानेर और नागौर
(C) प्रतापगढ़ – सीकर और जोधपुर
(D) उदयपुर – भरतपुर और झुंझुनू

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट:
(a) D (b) C
(c) B (d) A

64. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के कौन से जिलों में ग्रामीण और नगरीय लिंगानुपात सर्वाधिक है? (RAS-2021)
ग्रामीण लिंगानुपात – नगरीय लिंगानुपात
(A) राजसमन्द – बाँसवाड़ा (B) डूंगरपुर – टोंक
(C) पाली – चूरू (D) जालौर – नागौर
कूट:
(a) B (b) A (c) D (d) C

65. राजस्थान में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का द्वितीय स्थान पर सर्वाधिक प्रतिशत (2011) (RAS EXAM 2021)
(a) बाँसवाड़ा जिले में (b) प्रतापगढ़ जिले में
(c) डूंगरपुर जिले में (d) दौसा जिले में

66. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नांकित जिलों में से कौन से जिले में न्यूनतम जनसंख्या थी ? [Public Relation Officer 2024]
(a) राजसमंद (b) बूंदी
(c) प्रतापगढ़ (d) सिरोही

67. राजस्थान के कौनसे जिलों में सर्वाधिक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति जनसंख्या पाई जाती है? (जनगणना – 2011 के अनुसार) (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) गंगानगर एवं बाँसवाड़ा (b) बाँसवाड़ा एवं गंगानगर
(c) नागौर एवं बाँसवाड़ा (d) जयपुर एवं उदयपुर

68. राजस्थान की जनगणना 2011 के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूची–I एवं सूची–II को सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर दीजिए – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)

सूची-I	सूची-II
(A) दशकीय वृद्धि	(a) 200
(B) लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुष)	(b) 66.11%
(C) साक्षरता	(c) 928
(D) घनत्व/कि.मी²	(d) 21.31%

कूट – (A) (B) (C) (D)
(a) 4 3 2 1 (b) 3 2 1 4
(c) 1 4 3 2 (d) 2 1 4 3

69. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के औसत लिंगानुपात से अधिक लिंगानुपात वाले जिलों की संख्या है – [Public Relation Officer 2024]
(a) 18 (b) 05
(c) 10 (d) 13

70. 2001 से 2011 दशक में सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर प्रतिशत वाले तीन जिलों का सही अवरोही क्रम है – (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर (b) बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर
(c) जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर (d) बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर

71. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से किस जिले की पुरुष साक्षरता दर सबसे कम थी? (Lecturer (Ayurved Dept.) – 2021)
(a) बारा एवं बूंदी (b) जोधपुर एवं जैसलमेर
(c) भरतपुर एवं धौलपुर (d) बाँसवाड़ा एवं प्रतापगढ़

72. राजस्थान का जिला जहाँ 2001-2011 की अवधि में महिला जनसंख्या में अधिकतम प्रतिशत दशकीय परिवर्तन अंकित किया गया है, वह है - (Statistical Officer – 2021)
(a) अलवर (b) दौसा
(c) राजसमन्द (d) कोटा

73. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में एक लाख से कम नगरीय जनसंख्या वाले जिले थे : [Mines And Geology Dept. Exam – 2024]
(a) डूंगरपुर, जैसलमेर, प्रतापगढ़
(b) डूंगरपुर, जैसलमेर, बाँसवाड़ा
(c) जैसलमेर, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा
(d) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़

74. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक कुल जनसंख्या वाले जिलों का सही आरोही क्रम है- (A.R.O. – 2022)
(a) नागौर, अलवर, जयपुर, जोधपुर
(b) अलवर, नागौर, जोधपुर, जयपुर
(c) नागौर, अलवर, जोधपुर, जयपुर
(d) जयपुर, जोधपुर, नागौर, अलवर

75. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से किस जिले में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक रहा? (A.R.O. – 2022)
(a) जयपुर (b) बाड़मेर
(c) अजमेर (d) कोटा

76. 2011 की जनगणना में राजस्थान में बाल लिंगानुपात था : [Mines And Geology Dept. Exam – 2024]
(a) 892 (b) 874
(c) 888 (d) 928

77. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में 0–6 आयु वर्ग के निम्न में से किस जिले में सबसे कम लिंगानुपात पाया जाता है? (A.R.O. – 2022)
(a) गंगानगर (b) करौली
(c) सीकर (d) झुंझुनूं

78. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्न में से किस जिला समूह में महिला साक्षरता 40% से कम है? [PTI and Librarian 2024]
(a) बाड़मेर – प्रतापगढ़ – सिरोही (b) बाँसवाड़ा – डूंगरपुर – जालौर
(c) जैसलमेर – जालौर – सिरोही (d) जैसलमेर – जालौर – डूंगरपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

79. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में न्यूनतम ग्रामीण एवं नगरीय लिंगानुपात अंकित किया गया? **[PTI and Librarian 2024]**

	ग्रामीण	नगरीय
(a)	धौलपुर	जैसलमेर
(b)	सीकर	प्रतापगढ़
(c)	भीलवाड़ा	डूंगरपुर
(d)	नागौर	जोधपुर

80. भारत की जनगणना 2011 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें – **(School Lec. – 2022)**

(a) भारत का लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर 940 महिलाएँ हैं।

(b) हरियाणा में भारत से सबसे कम लिंगानुपात है, जहाँ प्रति 1000 पुरुषों पर सिर्फ़ 877 महिलाएँ हैं।

गलत उत्तर चुनें –

(a) (a) केवल (b) (b) केवल
(c) (a) और (b) दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

81. 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या में शहरी व ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत क्रमश: कितना है? **(School Lec. – 2022)**

(a) 24.9% – 75.1% (b) 29.4% – 71.5%
(c) 42.9% – 51.7% (d) 29.2% – 70.1%

82. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के किस जिले में लिंगानुपात सर्वाधिक है? **(School Lec. – 2022)**

(a) राजसमंद (b) पाली
(c) डूंगरपुर (d) प्रतापगढ़

83. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में ग्रामीण और नगरीय लिंगानुपात है – **(School Lec. – 2022)**

ग्रामीण – नगरीय ग्रामीण – नगरीय
(a) 930 – 890 (b) 914 – 924
(c) 951 – 901 (d) 933 – 914

84. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में अधिकतम शहरी एवं ग्रामीण लिंगानुपात वाले जिले क्रमश: हैं **(Sch. Lec. – 2022)**

(a) पाली और धौलपुर (b) टोंक और पाली
(c) पाली और जैसलमेर (d) टोंक और जैसलमेर

85. 2011 की जनगणना के अनुसार, अधिकतम लिंगानुपात वाले जिलों का समूह है – **(School Lec. – 2022)**

(a) डूंगरपुर, करौली तथा भरतपुर
(b) डूंगरपुर, पाली तथा प्रतापगढ़
(c) पाली, गंगानगर तथा सवाई माधोपुर
(d) प्रतापगढ़, बाड़मेर तथा करौली

86. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में एक लाख और उससे अधिक जनसंख्या वाले कितने शहर और नगर थे? **(Protection Officer – 2022)**

(a) 22 (b) 26
(c) 30 (d) 32

87. निम्नलिखित में से कौन सा कथन राजस्थान में लिंगानुपात के बारे में जनगणना 2011 के अनुसार सही नहीं है? **(Sec. Gr. 2022)**

(a) ग्रामीण लिंगानुपात 933 था।
(b) नगरीय लिंगानुपात 914 था।
(c) बाल लिंगानुपात (0–6 आयु समूह) 898 था।
(d) बाल लिंगानुपात (0–6 आयु समूह) बाँसवाड़ा जिले में सर्वाधिक था।

88. 2001-2011 के दशक के दौरान राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों का सही युग्म है – **(Sr. Tr. Gr-II – 2022)**

(a) झुंझुनूं, पाली (b) पाली, गंगानगर
(c) गंगानगर, झुंझुनूं (d) गंगानगर, बूंदी

89. 2011 की जनगणना के अनुसार, 400 से अधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिलों का चयन कीजिए : **(Hospl. Care Taker – 2022)**

A. दौसा B. सीकर
C. झुंझुनूं D. भरतपुर

(a) A, B और C (b) A और D
(c) C और D (d) B और C

90. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में पुरुष एवं महिला साक्षरता के बीच अंतर लगभग था– **(Sr. Tear. Gr II – 2022)**

(a) 23.4% (b) 24.5% (c) 22% (d) 27%

91. सन 2001–2011 के मध्य राजस्थान के किस जिले में जनसंख्या वृद्धि दर सर्वाधिक रही ? **(Sec. Gr II – 2022)**

(a) बाड़मेर (b) जैसलमेर
(c) जोधपुर (d) जयपुर

92. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की कुल जनजातीय जनसंख्या में 90% से अधिक शामिल हैं : **(Sr. Teacher Gr II – 2022)**

(a) मीणा तथा गरासिया (b) मीणा तथा भील
(c) भील तथा सहरिया (d) मीणा तथा सहरिया

93. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में महिला साक्षरता दर थी : **(Sr. Teacher Gr II – 2022)**

(a) 70.73% (b) 79.61% (c) 72.52% (d) 67.91%

94. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में कौन से जिलों का युग्म, महिला साक्षरता दर में प्रथम एवं द्वितीय स्थान रखता है? **(Sr. Physical Edu Teacher Exam – 2022)**

स्थान-I — स्थान-II स्थान-I — स्थान-II
(a) कोटा – जयपुर (b) जयपुर – अलवर
(c) कोटा – अजमेर (d) कोटा – अलवर

95. 2011 की जनगणना के अनुसार, ग्रामीण राजस्थान में बच्चों (0–6 वर्ष आयु वर्ग) का लिंगानुपात है – **(Sr. Physical Edu Teacher Exam – 2022)**

(a) 882 (b) 874 (c) 892 (d) 903

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

96. सबसे अधिक और सबसे कम महिला साक्षरता प्रतिशत, जनगणना 2011 के अनुसार, निम्न में से किस जिलों के युग्म में पायी जाती है ? (Food Safety Officer – 2022)

(a) जयपुर – अलवर (b) कोटा – जालौर
(c) कोटा – जैसलमेर (d) जयपुर – सिरोही

97. जनगणना 2011 के अनुसार, 2001 से 2011 तक सर्वाधिक शहरी दशकीय परिवर्तन दर (%) राजस्थान के निम्नलिखित किस जिले में पायी गयी? (Sr. Teacher Gr II – 2022)

(a) जैसलमेर (b) अलवर
(c) जयपुर (d) कोटा

98. उन जिलों के समूह का चयन कीजिए जहाँ 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत 60% से अधिक था। (Sr. Teacher Gr II – 2022)

(a) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर तथा उदयपुर
(b) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर तथा प्रतापगढ़
(c) डूंगरपुर, उदयपुर तथा प्रतापगढ़
(d) डूंगरपुर, उदयपुर तथा दौसा

99. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह ने सबसे कम जनसंख्या घनत्व अंकित किया गया? (Sr. Teacher Gr II – 2022)

(a) जैसलमेर, बीकानेर, चूरू (b) बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर
(c) जैसलमेर, बीकानेर, पाली (d) बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर

100. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में कितने जिलों की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 28 प्रतिशत से अधिक है ? (Statistical Officer Exam – 2023)

(a) 08 (b) 05 (c) 03 (d) 01

101. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन दो जिलों में उनकी कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की न्यूनतम प्रतिशत है ? (Asst. Prof., Librarian Exam – 2023)

(a) हनुमानगढ़, चूरू (b) गंगानगर, नागौर
(c) बीकानेर, नागौर (d) बीकानेर, चूरू

102. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित जिलों के लिंगानुपात के आधार पर सही अवरोही क्रम चुनिए : (Asst. Prof., Librarian Exam – 2023)

(a) टोंक, दौसा, अलवर, पाली (b) पाली, टोंक, दौसा, अलवर
(c) अलवर, पाली, टोंक, दौसा (d) दौसा, अलवर, पाली, टोंक

103. सूची–I को सूची–II से मिलाइए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए- (Asst. Prof., Librarian Exam – 2023)

सूची–I (जिला)	सूची–II (जिले की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियां – 2011 जनगणना (प्रतिशत))
(a) करौली	(I) 17.77
(b) बीकानेर	(II) 21.87
(c) भरतपुर	(III) 20.88
(d) अलवर	(IV) 24.31

कूट –

(a) (a-IV), (b-III), (c-II), (d-I)
(b) (a-I), (b-II), (c-III), (d-IV)
(c) (a-II), (b-III), (c-IV), (d-I)
(d) (a-IV), (b-II), (c-III), (d-I)

104. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में जनसंख्या घनत्व के आधार पर द्वितीय स्थान (II) वाला जिला कौन सा है ? (ASST. ENGINEER 2023)

(a) भरतपुर (b) जयपुर
(c) धौलपुर (d) दौसा

105. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में कौन से जिलों का युग्म साक्षरता दर में प्रथम व अन्तिम स्थान रखता है ? (ASST. ENGINEER 2023)

(a) सीकर, बाँसवाड़ा (b) जयपुर, बाड़मेर
(c) कोटा, जालौर (d) अलवर, सिरोही

106. जनगणना 2011 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर सबसे कम थी – (Archaeology and Museums Dept. Exam – 2023)

(a) कोटा में (b) जैसलमेर में
(c) झुंझुनू में (d) गंगानगर में

107. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्नलिखित में से जिलों के किस समूह की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 10 से 12 प्रतिशत के बीच थी? (Archaeology and Museums Dept. Exam – 2023)

(a) झुंझुनू, पाली तथा गंगानगर की
(b) पाली, झुंझुनू तथा सिरोही की
(c) गंगानगर, बूंदी तथा चित्तौड़गढ़ की
(d) गंगानगर, सवाई माधोपुर तथा पाली की

108. जनगणना 2011 के अनुसार, 2001 से 2011 के दौरान राजस्थान में कुल नगरीय जनसंख्या में कितनी वृद्धि हुई? (Archives Department Recruitment – 2024)

(a) 3.4% (b) 1.5%
(c) 5.6% (d) 2.5%

109. राजस्थान में जनसंख्या की वृद्धि दर (2001–2011) सर्वाधिक तथा सबसे कम क्रमशः थी – (Archives Department Recruitment – 2024)

(a) जैसलमेर और गंगानगर में (b) बाड़मेर और झुंझुनूं में
(c) बाड़मेर और गंगानगर में (d) गंगानगर और जोधपुर में

110. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में एक मिलियन से कम कुल जनसंख्या वाले जिलों का समूह कौनसा है? (Archives Department Recruitment – 2024)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(a) जैसलमेर, डूंगरपुर (b) जैसलमेर, प्रतापगढ़
(c) प्रतापगढ़, सिरोही (d) जैसलमेर, सिरोही

111. जनगणना 2001–2011 में राजस्थान में बाल लिंगानुपात (0–6 वर्ष) में क्या अन्तर था?
(Archives Department Recruitment – 2024)
(a) –21 (b) +8 (c) –12 (d) +6

112. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में जनसंख्या घनत्व 401 से 500 के मध्य था?
(Archives Department Recruitment – 2024)
(a) अलवर, दौसा, धौलपुर (b) दौसा, अलवर, भरतपुर
(c) अलवर, धौलपुर (d) अलवर, दौसा

113. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के किस जिले में कार्य सहभागिता दर सर्वाधिक है?
(Archives Department Recruitment – 2024)
(a) उदयपुर (b) जयपुर
(c) अलवर (d) प्रतापगढ़

114. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का कितना प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में निवास करता है?
(Archives Dept. Recruitment – 2024)
(a) 0.5 (b) 5.5
(c) 1.5 (d) 3.5

115. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के किस जिले में न्यूनतम बाल लिंगानुपात है?
(Archives Department Recruitment – 2024)
(a) झुंझुनू (b) दौसा
(c) अलवर (d) भरतपुर

116. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर / नगरीय संकुल कितने थे?
(Asst. Statistical Officer– 2024)
(a) 6 (b) 4 (c) 3 (d) 5

117. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 15-24 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं की साक्षरता दर है –
(Asst. Statistical Officer – 2024)
(a) 96.54 (b) 81.73
(c) 79.46 (d) 88.89

118. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में नगरीय क्षेत्र में 800 से कम लिंगानुपात रखने वाला जिला कौनसा है?
(Asst. Statistical Officer – 2024)
(a) जैसलमेर (b) गंगानगर
(c) बाड़मेर (d) अलवर

119. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से सर्वाधिक शिशु (0–6 वर्ष) लिंगानुपात किस जिले में है?
(Asst. Prof. – 2024)
(a) बारां (b) बाँसवाड़ा
(c) कोटा (d) जयपुर

120. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में पुरुष और महिला साक्षरता दर में लगभग कितना अंतर है? (Asst. Prof. – 2024)
(a) 13% (b) 27% (c) 20% (d) 14%

121. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के कौनसे जिलों में क्रमश: ग्रामीण – शहरी शिशु लिंगानुपात (0 से 6 वर्ष) सर्वाधिक है? (Sr. Teacher Exam – 2024)
(a) कोटा – उदयपुर (b) प्रतापगढ़ – बारां
(c) पाली – भीलवाड़ा (d) बाँसवाड़ा – नागौर

122. राजस्थान में कुल साक्षरता दर (जनगणना 2011) के घटते हुए क्रम के आधार पर जिलों का सही क्रम है- (RAS Pre. – 2024)
(a) जयपुर, झुंझनू, कोटा, सीकर, अलवर
(b) कोटा, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, अलवर
(c) झुंझुनू, कोटा, सीकर, जयपुर, अलवर
(d) कोटा, झुंझुनू, जयपुर, अलवर, सीकर

123. कौनसा कथन सही नहीं है? (Librarian Gr-II – 2024)
(A) 2011 में झुन्झुनूं जिले में सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर अंकित की गई।
(B) 2011 में जयपुर जिले में सर्वाधिक साक्षरता दर थी।
(C) 2011 में प्रतापगढ़ जिले में सबसे कम पुरुष साक्षरता दर रही।
सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए –
कूट –
(a) केवल (A) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (B) (d) केवल (B)

124. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में, अधिकतम व न्यूनतम नगरीय बाल लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः थे –
(Librarian Gr-II – 2024)
(a) टोंक और जैसलमेर (b) नागौर और धौलपुर
(c) बीकानेर और धौलपुर (d) नागौर और बीकानेर

125. 2011 में राजस्थान में ग्रामीण एवं नगरीय पुरुष साक्षरता दर क्रमश: थी– (Local Self Govt. Dept Re-Exam- 2022)
(a) 76.2% और 87.9% (b) 87.9% और 77.7%
(c) 77.9% और 85.2% (d) 75.1% और 79.7%

126. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में साक्षरता दर क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम है?
(Agriculture Officer Exam – 2024)
(a) जयपुर और जालौर (b) कोटा और जालौर
(c) अजमेर और प्रतापगढ़ (d) जालौर और कोटा

127. निम्नलिखित में से कौन सा दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001 से 2011) के अनुसार सही आरोही क्रम में सुव्यवस्थित है?
(Agriculture Officer Exam – 2024)
(a) जोधपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर (b) जयपुर, बाँसवाड़ा, जोधपुर
(c) जयपुर, जोधपुर, बाँसवाड़ा (d) बाँसवाड़ा, जयपुर, जोधपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

128. 2011 की जनगणना के अनुसार, निम्न में से किस जिला समूह में महिला साक्षरता 40% से कम है?
(PTI and Librarian – 2024)
(a) बाड़मेर – प्रतापगढ़ – सिरोही (b) बाँसवाड़ा – डूंगरपुर – जालौर
(c) जैसलमेर – जालौर – सिरोही (d) जैसलमेर – जालौर – डूंगरपुर

129. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में न्यूनतम ग्रामीण एवं नगरीय लिंगानुपात अंकित किया गया?
(PTI and Librarian – 2024)
ग्रामीण – नगरीय ग्रामीण – नगरीय
(a) धौलपुर – जैसलमेर (b) सीकर – प्रतापगढ़
(c) भीलवाड़ा – डूंगरपुर (d) नागौर – जोधपुर

130. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में एक लाख से कम नगरीय जनसंख्या वाले जिले थे :
(Mines And Geology Dept. – 2024)
(a) डूंगरपुर, जैसलमेर, प्रतापगढ़ (b) डूंगरपुर, जैसलमेर, बाँसवाड़ा
(c) जैसलमेर, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा (d) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़

131. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के औसत लिंगानुपात से अधिक लिंगानुपात वाले जिलों की संख्या है-
(Public Relation Officer – 2024)
(a) 18 (b) 05 (c) 10 (d) 13

132. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नांकित जिलों में से कौन से जिले में न्यूनतम जनसंख्या थी ? (Public Relation Officer – 2024)
(a) राजसमंद (b) बूंदी
(c) प्रतापगढ़ (d) सिरोही

133. 2001-2011 जनगणना के दौरान, राजस्थान के जनसंख्या घनत्व में कितना परिवर्तन पाया गया?
(Lecturer and Coach Exam-2024)
(a) +35 (b) +28 (c) +38 (d) -32

134. जनगणना 2011 के अनुसार, ऐसे कितने जिले थे, जिनमें बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) 912 था ?
(Lecturer and Coach – Exam-2024)
(a) तीन (b) चार (c) दो (d) पाँच

135. राजस्थान में सन् 2001-2011 के मध्य सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों का युग्म कौन सा है ?
(Lecturer and Coach – Exam-2024)
(a) पाली, सिरोही (b) श्रीगंगानगर, झुंझुनूं
(c) टोंक, बीकानेर (d) हनुमानगढ़, चूरू

136. जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Lecturer and Coach – Exam-2024)
जिले — बाल लिंगानुपात (राजस्थान) (0 से 6 वर्ष की आयु)
(a) बाँसवाड़ा — 934 (b) प्रतापगढ़ — 933
(c) उदयपुर — 926 (d) भीलवाड़ा — 828

137. जनगणना-2011 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिलों का सही युग्म निम्नलिखित में से कौन सा है ?
(Lecturer and Coach – Exam-2024)
(a) अलवर – बाँसवाड़ा (b) डूंगरपुर – राजसमन्द
(c) बाड़मेर – बीकानेर (d) दौसा – धौलपुर

138. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के निम्नांकित जिलों में से किस जिले का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है ?
(Lecturer and Coach – Exam-2024)
(a) चित्तौड़गढ़ (b) भीलवाड़ा
(c) हनुमानगढ़ (d) झालावाड़

139. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन/किन जिलों/जिले में 2001–2011 के मध्य जनसंख्या दशकीय वृद्धि दर 30 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई? (Lecturer and Coach – Exam-2024)
(A) बाड़मेर (B) जैसलमेर (C) बाँसवाड़ा
कूट :
(a) (A), (B) और (C) (b) केवल (A)
(c) (A) और (B) (d) (B) और (C)

140. निम्नलिखित जिलों में से किस जिले में 2011 में कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत सबसे कम था?
(Research Assistant – 2024)
(a) श्री गंगानगर (b) चूरू
(c) नागौर (d) हनुमानगढ़

141. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान की शहरी साक्षरता दर थी-
(Research Assistant – 2024)
(a) 79.7% (b) 79.1%
(c) 77.6% (d) 80.9%

142. निम्नलिखित में से कौनसे जिले में जनसंख्या का सबसे कम घनत्व है (जनगणना-2011)? (Asst. Director – 2024)
(a) बीकानेर (b) चूरु
(c) पाली (d) बाड़मेर

143. 2011 की जनगणना में निम्नलिखित में से राजस्थान के किन जिलों में अनुसूचित जाति का प्रतिशत उनकी कुल जनसंख्या में सबसे कम अंकित किया गया? (Asst. Director – 2024)
(a) राजसमंद तथा डूंगरपुर (b) बाँसवाड़ा तथा उदयपुर
(c) डूंगरपुर तथा करौली (d) भरतपुर तथा बाँसवाड़ा

144. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में अधिकतम व न्यूनतम ग्रामीण लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः हैं –
(Asst. Testing Officer (PWD) – 2024)
(a) बाँसवाड़ा एवं जैसलमेर (b) डूंगरपुर एवं धौलपुर
(c) जयपुर एवं श्रीगंगानगर (d) प्रतापगढ़ एवं भरतपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

145. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) समान थी ?
(Deputy Jailor – 2024)
(a) अजमेर, भरतपुर (b) करौली, पाली
(c) जयपुर, जालौर (d) टोंक, दौसा

146. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में अनुसूचित जाति की दशाब्दी जनसंख्या वृद्धि दर थी –
(Technical Assistant – 2024)
(a) 25.6% (b) 26.1%
(c) 26.8% (d) 27.2%

147. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में क्रमशः कुल, ग्रामीण और नगरीय का लिंगानुपात था –
(a) 952, 942, 926 (b) 922, 938, 921
(c) 928, 933, 914 (d) 975, 952, 935

148. जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में पुरुषों तथा महिलाओं की साक्षरता दर क्या थी? [Deputy Com.– 2025]
(a) 79.2-53.2 (b) 80.2-51.2
(c) 81.2-53.8 (d) 79.2-52.1

149. राजस्थान में 2001-2011 के मध्य किस जिले में दशकीय जनसंख्या प्रतिशत वृद्धि दर परिवर्तन सबसे कम अंकित किया गया? [Deputy Com.– 2025]
(a) गंगानगर (b) झुंझुनू
(c) पाली (d) बांसवाडा

150. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 25 लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलों की कुल संख्या है –
[Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) आठ (b) चार
(c) नौ (d) दस

151. जनगणना-2011 के अनुसार, राजस्थान में महिला जनसंख्या सबसे कम किस जिले में थी?[Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) प्रतापगढ़ (b) बूंदी
(c) जैसलमेर (d) धौलपुर

152. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के कितने जिलों में महिला साक्षरता दर 60 प्रतिशत से अधिक थी?
[Protection Officer - 2025]
(a) दो (b) चार
(c) तीन (d) एक

153. जनगणना-2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से किस जिले की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है ?
[Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) जोधपुर (b) बीकानेर
(c) चुरू (d) अजमेर

154. निम्नांकित में से किस जिले में नगरीय जनसंख्या में दशकीय परिवर्तन दर का प्रतिशत (2001-2011) सर्वाधिक है ?
[Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) कोटा (b) राजसमन्द
(c) अलवर (d) दौसा

155. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में साक्षरता दर 55 प्रतिशत से कम थी ?
[Sr. Teacher (G-B) - 2025]
(a) सिरोही (b) प्रतापगढ़
(c) जालौर (d) बाड़मेर

156. जनगणना 2011 के अनुसार, शहरी राजस्थान में 2001-2011 तक दशकीय परिवर्तन निम्न में से किस जिले में सबसे कम था?
[Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) अलवर (b) प्रतापगढ़
(c) हनुमानगढ़ (d) डूंगरपुर

157. 2011 की जनगणना में, राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले का शिशु लिंगानुपात अन्य जिलों की तुलना में सर्वाधिक था? [Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) प्रतापगढ़ (b) बाँसवाड़ा
(c) डूंगरपुर (d) भीलवाड़ा

158. राजस्थान के कौनसे जिले में 2001-2011 के दौरान जनसंख्या में सर्वाधिक प्रतिशत दशाब्दी अन्तर अंकित किया गया?
[Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(a) बीकानेर (b) बांसवाड़ा
(c) जैसलमेर (d) बाड़मेर

159. जनगणना-2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के युग्म में उनकी कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत सबसे कम था?
[Sr. Teacher (G-D) - 2025]
(a) जोधपुर, पाली (b) बीकानेर, नागौर
(c) गंगानगर, हनुमानगढ़ (d) चूरू, गंगानगर

160. निम्नलिखित में से किस जिले में राजस्थान में नगरीय जनसंख्या लिंगानुपात न्यूनतम था (जनगणना-2011)?
[Sr. Teacher (S.Sc.) - 2025]
(a) अलवर (b) धौलपुर
(c) गंगानगर (d) जैसलमेर

161. निम्नलिखित में से कौन सा समूह सर्वोच्च बाल जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में लिंगानुपात (0-6 आयु समूह) वाले तीन जिलों को अभिव्यक्त करता है ?
[Asst. Engineer (A.En.) - 2025]
(a) बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, उदयपुर
(b) प्रतापगढ़, उदयपुर, भीलवाड़ा
(c) बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़
(d) बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

162. 2011 में राजस्थान की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का प्रतिशत कितना था ? [S.I. Telecom - 2025]
(a) 16.9% (b) 17.5%
(c) 17.8% (d) 17.2%

163. 2011 की जनगणना में, राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों का जनसंख्या घनत्व राजस्थान के जनसंख्या घनत्व की तुलना में कम था? [Agriculture Dept. 2024]
(a) झुन्झुनूं तथा करौली (b) अलवर तथा सीकर
(c) डूंगरपुर तथा कोटा (d) बीकानेर तथा चूरू

164. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में क्रमशः सर्वाधिक व न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर है? [Agriculture Dept. 2024]
(a) जैसलमेर, गंगानगर (b) बाड़मेर, झुन्झुनूं
(c) बाड़मेर, गंगानगर (d) जैसलमेर, झुन्झुनूं

165. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किस जिले की कुल जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है? [A.S.O. - 2025]
(a) झालावाड़ (b) डूंगरपुर
(c) बांसवाड़ा (d) उदयपुर

166. 2001-2011 के बीच राजस्थान की जनसंख्या वृद्धि दर थी- [A.S.O. - 2025]

ग्रामीण	नगरीय	कुल
(a) 17.9%	31%	21.2%
(b) 19%	29%	21.3%
(c) 20%	30%	21.9%
(d) 18%	28%	21.13%

167. 2011 में, राजस्थान की ग्रामीण साक्षरता दर थी [Asst. Professor 2025]
(a) 79.7% (b) 66.1%
(c) 61.4% (d) 61.9%

168. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के कितने जिलों की कुल जनसंख्या में 50% से अधिक जनसंख्या अनुसूचित जनजाति की थी ? [Asst. Professor 2025]
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

169. राजस्थान में कुल साक्षरता दर (जनगणना 2011) के घटते हुए क्रम के आधार पर जिलों का सही क्रम है – [RAS 2024]
(a) जयपुर, झुंझुनू, कोटा, सीकर, अलवर
(b) कोटा, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, अलवर
(c) झुंझुनू, कोटा, सीकर, जयपुर, अलवर
(d) कोटा, झुंझुनू, जयपुर, अलवर, सीकर

170. कौनसा कथन सही नहीं है? [Librarian Grade-II (School Edu.) P-I 2024]
(A) 2011 में झुन्झुनूं जिले में सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर अंकित की गई।
(B) 2011 में जयपुर जिले में सर्वाधिक साक्षरता दर थी।
(C) 2011 में प्रतापगढ़ जिले में सबसे कम पुरुष साक्षरता दर रही।
सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए –
कूट –
(a) केवल (A) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (B) (d) केवल (B)

171. जनगणना 2011 के अनुसार, राजस्थान में, अधिकतम व न्यूनतम नगरीय बाल लिंगानुपात वाले जिले क्रमशः थे – [Librarian Grade-II (School Edu.) P-I 2024]
(a) टोंक और जैसलमेर (b) नागौर और धौलपुर
(c) बीकानेर और धौलपुर (d) नागौर और बीकानेर

172. 2011 में राजस्थान में ग्रामीण एवं नगरीय पुरुष साक्षरता दर क्रमशः थी – [EO/RO Re Exam 2025]
(a) 76.2% और 87.9% (b) 87.9% और 77.7%
(c) 77.9% और 85.2% (d) 75.1% और 79.7%

173. 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किन जिलों में साक्षरता दर क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम है? [Agriculture Officer 2024]
(a) जयपुर और जालौर (b) कोटा और जालौर
(c) अजमेर और प्रतापगढ़ (d) जालौर और कोटा

174. निम्नलिखित में से कौन सा दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001 से 2011) के अनुसार सही आरोही क्रम में सुव्यवस्थित है? [Agriculture Officer 2024]
(a) जोधपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर (b) जयपुर, बाँसवाड़ा, जोधपुर
(c) जयपुर, जोधपुर, बाँसवाड़ा (d) बाँसवाड़ा, जयपुर, जोधपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Answer Key

1	b	2	c	3	c	4	a	5	b	6	c	7	b	8	c	9	b	10	d
11	d	12	a	13	a	14	a	15	b	16	b	17	b	18	d	19	c	20	c
21	c	22	b	23	d	24	d	25	c	26	b	27	c	28	b	29	c	30	d
31	b	32	c	33	a	34	a	35	a	36	d	37	b	38	c	39	a	40	c
41	a	42	d	43	c	44	b	45	d	46	c	47	a	48	d	49	c	50	a
51	a	52	c	53	a	54	b	55	d	56	c	57	b	58	c	59	d	60	b
61	a	62	c	63	c	64	*	65	c	66	c	67	d	68	a	69	a	70	b
71	d	72	a	73	a	74	c	75	d	76	c	77	d	78	c	79	a	80	c
81	a	82	c	83	d	84	b	85	b	86	c	87	c	88	c	89	b	90	d
91	a	92	b	93	a	94	a	95	c	96	b	97	b	98	b	99	d	100	b
101	c	102	b	103	a	104	a	105	c	106	a	107	a	108	b	109	c	110	b
111	a	112	d	113	d	114	d	115	a	116	d	117	b	118	a	119	b	120	b
121	d	122	b	123	d	124	b	125	a	126	b	127	b	128	c	129	a	130	a
131	a	132	c	133	a	134	a	135	b	136	c	137	b	138	c	139	c	140	c
141	a	142	a	143	b	144	b	145	c	146	b	147	c	148	d	149	a	150	c
151	c	152	c	153	d	154	c	155	c	156	d	157	b	158	d	159	b	160	d
161	d	162	c	163	d	164	c	165	b	166	b	167	c	168	b	169	b	170	d
171	b	172	a	173	b	174	b												

RAS Mains PYQ

Q. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान पुरुष एवं स्त्री साक्षरता की दरें क्या हैं ?

[RAS Mains 2016 (2 Marks)]

Q. जनगणना 2011 के आधार पर राजस्थान में 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व से अधिक घनत्व के जिलों के नाम लिखिए। **[RAS Mains 2016 (Sp) (2 Marks)]**

Q. राजस्थान के जनसंख्या वितरण पर भू-आकृति एवं जलवायु के प्रभावों का विवेचन कीजिए।

[RAS Mains 2023 (10 Marks)]

15 नगरीकरण

संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल सतत् विकास रिपोर्ट, 2023

- विश्व की आधी से अधिक आबादी शहरों में निवास कर रही है।
- इसकी हिस्सेदारी वर्ष 2050 तक 66.66% तक होने का अनुमान है।
- शहरीकरण, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि शहरी और महानगरीय क्षेत्र वैश्विक GDP में लगभग 80% योगदान देते हैं।

स्वच्छ शहरों एवं आवास विकास पर प्रमुख बिंदु

- **शहरों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए 5R रणनीति अपनाई जाएगी, जिसमें-**
  - **5R दृष्टिकोण का उपयोग:-**

    (i) कम करें (Reduce) – संसाधनों के अनावश्यक उपयोग को रोकना।
    (ii) पुनः उपयोग करें (Reuse) – वस्तुओं को पुनः उपयोग योग्य बनाना।
    (iii) रीसायकल करें (Recycle) – कचरे को पुनः प्रसंस्करण करके उपयोगी बनाना।
    (iv) पुनः प्राप्त करें (Recover) – ऊर्जा या अन्य संसाधनों की पुनर्प्राप्ति।
    (v) निकालें (Remove) – अनुपयोगी और हानिकारक कचरे को सही तरीके से निष्पादित करना।

भारत और राजस्थान में शहरी जनसंख्या की हिस्सेदारी

	वर्ष 1961	वर्ष 2011	2021 (अनुमानित)	2031 (अनुमानित)
भारत	17.97%	31.14%	34.43%	37.55%
राजस्थान	16.28%	24.87%	26.33%	27.74%

राजस्थान की जनसंख्या (करोड़ में)

	2001	2011 (करोड़)
कुल जनसंख्या	565 लाख	6.85
पुरूष जनसंख्या	2.94 लाख	3.55
महिला जनसंख्या	2.70 लाख	3.30

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

राजस्थान की शहरी जनंसख्या (लाख में)

	2001 (लाख)	2011 (लाख)	2021 (लाख)	2031 (अनुमानित) [लाख]
महिला	62	81	100	116
पुरूष	70	89	109	126
कुल	132	170	209	242

राजस्थान में 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या (जनगणना 2001 एवं 2011)

वर्ष	0-6 आयु वर्ग की कुल जनसंख्या	लड़कों का प्रतिशत	लड़कियों का प्रतिशत
2001	लगभग 106 लाख	52.39%	47.61%
2011	लगभग 106 लाख	52.95%	47.05%

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

लिंगानुपात

- वर्ष 2011 में , राजस्थान के **शहरी क्षेत्र में लिंगानुपात प्रति हजार पुरूषों पर 914 महिलाओं** का था।
- वर्ष 2011 में **ग्रामीण क्षेत्र में लिंगानुपात प्रति 1000 पुरूषों पर 933 महिलाओं** का है।

बाल लिंगानुपात - (0-6 वर्ष आयु वर्ग, प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या):-

- **शहरी राजस्थान -** 2011 में बाल लिंगानुपात घटकर 874 हो गया। (2001 = 887)
- **ग्रामीण राजस्थान -** 2011 में यह घटकर 892 हो गया। (2001 = 914)

सर्वाधिक शहरी लिंगानुपात वाले जिले		
क्र.स.	जिले	लिंगानुपात
1.	टोंक	985
2.	बांसवाड़ा	964
3.	प्रतापगढ़	963
4.	डूंगरपुर	951
5.	राजसमंद	948

न्यूनतम शहरी लिंगानुपात वाले जिले		
क्र.स.	जिले	लिंगानुपात
1.	जैसलमेर	807
2.	धौलपुर	864
3.	अलवर	872
4.	गंगानगर	878
5.	भरतपुर	887

सर्वाधिक शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिले		
क्र.स.	जिले	लिंगानुपात
1.	नागौर	907
2.	बीकानेर	906
3.	भीलवाड़ा	904
4.	बारां	901
5.	चुरू	899

न्यूनतम शहरी बाल लिंगानुपात वाले जिले		
क्र.स.	जिले	लिंगानुपात
1.	धौलपुर	841
2.	गंगानगर	842
3.	दौसा	847
4.	अलवर	851
5.	भरतपुर	852

साक्षरता दर :-

कुल साक्षरता दर	2001	2011
	60.40%	66.11% [शहरी- 79.70%, ग्रामीण- 61.40%]

सर्वाधिक शहरी साक्षरता वाले जिले			न्यूनतम शहरी साक्षरता वाले जिले		
क्र. सं.	जिला	साक्षरता प्रतिशत में	क्र. सं.	जिला	साक्षरता प्रतिशत में
1.	उदयपुर	87.5	1.	नागौर	70.6
2.	बांसवाडा	85.2	2.	जालौर	71.1
3.	प्रतापगढ़	84.8	3.	चुरू	72.6
4.	डूंगरपुर	84.4	4.	धौलपुर	72.7
5.	अजमेर	83.9	5.	करौली	72.8

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान के सबसे बड़े शहर

[1] **जयपुर** (30.46 लाख - सबसे अधिक)
[2] **जोधपुर** (11.38 लाख)
[3] **कोटा** (10.02 लाख)
[4] **बीकानेर** (6.44 लाख)

[**Note-** बांसवाडा (1.01 लाख - सबसे कम)]

राजस्थान में सबसे अधिक व सबसे कम शहरीकृत जिले –

क्र.स.	राज. के सबसे अधिक शहरीकृत जिले (% के आधार पर)
1.	कोटा (60.31%)
2.	जयपुर (52.40%)
3.	अजमेर (40.08%)
4.	जोधपुर (34.30%)
5.	बीकानेर (33.86%)

क्र.स.	राज. के सबसे कम शहरीकृत जिले (% के आधार पर)
1.	डूंगरपुर (6.39%)
2.	बाड़मेर (6.98%)
3.	बांसवाड़ा (7.10%)
4.	प्रतापगढ़ (8.27%)
5.	जालौर (8.30%)

राजस्थान में ग्रामीण से शहरी पलायन :-

- **जनगणना 2011 में डाटा के अनुसार कारण -**

	पुरूष (काम / रोजगार)	महिला (विवाह)
भारत	45.06%	51.80%
राजस्थान	49.16%	59.11%

- **भारत के कुल पलायन का -** राजस्थान 4% (राष्ट्रीय स्तर पर 794 लाख व्यक्तियों ने और राजस्थान में 32 लाख व्यक्तियों ने शहर की ओर पलायन)

राजस्थान में शहरी आवासों की स्थिति जनगणना 2011 के अनुसार 3 श्रेणी

- **आर्थिक समीक्षा 2023-24**

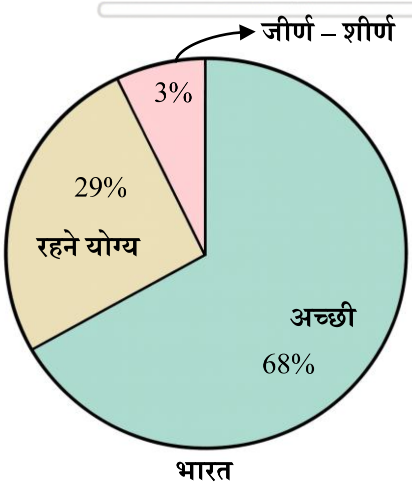

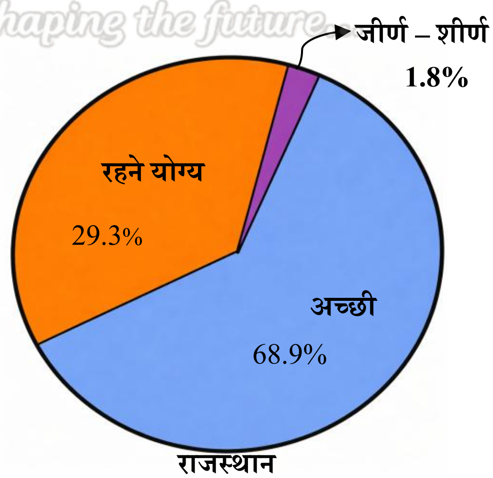

- **आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार भारत में अच्छी स्थिति में आवास का प्रतिशत 68.4 है।**

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

आर्थिक समीक्षा 2025–26 (झुग्गी क्षेत्र)

- **राजस्थान में झुग्गी बस्ती के निवासी (शहरी)** – [20,68,000 (कुल शहरी आबादी का 12.13%)]
- **सर्वाधिक**
  1. **जयपुर** (3.23 लाख)- राज्य की कच्ची बस्ती जनसंख्या का 15.64% है।
  2. **कोटा**
  3. **जोधपुर**
- **कुल शहरी आबादी का झुग्गी बस्ती** की आबादी से % के अनुसार - पीलीबंगा (74.53%)

राजस्थान में नगरीकरण के आंकड़े (1901-2011)

वर्ष	दशकीय वृद्धि/कमी	नगरीय जनसंख्या का % (कुल जनसंख्या में)	नगरों की संख्या
1901	–4.83%	15.06%	104
1911	–0.03%	13.44%	107
1921	+17.21%	14.33%	115
1931	+22.43%	14.72%	119
1941	+39.59%	15.27%	124
1951	+11.04%	18.50%	147
1961	+38.47%	16.28%	147
1971	+57.15%	17.63%	157
1981	+26.7%	20.93%	201
1991	+39.25%	22.88%	222
2001	+35.51%	23.43%	222
2011	+30.51%	24.88%	297

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

16 वन्य जीव एवं जैव विविधता

- **जैव विविधता (Biodiversity) शब्द :-** वाल्टर जी. रोजेन
- **जैव विविधता के जनक :-** इ.ओ. विल्सन

संरक्षण

[1] स्व-स्थाने- (In-Situ)
- जीवों का संरक्षण प्राकृतिक आवास में होता है।
- **उदाहरण:-** वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान, बाघ परियोजनाएँ, रामसर साइट, कन्जर्वेशन रिजर्व, आखेट निषेध क्षेत्र, जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र

[2] बहि- स्थाने- (Ex-situ)
- जीवों का प्राकृतिक आवास से बाहर संरक्षण।
- **उदाहरण:-** जंतुआलय
  - मृग उद्यान
  - पशु जीन बैंक
  - एक्वेरियम

वन्यजीव संरक्षण

- **वन विभाग :-** 1949 – 50 ईस्वी
- **राष्ट्रीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम:-** 1972 ईस्वी
  - **राज्य में लागू :-** 1 सितम्बर, 1973
- **राजस्थान वन्य पशु व पक्षी संरक्षण अधिनियम:-** 1951 ईस्वी
- **वन्यजीव :-** विषय ⟶ समवर्ती सूची
  - 42 वाँ संविधान संशोधन
- **राजस्थान वन्यजीव मण्डल:-** फरवरी, 2020
- **जैव विविधता अधिनियम :-** वर्ष 2002 (**जैव विविधता संशोधन अधिनियम 2023**)
- **अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस :-** 22 मई
- **जैव विविधता दशक :-** 2011-2020
- **राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड :-** 14 सितम्बर 2010
- **भारत में तप्तस्थल :-** [1] पश्चिमी घाट [2] इण्डो बर्मा [3] हिमालय [4] सुण्डालैण्ड

IUCN :- ग्लैण्ड (स्विट्जरलैण्ड)
- **स्थापना :-** 1948 ई०
- **रेड डाटा बुक-**
  - संकटग्रस्त प्रजाति
  - **पहला प्रकाशन :-** 1972ई.
  - **प्रतीक :-** लाल पांडा

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

बाघ परियोजना (1973)

क्र.सं.	परियोजना	विस्तार	विशेष तथ्य
1.	**रणथम्भौर टाईगर रिजर्व**	मुख्यत:– **सवाईमाधोपुर, करौली, बून्दी, टोंक**	सबसे बड़ी परियोजना (1530.23 वर्गकिमी.) पहली बाघ परियोजना – 1974 सर्वाधिक बाघ ⟶ 73
2.	**सरिस्का**	मुख्यत:- **अलवर, जयपुर, कोटपूतली- बहरोड़**	दूसरी बाघ परियोजना – 1978 **(1213.34 वर्गकिमी.)**
3.	**मुकुन्दरा हिल्स**	**कोटा, बून्दी, झालावाड, चित्तौड़गढ़**	यहाँ बाघ परियोजना 2013 से संचालित है **(1135.78 वर्गकिमी.)** देश का दूसरा अन्त:राज्य टाइगर ट्रांस लोकेट- बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (मध्यप्रदेश) से।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	परियोजना	विस्तार	विशेष तथ्य
4.	रामगढ़-विषधारी	बून्दी, कोटा, भीलवाड़ा	दूसरी सबसे बड़ी परियोजना। वर्ष 2022 (1496.49 वर्गकिमी.) ✦ **भारत का पहला अंतरराज्यीय टाइगर ट्रांसलोकेशन –** ▪ इसके तहत 21 दिसम्बर, 2025 को पेंच टाइगर रिज़र्व (मध्यप्रदेश) से बाघिन PN-224 को वायुसेना के हेलीकॉप्टर MI-17 से रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व (राजस्थान) लाया गया।
5.	धौलपुर - करौली	धौलपुर, करौली	सबसे छोटी (599.64 वर्गकिमी.) देश का 55 वाँ (वर्ष 2023) अधिसूचना- 6 अक्टूबर, 2023 न्यूनतम बाघ :- 9

✦ प्रस्तावित :- कुंभलगढ़ बाघ परियोजना

✦ TRICK → र स मि रा धा

↓ ↓ ↓ ↓ ↓

रणथम्भौर सरिस्का मुकुन्दरा रामगढ़ धौलपुर – करौली

राष्ट्रीय उद्यान

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान
✦ सवाईमाधोपुर ✦ क्षेत्रफल- 282.03 वर्गकिमी. ✦ सबसे बड़ा ✦ राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान- 1980 ईस्वी में ✦ अभयारण्य - 1955 ई ✦ बाघ परियोजना:- 1973 ई. ✦ विशेष तथ्य - ▪ लाल सिर वाले तोते ▪ काला गरुड़ ▪ चीतल, नीलगाय ▪ मछली बाघिन (T-16) ✦ 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित डॉक्यूमेंट्री 'The World's	✦ भरतपुर ✦ 1981 ईस्वी ✦ क्षेत्रफल - 28.73 वर्गकिमी. ✦ सबसे छोटा ✦ विशेष तथ्य :- ▪ पक्षियों का स्वर्ग ▪ यूनेस्को धरोहर स्थल (1985) ▪ रामसर स्थल :- 1981 ई. ▪ मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में सम्मिलित ▪ डॉ. सलीम अली की कार्यस्थली ▪ अजान बाँध स्थित ▪ नदियाँ :- गंभीरी , बाणगंगा ▪ घास :- मोचा ,ऐंचा ▪ यूट्रिकुलेरिया दुर्लभ मांसाहारी वनस्पति	✦ कोटा व चितौड़गढ़ ✦ वर्ष 2012 ✦ क्षेत्रफल - 199.55/298 वर्गकिमी. ✦ पुराना नाम- दर्रा अभयारण्य ✦ विशेष तथ्य - ▪ गागरोनी तोते (हीरामन तोता, एलेक्जेन्ड्रिया पेराकीट) ✦ उपनाम - ▪ हिन्दुओं का आकाश लोचन ✦ घड़ियाल व सारस अधिक ✦ नदियां - आहू , कालीसिंध ✦ अबली मीणी महल ✦ गागरोन किला ✦ वन्यजीवों हेतु राज्य का पहला फूड बैंक (स्पेशल जोन) मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

Most Famous Tiger' को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। ✦ **उपनाम -** क्रोकोडाइल किलर, लेडी ऑफ द लेक, रणथम्भौर क्वीन ▪ त्रिनेत्र गणेश मन्दिर ▪ कुक्कर घाटी ▪ भारतीय बाघों का घर ▪ सरिस्का टाईगर रिजर्व में राजमाता ST-2 बाघिन की याद में राज्य का पहला बाघिन स्टेच्यू बनेगा। ✦ **जलस्रोत:-** पदम तालाब, राजबाग, मलिक तालाब, मानसरोवर और गिलाई सागर		

वन्यजीव अभयारण्य

- **राजस्थान में कुल - 26**
- **सबसे बड़ा :-** राष्ट्रीय मरु उद्यान ⟶ जैसलमेर, बाड़मेर
  - **क्षेत्रफल** = 3162 वर्गकिमी.

क्र.सं.	अभयारण्य	विस्तार	विशेष तथ्य
1.	**राष्ट्रीय मरू उद्यान (स्थापना-1981 ई.)**	जैसलमेर, बाड़मेर	✦ लाठी सीरीज ✦ सेवण घास ✦ गोडावण ✦ पीवणा साँप ✦ आकल वुड फॉसिल पार्क ✦ **शाहगढ़ बल्ज** ⟶ जैसलमेर ▪ चीता पुनर्वास योजना ▪ चीते अफ्रीका ✦ **गोडावण संरक्षण एनक्लोजर -** बजट 2024 – 25 ✦ प्रतिवर्ष 21 मई को 'गोडावण दिवस' मनाया जाएगा। ✦ रामदेवरा ब्रीडिंग सेंटर में पहली बार गोडावण का जन्म।
2.	**ताल छापर**	सुजानगढ़ (चूरू)	✦ काले हिरण **(कृष्ण मृग)** ✦ कुरजां पक्षी ✦ मोचिया घास ✦ द्रोणाचार्य आश्रम ✦ जलस्रोत:-प्राचीन भैंसोलाव और डूंगोलाव तलैया ✦ देश में पहली बार तालछापर अभयारण्य से काले हिरणों को बोमा तकनीक से शिफ्ट करने का सफल ट्रांसलोकेशन किया गया। **(Current Update)**

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	अभयारण्य	विस्तार	विशेष तथ्य
3.	नाहरगढ़	जयपुर	✦ जैविक उद्यान ✦ जयपुर चिड़ियाघर को यहाँ स्थानांतरित किया गया। ✦ भालू रेस्क्यू सेंटर ✦ द्रव्यवती नदी
4.	जमवा रामगढ़	जयपुर	✦ धोक वन ✦ गुलाब उत्पादन ✦ पुराना शिकारगाह ✦ Title **'ढूंढाड़ का पुष्कर'**
5.	बंध - बारेठा	भरतपुर	✦ पक्षी अभयारण्य ✦ उपनाम ⟶ **'पक्षियों का घरौंदा'** ✦ सफेद सारस व जरख ✦ **नदी** ⟶ कुकुंद ✦ **झील ⟶ बंध - बारेठा**
6.	रामसागर	धौलपुर	✦ तालाब-ए-शाही, **मगरमच्छ, सांप पाए जाते हैं**
7.	वन-विहार	धौलपुर	✦ **NH-44 (आगरा – मुंबई) पर, चीतल, जंगली सूअर, लकड़बग्गा पाए जाते हैं**
8.	केसर बाग	धौलपुर	
9.	कैलादेवी	करौली, सवाई माधोपुर	✦ राजस्थान व मध्यप्रदेश सीमा पर ✦ धोक वन (**सर्वाधिक**) ✦ कैलादेवी मन्दिर ✦ त्रिकूट पर्वत
10.	सरिस्का अभयारण्य	अलवर	✦ हरे कबूतर ✦ रिसस बन्दर ✦ **पहला टाइगर स्थानांतरण** ▪ **कारण -** बाघ विहिन ▪ **मंदिर -** भर्तृहरी, पांडुपोल, नीलकंठ महादेव ▪ **सरिस्का** – अ अभयारण्य – अलवर, राज्य का सबसे छोटा अभयारण्य (स्थापना – 2012) (Merged in Sariska WLS)
11.	फुलवारी की नाल	कोटड़ा (उदयपुर)	✦ **नदियाँ :-** सोम, मानसी, वाकल ✦ देश का पहला ह्यूमन एनाटॉमी सेंटर ✦ टीक वृक्ष अधिक
12.	सज्जनगढ	उदयपुर	✦ बायोलॉजिकल पार्क ✦ हिमोकी भू - अरावली की टीलेनुमा आकृतियाँ ✦ बाँसदड़ा पहाड़ी ✦ राजस्थान का दूसरा सबसे छोटा अभयारण्य है। ✦ लुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण, जैसे गंभीर रूप से लुप्तप्राय गिद्ध
13.	जयसमंद	सलूम्बर	✦ **उपनाम -** जलचरों की बस्ती ✦ बघेरों की शरणस्थली

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	अभयारण्य	विस्तार	विशेष तथ्य
14.	कुंभलगढ़	राजसमंद, पाली, उदयपुर	✦ जंगली भेड़ियों की शरणस्थली ✦ खमनौर (राजसमंद) - चंदन वन ✦ नदियाँ - बनास, साबरमती ✦ मंदिर - रणकपुर जैन मंदिर (चौमुखा जैन मंदिर), मूंछाला महावीर ✦ **ईको सेन्सिटिव जोन घोषित-** 16 जनवरी, 2026, **क्षेत्रफल-** 243 वर्गकिमी
15.	सीतामाता अभयारण्य	चितौड़गढ़ , प्रतापगढ़, उदयपुर, सलूम्बर	✦ उपनाम- ▪ चीतल की मातृभूमि ▪ उड़न गिलहरी का स्वर्ग ✦ सर्वाधिक - औषधीय पादप , जैव विविधता ✦ सागवान वृक्षों की अधिकता ✦ वन्य जीव - चौसिंगा , एण्टीलोप ✦ जलस्रोत :- जाखम नदी
16.	टॉडगढ रावली	ब्यावर, पाली, राजसमंद	✦ नाम - जेम्स टॉड के नाम पर ✦ टॉडगढ़ फोर्ट
17.	माउण्ट आबू ↓ वर्ष 2009 में पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र	सिरोही	✦ सर्वाधिक ऊँचाई पर ✦ जंगली मुर्गे ✦ यूब्लिफेरस छिपकली - रंगीन ✦ डिकिल्पटेरा आबू ऐंसिस - दुर्लभ वनस्पति ✦ कारा घास ✦ लैण्टाना झाड़ी - अमेरिकन ✦ जीव-जंतु :- स्तनधारी जंगली मुर्गा, तेंदुआ, स्लोथबियर, वाइल्ड बोर, सांभर, चिंकारा, लंगूर ✦ पक्षी - लगभग 150 प्रजातियाँ
18.	बस्सी वन्यजीव अभयारण्य	चितौड़गढ़	✦ चीतल ✦ जंगली बघेरे ✦ जलेश्वर महादेव
19.	भैंसरोडगढ़	चितौड़गढ़	✦ नदियाँ ⟶ चम्बल & बामणी ✦ घड़ियालों के लिए प्रसिद्ध ✦ राणा प्रताप सागर बाँध ✦ चूलिया जल प्रपात ✦ मानदेसरा पठार
20.	जवाहर सागर	बून्दी, कोटा, चितौड़गढ़	✦ उपनाम ⟶ जलीय अभयारण्य ✦ राज्य की दूसरी बड़ी घड़ियाल संरक्षण स्थली ✦ जियोमोर्फोलॉजिकल पर्यटन केन्द्र ✦ प्रदूषण रहित ✦ जवाहर सागर बाँध ✦ गरड़िया महादेव ⟶ बून्दी

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	अभयारण्य	विस्तार	विशेष तथ्य
21.	राष्ट्रीय घड़ियाल अभयारण्य	✦ कोटा, बून्दी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर ✦ राज्य – राजस्थान, मध्यप्रदेश , उतरप्रदेश	✦ एकमात्र नदी अभयारण्य ✦ उपनाम - ▪ घड़ियालों का संसार ▪ जलीय जीवों की स्थली ✦ जीव-जंतु :- घड़ियाल, गंगा डॉल्फिन, दलदली - मगरमच्छ, कछुओं की 8 प्रजातियाँ, मछलियों की 30 प्रजातियाँ, उदबिलाव, नीलगाय, जंगली सूअर, खरगोश, लोमड़ी, लकड़बग्घा, सुनहरा सियार, भारतीय भेड़िया ✦ पक्षी:- भारतीय स्कीमर, सारस क्रेन, गीज, फ्लेमिंगो सहित 316 से अधिक प्रजातियाँ
22.	रामगढ़ विषधारी	बून्दी	✦ विशेषताएँ:- ▪ देश का 52वाँ एवं राजस्थान का चौथा टाइगर रिजर्व ▪ रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान के निकट होने के कारण बाघों के प्राकृतिक विचरण के लिए उपयुक्त ▪ अजगरों की शरणस्थली ✦ वनस्पति:- ▪ मिश्रित वन और झाड़ीदार क्षेत्र ▪ स्थानीय पर्णपाती पेड़ और घास के मैदान ✦ जीव-जंतु:- वन्यजीव बाघ, बघेरा, रीछ, गीदड़, चीतल, चिंकारा, नीलगाय, जंगली सूअर, नेवला, खरगोश, भेड़िया ✦ पक्षी - विभिन्न रंग-बिरंगी प्रजातियाँ ✦ जलस्रोत :- मेज नदी- चंबल की सहायक नदी, जो अभयारण्य में बहती है।
23.	दर्रा वन्यजीव अभयारण्य	कोटा, झालावाड़	✦ गागरोनी तोते ✦ घड़ियाल ✦ जंगली सूअर ✦ राष्ट्रीय उद्यान एवं टाईगर रिजर्व दोनों का हिस्सा।
24.	शेरगढ़ अभयारण्य	बारां	✦ सांपों की शरणस्थली ✦ नदी :- परवन ✦ दुर्ग :- शेरगढ़ (कोषवर्धन)
25.	सवाई माधोपुर	सवाई माधोपुर	✦ चिड़िया खोह पर्यटन स्थल
26.	सवाई मानसिंह	सवाई माधोपुर	

रामसर स्थल -

- ✦ **रामसर स्थल प्राकृतिक जैव विविधता वाले स्थल होते है।**
- ✦ **राजस्थान में शामिल :-**
  - **केवलादेव** - 1981 ईस्वी
  - **सांभर झील** - 1990 ईस्वी
  - **खींचन (फलौदी, जोधपुर)** – कुरजाँ पक्षी (Demoiselle Crane) के लिए प्रसिद्ध। (5 जून, 2025)
  - **मेनार (उदयपुर)** – *बर्ड विलेज* के नाम से प्रसिद्ध। (5 june 2025)
  - **सिलीसेढ़ झील (अलवर)** – राज्य की पांचवी रामसर साइट (12 दिसंबर, 2025), विनय सिंह द्वारा रुपारेल नदी पर बाँध बनाकर (कृत्रिम झील) निर्माण करवाया गया।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण (SWA):-

- राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण (SWA) का गठन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 26 सितम्बर, 2017 के अंतर्गत आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 की अनुपालना में किया गया।
- राजस्थान राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण का गठन 27 नवम्बर, 2019 को किया गया। **(पुनर्गठन – 17-जुलाई-2020)**
- **इस प्राधिकरण के :-**
  - **अध्यक्ष:** माननीय मंत्री, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार।
  - **उपाध्यक्ष:** मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार।
- पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान द्वारा आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं एकीकृत प्रबंधन के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल करते हुए राज्य के 19 जिलों में कुल 44 अधिसूचित वेटलैंड्स (आर्द्रभूमियाँ) की सूची जारी की गई।
- इनमें से बारां जिला में सर्वाधिक 12 वेटलैंड्स अधिसूचित की गई है।

बायोलॉजिकल पार्क / जैविक उद्यान:-

[1] **सज्जनगढ़ :-** प्रथम जैविक उद्यान (उदयपुर - वर्ष 2015)

[2] **माचिया सफारी :-** दूसरा (जोधपुर)

[3] **नाहरगढ़ :-** जयपुर

[4] **अभेडा :-** कोटा

[5] **कुंभा बायो पार्क:-** चित्तौड़गढ़

- **निर्माणाधीन :-** मरुधरा ⟶ बीकानेर, पुष्कर ⟶ अजमेर
- **प्रस्तावित :-** अलवर बायोलॉजिकल पार्क, भरतपुर बायोलोजिकल पार्क
- **बीड़ पापड लेपर्ड सफारी-** विद्याधर नगर, जयपुर में शुरू (नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत यह तीसरी लेपर्ड सफारी है।)

मृग वन:-

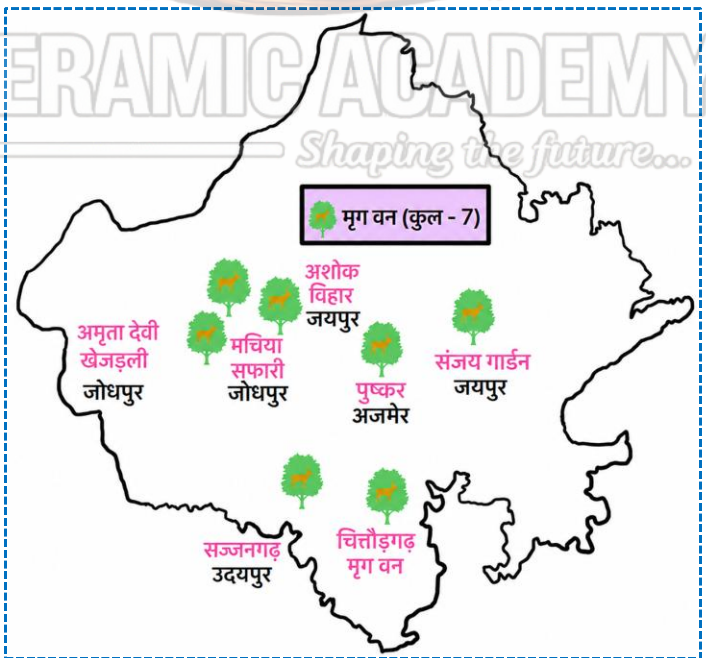

जन्तुआलय:-

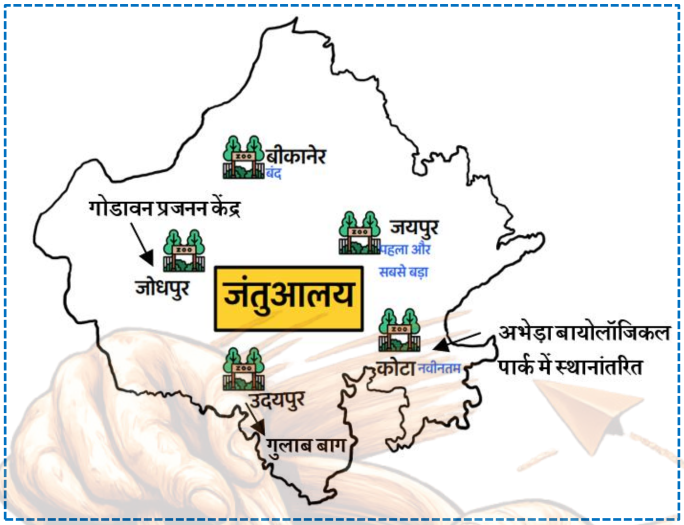

वनस्पति उद्यान:-

- जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर, भरतपुर, अजमेर
- जयपुर- विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान

कन्जर्वेशन रिजर्व : 40

- **सबसे बड़ा :-** बालेश्वर कन्जर्वेशन रिजर्व – (221.69 **वर्गकिमी**) (सीकर)
- **सबसे छोटा :-** बीड़ मुहाना (जयपुर) (B) (0.10 **वर्गकिमी**)
- **पहला :-** बीसलपुर कन्जर्वेशन रिजर्व (टोंक)
- **सर्वाधिक कंजर्वेशन रिजर्व** – बारां (7)

क्र.स.	संरक्षण रिजर्व का नाम	संबंधित जिला	क्र.स.	संरक्षण रिजर्व का नाम	संबंधित जिला
1	गंगा भैरव घाटी संरक्षण रिजर्व	अजमेर	21	बांसियाल खेतड़ी बागोर संरक्षण रिजर्व	झुंझुनू
2	खरमोर (**अरवर गाँव**) संरक्षण रिजर्व		22	बांसियाल खेतड़ी संरक्षण रिजर्व	
3	बंझ अमली संरक्षण रिजर्व	बारां	23	गुडा विश्नोईया कंजर्वेशन रिजर्व	जोधपुर
4	रामगढ़ कुंजी सुवास संरक्षण रिजर्व		24	खेजड़ली कलाँ **(नवीनतम- 2026)**	
5	शाहबाद संरक्षण रिजर्व		25	कुरंजा संरक्षण रिजर्व **(खींचन-फलोदी)**	फलोदी
6	शाहबाद तलहटी संरक्षण रिजर्व		26	उम्मेदगंज पक्षी विहार संरक्षण रिजर्व	कोटा
7	सोरसन I संरक्षण रिजर्व		27	गोगेलाव संरक्षण रिजर्व	नागौर
8	सोरसन II संरक्षण रिजर्व		28	रोटू संरक्षण रिजर्व	
9	सोरसन III संरक्षण रिजर्व		29	जवाई बाँध कंजर्वेशन रिजर्व प्रथम	पाली
10	हम्मीरगढ़ संरक्षण रिजर्व	भीलवाड़ा	30	जवाई बाँध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व द्वितीय	
11	बीड़ घास फुलिया खुर्द संरक्षण रिजर्व		31	वाड़ाखेड़ा संरक्षण रिजर्व	सिरोही
12	आसोप संरक्षण रिजर्व		32	बीड़ फतेहपुर संरक्षण रिजर्व	सीकर
13	जोड़ बीड़ गढ़वाला बीकानेर संरक्षण रिजर्व	बीकानेर	33	शाकंभरी संरक्षण रिजर्व (सीकर-झुंझुंनू)	

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.स.	संरक्षण रिजर्व का नाम	संबंधित जिला	क्र.स.	संरक्षण रिजर्व का नाम	संबंधित जिला
14	झालाना-अमागढ़ कंजर्वेशन रिजर्व	**जयपुर**	34	बालेश्वर संरक्षण रिजर्व **(सबसे बड़ा 221.69 वर्ग किमी)**	
15	बीड़ मुहाना संरक्षण रिजर्व-ए		35	बीसलपुर संरक्षण रिजर्व	**टोंक**
16	बीड़ मुहाना कंजर्वेशन रिजर्व-बी **(सबसे छोटा 0.1039 वर्ग किमी)**		36	बाघदरा मगरमच्छ संरक्षण रिजर्व	**उदयपुर**
17	सुंधामाता संरक्षण रिजर्व (3 जालोर + 1 सिरोही)	**जालौर**	37	महसीर संरक्षण रिजर्व	
18	रणखार संरक्षण रिजर्व		38	अमरख महादेव तेंदुआ संरक्षण रिजर्व	
19	बीड झुंझनूं संरक्षण रिजर्व	**झुंझनू**	39	बुचारा मेन **(नवीनतम- 2026)**	**कोटपुतली-बहरोड़**
20	मनसा माता संरक्षण रिजर्व		40	मोकला **(नवीनतम- 2026)**	**जैसलमेर**

खेजड़ली कलां (जोधपुर) –

- राज्य का 40वाँ कंजर्वेशन रिजर्व घोषित।
- क्षेत्रफल - 1.5085 वर्ग किमी
- राजस्थान वन विभाग द्वारा वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा-36 A के तहत अधिसूचित।

38वाँ कंजर्वेशन रिजर्व - मोकला (जैसलमेर)	39वाँ कंजर्वेशन रिजर्व - बुचारा मेन (कोटपूतली-बहरोड़)
क्षेत्रफल – 43.122 वर्ग किमी	क्षेत्रफल – 44.379 वर्ग किमी

लैपर्ड सफारी:

लैपर्ड सफारी		
1	**जयपुर**	झालाना, आमागढ़, बीड़ पापड़
2	**झुंझनूं**	बंसियाल-खेतड़ी
3	**पाली**	जवाई डैम
4	**सलुम्बर**	जयसमंद
5	**प्रतापगढ़**	सीतामाता
6	**चित्तौड़**	बस्सी
7	**बारां**	शेरगढ़

आखेट निषेध क्षेत्र :- 33

- **सबसे बड़ा :-** संवत्सर- कोटसर (बीकानेर)
- **सबसे छोटा :-** कनकसागर (बून्दी)
- **सर्वाधिक :-** जोधपुर (7)
- **घोषणा:-** बजट 2024-25 आसोप - भीलवाड़ा

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्र.सं.	जिला	आखेट निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या	प्रमुख आखेट निषिद्ध क्षेत्र
1	जोधपुर	7	डोली, गुडा-विश्नोई, जम्भेश्वरजी, ढेचू, साथिन, लोहावट, फीटकासनी
2	बीकानेर	5	जोड़बीड़, वैष्णे, मुकाम, बज्जू, दीयातरा, देशनोक
3	अजमेर	3	तिलोरा, सोखलिया, गंगवाना
4	अलवर	2	जोहड़िया, बोंद
5	नागौर	2	रोटू, जरौदा
6	जैसलमेर	2	रामदेवरा, उज्जला
7	जयपुर	2	संथाल, महला
8	उदयपुर	1	बाघदरा
9	चित्तौड़गढ़	1	मेनाल
10	बारां	1	सोरसन
11	बूंदी	1	कनक सागर
12	बाड़मेर	1	धोरी मन्ना
13	पाली	1	जवाई बाँध
14	बीकानेर	1	सम्वतसर-कोटसर
15	जालौर	1	सांचौर
16	टोंक	1	रानीपुरा
17	सवाई माधोपुर	1	कंवालजी

जिलेवार शुभंकर:-

- 17 फ़रवरी 2016 को जारी

S.No.	District	Animal/Bird	Colloquial Name	Binomial
1	**Ajmer**	Lesser Florican	खड़मोर	*Sypheotides indicus*
2	**Alwar**	Sambar	सांभर	*Rusa unicolor*
3	**Banswara**	Bronze Winged Jacana	जल पीपी	*Metopidius indicus*
4	**Baran**	Crocodile	मगर	*Crocodylus palustris*
5	**Barmer**	Desert Fox	लोकी /मरू लोमड़ी	*Vulpes vulpes pusilla*
6	**Bharatpur**	Sarus Crane	सारस	*Grus antigone*
7	**Bhilwara**	Indian Peafowl	मोर	*Pavo cristatus*
8	**Bikaner**	Chestnut-bellied Sandgrouse	भट्ट तीतर	*Pterocles exustus*
9	**Bundi**	Brahminy Duck	सुर्खाब	*Tadorna ferruginea*
10	**Chittorgarh**	Four-horned Antelope	चौसिंगा	*Tetracerus quadricornis*
11	**Churu**	Black-Buck	कृष्ण मृग / काला हिरण	*Antilope cervicapra*
12	**Dausa**	Indian Hare	खरगोश	*Lepus nigricollis*
13	**Dholpur**	Indian Skimmer	पचिरा	*Rynchops albicollis*
14	**Dungarpur**	Painted Stork	जाघिल	*Mycteria leucocephala*
15	**Hanumangarh**	Common Kingfisher	छोटा किलकिला	*Alcedo atthis*
16	**Jaipur**	Spotted Deer	चीतल	*Axis axis*

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

S.No.	District	Animal/Bird	Colloquial Name	Binomial
17	**Jaisalmer**	Great Indian Bustard	गोडावण	*Ardeotis nigriceps*
18	**Jalore**	Sloth Bear	भालू / रीछ	*Melursus ursinus*
19	**Jhalawar**	Alexandrine Parakeet	मगरो तोता	*Psittacula eupatria*
20	**Jhunjhunu**	Black Francolin	काला तीतर	*Francolinus francolinus*
21	**Jodhpur**	Demoiselle Crane	कुरजा	*Anthropoides virgo*
22	**Karauli**	Gharial	घड़ियाल	*Gavialis gangeticus*
23	**Kota**	Smooth-coated Otter	उदबिलाव	*Lutrogale perspicillata*
24	**Nagaur**	Greater Flamingo	राजहंस	*Phoenicopterus roseus*
25	**Pali**	Panther	तेंदुआ	*Panthera pardus*
26	**Pratapgarh**	Indian Giant Flying Squirrel	उड़न गिलहरी	*Petaurista philippensis*
27	**Rajsamand**	Indian Wolf	भेड़िया	*Canis lupus pallipes*
28	**Sawai Madhopur**	Royal Bengal Tiger	बाघ	*Panthera tigris*
29	**Shri Ganganagar**	Chinkara	चिंकारा	*Gazella bennettii*
30	**Sikar**	Peregrine Falcon	शाहीन	*Falco peregrinus*
31	**Sirohi**	Grey Jungle Fowl	जंगली मुर्गा	*Gallus sonneratii*
32	**Tonk**	Bar-headed Goose	हंस	*Anser indicus*
33	**Udaipur**	Honey Badger	कब बिज्जू	*Mellivora capensis*

विविध जगहों पर देखे गये दुर्लभ जीव:- (Current Update)

- **उदयपुर:- 'लेसर ब्लू-विंग ड्रैगनफ्लाई'** राज्य में पहली बार देखी गई।
- **टोंक :-** राजस्थान में पहली बार दुर्लभ **एल्बिनो सनफलॉवर** गिलहरी देखी गई।
- **मुकुंदरा हिल्स :- कैराकल** मध्यम आकार की स्थानीय रूप से संकटग्रस्त बिल्ली की प्रजाति हैं
  - इसे पहली बार राजस्थान के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में देखा गया।
  - वर्ष 2021 में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड एवं केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में जोड़ा।
- **दलदली हिरण –** जयपुर के जमवारामगढ़ रेंज स्थित आमखोल महादेव मंदिर के पास **दुर्लभ वन्यजीव बारहसिंगा** (संकटग्रस्त – दलदली हिरण) को सितंबर 2025 में देखा गया।

43वीं सारस गणना

- **स्थान -** केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर)
- **आयोजक -** केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी
- **सारस की संख्या –** 22 (वर्ष 2025 में – 14 सारस)
- **भरतपुर** व **डीग** वेटलैंड्स क्षेत्रों में सारस की संख्या 79 से बढ़कर 81 हो गई है।
- इस दौरान **डॉ. एम.एम. त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिका त्रिगुणायत** द्वारा लिखित पुस्तक **'पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी'** का विमोचन किया गया।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

प्रोजेक्ट कराकल

- **शुभारम्भ** - 15 अप्रैल, 2026
  - रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में **'राजस्थान में कराकल संरक्षण'** विषय पर आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यशाला के दौरान।
- कराकल दुर्लभ जंगली बिल्ली है, जिसे **सियाहगोश** भी कहते है।
- **प्रधान अन्वेषक** - डॉ. शोमिता मुखर्जी
- **सहयोगी संस्थान** - राजस्थान वन विभाग, भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), SACON (Salim Ali Centre for Ornithology and Natural History) और टाइगर वॉच।

◈ **सिलिसेढ़ झील (अलवर) राजस्थान की पहली आदर्श आर्द्रभूमि के रूप में विकसित की जायेगी।**

राजस्थान की दूसरी बायोन स्पफारी

- सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क (उदयपुर)
- **शुभारम्भ** – 16 फरवरी, 2026 (गुलाबचंद कटारिया द्वारा)
- **एविएशन हाउस** और **वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू सेंटर** का भी लोकार्पण किया गया।

Only For Mains

वन्यजीव एवं जैव विविधता:

- **चुनौतियां एवं संरक्षण :-** जैव विविधता धरती की आत्मा है और प्रकृति की निधि है। जैव विविधता से प्रकृति का प्राकृतिक तन्त्र स्वचालित रूप से संचालित होता है, अतः यह पर्यावरण का एक अभिन्न घटक है। राजस्थान जहाँ अत्यधिक भौगोलिक विविधता होने के कारण जैव विविधता भी अत्यधिक है। राजस्थान में लगभग 2500 प्रजातियों के पेड़-पौधे, 450 प्रजातियों के पक्षी, 50 प्रजातियों के स्तनपायी, 20 प्रकार के सरीसृप, 14 प्रजातियों के उभयचर पाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त सैकडों प्रकार के कीट-पतंगें, तितलियाँ, सूक्ष्म जीव व पादप पाए जाते है। अनियंत्रित एवं अनियोजित मानवीय प्रभाव से अथवा प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग से पारिस्थितिकीय संकट की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।
- **राजस्थान में जैव विविधता के प्रमुख पारिस्थितिक तंत्र** मरूस्थली पारिस्थितिक तंत्र, अरावली पर्वतीय, पूर्वी मैदानी और हाड़ौती पठार में दृष्टिगत होती है।

[1] **मरुस्थलीय पारिस्थितिक तन्त्र:-** राजस्थान के मरू प्रदेश में शुष्क पारिस्थितिक तन्त्र है। इस प्रदेश में 22 प्रकार के स्तनपायी पाये जाते है, जिनमें चिंकारा, काला हिरण, मरू बिल्ली, लोमड़ी, भेडिया, खरगोश, नेवला आदि प्रमुख है। पक्षी वर्ग में भी लगभग 120 प्रजातियाँ यहाँ पाई जाती है, जिनमें गोडावण (Great Indian Bustard) प्रमुख है जो वर्तमान में संकटापन्न है। इसके अलावा यहाँ मोर, सैण्डग्राऊज, तीतर, स्पेन गोरिया, डोमोजाइल क्रेन (कुरंजा) आदि पक्षी, लगभग 20 प्रकार के सरीसृप एवं विविध प्रकार की वनस्पति एवं अन्य जीव मिलते है।

- **मरू प्रदेश में पारिस्थितिक संकट के प्रमुख कारण:-**
  - अनियन्त्रित पशु चारण, वनस्पति विनाश, चारागाहों का विनाश, खनिज खनन, मृदा क्षरण जैसी समस्याएँ यहाँ के तंत्र को हानि पहुँचा रही हैं।
  - **प्रमुख समस्या-** मरुस्थली दशाओं का विस्तृत होना।
  - एक ओर अरावली पर्वतमाला का वृक्षविहीन होते जाना तथा इस श्रृंखला के अनेक 'गेप' से बालू मिट्टी का अनवरत प्रवाह निःसन्देह चिन्ता का विषय है। इससे भी गम्भीर समस्या विशेषज्ञों के मत में मरुस्थलीकरण है, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों में शुष्क दशाओं का विस्तार हो रहा है, जिसके कारण पारिस्थितिक तंत्र न केवल परिवर्तित हो रहा है, अपितु विकास पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।
  - निःसन्देह गंग नहर एवं इन्दिरा गाँधी नहर ने सिंचित प्रदेश को एक कृषि प्रदेश में बदल दिया है तथा अनेक क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को दूर किया है, किन्तु इससे कुछ क्षेत्रों की भूमि में लवणता एवं क्षारीयता के फैलाव से भूमि अनुपजाऊ हो गई है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- गंगानगर जिले के सूरतगढ़ एवं हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा आदि क्षेत्रों में जल स्तर ऊँचा होने तथा पानी के ठहराव से 'सेम' की समस्या गम्भीर हो गई है।
- इस प्रदेश की प्रमुख समस्या अकाल है, जो प्रति एक-दो वर्ष बाद आता रहता है।
- मरुस्थल विकास की अनेक योजना क्रियान्वित की जा रही हैं, इनमें प्रमुख आवश्यकता यह है कि इन्हें यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र को दृष्टिगत रखते हुए लागू किया जाए अन्यथा लाभ के स्थान पर हानि हो सकती है।

[2] अरावली पर्वतीय पारिस्थितिक तन्त्र:- अरावली पारिस्थितिक तन्त्र जैव विविधता में समृद्ध है। इस क्षेत्र में धोंक, कैर, चुरैल, सालर, आम, महुआ, बांस, आदि प्रजाति के वृक्ष तथा बाघ, बघेरा, रीछ, जरख, चौसिंगा, काला हिरण, चीतल, जंगली सुअर, भेड़िया, उड़न गिलहरी, लोमडी आदि वन्य जीव पाये जाते है।

✦ **अरावली पारिस्थितिक संकट के प्रमुख कारण:-**

- आज से 20-25 वर्ष पहले तक अरावली के ढालों पर पर्याप्त वन थे, किन्तु वनों की तीव्र गति से कटाई के कारण ,वर्तमान में अरावली पर्वतमाला पर मात्र 10 से 18 प्रतिशत वन रह गए हैं (केवल दक्षिणी अरावती में)।इसके कारण एक ओर जलवायु परिवर्तन हो रहा है तो दूसरी ओर,भूमि के कटाव में वृद्धि हो रही है तथा वन्य जीवों का विनाश हो रहा है।
- अनेक स्थानों पर इन पहाड़ियों में अवैध खनन कार्य हो रहा है। उदयपुर, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर आदि में विविध प्रकार के उद्योगों से प्रदूषण में वृद्धि हो रही है।
- राज्य के हित में यह अति आवश्यक है कि अरावली पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा प्राथमिकता के आधार पर की जाए। वर्ष 2004 में सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली क्षेत्र में खनन पर रोक लगा दी है।

[3] पूर्वी मैदानी क्षेत्र में पारिस्थितिक तन्त्र:- पूर्वी मैदानी क्षेत्र में जल स्त्रोतों (इसमें अनेक छोटे नदी बेसिन जैसे बनास, बाणगंगा, गम्भीर आदि सम्मिलित हैं।) के कारण यहाँ प्रवासी पक्षियों तथा जल जीवों के अतिरिक्त वनस्पति के विविध प्रकार पाये जाते हैं। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में ही लगभग 370 प्रकार के पक्षी तथा 130 प्रकार के पादप पाए जाते हैं। इसी समृद्ध जैव विविधता के कारण इस राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को द्वारा 'विश्व प्राकृतिक धरोहर' घोषित किया गया है।

✦ **पूर्वी मैदानी क्षेत्र में पारिस्थितिक संकट के प्रमुख कारण:-**

- यह एक उपजाऊ प्रदेश है, जहाँ कृषि प्रमुख उद्यम है। कहीं-कहीं छोटी पहाड़ियाँ वनों को आश्रय देती हैं, जो अब वन रहित हो गई हैं
- इस प्रदेश में वर्षा काल में भूमि का कटाव विशेषकर प्रमुख समस्या है।
- यत्र-तत्र खनिज खनन भी समस्या का एक कारण है।
- अनेक क्षेत्रों में पेयजल संकट है।
- नगरीय प्रदूषण में निरन्तर वृद्धि हो रही है।
- ये सभी कृत्य भूमि के अनुपजाऊपन में वृद्धि कर रहे हैं तथा पर्यावरण अवकर्षण के कारण है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

[4] दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में पारिस्थितिक तन्त्र:- दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान अर्थात हाड़ौती का पठार में भी पादपीय एवं जीव-जन्तुओं की विविधता है। यहाँ मगरमच्छ, घडियाल, डॉल्फिन, कछुएँ, विविध प्रकार की मछलियाँ, केकड़े आदि के अतिरिक्त अनके प्रकार के वन्य जीव एवं वनस्पतियाँ पाई जाती है।

✦ **दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में पारिस्थितिक संकट के प्रमुख कारण:-**

- हाड़ौती पारिस्थितिक तंत्र खनिज खनन, बीहड़ों में वृद्धि का विनाश, भूमि के अनुपजाऊपन में वृद्धि आदि समस्याओं से ग्रसित है।
- कोटा, बूँदी, झालावाड़, बारां जिलों में उत्तम प्रकार का इमारती पत्थर का निर्ममता से दोहन किया जा रहा है। फलस्वरूप खनन क्षेत्र का विस्तार, अवशिष्ट खनन पदार्थों के ढेर, वनों का विनाश, खनन से प्रदूषण में वृद्धि आदि समस्याओं का जन्म हो रहा है।
- किसी समय मुकन्दरा और बूंदी की पहाड़ियाँ तथा शाहबाद का क्षेत्र वनाच्छादित था, अब वह छितरा हो गया है तथा विनाश के कगार पर है।
- चम्बल नदी के सीमावर्ती क्षेत्रों में तीव्र भूमि कटाव से बीहड़ों (Ravines) का विस्तार हो रहा है। अन्य छोटी नदियाँ और बरसाती नाले भी इसमें वृद्धि कर रहे हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- उद्योगों का विकास यद्यपि सीमित है, किन्तु कोटा नगर पूरी तरह प्रदूषण की चपेट में है। यहाँ उद्योगों के अतिरिक्त ताप विद्युत गृह भी प्रदूषण का कारण है।
- लाखेरी, मोड़क के सीमेन्ट कारखाने वहाँ वायु-प्रदूषण फैला रहे हैं।उपर्युक्त सभी कारणों से यहाँ का पारिस्थितिक तंत्र असन्तुलित होता जा रहा है।
- उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि राजस्थान के सभी प्रदेशों में पारिस्थितिक तंत्र में क्रमिक रूप से असन्तुलन होता जा रहा है। इसका मूल कारण वनों का तेजी से समाप्त होना अर्थात् वनोन्मूलन और खनन है। वनों के विनाश से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, मिट्टी के कटाव में वृद्धि हो रही है तथा वन्य जीव-जन्तुओं का विनाश हो रहा है।

✦ सरकारी प्रयास

- जैव संरक्षण हेतु राज्य में समुचित प्रयत्न किये जा रहे हैं। राज्य में रणथम्भौर एवं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के अतिरिक्त मुकन्दरा हिल्स (राष्ट्रीय उद्यान) ,राष्ट्रीय मरू उद्यान सहित 27 वन्य जीव अभयारण्य हैं। इसके अतिरिक्त 5 बाघ संरक्षित क्षेत्र तथा 33 आखेट निषिद्ध क्षेत्र है।
- जैव विविधता संरक्षण हेतु जापान (JICA) की सहायता से 'राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना' भी चलाई जा रही है।
- **जैव -** विविधता पार्क- गमधर (उदयपुर)
- **राजस्थान स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड (2010) –** जैव विविधता अधिनियम 2002 के अंतर्गत गठन।
- **इको-टूरिज्म विकास –** सरिस्का, रणथम्भौर व अन्य अभयारण्यों में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन।
- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Godawan) संरक्षण –** डेजर्ट नेशनल पार्क व थार क्षेत्र में विशेष प्रजनन केंद्र।
- **घड़ियाल व मगरमच्छ प्रोजेक्ट –** चम्बल नदी व कोटा बैराज क्षेत्र में।
- **काला हिरण (Blackbuck) व चिंकारा संरक्षण –** गाँव स्तर पर भी "ओरण" व "गोचर" परंपरा से जुड़ा संरक्षण।
- **राजस्थान पर्यावरण नीति (2010,2023)** – सतत् विकास व पर्यावरणीय संतुलन पर बल।
- **जैव विविधता अधिनियम, 2002** व **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** का पालन।
- **पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) –** खनन व औद्योगिक परियोजनाओं के लिए।

✦ समुदाय आधारित प्रयास:-

- बिश्नोई समाज की "पर्यावरण संरक्षण परम्परा"।
- गाँव स्तर पर **ओरण व देवबाणी** (Sacred Groves) का संरक्षण।
- NGO व स्थानीय समुदायों के साथ **सहभागी वन प्रबंधन (Joint Forest Management - JFM)**।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. तालछापर कृष्णमृग अभयारण्य किस जिले में स्थित है ? (LDC 2011)
(a) सीकर (b) झुंझुनूं
(c) दौसा (d) चूरू

2. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान स्थित है – (Steno. EXAM 2011)
(a) सवाई माधोपुर (b) भरतपुर
(c) अलवर (d) जैसलमेर

3. किस जिले में सरिस्का बाघ परियोजना स्थित है ? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) अलवर (b) धौलपुर
(c) सवाई माधोपुर (d) कोटा

4. फूलवाड़ी की नाल अभयारण्य किस जिले में स्थित है ? (STENOGRAPHER COMP. EXAM 2011)
(a) डूंगरपुर (b) चित्तौड़गढ़
(c) प्रतापगढ़ (d) उदयपुर

5. रामसागर वन्यजीव अभयारण्य स्थित है (Jr. Accountant-T.R.A.- (Exam 2015))
(a) धौलपुर में (b) बाँसवाड़ा में
(c) चित्तौड़गढ़ में (d) बारां में

6. राष्ट्रीय मरु उद्यान को किस नाम से भी कहा जाता है ? (College Lecturer - 2014 (Paper - III))
(a) वनस्पति पार्क (b) वन्य जीव उद्यान
(c) घास क्षेत्र पार्क (d) जीवाश्म उद्यान

7. 'ताल छापर' अभयारण्य जिसके लिए प्रसिद्ध है, वह है – (Clerk GR II Comb. Exam – 2013)
(a) बाघ (b) भालू
(c) कृष्णमृग (d) जंगली सूअर

8. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए : (RAS EXAM 2016)

सूची-I (वन्यजीव संरक्षित क्षेत्र)	सूची-II (जिला)
A. जोड़बीड़ गडेवाल	झुंझुनूं
B. गुड़ा विश्नोई	नागौर
C. गोगेलाव	जोधपुर
D. बीड़	बीकानेर

कूट :
(a) 4 3 1 2 (b) 4 3 2 1
(c) 1 3 4 2 (d) 1 2 3 4

9. रामसर कन्वेंशन के अनुसार निम्न में से कौन सा अभयारण्य "वेटलैंड" (नम भूमि) के रूप में चयनित किया गया? (Sr. Teacher GrII Comp. Exam 2016)
(a) जयसमंद (b) केवलादेव (घाना)
(c) शेरगढ़ (d) सरिस्का

10. सूची - I को सूची - II से मिलाइए तथा नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए : (Research Assistant - 2016)

सूची – I (अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान)	सूची – II (जिले)
A. मुकुंदरा हिल्स	(i) अजमेर
B. टोडगढ़	(ii) धौलपुर
C. वन विहार	(iii) भरतपुर
D. बन्ध बारेठा	(iv) कोटा

विकल्प :
(a) A-(iv), B-(i), C-(ii), D-(iii)
(b) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)
(c) A-(ii), B-(iii), C-(iv), D-(i)
(d) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)

11. "कनक सागर" है : (Research Assistant – 2016)
(a) बाघ संरक्षित क्षेत्र (b) काठ जीवाश्म पार्क
(c) पक्षी अभयारण्य (d) कृष्ण मृग पार्क

12. कौनसा सुमेलित नहीं है? (RAS Exam - 2018)
जिला – शुभंकर जिला – शुभंकर
(a) भीलवाड़ा – मोर (b) चूरू – कृष्ण मृग
(c) सवाई माधोपुर – शेर (d) जैसलमेर – गोडावण

13. कौन सा युग्म गलत है? (ASST. Engineer Exam 2018)
संरक्षित क्षेत्र — जिले
(a) रामगढ़ विषधारी — बूंदी (b) केसरबाग — धौलपुर
(c) बस्सी — जयपुर (d) सवाई मानसिंह — सवाई माधोपुर

14. सज्जनगढ़ बायोलॉजीकल पार्क राजस्थान के कौन से जिले में अवस्थित है? (ASST. Engineer Exam 2018)
(a) जयपुर (b) उदयपुर
(c) अजमेर (d) जोधपुर

15. निम्नलिखित में से राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान हैं – (Sr. Teacher Gr II Comp. Exam 2018)
A. मुकुंदरा हिल्स B. रणथम्भौर
C. केवलादेव घना D. नेशनल चम्बल सेंचुरी
नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए –
(a) B, C तथा D सही है। (b) A, B तथा C सही है।
(c) A, B तथा D सही है। (d) A, B, C तथा D सही है।

16. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये तथा सही कूट का चयन कीजिये : (College Lecturer – 2018)

सूची – I	सूची – II
A. ताल छापर अभयारण्य	i. मगरमच्छ
B. राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य	ii. साइबेरियन क्रेन
C. सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य	iii. कृष्ण मृग
D. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	iv. बाघ

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

कूट :
(a) A–iii, B–i, C–iv, D–ii (b) A–iii, B–ii, C–iv, D–i
(c) A–iii, B–iv, C–i, D–ii (d) A–iii, B–iv, C–ii, D–i

17. उड़न गिलहरी का वास है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) जवाहर सागर अभयारण्य (b) सीतामाता अभयारण्य
(c) कुम्भलगढ़ अभयारण्य (d) टॉडगढ़ रावली अभयारण्य

18. निम्न में से राजस्थान का कौन सा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है ? (Veterinary Officer – 2019)
(a) सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान (b) मुकुन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान
(c) राष्ट्रीय मरु उद्यान (d) रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान

19. कृष्ण मृग शुभंकर है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) बाड़मेर जिले का (b) चूरू जिले का
(c) कोटा जिले का (d) जैसलमेर जिले का

20. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Agriculture Research Officer– 2020)
अभयारण्य / संरक्षित क्षेत्र – जिला
(a) बस्सी – चित्तौड़गढ़ (b) सवाई मानसिंह – सवाई माधोपुर
(c) केसरबाग – भरतपुर (d) शेरगढ़ – बारा

21. सुन्धामाता कन्जर्वेशन रिजर्व स्थित है (ACF And Forest Range Officer Gr-I – 2018)
(a) सिरोही, जालौर (b) जालौर, जोधपुर
(c) बाड़मेर, जालौर (d) सीकर, झुंझुनूं

22. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है ? (Sub Inspector Comp. Exam - 2021)
संरक्षण क्षेत्र – जिला/स्थान
(a) रोटू – नागौर (b) उम्मेदगंज – अजमेर
(c) बीड़ – झुंझनू (d) गुड़ा विश्नोईयान – जोधपुर

23. किस जिले में रोटू संरक्षित क्षेत्र स्थित है ? (Asst. Prof. - 2020 Paper-III)
(a) नागौर (b) झुन्झुनू (c) बीकानेर (d) जोधपुर

24. जवाहर सागर वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के मुख्यतः कौन से जिले में अवस्थित है ? (Asst. Prof. - 2020)
(a) चित्तौड़गढ़ (b) बारा
(c) सवाई माधोपुर (d) झालावाड़

25. कौन सा सुमेलित नहीं है? (Asst. Prof. - 2020 Paper-(Geo-II)
संरक्षण क्षेत्र – स्थिति (जिला)
(a) सुंधा माता – जालौर-सिरोही (b) शाकम्भरी – जोधपुर
(c) रोटू – नागौर (d) जोहड़ बीड़ गाढ़वाला – बीकानेर

26. गोगोलाव संरक्षित क्षेत्र किस जिले में स्थित है? (RAS/RTS COMB. EXAM 2021)
(a) पाली (b) चूरू
(c) नागौर (d) जालौर

27. राजस्थान का रामसागर वन्यजीव अभयारण्य .... जिले में स्थित है। (Statistical Officer – 2021)
(a) कोटा (b) धौलपुर
(c) श्रीगंगानगर (d) चुरु

28. केसर बाग वन्यजीव अभ्यारण्य राजस्थान के कौन से जिले में अवस्थित है? (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(a) बारां (b) उदयपुर
(c) धौलपुर (d) नागौर

29. जयपुर के किस क्षेत्र में 'तेंदुआ सफारी पार्क' स्थित है? (Asst. Statistical Officer – 2021)
(a) कुकस (b) मोहनपुरा
(c) झोटवाड़ा (d) झालाना

30. प्रोजेक्ट बस्टर्ड के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है? (A.R.O. - 2022)
(a) यह घास के मैदान पारिस्थितिकी के संरक्षण से सम्बन्धित है।
(b) पर्यावरण विकास और पर्यावरण पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय लोगों को शामिल करना।
(c) इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत लागू किया गया।
(d) इस प्रजाति की रक्षा के लिए प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को पर्यावरण मंत्रालय ने शुरू किया था।

31. राजस्थान के किस शहर में राज्य का प्रथम बर्ड पार्क स्थापित किया गया है? (School Lecturer - 2022)
(a) नागौर (b) प्रतापगढ़
(c) अलवर (d) उदयपुर

32. निम्नलिखित में से राजस्थान में कौन से टाइगर रिज़र्व हैं? (School Lecturer - 2022)
(A) सरिस्का (B) रामगढ़ विषधारी
(C) रणथम्भौर (D) मुकुन्दरा
कूट: (a) A, B, C एवं D (b) A, B एवं C
(c) B, C एवं D (d) A, C एवं D

33. आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व निम्न में से किस शहर में स्थित है? (Sr. Teacher Gr II Exam - 2022)
(a) दौसा (b) अलवर
(c) जयपुर (d) राजसमंद

34. निम्नलिखित को सुसंगत कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनिए : (Hospital Care Taker – 2022)

सूची-I (वन्य-जीव अभयारण्य)	सूची-II (अवस्थिति)
A. रामगढ़ विषधारी	(i) बूंदी
B. सज्जनगढ़	(ii) उदयपुर
C. सीतामाता	(iii) प्रतापगढ़
D. वन विहार	(iv) धौलपुर

कूट : A B C D
(a) (i) (iii) (ii) (iv) (b) (i) (ii) (iii) (iv)
(c) (ii) (iii) (i) (iv) (d) (iv) (ii) (iii) (i)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

35. केवला देव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर को किस वर्ष में यूनेस्को ने विश्व प्राकृतिक धरोहर घोषित किया? **(Senior Physical Edu Teacher Exam - 2022)**
(a) 1980 (b) 1981 (c) 1982 (d) 1985

36. निम्नलिखित में से कौन सा कोटा में स्थित टाइगर रिज़र्व के लिए प्रसिद्ध है ? **(Assistant Engineer Civil - 2023)**
(a) नाहरगढ़ जैविक उद्यान (b) माछिया सफारी पार्क
(c) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (d) मुकुंदरा रिज़र्व पार्क

37. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने राजस्थान में पांचवां बाघ अभयारण्य का दर्जा, निम्न में से किस अभयारण्य को प्रदान किया है ? **(RAS (Pre) Exam – 2023)**
(a) सोरसन - बनार्न अभ्यारण्य
(b) हमीरगढ़-भीलवाड़ा अभ्यारण्य
(c) धौलपुर-करौली अभ्यारण्य
(d) नागपहाड़ -अजमेर अभ्यारण्य

38. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए: **(Statistical Officer Exam – 2023)**

सूची-I (संरक्षित क्षेत्र)	सूची-II (मुख्य वन्यजीव)
अ. सुन्धा माता	(i) भालू
ब. रोटू	(ii) कृष्ण मृग
स. बीड़-झुन्झुनूं	(iii) चिंकारा
द. बीसलपुर	(iv) खरगोश

कूट : अ ब स द
(a) i ii iv iii (b) ii iv i iii
(c) i iii iv ii (d) iv ii iii i

39. निम्नलिखित में से कौन सा अभयारण्य एक से अधिक जिलों में स्थित है ? **(Asst. Prof. Librarian Exam - 2023)**
(a) रामसागर वन विहार (b) टोंडगढ़-रावली
(c) फूलवारी की नाल (d) भैंसरोडगढ़

40. कौन सा सुमेलित नहीं है? **(RAS EXAM - 2023)**
वन्यजीव अभयारण्य – जिला
(a) शेरगढ़ – बूंदी
(b) बस्सी – चित्तौड़गढ़
(c) रामसागर वन विहार – धौलपुर
(d) सीतामाता – प्रतापगढ़

41. आम लोगों के वन्यजीव के प्रति जागरुकता हेतु वन विभाग, राजस्थान के द्वारा जालौर जिले के लिए निम्नलिखित में से कौनसा शुभंकर निर्धारित किया गया है? **(Asst. Prof.– 2024)**
(a) नेवला (b) भालू
(c) गोडावण (d) खरगोश

42. राजस्थान का मनसा माता संरक्षण रिजर्व अवस्थित है – **(Asst. Prof. 2024)**
(a) पाली में (b) झुन्झुनू में
(c) बाड़मेर में (d) अलवर में

43. कौन सा सुमेलित नहीं है? **(RAS (Pre) Exam – 2024)**
संरक्षण क्षेत्र (मई 2023 के अनुसार) – जिला
(a) रणखार – जालोर (b) मनसामाता – झुन्झुनू
(c) सोरसन – बूंदी (d) हमीरगढ़ – भीलवाड़ा

44. राजस्थान में निम्नलिखित में से किस अभयारण्य को सबसे पहले 'प्रोजेक्ट लेपर्ड' के लिए चुना गया था? **(PTI and Librarian – 2024)**
(a) झालाना (b) जवाई बाँध
(c) शेरगढ़ (d) रावली-टॉडगढ़

45. निम्नलिखित स्थानों में से किस स्थान पर बायोलॉजिकल पार्क स्थापित नहीं है ? **(Mines And Geology Dept. - 2024)**
(a) सिरोही (b) नाहरगढ़
(c) सज्जनगढ़ (d) जोधपुर

46. राजस्थान में 'वन्यजीव प्रबन्धन एवं रेगिस्तान पारितन्त्र प्रशिक्षण संस्था' अवस्थित है **(Research Assistant – 2024)**
(a) कुरजां (जोधपुर) (b) झालाना (जयपुर)
(c) आकल (जैसलमेर) (d) तालछापर (चूरू)

47. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (संरक्षित क्षेत्र - जिला) सुमेलित नहीं है? **(Research Assistant – 2024)**
(a) गंगा भैरव घाटी – बाँसवाड़ा (b) अमरख महादेव – उदयपुर
(c) बालेश्वर – सीकर (d) हमीरगढ़ – भीलवाड़ा

48. सीतामाता वन्यजीव अभयारण्य किस जिले में अवस्थित है? **(Asst. Director - 2024)**
(1) प्रतापगढ़ (2) बारां
(3) कोटा (4) उदयपुर

49. अभेड़ा जैविक उद्यान किस जिले में स्थित है? **(Asst. Director - 2024)**
(a) जोधपुर (b) झालावाड़
(c) कोटा (d) बारां

50. निम्नलिखित में से किस स्थान पर मगरमच्छ संरक्षण आरक्षित स्थित है? **(Deputy Jailor - 2024)**
(a) रामगढ़, जयपुर (b) रणथंभौर, सवाई माधोपुर
(c) टाटगढ़, राजसमंद (d) बाघदर्राह, उदयपुर

51. कॉलम-A में दिए गए वन्यजीव अभ्यारण्यों को कॉलम-B में उनके सही स्थान के साथ सुमेलित कीजिए - **[Deputy Com.– 2025]**

कॉलम-A (वन्यजीव अभ्यारण्य)	कॉलम-B (स्थान)
(i) रामगढ़ विषधारी	(A) उदयपुर
(ii) बन्ध बरेठा	(B) बूंदी
(iii) बस्सी	(C) चित्तौड़गढ़
(iv) फुलवारी की नाल	(D) भरतपुर

कूट -

(a) (i)-(C), (ii)-(D), (iii)-(A), (iv)-(B)
(b) (i)-(D), (ii)-(C), (iii)-(A), (iv)-(B)
(c) (i)-(A), (ii)-(B), (iii)-(D), (iv)-(C)
(d) (i)-(B), (ii)-(D), (iii)-(C), (iv)-(A)

52. निम्नलिखित में से पक्षियों के किस समूह में वे प्रजातियाँ शामिल हैं जिनके लिए राजस्थान उनके वैश्विक आबादी का सबसे महत्त्वपूर्ण या लगभग-स्थानिक (near-endemic) हिस्सा रखता है, विशेषकर अरावली एवं थार क्षेत्रों में? [Deputy Com.– 2025]
(a) श्वेत-गर्दन वाली टिट एवं लाल स्परफाउल
(b) लाल स्परफाउल एवं हरी मुनिआ
(c) श्वेत-गर्दन वाली टिट एवं गोडावण
(d) गोडावण एवं हरी मुनिआ

53. निम्नलिखित में से कौनसे पक्षी/पक्षियों का राजस्थान सरकार द्वारा कृत्रिम प्रजनन कार्यक्रम के अन्तर्गत संरक्षण किया जा रहा है? [Protection Officer - 2025]
(A) खरमोर (B) गोडावण
(C) गगरोनी तोता (D) हरित मुनिया
कूट: (a) केवल (B) (b) केवल (A) और (C)
(c) केवल (A) और (B) (d) (A), (B) और (D)

54. निम्नलिखित (वन्यजीव अभयारण्य अवस्थिति) में से कौनसा सही सुमेलित है? [Sr. Teacher (G-C) - 2025]
(a) शेरगढ़ जैसलमेर (b) सवाई मानसिंह सवाई माधोपुर
(c) जवाहर सागर उदयपुर (d) भैंसरोड़गढ़ भीलवाड़ा

55. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए – [Agriculture Dept. 2024]

संरक्षित क्षेत्र	अवस्थिति
(A) सुन्धामाता	जालौर, सिरोही
(B) कुरजा	फलौदी
(C) बीड फतेहपुर	सीकर
(D) बालेश्वर	उदयपुर

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित है/हैं?
(a) केवल दो (b) केवल तीन
(c) सभी चार (d) केवल एक

56. कौनसा (संरक्षित क्षेत्र अवस्थिति) सही सुमेलित नहीं है? [A.S.O. - 2025]
(a) महाशीर उदयपुर (b) बालेश्वर नीम का थाना
(c) अमरख महादेव-भीलवाड़ा (d) गंगा भैरव घाटी अजमेर

57. सूची-1 को सूची-I से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए : [Asst. Professor 2025]

सूची-I संरक्षित क्षेत्र	सूची-II अवस्थिति
A. उम्मेदगंज	i. जालौर
B. रणखार	ii. नीम-का-थाना
C. खीचन	iii. कोटा
D. बालेश्वर	iv. फलोदी

कूट : A B C D A B C D
(a) iv ii iii i (b) iii I iv ii
(c) ii iv I iii (d) iii I ii iv

Answer Key

1	d	2	b	3	a	4	d	5	a	6	d	7	c	8	b	9	b	10	a
11	c	12	c	13	c	14	b	15	b	16	a	17	b	18	d	19	b	20	c
21	a	22	b	23	a	24	a	25	b	26	c	27	b	28	c	29	d	30	d
31	d	32	a	33	c	34	b	35	d	36	d	37	c	38	c	39	b	40	a
41	b	42	b	43	c	44	a	45	a	46	d	47	a	48	a	49	c	50	d
51	d	52	a	53	d	54	b	55	b	56	c	57	b						

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान के दिए गए रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों को चिह्नित कीजिए : [RAS Mains 2024 (2 Mark)]

(A) सोरसन (B) आखरगाँव
(C) गोगेलाव (D) जोड़ बीड़ गाढ़ावाला

Q. राजस्थान के दक्षिणी अरावली प्रदेश की प्रमुख संकटग्रस्त वन्यजीव प्रजातियों के नाम लिखिए। राज्य में वन्यजीव हानि के मुख्य कारण क्या हैं ? [RAS Mains 2023 (5 Mark)]

Q. राजस्थान के कोई आठ संरक्षित क्षेत्रों के नाम लिखिये। [RAS Mains 2018 (2 Mark)]

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

RAS INTEGRATED TEST SERIES

सफलता की तैयारी, सही दिशा के साथ!

By VIKAS GUPTA SIR

STARTS FROM
28 JUNE, 2026

ONLINE | OFFLINE | दोनों माध्यमों में उपलब्ध

RAS PRE TEST – 16

12 SECTIONAL TEST
+
4 FULL LENGTH TEST

RAS MAINS TEST – 10

COMPLETE MAINS TEST SERIES
(10 FULL LENGTH TEST)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

TEST SERIES HIGHLIGHTS

- EXAM PATTERN BASED TESTS
- DETAILED SOLUTIONS & PERFORMANCE ANALYSIS
- CURRENT AFFAIRS BASED QUESTIONS
- TIME BOUND PRACTICE
- EXPERT EVALUATION & MENTORSHIP

ENROLL NOW
PREPARE SMART. PRACTICE RIGHT. SUCCEED BIG!

CERAMIC ACADEMY
Opposite Health Point Hospital,
80 Feet Road, Mahesh Nagar,
Jaipur - 302019

+91 97005 - 77774
+91 97005 - 77778

FOLLOW US

17 पर्यटन स्थल एवं परिपथ

- पर्यटन को धुआं रहित उद्योग कहा जाता है।
- विश्व पर्यटन दिवस :- 27 सितंबर
  - 2025 की थीम "पर्यटन और सतत् परिवर्तन"
  - 2026 की थीम "पर्यटन को नया रूप देने के लिए डिजिटल एजेंड़ा और कृत्रिम बुद्धिमता"
- राष्ट्रीय पर्यटन दिवस :- 25 जनवरी
  - 2026 की थीम "ग्रामीण एवं समुदाय केन्द्रित पर्यटन"
  - वर्ष 2017 :- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन वर्ष ⟶ UNO द्वारा
  - भारत का स्लोगन - 'अतिथि देवो भव:'
- राजस्थान पर्यटन लोगो :-

  पधारो म्हारे देस — RAJASTHAN TOURISM — राजस्थान भारत का अतुल्य राज्य !

- राजस्थान पर्यटन के ध्येय वाक्य :-
  - 'पधारो म्हारे देश' (वर्तमान)
  - 1993 ई. - 'पधारो म्हारे देश'
  - वर्ष 2008 - 'जाने क्या दिख जाए'
  - वर्ष 2019 - पुन: 'पधारो म्हारे देश'
- पर्यटन प्रचार हेतु 2 विज्ञापन फिल्म :-
  - 4 अगस्त, 2023 (जयपुर) को प्रकाशित
  - राजस्थान लगे कुछ अपना सा
  - रोमांस ऑफ राजस्थान
- पर्यटन विभाग का पंच वाक्य :- 'राजस्थान भारत का अतुल्य राज्य'
- पर्यटन उद्योग :-
  - राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा 1989 ई. (4 मार्च, 1989) यूनुस खान समिति द्वारा।
  - पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने वाला देश का पहला राज्य।
  - पर्यटन व हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में पूर्ण दर्जा - 18 मई, 2022

राजस्थान में पर्यटन आगमन

कुल पर्यटक यात्राएँ (2025) :- 2544.48 लाख

- घरेलू पर्यटक यात्राएँ — 2525.03 लाख
- विदेशी पर्यटक यात्राएँ — 19.45 लाख

- वृद्धि दर (2024 की तुलना में):-
  - घरेलू पर्यटक यात्राओं में 9.74% वृद्धि
  - विदेशी पर्यटक यात्राओं में 6.13% कमी
    - सर्वाधिक विदेशी पर्यटक :- जयपुर > उदयपुर > जोधपुर > जैसलमेर
    - सर्वाधिक देशी पर्यटक :- सीकर > डीग > पुष्कर > चित्तौडगढ़ > अजमेर

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

पर्यटन सर्किट :-

- राजस्थान में कुल **4 पर्यटन सम्भाग हैं – जोधपुर, उदयपुर, अजमेर और कोटा**
- **पर्यटन सर्किट** (10), **पुरातात्त्विक सर्किट** (7), **इको एडवेंचर सर्किट** (10), **वाइल्ड लाइफ सर्किट** (7), **ट्रायबल सर्किट** (4), **आध्यात्मिक सर्किट** (4)

पुरातत्व सर्किट (7)	ईको एडवेंचर सर्किट (10)
जोधपुर	जैसलमेर
बीकानेर	जोधपुर
अजमेर	उदयपुर
उदयपुर	राजसमंद
जयपुर	सिरोही
भरतपुर	चित्तौड़गढ़
कोटा	कोटा
	धौलपुर
	अलवर
	जयपुर

वाइल्ड लाइफ सर्किट	ट्राइवल सर्किट
जयपुर	डूँगरपुर
अलवर	बांसवाड़ा
करौली	प्रतापगढ़
धौलपुर	उदयपुर
सिरोही	
राजसमंद	
प्रतापगढ़	

सामान्य पर्यटन सर्किट (10)	शामिल क्षेत्र/जिले
शेखावाटी सर्किट	चूरू, सीकर, झुंझुनूं
ढूंढाड़ सर्किट	जयपुर (आमेर, सामोद, रामगढ़) दौसा (आभानेरी); टोंक
मत्स्य सर्किट	अलवर, विराटनगर (कोटपुतली-बहरोड़), सिलीसेढ़, सरिस्का
भरतपुर सर्किट	भरतपुर, डीग, धौलपुर
हाड़ौती सर्किट	कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़
मेवाड़ सर्किट	उदयपुर, जयसमंद, राजसमंद, चित्तौड़गढ़
माउंट आबू सर्किट	सिरोही, जालौर, पाली (रणकपुर)
मेरवाड़ा सर्किट	अजमेर (पुष्कर), नागौर (मेड़ता)
मरू त्रिकोण सर्किट	बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर (हाल ही में जोड़ा गया)
रणथम्भौर सर्किट	रणथम्भौर, सवाई माधोपुर, टोंक

आध्यात्मिक सर्किट (4)

1. कृष्णा सर्किट ⟶ वर्ष 2016:-

- भारत सरकार द्वारा **'स्वदेश दर्शन योजना'** के तहत राजस्थान, गुजरात, हरियाणा व उड़ीसा के 12 कृष्ण मंदिरों को जोड़कर कृष्णा सर्किट का निर्माण किया गया है।

> **मरू त्रिकोण :-** जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर।
> **सुनहरा त्रिकोण :-** जयपुर, दिल्ली, आगरा।

- **श्री नाथ जी मंदिर** ⟶ राजसमंद
- **कनक वृन्दावन** ⟶ जयपुर
- **गलता जी मंदिर** ⟶ जयपुर
- **गोविन्द देव जी** ⟶ जयपुर
- **चरण मंदिर** ⟶ जयपुर
- **खाटू श्याम जी** ⟶ सीकर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. हनुमानजी (बालाजी) पर्यटन सर्किट:-

- **सामोद बालाजी** ⟶ जयपुर
- **घाट के बालाजी** ⟶ जयपुर
- **बंधे के बालाजी** ⟶ जयपुर
- **पांडुपोल हनुमान जी** ⟶ अलवर
- **सालासर बालाजी** ⟶ चूरू
- **मेहन्दीपुर बालाजी** ⟶ दौसा

3. बुद्धा सर्किट :-

- जयपुर, झालावाड़ (कौलवी की गुफाएँ)
- बुद्ध के ऐतिहासिक स्थलों के लिए।

4. तीर्थ यात्रा सर्किट :- अजमेर, पुष्कर, नाथद्वारा, कांकरोली, महावीर जी।

इको टूरिज्म सर्किट

- सरिस्का, झालाना, कुंभलगढ़, माउन्ट आबू।

अन्य महत्वपूर्ण सर्किट -

[1] **स्वर्णिम त्रिकोण** ⟶ आगरा, जयपुर & दिल्ली

[2] **गोंड़वाड़ सर्किट** ⟶ जालौर, सिरोही, पाली बाड़मेर

[3] **वागड़ सर्किट** ⟶ बांसवाड़ा-डूंगरपुर

[4] **थार सांस्कृतिक सर्किट** ⟶ जैसलमेर-बीकानेर-बाड़मेर-जोधपुर-जालौर

[5] **महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट** ⟶ **परियोजना लागत:- ₹ 100 करोड़**

- राजस्थान प्राधिकरण की अध्यक्षता में गठित समीक्षा समिति द्वारा 3 फरवरी, 2026 को इस डीपीआर अनुसार कार्य करवाये जाने का अनुमोदन किया जा चुका है।
- **महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाएगा -**

हल्दीघाटी	चावण्ड	दिवैर	अन्य स्थल
चेतक स्मारक	प्रताप समाधि स्थल	विजय स्तम्भ	गोगुन्दा, कुंभलगढ़, उदयपुर, चित्तौड़ आदि।

[6] **मेवाड़ कॉम्पलेक्स (1997)** ⟶ हल्दीघाटी, दिवेर, गोगुंदा, छावली, चावंड आदि क्षेत्र का विकास

[7] **ढोला-मारू ट्यूरिस्ट कॉम्पलेक्स** ⟶ मूलसागर-अमरसागर रोड़ (जैसलमेर)

[8] **शौर्य पर्यटन सर्किट** ⟶ श्री तनोट माता कॉम्पलेक्स, लोंगेवाला युद्ध स्मारक

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

यूनेस्को विश्व विरासत सूची में राजस्थान

- **भारत की पहली हेरिटेज सिटी:-** अहमदाबाद (2017)
- **भारत का 38वाँ हेरिटेज स्थल:- जयपुर (गुलाबी नगर)** – जुलाई 2019 **(दूसरी हेरिटेज सिटी)**
- **राजस्थान के यूनेस्को विश्व विरासत स्थल:-**

क्रमांक	स्थल का नाम	प्रकार	स्थान	वर्ष
1.	जयपुर शहर (परकोटा)	सांस्कृतिक	जयपुर	2019
2.	चित्तौड़गढ़ दुर्ग	सांस्कृतिक	चित्तौड़गढ़	2013
3.	रणथम्भौर दुर्ग	सांस्कृतिक	सवाई माधोपुर	2013
4.	आमेर किला	सांस्कृतिक	जयपुर	2013
5.	जैसलमेर दुर्ग	सांस्कृतिक	जैसलमेर	2013
6.	गागरोन दुर्ग	सांस्कृतिक	झालावाड	2013
7.	कुम्भलगढ़ दुर्ग	सांस्कृतिक	राजसमंद	2013

Trick :- चीकु आम गाजर

ची – चित्तौडगढ़

कु – कुम्भलगढ़

आम – आमेर

गाजर – गागरोन, जैसलमेर, रणथम्भौर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

पर्यटन विकास की संस्थाएँ

◈ **पर्यटन विभाग :-** स्थापना 1956 ई, जयपुर

✦ **कार्य ⟶** पर्यटन संबंधी नीतियों, कार्यक्रमों व विकास कार्यों का संचालन

संस्थान	स्थापना	कार्य / उद्देश्य	अन्य तथ्य
राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (RTDC)	1 अप्रैल, 1979	पर्यटकों को आवास, भोजन तथा परिवहन व्यवस्था। मेला व प्रदर्शनी का आयोजन।	25 Hotal, 2 Motal, 1 Cafeteria, 1 Palace on Wheels, 1 Transportation Unit
राजस्थान राज्य होटल निगम लिमिटेड	7 जून, 1965 जयपुर		
राजस्थान पर्यटन एवम् आवागमन प्रबंध संस्थान (RITTMAN)	29 अक्टूबर, 1996	पर्यटन गतिविधियों का संचालन व बढ़ावा तथा नवीन जानकारी उपलब्ध करवाना	
राजस्थान धरोहर संरक्षण व प्रोन्नति प्राधिकरण	वर्ष 2006	ऐतिहासिक पर्यटक स्थलों का विकास एवं पैनोरमा निर्माण कार्य।	
एडवेंचर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग एण्ड माउन्टेनिंग सेंटर	माउंट आबू (प्रस्तावित)		
ढोला मारु ट्यूरिस्ट कॉम्पलेक्स	**मूलसागर-** अमरसागर रोड	यहाँ 'राजस्थान लोक सेवा प्रशिक्षण संस्थान' की स्थापना की जाएगी।	
होटल प्रबंध संस्था	जयपुर, जोधपुर, धौलपुर, सवाई मोधोपुर, झालावाड़, उदयपुर	• जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट • स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (जोधपुर, धौलपुर, सवाई मोधोपुर, झालावाड़, उदयपुर)	
फूड क्राफ्ट संस्था	अजमेर, पाली		
स्वागत/सुरक्षा केन्द्र	राज्य में (42), बाहर (5) दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, अहमदाबाद		
पर्यटक सुविधा केन्द्र	जैसलमेर – कुलधरा		
पर्यटन प्रशिक्षण व उत्कृष्टता केन्द्र	6 अक्टूबर, 2016 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	विश्व स्तरीय पर्यटन प्रशिक्षण कार्य	MOU वर्ष 2015 में सिंगापुर के साथ।
राजीव गाँधी टूरिज्म कन्वेंशन सेंटर	जोधपुर		राज्य का पहला एवं देश का तीसरा
ब्रज कन्वेंशन सेंटर	भरतपुर		
MICE (Meetings Incentives, Conventions and Exhibitions)		जयपुर, उदयपुर, जोधपुर व अजमेर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रोग्राम के लिए	आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु **'भारत मण्डपम्'** (दिल्ली) की तर्ज पर विद्याधर नगर, जयपुर में 'राजस्थान मण्डपम्' बनाया जाएगा।
राज्य पर्यटन विकास बोर्ड	20 नवम्बर, 2025		

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

प्रमुख महोत्सव :-

जनवरी	जयपुर - पतंग महोत्सव, साहित्य महोत्सव बीकानेर - ऊँट महोत्सव	अगस्त	जयपुर- तीज महोत्सव बूँदी- कजली तीज
फरवरी	जैसलमेर - मरु महोत्सव बालोतरा - मालाणी महोत्सव उदयपुर - वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिबल डूंगरपुर - बैणेश्वर महोत्सव	सितम्बर-अक्टूबर	जोधपुर- मांड (मारवाड़) महोत्सव
मार्च	बाड़मेर - थार महोत्सव भरतपुर - ब्रज महोत्सव जयपुर - हाथी महोत्सव उदयपुर – मेवाड़ महोत्सव	अक्टूबर	बीकानेर- कबीर यात्रा दौसा- आभानेरी उत्सव डीग- कामां महोत्सव
अप्रेल	करौली - महावीर महोत्सव जयपुर - गणगौर महोत्सव	अक्टूबर-नवम्बर	कोटा - दशहरा (विजयादशमी) पुष्कर - कोलायत मेला मत्स्य (अलवर) एवं चन्द्रभागा (झालावाड़) बूंदी महोत्सव
मई	ग्रीष्म महोत्सव (आबू)	दिसम्बर	सिरोही – शीतकालीन महोत्सव (29-30 दिसम्बर) कुंभलगढ़ – 01-03 दिसम्बर पाली - रणकपुर

प्रमुख रॉप वे :-

- 1st : सुंधा माता, जालौर – 2006
- 2nd : दूधतलाई से माछला मगरी (करणी माता मंदिर) - उदयपुर
- 3rd : सावित्री माता मंदिर - पुष्कर, अजमेर
- 4th : सामोद बालाजी - जयपुर
- 5th : अन्नपूर्णा माता रोप वे (खोले के हनुमान जी) - जयपुर
- 6th : नीमच माता रोप वे – उदयपुर
- 7th : जीण माता रोप वे – रैवासा, सीकर
- प्रस्तावित रोप वे:- आमेर-जयगढ़-नाहरगढ़

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

पर्यटन विकास की योजनाएँ

1. हेरिटेज होटल योजना

- प्रारम्भ ⟶ 1991 ईस्वी
- आधार ⟶ 50 वर्ष अथवा 1950 ई. से पुरानी ईमारत को हैरिटेज प्रमाण-पत्र।
- देश का पहला हेरिटेज होटल ⟶ अजीत भवन, जोधपुर
- सेवा एवं सुविधा के आधार पर तीन प्रकार के होटल ⟶ हेरिटेज, हेरिटेज क्लासिक, हेरिटेज ग्रांड

2. पेईंग गेस्ट योजना

- प्रारंभ :- 27 सितम्बर, 1991 (संपूर्ण राजस्थान में)
- उद्देश्य :- पर्यटकों की मेहमाननवाजी के लिए राजस्थान की संस्कृति से परिचय
- वर्तमान में 'राजस्थान पेईंग गेस्ट हाउस' (होम स्टे) योजना' संचालित।
  - न्यूनतम 1 कमरा भी उपलब्ध करवाने वाला स्थान भी चिन्हित।

3. राजस्थान होमस्टे (पेईंग गेस्ट हाउस) योजना

- **प्रारंभ :-** 20 फरवरी, 2026
  - अधिकतम 8 कमरे एवं 24 बैड की अनुमति।
  - होम स्टे की दो श्रेणी- 1. सिलवर 2. गोल्ड
  - विदेशी पर्यटक की सूचना प्राधिकरण को देना अनिवार्य।
  - स्थाई पंजीकरण प्रमाण-पत्र 2 वर्ष हेतु मान्य।
  - गैस्ट हाउस के स्वामी का स्थल पर रहना अनिवार्य नहीं।

4. मेवाड़ कॉम्पलेक्स (मेवाड़ संकुल) योजना

- **प्रारंभ :-** 1997 ई. (महाराणा प्रताप की 400 वीं पुण्यतिथि पर)
- **उद्देश्य :-** गोगुन्दा, चावंड, दिवेर व हल्दीघाटी का विकास।

5. प्रसाद योजना

- **PRASAD** ⟶ Pilgrimage Rejuvention and Spritual Augmentation Drive
- **आरंभ** ⟶ वर्ष 2014-15 भारत सरकार द्वारा
- 12 शहरों का चयन व विकास।
- **राजस्थान** ⟶ अजमेर एवं पुष्कर
- वर्तमान में मालसेरी डूंगरी (आसींद, भीलवाड़ा) भी प्रधानमंत्री द्वारा शामिल।

6. स्वदेश दर्शन योजना

- **प्रारम्भ** ⟶ वर्ष 2014-15
- **मंत्रालय** ⟶ पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार
- **उद्देश्य** ⟶ पर्यटन स्थलों का थीम आधारित एकीकृत विकास।
- **राजस्थान की चिन्हित परियोजनाएँ :-** मरू परिपथ, कृष्णा परिपथ, आध्यात्मिक परिपथ, विरासत परिपथ
- **स्वदेश दर्शन 2.0 :- (2023-24)**
  - **राजस्थान से शामिल (चिन्हित)-**
    - केशोरायपाटन मंदिर, बून्दी
    - बून्दी आर्ट सेंटर
    - मारवाड़ आर्ट तथा कल्चर सेंटर, जोधपुर
    - उम्मेद भवन, जोधपुर
    - साँवलिया सेठ मंदिर, चितौड़गढ़
    - करणीमाता मंदिर, देशनोक (बीकानेर)
    - खाटू श्याम
    - मालेसरी डूँगरी, भीलवाड़ा

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

7. वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा (नि:शुल्क यात्रा) योजना :- 2013

- देवस्थान विभाग
- **हवाई तीर्थ यात्रा योजना** ⟶ वर्ष 2016

8. मुख्यमंत्री उद्योग संबल योजना

- **प्रारंभ :-** 22 सितंबर 2021
- **उद्देश्य :-** उद्यम को बढ़ावा देने हेतु।

9. श्री तनोट मन्दिर कॉम्पलेक्स :- जैसलमेर

- बॉर्डर टूरिज्म को बढ़ावा।

10. राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना

- **प्रारंभ :-** 30 नवम्बर, 2022
- **उद्देश्य :-** ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना।

11. ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट

- **लागत -** ₹100 करोड़
- **शामिल स्थल -** सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृकुण्डिया, बेणेश्वर धाम आदि।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राजस्थान की प्रमुख पर्यटन नीतियाँ

- पर्यटन नीति – **2001, 2007, 2015, 9 सितम्बर, 2020 , राज्य की नवीनतम पर्यटन नीति** – **2024**
- **ईको टूरिज्म नीति (1st)** – 4 फरवरी, 2010 **(नई नीति प्रारंभ)** – 15 जुलाई, 2021
- **होटल नीति** – जून, 2006
- **राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति, 2022 :-** 18.04.2022 (18 अप्रैल, 2022)
  - **जारी**- 20 दिसम्बर, 2025
  - **वैधता**- 31 मार्च 2029
- **राजस्थान पर्यटन इकाई ड्राफ्ट :-** 17.11.2024 (17 नवम्बर, 2024)

राजस्थान पर्यटन इकाई नीति-2024

- **लागू** → 4 दिसंबर, 2024
- **नोडल विभाग** → पर्यटन विभाग
- **प्रावधान** →
  - इको टूरिज्म यूनिट, फिल्म सिटी, हेरिटेज रेस्टोरेन्ट, होटल हाउसिंग, इनडोर/आउटडोर प्ले जोन, एकीकृत पर्यटन विलेज, मोटल/ वे-साइट सुविधाएँ, रिसोर्ट हाउसिंग, ग्रामीण पर्यटन इकाई और पर्यटन स्टार्टअप्स जैसी इकाइयों का समावेश।
  - चिन्हित स्थानों पर न्यूनतम 100 करोड़ रुपये का 3 वर्षो में नया निवेश करने वाली पर्यटन इकाई परियोजनाओं को राजकीय भूमि आवंटित किये जाने का प्रावधान।
  - परिचालन लाइसेंस (व्यापार, होटल और रेस्तरां लाइसेंस) पर्यटन इकाइयों के संचालन के लिए एक बार में 10 वर्षों के लिए जारी किए जाएंगे।

राजस्थान पर्यटन नीति 2025

- **शुभारंभः** 10 दिसंबर, 2025 (जयपुर)।
- **भूमिका-** 1993 में पूंजी निवेश योजना।
  - राजस्थान देश के उन प्रथम राज्यों में से एक बना, जिसने 2001 में पर्यटन नीति की घोषणा की।
  - राज्य घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवक के मामले में 5वें स्थान पर है।
- **नीति अवधि -** राजस्थान पर्यटन नीति 2025 नई नीति जारी होने तक प्रभावी रहेगी तथा दो वर्ष बाद इसका व्यापक रूप से पुनरीक्षण किया जाएगा।
- **प्रमुख फोकस क्षेत्र (Focus Areas) -** निवेश प्रोत्साहन, अवसंरचना विकास, उत्पाद विविधीकरण, सतत पर्यटन, डिजिटल परिवर्तन, रोजगार सृजन और कौशल विकास करना।
- **नीति के उद्देश्य पूर्ति हेतु 8 स्तम्भ -**
  - पर्यटन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को सुगम बनाना।
  - राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र के लिए कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना।
  - पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करना तथा पर्यटन स्थलों का रखरखाव करना।
  - प्रमुख पर्यटन स्थलों तक संपर्क (कनेक्टिविटी) में सुधार करना।
  - स्वच्छता, सुरक्षा और पहुँच सुनिश्चित करना।
  - पर्यटकों के लिए जानकारी की उपलब्धता और समेकित अनुभवों (बंडल्ड एक्सपीरियंस) में सुधार करना।
  - ब्रांडिंग, विपणन और प्रसार को बढ़ावा देना।
  - पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विभागों और निगमों का समन्वय करना।
- **कार्यान्वयन-**
  - राज्य स्तरीय समिति- राजस्थान पर्यटन बोर्ड के अंतर्गत गठित।
- **नीति क्रियान्वयन इकाई (PIU)-** पर्यटन विभाग के अंतर्गत निदेशक/आयुक्त की अध्यक्षता में गठित। यह राज्य स्तरीय समिति को रिपोर्ट करेगी।

प्रावधान-

- पर्यटन विभाग 'राज्य वार्षिक पर्यटन पुरस्कार' शुरू करेगा।
- राज्य के चुनिंदा जिलों में 'मॉडल पर्यटन प्रशिक्षण एवं कौशल केंद्र स्थापित किए जाएँगे।
- 10 प्रमुख विरासत पर्यटन स्थलों को 'आइकोनिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित किया जाएगा। जैसे-जैसलमेर किला, शेरगढ़ किला (बारां), खंडार किला (सवाई माधोपुर), आमेर एवं नाहरगढ़ (जयपुर), किशोरी महल (भरतपुर) आदि।
- यूनेस्को मान्यता प्राप्त जयपुर परकोटा क्षेत्र के लिए 'विरासत विकास योजना' तैयार की जाएगी।
- जैसलमेर के तनोट माता मंदिर और लोंगेवाला वॉर म्यूजियम को 'शौर्य पर्यटन सर्किट' में शामिल किया जाएगा।
- **पैनोरमा परियोजनाएं-** हड़बूजी (फलौदी) एवं रैवासा धाम (सीकर)
- **शिल्पग्राम की स्थापना-** जोधपुर एवं डूंगरपुर
- **शिल्प संग्रहालय-** [1] जयपुर-ब्लू पॉटरी [2] कोटा/उदयपुर- मिनिएचर आर्ट [3] बाड़मेर/जोधपुर-लकड़ी का फर्नीचर [4] नाथद्वारा-पिछवाई पेटिंग
- **म्यूजियम-** [1] अल्बर्ट हॉल म्यूजियम (जयपुर) [2] वॉर म्यूजियम (जैसलमेर) [3] वीर बालिका कालीबाई म्यूजियम (उदयपुर)
- **ग्रामीण पर्यटन स्थलों का विकास-**

[1] बरौली धौ (कामां-डीग)	[2] देवमाली (ब्यावर)
[3] पिपलान्त्री (राजसमंद)	[4] महनसर (झुंझुनू)
[5] भूरी पहाड़ी (सवाई माधोपुर)	[6] केमला (बूंदी)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

[7] रूसी रानी महल (अलवर) [8] आभानेरी (दौसा)
[9] शेरगढ़ (बाराँ) [10] लापोड़िया (टोंक)

- ✦ जिला क्लेक्टर की अध्यक्षता में 'जिला पर्यटन विकास समिति' गंतव्य प्रबंधन संगठन के रूप में कार्य करेगी।
- ✦ प्रत्येक जिले का **'पर्यटन मास्टर प्लान'** तैयार किया जाएगा।
- ✦ पर्यटन स्थलों के जिर्णोद्धार, संचालन और प्रबंधन हेतु राज्य सरकार 'अडॉप्ट अ टूरिज्म साइट' योजना लागू करेगी।
- ✦ निवेशकों हेतु प्रमुख प्रोत्साहन (Incentives)

◈ **सब्सिडी:-** पूंजी सब्सिडी, SGST प्रतिपूर्ति और सावधि ऋणों पर ब्याज सब्सिडी (RIPS के अनुसार)।
◈ **छूट:-** स्टाम्प ड्यूटी और बिजली शुल्क में छूट।

बजट : 2026-27

◈ **पैनोरमा:-**
- ✦ संत श्री दुर्बलनाथ (दौसा)
- ✦ हाड़ी रानी (सलुम्बर)
- ✦ वीर दुर्गादास (सिवाणा-बालोतरा)
- ✦ वीर तेजाजी (खरनाल, नागौर)
- ✦ महर्षि दयानन्द सरस्वती (अजमेर)- (MDS University)

◈ **War Museum:-** झुंझुनूं
◈ **आयुध संग्राहालय:-** बालाकिला अलवर

PYQ Questions

1. सुनहरा त्रिकोण सम्बन्धित है:
(Asst. Conservator Forest Exam 2011)
(a) जयपुर - आमेर - अलवर (b) अलवर - भरतपुर - दिल्ली
(c) जयपुर - अलवर - दिल्ली (d) जयपुर - दिल्ली - आगरा

2. सूची–I (पर्यटन केन्द्र) को सूची–II (जिला) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए –
(Sr. Teacher Gr II Exam – 2018)

सूची–I (पर्यटन केन्द्र)	-	**सूची–II (जिला)**
(A) फूल सागर	-	(i) बाड़मेर
(B) गागरोन किला	-	(ii) उदयपुर
(C) जगदीश मंदिर	-	(iii) बूंदी
(D) किराड़ु मंदिर	-	(iv) झालावाड़

कूट: (A) (B) (C) (D)
(a) iv ii iii i (b) iii iv i ii
(c) iii iv ii i (d) iv iii ii i

3. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए – (Sr. Teacher Exam – 2018)

सूची–I (पर्यटन केन्द्र)	-	**सूची–II (जिला)**
(A) पाण्डुपोल	-	i. झालावाड़
(B जसवंत थड़ा	-	ii. बीकानेर
(C) लालगढ़	-	iii. अलवर
(D) गागरोन किला	-	iv. जोधपुर

कूट:
(a) A–iii, B–ii, C–i, D–iv (b) A–iv, B–iii, C–ii, D–i
(c) A–iii, B–iv, C–ii, D–i (d) A–ii, B–iv, C–i, D–iii

4. राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की स्थापना कब की गयी? (College Lecturer– 2018)
(a) 1 अप्रैल, 1979 (b) 27 सितम्बर, 2001
(c) 1 अगस्त, 2000 (d) 29 अक्टूबर, 1996

5. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कोड से कीजिये :
(Sr. Teacher Gr II Exam – 2018)

सूची–I (पर्यटक स्थल)	**सूची–II (स्थिति)**
A. चौरासी खम्भों की छतरी	i. बीकानेर
B. दौलत बाग	ii. उदयपुर
C. लालगढ़	iii. अजमेर
D. जग मंदिर	iv. बूंदी

कूट :
(a) A–iii, B–iv, C–i, D–ii (b) A–iv, B–iii, C–i, D–ii
(c) A–iv, B–iii, C–ii, D–i (d) A–ii, B–i, C–iii, D–iv

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

6. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कोड से कीजिये : **(Sr. Teacher – 2018)**

सूची–I (पर्यटन की प्रकृति)	सूची–II (पर्यटन केन्द्र)
A. ऐतिहासिक पर्यटन	i. रणथम्भौर
B. धार्मिक पर्यटन	ii. गणेश्वर
C. प्राकृतिक पर्यटन	iii. देलवाड़ा
D. पुरातात्विक पर्यटन	iv. ताल–छापर

कूट :
(a) A–i, B–ii, C–iii, D–iv (b) A–i, B–iv, C–iii, D–ii
(c) A–iii, B–i, C–ii, D–iv (d) A–i, B–iii, C–iv, D–ii

7. निम्न को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूटों में से उत्तर चुनिए : **(School Lecturer– 2018)**

पर्यटन केन्द्र	स्थान
(अ) सोनी जी की नसियां	(i) भरतपुर
(ब) लोहागढ़ किला	(ii) बीकानेर
(स) चन्द्र महल	(iii) अजमेर
(द) जूनागढ़ किला	(iv) जयपुर

कूट :
(a) A-(i), B-(ii), C-(iii), D-(iv) (b) A-(iv), B-(i), C-(iii), D-(ii)
(c) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii) (d) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)

8. निम्नलिखित में से कौन सा भू-पर्यटन की स्थल नहीं है ? **(Asst. Prof. - 2020)**
(a) राष्ट्रीय मरु उद्यान (b) पुष्कर झील
(c) चूलिया जलप्रपात (d) नथमल-की-हवेली

9. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट में से कीजिए – **(RAS/RTS Exam- 2021)**

सूची–I (पर्यटक स्थल)	सूची–II (स्थिति)
(A) लालगढ़	(i) झालावाड़
(B) त्रिपुर सुन्दरी	(ii) बाड़मेर
(C) गागरोन किला	(iii) बीकानेर
(D) नाकोड़ा	(iv) बाँसवाड़ा

कूट –
(a) A-(ii), B-(i), C-(iv), D-(iii) (b) A-(iv), B-(iii), C-(ii), D-(i)
(c) A-(iii), B-(iv), C-(i), D-(ii) (d) A-(iii), B-(ii), C-(i), D-(iv)

10. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए – **(School Lecturer– 2022)**

सूची – I (पर्यटन स्थल)	सूची – II (अवस्थिति)
(A) दिलवाड़ा	(i) सीकर
(B) नाथद्वारा	(ii) सिरोही
(C) भीनमाल	(iii) राजसमन्द
(D) गणेश्वर	(iv) जालौर

कूट:
(a) ii iii iv i (b) ii iii i iv
(c) iii ii iv i (d) ii iv iii i

11. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए – **(Sr. Teacher Gr II Exam – 2022)**

सूची – I (पर्यटन स्थल)	सूची – II (पर्यटन सर्किट)
(A) घाना पक्षी विहार	(i) शेखावाटी सर्किट
(B) गागरोन किला	(ii) जयपुर सर्किट
(C) ब्रह्मा मन्दिर	(iii) अलवर सर्किट
(D) गणेश्वर उत्खनन स्थल	(iv) हाड़ौती सर्किट

कूट:
(a) (iii), (ii), (iv), (i) (b) (iii), (iv), (i), (i)
(c) (iii), (iv), (ii), (i) (d) (iv), (iii), (ii), (i)

12. कौन सा सुमेलित नहीं है? **(Sr. Teacher Gr II – 2022)**

पर्यटन केन्द्र	स्थिति
(a) गागरोन किला	झालावाड़
(b) कपिल सरोवर	कोलायत
(c) दौलत बाग	अजमेर
(d) लालगढ़ किला	जैसलमेर

13. राजस्थान के ग्रामीण पर्यटन स्थलों को उनके सम्बन्धित प्रदेशों से सुमेलित कीजिए : **(Sr. Teacher Exam – 2022)**

(i) मेवाड़	(a) तालछापर, जीणमाता
(ii) हाड़ौती	(b) ओसियां, किराडू मन्दिर
(iii) मारवाड़	(c) हल्दीघाटी, मेनाल
(iv) शेखावाटी	(d) रामेश्वर महादेव, सीताबाड़ी

कूट:
(a) (d) (b) (c) (a) (b) (c) (a) (d) (b)
(c) (c) (d) (b) (a) (d) (b) (c) (a) (d)

14. निम्नलिखित में से कौनसी एक जियो-टूरिज्म साइट है? **(Asst. Prof., Librarian and PTI Exam – 2023)**
(a) पुष्कर झील (b) रामगढ़ क्रेटर
(c) बाप–बोल्डर्स (d) टोडगढ़

15. कौनसा (पर्यटन केन्द्र - स्थान) सुमेलित नहीं है? **(Sr. Teacher Exam – 2024)**
(a) मेहरानगढ़ – बीकानेर (b) जसवंत थड़ा - जोधपुर
(c) स्वर्ण कोठी – टोंक (d) रानीजी की बावड़ी - बूंदी

16. माउंट आबू और रणकपुर किस पर्यटन परिपथ में सम्मिलित हैं? **(RAS Exam - 2024)**
(a) ढूंढाड़ (b) शेखावाटी
(c) गोडवाड़ (d) मेवाड़

17. सूची-I को सूची-II से मिलाइए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए – (Librarian Grade-II – 2024)

सूची-I (पर्यटन स्थल)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) लोहागढ़	(i) माउंट आबू
(B) स्वर्ण कोठी	(ii) करौली
(C) दिलवाड़ा मन्दिर	(iii) भरतपुर
(D) कैलादेवी	(iv) टोंक

कूट :
(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

18. जयपुर, दौसा तथा टोंक किस पर्यटन परिपथ में सम्मिलित हैं? (Local Self Govt. Dept. - 2022)
(a) वागड़ (b) ढूंढाड़
(c) गौड़वाड़ (d) मेरवाड़ा

19. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए – (Local Self Govt. - 2022)

सूची-I (पर्यटन स्थल)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) बंध बारेठा	(i) बूंदी
(B) रामसागर वन विहार	(ii) भरतपुर
(C) शेरगढ़	(iii) बारां
(D) रामगढ़ विषधारी	(iv) धौलपुर

(a) (A)-(i), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(iii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)
(c) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)
(d) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए – (Local Self Govt. - 2022)

सूची-I (पर्यटन स्थल)	सूची-II (अवस्थिति)
(A) बाला किला	(i) माउंट आबू
(B) देलवाड़ा मन्दिर	(ii) टोंक
(C) स्वर्ण कोठी	(iii) बूंदी
(D) चौरासी खम्भों की छतरी	(iv) अलवर

कूट –
(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(d) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

21. राजस्थान पर्यटन इकाई नीति प्रथम बार निम्न में से किस वर्ष में शुरू की गई ? [Asst. Professor 2025]
(a) 2002 (c) 2007
(b) 2004 (d) 2015

22. लूनी बेसिन अथवा गोडवार क्षेत्र में कौन सा जिला समूह सम्मिलित है ? [Asst. Professor 2025]
(a) जोधपुर, बाड़मेर, नागौर
(b) जोधपुर, बाराँ, जालौर
(c) सिरोही, जोधपुर, नागौर
(d) जोधपुर, पाली, जालौर

23. राजस्थान के निम्नलिखित स्थानों के जोड़ों में से कौन से यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं ? [Asst. Engineer (A.En.) - 2025]
(A) गागरोन एवं रणथंभौर का किला
(B) सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान एवं मेहरानगढ़ किला
(C) जयपुर की चारदीवारी वाला शहर एवं जंतर-मंतर
(D) कुम्भलगढ़ एवं जैसलमेर का किला
कूट :
(a) केवल (A) और (C) सही हैं।
(b) केवल (B) और (D) सही हैं।
(c) केवल (A), (C) और (D) सही हैं।
(d) केवल (A), (B) और (C) सही हैं।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

Answer Key

1	d	2	c	3	c	4	a	5	b	6	d	7	d	8	d	9	c	10	a
11	c	12	d	13	c	14	b	15	a	16	c	17	c	18	b	19	b	20	c
21	c	22	d	23	c														

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

18 परिवहन

प्रकार

- [1] सड़क परिवहन
- [2] रेल परिवहन
- [3] वायु परिवहन
- [4] पाइपलाइन परिवहन

◈ परिवहन को क्षेत्र की **'रक्त वाहिनियाँ'** और आर्थिक-सामाजिक व्यवस्था की **'जीवन रेखा'** कहा जाता है।

सड़क परिवहन

◈ **लम्बाई :-** 1949 ई. में ⟶ 13,553 किमी.
◈ **राजस्थान में सड़कों की कुल लम्बाई (31 मार्च, 2025) -** 3,35,306 किमी.
◈ **राष्ट्रीय राजमार्ग – 10,790 किमी.**
◈ **राज्य राजमार्ग – 17,316 किमी.**
◈ **सर्वाधिक लम्बाई -** बाड़मेर, जोधपुर
◈ **न्यूनतम लम्बाई -** सिरोही, धौलपुर
◈ **सड़क घनत्व -** 97.97 किमी. प्रति 100 किमी.^{2}
- **सर्वाधिक सड़क घनत्व -** डूंगरपुर
- **न्यूनतम सड़क घनत्व -** जैसलमेर

राष्ट्रीय राजमार्ग:-

✦ **रखरखाव -** NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण)
✦ राज्य में कुल राज्य राजमार्ग - 53 (PWD NOTIFICATION Nov. 09, 2022)
✦ राज्य में कुल लम्बाई - 10,790 किमी..
✦ देश में राज्य का स्थान - तीसरा **(MH>UP>Raj)**
✦ औसत लम्बाई - 34.2 किमी. प्रति 1000 किमी.^{2}
✦ **लम्बाई :-**
- **सर्वाधिक –** बाड़मेर, **बीकानेर**
- **न्यूनतम –** करौली, प्रतापगढ़

✦ **सर्वाधिक जिलों से गुजरने वाला :** NH – 48 (8 जिलों से) , NH – 52 (8 जिलो से) , NH – 58 (8 जिलो से)
✦ **राजस्थान का सबसे व्यस्तम :** NH - 48
✦ **राज्य से गुजरने वाला सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग :** NH - 52 (793.55 किमी.)
✦ **राज्य से गुजरने वाला सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग :** NH-919 (5 किमी.) खैरथल - तिजारा व NH-148 (5 किमी.) कोटपूतली-बहरोड
✦ **राजस्थान में सर्वाधिक राष्ट्रीय राजमार्ग वाले जिले :-** जयपुर (9 राष्ट्रीय राजमार्ग) ; ब्यावर व बाड़मेर (6-6 राष्ट्रीय राजमार्ग)
✦ **राजस्थान के भीतर पूर्णतः** गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग:-
- **सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH-248 (चंदवाजी–जयपुर) — 28 किमी
- **सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH-25 (ब्यावर–मुनाबाव) — 481 किमी

✦ **एक्सप्रेस -वे**

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

1. दिल्ली - मुम्बई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे -

- NH – 148/ NE – 4; **राज्य में लम्बाई -** 373.63 किमी.
- **कुल लम्बाई -** 1386 किमी.; **विस्तार -** डीग, अलवर, दौसा, सवाईमाधोपुर, टोंक, बूंदी, कोटा
- प्रथम चरण फरवरी, 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन – बड़ का पाड़ा, दौसा (सोहना, हरियाणा से बड़ का पाड़ा, दौसा तक 246 किमी.)

2. जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे :- NE - 4C

- **विस्तार** – श्यामसिंह पुरा, बांदीकुई (दौसा) से बगराना (जयपुर)

3. अमृतसर - जामनगर एक्सप्रेस-वे :-

- **विस्तार -** संगरिया (हनुमानगढ़) से सांचौर (जालौर) तक
- **लम्बाई -** 636.80 किमी.
- राजस्थान से गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, फलोदी, जोधपुर, बालोतरा, जालौर से गुजरेगा

4. प्रस्तावित

- चम्बल एक्सप्रेस वे (अटल प्रगति पथ)
- **भटिण्डा -** अजमेर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे

5. भारतमाला परियोजना – राजस्थान में निर्मित एक्सप्रेस-वे :

NH-148N / NE 4, NH - 754K, NE 4C

✦ **अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग –**

- **NH11-** जैसलमेर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं से हरियाणा
- **NH21-** जयपुर, दौसा, करौली, भरतपुर से उत्तरप्रदेश
- **NH27-** पूर्व-पश्चिम गलियारा (राजस्थान के जिले- सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, बारां)
- **NH44-** उत्तर-दक्षिण गलियारा (राजस्थान-धौलपुर)
- **NH48-** स्वर्णिम चतुर्भुज का भाग (राजस्थान- अलवर, जयपुर, किशनगढ़, भीलवाड़ा, चित्तौड़, उदयपुर, डूँगरपुर)

कुल ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे - 9

[बजट घोषणा 2025-26]

[1] जयपुर - किशनगढ़ - अजमेर-जोधपुर - पचपदरा
[2] कोटपुतली - किशनगढ़
[3] जयपुर-भीलवाड़ा
[4] बीकानेर-कोटपुतली
[5] ब्यावर - भरतपुर
[6] जालौर – झालावाड़
[7] अजमेर - बाँसवाड़ा
[8] जयपुर - फलौदी
[9] श्री गंगानगर - कोटपुतली

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

◈ **जयपुर–किशनगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग–48**

✦ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके **89.785 कि.मी. लंबे खंड** के लिए **6-लेन उन्नयन** की स्वीकृति प्रदान की है।

✦ लागत – **₹910.90 करोड़**।

राज्य राजमार्ग:-

✦ **कुल संख्या -** 192
✦ **लम्बाई -** 17316 किमी.
✦ **सबसे लम्बा -** SH1 (403 किमी.) झालावाड़ से मथुरा तक
✦ **सबसे छोटा -** SH 34B (3 किमी)
✦ **सर्वाधिक संख्या -** नागौर
✦ **सर्वाधिक लम्बाई -** जोधपुर
✦ **न्यूनतम लम्बाई -** जैसलमेर

ग्रामीण सड़क:-

- **ग्रामीण सड़क की कुल लम्बाई-** 216144 किमी
- **सर्वाधिक लम्बाई-** श्रीगंगानगर
- **न्यूनतम लम्बाई-** सिरोही
- **ग्रामीण स्थिति-** मार्च, 2025 तक 39,666 गाँव सड़क से जुड चुके है, जो कुल गाँवों का 91.68 प्रतिशत है।
- **मील के पत्थरों के रंगों का वर्गीकरण :**
  - **राष्ट्रीय राजमार्ग (NH):** ऊपर से **पीला रंग**
  - **राज्यीय राजमार्ग (SH):** ऊपर से **हरा रंग**
  - **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY):** ऊपर से **नारंगी रंग**
  - **जिला सड़के:** ऊपर से **काला रंग**

प्रमुख परियोजनाएं

1. चेतक परियोजना

- **संचालन** - सीमा सड़क संगठन [BRO]
- **कार्य** - सीमावर्ती जिलों में सड़क निर्माण
- **मुख्यालय** - बीछवाल, बीकानेर
- श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, फलोदी, बाड़मेर

2. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना:

- **प्रारम्भ** - 25 दिसंबर, 2000 (**अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा**)
- **आधार** -
  - **मरू व जनजातीय क्षेत्र** – 250 से अधिक आबादी
  - **ग्रामीण जनंसख्या वाले** – 500 से अधिक आबादी
- **वित्तीय प्रावधान : केंद्र** – 60%, **राज्य** – 40%
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 अप्रैल को **PMGSY-III** की अवधि मार्च 2025 से बढा दी है -
  - **मैदानी क्षेत्रों में** - मार्च 2028 तक
  - **पहाड़ी क्षेत्रों में** - मार्च 2029 तक
- **संशोधित परिव्यय** - ₹83,977 करोड़
- इसके अंतर्गत ग्रामीण बस्तियों को ग्रामीण कृषि बाजारों, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और अस्पतालों से जोड़ने वाले 'थ्रू रूट्स' और 'प्रमुख ग्रामीण लिंक' का सुदृढ़ीकरण शामिल है।
- **शुभारम्भ** – 25 दिसंबर, 2000
- **मंत्रालय** – केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय
- **नोडल विभाग-** सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD), राजस्थान
- **लक्ष्य** - सामान्य क्षेत्र की 500 से अधिक एवं मरुस्थलीय तथा आदिवासी क्षेत्र की 250 से अधिक आबादी की बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ना।

फ्लैगशिप योजना

तीन चरण पूरे, चौथे चरण में 1,638 गांवों को जोड़ने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीन चरण प्रदेश में पूरे हो चुके हैं और चौथे चरण का आगाज होने जा रहा है।

प्रथम चरण: प्रदेश में 49,730 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया। इससे 15,983 बसावटें पक्की सड़कों से जुड़ गई। साथ ही 14,043 किलोमीटर सड़कों का चौड़ाईकरण-सुदृढ़ीकरण किया गया तथा 26 पुलों का निर्माण करवाया गया।

दूसरा चरण: 3 हजार 468 किलोमीटर लम्बाई की 401 सड़कों का चौड़ाईकरण सुदृढ़ीकरण कार्य करवाया गया तथा 6 पुलों का निर्माण करवाया गया।

तीसरा चरण: 8 हजार 584 किलोमीटर की 912 सड़कों का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण तथा 38 पुलों का निर्माण किया गया है।

चौथा चरण: प्रदेश की 1,216 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ने और एक पुल के निर्माण के लिए बजट आ चुका है और निर्माण काम तेजी से प्रगति पर है।

- सड़कों और पुल की अनुमानित लम्बाई 3,219 किलोमीटर और लागत लगभग 2 हजार 89 करोड़ रुपये आंकी गई है।
- 1,638 बसावटों को सड़कों से जोड़े जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

- **वित्तपोषण** – वर्ष 2015-16 के बाद से केंद्र : राज्य सरकार = 60:40 (पहले 100% केंद्र द्वारा)
- यह योजना ग्रामीण सड़क कनेक्टिविटी में सुधार के लिए **तीन-स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली** का उपयोग करती है।

- इसके तहत PWD द्वारा विगत 25 वर्षों में राजस्थान में 75 हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया। इससे 15,983 बसावटें और गांव पक्की सड़कों से जुड़े।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना – IV (PMGSY-IV) –

- **शुभारंभ -** 10 मई को सीहोर (मध्य प्रदेश) से ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा
- **लक्ष्य -** वर्ष 2024-25 से 2028-29 के दौरान 62 हजार 500 किलोमीटर सड़क निर्माण।
- **बजट -** 70 हजार 125 करोड़ रुपये
- देश में अब तक स्वीकृत कुल सड़कें - 4795 सड़कें (15401 किमी)
  - **राजस्थान को सर्वाधिक -** 1216 सड़कें (3219 किलोमीटर)
  - **राजस्थान के लिए बजट -** 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक
- **PM-JANMAN** का भी शुभारंभ किया गया।
- **PMGSY** के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया –
  - सर्वाधिक सड़क लंबाई पूरी करने में राजस्थान का स्थान – द्वितीय (75,868 किमी सड़के)
  - गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए - राजस्थान व तमिलनाडु को द्वितीय स्थान

3. मेगा हाइवे परियोजना :

- **संयुक्त उपक्रम –**
  - राजस्थान (रिडकोर) – 50 साझेदारी
  - मैसर्स कम्पनी I.L. & F.S. – 50 साझेदारी
- **रिडकोर (RIDCOR) की स्थापना -** 2004
- रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड (RIDCOR)
- **प्रथम मेगा हाइवे -** फलोदी से रामजी का गोल (बालोतरा)

4. मुख्यमंत्री सड़क योजना – 2005

- प्रमुख पर्यटन स्थल व धार्मिक स्थलों को जोड़ना।

5. राजस्थान सड़क क्षेत्र आधुनिकीकरण परियोजना : (RRSMP)

- **प्रारम्भ -** 2013-14
- **सहायता -** विश्व बैंक
- **उद्देश्य -** 250 से 499 तक आबादी वाले गाँवों की योजना।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

6. भारतमाला परियोजना :- भारत सरकार की योजना

- **प्रारम्भ -** 31 जुलाई, 2015
- **सड़कों की चौड़ाई -** 10 मीटर

7. ग्रामीण गौरव पथ :- (2014-2015)

- **उद्देश्य -** प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन 1 किमी. लम्बाई तक सीमेंट-कंक्रीट सड़क का निर्माण और नालियों का भी निर्माण।

8. शहरी गौरव पथ योजना :- (2016-17)

- शहरी निकाय सड़क को मुख्य सड़क से जोड़ना।
- पक्की सड़क फुटपाथ व नाली का निर्माण।

9. राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास परियोजना :- (RSHDP)

- **प्रारम्भ –** अक्टूबर 2019
- राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम II (ट्राँच - 1)

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **सहायता** - विश्व बैंक
- **उद्देश्य**- राज्य राजमार्गों के प्रबंधन को सुदृढ़ करना एवं राजस्थान के चयनित राजमार्गों पर यातायात प्रवाह को सुचारू बनाना है।
- **मुख्य घटक निम्नलिखित हैं:**
  - 801 किमी राज्य राजमार्गों को दो लेन या मध्यवर्ती लेन मानकों में अपग्रेड करना।
  - राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण का संचालन।
  - संस्थागत सुदृढ़ीकरण, सड़क सुरेक्षा उपायों एवं परियोजना प्रबंधन सहायता।
- इस परियोजना के तहत 917 किमी लंबाई के 13 राजमार्गों वाले 10 पैकेज विकसित किए गये हैं।

10. जयपुर रिंग रोड़ परियोजना :- 2019

- **कार्य** - जयपुर शहर को चारों तरफ से राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़कर शहरी क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करना।

11. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना (1999)

- **चार महानगरों को जोड़ना :**

  i. दिल्ली, ii. मुम्बई, iii.चैन्नई, iv.कोलकात्ता
- NH-48 इसका हिस्सा है।
- जयपुर, किशनगढ़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर इस पर आने वाले मुख्य शहर।

प्रमुख नीतियाँ

- **सड़क नीति** - **1st = 1994** [राजस्थान पहला राज्य]
- **नवीनतम** – **2002**
- **राज्य सड़क विकास नीति** – **2013**
- **राज्य सड़क सुरक्षा नीति** – **2017**
- **राजस्थान इलेक्ट्रीकल व्हीकल नीति** – **2022**
- **सड़क सुरक्षा नीति** –
  - **जारी :** 26 जुलाई, **2014**
  - सड़क सुरक्षा एक्शन प्लान : 10 वर्षों के लिए
  - **लक्ष्य :** 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में 50% तक कमी लाना।

❖ **राजस्थान सड़क सुरक्षा कार्य योजना,2024** –

- **राजस्थान देश का पहला राज्य है जो अगले 10 वर्षों के लिए सड़क सुरक्षा हेतु कार्य योजना अपनाएगा।**
- इस कार्य योजना के साथ-साथ एक सरकारी नीति भी बनाई जाएगी, जिसका उद्देश्य 2030 तक राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को 50% तक कम करना है।
- **योजना की मुख्य विशेषताएं-**
  - **चरण 1 (2025 से 2027):** इस दौरान संस्थागत सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण और कार्य योजना के अंतरिम लक्ष्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - **चरण 2 (2028 से 2030):** संयुक्त राष्ट्र के सड़क सुरक्षा के लिए दूसरे दशक की कार्रवाई के अनुरूप, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50% तक कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - **चरण 3 (2031 से 2033):** इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 75% तक कम करना है।

Note:-

- **व्हीकल स्क्रेपिंग सेंटर** – जयपुर
- **राज्य सड़क सुरक्षा दिवस** – प्रतिवर्ष नवम्बर माह का तृतीय रविवार।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future

- **PM E-DRIVE योजना –**
  - PM Electric Drive Revolution Innovative Vehicle Enhancement.
  - **उद्देश्य -** इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना तथा देश में मजबूत ईवी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।
  - केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 591 चार्जिंग स्टेशनों (262 स्थानों पर) को मंजूरी दी है।

शहर	जयपुर	अजमेर	उदयपुर	कोटा	राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग
चार्जिंग स्टेशन	112	49	39	28	34

  - **वित्तीय स्वीकृति -** ₹ 81.12 करोड़
  - **नोडल एजेंसी -** राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
- **राजस्थान हाईवेज मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट –**
  - **विश्व बैंक** ने 225 मिलियन डॉलर (2025 करोड़ रुपये) के लोन को मंजूरी दी।
  - परियोजना के तहत 14 राजमार्गों (लगभग 926 कि.मी.) का उन्नयन किया जाएगा।
  - इनमें 5 परियोजनाएं EPC मोड (Engineering, Procurement, Construction) तथा 9 परियोजनाएँ HAM मोड (Hybrid Annuity Model) पर विकसित होंगी।
  - इस स्वीकृत प्रोजेक्ट से **भारत में पहली बार स्टेप-अप लोन की शुरुआत** होगी।
  - **अंतिम परिपक्वता अवधि** – 35 वर्ष
  - **अनुग्रह अवधि** – 5 वर्ष
  - परियोजना में इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (ITS) लागू किया जाएगा, जिससे रीयल-टाइम मॉनिटरिंग, बेहतर प्रवर्तन और सड़क सुरक्षा में सुधार होगा।
  - इसके लिए विश्व बैंक, भारत सरकार के आर्थिक मामलात विभाग, राजस्थान सरकार के परिवहन एवं सड़क सुरक्षा तथा राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के मध्य त्रिपक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगें।
- **होंडा 0 अल्फा**
  - यह होंडा का पहला **इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल** है।
  - अनावरण – मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा (**14 मार्च, 2026**)
  - उत्पादन – तपुकारा संयंत्र, अलवर (**वर्ष 2026 से**)
  - होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के CEO – **ताकाशी नाकानिशी**
- **राज्य पथ परिवहन निगम**
  - मुख्यमंत्री ने बस टर्मिनल, जयपुर से **207 नवीन बसों** को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
    - 100 ब्लूलाइन एक्सप्रेस
    - 79 स्टारलाइन बसें
    - 28 AC बसें

रेल परिवहन

- **विषय -** संघ सूची
- **राज्य का रेलमार्ग में स्थान -** दूसरा (उत्तर प्रदेश > राजस्थान)
- **राज्य की पहली रेल सेवा –** 1874 ई. में आगरा फोर्ट (उत्तर प्रदेश) से बांदीकुई (दौसा) [जयपुर रियासत में]
- **राज्य की पहली रेल बस सेवा -** (1994)
  - मेड़ता रोड़ व मेड़ता सिटी [नागौर]
  - वर्तमान में बंद।

राज्य में रेलवे जोन - 2 (मंडल – 5)

[1] उत्तर पश्चिमी रेलवे जोन (जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर मण्डल); **मुख्यालय** - जयपुर

[2] पश्चिमी कोटा रेलवे जोन (कोटा मंडल); **मुख्यालय** – जबलपुर (M.P.)

- **रेलमार्ग की लम्बाई - 6135 किमी.**
  - देश के रेलमार्ग का - 8.86%
  - **घनत्व** - 17.82 किमी./1000 किमी^{2}
- **नवीनतम रेलमार्ग** - गंगापुर सिटी - दौसा रेलमार्ग
  - **लम्बाई** - 92 किमी.
  - **प्रारम्भ** - 2024
- **निर्माणाधीन** - रतलाम (मध्यप्रदेश) - बाँसवाड़ा - डूँगरपुर रेलमार्ग
  - **लम्बाई** - 192 किमी.
  - **प्रस्तावित** - 2024
- **रेल विहीन जिले** - **बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ (निर्माणाधीन)**

रेल सुरंगें :-

- **डीडवाना – इंदावा रेल सुरंग :-** सबसे लम्बी रेल सुरंग; **विस्तार** - गंगापुर सिटी - दौसा रेलमार्ग पर स्थित लम्बाई = 2,171 मीटर
- **देबारी (Debari) सुरंग :-** चितौड़गढ़ से उदयपुर
- **कमलीघाट सुरंग –**
  - **प्रथम सुरंग :-** देवगढ़ व मारवाड़ जंक्शन मीटर गेज पर (लम्बाई = 500 मीटर)
  - **द्वितीय सुरंग :-** देवगढ़ व मारवाड जंक्शन मीटर गेज पर (लम्बाई = 300 मीटर)
- **दर्रो पर स्थित रेल मार्ग**

  1. **बर दर्रा :-** अजमेर - मारवाड़ जंक्शन (पाली), आबू रोड़ मार्ग (सिरोही)
  2. **गोरमघाट दर्रा :-** मावली (उदयपुर) - मारवाड़ जंक्शन (पाली)

रेलवे संस्थान :-

- **लोको रेलवे कारखाना** - अजमेर
- **सिमको वैगन फैक्ट्री** - भरतपुर
- **पश्चिमी रेलवे क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र** - उदयपुर (1965)
  - भारत का सबसे बड़ा रेलवे मॉडल कक्ष।
- **मेमू रेलवे कोच फैक्ट्री** – भीलवाड़ा
- **एशिया का मीटर गेज का सबसे बड़ा यार्ड** - फुलेरा (जयपुर)
- **पहला पूर्ण महिला कर्मचारी रेलवे स्टेशन** - गाँधी नगर [जयपुर] 100% सौर ऊर्जा संचालित भी।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

महत्वपूर्ण रेल कोरिडोर

- **डेडिकेटेड फ्रैट –**
  - **कार्य** - माल ढुलाई के लिए
  - दिल्ली - मुम्बई कॉरिडोर का हिस्सा।
  - **राज्य में पहला** - जयपुर से अजमेर।
- **डेडिकेटेड टेस्ट ट्रैक –**
  - नावां (डीडवाना-कुचामन)
  - **हाई** - स्पीड ट्रेनों का परीक्षण
  - **लम्बाई** - 45 किमी.
- **डबल डेकर रेल सेवा** - जयपुर से दिल्ली

मुख्य रेलमार्ग

- **राज्य का प्रथम रेलमार्ग -**
  - आगराफोर्ट (उत्तरप्रदेश) से बांदीकुई (दौसा) – 1874

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **नवीनतम रेलमार्ग -** गंगापुर सिटी से दौसा
- **वन्दे भारत ट्रेन मार्ग (वन्दे भारत परियोजना के तहत)-**
  - अजमेर - जयपुर - दिल्ली मार्ग। (2023)
  - जोधपुर से साबरमती (G.J.) (2023)
  - जोधपुर से दिल्ली कैंट
  - उदयपुर सिटी से जयपुर
  - उदयपुर सिटी से आगरा कैंट
  - उदयपुर से चण्डीगढ़
  - बीकानेर से दिल्ली कैंट

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:-

- **बीकानेर रेलवे स्टेशन पर "स्टेशन उत्सव"**
  - **7 नवंबर,** 2025 को
  - **उद्देश्य :** राज्य की रेलवे विरासत का प्रदर्शन।
- **22 मई, 2025 को देशनोक (बीकानेर) से VC के माध्यम से भारतीय रेल के 103 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।**
  - NWR **के स्टेशन -** (1) फतेहपुर शेखावटी (2) राजगढ़ (3) मंडी डबवाली (4) गोगामेड़ी (5) देशनोक
- 29 नवम्बर, 2025 को जैसलमेर स्टेशन से दिल्ली (शकूर बस्ती) नई रेलसेवा (स्वर्णनगरी एक्सप्रेस) को शुरू किया गया।
- उत्तरी-पश्चिमी रेलवे (NWR) ने लगभग 100% रेलमार्ग विद्युतीकरण पूर्ण कर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा दक्षता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है।
- **Regional Rapid Transit System-**
  - नमो भारत कॉरिडोर 'Delhi-Hariyana-Alwar'
  - हाई स्पीड़ ट्रेन कॉरिडोर- कुल लम्बाई 196 किमी तथा 22 मुख्य स्टेशन (राजस्थान में 96 किमी एवं 6 स्टेशन)

नागदा-कोटा-शामगढ़ रेलखंड –

- **अवस्थिति -** पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अंतर्गत
- भारत की पहली अल्सटॉम-प्रणोदन आधारित 16-कार वंदे भारत ट्रेन का 60-115 किमी/घंटा की गति से सफल परीक्षण किया गया।
- **प्रणोदन तकनीक –** अल्सटॉम (फ्रांसिसी कंपनी)
- **निर्माण -** रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला (पंजाब)
- **निगरानी -** अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (RDSO), लखनऊ द्वारा

मथुरा (UP)-नागदा (MP) तीसरी व चौथी रेल लाइन –

- केन्द्र सरकार ने इसे **'विशेष रेल परियोजना'** घोषित कर राष्ट्रीय अवसंरचना का दर्जा प्रदान किया है।
- **परियोजना की कुल लंबाई -** 568 किलोमीटर
- **राजस्थान -** कोटा और भरतपुर जिलों से गुजरेगा।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) परियोजना –

- **RRTS** सार्वजनिक परिवहन का एक अत्याधुनिक मॉडल है, जिसे विशेष रूप से दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के शहरों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से जोड़ने हेतु विकसित किया गया है।
- **दिल्ली-गुरुग्राम- SNB-अलवर कॉरिडोर –**
  - प्रथम चरण में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ, दिल्ली-गुरुग्राम-SNB-अलवर तथा दिल्ली-पानीपत-करनाल कॉरिडोर को **नमो भारत कॉरिडोर** के रूप में विकसित किया जा रहा है।
  - इसमें कुल 196 किलोमीटर लंबा नमो भारत नेटवर्क एवं 22 मुख्य स्टेशन प्रस्तावित है।
  - राजस्थान - कुल लंबाई 91 किलोमीटर और 6 स्टेशन प्रस्तावित हैं।
  - यह नेटवर्क 160 किलोमीटर प्रति घंटा की उच्च गति जैसी सुविधाओं से लैस होगा।
- नमो भारत नेटवर्क के तीनों कॉरिडोरों को इंटर-ऑपरेबल भी बनाया जा रहा है, दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन पर ये कॉरिडोर परस्पर जुड़ेंगे।
- इससे राजस्थान के भिवाड़ी एवं नीमराना सहित शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़ (SNB) के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र लाभान्वित होंगे।

मेट्रो रेल परियोजना

- राज्य की पहली व देश की छठी। (जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन [JMRC]
- **स्थापना :** 1 जनवरी, 2010
- **आर्थिक सहायता -** एडीबी

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

निर्माण चरण

फेज I (A)
मानसरोवर से चांदपोल [12 किमी.]
दोहरा ऐलिवेटेड
संचालन = 2015

फेज I (B)
चांदपोल से बड़ी चौपड़ [2.1 किमी.]
भूमिगत मार्ग
संचालन = 2020

फेज IC
बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर
वित्तीय स्वीकृति (DPR)

फेज ID
मानसरोवर से 200-फीट बाईपास
वित्तीय स्वीकृति (DPR)

फेज II
- **विस्तार** - सीतापुरा से अम्बाबाड़ी
- **लम्बाई** - 23.5 किमी

- **बजट 2024-25 में विस्तार घोषणा**
  - टोंक रोड़, सीतापुरा, अम्बावाड़ी, विधाधर नगर
  - साझेदारी जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन व केन्द्र सरकार
- **फेज II (B):** स्वीकृति 8 अप्रेल 2026
  - **कुल लम्बाई**- 41 किमी
  - **विस्तार** - प्रहलादपुरा से तोड़ी मोड़ तक 36 स्टेशन
  - **वित्त संरचना**- केन्द्र और राज्य (50:50)
  - वित्तपोषण की संरचना - **मेट्रो रेल नीति, 2017** के अनुसार की गई है।
  - **कार्यान्वयन** - राजस्थान मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (RMRCL)
  - इसे सितंबर 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

पर्यटन रेल

1. पैलेस ऑन व्हील्स - [1982]
- **स्लोगन** - वन वीक इन वंडरलैंड
- **नया नाम** - हैरिटेज पैलेस ऑन व्हील्स
- **वर्तमान नाम** - हैरिटेज पैलेस ऑन व्हील्स
- **विस्तार** - दिल्ली ⟶ राजस्थान ⟶ आगरा

2. फैरी क्वीन/हैरिटेज ऑन व्हील्स - [2003]
- **संयुक्त प्रक्रम** - भारतीय रेलवे व RTDC
- **वर्तमान** – बंद
- **क्षेत्र** - शेखावाटी

3. रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स - [2009]
- भारतीय रेलवे व RTDC
- **वर्तमान नाम** - पैलेस ऑन व्हील्स

4. विस्टाडोम हेरिटेज ट्रेन - [2023]
- देश की पहली
- **विस्तार** - मारवाड़ जंक्शन (पाली) से कामली घाट (राजसमंद)
- राज्य का एक मात्र मीटर गेज मार्ग।

वायु परिवहन

- **विषय** - संघ सूची
- **विस्तार** - केन्द्र सरकार द्वारा
- **राज्य का पहला फ्लाइंग क्लब** – जोधपुर, 1929 महाराणा उम्मेद सिंह द्वारा।
- **एयरफोर्स फ्लाइंग कॉलेज** - जोधपुर
- **नागर विमानन निगम** - स्थापना 20 दिसम्बर, 2006
- **कुल हवाई अड्डे** – 10 (4 नागरिक, 6 सैन्य, 2 प्रस्तावित)

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

प्रमुख हवाई अड्डे

(1) सांगानेर हवाई अड्डा - राज्य का पहला (देश का 14 वां), अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

- **स्थिति –** जयपुर
- **अधीन -** भारतीय विमान प्राधिकरण (AAI)
- 4G वाई-फाई सुविधा वाला देश का पहला एयरपोर्ट
- **वर्तमान में :** लीज पर (अडानी समूह द्वारा)

(2) महाराणा प्रताप हवाई अड्डा - डबोक (उदयपुर)

(3) कोटा हवाई अड्डा - कोटा

(4) ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट - शम्भुपुरा (कोटा), राज्य का पहला ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट (निर्माणाधीन)

(5) किशनगढ़ हवाई अड्डा - अजमेर (2017) राज्य का नवीनतम हवाई अड्डा।

(6) सूरतगढ़ हवाई अड्डा - सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)

- भूमिगत हवाई अड्डा।
- भारतीय वायुसेना के अधीन।

(7) नाल हवाई अड्डा - बीकानेर

- भूमिगत
- भारतीय वायुसेना के अधीन।
- वर्तमान में नागरिक उडानों का संचालन प्रारंभ।

(8) जैसलमेर हवाई अड्डा - भारतीय वायु सेना के अधीन।

(9) उत्तरलाई एयरपोर्ट– बाड़मेर

- वायुसेना के अधीन।
- नागरिक हवाई अड्डे को मंजूरी।

(10) रातानाडा - जोधपुर

- भारतीय वायुसेना के अधीन।
- नागरिक सेवा संचालन।

(11) फलौदी - वायु सेना के अधीन।

(12) कोटकासिम - खैरथल - तिजारा।

- DMIC पर स्थित।
- प्रस्तावित - ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट।

(13) कोलाना - झालावाड़

- प्रस्तावित

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

हवाई पट्टियाँ :-

- **कुल - 22** (राज्य सरकार - प्रदेश में राज्य सरकार की 18 हवाई पट्टियां हैं।)
- **निजी 4 :-**
  - कांकरोली (J.K. Group)
  - पिलानी (बिड़ला ग्रुप)
  - वनस्थली, टोंक (वनस्थली विद्यापीठ)
  - बारां (अडानी ग्रुप)
- **उड़ान प्रशिक्षण संस्थान -** किशनगढ़ (अजमेर), हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) प्रस्तावित
- **राजीव गांधी एवियेशन यूनिवर्सिटी -** प्रस्तावित, जयपुर
- **हेलीकॉप्टर जॉय राइड -** संचालन (RTDC)
  - राजस्थान पर्यटन विकास निगम
  - सम (जैसलमेर)

हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति:- (Current Update)

- 23 अगस्त, 2025 को मंत्रीमंडलीय बैठक में मंजूरी दी गई।
- इस नीति के तहत भूमि का लीज शुल्क ₹100 प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष तथा कंसैशन शुल्क ₹6 लाख प्रति एयरस्ट्रिप प्रति वर्ष होगा।
- पहले 5 वर्षों तक दरों में 5% तथा 6 वें से 20 वें वर्ष तक 10% वृद्धि की जाएगी।
- लीज अवधि अधिकतम 20 वर्ष होगी तथा अधिकतम 2000 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की जा सकेगी।

राज्य में विमानन क्षेत्र से जुड़े तथ्य

- भीलवाड़ा, सीकर, झुंझुनूं, चूरू, झालावाड़ और श्रीगंगानगर की हवाई पट्टियों पर फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की जाएगी।
- राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट तथा राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (RIPS) के तहत विमानन क्षेत्र में 10 से अधिक एमओयू किए है जिनसे लगभग ₹1500 करोड का निवेश संभावित है।
- वर्तमान में राज्य में तीन हवाई अड्डों से क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क उड़ाने (RCS) संचालित है।

कोटा- बून्दी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट:-

- 19 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रीमण्डल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा इसे मंजूरी दी गई।
- लागत - ₹1507 करोड
- इसके निर्माण के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को 440.65 एकड़ भूमि प्रदान की गई है।
- इस एयरपोर्ट में A-321 श्रेणी के विमानों का संचालन किया जाएगा।
- 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में एक टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा, जिसकी प्रतिवर्ष यात्री वहन क्षमता 20 लाख (MPPA) होगी।

ड्युन्स एविएशन एकेडमी- हमीरगढ़ (भीलवाडा):-

- मुख्यमंत्री ने 24 सितंबर 2025 को हमीरगढ (भीलवाडा) ' ड्युन्स एविएशन एकेडमी' फ्लाइंग स्कूल का उद्घाटन किया।

प्रमुख उड्डयन नीति

- **राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति, 2018**
- **राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति, 2024**
  - हवाई अड्डों, एयरलाइंस, कार्गो अनुरक्षण मरम्मत एवं ऑवरहाल संगठनों (MRO), उडान प्रशिक्षण संगठनों (FTO) आदि उद्योगों के माध्यम से रोजगार एवं पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका।
  - इस हेतु राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति, 2016 जारी
  - **प्रमुख केन्द्रित क्षेत्र -**
    - प्रथम चरण में उत्तरलाई एवं उदयपुर हवाई अड्डों का उन्नयन।
    - चकचौनपुरा (सवाई माधोपुर), नागौर, हमीरगढ़ (भीलवाड़ा), आबू रोड़ (सिरोही) और लालगढ़ जाटान (श्रीगंगानगर) हवाई पट्टियों का उन्नयन कर रात्रि-उड़ान परिचालन योग्य बनाना।
    - जयपुर हवाई अड्डे पर शहर की तरफ विकास प्रारंभ करना।
    - व्यवसाय एवं पर्यटन केन्द्र की दृष्टि से कोटा में नवीन हवाई हड्डा (भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण का सहयोग)
    - जयपुर हवाई अड्डों पर कार्गो कॉम्प्लेक्स (सुरक्षित एवं किफायती हवाई यात्रा हेतु)
    - रीजनल कनेक्टिविटी - उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर एवं बीकानेर को जोड़ना।
    - झालावाड़ में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना।
    - प्रोत्साहन - राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 के अंतर्गत

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

पाइपलाइन परिवहन

- कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल जैसे ईंधन के परिवहन हेतु उपयोग।

(1) पेट्रोलियम पाइपलाइन -

(i) कांडला (गुजरात) से भटिण्डा (पंजाब)
(ii) सलाया (गुजरात) से मथुरा (उत्तरप्रदेश)
(iii) कोयली (गुजरात) से सांगानेर (राजस्थान)
(iv) मुंद्रा (गुजरात) से दिल्ली पाइपलाइन

(2) गैस पाइपलाइन -

(i) हजीरा (गुजरात) - विजयपुर (मध्यप्रदेश)-जगदीशपुर (उत्तरप्रदेश) पाइपलाइन
(ii) जामनगर (गुजरात) - लोनी (उत्तरप्रदेश) पाइपलाइन

नोट:- उपरोक्त सभी पाइपलाइन राजस्थान से होकर गुजरती हैं।

PYQ Questions

1. निम्नलिखित में से कौन सा मार्ग राजस्थान में 'एक्सप्रेस वे' के रूप में चयनित नहीं किया गया है?

(a) किशनगढ़ - मकराना
(b) अलवर - शाहपुरा
(c) राजसमन्द - भीलवाड़ा
(d) गंगानगर - सिरोही

उत्तर- (a)

2. नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (NH-52), राजस्थान के निम्नलिखित में से किस शहर से नहीं गुजरता है ?

(a) टोंक (b) कोटा
(c) बूंदी (d) बारां

उत्तर- (d)

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

19 यूनेस्को की भू-पार्क एवं भू-धरोहर स्थल संकल्पना

UNESCO का परिचय

- **पुरानाम : United Nation Educational Scientific & Cultural Organization**
- **स्थापना:** 16 नवम्बर 1945
- **मुख्यालय:** पेरिस (फ्रांस)
- **भारत इसका सदस्य 1946 में बना**
- **मुख्य कार्य: धरोहर** संरक्षण, विश्व में शिक्षा विज्ञान व संस्कृति संरक्षण

यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क

- **यूनेस्को (UNESCO) 2001** से इस संकल्पना पर कार्य कर रहा है।
- **परिभाषा :-** यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क (यूजीजीपी) एकल, एकीकृत भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ अंतर्राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक महत्व के स्थलों और भूदृश्यों का प्रबंधन संरक्षण, शिक्षा और सतत् विकास की समग्र अवधारणा के साथ किया जाता है। स्थानीय समुदायों को शामिल करते हुए संरक्षण को सतत् विकास के साथ जोड़ने का उनका निम्न-स्तरीय (बॉटम-अप) दृष्टिकोण तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वर्तमान में, 50 देशों में 229 यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क है।
- यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क अपनी भू-वैज्ञानिक विरासत का उपयोग, क्षेत्र की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के अन्य सभी पहलुओं के साथ, समाज के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों, जैसे कि पृथ्वी के संसाधनों का सतत् उपयोग, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित जोखिमों को कम करना, के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए करता है।
- यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क की स्थापना एक निचले स्तर की प्रक्रिया (बॉटम-अप अप्रोच) के माध्यम से की जाती है, जिसमें क्षेत्र के सभी प्रासंगिक स्थानीय और क्षेत्रीय हितधारकों और प्राधिकारियों (जैसे भूस्वामी, सामुदायिक समूह, पर्यटन प्रदाता, स्वदेशी लोग और स्थानीय संगठन) को शामिल किया जाता है।
- यह अवधारणा बॉटम-अप अप्रोच **(Bottom-up approach)** पर आधारित है।
- इसमें **स्थानीय समुदायों और क्षेत्रीय हितधारकों** की भागीदारी सुनिश्चित होती है।
- **मुख्य दृष्टिकोण:**
  [1] संरक्षण (Conservation) **[2] शिक्षा (Education)** **[3] भू-पर्यटन (Geo-tourism)**

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

UNESCO ग्लोबल जियोपार्क की मूलभूत विशेषताएँ

[1] अंतर्राष्ट्रीय महत्व की भूवैज्ञानिक विरासत: किसी क्षेत्र में ऐसे भूवैज्ञानिक स्थल होने चाहिए जो विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण माने जाएँ। इनका वैज्ञानिक मूल्यांकन विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

[2] सुदृढ़ प्रबंधन व्यवस्था: जियोपार्क का प्रबंधन एक मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा किया जाना चाहिए। इसके लिए संरक्षण, विकास, वित्त और स्थानीय लोगों की भागीदारी वाली प्रबंधन योजना आवश्यक होती है।

[3] दृश्यता और भू-पर्यटन: जियोपार्क की जानकारी वेबसाइट, मानचित्र, ब्रोशर आदि के माध्यम से लोगों तक पहुँचाई जाती है। इससे भू-पर्यटन बढ़ता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है।

[4] नेटवर्किंग और सहयोग: जियोपार्क को अन्य UNESCO ग्लोबल जियोपार्क्स और ग्लोबल जियोपार्क नेटवर्क (GGN) के साथ मिलकर कार्य करना होता है, ताकि ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान हो सके।

Note: यूनेस्को चार्टर (2005) के अनुसार: स्थानीय लोगों को जियोपार्क रेंजर, जियोपार्क एंबेसडर और टूर-गाइड के रूप में काम करने के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। जहाँ वे अपने स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प उत्पादों को भी बेच सकते हैं।

Current : 2022 में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी के तट पर स्थित लम्हेटा गाँव में देश के पहले जियोपार्क की स्थापना को मंज़ूरी दी है।

ग्लोबल जियोपार्क्स नेटवर्क (GGN)

◈ GGN की आधिकारिक स्थापना 2014 में यूनेस्को के तत्वावधान में विकसित एक अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के रूप में की गई थी और यह क्षेत्रीय सतत् आर्थिक विकास की रणनीति में पृथ्वी के विरासत स्थलों के संरक्षण को एकीकृत करने वाले क्षेत्रों के लिए सर्वोत्तम अभ्यास के मॉडल विकसित करने और गुणवत्ता-मानक निर्धारित करने का कार्य करता है।

ग्लोबल जियोपार्क नेटवर्क के उद्देश्य

- ग्लोबल जियोपार्क की समतापूर्ण भौगोलिक स्थापना, विकास और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देना।
- ग्लोबल जियोपार्क की प्रकृति, कार्य और भूमिका के बारे में ज्ञान और समझ को बढ़ाना।
- स्थानीय समुदायों को उनकी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्व समझने में सहायता करना।
- वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी की विरासत को संरक्षित करना।
- भू-विज्ञान के मुद्दों और पर्यावरणीय मामलों व प्राकृतिक आपदाओं के साथ उनके संबंधों के बारे में व्यापक जनता को शिक्षित और प्रशिक्षित करना।
- प्राकृतिक (या भू-वैज्ञानिक) प्रणाली पर आधारित सतत् सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विकास सुनिश्चित करना।
- साझेदारी और प्रबंधन की सहभागी योजनाओं का उपयोग करके विरासत और संरक्षण तथा भू-वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विविधता के रखरखाव के बीच बहु-सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना।
- उपयुक्त होने पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
- ग्लोबल जियोपार्क के बीच संयुक्त पहलों को बढ़ावा देना (जैसे संचार, प्रकाशन, सूचना का आदान-प्रदान)।

भू-धरोहर स्थल (Geo-heritage Site)

◈ **परिभाषा:-** वैज्ञानिक, शैक्षणिक और **प्राकृतिक सौंदर्य** के साथ विशेष भू-गर्भीय विशेषताओं वाले क्षेत्रों को **यूनेस्को (UNESCO)** द्वारा **भू-धरोहर स्थल (Geo-heritage site)** घोषित किया जाता है।

◈ **सम्मलेन :-** 1972 में

- भू-विरासत स्थल दुर्लभ और अद्वितीय भू-वैज्ञानिक, भू-आकृति विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान स्थल है।
- इनमें गुफाएँ, प्राकृतिक शैल-मूर्तियाँ, तलछट, चट्टानें, खनिज, उल्कापिंड या जीवाश्म शामिल है।
- भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) भारत में भू-विरासत स्थलों को मान्यता, घोषणा और रखरखाव प्रदान करता है।

◈ **प्रमुख विशेषताएँ :-**

- **इन स्थलों में भू-गर्भीय विशेषताएँ जैसे–**
  - विशिष्ट चट्टानें व खनिज प्रकार
  - अद्वितीय या असामान्य संरचनाएँ
  - जलवायु परिवर्तन के प्रमाण
  - मृदा प्रक्रियाएँ
  - भूमिगत जल परिवर्तन
  - अन्य भू-गर्भीय साक्ष्य
- ये स्थल **शिक्षा, अनुसंधान और वैज्ञानिक अध्ययन** के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं।
- **इन स्थलों में शामिल होते हैं:-**
  - सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व
  - पुरातात्विक प्रमाण
  - प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
  - भूमि प्रबंधन
  - भू-पर्यटन और अनुसंधान की संभावनाएँ
  - **भू-वैज्ञानिक महत्व:** ये स्थल पृथ्वी के इतिहास, विवर्तनिक गतिविधियों और अतीत की जलवायु के बारे में अमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं।
  - **सांस्कृतिक संबंध:** यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क का उद्देश्य उन स्थलों को मान्यता प्रदान करना है जो लोगों और भूमि के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी उजागर करते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

भारत में पहला भू-धरोहर स्थल

मावम्लुह गुफा (पूर्वी खासी हिल्स):

- मेघालय के खासी हिल्स में मुख्य भू-विरासत स्थल मावम्लुह गुफा है, जो अंतर्राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक विज्ञान संघ **(IUGS- International Union of Geological Sciences (IUGS) (यूनेस्को का वैज्ञानिक संगठन))** की 100 वैश्विक भू-विरासत स्थलों की सूची में पहला भारतीय स्थल है।
  - यह गुफा मेघालय युग, जो जलवायु परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण काल था, जो परिभाषित करने के लिए महत्वपूर्ण है, और इसकी स्टैलेग्माइट संरचनाएँ अतीत की जलवायु और मानसून के स्वरूपों के अभिलेख प्रस्तुत करती है।
  - यह स्थल होलोसीन श्रृंखला के मेघालय चरण के लिए वैश्विक सीमा स्ट्रैटोटाइप खंड और बिंदु (GSSP) है। मावम्लुह गुफा के स्टैलेग्माइट नमूनों से पता चला है कि वे डायजेनेसिस और अपरदन के अधीन नहीं थे और वे रासायनिक चिह्नों के संरक्षण के लिए उपर्युक्त है।
  - **महत्व:** मावम्लुह गुफा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह होलोसीन युग के मेघालय चरण के लिए वैश्विक सीमा स्ट्रैटोटाइप खंड और बिंदु (GSSP) रखती है, जो 4,200 वर्ष पूर्व पृथ्वी के इतिहास की एक प्रमुख वैश्विक घटना थी।
  - **विशेषताएँ:** यह 7.2 किलोमीटर लंबी एक जटिल गुफा है जिसमें स्टैलेक्टाइट्स, स्टैलेग्माइट्स और स्तंभों जैसी विभिन्न संरचनाएँ है, इसमें पाँच अलग-अलग नदियों द्वारा निर्मित एक अनोखा कुंड भी है जो इससे होकर गुजरती है।
  - **भू-विरासत:** IUGS द्वारा मान्यता प्राप्त, यह अपने विस्तृत स्पेलियोथेम (गुफा निर्माण) अभिलेखों का उपयोग करके, अतीत की जलवायु और मानसून के पैटर्न का अध्ययन करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है।
  - भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण भू-विरासत स्थलों/राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक स्मारकों के संरक्षण और उन्हें विरासत स्थल घोषित करने के लिए जिम्मेदार है।

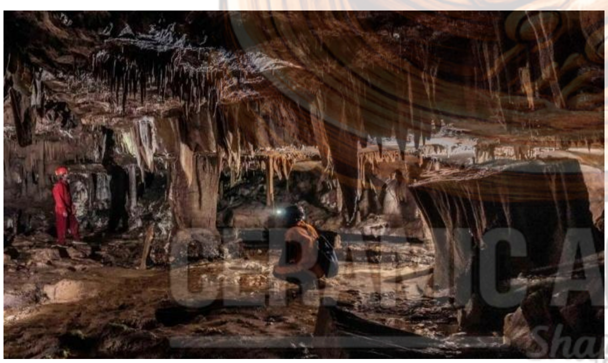

राजस्थान में संभावनाएँ :-

- GSI(भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण) विभाग, भारत में जियो हेरिटेज साइट की पहचान और संरक्षण का कार्य करता है।
- भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा पहचाने और अनुरक्षित ये स्थल अपने भू-वैज्ञानिक, भू-आकृति विज्ञान और पुरापाषाण विज्ञान संबंधी महत्व के लिए जाने जाते हैं, और जीवाश्म संस्तर, भ्रंश रेखाएँ, प्रभाव क्रेटर और खनिजयुक्त बेल्ट जैसी अनूठी विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राजस्थान में प्रमुख भू-विरासत स्थल:-

- **GSI ने राजस्थान की 12 साइट को " जियो हेरिटेज साइट" घोषित किया है-**
  1. **रामगढ़ उल्कापिंड क्रेटर (बारां):** भारत के पहले भू-विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त, यह उल्कापिंड प्रभाव संरचना अपनी भू-वैज्ञानिक संरचना के लिए महत्वपूर्ण है और इसमें सांस्कृतिक और जैव विविधता संबंधी विशेषताएँ है। ये क्रेटर राजस्थान का पहला व भारत का तीसरा, विश्व का 200 वाँ मान्यता प्राप्त क्रेटर है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

2. **ग्रेट बाउंड्री फॉल्ट (बूंदी)**: प्लेट विवर्तनिकी का साक्ष्य,बूंदी जिले में एक भ्रंश रेखा, जो एक महत्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक विशेषता का प्रतिनिधित्व करती है।
3. **आकल वुड फॉसिल पार्क (जैसलमेर)**: प्राचीन जीवाश्म लकड़ी का गृह।
4. **स्ट्रोमेटोलाइट फॉसिल पार्क, भोजुंदा (चित्तौड़गढ़)** इस स्थान पर पाए जाने वाले ये पार्क प्राचीन स्ट्रोमेटोलाइट जीवाश्मों (नील-हरित शैवाल द्वारा निर्मित संरचनाएँ)को प्रदर्शित करते हैं।
5. **भीलवाड़ा जिले में राजपुरा-दरीबा गौस्साण:** खनिजयुक्त क्षेत्र के भीतर गोसान संरचना का एक उदाहरण जो केम्ब्रियन काल की चट्टानों का रासायनिक अपरदन हुआ है।
6. **किशनगढ़ नेफेलाइन साइनाइट**: राजस्थान में एक उल्लेखनीय भू-वैज्ञानिक संरचना।
7. **मालानी आग्नेय शैल समूह, जोधपुर** – ज्वालामुखीय चट्टानें (आग्नेय शैल संरचनाओं के बीच एक संपर्क क्षेत्र।)
8. **जावर सीसा-जस्ता खदान (उदयपुर):** महत्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक और ऐतिहासिक रुचि की एक प्राचीन जस्ता-सीसा खदानें।
9. **पाली जिले में (सेन्द्रा) ग्रेनाइट-** अपरदन से बनी स्थलाकृतियाँ।
10. **ब्यावर जिले में बर कांग्लोमेरेट-** जलोढ़ निक्षेपों की विशेष संरचना।
11. **जोधपुर जिले में वेल्डेड टफ--** ज्वालामुखीय राख से बनी चट्टानें।
12. **स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, झामरकोटड़ा (उदयपुर)** – कार्बोनेट चट्टानों में प्राचीन जीवाश्म।

अन्य संभावनाएं:-

✦ उपर्युक्त के अलावा, जीएसआई डब्ल्यूआर (2013) ने कई अन्य भू-स्थलों की पहचान की है जो राजस्थान में भविष्य के भू-पर्यटन की संभावना रखते हैं। ये हैं:- (i) बाँसवाड़ा जिले के भुकिया में प्राचीन स्वर्ण खनन स्थल, (ii) अलवर जिले के नालदेश्वर में पुराना ताम्र खनन स्थल, (iii) उदयपुर जिले के जावर क्षेत्र में प्रताप खान, (iv) झुंझनू जिले में धनोता गोस्साण और पुरानी खदानें, (v) पाली जिले में भम्बोलाई तकिया लावास, और (vi) चित्तौड़गढ़ जिले में डेक्कन ट्रैप कैल्क टफ और गुफा।

1. **चंबल की बीहड़ स्थलाकृतियाँ** – अपरदन से बनी विशिष्ट स्थलाकृतियाँ।अपनी गहरी और ऊबड़-खाबड़ स्थलाकृति के लिए प्रसिद्ध, इन बीहड़ों का महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और ऐतिहासिक महत्व है।
2. **बैथोलिथ संरचना – आबू पर्वत** – विशाल ग्रेनाइट संरचनाएँ।इसका एक उदाहरण माउंट आबू है, जो अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है, जो अपने ग्रेनाइट **बैथोलिथ** संरचनाओं के लिए जानी जाती है।
3. **माइकाशिस्ट चट्टानें (सांचौर क्षेत्र)** – खारे पानी की झीलों के निर्माण से जुड़ी।
4. **प्राचीन सरस्वती नदी अवशेष (मरू क्षेत्र)** – भू-गर्भिक जलपट्टी। रेगिस्तानी क्षेत्र में पाए गए प्राचीन सरस्वती नदी के भूमिगत अवशेष, राजस्थान के भू-वैज्ञानिक परिदृश्य में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की एक परत जोड़ते हैं।
5. **जावर की खदानें , उदयपुर**– प्राचीन जस्ता-सीसा खनन क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध।
6. **जोधपुर मेहरानगढ़ दुर्ग व आसपास का क्षेत्र (मसूरिया, मंडोर, बालसमंद, घोड़ाघाटी)**
   - **मेहरानगढ़ पार्किंग क्षेत्र** – मालानी चट्टानें, वेल्डेड टफ (Welded Tuff) (ज्वालामुखीय राख की चट्टान)।
   - **मेहरानगढ़ दुर्ग** – दुर्लभ ज्वालामुखी एवं समुद्री चट्टानें।
   - **शिवकुंडिया शैल स्तर** – भू-गर्भिक दृष्टि से महत्वपूर्ण।
   - **जसवंत थड़ा क्षेत्र** – दुर्लभ **Core Stone संरचनाएँ।**
   - **राव जोधा पार्क** – यहाँ संग्रहालय में विभिन्न खनिज, चट्टानें व जीवाश्म प्रदर्शित है।
   - **फिदूसर की खदानें** – उच्च गुणवत्ता वाली बालू-पत्थर की खदानें।
   - **घोड़ा घाटी क्षेत्र** – ज्वालामुखीय प्रक्रियाओं के बाद विशाल नदियों द्वारा **क्ले व बालू-पत्थरों का जमाव।**
7. **अजमेर जियो पार्क (प्रस्तावित):**
   - अजमेर, पुष्कर, किशनगढ़ क्षेत्र में विस्तृत।
   - मदार, तारागढ़, खारेकारी व नाग पहाड़ियों के बीच का घाटी क्षेत्र विशेष महत्व का है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

8. **थार मरुस्थल भू-वैज्ञानिक अभयारण्य:** रेगिस्तान की अनूठी भू-आकृतियों और पुरापाषाणकालीन इतिहास को प्रदर्शित करने वाला एक संभावित वैश्विक भू-पार्क।
9. **माउंट आबू:** अरावली पर्वतमाला का एक भाग, ग्रेनाइट संरचनाओं से समृद्ध, भू-वैज्ञानिक मूल्य और पर्यटन क्षमता प्रदान करता है।

महत्व:-

- ये स्थल राजस्थान की भू-वैज्ञानिक विविधता को दर्शाते है, जिनमें प्राचीन भ्रंश रेखाओं से लेकर स्ट्रोमेटोलाइट पार्क (जीवाश्म सूक्ष्मजीवी जीवन का घर), ग्रेनाइट संरचनाएँ और यहाँ तक कि एक उल्कापिंड क्रेटर भी शामिल है।
- प्रत्येक स्थल भू-पर्यटन, अनुसंधान और संरक्षण प्रयासों के लिए अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है।
- ये स्थल पृथ्वी के इतिहास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है और भू-पर्यटन के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे आगंतुकों को दुर्लभ भू-वैज्ञानिक घटनाओं, प्राचीन जीवन रूपों और अद्वितीय भू-आकृतियों का पता लगाने का अवसर मिलता है।
- **निष्कर्ष :**भविष्य में **अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, नागौर व चंबल क्षेत्र** को संभावित भू-पार्क **(Geopark)** के रूप में विकसित किया जा सकता है। ये न केवल **भू-वैज्ञानिक अध्ययन** के लिए बल्कि **भू-पर्यटन (Geo-tourism)** के लिए भी अत्यंत उपयोगी होंगे।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 44 स्थल शामिल हैं।

- **सांस्कृतिक स्थल:** 36
- **प्राकृतिक स्थल:** 7
- **मिश्रित स्थल:** 1 (कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान)

इसमें राजस्थान के प्रमुख स्थल (साइट) निम्नलिखित हैं:-

[A] **सांस्कृतिक धरोहर:** जन्तर-मन्तर (2010), जयपुर
[B] **प्राकृतिक धरोहर:** केवलादेव (1985), भरतपुर
[C] **अमूर्त कला:** कालबेलिया नृत्य (2010)

PYQ Questions

1. विश्व धरोहर स्थल रामगढ़ क्रेटर स्थित है

(a) कोटा जिले में (b) झालावाड़ जिले में
(c) बूंदी जिले में (d) बारां जिले में

उत्तर- (d)

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

RAS Mains PYQ

Q. भू-धरोहर स्थल की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा राजस्थान मे इसकी संभाव्यता पर प्रकाश डालिए।

[RAS Mains 2021 (10 Marks)]

20 प्रमुख पर्यावरण संबंधी मुद्दे

राजस्थान के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

◈ राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहाँ विशिष्ट पारिस्थितिक तंत्रों का विकास हुआ है। इसमें शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क प्रदेश है, जहाँ अत्यधिक तापमान और अल्प वर्षा के कारण प्राकृतिक वनस्पति अपेक्षाकृत कम है। दूसरी ओर, अरावली के पर्वतीय क्षेत्र हैं, नदियों से निर्मित मैदान जैसे बनास बेसिन, माही बेसिन, बाणगंगा बेसिन, साबी बेसिन, गम्भीर बेसिन, बेड़च बेसिन जहाँ कृषि की प्रधानता है। इसी प्रकार दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में कृषि तथा उद्योग प्रधान चम्बल बेसिन है तो साथ ही में चम्बल के बीहड़ का क्षेत्र है। तात्पर्य यह है कि राज्य के पर्यावरण में अत्यधिक विविधता है और मानवीय गतिविधियों से इस पर्यावरण की छेड़छाड़ में निरन्तर वृद्धि हो रही है।

राजस्थान की प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियाँ

1. मरूस्थलीकरण
2. सूखा व अकाल
3. वनोन्मूलन
4. पर्यावरण प्रदूषण (जल, वायु, भूमि, ध्वनि)
5. गिरता भू-जल स्तर
6. सेम की समस्या
7. जल में फ्लोराइड की समस्या
8. बाढ़

(1) मरुस्थलीकरण :-

✦ **मरूस्थलीकरण का सामान्य अर्थ** मानवीय एवं प्राकृतिक क्रियाओं के परिणामस्वरूप उपजाऊ एवं गैर-मरूस्थली भूमि का मरूस्थली भूमि में परिवर्तित हो जाना है।

✦ उपजाऊ एवं गैर- मरुस्थली भूमि का मरुस्थली भूमि में बदल जाना।

✦ **एच.एस. मान (पूर्व निदेशक, CAZRI) के अनुसार:-** "मरुस्थलीकरण उन प्रक्रियाओं का सामूहिक प्रभाव है जिनसे किसी पारिस्थितिक तंत्र में मूलभूत परिवर्तन आकर गैर-मरुस्थली क्षेत्र, मरुस्थली क्षेत्र में बदल जाता है। यह जलवायु एवं जैविक तत्वों की परस्पर क्रिया का परिणाम है।"

रेगिस्तान का मार्च (March of Desert):-

✦ विभिन्न प्राकृतिक व मानवीय कारणों से रेगिस्तान के क्षेत्रफल में विस्तार होना 'रेगिस्तान का मार्च' कहलाता है। राजस्थान में इसकी दिशा दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर है। अरावली पर्वतमाला पश्चिम से पूर्व की ओर मरूस्थल के प्रसार को रोकती है।

✦ राजस्थान का वर्तमान मरूस्थल इसका ज्वलन्त उदाहरण है, जहाँ कभी सरस्वती एवं दृषदवती नदियों का प्रवाह था तथा सभ्यता विकसित थी, जिसके अवशेष कालीबंगा, रंगमहल आदि स्थानों पर देखे जा सकते हैं। इस प्रदेश में मरूस्थल विकास का प्रमुख कारण अविवेकपूर्ण मानवीय क्रियाओं को माना जाता है। आज यहाँ की समस्या मरूस्थलीय नहीं, अपितु उसका विस्तार अथवा मरूस्थलीकरण है।

मरुस्थलीकरण के कारण

(A) प्राकृतिक कारण

- कठोर जलवायु – उच्च तापमान व न्यून वर्षा।
- वनस्पति का अभाव।
- वायु द्वारा मृदा का अपरदन।
- भू-क्षरण (Soil erosion)।
- भू-जल स्तर में गिरावट।
- लगातार सूखा पड़ना।

(B) मानवीय कारण

- वनों का अंधाधुंध कटाव (वनोन्मूलन)।
- अनियंत्रित पशुचारण।
- प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन।
- जनसंख्या का दबाव।
- भूमि उपयोग में परिवर्तन – चारागाह व वन क्षेत्र की भूमि को कृषि में बदलना

राजस्थान में मरुस्थलीकरण की स्थिति:-

✦ राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 57% भाग मरुस्थलीकरण से प्रभावित है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **मुख्य प्रभावित क्षेत्र:-**
  - पश्चिमी राजस्थान- बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर।
  - अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र: नागौर, सीकर, जयपुर, अजमेर, दौसा, पाली।
  - गंगानगर व हनुमानगढ़: यहाँ सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन ये क्षेत्र भी मरुस्थलीकरण से अछूते नहीं है।
  - **अरावली पर्वतमाला की भूमिका:** अरावली पर्वत श्रृंखला मरुस्थल के पश्चिम से पूर्व की ओर विस्तार को रोकती है। किंतु खनन व मानवीय गतिविधियों के कारण यह प्राकृतिक अवरोधक भी धीरे-धीरे असफल होती जा रही है।

मरुस्थलीकरण का पर्यावरणीय प्रभाव:-

- मरुस्थलीकरण न केवल राजस्थान की जीवनशैली और पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है बल्कि पूरे देश और संपूर्ण मानव सभ्यता के लोगों की जीवनशैली के लिए भी एक चुनौती बनता जा रहा है।
- **मरुस्थलीकरण का प्रसार, जो कई कारणों का परिणाम है, राजस्थान और पड़ोसी राज्यों की पर्यावरणीय व्यवस्था में निम्नलिखित गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है:-**
  - अरावली पर्वत श्रृंखला के विभिन्न अंतरालों से भारी रेत का प्रवाह।
  - तेज हवाओं और पानी से कटाव।
  - नदियों और झीलों में गाद का भरना।
  - खाद्यान्न उत्पादन में कमी।
  - जलाऊ लकड़ी की कमी।
  - बार-बार अकाल पड़ने की संभावना।
  - मरुस्थल के प्रसार के कारण वनों का विनाश।
  - भूमिगत जल स्तर में अत्यधिक गिरावट।
  - पेयजल स्रोतों का सूखना।
  - चारागाह क्षेत्रों में कमी।

मरुस्थलीकरण की रोकथाम हेतु उपाय:-

- अरावली पर्वत श्रृंखला के सभी अंतरालों में हरित सुरक्षा पट्टियाँ स्थापित की जाएँ ताकि मरुस्थल पूर्वी राजस्थान की ओर न फैले और अरावली पर्वत श्रृंखला में 10 किलोमीटर की चौड़ाई में सघन वृक्षारोपण किया जाए।

अरावली ग्रीन वॉल परियोजना – (SUJAS Update)

- **लक्ष्य:-** गुजरात, राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली में **1,400 किमी लंबाई और 64.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र** में 5 किमी चौड़ा हरित पट्टी (ग्रीन वॉल) बनाना।
- इसमें से **42% (27 लाख हेक्टेयर) भूमि बंजर।**
- **मुख्य उद्देश्य:-** मरुस्थलीकरण रोकना।
  - मृदा स्वास्थ्य सुधार व भूजल पुनर्भरण।
  - जैव विविधता संरक्षण।
  - प्रदूषण नियंत्रण।
- **महत्व:-** अरावली ⟶ चंबल, साबरमती, लूनी जैसी नदियों का स्रोत।
  - घासभूमि, आर्द्रभूमि व वन्यजीवों की लुप्तप्राय प्रजातियों का निवास।
  - क्षरण क्षेत्र का वितरण ⟶ राजस्थान 81%, गुजरात 15.8%, हरियाणा 1.7%, दिल्ली 1.6%।
- **कार्य:-** स्थानीय प्रजातियों के पौधारोपण (खेजड़ी, नीम, शीशम, बबूल)।
  - तालाब, झील, झरनों का पुनरुद्धार।
  - कृषि-वानिकी व जल संरक्षण।
  - स्थानीय समुदाय की भागीदारी ⟶ रोजगार, आय, खाद्य सुरक्षा।
- **राजस्थान की भूमिका:-** बजट 2025-26 में **250 करोड़ का प्रावधान।**
  - **19 जिले** शामिल (अलवर, भरतपुर, अजमेर, नागौर, जयपुर, उदयपुर आदि)।
  - राज्य का **62.06% हिस्सा मरुस्थलीकरणग्रस्त।**
  - मानसून (जुलाई–सितंबर) में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान।

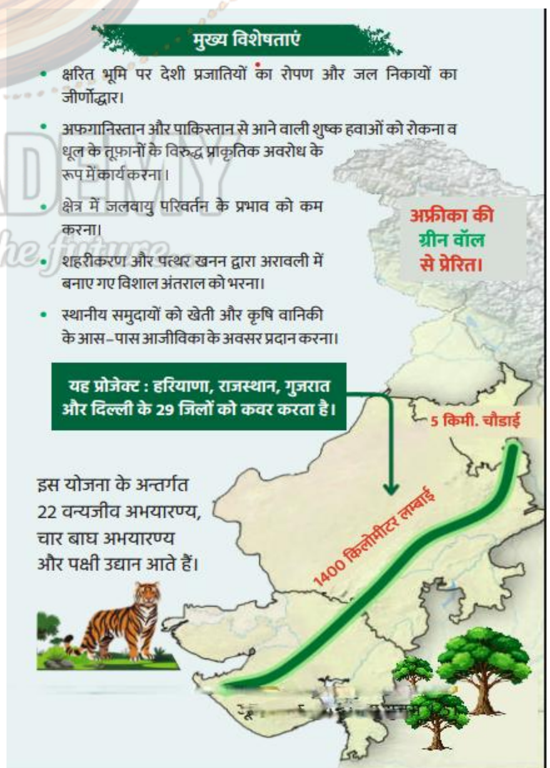

- **वैश्विक प्रेरणा:- फ्रीका ग्रीन वॉल परियोजना (2007)** → 8,000 किमी लंबी हरित दीवार, 11 देशों से होकर।
  - भारत की योजना उसी से प्रेरित
- कुल भूमि का लगभग एक-तिहाई भाग वनों से आच्छादित हो। राजस्थान में वनों का प्रतिशत कम है। अतः स्थानीय वृक्ष प्रजातियों का बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना चाहिए जो सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी और वन कृषि के माध्यम से संभव हो सकता है।
- राजस्थान की रेतीली भूमि, जो राज्य के 31.31 प्रतिशत भू-भाग पर फैली हुई है, जिस पर सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। इससे जलाऊ लकड़ी की समस्या का समाधान होगा।
- जल एवं मृदा संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। अन्य वृक्ष प्रजातियों को भी संरक्षण प्रदान किया जाए।
- अरावली के पश्चिम में थार के रेगिस्तान में उत्तर से दक्षिण तक अनेक वनस्पति पट्टियाँ विकसित की जाएँ। राष्ट्रीय राजमार्गों एवं इंदिरा गाँधी नहर के दोनों ओर चौड़ी पट्टियों के रूप में सघन वृक्षारोपण किया जाए।
- पशुओं की संख्या नियंत्रित की जाए ताकि चरागाह भूमि पर दबाव कम से कम हो।
- वैज्ञानिक तरीके से नए चरागाह क्षेत्रों का विकास किया जाए।
- रेतीली एवं क्षारीय बंजर भूमि का उपयोग किया जाए।
- **निष्कर्ष:** राजस्थान का अधिकांश क्षेत्र शुष्क एवं अर्ध-शुष्क है, इसलिए मरुस्थलीकरण यहाँ की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौती है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए वनरोपण, जल-संरक्षण और सतत् कृषि पद्धतियाँ अत्यंत आवश्यक हैं।

Note: राजस्थान में वानिकिकरण बढ़ाने के लिए संचालित परियोजना की सारणी अध्याय 6 – प्राकृतिक वन्यजीव वन में दी गई है उसका अवलोकन करे।

(2) सूखा और अकाल (Drought & Famine) :-

- सूखा एक प्राकृतिक आपदा है, जो अल्प वर्षा अथवा वर्षा न होने का परिणाम है। यदि सूखा सामान्य हो तो इसका प्रभाव सीमित होता है, लेकिन यदि यह गंभीर हो तो अकाल का रूप ले लेता है, जिससे न केवल आर्थिक क्षति होती है, बल्कि जान-माल, पशु आदि की भी हानि होती है।
- सूखा और अकाल राजस्थान के नाम के साथ इसलिए जुड़े हैं, क्योंकि यहाँ इनका प्रकोप कभी-कभी होता रहता है। पिछले बीस वर्षों में से 16 वर्ष ऐसे रहे हैं जिनमें राज्य के 18 से 27 जिले सूखे या अकाल से प्रभावित रहे। इससे प्रभावित जनसंख्या का प्रतिशत 20 से 90 रहा है। यह एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन मनुष्य अपने कार्यों से इसे और गंभीर बना देते हैं।
- वास्तव में, सूखा या अकाल पारिस्थितिक संकट का प्रतीक है, जिसका प्रभाव पर्यावरण के अन्य घटकों पर भी पड़ता है।
- वर्ष 2022-23, 2023-24 में प्रभावित जिलों की संख्या क्रमशः 01 और 13 थी।

राजस्थान में सूखा की स्थिति:-

अवधि (कितने वर्ष में सूखा)	प्रभावित जिले
3 वर्ष में एक बार	बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, जोधपुर, सिरोही
4 वर्ष में एक बार	अजमेर, बीकानेर, बूंदी, डूंगरपुर, नागौर, हनुमानगढ़, चूरू
5 वर्ष में एक बार	अलवर, बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा, जयपुर, झुंझुनूं, पाली, सवाई माधोपुर, सीकर, दौसा, करौली
6 वर्ष में एक बार	चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, उदयपुर, टोंक, राजसमंद, बारां
8 वर्ष में एक बार	भरतपुर, धौलपुर

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

क्या आप जानते हैं?

- राजस्थान को सूखा व अकाल का स्थायी निवास माना जाता है, जिसके सम्बन्ध में एक कहावत प्रसिद्ध है "तीजो कुरियो, आठवों अकाल" अर्थात् प्रत्येक तीसरे वर्ष कुरिया (छोटा/अर्द्ध अकाल) एवं प्रत्येक आठवें साल भयंकर अकाल पड़ता है। अकाल के सम्बन्ध में दोहा प्रसिद्ध है "पग पूंगल, धड़ कोटड़े, बाहु बाड़मेर, जाये लादे जोधपुर, ठावों जैसलमेर।" अर्थात् अकाल के पैर पूंगल (बीकानेर) में, धड़ कोटड़ा (मारवाड़) में, भुजाएँ बाड़मेर में तथा तलाश करने पर यह जोधपुर में भी मिल जाता है। जैसलमेर में तो इसका ठाव (ठिकाना) है। -

राजस्थान में पड़ने वाले अकाल	
चालीसा अकाल	वर्ष 1783 में पड़ा अकाल
पंचकाल	राज्य में 1812-13 में पड़ा अकाल
छपन्नया अकाल	राज्य में वि.सं.-1956 में (सन् 1899 में) पड़ा अकाल
सहसा-भदुसा अकाल	वि.सं. 1899-1900 (सन् 1842-43) में पड़ा अकाल
मेक्रो-ड्रॉउट अकाल	वर्ष 2002-03 में पड़ा अकाल जिसे वृहत अकाल भी कहते हैं।
त्रिकाल	1987-88 व 2002-03 का अकाल

सूखे की रोकथाम के उपाय:-

- राज्य में सूखे की समस्या अल्पकालिक नहीं है, इसलिए इसका स्थायी समाधान दीर्घकालिक रूप से ही संभव है।

(i) **वृक्षारोपण -** राज्य में पारंपरिक वनों के विनाश के कारण वर्षा में कमी आई है। इसके लिए प्रभावी योजनाएँ बनाई जानी चाहिए जिनमें पहाड़ियों, सरकारी भूमि और सभी खाली पड़ी भूमि पर उपयोगी एवं उपयुक्त वृक्ष लगाए जाएँ। किसानों को खेतों की मेड़ों पर वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(ii) **नदी जल आपूर्ति -** देश की प्रमुख नदियों के जल को सूखा प्रभावित क्षेत्रों की ओर मोड़ने का कार्य किया जाना चाहिए।नदियों को जोड़ने की योजना को जल्द से जल्द क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

(iii) **पानी, बिजली और खाद्यान्न की बचत -** सूखे की स्थिति में, बिजली की प्रत्येक इकाई, पानी की प्रत्येक बूँद और अनाज के प्रत्येक दाने का उचित उपयोग किया जाना चाहिए।

(iv) **संसाधनों का कुशल उपयोग -** प्रकृति प्रदत्त बहुमूल्य एवं उपयोगी संसाधनों की आपूर्ति में बाधा या कमी एक प्राकृतिक आपदा प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन न होने के कारण भी अकाल की स्थिति उत्पन्न होती है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों की योजनाओं के मध्य समन्वय के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का कुशल प्रबंधन होना चाहिए।

(v) **तात्कालिक उपाय -** सूखे की स्थिति में सरकार को मौसम विभाग पर निर्भर रहने के बजाय तुरन्त सार्थक प्रयास शुरू कर देने चाहिए।

(vi) **दीर्घकालिक उपाय -** अकाल से निपटने के दीर्घकालिक उपाय निम्नलिखित है –
- राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार को अकाल की सूचना समय पर देनी चाहिए तथा उनसे समय रहते सहायता प्राप्त करनी चाहिए।
- आधारभूत संरचना का विकास।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, सड़क, सिंचाई सुविधाओं, पेयजल, बैंकिंग, बीमा सुविधाओं का विस्तार। कम पानी की आवश्यकता वाली चारा फसलों का उत्पादन।
- सिंचाई परियोजना को यथाशीघ्र पूरा करना।
- कुएँ, तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़ों को जलग्रहण क्षेत्र बनाना।
- वनों का संरक्षण और विकास सुनिश्चित करना।

(vii) **आपदा कोष की स्थापना -** सरकार को आम जनता को उचित मूल्य पर राशन सामग्री और पशुओं के लिए चारा उपलब्ध कराना।

(viii) **जनसहभागिता -** अकाल की समस्या से निपटने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनसहयोग भी आवश्यक है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(3) वनोन्मूलन(Deforestation) :-

- वनोन्मूलन से तात्पर्य वनों का विनाश अथवा वनों की कटाई के कारण उनका नष्ट हो जाना है।राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, 33.33 प्रतिशत क्षेत्र पर वन होना आवश्यक है।
- राज्य में कुल अभिलिखित वन क्षेत्र 32,921.00 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.61% है।(IFSR Report-2023)
- राज्य का कुल वनावरण एवं वृक्षावरण 25,388 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 7.42% है।राज्य में वन क्षेत्र अभी भी बहुत कम है।

राज्य में वनों की कटाई के कारण:-

- वनों की अंधाधुंध कटाई
- खनन कार्य
- वनाग्नि
- वन भूमि का कृषि भूमि में रूपांतरण, स्थानान्तरित कृषि
- बढ़ती जनसंख्या
- शहरीकरण और विकास संबंधी परियोजनाएँ
- राज्य में समय-समय पर पड़ने वाला सूखा और अकाल
- उद्योगों और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए लकड़ी की माँग।

वनोन्मुलन का पर्यावरण पर बढ़ते प्रतिकूल प्रभाव:-

- अस्थिर शीत की उत्पत्ति।
- मृदा अपरदन में वृद्धि।
- रेगिस्तान के विस्तार में वृद्धि
- तापमान में वृद्धि और वर्षा में कमी।
- राज्य में तूफानों की गति में वृद्धि।
- वायुमंडल में स्थिरता का अभाव।
- जैव विविधता का अभाव।
- पारिस्थितिक असंतुलन का निर्माण।
- प्रदूषण में वृद्धि, कार्बन अवशोषण क्षमता में कमी।

वनों की कटाई रोकने के उपाय:-

- वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का अनुपालन सुनिश्चित करना।
- ईंधन के नए विकल्पों की खोज और उनके अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहन।
- राज्य की जलवायु में उगने में सक्षम एवं अनुकूल पौधे लगाए जाए।
- गैर-वन भूमि पर विकास योजनाएँ क्रियान्वित की जाए।
- स्थानान्तरित कृषि पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जाए।
- वन संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाए।

Note: सरकार का प्रयास है कि वनों को विनाश से बचाया जाए और उनकी वृद्धि की जाए। पर्यावरण विशिष्ट कार्यक्रमों, सामाजिक जागरूकता और वर्तमान में 'हरित राजस्थान', **'एक पेड़ माँ के नाम', 'ग्रीन बजट'** के माध्यम से न केवल वनों का संरक्षण किया जा रहा है, बल्कि नए वन क्षेत्र भी विकसित किए जा रहे हैं और आबादी वाले क्षेत्रों का भी सीमांकन किया जा रहा है। वन क्षेत्रों का विस्तार सरकारी प्रयासों के साथ-साथ जनभागीदारी से ही संभव है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

(4) पर्यावरण प्रदूषण:-

- पर्यावरण प्रदूषण आज विश्व की सबसे ज्वलंत समस्या है। राजस्थान में पर्यावरण प्रदूषण एक चुनौती है जो औद्योगिक एवं तकनीकी प्रगति, रसायनों के बढ़ते प्रयोग, जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण आदि के कारण पर्यावरण निरंतर प्रदूषित हो रहा है। परिणामस्वरूप, मनुष्य अनेक मानसिक एवं शारीरिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है।
- **सामान्यतः पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ** प्राकृतिक जल, वायु और भूमि का क्रमिक प्रदूषण है। जब प्रकृति प्रदत्त ये तत्व दूषित होने लगते हैं, तो यह न केवल मानव, बल्कि सम्पूर्ण जीव जगत के लिए संकट उत्पन्न कर देता है।
- **सामान्यतः पर्यावरण प्रदूषण के मुख्य प्रकार निम्नलिखित है:**

  (i) जल प्रदूषण (ii) वायु प्रदूषण (iii) ध्वनि प्रदूषण (iv) भूमि या मृदा प्रदूषण
- इसके अलावा, रेडियोधर्मी प्रदूषण, तेल प्रदूषण, तापीय प्रदूषण आदि भी हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(i) जल प्रदूषण:

- **'जल ही जीवन है'** अर्थात् जल सम्पूर्ण जीव-जगत का आधार है, जो न केवल समुद्र, बल्कि जीव-जंतुओं, पौधों आदि के लिए भी जीवन का स्रोत है। शुद्ध जल मनुष्य को स्वस्थ रखता है, प्रदूषित जल अनेक रोगों का कारण बनता है।
- यह अशुद्धता जल में प्राकृतिक रूप से विद्यमान रहती है, लेकिन इसके साथ ही मनुष्य और उनकी गतिविधियाँ जल को निरंतर प्रदूषित करती रहती है, जिसके परिणामस्वरूप जल प्रदूषण होता है।
- उद्योगों से निकलने वाला प्रदूषित जल भूमि, नदी, तालाबों, झीलों आदि में बहा दिया जाता है।
- **जल प्रदूषण के कारण :-**
  - घरेलू मल-जल प्रवाह
  - सीवरेज
  - औद्योगिक अपशिष्ट
  - कृषि अपशिष्ट
  - रेडियोधर्मी अपशिष्ट
  - तापीय प्रदूषण
- जयपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर जैसे बड़े शहरों में घरों से निकलने वाला गंदा पानी और सीवरेज जल प्रदूषण का मुख्य कारण है।
- डिटर्जेंट के बढ़ते उपयोग के कारण भी जल प्रदूषण बढ़ रहा है।
- उद्योगों से निकलने वाले पानी में कई जहरीले तत्व होते हैं। अगर इसे जमीन पर छोड़ा जाए तो यह भूमिगत जल को जहरीला बना देता है और अगर नदियों या तालाबों आदि में छोड़ा जाए तो यह पूरे जल को प्रदूषित कर देता है।
- राजस्थान की एकमात्र चंबल नदी जो साल भर बहती रहती है, औद्योगिक प्रदूषण की चपेट में है।
- लूणी नदी रंगाई-छपाई के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। इसी प्रकार, सांगानेर के रंगाई-छपाई उद्योग के कारण इस क्षेत्र का भू-जल प्रदूषित हो रहा है।
- राज्य की अनेक झीलें और लैगून जैसे राजसमंद, जयसमंद, आना सागर, फॉय सागर (वरुण सागर), सिलीसेढ़ झील और यही नहीं, सैकड़ों तालाब जल प्रदूषण की चपेट में हैं।
- जल प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है और पेट व आंतों की बीमारियाँ तथा हैजा, टाइफाइड, दस्त, पेचिश, पीलिया आदि बढ़ रहे हैं।
- राज्य के दक्षिणी भाग में जल में उत्पन्न सूक्ष्म पदार्थों के कारण गिनी-कृमि रोग (नारू रोग) भी व्याप्त है।
- प्रदूषण का प्रभाव न केवल मानव, बल्कि जलीय जीवन पर भी पड़ रहा है।
- **जल प्रदूषण की रोकथाम:-**
  - जल प्रदूषण को रोकने हेतु जहाँ वाहित जल-मल के निस्तारण एवं शुद्धिकरण की उचित व्यवस्था आवश्यक है, वहीं उद्योगों द्वारा निस्तारित जल को जल स्रोतों में छोड़ने पर रोक लगाना आवश्यक है।
  - शुद्ध पेयजल की उचित व्यवस्था होना आवश्यक है।
  - नगरों में जल-मल निस्तारण पर समुचित ध्यान देना आवश्यक है।
  - इस दिशा में सरकार भी विशेष कदम उठा रही है। चम्बल शुद्धिकरण कार्यक्रम को स्वीकृति मिल चुकी है।
  - झीलों के शुद्धिकरण हेतु पुष्कर, आनासागर, पिछोला, फतेहसागर, राजसमंद, जयसमंद, आदि के लिये योजना बना कर कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।
  - सहकारी प्रयत्नों के साथ-साथ जल प्रदूषण रोकने के लिये जनभागीदारी सबसे अधिक आवश्यक है। समाजसेवी संस्थाओं द्वारा भी इस दिशा में आवश्यक कदम उठाना आवश्यक है।

(ii) वायु प्रदूषण:-

- **राजस्थान में वायु प्रदूषण मुख्यतः दो कारणों से होता है-**
  - **प्राकृतिक कारण-** राजस्थान के 33 जिलों में से 12 जिलों में मरूस्थल फैला हुआ है। अप्रैल से जून महीने के बीच जब तापमान बढ़ने लगता है तब इस क्षेत्र में तेज हवाएँ चलती है जो अपने साथ रेत लिये होती है, उन्हें आँधी कहा जाता है। पश्चिमी भाग विशेषतर गंगानगर (27 दिन), बीकानेर (18 दिन), जैसलमेर तथा बाड़मेर में आँधियाँ अधिकतम समय तक रहती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- **मानव जनित कारण-** वायु प्रदूषण के लिये मानव जनित कारण अधिक उत्तरदायी है। सर्वाधिक वायु प्रदूषण –
  (a) वाहन जनित वायु प्रदूषण
  (b) उद्योगों एवं ताप विद्युत ग्रहों द्वारा
  (c) खनन
  - खनन का कार्य खुली खदानों में बारुद से विस्फोटों के माध्यम से किया जाता है जिससे भारी मात्रा में वायु प्रदूषित होती है।
  - कई प्रकार की बीमारियाँ होती है जिनमें सिलिकोसिस मुख्य है।

✦ राजस्थान के गाँवों में ईंधन के रूप में गोबर के कण्डे तथा अन्य वनस्पति को उपयोग में लिया जाता है, जिससे अत्यधिक धुआँ होता है, जो वायु प्रदूषण का कारक है।

✦ खेतों में अवशिष्ट पदार्थों को जलाना, ईंट के भट्टों आदि द्वारा भी ग्रामीण अंचल में वायु प्रदूषण फैलता है।

✦ वायु प्रदूषण का सर्वाधिक हानिकारक प्रभाव मानव श्वसन तंत्र पर होता है। इससे ब्रोकाइटिस, गले का दर्द, निमोनिया, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग आदि हो जाते हैं। वाहनों के धुएँ, सल्फर डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड, सीसा से श्वसन रोगों के अतिरिक्त यकृत, आहार नली, मस्तिष्क रोग, हड्डियों का गलना बीमारियों का कारण होता है।

✦ यहीं नहीं, अपितु पश्चिमी मरूस्थलीय भाग में तेज आँधियाँ नियमित रूप से आना भी वायु प्रदुषण का प्रमुख कारण है।

✦ मानव के अतिरिक्त पशु-पक्षियों तथा वनस्पति पर भी वायु प्रदूषण का विपरीत प्रभाव होता है।

✦ स्विट्जरलैण्ड की संस्था आईक्यू एअर (IQ Air) द्वारा वर्ष 2021 के लिए जारी की गई **'2021 विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट'** (2021 World Air Quality Report) के अनुसार अलवर का 'भिवाड़ी' विश्व का सर्वाधिक प्रदूषित शहर है।

✦ **वायु प्रदूषण को रोकने के उपाय –**
- वायु प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु अनेक कानून है, प्रभावशाली रूप में लागू करना आवश्यक है।
- उद्योगों से होने वाले वायु प्रदूषण को सरलता से नियन्त्रित किया जा सकता है, यदि उसे पर्यावरण की दृष्टि से स्थापित किया जाए।
- सार्वजनिक यातायात व्यवस्था बेहतर बनायी जाए तथा इसके अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए।
- इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ाया जाए तथा अधिक संख्या में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाए।
- हरित ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) के विकास पर जोर दिया जाए।
- तापीय ऊर्जा संयंत्रों के स्थान पर आण्विक, सौर तथा पवन ऊर्जा आधारित संयंत्रों की स्थापना पर बल दिया जाए।
- कृषि अपशिष्टों को जलाने पर रोक लगाई जाए।
- वृक्षारोपण के माध्यम से राजस्थान में वन क्षेत्र को बढ़ाना चाहिए।
- खाना पकाने के लिए ईंधन के रूप में एल.पी.जी. (LPG) का उपयोग किया जाए।

(iii) ध्वनि अथवा शोर प्रदूषण:-

✦ सामान्यतः 80 डेसीबल से अधिक की ध्वनियों को ध्वनि प्रदूषण के अन्तर्गत माना जाता है।

✦ राजस्थान में ध्वनि प्रदूषण की समस्या बहुत कम है। प्रमुख नगरों में दिन के समय वाहनों का शोर अब समस्या बनता जा रहा है। इस प्रकार कारखानों में, मशीनों एवं खानों में विस्फोट द्वारा तोड़-फोड़ का शोर होता रहता है। राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य प्रमुख परिवहन मार्गों पर ध्वनि प्रदूषण अधिक होता है।

✦ अन्य सभी क्षेत्रों में समान रेडियों, टेलीविजन, लाउडस्पीकर एवं अन्य वाद्य यंत्रों का शोर अब आम होता जा रहा है।

✦ **ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव:-**
- ध्वनि प्रदूषण मानवीय स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।
- श्रवण शक्ति का कम हो जाना।
- मस्तिष्क पर ध्वनि प्रदूषण का अत्यधिक प्रभाव होता है। इससे नींद का ठीक न आना, एकाग्रता कम होना, स्मृति कमजोर होना, तनावग्रस्त रहना, सिरदर्द का होना आदि बीमारियाँ होती है।
- ध्वनि प्रदूषण से हृदय रोगियों को कठिनाई, घबराहट तथा हृदयघात होने की संभावना।
- रक्तचाप में वृद्धि भी ध्वनि प्रदूषण से होती है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **ध्वनि प्रदूषण को रोकने के उपाय :-**

- ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण हेतु "राजस्थान कोलाहल नियत्रण एक्ट, 1963" बना हुआ है, इसके अंतर्गत रात्रि 11:00 बजे से प्रातः 5:00 बजे तक ध्वनि विस्तार यंत्रों को प्रतिबंधित किया हुआ है। इसी एक्ट में प्रावधान है, कि चिकित्सालयों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, हॉस्टल, न्यायालयों, सरकारी कार्यालयों आदि के परिसर से 150 मीटर की दूरी के अन्दर ध्वनि विस्तारक यन्त्र काम नहीं लिये जा सकते। भारतीय मोटर वाहन कानून में भी शौर नियन्त्रण के प्रावधान है।
- कानून के अतिरिक्त ध्वनि प्रदूषण रोकने में जन भागीदारी की भूमिका प्रमुख है, यदि हम में से प्रत्येक इस दिशा में सक्रीय भूमिका निभायें तो ध्वनि नियन्त्रण किया जा सकता है।
- भारी मात्रा में सड़कों के पास वृक्षारोपण करके भी ध्वनि प्रदूषण कम किया जा सकता है।
- लाउड स्पीकरों, वाहन हॉर्नो आदि के अनावश्यक उपयोग पर रोक लगाई जाए।
- **ग्रीन मफलर** आबादी क्षेत्रों, रेलमार्गों, सड़कों के किनारे क्रमबद्ध पंक्तियों में वृक्षारोपण कर ध्वनि प्रदूषण को कम किया जाता है। यह तकनीक ग्रीन मफलर कहलाती है।

(iv) भू-प्रदूषण अथवा मृदा प्रदूषण :-

✦ **भू-प्रदूषण से तात्पर्य -** ''भूमि के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में ऐसा कोई अवांछित परिवर्तन, जिसका प्रभाव मनुष्य एवं अन्य जीवों पर पड़े या भूमि की प्राकृतिक गुणवत्ता नष्ट हो, तो वह भू-प्रदूषण कहलाता है।''

✦ प्राकृतिक रूप से मृदा का कटाव, नदियों के किनारों पर बीहड़ों का विस्तृत होना, भू-स्खलन, भूमि में अम्लता एवं क्षारीयता उत्पन्न होना आदि भी भू-प्रदूषण के अन्तर्गत आते हैं, किन्तु वर्तमान समय में भू-प्रदूषण से सम्बन्धित मूल समस्या ठोस अपशिष्ट अथवा कूड़ा-करकट द्वारा भू-प्रदूषण है।

✦ जनसंख्या में वृद्धि, नगरीकरण, औद्योगीकरण, मानव आवश्यकताओं में अत्यधिक वृद्धि, जीवन स्तर में वृद्धि आदि के कारण अनुपयुक्त पदार्थों के बाहर फेंक दिया जाता है। इसमें घरेलू उपयोग की वस्तुएँ, जैसे कपड़े, प्लास्टिक के थैले एवं अन्य सामान, काँच, कागज, गन्ना, तार,उद्योगों से निकले अपशिष्ट, खदानों से निकला मलबा, कृषि अवशिष्ट आदि प्रमुख है।

✦ **इन्हें निम्न प्रकार चार श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है-**

(i) घरेलू अपशिष्ट (Domestic wastes):- घरों से प्रतिदिन सफाई कर धूल-मिट्टी, कागज, प्लास्टिक, धातु, काँच के टुकड़े, सब्जी-फल के छिलके, अप्रयुक्त रसायन आदि को घरों से बाहर अथवा सड़कों पर डाल दिया जाता है। इनका उचित निस्तारण न होने से भूमि प्रदूषित होती है। प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग ने इस समस्या को और अधिक गम्भीर बना दिया है।

(ii) नगरपालिका अपशिष्ट :- राजस्थान के शहरों से प्रतिदिन लगभग 6600 मेट्रिक टन कचरा निकलता है। इसमें से अधिकांश कचरा या तो धरातल के समतल बनाने के काम में लिया जाता है या फिर शहर के आसपास गड्ढों में फेंक दिया जाता है। उचित निस्तारण न होने के कारण इससे भूमि प्रदूषण होता है जो अनेक बीमारियों का कारण है।

(iii) औद्योगिक एवं खनन अपशिष्ट : औद्योगिक अपशिष्टों द्वारा भू-प्रदूषण राजस्थान में अपेक्षाकृत कम है, फिर भी जयपुर, कोटा, उदयपुर, अलवर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर, अजमेर, किशनगढ़ आदि में उद्योगों के अवशिष्ट पदार्थों का उचित निस्तारण न होने से ये भूमि प्रदूषण फैलाते हैं।

- राज्य में अनेक वृहत् तथा लघु सीमेंट इकाईयों से वायु द्वारा फैलने वाली सीमेंट आसपास के क्षेत्र में जमा हो जाती है जिससे मृदा की उर्वरक क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- इसी तरह से ईमारती पत्थर, संगमरमर तथा ग्रेनाइट के काटने तथा इनकी पॉलिशिंग के लिए स्थापित इकाईयों में से निकलने वाले तरल मलबे के फैलने के कारण भी मृदा की उर्वरता समाप्त हो जाती है।
- कोटा तथा सूरतगढ़ स्थित ताप विद्युत गृह से निकलने वाली राख औद्योगिक इकाईयों के चारों ओर 1 से 2 किलोमीटर की दूरी में फैल जाती है जिससे खेती की जमीन प्रदूषित होती है।
- इसके अलावा, बाड़मेर, पाली, जोधपुर तथा भीलवाड़ा में स्थिति कपड़ा मिल तथा रंगाई-छपाई के कारखाने से निकलने वाले प्रदूषित जल के वाष्पीकृत होने के पश्चात् बचा हुआ ठोस अपशिष्ट अत्यन्त ही खतरनाक व जहरीला होता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(iv) कृषि अपशिष्ट : भू-प्रदूषण से भूमि की प्रकृति तो परिवर्तित होती ही है, इससे जल एवं वायु प्रदूषण में भी वृद्धि होती है। इससे भूमि की उर्वरता नष्ट होती है तथा बंजर भूमि का विस्तार होता है।

- भू-प्रदूषण अनेक बीमारियों का कारण होता है, जिसमें टी.बी., पेचिश, मलेरिया, आँखों के रोग, आन्त्रशोध आदि प्रमुख है।
- इस समस्या के निराकरण हेतु प्रमुख आवश्यकता है- नगरीय स्तर पर अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण अर्थात् भस्मीकरण, रसायन क्रिया द्वारा समाप्त करना अथवा कम्पोस्ट आदि द्वारा उसे पुनः उपयोग योग्य बनाना। इसी प्रकार उद्योगों के अपशिष्ट समाप्त करने हेतु उचित व्यवस्था करने को बाध्य करना और खानों से निकले मलबे का उचित उपयोग करने की व्यवस्था द्वारा इस समस्या को सीमित किया जा सकता है।

(5) भू-जल स्तर का गिरना :-

- राजस्थान में वर्षा की कमी तथा अत्यधिक दोहन से भू-जल स्तर निरन्तर गिर रहा है। यह यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र के लिये खतरा है। राज्य में 205 ब्लॉक 'डार्क जोन' की श्रेणी है, जहाँ भू-जल स्तर की भयावह स्थिति है। इसके लिये ट्यूबवेल द्वारा जल दोहन सर्वाधिक उत्तरदायी है। भू-जल पुर्नभरण हेतु समुचित उपाय अति आवश्यक है अन्यथा राज्य में भयंकर पारिस्थितिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो जायेगी।
- **भूजल आकलन रिपोर्ट – 2024**
  - **आकलित कुल इकाईयाँ - कुल 302** (295 पंचायत समिति) (7 शहरी ब्लॉक)
  - **भू-जल ब्लॉक श्रेणियाँ –**
    - अति दोहित ब्लॉक – 214 (70.86%)
    - विषम ब्लॉक – 27 (8.94%)
    - अर्द्ध विषम – 21 (6.95%)
    - सुरक्षित – 37 (12.25%)
    - लवणीय – 3 (0.99%)
  - **कुल डार्क जॉन :-** 214
  - **पूर्ण खारे ब्लॉक:-**
    - तारा नगर (चूरू)
    - खाजूवाला (बीकानेर)
    - रावतसर (हनुमानगढ़)
  - **डार्क जोन में सर्वाधिक चिंताजनक स्थिति :-**
    - शहर – (i) जयपुर (ii) अजमेर (iii) कोटा (iv) उदयपुर (v) बीकानेर (vi) जोधपुर (vii) जैसलमेर
- **राजस्थान में भू-जल स्तर गिरने के कारण :-**
  - राजस्थान में मरूस्थलीय भाग में वर्षा की मात्रा अत्यन्त कम है। उच्च तापमान व शुष्क जलवायु के कारण वाष्पीकरण की दर अधिक है।
  - राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी भाग में जहाँ नदियों की संख्या अधिक है व वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती है, वहाँ भूमि पथरीली है। अतः यहाँ भू-जल रिचार्ज न के बराबर है।
  - राजस्थान में कृषि की सिंचाई पारम्परिक तरीके से की जाती हैं जिसमें पानी की खपत ज्यादा होती है।
  - नहरी सिंचित क्षेत्र कम होने के कारण राज्य के अधिकांश भाग में कृषि भू-जल से की जाती है। जैसे हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिले नहरी सिंचित क्षेत्र है अतः इन जिलों के ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में है।
  - राज्य में सतही जल की कमी होने के कारण पेयजल आपूर्ति व औद्योगिक आपूर्ति के लिए भू-जल का उपयोग बढ़ता जा रहा है।
- **सरकारी प्रयास :-**

◈ मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 –

- **घोषणा -** राज्य बजट 2024-25 (आवंटन - ₹11200 करोड़)
- **प्रारंभ –** फरवरी 2024
- **लक्ष्य -** वर्ष 2028 तक 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाना।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

✦ **विभिन्न चरण –**

	पहला चरण	दूसरा चरण	तिसरा चरण (बजट 2026-27)
कवरेज	349 पंचायत समितियों के 5135 गाँव	337 पंचायत समितियाँ	5 हजार गांव
लक्ष्य	1 लाख 10 हजार से अधिक कार्य	1 लाख से अधिक कार्य करवाना	1 लाख 10 हजार कार्य
सम्पन्न कार्य	1 लाख 16 हजार से अधिक	अब तक 8 हजार ज्यादा कार्य (स्वीकृत कार्य – 45 हजार)	-
व्यय	2 हजार 500 करोड़ रुपये	अब तक 148 करोड़ रुपये	2 हजार 500 करोड़ रुपये

✦ कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए **ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों** का गठन किया है।

✦ स्वयंसेवी संगठनों के साथ CSR के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में कमी आई है।

◈ **राजस्थान के जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग और ऑस्ट्रेलिया-इंडिया वार सेंटर (AIWC) के बीच जल संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु समझौता हुआ है।**

✦ AIWC में कुल 33 विश्वविद्यालय और शोध संस्थान (22 भारतीय एवं 11 ऑस्ट्रेलियाई) भागीदार है –

राजस्थान से	• महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPUAT), उदयपुर • जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग (PHED)
भारत से	IIT रूडकी, गुवाहाटी और मद्रास आदि।
ऑस्ट्रेलिया से	वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, फ्लींडर्स विश्वविद्यालय आदि।

✦ **भू-जल स्तर बढाने के उपाय :-**

- वर्षा जल संरक्षण की परम्परागत तकनीकों पोखर, तालाब, झीलों आदि की समय-समय पर सफाई की जानी चाहिए तथा उनमें वर्षा जल संग्रहण को बढ़ाना चाहिए।
- बहुमंजिला इमारतों व बड़े भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य किया जाना चाहिए।
- नहरों का विस्तार कर सिंचाई में भू-जल के उपयोग को कम किया जाना चाहिए।
- बूंद-बूंद सिंचाई व फव्वारा सिंचाई तकनीकों को अपनाना चाहिए।
- कम पानी में उत्पादित हो सकने वाली फसलों की किस्में विकसित की जानी चाहिए।
- औद्योगिक अपशिष्ट व नालों के पानी को उपचारित कर कृषि कार्यों के उपयोग में लेना चाहिए।
- जो ब्लॉक डार्क जोन में है, उनमें नए नलकूप लगाने पर कठोरता से प्रतिबन्ध लगाना चाहिए।
- नदी जोड़ों कार्यक्रम के माध्यम से नदियों को जोड़ा जाना चाहिए। (ERCP- राम जल सेतु लिंक परियोजना)
- गिरते भू-जल स्तर को रोकने व वर्षा जल संरक्षण के लिए राजस्थान में अटल भू-जल योजना (केन्द्र सरकार) व राजीव गांधी जल संचय योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना, " कर्म भूमि से मातृभूमि" (राजस्थान सरकार) संचालित की जा रही है।

✦ **जलाभरण अथवा सेम (Water Logging) की समस्या:-**

- **जलाभरण से तात्पर्य :-** किसी क्षेत्र में पानी का भरा रहना। इस पानी के भरने से उसके समीपवर्ती क्षेत्र में नमी अधिक हो जाती है जिसे स्थानीय भाषा में **'सेम'** कहते हैं। राजस्थान के इंदिरा नहर द्वारा सिंचित क्षेत्र में जब पानी दिया जाता है तो निरन्तर पानी देने या अधिक पानी देने से वह पानी जमीन द्वारा सोखा नहीं जाता और भरा रह जाता है।
  - इसका दूसरा कारण, भूमिगत जल का कतिपय क्षेत्रों में ऊपर आ जाना भी है।
  - इसके अतिरिक्त, भूमि के नीचे यदि अप्रवेश्य चट्टान हो तो भी पानी भरा रहता है।
  - इस प्रकार के जलाभरण अथवा सेम की समस्या राजस्थान के गंगानगर-हनुमानगढ़ जिलों में, सूरतगढ़, बडोपल, रावतसर और बीकानेर के लूनकरणसर क्षेत्र में देखने को मिलती है। यहाँ सैकड़ों हेक्टेयर भूमि पर जलाभरण होने से वह कृषि के लिये उपयुक्त नहीं रही है और वहाँ का पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इसके लिये सरकार ने नालियाँ बनाकर पानी की निकासी का प्रबन्ध किया है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(6) सेम की समस्या का समाधान :-

[1] **जल निकास (Drainage) सुधार**

- **सतही नालियाँ (Surface Drains)** बनाकर अतिरिक्त पानी को बाहर निकालना।
- **अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम (Subsurface Drainage)** से नीचे से पानी निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाना।

[2] **भू-जल दोहन (Groundwater Pumping):** ट्यूबवेल व कुएँ बनाकर भू-जल का नियंत्रित दोहन करना,निकाले गए पानी का उपयोग सिंचाई या अन्य कार्यों में करना।

[3] **सिंचाई प्रबंधन (Irrigation Management):** आवश्यकतानुसार ही पानी देना (न्यूनतम जल का उपयोग), ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई अपनाना,खेतों में **लेवलिंग (Laser Land Levelling)** कर पानी की समान वितरण व्यवस्था करना।

[4] **फसल चयन (Crop Pattern Change):** अधिक पानी वाली फसलों (जैसे धान, गन्ना) की जगह कम पानी वाली फसलें (जैसे बाजरा, मूंग, चना, सरसों) लेना,गहरी जड़ वाली फसलें जलभराव को कम करने में सहायक होती है।

[5] **वृक्षारोपण एवं जैव उपाय:** समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में यूकेलिप्टस के वृक्षों लगाने चाहिए। इनकी जल अवशोषण क्षमता उच्च होती हैं। चारागाह व घास भूमि का विकास करना।

[6] नहर से सिंचाई का **वैज्ञानिक प्रबंधन**।

(7) जल में फ्लोराइड की समस्या (फ्लोरोसिस):-

- राजस्थान में भूमिगत जल में प्राप्त पी.पी.एम. की मात्रा एवं फ्लोराइड की मात्रा तथा फ्लोरिसिस की समस्या से अनेक जिले ग्रसित है।
- राज्य के समस्त जिलों के भू-जल में फ्लोराइड की मात्रा सुरक्षित स्तर (1.5 पी.पी.एम.) को पार कर गई है। राज्य के 6449 गाँवों में 1.5 से 5 पी.पी.एम.,698 गाँवों में 5.1 से 10 पी.पी.एम., 1452 गाँवों में 10 पी.पी.एम. से भी अधिक है।
- इसमें सर्वाधिक प्रभावित जिले जालौर, बाँसवाड़ा, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर एवं सिरोही है। अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, पाली, सीकर, उदयपुर भी इसकी चपेट में है। इसके कारण फ्लोरोसिस की समस्या अधिक होती जा रही है।
- **प्रभाव:-**
  - इससे कुबड़पन, दाँतों की सड़न तथा हड्डियों की बीमारी का प्रकोप होता है।
  - मांसपेशियों की कमजोरी।
  - नसों पर असर (Neurological problems)।
  - बच्चों की वृद्धि (Growth) पर प्रतिकूल प्रभाव।
- **समाधान :-**

1. **डिफ्लोरिडेशन तकनीकें**
   - नलगोंडा तकनीक (एल्यूम, चूना व ब्लीचिंग पाउडर डालकर फ्लोराइड हटाना) – सस्ती और ग्रामीण भारत में उपर्युक्त।
   - Activated Alumina Adsorption – फ्लोराइड सोखने वाली तकनीक।
   - Reverse Osmosis (RO) – घरों और गाँवों में आधुनिक विकल्प।
2. **वैकल्पिक जल स्रोत**
   - कम फ्लोराइड वाले सुरक्षित कुएँ या ट्यूबवेल का उपयोग।
   - सतही जल स्रोत (तालाब, नहर) का प्रयोग।
3. **प्रबंधन उपाय**
   - **वर्षा जल संचयन** – फ्लोराइड मुक्त पानी का भंडारण।
   - **पानी के स्रोतों का मिश्रण**– उच्च फ्लोराइड वाले पानी को कम फ्लोराइड वाले स्रोत से मिलाना।
4. **स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी उपाय**
   - **कैल्शियम, विटामिन C और D** युक्त आहार (दूध, हरी पत्तेदार सब्ज़ियाँ, फल) का सेवन।
   - बच्चों व गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान।
   - समय पर स्वास्थ्य जांच व उपचार।
5. इसका निराकरण पानी का शुद्धिकरण है, जिसका उचित प्रबन्ध आवश्यक है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

(8) बाढ़ (Flood):-

- बाढ़ एक प्राकृतिक तथा नदी के अनियंन्त्रित बहाव के कारण उत्पन्न होने वाली समस्या है। बाढ़ आने के मुख्य कारण मिट्टी द्वारा जल को सोखने की क्षमता का कम होना, नदी क्षेत्रों में पानी की भारी आवक होना, बांध के गेट खोलने से नदी में जलस्तर बढ़ना, बादल फटना आदि है।
- **बाढ़ संभावी क्षेत्र:-**
  - राजस्थान का पूर्वी मैदानी भाग व हाडौती प्रदेश सर्वाधिक बाढ़ संभावी क्षेत्र है।
  - पश्चिमी मरूस्थलीय क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति यदा-कदा ही देखने को मिलती है। वर्ष 2006 में बाड़मेर के कवास गाँव व उसके आस-पास का क्षेत्र बाढ़ से जलमग्न हो गया था।

राजस्थान में बाढ़ के कारण :-

- **अत्यधिक वर्षा** – मानसून में अचानक भारी वर्षा।
- **बाँधों के गेट खोलना** – जल निकासी हेतु, जिससे निचले क्षेत्रों में जलभराव।
- **अरावली क्षेत्र** – यहाँ की अधिक वर्षा से निकलने वाली नदियों (बनास, बाणगंगा आदि) में जल की मात्रा बढ़ना।
- **मध्यप्रदेश की नदियाँ** – माही, चम्बल, कालीसिंध, पार्वती आदि नदियों में अधिक पानी आने से राजस्थान में बाढ़।
- **भूगर्भीय कारण** – पश्चिमी राजस्थान में चूना-पत्थर की परतें होने से जल अवशोषण क्षमता कम।
- **मानवजन्य कारण** – छोटे बाँध, एनीकट व नहर तटबंध टूटने पर बाढ़ आना।
- **बादल फटना (Cloud Burst)** – अचानक तेज़ बारिश से स्थानीय बाढ़।

बाढ़ को रोकने के उपाय :-

- बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है इसको पूर्ण रूप से रोक पाना सम्भव नहीं है। लेकिन इसकी संभावना व दुष्प्रभावों को निम्न तरीकों को अपनाकर कई गुना कम किया जा सकता है -
  - **नदी-नालों से अतिक्रमण हटाना** – ताकि जल प्रवाह अवरुद्ध न हो।
  - **नदी जोड़ो कार्यक्रम** – अधिक जल वाली नदियों का जल कम जल वाली नदियों में डालना।
  - **जल संरचना की मरम्मत** – मानसून से पहले बाँध, एनीकट व तालाबों की दीवारों की मरम्मत।
  - **बाढ़ नियंत्रण संरचनाएँ** – बाढ़ संभावित क्षेत्रों में बाँध, एनीकट व तटबंध निर्माण।
  - **बेहतर जल निकासी व्यवस्था** – भारी वर्षा के समय जल को शीघ्र निकालने हेतु।
  - **पूर्व चेतावनी तंत्र (Early Warning System)** – मौसम विभाग व स्थानीय प्रशासन की सक्रियता।
  - **सामुदायिक जागरूकता** – बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

PYQ Questions

1. 'मरुस्थलीकरण' के प्रमुख कारणों से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
(1) उच्च तापमान व न्यून वर्षा
(2) जनसंख्या वृद्धि
(3) वायु प्रदूषण
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए:
(a) (1), (2) तथा (3) सही हैं। (b) (2) तथा (3) सही हैं।
(c) (1) तथा (2) सही हैं। (d) केवल (1) सही है।

2. सूखा प्रभावित क्षेत्र कार्यक्रम का प्रारम्भ राजस्थान में किस वर्ष में किया गया ? (LDC 2011)
(a) 1977-78 (b) 1982-83
(c) 1974-75 (d) 1971-72

3. सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन किन जिलों में है? (LDC 2011)
(a) सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर
(b) गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
(c) गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, जैसलमेर
(d) सिरोही, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, झालावाड़

4. भारत मौसम विज्ञान विभाग (I.M.D.) की परिभाषा के अनुसार भयंकर सूखा (Severe Drought) होता है - जब वर्षा में कमी होती है – (Veterinary Officer – 2019)
(a) 40% से 65% के बीच (b) 50% से अधिक
(c) 50% से कम (d) 25% से 49% के बीच

5. सूखे का प्रकार जब किसी क्षेत्र में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत से 75% कम होती है (Asst. Testing Officer- 2021)
(a) मौसमी सूखा (b) जलीय सूखा
(c) कृषिगत सूखा (d) सामाजिक-आर्थिक सूखा

6. राजस्थान में किस वर्ष में अकाल/सूखा से प्रभावित गाँवों की संख्या अधिकतम थी ? (Asst. Prof. - 2020 Paper-III)
(a) 1991–92 (b) 2002–03
(c) 2009–10 (d) 2015–16

7. निम्नलिखित वर्षों में से किस वर्ष के अकाल में राजस्थान की सर्वाधिक जनसंख्या प्रभावित हुई? (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(a) 2009-10 (b) 2004-05
(c) 2013-14 (d) 1991-92

8. राजस्थान में मरू विकास कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ – (Asst. Agriculture Officer – 2021)
(a) वर्ष 1971-72 (b) वर्ष 1966-67
(c) वर्ष 1977-78 (d) वर्ष 1981-82

9. सन् 2002-2003 में, राजस्थान राज्य के कुल कितने जिलों को अकाल प्रभावित जिले घोषित किया गया था ? (Food Safety Officer – 2022)
(a) 20 (b) 15
(c) 32 (d) 18

10. सूखा विकास कार्यक्रम (डी.डी.पी.) भारत सरकार तथा राजस्थान सरकार द्वारा क्रमशः ... अनुपात में वित्त पोषित है। (Archives Department Recruitment – 2024)
(a) 60:40 (b) 25:75
(c) 75:25 (d) 50:50

11. कथन (A) - राजस्थान में भू-जल स्तर निरन्तर गिर रहा है।
कारण (R) - वर्षा की कमी तथा अत्यधिक भू-जल दोहन इसके लिए उत्तरदायी हैं। **(Archives Department Recruitment – 2024)**
(a) 'A' असत्य है लेकिन 'R' सत्य है।
(b) 'A' और 'R' दोनों सही हैं किन्तु 'R', 'A' का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) 'A' सत्य है लेकिन 'R' असत्य है।
(d) 'A' और 'R' दोनों सही हैं और 'R', 'A' का सही स्पष्टीकरण है।

12. सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी.ए.पी.) में शुरुआत में भारत सरकार तथा राजस्थान सरकार में वित्त पोषण अनुपात क्रमशः था– (Asst. Statistical Officer – 2024)
(a) 75:25 (b) शत प्रतिशत भारत सरकार द्वारा
(c) 50:50 (d) 25:75

13. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में सूखे की बारंबारता 8 वर्ष में एक बार है? (Asst. Prof. – 2024)
(a) भरतपुर (b) सिरोही
(c) कोटा (d) झालावाड़

14. 'केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान' किस वर्ष में स्थापित किया गया था ? (Public Relation Officer – 2024)
(a) 1954 (b) 1955
(c) 1956 (d) 1957

15. कृषि वर्ष 2023-24 में राजस्थान के कितने जिले अकाल/अभाव से प्रभावित हुए? (Asst. Director – 2024)
(a) 15 (b) 12
(c) 13 (d) 18

16. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) का गठन मूल रूप से किस अधिनियम के तहत किया गया था ? [Asst. Fisheries D. O. 2025]
(a) वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
(b) जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
(c) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986
(d) जल सेस अधिनियम, 1977

17. राजस्थान में अकाल/अभाव की स्थिति के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है?
[Agriculture Dept. 2024]

कृषि वर्ष	प्रभावित जिलों की संख्या	प्रभावित जनसंख्या (लाख में)
(a) 2020-21	06	21.62
(b) 2023-24	11	68.69
(c) 2022-23	01	02.36
(d) 2021-22	10	74.28

18. निम्नलिखित जिलों में से किनमें सूखे की पुनरावृत्ति 8 वर्ष में एक बार है? **[Asst. Professor 2025]**
(a) धौलपुर तथा भरतपुर
(b) कोटा तथा टोंक
(c) भीलवाड़ा तथा पाली
(d) दौसा तथा अलवर

Answer Key

1	c	2	c	3	b	4	b	5	a	6	b	7	a	8	c	9	c	10	c
11	d	12	c	13	a	14	*	15	c	16	b	17	b	18	a				

RAS Mains PYQ

Q. पश्चिमी राजस्थान भारत का अत्यधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र क्यों है? **[RAS Mains 2013 (2 Marks)]**

21 प्रमुख जनजातियाँ

राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ

- राजस्थान के सतरंगी सांस्कृतिक वातावरण को राज्य की जनजातियां और भी आकर्षक बनाती है। जनजाति को वनवासी या गिरिजन के नाम से भी जाना जाता है।
- प्रत्येक जनजाति की अपनी विशिष्ट पहचान, सामाजिक व्यवस्था एवं संस्कृति होती है। जिससे हमें राजस्थान की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर का ज्ञान होता है।
- जनजातियां मुख्यतः पहाड़ों, पठारों व जंगलों वन क्षेत्रों में निवास करती है।
- वनोत्पाद व आखेट तथा आदिम प्रकार की कृषि व पशुपालन जनजातियों की आजीविका के साधन है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में जनजातिय जनसंख्या 92.39 लाख है। जो कुल जनसंख्या का 13.18 प्रतिशत है।
- राजस्थान का जनजाति के लोगों की संख्या की दृष्टि से भारत में छठा स्थान है।
  - [**प्रथम** – मध्यप्रदेश, **द्वितीय** – महाराष्ट्र, **तृतीय** – उड़ीसा, **चतुर्थ** – बिहार, **पंचम** – गुजरात]
- राज्य की सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या उदयपुर जिले में 15.25 लाख है।
- राजस्थान की जनजातियों का 95 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है।
  - **जनजातियों का सर्वाधिक प्रतिशत** – बाँसवाड़ा
  - **जनजातियों की न्यूनतम प्रतिशत** – नागौर
  - **जनजातियों की न्यूनतम जनसंख्या** – बीकानेर
- मीणा, भील, गरासिया, सहरिया, डामोर ,कथौड़ी, कंजर, साँसी आदि राज्य की प्रमुख जनजातियाँ है।
- राज्य की अन्य जनजातियों में धानका, कोकना, नायका, पटेलिया आदि अन्य छोटे समुदाय की जनजातियाँ भी राज्य में निवास करती है।
- राज्य के पूर्वी मैदानी व पठारी क्षेत्र में मीणा जनजाति का बाहुल्य है जबकि दक्षिणी अरावली क्षेत्र में भील जनजाति का बाहुल्य है।
- सिरोही, पाली व उदयपुर जिलों में गरासिया, बाराँ की शाहबाद व किशनगंज तहसील में सहरिया, बाँसवाड़ा व डूँगरपुर में डामोर जनजातियाँ पाई जाती है।

राजस्थान में जनसंख्या के आधार पर जनजाति :-

(1) मीणा (2) भील (3) गरासिया

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

सभी जनजातियों में प्राय: निम्न विशेषताएँ पाई जाती है:-

- ये मानव समूह प्रायः शहरी समाज से दूर जंगलों, दुर्गम पर्वतीय व पठारी क्षेत्रों में निवास करते है।
- इनकी जीवन शैली कृत्रिमता से दूर प्रकृति के निकट होती है।
- इनकी अपनी विशिष्ट बोली, संस्कृति, आवास, आर्थिक क्रियाकलाप एवं सामाजिक ढाँचा होता है जो इन्हें अन्य समाजों से अलग करता है।
- ये पुराने ढंग की आर्थिक क्रियाओं यथा - वनों से कंदमूल फल (संग्रहण), नदियों से मछलियां पकड़ना, घने वनों से पशुओं का शिकार करना, स्थानान्तरित कृषि, मजदूरी आदि से जीवन यापन करते हैं।
- आजादी के बाद सरकारी प्रयासों व बाह्य समाज के सम्पर्क से राजस्थान की जनजातियों के हर पहलुओं में बदलाव आ गया है तथा ये विकास की मुख्य धारा से जुड़ने लगी है। राजस्थान की जनजातियों का संक्षेप में विवरण इस प्रकार है-

मीणा जनजाति:-

- राजस्थान में आदिवासी जनसंख्या की दृष्टि से मीणा जाति का प्रथम स्थान है।
- यह राजस्थान के सभी क्षेत्रों में पाई जाती है।ये मुख्यतया:- जयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, अलवर, टोंक,भरतपुर और उदयपुर जिलों में निवास करती है।
- राज्य की जनजातियों में सबसे संपन्न तथा शिक्षित मीणा जनजाति ही है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- मीणा समुदाय का मानना है कि इनकी उत्पत्ति मत्स्यावतार जो भगवान विष्णु के प्रथम अवतार है, से हुई है। वर्तमान का प्रचलित शब्द मीना, मीणा, मूलतः संस्कृत भाषा के मीन शब्द का अपभ्रंश है। मीन का अर्थ मछली से है।
- कर्नल जेम्स टॉड ने मीणों का मूल निवास कालीखोह पर्वतमाला बतलाया है। यह पर्वतमाला अजमेर से आगरा तक फैली हुई है। यहीं मीणों के राज्य थे। बाद में राजपूतों ने उन्हें दबाया और इनका आतंक समाप्त करने के लिए मित्र बना लिया।
- मीणा जनजाति की सर्वाधिक आबादी जयपुर जिलें में है।
- मीणा जनजाति के मुख्य रूप से दो वर्ग पाये जाते हैं- (1) जमींदार मीणा, (2) चौकीदार मीणा
- इसके अलावा आदिया मीणा, रावत मीणा, चमरिया मीणा, चौथिया मीणा व भील मीणा भी मीणाओं के अन्य समूह है। इनमें आपस में विवाह संबंध नहीं होता है।

सामाजिक जीवन:-

- मीणा जाति में संयुक्त परिवार प्रथा प्रचलित है तथा परिवार पितृसत्तात्मक होते हैं। निःसन्तान दम्पत्ति को गोद लेने का अधिकार है।
- मीणाओं में सामाजिक नियंत्रण में पंचायत का महत्वपूर्ण स्थान होता है। मीणाओं की परम्परागत पंचायत के चार स्तर होते हैं- ग्राम पंचायत, गौत्र पचायत, क्षेत्रीय पंचायत व चौरासी पंचायत। इनमें सामाजिक झगड़ों, नाता विवाह, तलाक, मौसर, चरित्रहीनता, ऋण आदि झगड़ों को पंचायत ही निपटाती है। सबसे बड़ी पंचायत चौरासी पंचायत होती है।

विवाह सम्बन्ध:-

- मीणा जनजाति में विवाह सम्बन्धों, नातेदारी तथा रक्त संबंधों को महत्वपूर्ण माना जाता है।
- प्राचीनकाल में मीणा जनजाति में ब्रह्म व गन्धर्व विवाह का प्रचलन था। वर्तमान में अन्य समाजों की भांति रीति-रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न होते हैं।
- मीणाओं में देवर बट्टा (देवर से) विवाह करने की प्रथा नहीं होती है।
- विवाह प्रायः हिन्दू विधि से ब्राह्मण करवाता है।
- इनके विवाह में भी लड़की वालों को दापा देना पड़ता है।

त्योहार एवं धार्मिक जीवन:-

- मीणा जनजाति के लोग धार्मिक, मेले तथा त्योहारों में दृढ़ धार्मिक आस्था रखते हैं। महावीरजी, सवाईमाधोपुर के गणेशजी तथा सीकर में रेवासा की जीणमाता के मंदिरों पर मीणाओं के मेले लगते हैं।
- मीणा जनजाति के लोग विभिन्न उत्सवों के समय नृत्य करते हैं और गीत गाते हैं। स्त्रियां प्रायः देवी-देवताओं के गीत गाती है।
- होली के तीसरे दिन खेरवाड़ और डूँगरपुर में नेजा नृत्य किया जाता है।
- इनकी स्त्रियाँ नाच-गानों में भीलों की तरह पुरुषों के साथ भाग नहीं लेती।
- मीणा प्रायः अन्ध-विश्वासी होने से भूत, प्रेत, डायन,जादू-मंतर में विश्वास करते हैं। इनके मुख्य आराधक भैरव, माताजी, हनुमानजी,चारभुजा और महादेवजी होते हैं। इन्हें खुश करने के लिए बलिदान, बोलमा (मानता)बोलते हैं।
- मीणा भी सभी हिन्दुओं के त्योहार होली, दीवाली, दशहरा, मंकर संक्रान्ति,तीज, गणगौर आदि मनाते हैं।
- मीणा भी मेलों में भाग लेने के बहुत शौकीन होते हैं।जयपुर का तीज का मेला, महावीरजी का, केला देवी, शीतलामाता, बड़वासी, चौथ का बरवाड़ा, चित्तौड़ी आडम आदि के मेलों में इकट्ठे होते हैं।
- आजकल मीणों में शिक्षा का प्रचार बढ़ रहा है। अतः अन्ध विश्वास कम होते जा रहे हैं।

वस्त्र एवं आभूषण :-

- मीणा पुरुष धोती व कमीज पहनते हैं तथा सिर पर साफा बाँधते हैं।
- स्त्रियां घाघरा, कांचली व ओढ़नी का प्रयोग करती है।
- मीणा स्त्री व पुरूष गोदना गुदवाना पसन्द करते हैं। ये लोग शगुन को गंभीरता से लेते हैं।
- स्त्रियाँ गहनों की बड़ी शौकीन होती है। पाँवों में चाँदी के कड़े, लंगर, कान में बालियाँ, ओढ़निया, टोकरिया और सिर पर बोर, बाजू पर झेला आदि बाँधती है।
- कभी-कभी पुरुष भी हाथों में चाँदी के कड़े और एक पाँव में बड़ा-सा चाँदी का कड़ा पहनते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

सामाजिक संगठन :–

- मीणा समाज पितृ सत्तात्मक है लेकिन कहीं-कहीं मातृ-सत्ता का भी प्रभुत्व देखने को मिलता है। परिवार का वयोवृद्ध या कुटुम्ब का बड़ा आदमी ही नेतृत्व करता है। ये ही बहुधा शादी-विवाह, जाति के कलह एवं झगड़े निपटाते हैं।
- मीणा समाज भील की तरह पंचायती संगठन इतना प्रबल नहीं होता, लेकिन विवाह, मृत्यु एवं नातरे के झगड़े के समय पंच बैठकर फैसला करते है।
- मृतक के पीछे मृत्यु भोज करने का भी रिवाज है।

अर्थव्यवस्था:-

- मीणों का मुख्य व्यवसाय खेती है। मीणों की 91 प्रतिशत जनसंख्या कृषि में, 3 प्रतिशत कृषि की मजदूरी,बाकी लोग शिकार, चौकीदारी और सेना में नौकरी करते है।
- खेती में मक्का, ज्वार, गन्ना, तम्बाकू, कपास, गेहूँ, जौ और दालें आदि बोते हैं।
- मीणा प्रधानतः कृषक वर्ग है जो कृषि के साथ-साथ पशुपालन भी करते हैं।
- मीणा जनजाति में बंटाईदारी कृषि व्यवस्था का भी प्रचलन है।
- शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ इन लोगों में सरकारी सेवाओं व अन्य व्यवसायों के प्रति भी रूझान बढ़ा है।
- आज पूर्वोत्तर राजस्थान के इस जातिय समाज ने शिक्षा के आधार पर सभी राजकीय सेवाओं में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है।
- स्वतन्त्रता के पश्चात् मीणा जनजाति ने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक दृष्टि से पर्याप्त प्रगति की है और वर्तमान में भी ये प्रगति के पथ पर अग्रसर है।
- मीणाओं के सम्बन्ध में यह भी प्रसिद्ध है कि इनके कुछ समुदाय चोरी-लूट का कार्य भी करते थे। इस प्रकार की प्रवृत्ति अपनाने वाले मीणा को जरायमपेशा या आपराधिक माना जाता था, किन्तु वर्तमान में मीणा जनजाति एक संगठित एवं प्रगतिशील जाति है।

भील जनजाति:-

- भील जिन्हें किरात भी कहा जाता था, एक पौराणिक जाति है। इसका उल्लेख भारवि और भवभूति ने भी अपने रामायण, रघुवंश एवं उत्तर वाल्मीकि, कालिदास,उद्याचारित में किया है।
- आज केवल पश्चिमी विन्ध्याचल और दक्षिणी अरावली पहाड़ों दोनों ढ़ालों पर ही निवास करते हैं।
- राजस्थान में इनकी संख्या करीब 10 लाख है जो समग्र जनसंख्या का 5 प्रतिशत होता है। समग्र आदिम जातियों में ये 39.36 प्रतिशत है।
- राजस्थान की आदिवासी जनसंख्या की दृष्टि से भीलों का द्वितीय स्थान है।
- भील मुख्यतया दक्षिणी राजस्थान के बाँसवाड़ा, डूँगरपुर व उदयपुर जिलों में निवास करते हैं। यह भारत की सबसे प्राचीन जनजाति है।
- ये भीली व वागड़ी भाषा बोलते हैं।
- सामाजिक दृष्टि से ये लोग पितृसत्तात्मक, आर्थिक रूप से कृषक तथा परम्परागत रूप से एक तीरन्दाज होते हैं।
- भील शब्द **'बीलु'** से बना है, जिसका अर्थ तीर कमान रखने वाली जनजाति से है। सदैव संघर्षरत रहने के कारण भील अच्छे योद्धा है।
- इन लोगों के निवास क्षेत्र ऊबड़-खाबड़ एवं वनाच्छादित है। ये पहाड़ियों पर छितरे रूप से रहते हैं।
- भीलों के मकान बाँस व लकड़ी के बने होते हैं। मकानों की छत्ते खपरैल की बनी होती है।
- ऊँची पहाड़ियों पर रहने वाले भीलों को पालवी तथा मैदानों में रहने वाले भीलों को वागड़ी कहते हैं।

सामाजिक जीवन:-

- भीलों में मुख्यतः पितृसत्तात्मक समाज पाया जाता है। पिता घर में सबसे बड़ा व्यक्ति होता है, वही सब प्रकार के निर्णय लेता है।
- भीलों में संयुक्त परिवारों की तुलना में एकांकी परिवार अधिक पाए जाते हैं।
- भील पुरुष थोड़ा आलसी होता है, वह थोड़ा काम करता है, लेकिन स्त्रियाँ परिश्रमी होती हैं।
- भीलों के कई पितृवंशीय गौत्र होते हैं जिन्हें **'अटक'** कहा जाता है।
- भील लोगों में कई गोत्र जैसे कटारा, ताबियाड़, रोत, पारगी है।
- भीलो में गांव के मुखिया को गमेती, झाड फूंक करने वाले को भोपा तथा धार्मिक संस्कारों को सम्पन्न कराने वाले व्यक्ति को भगत कहते हैं।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

विवाह सम्बन्ध:-

- भीलों में विवाह एक धार्मिक संस्कार हिन्दुओं की तरह होते हैं।
- भीलों में विवाह सम्बन्ध स्वयं की गोत्र से अन्य गौत्र में होते हैं।
- भीलों में विवाह के कई प्रकार जैसे- मोर बंधिया विवाह, अपहरण विवाह, देवर विवाह, विनिमय विवाह, सेवा विवाह एवं क्रय विवाह के तरीके प्रचलित है।
- कई भीलों के बहु-विवाह प्रथा होने से कई स्त्रियाँ होती है।
- भीलों में बाल-विवाह प्रथा नहीं है जो भी विवाह होता है वह पुरुष व स्त्री के वयस्क अर्थात् 15 वर्ष की आयु के पश्चात् होता है।
- विवाह में लड़के का पिता लड़की के पिता को 'दापा' (लड़की का पैसा) देता है।
- भीलों में विधवा विवाह तो नहीं होता, लेकिन पुनर्विवाह व नातरा अवश्य होता है। कभी-कभी यह नातरा एक भीलनी अपने पति के छोटे भाई के साथ भी कर लेती है, जिसे देवर बटा कहते हैं। भीलों में नातरा लाई हुई स्त्रियों के साथ आए हुए बच्चों को भी पुरुष अपने परिवार का सदस्य मानकर रखता है। ऐसे बच्चों को 'गोलड़' कहते हैं।
- बहुधा ये नातरे जाति के समारोह व मेले में तय हो जाते हैं, बाद में पंचायत बैठकर इन्हें कानूनी करार देते हैं। जिसमें नातरा करने वाले पुरुष को जिस परिवार की स्त्री चली जाती है उसे 'झगड़ा' और जिस परिवार की लड़की होती है, उसे 'मायस' नकद, पशुओं या अनाज के रूप में चुकाना पड़ता है।

सामाजिक संगठन

- इनका समूह पाल कहलाता है। इनका मुखिया गमेती या पालवी कहलाता है। उसका यह पद पैतृक होता है, जो इनके झगड़े निपटाता है। इनका संगठन इतना मजबूत है कि कभी गाँव पर या गाँव के किसी भी व्यक्ति पर संकट आ जाने पर बारू(टेकरी पर चढ़कर) बजाने पर सभी भील हथियार लेकर एकदम इकट्ठे हो जाते हैं और खतरे का सामना करते हैं।
- अब पंचायती राज के चुने हुए पंच, सरपंच गांव के मुखिया हो गए है। इनके छोटे गांव को फला और बडे गांव को पाल कहते हैं।

सामाजिक संस्कार:-

- किसी मनुष्य के मर जाने के बारहवें दिन मृत्यु भोज होता है, जिसमें सभी पाल के व चोखले के लोग एकत्रित होते हैं।
- भील अन्धविश्वासी बहुत होते हैं। अपने पीछे पितृ ऋण पूरा करने के लिए पुरुष सन्तान चाहते हैं, उसके लिए कभी-कभी स्त्रियाँ स्वयं पुरुष का दूसरा विवाह करवा देती है।
- भील देवी-देवताओं, महादेवजी, केसरियानाथ, भैरोंजी एवं खाखलदेव (आर्यों) में बहुत विश्वास करते हैं। भीलों में स्त्रियों में सगड़ी या डाइन का शक हो जाने पर उससे बच्चों को बचाते रहते हैं।
- भूत-प्रेतों,जादू-टोनों में भी भील बहुत विश्वास करते हैं।
- बहुधा उनको खुश करने के लिए ये लोग बकरे, भेड़ों या भैंसों का बलिदान भी करते हैं। कभी-कभी तो बीमारी या बच्चा होने की मानता(बोलना) कर लेने पर देवताओं को खुश करने के लिए वन या पहाड़ तक जला देते हैं।
- भील राजस्थान में दो तरह के होते हैं-एक भील और दूसरे मीणा भील।
- कई बार इनकी गरीबी का फायदा उठाकर उदयपुर के खेरवाड़ा, बागपुरा और कोटड़ा क्षेत्र में ईसाई पादरी इन्हें धर्म परिवर्तन के लिये मजबूर करते आए है।
- भीलों का त्योहार एवं धार्मिक जीवन - भील के संस्कार भी हिन्दू जाति के होने से प्रायः सभी हिन्दू त्योहारों को मनाते हैं, जिसमें होली, दशहरा, दिवाली, मकर संक्रान्ति, शिवरात्रि एवं तीज के त्यौहार बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इसके अतिरिक्त अमावस्या, पूर्णिमा,एकादशी को पवित्र दिन मानते हैं।
- भील समुदाय का प्रसिद्व बेणेश्वर मेला प्रतिवर्ष माघ शुक्ल पूर्णिमा के दिन माही, सोम व जाखम नदियों के संगम पर स्थित बेणेश्वर नामक स्थान पर भरता है।
- भील समाज पवित्र स्नान, शिव पूजा व पुण्य कमाने के लिए बेणेश्वर धाम पर एकत्रित होते हैं।
- गवरी एवं घूमर भीलों के प्रमुख नृत्य है।
- श्रावण मास में पार्वती के पूजन का **'गवरी'** पर्व इनका विशिष्ट उत्सव है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- भील हिन्दुओं के सभी देवी-देवताओं के साथ-साथ स्थानीय लोक देवताओं (धराल, बीरसा मुण्डा, कालाजी गोराजी, माताजी, गोविन्द गुरू, लसोड़िया महाराज आदि) की पूजा करते हैं।
- **भोजन -** ये लोग वर्षा के लिये में थोड़ी मक्का बो लेते हैं। मक्का इनका मुख्य पदार्थ है। इनके अलावा साँवा, मलीजा ,कोदरा, माल आदि जंगली अनाज तथा शिकार से प्राप्त माँस एवं जंगली फल के करमदा, विल्व, आम, तेन्दू, गूलर मुख्य है।
- भील मांसाहारी जाती है, लेकिन इनमें गाय का मांस खाना वर्जित है।
- भील पुरुष व स्त्रियाँ दोनों ही शराब पीते हैं।
- वस्त्र एवं आभूषण - विशेष अवसरों पर पुरुष कपड़ों में घुटनों तक धोती, बख्तरी, सिर पर फेंटा बाँधते हैं।
- विवाहित स्त्रियाँ घाघरा,ओढ़नी व काचली पहनती है। भीलनिया लाल रंग की रंग-बिरंगी छाप की आशनिया पहनना बहुत पसन्द करती है।
- भील पुरुष प्रायः कमीज या अंगरखी तथा तंग धोती (ढेपाड़ा) पहनते हैं और सिर पर साफा (पोत्या) पहनते हैं, उस पर एक रंगीन पट्टी भी बाँध लेते हैं, जिसे 'जाड़या' कहते हैं।
- भील पुरूष व महिलाएँ चाँदी, पीतल, गिलट आदि धातुओं के आभूषण पहनते हैं, इन गहनों को पींजनिया व बदार कहते हैं।
- गोदना का प्रचलन भी पाया जाता है।

अर्थव्यवस्था:-

- आर्थिक दृष्टि से भील जनजाति अत्यन्त गरीब है। ये लोग घुमक्कड़ स्वभाव के होते हैं।
- भीलों का मुख्य साधन कृषि ही है। इसमें से 86 प्रतिशत कृषि में, 10 प्रतिशत कृषि मजदूरी,करीब 4 प्रतिशत वन शिकार एवं खानें खोदने में लगे हुए है।
- राजस्थान में भील अरावली की उपत्यकाओं और नदियों की घाटियों में रहते,वहाँ की प्रायः समग्र भूमि ऊबड़-खाबड़ होने से समतल भूमि का अभाव और भूमि के कटाव की अधिकता के कारण कई भागों में स्थानान्तरित कृषि (Shifiting Cultivation) की जाती है, जिसे 'वालरा' कहते हैं। यह खेती करने को विधि भीलों में बहुत प्रचलित है।
- पहाड़ी ढालों पर की जाने वाली खेती को 'चिमाता' व मैदानी भागों में की जाने वाली खेती को **'दजिया'** कहते हैं।
- यहाँ के पहाड़ों में अनेकों खनिज पदार्थ भर पड़े हैं, जिनमें जावर की खानों में सीसा, जस्ता, चाँदी, डूँगरपुर में मांडो की पाल पर फ्लोराइट आदि पाए जाते हैं,लेकिन यातायात के साधन के अभाव और अशिक्षा के कारण आदिवासियों ने कभी इनका उपयोग नहीं किया।
- तालाबों व नदियों में काँटों द्वारा मछलियाँ पकडते हैं।
- जंगल में तीर कमान, गोफ व जाल की सहायता से पशु- पक्षियों का शिकार करते हैं।
- आदिवासी, वनवासी या वन्यस्थली पुत्र भील के लिए वन ही जीवन का बहुत बड़ा सहारा है।
- बच्चे व स्त्रियाँ जंगलो से जडी बूटियां, कंदमूल फल, गोंद, बेर, महुआ, सिताफल, शहद, लकड़ी आदि कई वनोत्पादक वस्तुएँ एकत्रित करते हैं तथा इन्हें बाजार में बेचकर अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ खरीदते हैं।
- ये लोग कृषि कार्य के साथ पशु भी पालते हैं,जिनमें बकरियाँ व गाय मुख्य है।
- वर्तमान में अधिकाँश कुछ भील निकटवर्ती नगरों, कस्बों में मजदूरी करने लगे हैं।
- भीलों के लिए महुआ वृक्ष का विशेष महत्त्व है।

गरासिया जनजाति:-

- राजस्थान में गरासिया एक बदला लेने वाले व्यक्ति के लिए संज्ञा दी जाती है।
- भाई-बंधुओं से सम्बन्ध ठीक न होने पर गरासिया कहते हैं।
- राजस्थान की तीसरी बड़ी जनजाति गरासिया है।
- इनकी जनसंख्या समग्र आदिवासी जनसंख्या का 6.70 प्रतिशत है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- सिरोही की आबूरोड़ एवं पिंडवाड़ा तहसील, पाली जिलें की बाली तथा उदयपुर की गोगुन्दा व कोटड़ा तहसीलें गरासिया जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है।
- आबूरोड़ का भाखर क्षेत्र गरासियों का मूल प्रदेश माना जाता है। राजपूतों के आगमन से पूर्व गरासिया सिरोही, पिण्डवाड़ा व आबूरोड़ के पहाड़ी क्षेत्रों में राज्य करते थे।
- गरासिया जनजाति के लोग स्वयं को चौहान राजपूतों के वंशज मानते हैं।
- भीलों व इनके घरों, जीवन जीने के तरीकों, बोली, तीर-कमान आदि में काफी समानताएँ है। गरासियों के गाँव पहाड़ियों पर दूर-दूर छितरे हुये पाये जाते हैं।
- गरासियों के मकान जंगलों में प्राप्त होने वाली लकड़ियों एवं मिट्टी के बने होते हैं। कभी-कभी इनके मकानों में लकड़ी के मचान बनाकर दो मंजिल के बना देते हैं।
- इनके घर **'घेर'** तथा गाँव **'फालिया'** कहलाते हैं। ये लोग अपने मकान प्रायः पहाड़ों की ढ़लानों पर बनाते हैं।
- एक गाँव में प्रायः एक ही गौत्र के परिवार निवास करते हैं।

सामाजिक जीवन:-

- गरासिया समाज के लोग एकांकी परिवार के रूप में रहते हैं।
- पिता परिवार का मुखिया होता है। समाज में पुत्र गोद लेने की प्रथा भी प्रचलित है।
- सामाजिक परिवेश की दृष्टि से गरासिया तीन वर्गों में बंटे हुए है- मोटी नियात, नेनकी नियात तथा निचली नियात।
- गरासिया समाज में जाति पंचायत का भी विशेष महत्त्व है।
- गाँव व भाखर स्तर पर जाति पंचायत होती है जिसके द्वारा आर्थिक व शारीरिक दोनों प्रकार के दण्ड़ दिये जाते है।
- पंचायत का मुखिया सहलोत कहलाता है।
- इनकी बोली में गुजराती, भीली, मेवाड़ी तथा मारवाड़ी का मिश्रण है।

वस्त्र एवं आभूषण :-

- भीलों की भाँति गरासियों में भी गोदना गुदवाने की प्रथा है। गरासिया महिलाएँ प्रायः ललाट व ठोड़ी पर गोदने गुदवाती है।
- इनमें पुरुष घुटनों तक नीची धोती पहनते हैं व शरीर पर अंगरखी और सिर पर सफेद या लाल फेंटा (साफा) बाँधते हैं।
- विवाहित स्त्रियाँ लहँगा, ओढ़नी व कांचली पहनती हैं, स्त्रियाँ रंगीन पूरी आस्तीन की छींट के ब्लाउज बड़े ही चाव से पहनती है।
- पुरुष चाँदी के गहने पहनने में आनन्द मानते हैं।

विवाह सम्बन्ध:-

- गरासियों में तीन प्रकार के विवाह प्रचलित है-मोर बंधियाँ जिसमें फेरे होते हैं।
  - पहरावना विवाह में नाममात्र के फेरे होते हैं।
  - ताणना विवाह में वर पक्ष कन्या पक्ष को कन्या का मूल्य चुकाता है।
- इनमें विधवा विवाह का भी प्रचलन है।
- गरासिया में वैवाहिक सम्बन्धों में क्षेत्रीय भावना अधिक है। अपने पाल या चोखले के बाहर नहीं जाते हैं।
- विवाह में लड़की के लिए लड़के के पिता को दापा या पैसा तथा कभी-कभी पशु भी देने पड़ते हैं। अधिकांशतः यह रकम नगदी में ही ली जा सकती है।
- गरासियों में भी नातरे होते हैं जो मेले या विवाह में ही होते हैं। नातरे को कानूनी करार पंचायत देती है। उसमें लड़की के पिता को मायस व पहले वाले पति को झगड़ा दिलाती है। इसमें नगद रुपया एवं पशु भी सम्मिलित हैं।

त्योहार एवं धार्मिक जीवन:-

- इस जनजाति क्षेत्र में प्रतिवर्ष कई स्थानीय, संभागीय व बड़े मेले भरते हैं। बड़े मेले **'मनखारो मेलो'** के नाम से विख्यात है।
- अम्बाजी के पास कोटेश्वर का मेला, देवला के पास कोटड़ा-कोसीना रोड़ पर चेतर विचितर मेला तथा बैसाख कृष्णा पंचमी को गोगुन्दा का गणगौर मेला इनके प्रमुख मेले है।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- गरासिया युवक मेलों में अपने जीवन साथी का भी चयन करते हैं।
- वालर, गरबा, गैर, मोरिया व गौर गरासियों के मुख्य नृत्य हैं। ये नृत्य करते समय लय व आनन्द में डूब जाते हैं
- गरासियों का मुख्य त्योहार हिन्दुओं की तरह दशहरा, दिवाली, संक्रान्ति, होली आदि हैं।
- सिरोही में सारकेश्वर के मेले में हजारों गरासिया सम्मिलित होते हैं,जहाँ वे अपनी आवश्यकता की चीज खरीदते हैं और साथी भी चुनते हैं।
- गरासिया लोग शिव, भैरव व दुर्गा के उपासक है।

सामाजिक संगठन-

- ये भी जादू-मन्तर-टोना, डायन, भूत-प्रेतों में विश्वास करते हैं। ये उन्हें खुश रखने के लिए बलि चढ़ाते हैं।
- प्रायः इनके गाँव या फला 10-12 घरों के होते हैं। पाल का मुखिया पालवी कहलाता है। यह प्रायःपैतृक पद होता है। वह सब प्रकार के निर्णय करता है।
- गरासिया अपने को भीलों से ऊँचा मानते हैं।
- गरासिया दो प्रकार के होते हैं - एक भील गरासिया, दूसरे राजपूत गरासिया।
- भील गरासिया भीलों से अपना सम्बन्ध बतलाते हैं। उनके गोत्र भी भीलों के समान ही होते हैं। राजपूत गरासिया अपनी उत्पत्ति राजपूतों से मानते हैं और उनके गोत्र भी राजपूतों के से परमार, सोलंकी, चौहान आदि होते हैं। भील गरासियों को राजपूत गरासिया निम्न श्रेणी का मानते हैं और उनके साथ विवाह-सम्बन्ध नहीं करते हैं, खानपान में भले ही हिस्सा बँटा लेते हैं।
- गरासियों में मृतक को जलाया जाता है और उसके तेरहवें दिन भोज किया जाता है।

गरासियों का आर्थिक तंत्र :–

- गरासिया जनजाति की अर्थव्यवस्था कृषि, पशुपालन, शिकार, लकड़ी काटने व वनोंत्त्पादों के एकत्रीकरण पर आधारित है।
- यद्यपि गरासिया लोग वनों में रहते हैं। गरासिया प्रदेश सघन वनों से आच्छादित है, वनों से इन्हें लकड़ी एवं शिकार प्राप्त होता रहता है।
- फिर भी 85 प्रतिशत गरासिया कृषि कार्य में लगे हुये हैं। यह मक्का पैदा करते हैं। कभी-कभी पानी मिलने पर गेहूँ, जौ भी पैदा कर लेते हैं। गरासिया के यहाँ एक ही फसल होती है।
- हारी भावरी गरासियों द्वारा की जाने वाली सामूहिक कृषि का एक रूप है।
- ये लोग अनाज का संग्रहण सोहरी (कोठी) में करते हैं।
- वर्ष के अन्य भागों में लकड़ी काटना, मजदूरी करना, ढोर चराना, शिकार आदि कार्य करते हैं।
- गरासियों का भोजन भी भीलों की तरह मक्का, बाजरा व मलीचा आदि है।
- गरासियों की आर्थिक सम्पत्ति भी भीलों की तरह झोंपड़ा, कुछ पशु एवं एक छोटा-सा ऊबड़-खाबड़ खेत का टुकड़ा एवं कुछ वृक्ष आम व महुआ आदि होते हैं। इनके अतिरिक्त घर में एक दो पीतल के बर्तन, गुदड़े, कुल्हाड़ियाँ, तीर और खेती के औजार होते हैं।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

आर्थिक संगठन:-

- आजकल सरकार ने गरासियों को शिक्षित करने के लिए स्कूल खोले हैं। कुछ चिकित्सा सम्बन्धी प्रबन्ध भी किया है। कुछ गरासिया सेना में भी भर्ती हो गए है।
- कुछ आबू के पर्यटन केन्द्र होने से पर्यटकों की सेवा में लग गए है तथा सड़कों एवं यातायात के साधनों में भी लग गए है।
- इन पर भी ईसाई पादरी अपना प्रभाव जमाने के लिए सब प्रकार के प्रयत्न कर रहे हैं, जो भविष्य में संकट पैदा करने वाली बात है।

सहरिया जनजाति:-

- सहरिया राजस्थान के जनजातियों में सबसे कम जनसंख्या वाली जाति है।
- कुल जनसंख्या का एक प्रतिशत मात्र सहरियों की बस्तियाँ दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में बारां जिले की सीमा और मध्य प्रदेश के गुना जिले में है।
- राज्य के 98 प्रतिशत सहरिया बारां जिलें की किशनगंज व शाहबाद तहसीलों में निवास करते हैं।
- सहरिया के निवास का क्षेत्र पहाड़ी और ऊबड़- खाबड़ तथा वनों से ढका हुआ है। इस भाग में बहुत कम समतल भूमि पूर्व जाती है।
- राजस्थान की एक मात्र सबसे पिछड़ी जनजाति जिसे भारत सरकार नें आदिम जनजाति में शामिल किया है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- सहरिया फारसी भाषा के शब्द सहर से बना है जिसका अर्थ जंगल होता हैं।
- सहरिया जनजाति के घरों को टापरी व टोपा कहते हैं। टापरी मिट्टी, पत्थर, लकड़ी और घासफूस की बनी होती है। टोपा घने जंगलों में पेड़ो पर या बल्लियों पर बने मचान को कहते हैं।
- उनके मकान भी वनों से प्राप्त लकड़ी, मिट्टी और कहीं-कहीं पत्थरों से बने छतरीनुमा होते हैं, जिन्हें सहरिया बंगला कहते हैं।

सामाजिक जीवन:-

- इनकी छोटी बस्तियां सहराना व गाँव सहरोल कहलाते हैं।
- सहरिया जनजाति में एकांकी परिवार पाये जाते हैं।
- इनमें बहुपत्नी प्रथा का रिवाज है।
- नाता प्रथा भी इनमें प्रचलित है।
- सहरिया जनजाति में लड़की के जन्म को शुभ माना जाता है।

सामाजिक संगठन :-

- लड़का विवाह के पश्चात् अपने परिवार से अलग हो जाता है, लेकिन सारा परिवार एक साथ ही रहता है।
- परिवार के वृद्ध व्यक्ति का ही सब आदेश मानते हैं।
- इनकी जाति में मुख्य पंच को कोतवाल कहते हैं, जिसका चुनाव होता है।
- सहरियों का सामाजिक संगठन भी अन्य आदिवासी जातियों के समान ही है। इनमें भी ऊँच-नीच का आधार रहता है।
- इनमें पुरुषों की संख्या स्त्रियों के तुलना में अधिक है।
- इनमें चौहान, डोडिया गोत्र आदि होते हैं।
- इनमें भी मृतक के जलाने, मृत्यु-भोज होते हैं।

विवाह सम्बन्ध:-

- सहरियों का भी अन्तरविवाही समुदाय है। सहरियों के विवाह में वर पक्ष को लड़की के पिता को दापा देना पड़ता है। नातरा की प्रथा भी प्रचलित है।

वस्त्र एवं आभूषण :-

- ये लोग धोती, कमीज व साफा पहनते हैं।
- स्त्रियाँ घाघरा, लूँगड़ी और लम्बी बाँह का कमीज पहनती है। स्त्रियाँ शरीर पर गोदने गुदवाती है।
- सहरिया रंग-बिरंगे कपड़े पहनने के शौकीन है लेकिन छींट आदि कम पहनते हैं।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

त्योहार एवं धार्मिक जीवन

- मुख्य त्योहार मकर संक्रान्ति, दशहरा होली, दिवाली है।
- त्योहारों के मेलों से वे वस्तुएँ से खरीदते है, बड़े उत्साह से भाग लेते है। जीवन साथी भी चुनते हैं तथा नातरे भी होते हैं।
- सहरिया जादू-मंतर, देवी-देवताओं (मेरू भवानी) में विश्वास करते हैं, इन्हें प्रसन्न रखने के लिए इनकी पूजा भी करते हैं।
- बारां जिले में केलवाड़ा के पास सीताबाड़ी में लगने वाला मेला इनका पवित्र स्थान है।
- ये वाल्मीकि ऋषि को अपना कुल देवता मानते हैं।

अर्थव्यवस्था:-

- आर्थिक दृष्टि से सहरिया बड़े ही अनुपयुक्त वातावरण में बसे हुए है, समतल भूमि का अभाव होने से सहरिया जहाँ कहीं भी समतल भूमि मिल जाती है, कृषि करते एवं पशु पाल लेते हैं।
- खेती में ज्वार मुख्य अनाज है। अन्य फसलें कुओं द्वारा सिंचाई करके पैदा करते हैं।
- सहरियों का मुख्य भोजन ज्वार ही है। उन्हें पशुओं से दूध, मांस और चमड़ा मिल जाता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- सहरिया भी भीलों व मीणों की तरह मांसाहारी है, गौ मांस इनमें वर्जित है।
- सहरिया आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए है, इनमें से कई लोग मजदूरी करते हैं और कर्जे से दबे रहते हैं।
- सहरियों की मुख्य सम्पत्ति इनके मकान, कुछ कपड़े, छोटा-सा खेत, कुछ औजार व हथियार और कुछ मिट्टी के बर्तन आदि होते हैं।
- आजकल सहरिया शहरों में चौकीदारी, बैण्ड बजाना व सड़क पर काम करने में लग गये हैं। कुछ मुर्गी पालन भी करने लग गए हैं।
- सहरियों में 45 प्रतिशत लोग ही खेती करते हैं। पैंतीस प्रतिशत सहरिया अन्य किसानों के खेतों में मजदूरी करते हैं। इनके अतिरिक्त कुछ लोग वनों और खानें खोदने में लगे हैं।
- पशु-पालन केवल संख्या की दृष्टि से ही किया जाता है, न कि आर्थिक सहायता की दृष्टि से होता है। वनों से जलाने की लकड़ी, गोंद, घास, तथा जड़ी-बूटियाँ इकट्ठी करके बाजार में बेच देते हैं।
- आजकल सहरिया लोगों के लिए शिक्षा एवं चिकित्सा का सरकार ने प्रबन्ध कर दिया है।
- शिक्षा का प्रचार एवं चम्बल की नहरों से सिंचाई का प्रबन्ध बढ़ जाने से इनके आर्थिक स्तर में भी सुधार आया है।

डामोर जनजाति:-

- डामोर जनजाति के लोग राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र के डूँगरपुर जिले की सीमलवाड़ा पंचायत समिति तथा बाँसवाड़ा जिले में गुजरात की सीमावर्ती क्षेत्रों में निवास करते हैं। कुछ डामोर उदयपुर, राजसमंद, चूरू एवं गंगानगर जिले में भी है।
- डामोर दक्षिणी अरावली के पर्वतीय क्षेत्रों में ऊबड़-खाबड़ भू-भाग में निवास करते हैं।
- सर्वाधिक डामोर डूंगरपुर जिलें की सीमलवाड़ा पंचायत में निवास करते हैं।
- डामोर लोगों को डामरिया भी कहते हैं। डामोर अपनी उत्पत्ति राजपूतों से मानते हैं।
- वर्षा काल में 30-35 सेमी वर्षा हो जाने से मक्का, चावल आदि की खेती करते हैं, वर्ष के अन्य समय में पानी जहाँ उपलब्ध होता है, वहाँ गेहूँ, जौ आदि बो दिया जाता है। डामोर के 95 प्रतिशत लोग खेती करते हैं। ये अच्छे कुशल कृषक है।
- इनका निवास वनों से घिरे होने से लकड़ी भी काट ली जाती है और जंगलों में पाये जाने वाले जानवरों का ये शिकार भी करते हैं।
- डामोर लोगों का भोजन सादा होता है। जिसमें मक्का, चावल या अन्य मोटा अनाज होता है।
- डामोर के मकान भी लकड़ी और मिट्टी या घास-फूस को स्थाई रूप में जमा करके बना लिए जाते हैं, जिन्हें टापरे कहते हैं।
- चार, छः टापरों वाला फला कहलाता है।

सामाजिक जीवन:-

- डामोर जनजाति में भी एकाकी परिवार का प्रचलन है।
- परिवार का मुखिया पिता होता है।
- डामोर समुदाय में पंचायत के मुख्यिा को मुखी कहते हैं।

सामाजिक संगठन

- डामोर दो प्रकार के होते हैं-उच्च डामोर और निम्न डामोर। उच्च डामोर अपने को पहले आया हुआ मानते हैं और वे निम्न डामोरों से भेद रखते हैं।
- इनके जाति के झगड़े भी पंचायत ही निपटाती है।
- डामोर अपने आपको राजपूत मानते हैं। इनमें राजपूतों के सिसोदिया, राठौड़, चौहान आदि गोत्र हैं।
- मृतक को वैसे सभी डामोर जलाते हैं, लेकिन कुछ डामोर गाड़ते भी है। मृतक के पीछे मृत्यु-भोज का रिवाज इनमें प्रचलित है।

विवाह सम्बन्ध:-

- इस जनजाति में विवाह का मुख्य आधार वधू मूल्य होता है। वर पक्ष को कन्या के पिता को वधू मूल्य देना पड़ता है।
- इनमें बहु विवाह का भी प्रचलन है।
- डामोर परिवार में एक विवाहित पुत्र उसी समय तक रहता है, जब तक उससे छोटा पुत्र विवाहित होकर नहीं आ जाता है।
- डामोर में विवाह में क्षेत्रीय विवाह का महत्व अधिक है। आखिरी पुत्र पिता के साथ ही रहता है। विवाह के पश्चात् पिता की सम्पत्ति पर पुत्र का कोई अधिकार नहीं होता। स्त्रियाँ पति की मृत्यु के पश्चात नातरा भी कर सकती है। इनमें देवर बट्टा भी होता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

त्योहार एवं धार्मिक जीवन:-

- इनके सभी संस्कार हिन्दुओं जैसे ही होते हैं। बच्चे का नामकरण ब्राह्मण करता है।
- बच्चों के मुंडन की भी प्रथा है।
- मुख्यतः भूत-प्रेतों में विश्वास करते हैं तथा कार्य की सफलता एवं बीमारी का इलाज केसरियाजी, डाकौरजी, कुबेरजी, कालकामाता या हनुमान जी की मानता करते हैं। उन्हें प्रसन्न करने के लिए बलिदान और प्रसाद भी चढ़ाते हैं।
- डामोर भी भीलों की तरह मेले में सम्मिलित होने के बहुत शौकीन होते हैं। इनमें बेणेश्वर का मेला मुख्य है।
- इनके त्योहार हिन्दुओं की तरह ही दिवाली, होली आदि है।
- छेला बावजी तथा ग्यारस की रैवाड़ी डामोरों के दो प्रमुख मेले है।

अर्थव्यवस्था:-

- ये लोग प्रधानतः कृषक है,खरीफ की फसल में मक्का और दालें ,रबी की फसल में मुख्यतः चना लिए जाते हैं। नगद फसल लेने का रिवाज अभी डामोर में नहीं चला।
- आखेट व संग्रहण भी इनकी आजीविका के साधन है।
- उनमें से करीब 2-5 प्रतिशत मजदूर, वन और खाने खोदने का कार्य करते हैं।
- डामोर पशु पालन भी करते हैं। इनमें बैल, गाय, भैंस, ऊँट-बकरियाँ आदि हैं, जिनसे माँस, खालें, दूध और चमड़ा प्राप्त होता है।
- पिछले चार दशकों के विकास कार्यक्रमों के चलने के परिणामस्वरूप डामोर आदिवासी में आधुनिक कृषि के प्रति जागृति आयी है।जिस संभाग में वे रहते हैं, वहाँ की भूमि उपजाऊ नहीं है। कुएँ के बिना सिंचाई नहीं हो सकती। कुओं का पानी भी बहुत गहरा है। अतः कृषि में जल के लिए ये लोग पूर्णतः वर्षा पर निर्भर है।
- ऐसी अवस्था में डामोर की कृषि अर्थव्यवस्था एक किताबी अर्थव्यवस्था की तरह ही है। जीविकोपार्जन के लिए उन्हें दिहाड़ी पर काम करना पड़ता है।
- डामोर अर्थव्यवस्था की बहुत बड़ी त्रासदी यह है कि उनमें शिक्षा का प्रसार नहीं हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि लोग सरकारी नौकरी में आरक्षण के होते हुए भी प्रवेश नहीं कर पाते। शिक्षा और प्रशिक्षण के अभाव में वे अपनी अर्थव्यवस्था को अन्य आदिवासियों की तरह अनेकता नहीं दे पाए, अतःआर्थिक दृष्टि से डामोर आदिवासी उपयोजन क्षेत्र में होते हुए भी विपन्नावस्था में है।

कथौड़ी:-

- कथौड़ी उदयपुर की कोटड़ा झाड़ोल व सराड़ा पंचायत समिति में बसे है।
- खैर के वृक्ष से कत्था तैयार करने में दक्ष होने के कारण ये कथौड़ी कहलाते हैं।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

कँजर:-

- यह एक घुमंतू जाति है जो अपराध वृत्ति के लिये प्रसिद्ध है। चोरी, डकैती,लूटमार तथा राहजनी के कार्य इनके लिए सहज है। यद्यपि इनके सुधारने के अनेक सरकारी प्रयत्न किए गए है, लेकिन परिणाम सीमित रहा है।
- कंजर मुख्यतः कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, अलवर, उदयपुर तथा अजमेर में है।
- इस जाति के लोग छोटे कद के होते हैं तथा पैदल चलने में महारत लिए होते हैं।
- कंजर शब्द की उत्पत्ति 'काननचार' से हुयी है जिसका अर्थ जंगल में विचरण करने वाला है।

सामाजिक जीवन:-

- ये चोरी व अपराध के लिए कुख्यात है पर ये लोग हाकम राजा का प्याला पीकर कभी झूठ नहीं बोलते हैं।
- इन लोगों के घरों में भागने के लिए पीछे की तरफ खिड़की होती है परन्तु दरवाजे नहीं होते हैं।
- कंजर जनजाति की कुलदेवी चौथ माता है।
- इस जाति में एकता है तथा पंचायत का आदेश मानते हैं। पटेल का स्थान कंजर परिवारों में प्रमुख माना जाता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पंचायत द्वारा किया जुर्माना देना होता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- चौथमाता और हनुमानजी उनके आराध्य देव हैं।
- कंजर महिलाएँ नाचने-गाने में प्रवीण होती हैं।
- इनमें तलाक प्रथा भी प्रचलित है। कोई भी पक्ष तलाक ले सकता है। यदि तलाक पति चाहता है तो वधू को दी गई रकम वापिस नहीं माँग सकता और तलाक की स्वीकृति पंचायत देती है। मृतकों को दफनाने की प्रथा है।

अर्थव्यवस्था:-

- कंजर जाति के लोग चोरी-डकैती करते आए है, किन्तु अब मजदूरी भी करने लगे हैं। सामान्यतः यह अत्यधिक गरीबी में जीवन-यापन करते हैं।

साँसी:-

- साँसी जनजाति मुख्यतः भरतपुर व अजमेर जिले में निवास करती है।
- यह लोग खानाबदोश जीवन जीते हैं।
- साँसी जनजाति की उपजातियाँ -बीजा और मावा।

पारिवारिक जीवन-

- साँसी जनजाति बहिर्विवाही है। इसके सदस्य अपने समूह के भीतर विवाह नहीं करते।
- इन जनजाति में वैवाहिक सम्बन्ध माता-पिता द्वारा निश्चित किए जाते हैं।
- विवाह से पूर्व यौन-सम्बन्धों को अनुचित माना जाता है। इस नियम का उल्लंघन करने वाले को दण्ड दिया जाता है।
- इनमें विधवा पुनर्विवाह का प्रचलन नहीं है, परन्तु भाई की मृत्यु होने पर मृतक का भाई अपनी भाभी को रखैल के रूप में रख लेता है।

सामाजिक जीवन:-

- साँसी जनजाति खानाबदोश जनजाति है। इसके सदस्य गिरोह के रूप में अपना डेरा बदलते रहते हैं। इनके कोई स्थाई मकान नहीं होते। अस्थाई जीवन होने के कारण इस जनजाति के सदस्य तम्बू में रहते हैं।

धर्म:-

- साँसी जनजाति के सदस्य हिन्दुओं की भाँति देवी-देवताओं की पूजा करते हैं।
- होली और दीपावली के अवसर पर वे देवी पर बकरे की बलि चढ़ाते हैं।
- इनमें पीपल, नीम और बरगद के वृक्षों की पूजा की जाती है।

खानपान :–

- साँसी जनजाति के सदस्य मांसाहारी होते हैं। इसके अतिरिक्त वे मदिरापान भी करते हैं।

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

अर्थव्यवस्था:-

- साँसी जनजाति के सदस्य घुमन्तू जीवन व्यतीत करते हैं।
- वे जंगली जानवरों का शिकार करते हैं।
- इसके अतिरिक्त कुछ हस्तशिल्प और कृषि व्यवसाय का भी कार्य करते हैं।

जनजातियों पर आधुनिकता का प्रभाव

- वनों की अन्धाधुन्ध कटाई व शेष बचे अधिकाँश वनों को सरकार द्वारा सुरक्षित व संरक्षित कर देने के कारण वन क्षेत्रों में कमी आई है जिसका इनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- वनोंपजों व वन्य जीवों की कमी एवं भू-क्षरण के कारण घटती कृषि उत्पादकता से इनकी अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। कई क्षेत्रों में इनके जीवन निर्वाह के साधन इतने सीमित हो गये है कि ये लूटपाट व चोरी व अपराध करने लगे है।
- सीमित कृषि भूमि, बढ़ती जनसंख्या व स्थानीय संसाधनों के संकुचित हो जाने के कारण इन्हें मजबूरी में कस्बों व शहरों में मजदूरी करने जाना पड़ता है जहाँ इनका घोर आर्थिक शोषण होता है।

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

- शहरी सम्पर्क के कारण इनके खानपान, पहनावे व आवास में भारी बदलाव आया है।
- नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण इनकी आर्थिक दशा ठीक नहीं हो पा रही है।
- वर्तमान में शिक्षा के प्रसार की वजह से इनमें जागरूकता बढ़ी है। ये लोग सरकारी सेवाओं में भी आने लगे हैं।

जनजाति कल्याण कार्यक्रम

- स्वतन्त्रता के पश्चात् केन्द्र एवं राज्य सरकार ने जनजाति कल्याण पर अत्यधिक ध्यान दिया है।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना से ही आदिवासी कल्याण पर अलग से बजट का प्रावधान रखा जाता है।
- राज्य में प्रथम योजना में जहाँ 9.11 करोड़ रुपये आदिवासी कल्याण हेतु प्रावधान था। वहीं पाँचवीं योजना में यह राशि 149.05 करोड़ और सातवीं योजना में 674.71 करोड़ राशि थी।
- आठवीं योजना में आदिवासी कल्याण पर राज्य सरकार ने विशेष ध्यान दिया तथा 1992-97 के मध्य बारह सौ करोड़ रुपये से अधिक
- खर्च किए गए।
- **इस योजना में जनजाति कल्याण का उद्देश्य था-**
  - आर्थिक विषमताओं को दूर करने के लिए जनजाति के लोगों की गरीबी और बेरोजगारी कम करना
  - इनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार हेतु न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम चलाना
  - आधारभूत संरचना में सुधार एवं विकास करना
  - गहन शैक्षिक कार्यों के माध्यम से लोगों में आत्मविश्वास का संचार करना और जागृति लाना
- **राज्य सरकार ने जनजातियों के विकास हेतु अनेक कार्यक्रम चलाए है। इसमें महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम निम्नलिखित है-**

(1) **जनजाति उपयोजना (TSP) -** इसके अन्तर्गत बाँसवाड़ा-डूँगरपुर एवं प्रतापगढ़ जिले, पूर्ण रूप से तथा उदयपुर, सिरोही, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और पाली जिले का कुछ क्षेत्र भी सम्मिलित किया गया है। अब TSP क्षेत्र में गाँवों की संख्या 5,706 तथा नगरपालिकाएँ 9 हो गई है। यह वृद्धि 9 दिसम्बर, 2014 को की गयी है। ये आदिवासी प्रधान है। इसके अन्तर्गत जनजाति के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारने एवं क्षेत्रीय विकास के कार्य किए जाते हैं। इसमें सिंचाई, फल विकास, बीज उर्वरक वितरण, फार्म वानिकी एवं सामुदायिक विकास योजना के माध्यम से विकास किया जाता है।

(2) **माडा समुदाय (Mada Cluster) -** यह एक केन्द्र प्रायोजित योजना है, जिसमें 8 जिले और 59 गाँव सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत व्यक्तिगत लाभकारी योजनाओं जैसे बागवानी, कृषि प्रदर्शन, कुओं को गहरा करना, हैण्ड पम्प लगाना तथा अंश पूँजी के लिए अनुदान देना सम्मिलित है।

(3) **परिवर्तित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण (Modified Area Development Approach- MADA) -** इस योजना में जनजाति बहुल 44 खण्ड सम्मिलित किए गए हैं। इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा प्रसार, स्वरोजगार जैसे दरी बुनना, बढ़ईगिरी, हथकरघा आदि प्रशिक्षण केन्द्र खोलना सम्मिलित है। इसमें 15 प्रशिक्षण केन्द्र, 5 आश्रम छात्रावास और 24 पशु नस्ल सुधार केन्द्र प्रारम्भ किए गए हैं।

(4) **सहरिया विकास कार्यक्रम-** बारां जिले की शाहबाद एवं किशनगंज पंचायत समितियों को सम्मिलित कर इसमें रहने वाली सहरिया जाति के विकास कार्यक्रम सम्मिलित है, जिसे केन्द्र और राज्य सरकार व्यय करती है।

(5) **बिखरी जाति के लिए विकास कार्यक्रम-** बिखरी जाति के लिए विकास कार्यक्रम का प्रारम्भ 1979 में किया गया। इसका संचालन जनजाति क्षेत्र विकास(TADA या ट्राइबल एरियाज डवलपमेण्ट एजेंसी) द्वारा किया जाता है। इसमें शिक्षा,आवास, होस्टल, निःशुल्क पोशाकें, पुस्तकें, छात्रवृत्तियाँ, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित है।

उपर्युक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से जनजातियों को नियमित रूप से निम्नांकित सुविधाएँ प्रदान की

(1) कुटीर उद्योग हेतु भूमि का आवंटन
(2) कृषि भूमि का आवंटन
(3) शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु छात्रवृत्ति व अनुदान के रूप में आर्थिक सहयोग
(4) सरकारी सेवाओं में आरक्षण
(5) कृषि-कूप निर्माण, ऋण एवं ब्याज का पुनर्भरण
(6) सरकारी ऋण
(7) औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना
(8) आवासीय भूखण्डों का आवंटन
(9) इन्दिरा गाँधी नहर क्षेत्र में भूमि एवं भवन निर्माण हेतु अनुदान
(10) बसों और टेम्पों के क्रय हेतु ऋण

CERAMIC ACADEMY One Stop Solution For IAS, RAS, SI [+91 97005-77774 / 97005-77778]
GO TO OUR YOUTUBE CHANNEL

राज्य सरकार द्वारा जनजातियों के विकास हेतु जारी कार्यक्रम

- धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत राज्य के 37 जिलों के 6,019 गांवों का विकास किया जा रहा है।
- वर्ष 2025 में 15 जून से 15 जुलाई तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया।
- आदि कर्मयोगी अभियान द्वारा 26 जिलों में आदिवासी युवाओं का प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।
- प्रदेश के 5,093 गावों में आदि सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं।
- **माँ बाड़ी योजना:** अनुसूचित क्षेत्र के जिलों (उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा, प्रतागढ़) के ऐसे ढ़ाणी/फला जिसमें 6 से 12 आयु सीमा के जनजाति बालक-बालिकाओं के अध्ययन हेतु प्रारम्भिक पाठशालाएँ नहीं है उन क्षेत्रों में शिक्षा कक्षों के रूप में "माँ बाड़ी केन्द्र" जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित किये जा रहे है।
  - 244 नए मां-बाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है तथा जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज एवं मिनिकिट का वितरित किया गया है।
- मारवाड़ क्षेत्रीय जनजाति विकास बोर्ड, जोधपुर
- **गठन:** 2 फरवरी 2021
- **मुख्यालय :** जोधपुर
- **उद्देश्य :** जोधपुर संभाग के माडा, माडा कलस्टर एवं बिखरी जनजाति क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति समुदाय का विकास करना।
- **बालक-बालिका जनजाति हॉकी एकेडमी:-**
  - **स्थापना:** 9 अगस्त 2021 को **'उदयपुर'** में किया गया है।
  - यह राजस्थान की प्रथम जनजाति हॉकी एकेडमी है जिसका उद्देश्य जनजाति जिलों के जानजाति खेल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय खेल हॉकी का प्रशिक्षण दिया जाना है।
  - इस एकेडमी द्वारा दो छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है जिसमें पढ़ाई, आवास और भोजन की निःशुल्क सुविधा मिलेगी।
  - **खेलगाँव छात्रावास:** 40 छात्रों के लिए
  - **मधुबन छात्रावास :** 30 छात्राओं के लिए
  - राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजीडेंशियल स्कूल सोसायटी, उदयपुर: यह संस्था राज्य के आदिवासी जिलों में 20 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय व 1 डे-बोर्डिंग स्कूल का संचालन करती है।
  - **आश्रम छात्रावास** जनजाति छात्र-छात्राओं के लिए जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावास जिसमें ऐसे विद्यार्थियों को रखा जाता है जिनके निवास स्थान के नजदीक विद्यालय की सुविधा न हो।इनमें निःशुल्क आवास, भोजन, पोशाक व अन्य सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती है।
  - रूख भायला कार्यक्रम जनजातिय बाहुल्य क्षेत्रों में सामाजिक वानिकी को प्रोत्साहन देने तथा पेड़ों की अवैध कटाई को रोकने हेतु चलाया गया वृक्ष मित्र कार्यक्रम है।
  - प्रदेश के **8 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों** का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है।

Note: आजादी के बाद सरकार द्वारा जनजाति क्षेत्रों के विकास हेतु कई योजनाएँ व कार्यक्रम चलाए जा रहे है। जनजाति उपयोजना क्षेत्र (टाडा), परिवर्तित क्षेत्र विकास कार्यक्रम (माडा), सहरिया विकास कार्यक्रम, माडा क्लस्टर योजना, बिखरी जनजाति विकास कार्यक्रम, स्वच्छ परियोजना, जनजाति क्षेत्र रेशम कीट पालन कार्यक्रम, एकलव्य योजना, रूख भायला कार्यक्रम, रोजगार कार्यक्रम आदि चलाये जा रहे हैं जिससे जनजातियों के विकास में आशातीत प्रगति हुयी है।जनजातियों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ है तथा उनका सामाजिक विकास निरन्तर हो रहा है। सरकारी सेवाओं में उच्च प्रशासनिक एवं अन्य पदों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य,तकनीकी, विज्ञान, उद्योग, लेखा, पुलिस आदि सभी सेवाओं में जनजातियों का समुचित प्रतिनिधित्व हो रहा है। इनके आर्थिक स्तर में पर्याप्त विकास हुआ है तथा अब ये सामाजिक रूढ़ियों से भी ऊपर उठ रहे हैं, किन्तु अभी भी भील, गरासिया, सहरिया, डामोर तथा घुमक्कड़ जातियों में विकास होना है। आवश्यकता है इनमें महिला शिक्षा की, क्योंकि जनजाति की महिलाओं की स्थिति आज भी अच्छी नहीं है। बहुत कम महिलाएँ सरकारी सेवाओं में महिला आरक्षण का लाभ उठा रही है। जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार हो रहा है महिलाओं में जागृति आ रही है। आवश्यकता है जनजातियों में भी जो वर्ग अपेक्षाकृत पिछड़ा रह गया है,उसकी पहचान कर उन्हें समुचित सुविधाएँ प्रदान कर विकास की मुख्य धारा में जोड़ने की और यह कार्य केन्द्र और राज्य सरकार कर रही है।

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

PYQ Questions

1. **मोर बांधिया, पहरावणा और ताणणा नामक तीन प्रकार के विवाह किस जनजाति में प्रचलित हैं?**
[Sr. Teacher Gr II - 2022]
(a) भील (b) सहारिया
(c) गरासिया (d) मीणा

2. **सहारिया जनजाति किस क्षेत्र में केन्द्रित है?**
[SR. TEACHER GR II- 2024]
(a) बूंदी जिले की नैनवा तहसील
(b) बारां जिले की अंता तहसील
(c) झालावाड़ जिले के खानपुर और पिड़ावा तहसील
(d) बारां जिले के शाहबाद और किशनगंज तहसील

3. **भील जनजाति के सन्दर्भ में 'पाल' है –**
[SR. TEACHER GR II- 2025]
(a) भील गाँव (b) आठ-दस घरों का समूह
(c) भील का घर (d) भील गाँव का मुखिया

4. **पहरावना तथा तन्ना विवाह प्रचलित हैं :**
[SR. TEACHER GR II - 2023]
(a) साँसी जनजाति में (b) भील जनजाति में
(c) गरासिया जनजाति में (d) कंजर जनजाति में

5. **'डामोर' जनजाति मुख्यत: निवास करती है –**
[LOCAL SELF GOVT. DEPT - 2025]
(a) पिण्डवाड़ा तहसील में (b) किशनगंज तहसील में
(c) शाहबाद पंचायत समिति में (d) सीमलवाड़ा पंचायत समिति में

6. **पड़िहार मीणा जनजाति क्षेत्र मुख्यत: है :**
[ASST. AGRICULTURE OFFICER - 2011]
(a) जोधपुर, जालोर, पाली (b) बीकानेर, गंगानगर
(c) टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी (d) चूरू, हनुमानगढ़, सीकर

7. **भीलों के गाँव के मुखिया कहलाते हैं :**
[ASST. AGRICULTURE OFFICER - 2011]
(a) पाटिल (b) पटेल
(c) चौकीदार (d) गमेती

8. **बीजा और माला उपजातियाँ किस जनजाति से सम्बद्ध उपजातियाँ हैं?** **[ASST. AGRI OFFICER - 2018]**
(a) सांसी (b) भील
(c) डामोर (d) गरासिया

9. **सामाजिक-सहकारी संस्था 'हेलरो' राजस्थान की किस जनजाति से सम्बद्ध है?** **[ASST. AGRI. OFFICER - 2018]**
(a) सहारिया (b) कंजर
(c) भील-मीणा (d) गरासिया

10. **आदिवासियों में प्रचलित लीला-मोरिया संस्कार किस अवसर से जुड़ा हुआ है?** **[ASST. Agri Officer - 2018]**
(a) विवाह (b) सगाई
(c) जन्म (d) नामकरण

11. **विधान (A):** राजस्थान के जनजाति वर्ग में मीणों की संख्या सर्वाधिक है
तर्क (R): राजस्थान में राजपूती के राज्य स्थापित होने के पूर्व विभिन्न भागों में मीणाओं के राज्य थे **[Agriculture Officer - 2011]**
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है

12. **राजस्थान में जनजातियों में संख्या की दृष्टि दूसरी प्रमुख जनजाति है -** **[Agriculture Officer - 2011]**
(a) गरासियाँ (b) सहारिया
(c) भील (d) कंजर

13. **भील जनजाति में कछावू कौन पहनता है?**
[Agriculture Officer - 2011]
(a) पुरुष (b) महिलाएँ
(c) नवयुवक लड़का (d) बालक

14. **निम्नलिखित में से कौन-सी जाति अनुसूचित जाति नहीं है?**
[PTI GRADE III EXAM - 2011]
(a) नट (b) गंवारिया
(c) गरासिया (d) बेड़िया

15. **भील जनजाति विवाह के अवसर पर, मंडप की सजावट किस वृक्ष की पत्तियों से करते हैं?** **[LECTURER- - 2021]**
(a) नीम (b) अशोक
(c) आम (d) बबूल

16. **राजस्थान की कौन सी जनजाति प्रमुखता से बारां जिले की शाहाबाद और किशनगंज तहसील में निवास कर रही है?**
[Yoga and Prakritik Chikitsa Adhikari - 2020]
(a) भील (b) मीणा
(c) सहारिया (d) गरासिया

17. **गरासिया जनजाति प्रमुखत: पाई जाती है**
[VETERINARY OFFICER - 2019]
(a) बारां जिले में (b) सिरोही जिले में
(c) जोधपुर जिले में (d) अलवर जिले

CERAMIC ACADEMY Shaping the future...

Answer Key

1	c	2	d	3	a	4	c	5	d	6	c	7	d	8	a	9	d	10	a
11	a	12	c	13	b	14	c	15	c	16	c	17	b						

RAS Mains PYQ

Q. राजस्थान में सहरिया जनजाति के आवास, अर्थव्यवस्था तथा समाज का वर्णन कीजिए एवं सहरिया जनजाति के उत्थान के लिए सरकार की नीतियों की विवेचना कीजिए। [RAS Mains 2024 (10 Marks)]

Q. राजस्थान में भील जनजाति के आवास, अर्थव्यवस्था एवं समाज का वर्णन कीजिये। [RAS Mains 2016 (10 Marks)]

Q. 'वालरा' से आपका क्या आशय है ? [RAS Mains 2016 (Sp.) (2 Marks)]

Q. राजस्थान की 'गरासिया' जनजाति की सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [RAS Mains 2016 (Sp.) (10 Marks)]

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

Notes

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future...

CERAMIC ACADEMY
Shaping the future....
RAS RESULT 2024
2024
#TRANSPARENT RESULT
Dedication + Guidance + Smart Strategy = Success
OUR TOP RANKERS – OUR PROUD MOMENT
RANK 1
DINESH BISHNOI
RAS MAINS COMBO COURSE
RANK 2
VIRENDRA CHARAN
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 8
SHALLU
RAS MAINS COURSE (HINDI+ENGLISH)
RANK 15
ABHAY SINGH
RAS MAINS PUB.AD. & ETHICS
RANK 22
VIRENDRA GADHWAL
RAS MAINS COMBO COURSE
RANK 23
SAHDEV BIDADA
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 26
AANCHAL NAGPAL
RAS PRE COMBO, MAINS ONLINE TEST SERIES
RANK 32
DIVYARAJ SINGH
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 41
PRASHASTI SINGH
RAS MAINS ECONOMY
RANK 44
AMIT PARIHAR
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 49
RAMAVATAR MUNDEL
LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 56
ANJALI JOSHI
LIBRARY PROGRAM MAINS COMBO COURSE, MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 60
RAJA RAM TETARWAL
RAS FOUNDATION BATCH
RANK 65
ARIMARDAN SINGH
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 73
JAYESH
CURRENT AFFAIRS COURSE
RANK 74
MAHENDRA DAN
LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 76
SIDDHARTH DHAKAD
RAS MAINS COMBO COURSE
RAS PRE COMBO BATCH
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 79
NITESH GUPTA
LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
RANK 84
SHYAM SUNDER MEENA
RAS MAINS COMBO COURSE
RAS MAINS ONLINE TEST SERIES
RAS PRE COMBO
RANK 92
RIYA SHARMA
RAS MAINS COMBO COURSE
OUR COURSES
RAS FOUNDATION BATCH
RAS MAINS COMBO COURSE
RAS MAINS OFFLINE TEST SERIES
RAS MAINS ECONOMY
CURRENT AFFAIRS COURSE
RAS PRE COMBO BATCH, MAINS ONLINE TEST SERIES
LIBRARY PROGRAM MAINS OFFLINE TEST SERIES
RAS MAINS COURSE (HINDI + ENGLISH)
RAS MAINS PUB. AD. & ETHICS
RIGHT GUIDANCE
RIGHT STRATEGY
RIGHT RESULTS
EXPERT FACULTY
PROVEN STRATEGY
PERSONALIZED MENTORSHIP
REGULAR TEST SERIES
SMART STUDY MATERIAL
CERAMIC ACADEMY
Opposite Health Point Hospital,
80 Feet Road, Mahesh Nagar,
Jaipur - 302019
+91 97005 - 77774
+91 97005 - 77778
www.ceramicacademy.in
ADMISSIONS OPEN
Prepare Smart, Achieve Success!